15वें राष्ट्रपतीय चुनाव : समग्र विश्लेषण

भारतीय लोकतांत्रिक ताने-बाने में राष्ट्रपति पद की अपनी एक गरिमा है। यह पद हमारे लोकतंत्र और गणतंत्र का मुकुट है। राष्ट्रपति का चुनाव भारतीय लोकतंत्र का एक ऐसा पर्व है, जिसमें आम जनमानस की प्रत्यक्ष भागीदारी न होते हुए भी सभी की उत्सुकता बनी रहती है, क्योंकि मुद्दा परिवार (राष्ट्र) के मुखिया (राष्ट्राध्यक्ष) के चुनाव का होता है। राष्ट्रपति का पद देश की एकता का भी प्रतीक है। यह एकमात्र ऐसा पद है, जिसका निर्वाचक मंडल इतना विशाल है कि अप्रत्यक्ष रूप से ही सही पूरा देश इससे जुड़ा होता है।

संविधान के अनुच्छेद 62 में प्रावधान है कि पदासीन राष्ट्रपति का कार्यकाल समाप्त होने से पहले ही नए राष्ट्रपति के निर्वाचन की प्रक्रिया पूरी हो जानी चाहिए। यदि किसी असाधारण स्थिति में निर्वाचन समय से न हो पाए अथवा नवनिर्वाचित राष्ट्रपति किन्हीं कारणों से यथासमय पद गहण न कर पाए, तो संविधान का अनुच्छेद 56(ग) प्रभावी होगा, जिसमें कहा गया है कि अपने पद की अवधि समाप्त हो जाने पर भी राष्ट्रपति तब तक अपने पद पर बना रहेगा, जब तक उसका उत्तराधिकारी अपना पद ग्रहण नहीं कर लेता।

संविधान द्वारा प्रदत्त इन्हीं व्यवस्थाओं के तहत हाल ही में 15वें राष्ट्रपतीय चुनाव संपन्न हुए।

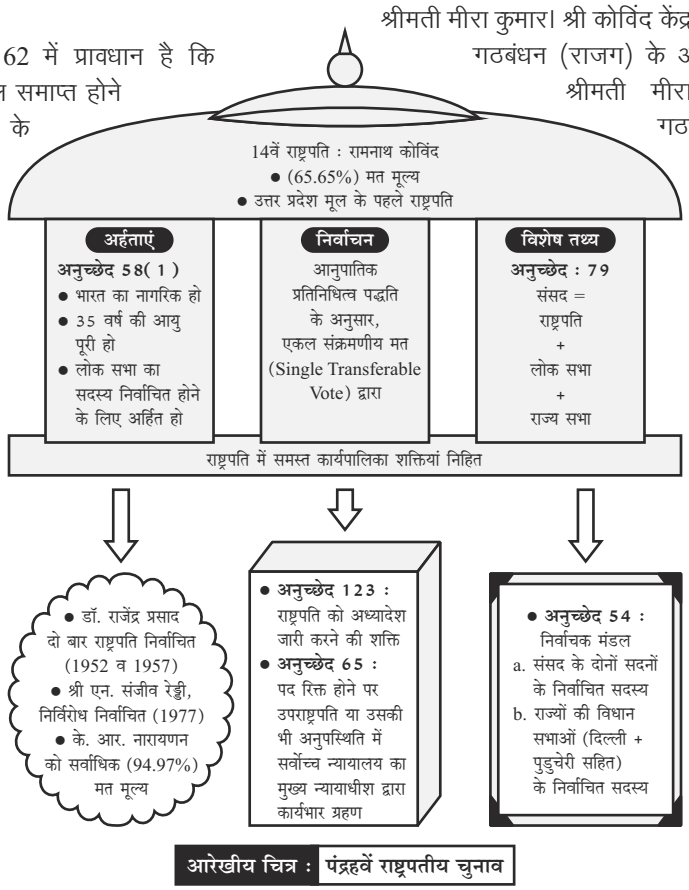

आरेखीय चित्र : पंद्रहवें राष्ट्रपतीय चुनाव

❑ 15वां राष्ट्रपतीय चुनाव

भारत के 14वें राष्ट्रपति के निर्वाचन लिए 15वें राष्ट्रपतीय चुनाव संबंधी अधिसूचना 14 जून, 2017 को जारी की गई। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख 28 जून, नामांकन पत्रों की जांच की तारीख 29 जून, अभ्यर्थिता वापस लेने की अंतिम तारीख 1 जुलाई, मतदान की तिथि 17 जुलाई तथा मतगणना की तिथि 20 जुलाई थी। निर्वाचन आयोग द्वारा 15वें राष्ट्रपतीय चुनाव के लिए लोक सभा के महासचिव अनूप मिश्रा को निर्वाचन अधिकारी (Returning Officer) नियुक्त किया गया था।

15वें राष्ट्रपतीय चुनाव में उम्मीदवारों द्वारा अभ्यर्थिता वापस लेने की अंतिम तिथि के बाद दो वैध प्रत्याशी ही चुनाव मैदान में थे- बिहार के पूर्व राज्यपाल श्री रामनाथ कोविंद तथा पूर्व लोक सभा अध्यक्ष श्रीमती मीरा कुमार। श्री कोविंद केंद्र में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के अधिकृत उम्मीदवार थे, जबकि श्रीमती मीरा कुमार संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) तथा अन्य विपक्षी दलों द्वारा समर्थित उम्मीदवार थीं।

17 जुलाई, 2017 को हुए मतदान में कुल अधिकृत 771 संसद सदस्यों (4 पद रिक्त और 1 निरर्हित) में से 768 सदस्यों (99.61%) ने मतदान किया। इसी प्रकार मतदान के लिए अधिकृत कुल 4109 विधान सभा सदस्यों (10 पद रिक्त और 1 निरर्हित) में से 4083 सदस्यों (99.37%) ने मतदान किया। सांसदों के लिए हरे रंग के मत पत्र तथा विधायकों के लिए गुलाबी रंग के मत पत्र की व्यवस्था की गई थी।

निर्वाचक मंडल के दो सदस्यों नामतः नरोत्तम मिश्रा और छेदी पासवान को आर.पी. एक्ट, 1951 के सेक्शन 8 और सेक्शन 10A के तहत अयोग्य घोषित किया गया था।

इस चुनाव में कुल 4851 मत पड़े, जिसमें से 4774 मत वैध 77 मत अवैध पाए गए। 4774 वैध मतों का कुल मत मूल्य 10,69,358 है।

A. राज्य विधान सभाओं के निर्वाचित सदस्यों के मतों का मूल्य

क्र. सं.	राज्य	विधान सभा में निर्वाचित सदस्यों की संख्या	जनसंख्या (1971 जनगणना)	प्रत्येक विधायक के मत का मूल्य	राज्य के मतों का कुल मूल्य
1.	आंध्र प्रदेश	175	27800586	159	159 × 175 = 27825
2.	अरुणाचल प्रदेश	60	467511	8	008 × 060 = 480
3.	असम	126	14625152	116	116 × 126 = 14616
4.	बिहार	243	42126236	173	173 × 243 = 42039
5.	छत्तीसगढ़	90	11637494	129	129 × 090 = 11610
6.	गोवा	40	795120	20	020 × 040 = 800
7.	गुजरात	182	26697475	147	147 × 182 = 26754
8.	हरियाणा	90	10036808	112	112 × 090 = 10080
9.	हिमाचल प्रदेश	68	3460434	51	051 × 068 = 3468
10.	जम्मू एवं कश्मीर	87	6300000	72	072 × 087 = 6264
11.	झारखंड	81	14227133	176	176 × 081 = 14256
12.	कर्नाटक	224	29299014	131	131 × 224 = 29344
13.	केरल	140	21347375	152	152 × 140 = 21280
14.	मध्य प्रदेश	230	30016625	131	131 × 230 = 30130
15.	महाराष्ट्र	288	50412235	175	175 × 288 = 50400
16.	मणिपुर	60	1072753	18	018 × 060 = 1080
17.	मेघालय	60	1011699	17	017 × 060 = 1020
18.	मिजोरम	40	332390	8	008 × 040 = 320
19.	नगालैंड	60	516449	9	009 × 060 = 540
20.	ओडिशा	147	21944615	149	149 × 147 = 21903
21.	पंजाब	117	13551060	116	116 × 117 = 13572
22.	राजस्थान	200	25765806	129	129 × 200 = 25800
23.	सिक्किम	32	209843	7	007 × 032 = 224
24.	तमिलनाडु	234	41199168	176	176 × 234 = 41184
25.	तेलंगाना	119	15702122	132	132 × 119 = 15708
26.	त्रिपुरा	60	1556342	26	026 × 060 = 1560
27.	उत्तराखंड	70	4491239	64	064 × 070 = 4480
28.	उत्तर प्रदेश	403	83849905	208	208 × 403 = 83824
29.	प. बंगाल	294	44312011	151	151 × 294 = 44394
30.	रा.रा.क्षेत्र दिल्ली	70	4065698	58	058 × 070 = 4060
31.	पुडुचेरी	30	471707	16	016 × 030 = 480
	कुल योग	**4120**	**549302005**		**= 549495**

B. संसद के निर्वाचित सदस्यों के मतों का मूल्य

लोक सभा के निर्वाचित सदस्यों की संख्या = 543

राज्य सभा के निर्वाचित सदस्यों की संख्या = 233

संसद के कुल निर्वाचित सदस्यों की संख्या = 543 + 233 = 776

राज्यों की विधान सभाओं के निर्वाचित सदस्यों के मतों का कुल मूल्य = 549495

अतः संसद के प्रत्येक निर्वाचित सदस्य के मत का मूल्य $= \frac{549495}{776} = 708.11$

= 708

संसद के सभी सदस्यों के मतों का कुल मूल्य = 708 × 776 = 549408

C. निर्वाचक मंडल के सदस्यों की कुल संख्या = विधायक (4120) + सांसद (776) = 4896

D. सभी 4896 निर्वाचकों के मतों का कुल मूल्य = 549495 + 549408 = 1098903

श्री रामनाथ कोविंद : संक्षिप्त परिचय

जन्म - 1 अक्टूबर, 1945 को परौंख गांव, डेरापुर, कानपुर देहात, उत्तर प्रदेश (तत्कालीन संयुक्त प्रांत)

पत्नी - श्रीमती सविता कोविंद

संसद सदस्य (राज्य सभा) - 3 अप्रैल, 1994 से 2 अप्रैल, 2006

बिहार के राज्यपाल - 16 अगस्त, 2015 से 21 जून, 2017

नोट : श्री कोविंद उत्तर प्रदेश मूल के पहले राष्ट्रपति हैं।

इसमें से 7,02,044 मत मूल्य (65.65%) श्री रामनाथ कोविंद को मिले, जबकि श्रीमती मीरा कुमार को 3,67,314 मत मूल्य (34.35%) प्राप्त हुए। इस प्रकार श्री रामनाथ कोविंद भारत के 14वें राष्ट्रपति निर्वाचित हुए।

❑ राष्ट्रपतीय चुनाव : संवैधानिक व्यवस्था

भारतीय राष्ट्रपति का चुनाव अप्रत्यक्ष निर्वाचन प्रणाली का एक आदर्श नमूना है। जब संविधान सभा के समक्ष राष्ट्रपति के चुनाव का प्रश्न आया, तो एक सुझाव था कि केवल संसद के दोनों सदनों के सदस्य राष्ट्रपति का चुनाव करें, परंतु ऐसा राष्ट्रपति संघ के संघटक राज्यों का समुचित प्रतिनिधित्व नहीं करता। साथ ही भारत में संघीय व्यवस्था अपनाए जाने और तदनुसार, संघ एवं राज्यों का सह-अस्तित्व स्वीकार किए जाने के कारण राष्ट्रपति के निर्वाचन में संघ एवं राज्यों का समानुपातिक प्रतिनिधित्व आवश्यक माना गया। एक दूसरा सुझाव यह भी था कि राष्ट्रपति का चुनाव वयस्क मताधिकार के आधार पर आम जनता द्वारा हो। परंतु, ऐसी स्थिति में राष्ट्रपति मंत्रिपरिषद का प्रतिद्वंद्वी शक्ति-केंद्र बन सकता था जो कि संसदीय उत्तरदायित्व प्रणाली के प्रतिकूल होता। पं. नेहरू ने संविधान सभा में इस संदर्भ में कहा था ''न तो हमारे राष्ट्रपति का प्रत्यक्ष निर्वाचन हो सकता है और न ही हम उसे 'वास्तविक शक्तियां' दे सकते हैं।''

तदनुसार, संविधान के **अनु. 54** के तहत राष्ट्रपति का निर्वाचन ऐसे निर्वाचक मंडल (Electoral College) के सदस्य करते हैं, जिसमें (a) संसद के दोनों सदनों के निर्वाचित सदस्य और (b) राज्यों की विधान सभाओं (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली और पुडुचेरी की विधान सभाओं सहित-सत्तरवें संविधान संशोधन, 1992 से; 1 जून, 1995 से लागू) के निर्वाचित सदस्य शामिल होते हैं। लोक सभा, राज्य सभा एवं राज्यों की विधान सभाओं के मनोनीत सदस्य राष्ट्रपति के चुनाव के निर्वाचक मंडल में शामिल नहीं होते हैं।

(a) संसद के दोनों सदनों के निर्वाचित सदस्य और (b) राज्यों की विधान सभाओं (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली और पुडुचेरी की विधान सभाओं सहित-सत्तरवें संविधान संशोधन, 1992 से; 1 जून, 1995 से लागू) के निर्वाचित सदस्य शामिल होते हैं। लोक सभा, राज्य सभा एवं राज्यों की विधान सभाओं के मनोनीत सदस्य राष्ट्रपति के चुनाव के निर्वाचक मंडल में शामिल नहीं होते हैं।

संविधान के **अनु. 55** में राष्ट्रपति के निर्वाचन की रीति दी गई है। **अनु. 55(1)** के अनुसार, जहां तक साध्य हो, राष्ट्रपति के निर्वाचन में भिन्न-भिन्न राज्यों के प्रतिनिधित्व के मापमान में एकरूपता होगी तथा **अनु. 55(2)** के तहत राज्यों में आपस में ऐसी एकरूपता तथा समस्त राज्यों और संघ में समतुल्यता प्राप्त कराने के लिए संसद और प्रत्येक राज्य की विधान सभा का प्रत्येक निर्वाचित सदस्य ऐसे निर्वाचन में जितने मत देने का हकदार है, उसकी संख्या (अर्थात किसी सदस्य के एक मत का मूल्य कितना होगा) निम्नलिखित प्रकार से अवधारित की जाएगी-

a. किसी राज्य की विधान सभा के प्रत्येक निर्वाचित सदस्य के उतने मत होंगे जितने कि एक हजार के गुणित उस भागफल में हों, जो राज्य की जनसंख्या को उस विधान सभा के निर्वाचित सदस्यों की कुल संख्या से भाग देने पर आए।

b. यदि एक हजार के उक्त गुणितों को लेने के बाद शेष पांच सौ से कम नहीं है, तो उक्त प्रत्येक सदस्य के मतों की संख्या में एक और जोड़ दिया जाएगा।

c. संसद के प्रत्येक सदन के प्रत्येक निर्वाचित सदस्य के मतों की संख्या वह होगी, जो उपर्युक्त प्रक्रिया के तहत सभी राज्यों (दिल्ली एवं पुडुचेरी सहित) की विधान सभाओं के सभी निर्वाचित सदस्यों के लिए नियत कुल मतों की संख्या को, संसद के दोनों सदनों के निर्वाचित सदस्यों की कुल संख्या से भाग देने पर आए, जिसमें आधे से अधिक भिन्न को एक गिना जाएगा तथा अन्य भिन्नों की उपेक्षा की जाएगी।

84वें संविधान संशोधन, 2001 से यह प्रावधान किया गया है कि जब तक वर्ष 2026 के बाद की प्रथम जनगणना के सुसंगत आंकड़े प्रकाशित नहीं हो जाते तब तक राष्ट्रपतीय चुनाव के लिए अनु. 55 के तहत मतों के मूल्य की गणना के लिए 'जनसंख्या' से वर्ष 1971 की जनगणना के आंकड़े अभिप्रेत हैं।

वस्तुतः, संविधान में विहित राष्ट्रपति के निर्वाचन की रीति का उद्देश्य है कि संघीय विधायिका अर्थात संसद के दोनों सदनों के मतों का मूल्य राज्यों की विधान सभाओं के मतों के मूल्य के समतुल्य हो और इस प्रकार राष्ट्रपति के निर्वाचन में संघ एवं राज्यों का समान प्रतिनिधित्व हो। विधान सभाओं के सदस्यों के मतों का मूल्य संबंधित राज्य की जनसंख्या पर निर्भर करता है अर्थात प्रत्येक सदस्य कितनी जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करता है। इसे निम्नलिखित उदाहरण से समझा जा सकता है–

आंध्र प्रदेश की कुल जनसंख्या (1971 जनगणना) : 27,800,586

राज्य विधान सभा में निर्वाचित सदस्यों की कुल संख्या : 175

$$\text{प्रत्येक सदस्य के मत का मूल्य} = \frac{27,800,586}{1000 \times 175}$$

$$= 159$$

अनु. 55(2) के प्रावधानों के अनुसार, 14वें राष्ट्रपतीय चुनावों के लिए सभी राज्यों की विधान सभाओं के निर्वाचित सदस्यों तथा संसद के दोनों सदनों के निर्वाचित सदस्यों के मतों का मूल्य अग्रलिखित सारणी में प्रस्तुत किया गया है-

संविधान के **अनु. 55(3)** के तहत राष्ट्रपति का निर्वाचन **आनुपातिक प्रतिनिधित्व पद्धति के अनुसार, एकल संक्रमणीय मत** (Single Transferable Vote) द्वारा होता है और ऐसे निर्वाचन में **मतदान गुप्त** होता है। राष्ट्रपति के निर्वाचन में मतदान की गोपनीयता अत्यधिक महत्वपूर्ण है। इसके निर्वाचक मंडल के सदस्य अपने दलों के निर्देशों से बंधे नहीं होते तथा प्रत्येक सदस्य बगैर किसी दबाव के जिसे चाहे उसे अपना मत देने के लिए स्वतंत्र होता है अथवा वह चाहे तो मतदान से स्वयं को पृथक भी रख सकता है। वस्तुतः आईपीसी की धारा **171A(b)**, जिसमें चुनावों में मतदाता का 'निर्वाचक अधिकार' वर्णित है, इस संदर्भ में भी लागू होती है। संविधान के किसी भी अनुच्छेद और किसी भी विधि में यह नहीं कहा गया है कि राष्ट्रपति के निर्वाचन में मतदान दलीय आधार पर होगा या दलों के सदस्य दल सचेतक (Whip) से बाध्य होंगे। वस्तुतः गोपनीय मतदान की स्थिति में दल सचेतक का कोई अर्थ नहीं है, क्योंकि न तो उसकी अवहेलना का पता लगाया जा सकता है और न ही उसके लिए किसी सजा का प्रावधान है। राष्ट्रपति के निर्वाचन के संदर्भ में संविधान की 10वीं अनुसूची का दल-बदल विरोधी कानून लागू नहीं होता है। सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य सभा चुनावों के संदर्भ में **पशुपति नाथ बनाम नेमिचंद्र जैन** (AIR 1984 SC 399) और **कुलदीप नैय्यर बनाम**

भारत संघ (AIR 2006 SC 3127) के मामलों में यह निर्धारित किया है कि राज्य विधान सभाओं के सदस्यों द्वारा राज्य सभा चुनावों में मतदान गैर-विधायी कार्य है तथा इसे सदन की कार्यवाही का हिस्सा नहीं माना जा सकता और तदनुसार, 10वीं अनुसूची के प्रावधान इस पर लागू नहीं होते। निर्वाचन आयोग द्वारा इसी आधार पर राष्ट्रपतीय चुनाव में भी निर्वाचक मंडल के सदस्यों के मतदान को सदन की कार्यवाही से पृथक मानते हुए 10वीं अनुसूची के दायरे से बाहर माना गया है। साथ ही निर्वाचन आयोग ने यह भी निर्धारित किया है कि राजनीतिक दल यद्यपि राष्ट्रपति पद के किसी प्रत्याशी को मत देने या न देने के लिए निर्वाचक मंडल के सदस्यों से अपील या अनुरोध कर सकते हैं, परंतु वे इस संदर्भ में दल सचेतक या निर्देश जारी नहीं कर सकते, क्योंकि यह आईपीसी की धारा **171C** के तहत अनुचित रूप से मतदाताओं को प्रभावित करने के अपराध के तुल्य होगा। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1969 में स्वयं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने कांग्रेस पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी श्री एन. संजीव रेड्डी के पक्ष में दल सचेतक जारी करने का विरोध किया था तथा निर्वाचक मंडल के सदस्यों द्वारा स्वविवेक के आधार पर किए गए मतदान से ही निर्दलीय प्रत्याशी श्री वी.वी. गिरि राष्ट्रपति चुने गए थे।

प्रख्यात संविधानविद् **डॉ. सुभाष काश्यप** के अनुसार, ''राष्ट्रपतीय निर्वाचन प्रक्रिया में एक प्रमुख विसंगति भी है। संभवतः अल्पसंख्यकों को प्रतिनिधित्व प्रदान करने की दृष्टि से आनुपातिक प्रतिनिधित्व पद्धति के अनुसार, एकल संक्रमणीय मत द्वारा निर्वाचन का प्रावधान किया गया। संविधान सभा में यह प्रावधान बिना किसी विवेचन और बगैर किसी वाद-विवाद के पारित हो गया। वस्तुतः इस पद्धति की सार्थकता केवल उस स्थिति में है, जब निर्वाचक मंडल को एक से अधिक व्यक्ति का चयन करना हो अर्थात एक से अधिक स्थानों के लिए चुनाव हो रहा हो। वस्तुतः जिस प्रकार हमारे राष्ट्रपति का चुनाव होता है, अधिक तर्कसंगत होगा, यदि इस पद्धति को **'अनुकल्पी मत पद्धति'** (System of Alternate Vote) कहा जाए, क्योंकि व्यवहार में उसका रूप वैसा ही है। जिस प्रकार मतों की गणना की जाती है, वह अनुकल्पी मत पद्धति के ही अनुरूप है।''

जहां तक राष्ट्रपतीय चुनाव में उम्मीदवारी के लिए पात्रता का प्रश्न है, संविधान के **अनु. 58** में किसी व्यक्ति के राष्ट्रपति निर्वाचित होने के लिए अर्हताएं दी गई हैं। **अनु. 58(1)** के अनुसार, कोई व्यक्ति राष्ट्रपति निर्वाचित होने का पात्र तभी होगा, जब वह (i) भारत का नागरिक हो; (ii) 35 वर्ष की आयु पूरी कर चुका हो; तथा

(iii) लोक सभा का सदस्य निर्वाचित होने के लिए अर्हित हो। **अनु. 58(2)** में विहित है कि कोई व्यक्ति, जो भारत सरकार के या किसी राज्य की सरकार के अधीन अथवा उक्त सरकारों में से किसी के नियंत्रण में किसी स्थानीय या अन्य प्राधिकारी के अधीन कोई लाभ का पद धारण करता है, राष्ट्रपति निर्वाचित होने का पात्र नहीं होगा। तथापि अनु. 58 के प्रयोजनों के लिए, कोई व्यक्ति केवल इस कारण कोई लाभ का पद धारण करने वाला नहीं समझा जाएगा कि वह संघ का राष्ट्रपति या उपराष्ट्रपति या किसी राज्य का राज्यपाल है अथवा संघ का या किसी राज्य का मंत्री है। उल्लेखनीय है कि एस. राधाकृष्णन, जाकिर हुसैन, आर. वेंकटरमण, शंकर दयाल शर्मा और के.आर. नारायणन ने उपराष्ट्रपति पद पर रहते हुए राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ा था, जबकि वर्ष 1969 में तत्कालीन उपराष्ट्रपति वी.वी. गिरि तथा लोक सभा अध्यक्ष एन. संजीव रेड्डी ने अपने पदों से इस्तीफा देकर राष्ट्रपति पद के लिए अपने नामांकन पत्र भरे थे।

❑ राष्ट्रपतीय चुनाव : विधि एवं प्रक्रिया

वस्तुतः राष्ट्रपति पद के लिए निर्वाचन प्रक्रिया काफी जटिल है। फिर भी यह महत्वपूर्ण है कि हम जानें और समझें कि हमारा राष्ट्रपति किस प्रकार निर्वाचित होता है।

हमारे संविधान निर्माताओं ने जहां एक ओर देश को ब्रिटेन के ढंग की संसदीय प्रणाली दी, वहीं साथ ही उसे संयुक्त राज्य अमेरिका की तरह एक गणराज्य बनाया तथा एक निर्वाचित राष्ट्रपति को राज्याध्यक्ष बनाने का प्रावधान किया। अमेरिकी राष्ट्रपति प्रणाली को भारत में लागू करने के पक्षधर सुझाव देते हैं कि हमारे राष्ट्रपति का निर्वाचन भी अमेरिका की तरह सीधे जनता द्वारा, वयस्क मताधिकार के आधार पर आम चुनाव के द्वारा होना चाहिए। सुझाव के पीछे एक भ्रांति है जिसका निराकरण आवश्यक है। सच यह है कि अमेरिका में भी राष्ट्रपति का निर्वाचन भारत की ही तरह एक निर्वाचक मंडल के द्वारा होता है। अंतर केवल इतना है कि अमेरिका में इस निर्वाचक मंडल के सदस्य जनता द्वारा, अलग से, केवल राष्ट्रपति के चुनाव के निमित्त चुने जाते हैं, जबकि भारत में संसद और विधान सभाओं के निर्वाचित सदस्यों को ही निर्वाचक मंडल मान लिया जाता है और एक अतिरिक्त आम चुनाव की आवश्यकता नहीं पड़ती। किंतु, इसका एक पक्ष यह भी है कि जहां अमेरिका में राष्ट्रपति के निर्वाचन में आम जनता की एक महत्वपूर्ण भूमिका रहती है, भारत में राष्ट्रपति के निर्वाचन से आम आदमी का कुछ लेना-देना नहीं होता।

संविधान के **अनु. 324** के तहत संसद और प्रत्येक राज्य विधान मंडल के साथ-साथ राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति के पदों के लिए भी निर्वाचनों के संचालन का अधीक्षण, निर्देशन एवं नियंत्रण भारत के निर्वाचन आयोग में निहित है। राष्ट्रपति के निर्वाचन संबंधी विधि एवं प्रक्रिया (सांविधानिक व्यवस्था के अतिरिक्त) **'राष्ट्रपतीय और उप-राष्ट्रपतीय निर्वाचन अधिनियम, 1952'** (यथा संशोधित) तथा **'राष्ट्रपतीय और उप-राष्ट्रपतीय निर्वाचन नियम, 1974'** में वर्णित है।

वेंकैया नायडू उपराष्ट्रपति निर्वाचित

5 अगस्त, 2017 को हुए 15वें उपराष्ट्रपति चुनाव में वेंकैया नायडू भारत के उपराष्ट्रपति निर्वाचित हुए। राजग (NDA) के उम्मीदवार श्री नायडू ने संप्रग (UPA) समर्थित उम्मीदवार श्री गोपालकृष्ण गांधी को पराजित किया। इस चुनाव में मतदाताओं (संसद सदस्यों) की कुल संख्या 785 थी, जिसमें से 771(98.2%) मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जबकि 14 सांसद अनुपस्थित रहे। कुल पड़े मतों (771) में से 11 मत अवैध रहे। कुल 760 वैध मतों में से श्री वेंकैया नायडू को 516 प्रथम वरीयता मत प्राप्त हुए, जबकि श्री गोपालकृष्ण गांधी 244 मत ही प्राप्त कर सके। वेंकैया नायडू देश के व्यक्ति-अनुसार 13वें तथा कार्यकाल-अनुसार 15वें उपराष्ट्रपति हैं। वेंकैया नायडू को कुल वैध मतों का लगभग 68 प्रतिशत, जबकि गोपालकृष्ण गांधी को लगभग 32 प्रतिशत मत प्राप्त हुए। दोनों उम्मीदवारों के बीच मतों का अंतर (272) गोपालकृष्ण गांधी द्वारा प्राप्त कुल मतों (244) से भी अधिक है।

भारत के राष्ट्रपति			
नाम	पद धारण अवधि	कार्यकाल अनुसार क्रम	व्यक्ति अनुसार क्रम
डॉ. राजेंद्र प्रसाद	26 जनवरी, 1950–13 मई, 1962	1-3	1
डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन	13 मई, 1962–13 मई, 1967	4	2
डॉ. जाकिर हुसैन	13 मई, 1967–3 मई, 1969	5	3
वराहगिरि वेंकट गिरि (कार्यवाहक)	3 मई, 1969–20 जुलाई, 1969	–	–
न्यायमूर्ति मुहम्मद हिदायतुल्लाह (कार्यवाहक)	20 जुलाई, 1969–24 अगस्त, 1969	–	–
वराहगिरि वेंकट गिरि	24 अगस्त, 1969–24 अगस्त, 1974	6	4
डॉ. फखरुद्दीन अली अहमद	24 अगस्त, 1974 –11 फरवरी, 1977	7	5
बी.डी. जत्ती (कार्यवाहक)	11 फरवरी, 1977–25 जुलाई, 1977	–	–
नीलम संजीव रेड्डी	25 जुलाई, 1977–25 जुलाई, 1982	8	6
ज्ञानी जैल सिंह	25 जुलाई, 1982–25 जुलाई, 1987	9	7
आर. वेंकटरमण	25 जुलाई, 1987–25 जुलाई, 1992	10	8
डॉ. शंकर दयाल शर्मा	25 जुलाई, 1992–25 जुलाई, 1997	11	9
डॉ. के.आर. नारायणन	25 जुलाई, 1997–25 जुलाई, 2002	12	10
डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम	25 जुलाई, 2002–25 जुलाई, 2007	13	11
प्रतिभा पाटिल	25 जुलाई, 2007–25 जुलाई, 2012	14	12
प्रणब मुखर्जी	25 जुलाई, 2012–25 जुलाई, 2017	15	13
रामनाथ कोविंद	25 जुलाई, 2017–अब तक	16	14

निर्वाचन आयोग प्रत्येक राष्ट्रपतीय चुनाव के लिए एक निर्वाचन अधिकारी (Returning Officer) की नियुक्ति करता है। परंपरानुसार यह दायित्व क्रमिक रूप से लोक सभा और राज्य सभा के महासचिवों को सौंपा जाता है। राष्ट्रपति के कार्यकाल के समापन से होने वाली रिक्ति को भरने के लिए निर्वाचन की स्थिति में, निर्वाचन आयोग द्वारा अधिसूचना, पदावरोही राष्ट्रपति की पदावधि के अवसान से पूर्व के 60वें दिन या उसके पश्चात यथाशीघ्र जारी की जाती है और इसके तहत निर्वाचन प्रक्रिया इस प्रकार से पूरी की जाती है कि निर्वाचित राष्ट्रपति अपना पदग्रहण, पदावरोही राष्ट्रपति की पदावधि के अवसान के अगले दिन कर सके।

राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी के नामांकन पत्र पर निर्वाचक मंडल के कम-से-कम 50 सदस्यों के प्रस्तावकों (Proposers) के रूप में तथा कम-से-कम 50 सदस्यों के अनुसमर्थकों (Seconders) के रूप में हस्ताक्षर होने आवश्यक हैं (पहले प्रस्तावकों एवं अनुसमर्थकों की आवश्यक संख्या 10-10 ही थी, जिसे वर्ष 1997 के संशोधन से बढ़ाकर 50-50 किया गया)।

राष्ट्रपतीय चुनाव में मतदान दिल्ली में संसद भवन में तथा दिल्ली एवं पुडुचेरी सहित प्रत्येक राज्य की राजधानी में विधान सभा परिसर में होता है। सामान्यतः संसद सदस्य संसद भवन में तथा विधान सभा सदस्य अपने विधान सभा परिसर में मतदान करते हैं तथापि किसी विधान सभा के सदस्य मतदान के दिन दिल्ली में रहने पर संसद भवन में तथा इसी प्रकार संसद सदस्य अपने राज्य के विधान सभा परिसर में मतदान कर सकते हैं, परंतु इसके लिए निर्वाचन आयोग को पूर्व सूचना देना आवश्यक है।

राष्ट्रपति के चुनाव में मतदान समाप्त होने के पश्चात सभी राज्यों से मत पेटियां दिल्ली लाई जाती हैं तथा नियत तिथि पर निर्वाचन अधिकारी द्वारा संसद भवन में मतगणना संपन्न होती है।

भारत के पूर्व राष्ट्रपतियों में **डॉ. राजेंद्र प्रसाद** एकमात्र ऐसे व्यक्ति रहे हैं जो दो बार (1952 एवं 1957 में) राष्ट्रपति पद हेतु निर्वाचित हुए हैं, जबकि **श्री एन. संजीव रेड्डी** ही अब तक इस पद के लिए निर्विरोध निर्वाचित होने वाले (1977 में) अकेले व्यक्ति रहे हैं। 1977 के राष्ट्रपतीय चुनाव के अतिरिक्त अब तक के सभी राष्ट्रपतीय चुनावों में सर्वाधिक मत मूल्य प्राप्त करने वाले प्रत्याशी **श्री के.आर. नारायणन** रहे हैं, जिनके मतों का मूल्य वर्ष 1997 के चुनाव में 9,56,290 (94.97%) रहा था। राष्ट्रपति पद के लिए अब तक की सबसे कड़ी टक्कर श्री वी.वी. गिरि और श्री एन. संजीव रेड्डी के बीच वर्ष 1969 में हुई थी, जिसमें प्रथम वरीयता मतों के आधार पर निर्णय नहीं हो सका था और दूसरी वरीयता मतों की गणना के आधार पर कई दौरों के बाद श्री गिरि अपेक्षित कोटा प्राप्त कर निर्वाचित होने में सफल हुए थे।

❑ निष्कर्ष

25 जुलाई, 2017 को श्री रामनाथ कोविंद द्वारा राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के साथ ही देश को नया राष्ट्राध्यक्ष मिल गया। राष्ट्रपति, सरकार के लिए दिशा निर्देशक का काम करता है। वह जनता की अंतिम आशा है, जिसे कोई भी सरकार नजर अंदाज नहीं कर सकती। चूंकि राष्ट्रपति दलीय राजनीति से इतर होता है, इसलिए उनकी राय को जनता, देशहित में देखती है। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती खुद को दलगत पक्षधरता से पूर्णतः मुक्त रखने की है।

लोकतांत्रिक तकाजे के तहत राष्ट्रपति द्वारा पद की गरिमा बनाए रखते हुए सरकार और राष्ट्रपति भवन के बीच संतुलन के साथ देश को परम वैभव तक पहुंचाने के अपने दायित्व के निरपेक्ष भाव से निर्वहन की अपेक्षा है।

■■■

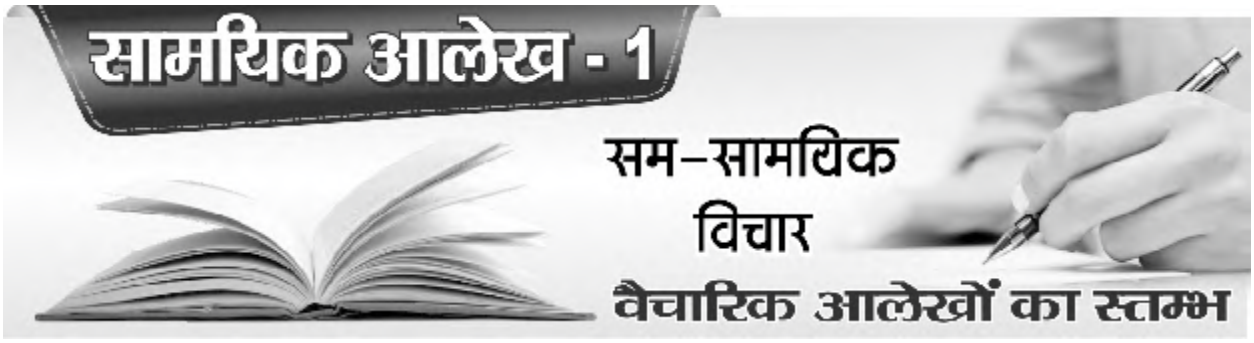

जी-20 शिखर सम्मेलन, 2017

✍ काली शंकर 'शारदेय'

संवाद एक ऐसा माध्यम है, जिससे बड़ी-से-बड़ी समस्याओं का आसानी से निराकरण किया जा सकता है। बिना संवाद के सहयोग की भूमिका नहीं बनती। विभिन्न वैश्विक संगठनों के शिखर सम्मेलनों का मुख्य औचित्य भी यही है कि विश्व के शीर्ष नेता समस्याओं के निराकरण और भावी विश्व के निर्माण पर संवाद कर सकें, क्योंकि सहयोग ही समाधान है और सहयोग का आधार निर्मित करता है संवाद।

वर्तमान में वैश्विक समुदाय के समक्ष उपस्थित कई समस्याएं विकराल रूप धारण कर चुकी हैं तथा उनका निराकरण अकेले किसी एक देश के सामर्थ्य में नहीं। अगर समस्याएं वैश्विक हैं, तो फिर उनका हल भी उसी स्तर पर संभव है। अतः विभिन्न देशों द्वारा एकजुट होकर संगठित प्रयास किया जाना समय की मांग है।

इसी परिप्रेक्ष्य में, समस्याओं के निराकरण करने की कोशिशों के तहत विश्व के शीर्ष नेता जर्मनी के हैम्बर्ग में एकत्रित हुए। मौका था जी-20 के 12वें शिखर सम्मेलन के आयोजन का।

❑ क्या है जी-20?

जी-20 (G-20 : Group of Twenty) अंतरराष्ट्रीय आर्थिक एवं वित्तीय व्यवस्था से संबंधित मामलों पर सहयोग एवं परामर्श का एक महत्वपूर्ण अनौपचारिक मंच है। यह वैश्विक आर्थिक चुनौतियों से निपटने के लिए विश्व की प्रमुख विकसित तथा उभरती अर्थव्यवस्थाओं को एक मंच पर एकत्रित करता है। इसमें 19 देश तथा यूरोपीय संघ शामिल हैं। इसमें शामिल 19 सदस्य देश हैं–अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, मेक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया, तुर्की, यू.के. एवं सं.रा. अमेरिका।

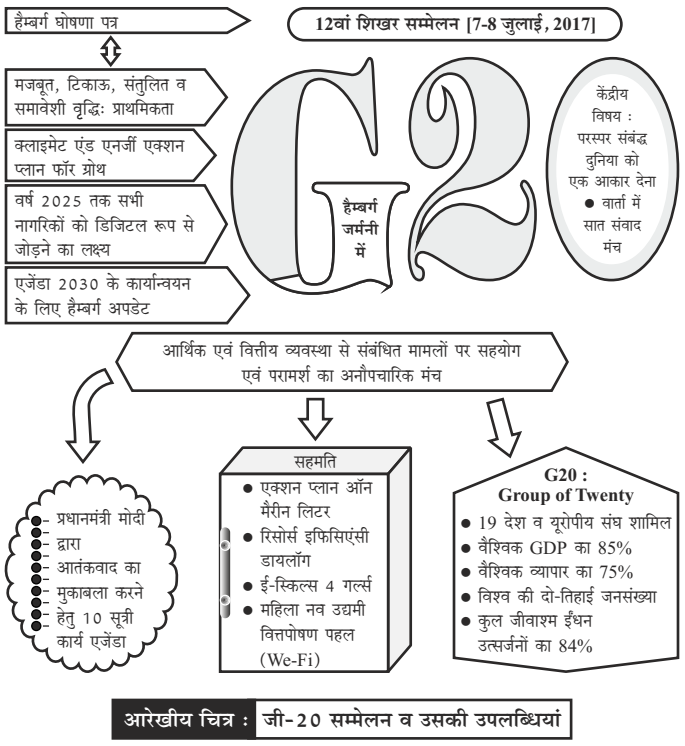

आरेखीय चित्र : जी-20 सम्मेलन व उसकी उपलब्धियां

जी-20 समूह के सभी सदस्य समग्र रूप से वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के करीब 85 प्रतिशत का, वैश्विक व्यापार के लगभग 75 प्रतिशत तथा विश्व की दो-तिहाई जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करते हैं। जी-20 देश विश्व के कुल जीवाश्म ईंधन उत्सर्जनों के 84 प्रतिशत के लिए भी उत्तरदायी हैं।

जी-20 की स्थापना, पूर्व एशियाई वित्तीय संकट के बाद वर्ष 1999 में हुई। स्थापना के बाद वर्ष 1999 से प्रति वर्ष इसके सदस्य देशों के वित्त मंत्रियों एवं केंद्रीय बैंक के गवर्नरों की बैठक प्रारंभ हुई।

वैश्विक आर्थिक एवं वित्तीय संकट के मद्देनजर वर्ष 2008 से जी-20 के राष्ट्राध्यक्षों/शासनाध्यक्षों की शिखर बैठक प्रारंभ हुई। वर्ष 2010 तक इसे अर्द्धवार्षिक आधार पर आयोजित किया गया, किंतु वर्ष 2011 से इसे वार्षिक आधार पर आयोजित किया जा रहा है। गत वर्ष (2016 में) इस शिखर सम्मेलन का आयोजन हांगझाऊ (चीन) में किया गया था, जबकि इस वर्ष (2017 में) यह सम्मेलन जर्मनी के हैम्बर्ग में आयोजित किया गया।

❑ पृष्ठभूमि

विश्व के पांच महाद्वीपों का प्रतिनिधित्व करने वाली 20 बड़ी एवं उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं का मंच होने के कारण वैश्विक स्तर पर इस संगठन का अत्यधिक महत्वपूर्ण स्थान है। यह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की तुलना में अधिक समावेशी और प्रतिनिधिक है।

चूंकि इस संगठन में विश्व के 20 बड़े देश शामिल हैं, अतः वैश्विक समस्याओं के निराकरण में इस संगठन से महत्वपूर्ण भूमिका की अपेक्षा रही है। विश्व के बड़े देशों से यह अपेक्षा की जाती रही है कि वैश्विक

समस्याओं के प्रति उनका रवैया उत्तरदायित्वपूर्ण होगा। इन्हीं अपेक्षाओं के साथ हैम्बर्ग (जर्मनी) में जी-20 शिखर सम्मेलन शुरू हुआ।

❑ जी-20 का 12वां शिखर सम्मेलन

जी-20 का 12वां शिखर सम्मेलन 7-8 जुलाई, 2017 के मध्य जर्मनी के हैम्बर्ग शहर के हैम्बर्ग मेसे (Hamburg Messe) नामक स्थान पर संपन्न हुआ। इस सम्मेलन में यूरोपीय संघ समेत सभी सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जबकि नॉर्वे, नीदरलैंड्स, स्पेन, गिनी, सेनेगल, वियतनाम और सिंगापुर ने मेहमान देश के रूप में सम्मेलन में भागीदारी की। इस सम्मेलन में वर्ल्ड बैंक, आईएमएफ, एफएसबी, सं.रा. संघ, आईएलओ, डब्ल्यूटीओ, ओईसीडी और डब्ल्यूएचओ जैसे संगठनों ने भी भागीदारी की।

इस शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। सम्मेलन में प्रधानमंत्री के शेरपा अरविंद पनगड़िया थे।

जर्मनी द्वारा जी-20 की अध्यक्षता के दौरान नागरिक समाज के साथ वार्ता में सात संवाद मंच शामिल हुए, जिनमें गैर-सरकारी संगठन (Civil 20), व्यवसाय क्षेत्र (Business 20), व्यापार संघ (Labour 20), विज्ञान तथा अनुसंधान समुदाय (Science 20), महिलाएं (Women 20), थिंक टैंक (Think 20) और युवा लोग (Youth 20) शामिल थे।

❑ हैम्बर्ग कार्ययोजना

हैम्बर्ग कार्ययोजना (Hamburg Action Plan) ने मजबूत, टिकाऊ, संतुलित और समावेशी विकास प्राप्त करने के लिए जी-20 की रणनीति निर्धारित की है। इसमें अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संरचना को मजबूत बनाने, वित्तीय क्षेत्र के विनियमन और विकास में सुधार और अंतरराष्ट्रीय कराधान संबंधी मुद्दों पर सहयोग को बढ़ावा देने के लिए नए उपायों को शामिल किया गया है।

❑ हैम्बर्ग घोषणा-पत्र

परस्पर विरोधी मतों के लोगों का एक मंच पर बैठकर साझा घोषणा-पत्र तैयार करना अत्यंत ही कठिन है। फिलहाल जी-20 के सदस्य देशों ने आपसी सहमति बनाकर शिखर सम्मेलन के अंतिम दिन एक घोषणा-पत्र जारी किया। इस घोषणा-पत्र में जी-20 के संयुक्त उद्देश्य के तहत मजबूत, टिकाऊ, संतुलित और समावेशी वृद्धि को सर्वाधिक प्राथमिकता के रूप में स्वीकार किया गया है। जी-20 के सदस्य देश वैश्विक समुदाय के समक्ष आम चुनौतियों का सामना करने हेतु संकल्पित हैं। इन चुनौतियों में आतंकवाद, विस्थापन, गरीबी, भूख और स्वास्थ्य खतरे, बेरोजगारी, जलवायु-परिवर्तन, ऊर्जा सुरक्षा और लिंग असमानता आदि शामिल हैं। घोषणा-पत्र के अनुसार, विकासशील देशों सहित जी-20 के सदस्य देश एक-दूसरे के साथ मिलकर इन चुनौतियों का सामना करने के लिए तथा नियमों पर आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था निर्माण के लिए प्रयास जारी रखेंगे। जिन प्रमुख दस्तावेजों पर सम्मेलन के दौरान सहमति बनी उनमें क्लाइमेट एंड एनर्जी एक्शन प्लान फॉर ग्रोथ, वार्षिक प्रगति रिपोर्ट, 2017, जी-20 एक्शन प्लान ऑन मैरीन लिटर, जी-20 अफ्रीका पार्टनरशिप, जी-20 इनिशिएटिव फॉर रूरल यूथ इम्प्लायमेंट, जी-20 इनिशिएटिव # ई-स्किल्स 4 गर्ल्स, वीमेन आंत्रप्रेन्योरशिप फसिलिटी, जी-20 रिसोर्स इफिसिएंसी डायलॉग आदि शामिल हैं।

❑ जी-20 शिखर सम्मेलन के प्रमुख संदेश

इस शिखर सम्मेलन के प्रमुख संदेश इस प्रकार हैं–

1. जी-20 नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रणाली के लिए प्रतिबद्ध है।
   - ➡ जी-20 संरक्षणवाद को खारिज करता है और विश्व व्यापार संगठन में अनुचित व्यापार पद्धतियों से लड़ने तथा विश्व व्यापार संगठन को मजबूत करने का इरादा रखता है।
   - ➡ जी-20 औद्योगिक क्षेत्रों में अतिरिक्त क्षमता की समस्या, विशेष रूप से इस्पात में एकपक्षीय उपायों को रोकने हेतु सामूहिक समाधान खोजने के लिए अपने सहयोग को मजबूत करना चाहता है।
   - ➡ जी-20 टिकाऊ वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं को प्राप्त करने हेतु प्रतिबद्ध है तथा यह व्यवसाय और मानव अधिकारों पर राष्ट्रीय कार्ययोजनाओं की स्थापना की दिशा में कार्य करेगा।
2. अमेरिका को छोड़कर सभी जी-20 सदस्य देशों ने पेरिस जलवायु समझौते को अपरिवर्तनीय (irreversible) बताया है।
   - ➡ पेरिस समझौते के लक्ष्यों के कार्यान्वयन को संचालित करने के लिए अमेरिका के अतिरिक्त, जी-20 के अन्य सदस्य देशों ने जी-20 हैम्बर्ग जलवायु और ऊर्जा कार्ययोजना को स्वीकार किया।
     - ➲ इन लक्ष्यों में कार्बन मूल्य निर्धारण, राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान के कार्यान्वयन, जलवायु जोखिम बीमा, जलवायु से संबंधित वित्तीय जोखिमों का खुलासा तथा एक ऊर्जा दक्षता हब का निर्माण शामिल है।
   - ➡ जी-20 ने दो पहलों का शुभारंभ किया–जी-20 समुद्री कूड़ा कार्ययोजना (G-20 Marine Litter Action Plan) और जी-20 संसाधन दक्षता वार्ता (G-20 Resource Efficiency Dialogue)।
3. जी-20 अफ्रीका साझेदारी (G-20 Africa Partnership) का जी-20 अनुमोदन करता है।
   - ➡ अफ्रीका से जी-20 के प्रतिभागी हैं–दक्षिण अफ्रीका, अफ्रीकी संघ का अध्यक्ष (गिनी) और सेनेगल।
   - ➡ अफ्रीका के साथ निवेश बढ़ाने की पहल पर हुए समझौते का जी-20 समर्थन करता है।
   - ➡ जी-20 ने ग्रामीण युवा रोजगार पहल की शुरुआत की।
   - ➡ जी-20 का इरादा अफ्रीका में लड़कियों के लिए सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी तक पहुंच में सुधार करना है।
4. आतंकवाद के खिलाफ संघर्ष में जी-20 एकजुट है।
   - ➡ आतंकवाद का मुकाबला करने और सहयोग बढ़ाने के लिए जी-20 अंतरराष्ट्रीय दायित्वों के कार्यान्वयन को तीव्र करेगा।
   - ➡ जी-20 आतंकवाद के वित्तपोषण को रोकने के लिए संघर्षरत है तथा इसकी समाप्ति के लिए एफएटीएफ (FATF : Financial Action Task Force) को मजबूती प्रदान करता है।
5. जी-20 ने डिजिटलाइजेशन पर सहयोग जारी रखने के साथ डिजिटलाइजेशन के लिए जी-20 रोडमैप को स्वीकार किया है।
   - ➡ वर्ष 2025 तक सभी नागरिकों को डिजिटल रूप से जोड़ने का लक्ष्य है।
   - ➡ जी-20 का उद्देश्य विश्व व्यापार संगठन के ढांचे के भीतर डिजिटल व्यापार पर नियमों को और विकसित करना है।
6. जी-20 अंतरराष्ट्रीय वित्तीय बाजारों को विनियमित करने के संबंध में अपने रुख पर कायम है।

➡ जी-20 बेसल-III (Basel-III) ढांचे को अंतिम रूप देने के लिए कार्य करेगा।

➡ जी-20 अंतरराष्ट्रीय कर पारदर्शिता के क्षेत्र में दबाव बना रहा है।

7. जी-20, एजेंडा 2030 के बहुपक्षीय दृष्टिकोण के प्रति एकजुट है।

➡ इसने एजेंडा 2030 के कार्यान्वयन के लिए उपायों की एक सूची, हैम्बर्ग अपडेट (Hamburg Update) को अपनाया है।

➡ सतत विकास हेतु निजी पूंजी को गतिशील बनाने के लिए जी-20 हैम्बर्ग सिद्धांतों और महत्वाकांक्षाओं का समर्थन करता है।

8. जी-20 प्रतिसूक्ष्मजीवी प्रतिरोध के खिलाफ वैश्विक अनुसंधान पहल का आह्वान करता है।

➡ इस मंच द्वारा अनुसंधान एवं विकास के अंतरराष्ट्रीय समन्वय में सुधार किया जाना है।

➡ जी-20 दुनिया भर में स्वास्थ्य प्रणाली और स्वास्थ्य संकट प्रबंधन को मजबूत करने का समर्थन करता है।

9. जी-20 ने विकासशील देशों में महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए बहुपक्षीय कोष की शुरुआत की है।

➡ 325 मिलियन अमेरिकी डॉलर की आरंभिक पूंजी से महिला नवउद्यमी वित्तपोषण पहल (We-Fi - Women Entrepreneurs Financing Initiative) की शुरुआत की जाएगी।

➡ ब्रिस्बेन लक्ष्य : वर्ष 2025 तक श्रमिक बल भागीदारी में लैंगिक अंतराल को 25 प्रतिशत तक कम करना।

10. जी-20 विस्थापन के मूल कारणों को इंगित करते हुए एकीकरण पर जोर देता है।

➡ जी-20 शरणार्थियों पर यू.एन. ग्लोबल कॉम्पैक्ट और सुरक्षित, व्यवस्थित और नियमित प्रवासन का समर्थन करता है।

❑ पेरिस समझौते पर रुख

जी-20 सम्मेलन के दौरान सदस्य देशों के नेताओं ने जलवायु परिवर्तन पर पेरिस समझौते के प्रति अपनी निष्ठा फिर से व्यक्त की। 8 जुलाई को शिखर सम्मेलन के साझा बयान में कहा गया कि हम अमेरिका के पेरिस समझौते से बाहर होने के फैसले को स्वीकार करते हैं। जी-20 शिखर सम्मेलन में शामिल नेता इस पर सहमत हुए हैं कि यह समझौता बदला नहीं जा सकता।

❑ ब्रिक्स नेताओं की अनौपचारिक बैठक

जी-20 शिखर सम्मेलन से इतर 5 ब्रिक्स देशों के नेताओं ने अनौपचारिक बैठक की। यह बैठक अगले (9वें ब्रिक्स सम्मेलन) ब्रिक्स सम्मेलन के संबंध में थी। 9वां ब्रिक्स सम्मेलन सितंबर, 2017 में झियामेन, चीन में होना प्रस्तावित है।

❑ जी-20 शिखर सम्मेलन में भारतीय प्रधानमंत्री

भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो दिवसीय हैम्बर्ग शिखर सम्मेलन में भागीदारी की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 7 जुलाई को जी-20 शिखर सम्मेलन में आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए 10 सूत्री कार्य एजेंडा (10 Point Action Agenda) पेश किया, जिसमें जी-20 देशों के बीच आतंकवादियों की सूचियों के आदान-प्रदान, प्रत्यर्पण जैसी कानूनी प्रक्रियाओं को आसान बनाने तथा आतंकवादियों को धन एवं हथियारों की आपूर्ति पर अंकुश लगाने के लिए ठोस कदम उठाने के सुझाव शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने आतंकवाद पर विश्व समुदाय से एकजुट होने की अपील की। पाकिस्तान का नाम लिए बिना प्रधानमंत्री ने कहा कि दक्षिण एशिया में एक देश आतंकवाद को फैला रहा है। हिंसा और आतंकवाद की बढ़ती ताकत ने चुनौती खड़ी कर दी है। कुछ देश हैं, जो इसे राष्ट्रीय नीति के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। आतंकवाद के खिलाफ भारत की 'जीरो टालरेंस' की नीति है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि आतंकवाद का समर्थन करने वालों को अलग किया जाए और उन पर प्रतिबंध लगाया जाए।

❑ विभिन्न नेताओं से द्विपक्षीय वार्ता

हैम्बर्ग में जी-20 सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री मोदी ने विभिन्न देशों के नेताओं से मुलाकात की। 8 जुलाई को प्रधानमंत्री ने दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून जे-इन से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्टार्ट-अप इंडिया आदि कार्यक्रमों में भागीदारी के माध्यम से दोनों देशों के बीच विशेष रणनीतिक साझेदारी तथा विकास पर सहमति व्यक्त की।

प्रधानमंत्री ने इटली के प्रधानमंत्री पाओलो जेन्टीलोनी से भी मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी ने इस वर्ष नवंबर माह में खाद्य प्रसंस्करण पर आयोजित होने वाली प्रदर्शनी-'वर्ल्ड फूड इंडिया' (World Food India) में भाग लेने के लिए इटली के प्रधानमंत्री को आमंत्रित किया।

प्रधानमंत्री ने नॉर्वे की प्रधानमंत्री एरना सोलबर्ग से द्विपक्षीय मुद्दों, विशेषकर आर्थिक संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की तथा नॉर्वेजियन पेंशन फंड को 'नेशनल इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड' (National Investment and Infrastructure Fund) में भागीदारी के लिए आमंत्रित किया। नॉर्वे की प्रधानमंत्री ने महासागरों के सम्मेलन (Ocean's Conference) में भाग लेने के लिए भारत को आमंत्रित किया। प्रधानमंत्री सोलबर्ग ने प्रधानमंत्री मोदी को एक फुटबॉल भेंट किया, जिस पर सतत विकास लक्ष्यों को अंकित किया गया था।

इसके अलावा प्रधानमंत्री ने जापानी प्रधानमंत्री शिंजो अबे के साथ भी द्विपक्षीय बैठक की तथा द्विपक्षीय संबंधों की संक्षिप्त समीक्षा की। दोनों नेताओं ने नवंबर, 2016 (प्रधानमंत्री की जापान यात्रा) के बाद से द्विपक्षीय संबंधों में विकास पर संतोष व्यक्त किया।

इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री ने अर्जेन्टीना के राष्ट्रपति मौरिसिओ मैक्री, यू.के. की प्रधानमंत्री थेरेसा मे, वियतनाम के प्रधानमंत्री न्गुयेन जुआन फुक, मेक्सिको के राष्ट्रपति एनरिक पेना नीटो तथा कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से भी द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की।

❑ निष्कर्ष

जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए हैम्बर्ग पहुंचे प्रत्येक नेता का अपना तय एजेंडा था। जिस प्रकार की पृष्ठभूमि में इस सम्मेलन की शुरुआत हुई थी, उससे इसकी सफलता के प्रति बहुत उम्मीद नहीं रखी जा सकती थी। लेकिन इन विषम परिस्थितियों के बावजूद शिखर सम्मेलन के नतीजों से संतुष्ट हुआ जा सकता है। तमाम नकारात्मकताओं को दरकिनार करते हुए यह दो दिवसीय सम्मेलन न केवल गंभीर विचार-विमर्श का केंद्र बना, बल्कि इसने निराशा के माहौल में आशाओं के दीप जलाए।

''परस्पर संबद्ध दुनिया को एक आकार देने'' (Shaping an interconnected World) के केंद्रीय विषय के साथ शुरू हुआ जी-20 शिखर सम्मेलन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

वर्ष 2018 में जी-20 शिखर सम्मेलन ब्यूनस आयर्स (अर्जेंटीना), वर्ष 2019 में जापान तथा वर्ष 2020 में सऊदी अरब में प्रस्तावित है।

■■■

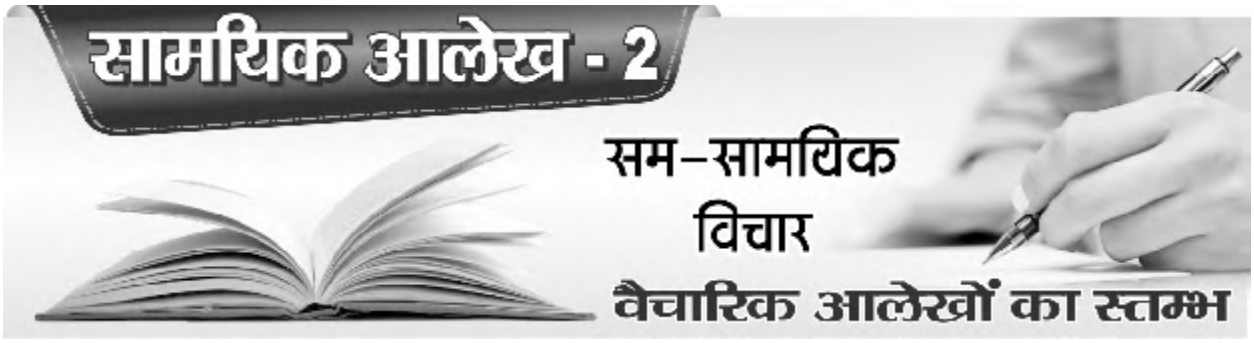

वस्तु एवं सेवा कर का शुभांरम्भ

✍ विकास कुमार शुक्ल

30 जून, 2017 की अर्धरात्रि में घड़ी की सुइयों के एकाकार होते ही भारत भी आर्थिक रूप से एकीकृत हो गया। अब तक आर्थिक खंडों में विभाजित भारत वस्तु एवं सेवा कर के लागू होते ही एकल बाजार में रूपांतरित हो गया। वस्तु एवं सेवा कर का औपचारिक शुभारंभ संसद भवन के उसी ऐतिहासिक केंद्रीय कक्ष से तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया जहां पर 14 अगस्त, 1947 को भारतीय स्वतंत्रता की औपचारिक घोषणा की गई थी। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भाषण भी प्रथम भारतीय प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के सुप्रसिद्ध भाषण 'नियति से साक्षात्कार' (Tryst with destiny) से प्रेरित नजर आया। प्रधानमंत्री मोदी ने वस्तु एवं सेवा कर के प्रभावी होने के इस पल को आर्थिक आजादी के पल की संज्ञा दी। उन्होंने जीएसटी को कर सुधार से कहीं आगे बताते हुए इसे राष्ट्र निर्माण के प्रमुख आधार स्तंभ की संज्ञा दी तथा इसे गुड (अच्छा) एवं सिम्पल (सरल) टैक्स (कर) के नाम से संबोधित भी किया।

❑ जीएसटी : एक परिचय

जीएसटी एक अप्रत्यक्ष कर है, जिसने अपने पूर्ववर्ती अधिकांश अप्रत्यक्ष करों को आच्छादित कर लिया है। जीएसटी, विनिर्माता से लेकर उपभोक्ता तक वस्तुओं एवं सेवाओं की आपूर्ति पर एकल कर है। इसके तहत प्रत्येक चरण में केवल मूल्यवर्धन पर ही कर लगाया जाता है। दोहरे कराधान से बचाव हेतु जीएसटी के अंतर्गत इनपुट क्रेडिट (पूर्व में चुकाए जा चुके कर का क्रेडिट) का भी प्रावधान किया गया है।

भारतीय संघीय ढांचे के दृष्टिगत जीएसटी के दो घटक हैं–केंद्रीय जीएसटी (CGST) तथा राज्य जीएसटी (SGST)। किसी राज्य क्षेत्र में होने वाले व्यवसाय पर केंद्र और राज्य दोनों एक साथ मूल्य श्रृंखला पर वस्तु एवं सेवा कर लगाएंगे। केंद्र सीजीएसटी लगाएगा और कर संग्रह करेगा, जबकि राज्य एसजीएसटी लगाएंगे और उसका संग्रहण करेंगे। इसके अतिरिक्त वस्तुओं एवं सेवाओं के अंतरराज्यीय व्यापार पर अनुच्छेद 269A(1) के तहत केवल एक कर 'एकीकृत वस्तु एवं सेवा कर' (IGST) लगाया जाएगा। यह सीजीएसटी एवं एसजीएसटी के योग के बराबर होगा। इसे केंद्र लगाएगा एवं संग्रहीत करेगा तथा इसे केंद्र एवं राज्यों के मध्य वितरित किया जाएगा।

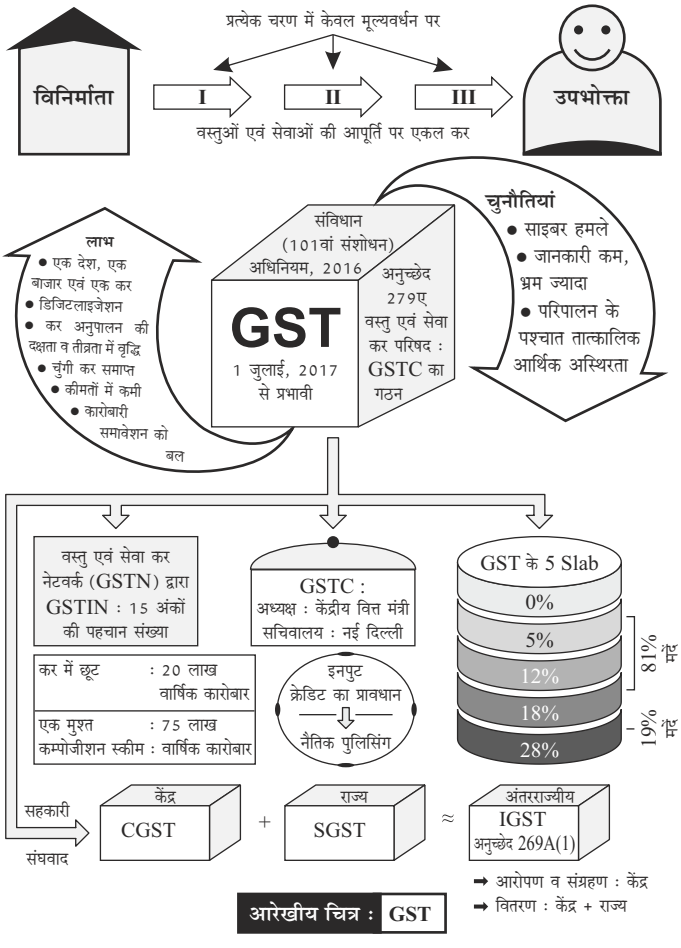

आरेखीय चित्र : GST

मौजूदा स्वरूप में जीएसटी के तहत सभी वस्तुओं एवं सेवाओं को पांच समूहों में वर्गीकृत किया गया है। अति आवश्यक, आवश्यकता की वस्तुओं जैसे दूध, अंडा, दही, खुले खाद्यान्न, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा सेवाएं आदि को कर से छूट प्रदान की गई है। शेष वस्तुओं के समूहों को उनकी उपयोगिता के अनुसार 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत तथा 28 प्रतिशत के कर स्लैब में रखा गया है। आधिकारिक सूचनाओं के अनुसार, 81 प्रतिशत मदों को या तो 18 प्रतिशत या उससे कम कर स्लैब में रखा गया है। मात्र 19

प्रतिशत मदें ही 28 प्रतिशत के कर स्लैब में हैं।

वस्तुओं एवं सेवाओं में विविधीकरण के साथ-साथ जीएसटी के अंतर्गत व्यापारियों को भी वर्गीकृत किया गया है। 20 लाख रुपये तक का वार्षिक कारोबार करने वाले व्यापारियों (उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर तथा पूर्वोत्तर राज्यों के लिए यह सीमा 10 लाख रुपये वार्षिक है) को जीएसटी के दायरे से बाहर रखा गया है। इसके अतिरिक्त 20 लाख रुपये से ऊपर 75 लाख रुपये तक का वार्षिक कारोबार करने वाले व्यापारियों (हिमाचल प्रदेश, सिक्किम तथा पूर्वोत्तर राज्यों हेतु 50 लाख रुपये तक के वार्षिक कारोबार हेतु) हेतु कम्पोजीशन योजना प्रारंभ की गई है, जिसके तहत व्यापारियों हेतु 1 प्रतिशत, उत्पादकों हेतु 2 प्रतिशत तथा रेस्त्रां सेवाओं हेतु 5 प्रतिशत के एकमुश्त कर का प्रावधान किया गया है।

❑ जीएसटी कर सुधार कैसे?

जीएसटी से पूर्व की अप्रत्यक्ष करारोपण प्रणाली में दोहरा करारोपण, उच्च प्रशासनिक लागत, मानवीय हस्तक्षेप, कम पारदर्शिता बहुकर एवं जटिल प्रक्रिया आदि जैसी अनेक सीमाएं थीं, जो कर प्रणाली की दक्षता को दुष्प्रभावित करती थी। दोहरे कराधान एवं बहु करारोहण के कारण वास्तविक करारोपण 31-32 प्रतिशत तक हो जाता था, जो न तो उपभोक्ताओं के हितों के अनुरूप था और न ही उत्पादक एवं अर्थव्यवस्था के। किसी वस्तु के उत्पादक से उपभोक्ता तक पहुंचने के क्रम में इस वस्तु की कीमत में अनेक कर जैसे केंद्रीय उत्पाद शुल्क (उत्पादन के स्तर पर 12.5%), बिक्री कर (विक्रय के स्तर पर 14.5%), चुंगी कर (अंतरराज्य व्यापार के स्तर पर 2.0%) केंद्रीय बिक्रीकरण (2%) तथा उपकर एवं अधिभार (1.2%) जुड़ जाते थे। इस प्रणाली में पूर्व में लगाए गए करों के कारण होने वाली मूल्य वृद्धि पर भी पुनः करारोपण किया जाता था, जो अंततः कीमतों में उच्च वृद्धि का कारण बनता था।

इन सीमाओं को देखते हुए वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली में अनेक सुधार किए गए हैं। इसे पूर्व की अपेक्षा अधिक पारदर्शी, अधिक सहकारी, अधिक दक्ष एवं आर्थिक न्याय के अनुरूप बनाया गया है। जीएसटी के वे प्रावधान जिनके कारण इसे पूर्व अप्रत्यक्ष कर प्रणाली पर सुधार माना जा सकता है, निम्नलिखित हैं–

● करारोपण को शृंखलाबद्ध करना

जीएसटी से पूर्व यद्यपि मूल्यवर्धित कर (VAT) के माध्यम से करारोपण को शृंखलाबद्ध करने का प्रयास किया गया था, परंतु यह अनेक प्रशासनिक एवं व्यावहारिक सीमाओं के कारण आंशिक रूप से ही प्रभावी था। जीएसटी के मौजूदा स्वरूप में संपूर्ण कर प्रणाली को शृंखलाबद्ध किया गया है। इसके अंतर्गत इनपुट क्रेडिट (वस्तु प्रवाह की प्रक्रिया में पूर्व में चुकाए गए करों का क्रेडिट) का प्रावधान किया गया है। अब किसी व्यापारी को पूर्व में चुकाए जा चुके करों को छोड़कर केवल मूल्य वृद्धि पर ही कर चुकाना होगा। इस प्रणाली से जहां एक ओर दोहरे कराधान से बचाव होगा, वहीं इससे नैतिक पुलिसिंग भी बढ़ेगी। शृंखला की किसी भी कड़ी में कर चोरी का खामियाजा आगे के स्तर पर बैठे व्यापारी को भुगतना होगा। ऐसे में व्यापारी खुद इनपुट क्रेडिट का लाभ लेने हेतु दूसरे व्यापारियों पर कर भुगतान का दबाव डालेंगे। इससे कर चोरी जाती रहेगी तथा कर अनुपालन में वृद्धि होगी।

● न्यूनतम मानवीय हस्तक्षेप

पूर्व की भांति अब कर निर्धारण, कर रिटर्न के मिलान आदि प्रक्रियाओं में मानवीय हस्तक्षेप को न्यूनतम कर दिया गया है। पूरी कर प्रणाली का डिजिटलाइजेशन कर दिया गया है। इससे व्यापक स्तर पर कर रिटर्न एवं इनपुट क्रेडिट का आपस में मिलान संभव हो सकेगा। डिजिटलीकरण से कर अनुपालन की दक्षता एवं तीव्रता दोनों में वृद्धि की संभावना है।

● आर्थिक न्याय के अनुरूप

वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली में एक देश, एक बाजार एवं एक कर के सिद्धांत को तो अपनाया गया है, परंतु इसके लिए आर्थिक न्याय के सिद्धांतों को ताक पर नहीं रखा गया है। इस प्रणाली में वस्तुओं को उनकी उपयोगिता के अनुरूप वर्गीकृत कर विविध कर स्लैब के अंतर्गत रखा है, जिससे अमीर-गरीब सभी उपभोक्ताओं के हितों का संरक्षण हो सके।

जीएसटी में शामिल कर

● केंद्रीय कर

(i) केंद्रीय उत्पाद शुल्क
(ii) अतिरिक्त उत्पाद शुल्क
(iii) सेवा कर
(iv)अतिरिक्त सीमा शुल्क (काउंटरवेलिंग ड्यूटी)
(v) विशेष अतिरिक्त सीमा शुल्क
(vi)अधिभार एवं उपकर

● राज्य कर

(i) राज्य मूल्य संवर्धन कर (VAT)/बिक्री कर
(ii) मनोरंजन कर (स्थानीय निकायों द्वारा लागू करों को छोड़कर)
(iii) केंद्रीय बिक्री कर (केंद्र द्वारा आरोपित एवं राज्यों द्वारा संग्रहीत)
(iv)चुंगी और प्रवेश कर
(v) क्रय कर
(vi)विलासिता कर
(vii)लॉटरी, सट्टा एवं जुए पर कर
(viii) अधिभार एवं उपकर

● जीएसटी के दायरे से बाहर रखे गए कर

(i) मानवीय उपयोग के लिए नशीली शराब पर कर
(ii) पांच पेट्रो उत्पादों (अपरिष्कृत पेट्रोलियम, उच्च गति डीजल, मोटर स्प्रिट, प्राकृतिक गैस तथा विमानन ईंधन) को अस्थायी रूप से जीएसटी के दायरे से बाहर रखा गया है। जीएसटी परिषद इन पेट्रोलियम उत्पादों को जीएसटी में शामिल करने की तिथि की सिफारिश करेगी।

इसके अतिरिक्त 20 लाख रुपये वार्षिक कारोबार करने वाले छोटे व्यापारियों को कर से छूट एवं 75 लाख वार्षिक तक के कारोबार करने वाले उद्यमियों/व्यापारियों हेतु एकमुश्त कम्पोजीशन स्कीम के तहत कर भुगतान का अवसर भी इसे आर्थिक न्याय के अनुरूप एवं अधिक व्यावहारिक बनाता है।

संविधान (101वां संशोधन) अधिनियम, 2016

- 8 सितंबर, 2016 को संविधान (122वां संशोधन) विधेयक, 2014 राष्ट्रपति के हस्ताक्षरोपरांत संविधान (101वां संशोधन) अधिनियम, 2016 के रूप में अधिनियमित हुआ।
- यह विधेयक 19 दिसंबर, 2014 को लोक सभा में प्रस्तुत किया गया था, जिसे लोक सभा द्वारा 6 मई, 2015 को पारित कर दिया गया था।
- लोक सभा में पारित होने के पश्चात इसे राज्य सभा में प्रस्तुत किया गया। राज्य सभा द्वारा इसे कुछ संशोधनों के साथ 3 अगस्त, 2016 को पारित किया गया।
- संशोधित विधेयक को लोक सभा द्वारा 8 अगस्त, 2016 को पुनः पारित किया गया।
- इस संविधान संशोधन अधिनियम के अंतर्गत संविधान के भाग 11 (अनुच्छेद 248, 249 एवं 250); भाग 12 (अनुच्छेद 268, 269, 270, 271 तथा 286); भाग 19 (अनुच्छेद 266); भाग 20 (अनुच्छेद 368) तथा छठीं एवं सातवीं अनुसूची में संशोधन किया गया है।
- इस संशोधन के तहत संविधान में तीन नए अनुच्छेद (अनुच्छेद 246A, 269A तथा 279A) जोड़े गए, जबकि अनुच्छेद 268A को समाप्त कर दिया गया।
- यह अधिनियम 1 जुलाई, 2017 से प्रभावी हो गया।

- **सहकारी संघवाद का पोषण**

जीएसटी का सहकारी संघवाद के अनुरूप होना भी एक सुधार है। भारत में जीएसटी के संघीय स्वरूप को अपनाया गया है। इसके तहत केंद्र का सीजीएसटी, राज्य का एसजीएसटी एवं अंतरराज्यीय व्यापार पर आईजीएसटी का प्रावधान किया गया है। साथ ही साथ मानवीय उपयोग हेतु उत्पादित मद्य पेय जैसे प्रमुख राजस्व स्रोत को राज्यों के लिए छोड़ देना भी सहकारी संघवाद का पोषण है, क्योंकि इससे राज्यों की आर्थिक स्वायत्तता भी काफी हद तक बनी रहेगी। इसके अतिरिक्त जीएसटी के संदर्भ में निर्णय लेने हेतु सर्वाधिकार प्राप्त संस्था जीएसटी परिषद भी सरकारी संघवाद का पोषण है। इसमें केंद्र एवं राज्यों के संयुक्त निर्णय से जीएसटी के प्रावधान निर्मित किए जाते हैं। 1 जुलाई, 2017 से पूर्व जीएसटी परिषद की 18 बैठकें हो चुकी थीं। इन सभी बैठकों में समस्त निर्णय सर्वसम्मति से लिए गए।

- **अधिक सरल, तीव्र एवं दक्ष**

वस्तु एवं सेवा कर पूर्ववर्ती कर प्रणाली की तुलना में अधिक सरल, स्पष्ट, तीव्र एवं दक्ष है। इसके तहत केवल एक कर रिटर्न भरना पड़ेगा, जो अत्यधिक कागजी कार्यवाही से राहत प्रदान करेगा। कर रिटर्न एवं इनपुट क्रेडिट आदि का मिलान यथा-समय एवं त्रुटिरहित होगा। इससे समूची कर प्रणाली अधिक दक्ष एवं पारदर्शी बनेगी।

❑ जीएसटी से लाभ

जीएसटी को भारतीय कर व्यवस्था में स्वतंत्रता के बाद के सबसे बड़े सुधार के रूप में देखा जा रहा है। वस्तु एवं सेवा कर को सभी के लिए हितकारी माना जा रहा है। इससे न केवल उत्पादक एवं उपभोक्ता के हितों का संरक्षण होगा, अपितु सरकारी कर प्रशासन में सरलता, मितव्ययिता एवं पारदर्शिता भी आएगी। जीएसटी के लाभों को निम्न बिंदुओं में देखा जा सकता है।

- **सरकार को लाभ**

➡ यह कर प्रशासन को सरल एवं आसान बनाएगा।

➡ इससे कर प्रशासन की दक्षता एवं पारदर्शिता में वृद्धि होगी।

➡ यह कर रिसाव को रोकने की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

➡ जीएसटी से कर आधार में वृद्धि होगी जिससे राजस्व में भी वृद्धि होगी।

- **उद्यमी को लाभ**

➡ विनिर्माताओं एवं व्यापारियों हेतु कर अनुपालन आसान होगा, क्योंकि अब पंजीकरण, रिटर्न तथा भुगतान ऑनलाइन होगा।

➡ अब पूरे देश में एक कर प्रणाली होगी, जो व्यापार को आसान तथा कर तटस्थ बना देगी।

➡ करों पर कर की समाप्ति से व्यापार की छिपी लागतों में कमी आएगी।

➡ एक समान कर प्रणाली से व्यापार एवं उद्योगों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलेगा।

➡ बहुकर प्रणाली से मुक्ति विनिर्माण लागत को कम करेगी जिससे अंतरराष्ट्रीय व्यापार में भारत की दावेदारी और मजबूत होगी।

- **उपभोक्ता को लाभ**

➡ एकल एवं पारदर्शी कर वस्तुओं की कीमतों में कमी लाएगा।

➡ इससे उपभोक्ता पर पड़ने वाले कर भार में भी कमी आएगी तथा उनके बचत में वृद्धि होगी।

➡ चुंगी कर की समाप्ति से वस्तुओं की आपूर्ति की रफ्तार बढ़ेगी जिससे उपभोक्ताओं को स्फीतिक दबाव से भी संरक्षण प्राप्त होगा।

- **अर्थव्यवस्था को लाभ**

➡ भारत एक एकीकृत आम बाजार में रूपांतरित हो जाएगा।

➡ इससे विदेशी निवेश तथा मेक-इन-इंडिया अभियान को बढ़ावा मिलेगा।

➲ इससे आर्थिक गतिविधियों में तीव्रता आएगी तथा रोजगार के अवसरों का सृजन होगा। एक अंतरराष्ट्रीय शोध के अनुसार, मात्र चुंगी प्रथा खत्म होने से भारत में 1.4 लाख करोड़ रुपये की प्रति वर्ष बचत होगी।

➲ पारदर्शी कर वितरण से केंद्र-राज्य संबंधों में भी पारदर्शिता तथा सुदृढ़ता आएगी।

➲ इसका लाभ उन राज्यों को भी मिलेगा, जो निवल उपभोक्ता हैं (जैसे- पूर्वोत्तर के राज्य)। इससे भारतीय संघीय व्यवस्था सुदृढ़ होगी।

➡ जीएसटी के लागू होने से भारत की वैश्विक क्रेडिट रेटिंग तथा अन्य रैंकिंग में भी सुधार की संभावना बढ़ेगी।

➡ इससे अर्थव्यवस्था में करोबारी समावेशन को बल मिलेगा।

जीएसटी परिषद

101वें संविधान संशोधन अधिनियम के तहत संविधान में अनुच्छेद 279 A जोड़कर वस्तु एवं सेवा कर परिषद (GSTC-Goods and Service Tax Council) के गठन का प्रावधान किया गया है। इस अनुच्छेद के तहत राष्ट्रपति द्वारा 12 सितंबर, 2016 को जीएसटी परिषद के गठन को अधिसूचित कर दिया गया। इसका सचिवालय नई दिल्ली में है। इसकी संरचना तथा कार्य निम्नलिखित हैं।

- **संरचना**

अध्यक्ष–केंद्रीय वित्त मंत्री

उपाध्यक्ष–सदस्यों में से ही कोई एक परिषद द्वारा विनिश्चित अवधि के लिए चुना जाएगा।

सदस्य–(i) केंद्रीय राज्य मंत्री (राजस्व या वित्त प्रभार)

➡ (ii) राज्यों के वित्त या कर मंत्री या वे जिन्हें राज्य नामित करें।

➡ भारत सरकार के सचिव (राजस्व) जीएसटी परिषद के पदेन सचिव होंगे। वर्तमान में हसमुख अढ़िया इसके सचिव हैं।

➡ अध्यक्ष, केंद्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क बोर्ड को जीएसटी परिषद में स्थायी आमंत्रित सदस्य (गैर-मतदान) के रूप में शामिल किया गया है।

➡ जीएसटी परिषद में अपर सचिव का एक पद तथा चार-चार कमिश्नर के पदों का भी सृजन किया गया है।

➲ वर्तमान में अरुण गोयल को अपर सचिव नियुक्त किया गया है।

वस्तु एवं सेवा कर नेटवर्क

वस्तु एवं सेवा कर नेटवर्क (GSTN) एक लाभ रहित गैर-सरकारी कंपनी है, जिसे केंद्र सरकार, राज्य सरकार एवं अन्य वित्तीय संस्थाओं के संयुक्त उद्यम से 28 मार्च, 2013 को गठित किया गया। इसमें केंद्र सरकार की 24.5 प्रतिशत, सभी राज्य सरकारों (दिल्ली एवं पुडुचेरी सहित) की 24.5 प्रतिशत अर्थात सरकार की कुल 49 प्रतिशत हिस्सेदारी है। शेष 51 प्रतिशत में हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड, HDFC बैंक, ICICI बैंक तथा एनएसई स्ट्रेटिजिक इनवेस्टमेंट कंपनी का संयुक्त रूप से 40 प्रतिशत (प्रत्येक का 10 %) हिस्सा है, जबकि LIC हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड की शेष 11 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इसके तहत नेटवर्क का प्रबंधन इंफोसिस द्वारा किया जाएगा। जीएसटीएन ही वस्तु एवं सेवा कर से संबंधित सूचना प्रौद्योगिकी अवसरंचना उपलब्ध कराएगी। इसके अंतर्गत कर दाताओं का पंजीकरण कराकर 15 अंकों का एक अद्वितीय जीएसटीआईएन (GSTIN) प्राप्त करना होगा। यही उनकी पहचान संख्या होगी तथा इसका प्रयोग उन्हें कर रिटर्न एवं इनपुट क्रेडिट क्लेम के समय करना होगा। सभी रिटर्न इनवाइसों का मिलान आदि कार्य इसी नेटवर्क के माध्यम से बिना मानवीय हस्तक्षेप एवं बिना कागजी कार्यवाही के किया जाएगा।

➲ समग्र रूप से यह आर्थिक विकास को त्वरित करेगा तथा स्थिर विकास के लक्ष्य की प्राप्ति में सहायक होगा।

❑ जीएसटी के समक्ष चुनौतियां

वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली को व्यावहारिक बनाने हेतु काफी प्रयास किया गया है, परंतु अभी भी आंतरिक एवं बाह्य स्तर पर कुछ आशंकाएं एवं चुनौतियां विद्यमान हैं। इसके समक्ष सबसे बड़ी चुनौती सूचनाओं की गोपनीयता एवं सुरक्षा की है। ऐसे में जब जीएसटी पूर्णतया ऑनलाइन होगा, यह और भी गंभीर चिंता का विषय बन जाता है, क्योंकि विगत समय में वित्तीय संस्थानों पर साइबर हमले काफी बढ़ गए हैं। उल्लेखनीय है कि जीएसटीएन (वस्तु एवं सेवा कर नेटवर्क) के गठन के बाद से अब तक इस पर कई साइबर हमले किए जा चुके हैं।

जीएसटी के समक्ष एक दूसरी चुनौती इसके आदर्श परिपालन की भी है। यद्यपि सरकार की ओर से इस दिशा में काफी प्रयास किया जा रहा है, तथापि वास्तविक रूप से जीएसटी के संदर्भ में जानकारी कम और भ्रम ज्यादा हैं। ऐसे में नई कर प्रणाली में उपभोक्ताओं एवं छोटे व्यापारियों के शोषण की संभावना को भी नकारा नहीं जा सकता।

इसके अतिरिक्त वैश्विक स्तर पर जीएसटी के परिपालन के बाद आर्थिक अस्थिरता का अनुभव आम रहा है। इसे अपनाने के बाद आम-तौर पर कीमतों में वृद्धि की प्रवृत्ति देखी गई है। अनेक देशों को तो इस प्रणाली को त्यागने तक का निर्णय भी लेना पड़ा।

❑ विश्लेषण

भारत में वस्तु एवं सेवा कर को आर्थिक के साथ-साथ राजनीतिक एवं सामाजिक चश्मों से भी देखा जा रहा है। जहां एक ओर आर्थिक विश्लेषक इसके नफा-नुकसान का विश्लेषण कर रहे हैं, तो वहीं दूसरी ओर इसके राजनीतिक एवं सामाजिक निहितार्थ निकालने वालों की संख्या भी कम नहीं है। जहां एक ओर इससे आम उपभोक्ताओं के ठगे जाने, सामान्य कीमत स्तर के ऊंचा होने, आर्थिक अस्थिरता के बढ़ जाने जैसी अनेक आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं। वहीं इसके अनेक लाभ गिनाते हुए इसे आर्थिक विकास के एक शक्तिशाली इंजन की संज्ञा भी दी जा रही है, जो देश को आंतरिक एवं बाह्य दोनों स्तरों पर सुदृढ़ बनाएगा। नफा-नुकसान के इस शोर-शराबे में जीएसटी का एक महत्वपूर्ण प्रश्न दब-सा गया है। वह है इसके परिपालन को कैसे अधिक-से-अधिक व्यावहारिक बनाया जाए? कोई भी प्रणाली जो इतने तर्क-वितर्क के बाद अपनाई जाए, सामान्यतः अच्छाई-बुराई से निरपेक्ष होती है। उसका क्रियान्वयन ही उसे अच्छा या बुरा बनाता है। ऐसे में अब आवश्यकता जीएसटी के दक्ष परिपालन को सुनिश्चित कराने की है। उपभोक्ताओं, व्यापारियों एवं उद्यमियों को धैर्य के साथ नई प्रणाली को समझना होगा तथा इस पर अपने व्यावहारिक सुझाव देने होंगे। सरकार को भी इस संदर्भ में प्राप्त हो रहे सुझावों के अनुरूप जीएसटी में बदलाव हेतु तत्पर रहना होगा। एक नई प्रणाली को अपनाने में कुछ अवरोध तो आते ही हैं। अब राष्ट्रहित में सभी पक्षों को मिलकर कार्य करना होगा, तभी जीएसटी अपने अभीष्ट को प्राप्त करने में सक्षम होगा।

■■■

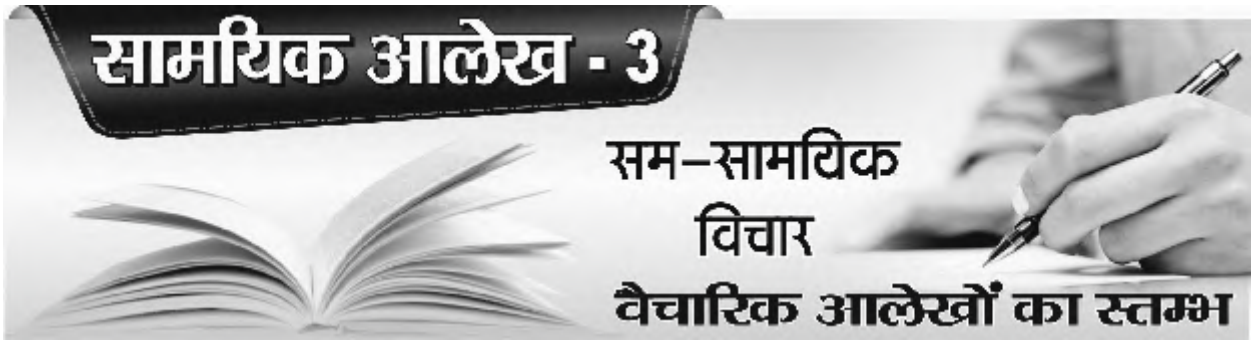

मिशन पीएसएलवी-सी 38/कार्टोसैट-2 श्रृंखला उपग्रह

31 उपग्रहों का सफल प्रक्षेपण

✍ सौरभ मेहरोत्रा

''शठे शाठ्यं समाचरेत्'' यानी जैसे को तैसा की भाषा में जवाब देने के लिए भारत ने 29 सितंबर, 2016 को पाक अधिकृत कश्मीर में 'सर्जिकल स्ट्राइक' को अंजाम दिया था। रात्रि के अंधेरे में 18 सितंबर, 2016 को उड़ी (जम्मू-कश्मीर) में आतंकवादियों द्वारा भारतीय सैनिकों पर किए गए कायराना हमले की जवाबी कार्रवाई के तौर पर की गई इस सर्जिकल स्ट्राइक में 2 पाकिस्तानी सैनिकों सहित लगभग 50 आतंकवादी मारे गए थे। इसमें दो राय नहीं कि यह सफल सर्जिकल स्ट्राइक भारतीय जवानों की जांबाजी का नतीजा थी। योजना, अमल और नतीजे तीनों ही स्तरों पर सभी कुछ जैसा भारतीय रणनीतिकारों ने सोचा, हमारी सेना के जांबाजों ने शत-प्रतिशत उसे पूरा किया। हालांकि इस पूरे अभियान की सफलता के पीछे 'अंतरिक्ष में भारत की आंख' (India's eyes in the skies) कहे जाने वाले कार्टोसैट श्रृंखला के 'भू-अवलोकन उपग्रहों' (Earth Observation Satellites) का भी बड़ा हाथ था। दरअसल, सर्जिकल स्ट्राइक, दुश्मन पर किए गए आम हमलों से बहुत अलग होती है। इस तरह के हमलों में इस बात का विशेष ध्यान रखा जाता है कि केवल लक्ष्य पर ही हमला हो और बाकी जान-माल को कोई हानि न पहुंचे। इसके लिए सेना को बिल्कुल सटीक एवं उच्चस्तरीय जानकारी की जरूरत होती है, और यही काम किया कार्टोसैट श्रृंखला के उपग्रहों ने। इन उपग्रहों से मिले 'उच्च विभेदन क्षमता' (High Resolution) के चित्रों ने आतंकियों के कैंप इत्यादि के संबंध में सटीक जानकारी प्रदान की। इससे कमांडो दस्ते को रात के अंधेरे में भी अभियान संचालित करने में जरा-सी भी दिक्कत नहीं हुई।

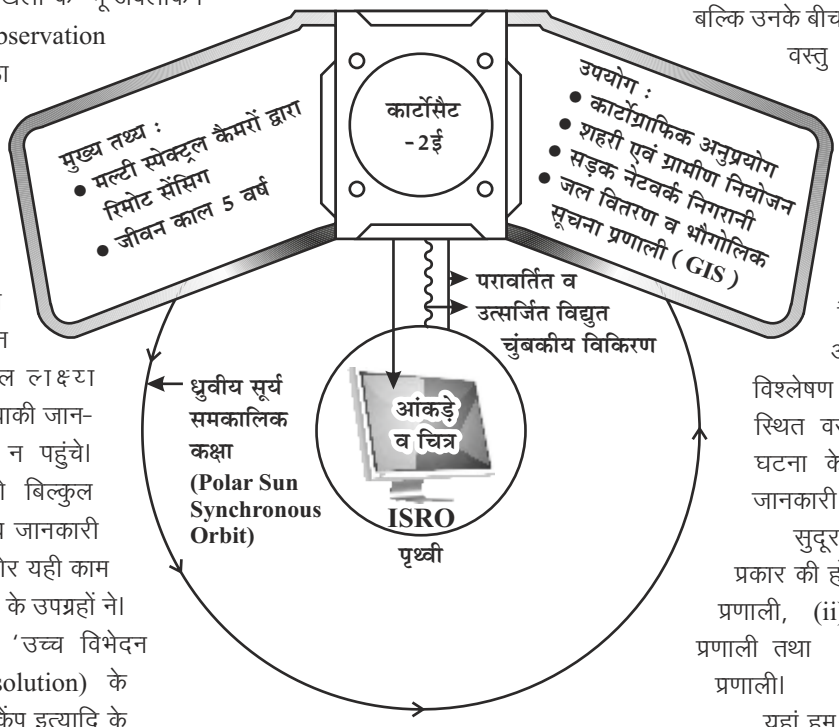

आरेखीय चित्र : कार्टोसैट - 2 ई उपग्रह व उसकी कार्यप्रणाली

❑ सुदूर संवेदन (भू-अवलोकन) उपग्रह प्रणाली

सुदूर संवेदन (Remote Sensing) का शाब्दिक अर्थ है- दूर से निरीक्षण और आंकड़ों का संग्रहण। वास्तव में, पृथ्वी पर स्थित विभिन्न वस्तुओं से परावर्तित या उत्सर्जित विद्युत चुंबकीय विकिरण का संवेदन और अभिलेखन ही सुदूर संवेदन है। यह एक ऐसी उन्नत विधा है जिसके माध्यम से बिना किसी भौतिक संपर्क के पृथ्वी की सतह एवं सतह पर स्थित वस्तुओं/ संसाधनों इत्यादि का अध्ययन किया जाता है।

सुदूर संवेदन की प्रक्रिया में संवेदनशील यंत्रों यथा संवेदकों (Sensors) की सहायता से सूचना संग्रह किया जाता है। संवेदक एवं वांछित वस्तु एक-दूसरे के संपर्क में नहीं होते हैं, बल्कि उनके बीच संपर्क का माध्यम, उस वस्तु से परावर्तित या उत्सर्जित विद्युत चुंबकीय विकिरण होता है। संवेदक इसी विद्युत चुंबकीय विकिरण का संवेदन और अभिलेखन करते हैं। संवेदकों द्वारा अधिग्रहीत आंकड़ों के विश्लेषण के माध्यम से पृथ्वी पर स्थित वस्तुओं, क्षेत्र या किसी घटना के बारे में विश्वसनीय जानकारी प्राप्त हो जाती है।

सुदूर संवेदन प्रणाली तीन प्रकार की होती है- (i) भू-आधारित प्रणाली, (ii) वायुयान आधारित प्रणाली तथा (iii) उपग्रह आधारित प्रणाली।

यहां हम उपग्रह आधारित सुदूर संवेदन प्रणाली की चर्चा करेंगे। सुदूर

संवेदी उपग्रहों को प्राय: सूर्य-समकालिक कक्षा (Sun Synchronous Orbit) में स्थापित किया जाता है। वर्तमान समय में सुदूर संवेदी उपग्रहों में बहु छायांकन (Multispectral) प्रणाली का प्रयोग किया जा रहा है, जो पृथ्वी की सतह का समकालिक छायांकन अनेक रंगों या तरंगदैर्ध्यों (Wavelengths) में करती है। इससे बहुत, सी गुप्त जानकारियां प्राप्त हो जाती हैं जो कि सामान्य छायांकन से प्राप्त नहीं हो पाती। इन उपग्रहों में लगे मल्टी-स्पेक्ट्रल कैमरे एक साथ विभिन्न रंगों के फिल्टर का प्रयोग करते हुए क्षेत्र विशेष के एक ही समय में कई चित्र ले लेते हैं। इस फिल्टरों का उपयोग विभिन्न प्रकार की चट्टानों, मृदा, वनस्पति, जल इत्यादि को अलग-अलग दिखाने के लिए किया जाता है, जो अन्यथा संभव नहीं हो पाता है।

❑ भारतीय सुदूर संवेदन उपग्रह कार्यक्रम

भारतीय सुदूर संवेदन (IRS) उपग्रह कार्यक्रम का शुभारंभ वर्ष 1979 में 'भाष्कर-I ' नामक 'प्रथम प्रायोगिक सुदूर संवेदन उपग्रह' के प्रक्षेपण के साथ हुआ। इसके बाद वर्ष 1981 में दूसरा प्रायोगिक सुदूर संवेदन उपग्रह 'भाष्कर-II' प्रमोचित किया गया। इन प्रायोगिक मिशनों से प्राप्त अनुभवों के आधार पर वर्ष 1988 में भारत का पहला स्वदेशी सुदूर संवेदन उपग्रह IRS-1A प्रक्षेपित किया गया। इस शृंखला को आगे बढ़ाते हुए वर्ष 1991 में IRS-1B, वर्ष 1993 में IRS-1E एवं वर्ष 1994 में IRS-P2 प्रक्षेपित किए गए। इसके बाद से अब तक निरंतर अनेक अत्याधुनिक सुदूर संवेदी उपग्रह शृंखलाओं के सफल प्रक्षेपणों के साथ-साथ उनसे लगातार अर्जित किए जा रहे महत्वपूर्ण एवं उपयोगी आंकड़ों के माध्यम से भारत ने रिमोट सेंसिंग के क्षेत्र में अपनी एक अतिविशिष्ट पहचान बना ली है। आज, भारत के प्रचालनरत सुदूर संवेदन उपग्रहों का समूह विश्व में सुदूर संवेदन उपग्रहों के सबसे बड़े समूहों में से एक है। इन उपग्रहों से प्राप्त आंकड़ों का प्रयोग विभिन्न अनुप्रयोगों जैसे कृषि, जल संसाधन, शहरी योजना, ग्रामीण विकास, खनिज अन्वेषण, पर्यावरण, वानिकी,समुद्री संसाधन तथा आपदा प्रबंधन इत्यादि में किया जाता है। विभिन्न 'भारतीय सुदूर संवेदन' (IRS) मिशनों को उनके अनुप्रयोगों के आधार पर निम्न प्रकार से वर्गीकृत किया जा सकता है-

(i) भू एवं जल संसाधन प्रेक्षण शृंखला

(Land & Water Resource Observation Series)

इस शृंखला के उपग्रह कृषि, वानिकी, भू-प्रयोग, भू-आवरण, मृदा, भू-विज्ञान, जल संसाधन, आपदा प्रबंधन इत्यादि अनुप्रयोगों की आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं। इन अनुप्रयोगों हेतु भारत द्वारा प्रक्षेपित उपग्रह हैं- IRS-1A, IRS-1B, IRS-1C, IRS-1D, IRS-P6 (रिसोर्ससैट-1), रिसोर्ससैट- 2 तथा IMS - 1A आदि।

(ii) समुद्री तथा वायुमंडलीय प्रेक्षण शृंखला

(Ocean & Atmospheric Observation Series)

इस शृंखला के उपग्रह तटीय क्षेत्र एवं जलवायु संबंधी अध्ययनों तथा मौसम पूर्वानुमान के लिए आंकड़े उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रक्षेपित किए जाते हैं। इस अनुप्रयोग के लिए प्रमोचित प्रमुख भारतीय उपग्रह हैं- ओशनसैट-I, ओशनसैट -II तथा मेघट्रॉपिक्स।

(iii)कार्टोग्राफिक उपग्रह शृंखला

शहरी एवं ग्रामीण अवसंरचना विकास एवं प्रबंधन हेतु बड़े एवं विषय-संबंधी मानचित्रों की आवश्यकता की पूर्ति हेतु इस शृंखला के उपग्रह प्रक्षेपित किए जाते हैं। इस शृंखला के प्रमुख भारतीय उपग्रह हैं- कार्टोसैट-1, कार्टोसैट-2, कार्टोसैट -2 ए, कार्टोसैट- 2 बी आदि।

(iv) माइक्रोवेव रिमोट सेंसिंग उपग्रह शृंखला

उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में आसमान के बादल से घिरे रहने के दौरान कृषि जैसे विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए आंकड़े उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस प्रकार के उपग्रह प्रमोचित किए जाते हैं। रिसैट-1 इस शृंखला का प्रमुख भारतीय उपग्रह है।

❑ कार्टोसैट उपग्रह शृंखला

कार्टोसैट, इसरो द्वारा निर्मित स्वदेशी भू-अवलोकन उपग्रहों की एक शृंखला है। 5 मई, 2005 को प्रक्षेपित इस शृंखला के प्रथम उपग्रह कार्टोसैट-1 ने भारतीय सुदूर संवेदन अनुप्रयोगों में एक नए युग की शुरुआत की। हालांकि यह उपग्रह 5 वर्षों के जीवनकाल के लिए ही डिजाइन किया गया था, लेकिन इसने वर्ष 2015 में अंतरिक्ष में अपनी स्थापना के 10 वर्ष पूरे किए और अभी भी प्रयोक्ताओं को उच्च विभेदन क्षमता की तस्वीरें उपलब्ध करा रहा है। अब तक 7 कार्टोसैट उपग्रहों का प्रक्षेपण इसरो द्वारा किया जा चुका है, जिनका विवरण निम्नवत है-

उपग्रह	प्रक्षेपण तिथि	भार	प्रक्षेपण यान	कक्षा
कार्टोसैट-1	5 मई, 2005	1560 किग्रा.	पीएसएलवी-सी 6	SSPO
कार्टोसैट-2	10 जनवरी, 2007	650 किग्रा.	पीएसएलवी-सी7	SSPO
कार्टोसैट-2A	28 अप्रैल, 2008	690 किग्रा.	पीएसएलवी-सी 9	SSPO
कार्टोसैट-2B	12 जुलाई, 2010	694 किग्रा.	पीएसएलवी-सी 15	SSPO
कार्टोसैट-2C	22 जून, 2016	737.5 किग्रा.	पीएसएलवी-सी 34	SSPO
कार्टोसैट-2D	15 फरवरी, 2017	714 किग्रा.	पीएसएलवी-सी 37	SSPO
कार्टोसैट-2E	23 जून,2017	712 किग्रा.	पीएसएलवी-सी 38	SSPO

❑ मिशन पीएसएलवी-सी 38/ कार्टोसैट-2 शृंखला उपग्रह

15 फरवरी, 2017 को अपने सबसे भरोसेमंद रॉकेट पीएसएलवी के जरिए 104 उपग्रहों को अंतरिक्ष में भेजकर विश्व कीर्तिमान स्थापित करने के कुछ ही महीनों बाद 23 जून, 2017 को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने अपने उसी रॉकेट का प्रयोग कर कुल 31 उपग्रहों को अंतरिक्ष में उनकी निर्धारित कक्षा में प्रक्षेपित कर

सारांश

- ◆ कार्टोसैट-2 शृंखला के तहत 23 जून, 2017 को कार्टोसैट-2ई का सफल प्रक्षेपण।
- ◆ लीथियम आयन बैटरियों द्वारा संचालित 712 किग्रा. वजन का कार्टोसैट-2ई, ध्रुवीय सूर्य समकालिक कक्षा (Polar Sun Synchronous Orbit) में स्थापित।
- ◆ पीएसएलवी, सी-38 रॉकेट के द्वारा कार्टोसैट 2ई, निउसैट तथा 29 विदेशी नैनो उपग्रहों (कुल 31 उपग्रह) का सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र शार (श्रीहरिकोटा) से सफल प्रक्षेपण।
- ◆ PSLV का कुल 40वां और लगातार 39वां सफल मिशन।
- ◆ मिशन में शामिल अन्य 14 देशों में से सर्वाधिक नैनो उपग्रह (10) अमेरिका के।

दिया। 23 जून को श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र शार के प्रथम लांच पैड से पीएसएलवी-सी38 ने नियत समय प्रातः 9:29 बजे उड़ान भरी। लगभग 16 मिनट की उड़ान के बाद रॉकेट ने भूमध्य रेखा से 97.44 डिग्री के कोण पर झुकी एवं 505 किमी. की ऊंचाई वाली 'ध्रुवीय सूर्य समकालिक कक्षा' (Polar Sun Synchronous Orbit) में उपग्रहों को पूर्व निर्धारित क्रम में स्थापित करना प्रारंभ कर दिया। सबसे पहले कार्टोसैट-2 श्रृंखला उपग्रह (कार्टोसैट-2 ई) रॉकेट से अलग हुआ और इसके बाद अगले साढ़े सात मिनटों में अन्य सभी उपग्रह भी एक-एक कर अपनी-अपनी कक्षा में स्थापित हो गए। कक्षा में पहुंचते ही कार्टोसेट-2 ई उपग्रह के सौर पैनल स्वतः खुल गए और बंगलुरू स्थित 'इसरो के टेलीमेट्री, ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क' (ISTRAC) ने उपग्रह को अपने नियंत्रण में ले लिया।

इस मिशन की खात बातें-

- यह भारत के ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (PSLV) का कुल 40वां और लगातार 39वां सफल मिशन था।
- इस मिशन में पीएसएलवी के 'एक्सएल' (XL) संस्करण का प्रयोग किया गया। यह XL प्रारूप में पीएसएलवी की 17वीं उड़ान थी।
- इस मिशन के तहत पीएलएलवी-सी38 'प्राथमिक पेलोड' के तौर पर भारत के कार्टोसैट-2ई उपग्रह को अपने साथ लेकर गया है।
- पीएसएलवी-सी38 द्वारा प्रमोचित दूसरा भारतीय उपग्रह 'निउसैट' (NIUSAT) है।
- दो भारतीय उपग्रहों के अतिरिक्त पीएसएलवी- सी38 ने 14 देशों के 29 नैनो उपग्रहों को भी अंतरिक्ष में स्थापित किया।
- जिन 29 विदेशी उपग्रहों का प्रक्षेपण इस मिशन के तहत किया गया, उनमें अमेरिका के 10, यूके, बेल्जियम एवं इटली के तीन-तीन और ऑस्ट्रिया, चिली, चेक गणराज्य, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, जापान, लाटविया, लिथुआनिया तथा स्लोवाकिया का एक-एक उपग्रह शामिल है।
- इस सफल मिशन के साथ पीएसएलवी द्वारा अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किए गए विदेशी उपग्रहों की कुल संख्या बढ़कर 209 तक पहुंच चुकी है।
- जबकि पीएसएलवी द्वारा अब तक प्रक्षेपित भारतीय उपग्रहों की कुल संख्या 48 है।
- पीएसएलवी-सी38 द्वारा कक्षा में स्थापित किए गए सभी 31 उपग्रहों का कुल वजन 955 किग्रा. है।

❑ भारतीय उपग्रह

● कार्टोसेट- 2ई

सद्यः प्रक्षेपित 31 उपग्रहों में से कार्टोसेट-2ई मुख्य एवं सबसे वजनी उपग्रह है। 712 किग्रा. भार वाला यह रिमोट सेंसिंग उपग्रह पूर्व में प्रक्षेपित कार्टोसैट-2 श्रृंखला के अन्य 5 उपग्रहों के समान ही है। यह उपग्रह अपने श्वेत-श्याम (Panchromatic) तथा रंगीन (Multispectral) कैमरों की मदद से नियमित रिमोट सेंसिंग सेवाएं उपलब्ध कराएगा। इस उपग्रह द्वारा भेजी गई तस्वीरें कार्टोग्राफिक अनुप्रयोगों, शहरी एवं ग्रामीण नियोजन, तटीय भूमि के उपयोग एवं विनियमन, सड़क नेटवर्क निगरानी, जल वितरण और भौगोलिक सूचना प्रणाली (Geographical Information System-GIS) के लिए आंकड़े उपलब्ध कराने में मददगार साबित होंगी।

कार्टोसेट-2ई : मुख्य विशेषताएं	
भार	712 किग्रा.
कक्षा प्रकार	वृत्तीय ध्रुवीय सूर्य समकालिक
कक्षीय ऊंचाई	505 किमी.
कक्षीय झुकाव	97.44 डिग्री
कक्षीय अवधि	94.72 मिनट
भूमध्य रेखा पार करने का स्थानीय समय	9: 30 A.M.
शक्ति	986 वॉट शक्ति उत्पादक सौर सारणियां, दो लीथियम आयन बैटरियां
जीवनकाल	5 वर्ष

● निउसैट

सद्यः मिशन के तहत एक भारतीय नैनो उपग्रह निउसैट को भी अंतरिक्ष में भेजा गया, जो तमिलनाडु के कन्याकुमारी जिले में स्थित नूरूल इस्लाम विश्वविद्यालय द्वारा डिजाइन एवं विकसित किया गया है। 15 किग्रा. वजनी यह उपग्रह फसलों के निरीक्षण और आपदा प्रबंधन से जुड़े अनुप्रयोगों के लिए तस्वीरें उपलब्ध कराएगा।

विदेशी उपग्रहों का विवरण	
देश	**नैनो उपग्रह**
अमेरिका	लेमूर-2 (उपग्रहों की संख्या : 8), टाइवाक-53 बी, सिसेरो - 6 (CICERO-6)
यूके	3 डायमंड्स (उपग्रहों की संख्या :3)
स्लोवाकिया	एसकेक्यूब (skCUBE)
लिथुआनिया	लिथुआनियासैट-2
लाटविया	वेंटा-1 (Venta-1)
जापान	सीई-सैट-1 (CE-SAT-1)
इटली	मैक्स वालियर (Max Valier), डी-सैट तथा उर्समायर (URSAMAIOR)
जर्मनी	क्यूबी 50 - डीई 04 (QB 50 - DE04)
फ्रांस	रोबस्टा -1 बी (ROBUSTA - 1B)
फिनलैंड	आल्टो - 1 (Aalto - 1)
चेक गणराज्य	वेज्लुसैट-1 (VZLUSAT-1)
चिली	सुचाई - 1 (SUCHAI -1)
बेल्जियम	यूसीएलसैट (UCLSAT), इनफ्लेटसेल (Inflatesail) तथा क्यूबी 50- बीई 06 (QB 50- BE 06)
ऑस्ट्रिया	पेगासस/एटी 03 (PEGASUS/AT03)

कार्टोसैट-2 श्रृंखला उपग्रहों के बाद अब इसरो ने दूरसंवेदी कार्टोसैट उपग्रहों की तीसरी पीढ़ी के विकास पर काम शुरू कर दिया है। इस श्रृंखला का पहला उपग्रह वर्ष 2018 तक बनकर तैयार हो जाएगा। इससे डिजिटल नक्शे बनाने की देश की क्षमता में विस्तार होगा। उल्लेखनीय है कि देश में अवसंरचना निर्माण हेतु इस प्रकार के नक्शों की बहुत आवश्यकता है। कार्टोसैट-3 श्रृंखला में करीब 6 उपग्रह होंगे। इनमें से कुछ उपग्रह मौजूदा दूरसंवेदी उपग्रहों की जगह लेंगे।

■■■

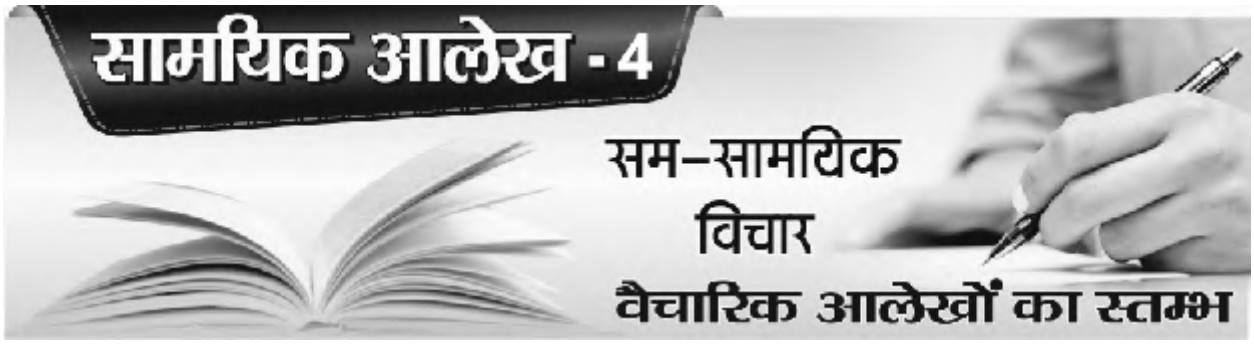

प्रधानमंत्री की इस्राइल यात्रा

✍ नीरज ओझा

''आपका स्वागत है मेरे दोस्त'' इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अभिवादन में हिंदी भाषा में कहा गया यह कथन इस्राइल-भारत संबंधों की प्रगाढ़ता और इस संबंध को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की आकांक्षा को अभिव्यक्त करता है। इस अवसर पर भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा 'शालोम लेकुलम' (हिब्रू में शुभकामनाओं के लिए प्रयुक्त पद) कहते हुए अपने संबोधन की शुरुआत करना, भारत के वैदेशिक संबंधों में इस्राइल की महत्ता को रेखांकित करता है।

इस वर्ष भारत-इस्राइल के मध्य राजनयिक संबंधों के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 4-6 जुलाई, 2017 के मध्य इस्राइल की यात्रा पर रहे। भारतीय प्रधानमंत्री की इस्राइल यात्रा दो संदर्भों में ऐतिहासिक कही जा रही है। पहला यह कि वर्ष 1950 में इस्राइल को मान्यता देने एवं वर्ष 1992 में राजनयिक संबंध स्थापित करने के बाद किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली इस्राइल यात्रा है। दूसरा यह कि इस्राइल की यात्रा के दौरान फिलीस्तीन का दौरा न करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत के पहले राजनेता हैं। भारतीय प्रधानमंत्री की जुलाई, 2017 में इस्राइल यात्रा के पहले इस्राइल जाने वाले भारतीय राजनेता सदैव फिलीस्तीन की यात्रा भी करते थे। अक्टूबर, 2015 में तत्कालीन भारतीय राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने इस्राइल के साथ ही फिलीस्तीन एवं जॉर्डन की यात्रा भी की थी।

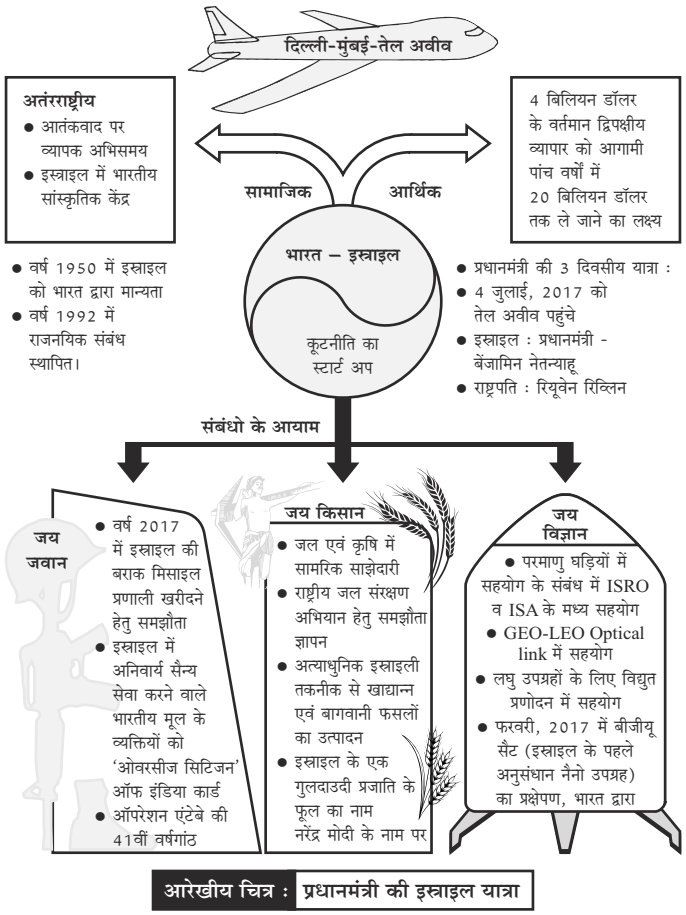

आरेखीय चित्र : प्रधानमंत्री की इस्राइल यात्रा

❑ यात्रा कार्यक्रम

तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर 4 जुलाई, 2017 को इस्राइल पहुंचे भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का तेल अवीव के बेन गुरियन हवाई अड्डे (Ben Gurion Airport) पर भव्य स्वागत किया गया। इस्राइल में ऐसा स्वागत केवल अमेरिकी राष्ट्रपति एवं रोमन कैथोलिक चर्च के पोप का ही किया जाता है। भारत-इस्राइल संबंधों के रजत जयंती वर्ष में इस्राइल की यात्रा पर गए भारतीय प्रधानमंत्री के स्वागत में हवाई अड्डे पर इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ उपस्थित थे। इस्राइली प्रधानमंत्री ने प्रोटोकॉल से परे हटकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आधिकारिक स्वागत किया।

हवाई अड्डे पर ही दोनों प्रधानमंत्रियों ने विभिन्न धर्मों के पुरोहितों और इस्राइली कैबिनेट के सदस्यों समेत चुनिंदा व्यक्तियों को संबोधित किया। अपने संबोधन में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'ऑपरेशन एंटेबे' (Operation Entebe) की 41वीं वर्षगांठ का उल्लेख किया। गौरतलब है कि 4 जुलाई, 1976 को युगांडा के एंटेबे हवाई अड्डे से इस्राइली बंधकों को छुड़ाने के लिए संचालित 'ऑपरेशन एंटेबे' में इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के भाई योनाथन नेतन्याहू शहीद हो गए थे।

4 जुलाई को ही दोनों प्रधानमंत्रियों ने इस्राइल के 'डेनजाइगर पुष्प कृषि क्षेत्र' (Danziger Flower Farm) गए एवं वोल्केनी

पुष्पकृषि अनुसंधान संस्थान (Volcani Institute of Floriculture Research) का दौरा किया। यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सम्मान में तेजी से बढ़ने वाले गुलदाउदी (Chrysanthemum) प्रजाति के फूल का नामकरण उनके नाम पर किया गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने इस्राइली समकक्ष के साथ येरूशलम स्थित इस्राइल के प्रसिद्ध नरसंहार स्मारक (Holocaust Memorial) 'याद वशेम' (Yad Vashem) गए और नरसंहार पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित की। यह इस्राइल का सबसे बड़ा नरसंहार स्मारक है। दोनों प्रधानमंत्री 'हाल ऑफ नेम्स' (Hall of Names) भी गए। 'हाल ऑफ नेम्स' में नरसंहार पीड़ितों के नाम एवं चित्र लगे हैं। बाल स्मारक (Children's Memorial) के दौरे के अतिरिक्त भारतीय प्रधानमंत्री 'हॉल ऑफ रिमेम्ब्रेंस' (Hall of Remembrance) में आयोजित स्मृति समारोह में शामिल हुए।

भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 5 जुलाई, 2017 को इस्राइली राष्ट्रपति 'रियूवेन रिव्लिन' (Reuven Rivlin) से मुलाकात की। इस्राइली राष्ट्रपति ने भारतीय प्रधानमंत्री का प्रोटोकॉल से परे हटकर स्वागत किया। उल्लेखनीय है कि नवंबर, 2016 में इस्राइल के राष्ट्रपति रिव्लिन ने भारत की यात्रा की थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के मध्य द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किंग डेविड होटल में वार्ता आयोजित हुई। वार्ता के पश्चात दोनों प्रधानमंत्रियों ने संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। दोनों नेताओं ने आतंकवाद का सामना करने के लिए वैश्विक सहयोग की अपील की। भारतीय प्रधानमंत्री ने अपने इस्राइली समकक्ष को केरल से लाई गई यहूदी अवशेषों की तांबे की प्रतिकृतियों के दो सेट प्रदान किए। यह अवशेष भारत में दीर्घकालिक यहूदी इतिहास की प्रमुख कलाकृतियां हैं। ये प्रतिकृतियां 9वीं-10 वीं शताब्दी की मानी जाती हैं। पहली प्रतिकृति हिंदू राजा चेरामन पेरुमल (प्राय: भास्कर रवि वर्मा के रूप में प्रसिद्ध) द्वारा यहूदी नेता जोसेफ रब्बान (Joseph Rabban) को दिए गए चार्टर (Charter) के रूप में माना जाता है, जिसमें वंशानुगत शाही विशेषाधिकार और रिआयत दिए जाने का वर्णन किया गया है। दूसरी प्रतिकृति भारत में यहूदी व्यापार का सबसे पुराना दस्तावेजी इतिहास है। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस्रायली प्रधानमंत्री को केरल के 'परदेशी यहूदी समुदाय' (Paradesi Jewish Community) द्वारा प्रदत्त 'टोरा सूची-पत्र' (Torah Scroll) और 'धातु का मुकुट' (Metal Crown) प्रदान किया।

दोनों प्रधानमंत्रियों की वार्ता के पश्चात भारत-इस्राइल के मध्य अंतरिक्ष, जल प्रबंधन, ऊर्जा एवं कृषि क्षेत्रों से संबंधित सात समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। इनमें 40 मिलियन डॉलर की लागत वाले भारत-इस्राइल औद्योगिक अनुसंधान एवं विकास और तकनीकी नवाचार कोष हेतु समझौता शामिल है। साथ ही जल संरक्षण के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ाने के लिए समझौते किए गए। दोनों देश कृषि क्षेत्र में एक तीन वर्षीय कार्यक्रम 'भारत-इस्राइल विकास सहयोग' पर भी सहमत हुए। इसके अतिरिक्त पांच वर्षीय तकनीकी कोष का भी शुभारंभ किया गया।

भारतीय प्रधानमंत्री ने वर्ष 2008 के मुंबई आतंकी हमले में जीवित बचे इस्राइली बालक 'मोशे होल्त्जबर्ग' (Moshe Holtzberg) और उसकी भारतीय आया (Nanny) सैंड्रा सैमुअल्स से मुलाकात की। ध्यातव्य है कि 26 नवंबर, 2008 को मुंबई के नरीमन प्वॉइंट स्थित छाबड़ हाउस पर हुए आतंकी हमले में मोशे होल्त्जबर्ग के माता-पिता रिवका होल्त्जर्ग और ग्रैविएल होल्त्जबर्ग मारे गए थे, जबकि भारतीय आया सैंड्रा सैमुअल्स बालक मोशे को सुरक्षित बचाने में सफल रही थीं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तेल अवीव कन्वेंशन केंद्र में 8000 से अधिक भारतीय मूल के व्यक्तियों को संबोधित किया। भारतीय प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में येरूशलम की यात्रा करने वाले महान भारतीय सूफी संत बाबा फरीदुद्दीन (Baba Fariduddin) का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने इस्राइल में अनिवार्य सैन्य सेवा करने वाले भारतीय मूल के व्यक्तियों को 'ओवरसीज सिटिजन ऑफ इंडिया कार्ड' (Overseas Citizen of India Cards) प्रदान किए जाने की घोषणा की। इसके अलावा उन्होंने दोनों देशों के मध्य दिल्ली, मुंबई एवं तेल अवीव को जोड़ने वाली सीधी हवाई सेवा प्रारंभ किए जाने की घोषणा की। उन्होंने इस्राइल में 'भारतीय सांस्कृतिक केंद्र' खोले जाने की भी घोषणा की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस्राइल यात्रा के तीसरे दिन 6 जुलाई, 2017 को हैफा शहर में प्रथम विश्व युद्ध के दौरान शहीद भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही उन्होंने 'हैफा के नायक' (Hero of Haifa) के नाम से प्रसिद्ध 'मेजर दलपत सिंह' की स्मृति में एक शिलापट्ट का अनावरण किया। उल्लेखनीय है कि प्रथम विश्व युद्ध के दौरान वर्ष 1918 में इस्राइल के हैफा शहर को तुर्की साम्राज्य से मुक्त कराने वाली मित्र देशों की सेना में भारतीय सैनिक शामिल थे। भारतीय सैनिकों की स्मृति में भारतीय सेना द्वारा प्रति वर्ष 23 सितंबर को 'हैफा दिवस' (Haifa Day) मनाया जाता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री' (FICCI) द्वारा आयोजित भारत-इस्राइल सहयोग हेतु 'सीईओ मंच' (CEO Forum) की पहली बैठक में शामिल हुए। यहां उन्होंने विभिन्न कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (CEO's) से मुलाकात की। इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू भी इस बैठक में शामिल हुए। सीईओ मंच द्वारा जारी किए गए एक संयुक्त दस्तावेज के अनुसार, लगभग 4 बिलियन डॉलर के वर्तमान द्विपक्षीय व्यापार को आगामी पांच वर्षों में 20 बिलियन डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य है।

❑ भारत-इस्राइल संबंध

भारत ने 17 सितंबर, 1950 को औपचारिक रूप से इस्राइल को मान्यता प्रदान की थी। वर्ष 1992 में भारत ने इस्राइल से राजनयिक संबंध स्थापित किए थे। राजनयिक संबंधों की स्थापना के पश्चात कृषि एवं रक्षा क्षेत्र दोनों देशों के संबंधों के प्रमुख स्तंभ रहे हैं। विगत कुछ वर्षों में द्विपक्षीय संबंधों का विस्तार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी शिक्षा, जल संरक्षण जैसे क्षेत्रों में हुआ है।

भारत एवं इस्राइल के मध्य राजनयिक संबंध लगातार प्रगाढ़ हो रहे हैं। वर्ष 1996 में ईज़र वीजमैन (Ezer Weizmann) भारत की यात्रा करने वाले इस्राइल के पहले राष्ट्रपति बने। वर्ष 2003 में तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के शासन काल में इस्राइल के तत्कालीन प्रधानमंत्री एरियल शेरोन ने भारत की यात्रा की थी। तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी अक्टूबर, 2015 में इस्राइल की यात्रा करने वाले पहले भारतीय राष्ट्रपति थे।

भारत एवं इस्राइल के मध्य द्विपक्षीय व्यापार वर्ष 1992 के 200 मिलियन डॉलर से बढ़कर वर्ष 2011 में 5.19 बिलियन डॉलर हो गया। वर्ष 2016 में द्विपक्षीय व्यापार 4.16 बिलियन डॉलर था।

भारत महत्वपूर्ण रक्षा प्रौद्योगिकियों का आयात इस्राइल से करता है। भारत ने वर्ष 2017 में इस्राइल के बराक मिसाइल प्रणाली

खरीदने के लिए समझौता किया है। वर्ष 2008 में भारत ने इस्राइल के जासूसी उपग्रह 'टेकसार (TecSAR)' को प्रक्षेपित किया था। भारत ने फरवरी, 2017 में इस्राइल के पहले अनुसंधान नैनो उपग्रह 'बीजीयूसैट' (BGU Sat : Ben Gurion University Satellite) का प्रक्षेपण किया था।

❑ सद्य यात्रा : निहितार्थ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऐतिहासिक इस्राइल यात्रा के पश्चात भारत एवं इस्राइल के संबंधों में एक नई ऊंचाई देखने को मिल रही है। भारतीय प्रधानमंत्री की यात्रा से भारत को विविध क्षेत्रों में लाभ होगा। साथ ही इस्राइल भी इससे लाभान्वित होगा।

इस्राइल ने सदैव नवोन्मेष एवं प्रौद्योगिकी को बढ़ावा दिया है। इसी कारण इस्राइल को 'स्टार्ट अप नेशन' भी कहा जाता है। भारत नवोन्मेष के क्षेत्र में इस्राइल से सहयोग प्राप्त कर सकता है।

इस्राइल की रक्षा, संरक्षा एवं आतंकवाद से निपटने की अत्याधुनिक तकनीकी से भारत लाभान्वित हो सकता है। भारतीय प्रधानमंत्री की इस यात्रा से भारत-इस्राइल द्विपक्षीय सहयोग को एक नया आयाम प्राप्त हुआ है। अब यह सहयोग रक्षा एवं तकनीकी की पारंपरिक साझेदारी से आगे बढ़कर सहयोग के अन्य विविध क्षेत्रों तक पहुंच गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस यात्रा के दौरान जिन सात समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं, उनका क्षेत्र बहुत व्यापक है। इन समझौतों में रक्षा एवं व्यापार के अतिरिक्त जल संरक्षण, औद्योगिक विकास तथा अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया है।

इस्राइल की जल संरक्षण क्षेत्र की उन्नत तकनीक से जल संकट का सामना कर रहे भारतीय राज्यों को लाभ होगा। साथ ही इससे प्रधानमंत्री मोदी की 'पर ड्रॉप, मोर क्रॉप' की अवधारणा को साकार करने में मदद मिलेगी। कृषि क्षेत्र की अत्याधुनिक इस्राइली तकनीक से खाद्यान्न उत्पादन एवं बागवानी फसलों के उत्पादन में भी वृद्धि होगी।

अंतरिक्ष के क्षेत्र में इस्राइल की जासूसी उपग्रह तकनीक एवं उन्नत ड्रोन विमानों से भारतीय सीमा की निगरानी में मदद मिलेगी।

भारत-इस्राइल के मध्य हस्ताक्षरित 7 समझौते

1. भारत के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग और इस्राइल के राष्ट्रीय तकनीकी नवाचार प्राधिकरण के मध्य 'भारत-इस्राइल औद्योगिक अनुसंधान एवं विकास तथा तकनीकी नवाचार निधि' (I4F) की स्थापना के लिए समझौता-ज्ञापन। (इस फंड में दोनों देशों द्वारा 5 वर्ष तक प्रतिवर्ष 4 मिलियन डॉलर का निवेश किया जाएगा)।
2. भारत सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय और इस्राइल के राष्ट्रीय अवसंरचना, ऊर्जा तथा जल संसाधन मंत्रालय के मध्य भारत में राष्ट्रीय जल संरक्षण अभियान हेतु समझौता-ज्ञापन।
3. उत्तर प्रदेश जल निगम और इस्राइल के राष्ट्रीय अवसंरचना, ऊर्जा एवं जल संसाधन मंत्रालय के मध्य भारत में राज्य जल उपयोगिता सुधार पर समझौता-ज्ञापन।
4. भारत-इस्राइल विकास सहयोग-कृषि क्षेत्र में तीन वर्षीय कार्ययोजना 2018-2020।
5. परमाणु घड़ियों में सहयोग के संबंध में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) और इस्राइल अंतरिक्ष एजेंसी (ISA) के मध्य सहयोग की योजना।
6. भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन और इस्राइल अंतरिक्ष एजेंसी के मध्य 'जीईओ-एलईओ प्रकाशीय संपर्क (GEO-LEO Optical Link) में सहयोग के संबंध में समझौता-ज्ञापन।
7. लघु उपग्रहों के लिए विद्युत प्रणोदन में सहयोग के संबंध में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन और इस्राइल अंतरिक्ष एजेंसी के मध्य समझौता-ज्ञापन।

भारत-इस्राइल संयुक्त वक्तव्य

5 जुलाई, 2017 को भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भारत-इस्राइल संयुक्त वक्तव्य' जारी किया। संयुक्त वक्तव्य के प्रमुख बिंदु निम्नलिखित हैं–

- ◆ दोनों प्रधानमंत्रियों ने उन पहलों तथा नीतियों पर सहमति व्यक्त की, जो दोनों देशों के लक्ष्यों एवं आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करती हैं और व्यापक क्षेत्रों में उनके सहयोगी प्रयासों को बढ़ाती हैं।
- ◆ दोनों देश विकास, प्रौद्योगिकी, नवाचार, उद्यमिता, रक्षा और सुरक्षा में करीबी सहयोगी बनेंगे।
- ◆ भारत एवं इस्राइल 'जल तथा कृषि में सामरिक साझेदारी' स्थापित करने पर सहमत हुए हैं। इसके तहत जल संरक्षण, अपशिष्ट जलशोधन एवं कृषि में इसके पुनः प्रयोग, विलवणीकरण, जल उपयोगिता सुधारों और उन्नत जल प्रौद्योगिकियों का उपयोग करते हुए गंगा एवं अन्य नदियों की सफाई पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।
- ◆ दोनों प्रधानमंत्रियों ने नवाचार एवं उद्यमशीलता में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देने की आवश्यकता को रेखांकित किया और स्टार्ट-अप्स के क्षेत्र में अधिक से अधिक सहयोग का आह्वान किया।
- ◆ दोनों देश द्विपक्षीय निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए निवेशों के संरक्षण के लिए समझौते पर बातचीत करेंगे।
- ◆ इस्राइल ने वर्ष 2018 में भारत में होने वाले वार्षिक प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन के लिए 'भागीदार देश' बनने की पेशकश का स्वागत किया है।
- ◆ भारत एवं इस्राइल सरकारी तथा निजी दोनों स्तरों पर साइबर क्षेत्र में सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।
- ◆ दोनों प्रधानमंत्री अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद पर व्यापक अभिसमय (CCIT : Comprehensive Convention on International Terrorism) को शीघ्र अपनाने हेतु सहयोग के लिए भी सहमत हुए।

❑ निष्कर्ष

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस्राइल यात्रा की महत्ता इस तथ्य से विदित होती है कि भारतीय प्रधानमंत्री की इस्राइली राष्ट्रपति से मुलाकात के समय को छोड़कर सभी स्थलों पर इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू भारतीय प्रधानमंत्री के साथ रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस्राइल यात्रा से वैश्विक राजनय में भारत एवं इस्राइल दोनों की स्थिति मजबूत हुई। जहां इस्राइल विश्व के देशों को यह संदेश देने में सफल रहा कि भारत जैसे विशाल देश के प्रधानमंत्री ने इस्राइल की यात्रा कर उसे व्यावहारिक मान्यता प्रदान कर दी है, वहीं अपनी फिलीस्तीन ग्रंथि से निकलते हुए पहली बार किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने फिलीस्तीन के बिना केवल इस्राइल की यात्रा संपन्न की। आने वाले समय में भारत-इस्राइल संबंध न केवल कृषि एवं रक्षा जैसे परंपरागत क्षेत्रों में बल्कि जल संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा, सूचना प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष एवं नवोन्मेष जैसे क्षेत्रों में भी सफलता का मार्ग प्रशस्त करेगा।

■■■

जीसैट-17 का सफल प्रक्षेपण

● **इन्सैट/जीसैट प्रणाली**

➡ देश की विकासात्मक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी तथा अनुप्रयोग कार्यक्रमों (Application Programmes) का विकास करना ही 'भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम' का प्राथमिक उद्देश्य है।

➲ इस उद्देश्य को पूरा करने की दिशा में 'भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन' (ISRO) ने दो प्रमुख परिचालनात्मक प्रणालियों की स्थापना की है– (i) भारतीय राष्ट्रीय उपग्रह प्रणाली (INSAT : Indian National Satellite System) तथा (ii) भारतीय सुदूर संवेदन उपग्रह प्रणाली (IRS : Indian Remote Sensing Satellite System)।

➲ वर्ष 1983 में स्थापित इन्सैट, एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सबसे बड़ी घरेलू संचार उपग्रह प्रणाली है।

➲ इन्सैट शृंखला के नई पीढ़ी के उपग्रहों का नामकरण जीसैट (GSAT : Geosynchronous Satellite) के रूप में किया गया है।

➲ इन्सैट/जीसैट प्रणाली का प्राथमिक उद्देश्य दूरसंचार, टेलिविजन प्रसारण तथा मौसम विज्ञान संबंधी सेवाएं उपलब्ध कराना है।

➲ इन्सैट/जीसैट प्रणाली के तहत वर्तमान में परिचालित 16 उपग्रह हैं–इन्सैट-3ए, 3सी, 4ए, 4बी, 4सीआर तथा जीसैट-6, 7, 8, 9, 10, 12, 14, 15, 16, 18 एवं 19।

● **संचार उपग्रह जीसैट-17**

➡ इन्सैट/जीसैट प्रणाली में शामिल होने वाला भारत का नवीनतम संचार उपग्रह जीसैट-17 है।

➲ इस उपग्रह को 29 जून, 2017 को कौरू, फ्रेंच गयाना से यूरोपीय एरियन-5 VA-238 प्रक्षेपण यान द्वारा प्रक्षेपित किया गया।

➲ लिफ्ट-ऑफ के लगभग 39 मिनट बाद एरियन-5 ने जीसैट-17 को भूमध्य रेखा से 3 डिग्री के कोण पर झुकी 249 किमी. × 35,920 किमी. वाली दीर्घवृत्ताकार भू-तुल्यकालिक अंतरण कक्षा (GTO) में स्थापित कर दिया।

➲ इसके बाद 30 जून-2 जुलाई, 2017 के मध्य उपग्रह के कक्षोन्नयन (Orbit Raising) की प्रक्रियाएं संपन्न हुईं।

➲ इसके तहत तीन चरणों में जीसैट-17 की प्रणोदन प्रणाली का प्रयोग कर उसे भूमध्य रेखा से 36,000 किमी. की ऊंचाई पर स्थित भूस्थिर कक्षा (Geostationary Orbit) में स्थापित कर दिया गया।

● **जीसैट-17 : पेलोड**

➡ देश में विभिन्न संचार सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जीसैट-17 अपने साथ सामान्य C-बैंड, विस्तारित C-बैंड तथा S-बैंड वाले पेलोड ले गया है।

➲ साथ ही इसमें मौसम विज्ञान संबंधी डाटा रिले और उपग्रह आधारित खोज एवं बचाव सेवाओं हेतु उपकरण संलग्न हैं।

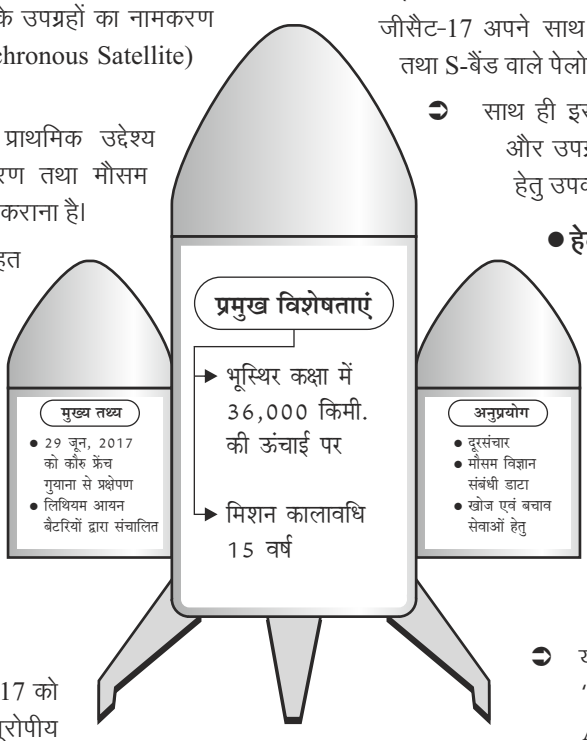

आरेखीय चित्र : जीसैट-17 एवं उसकी विशेषताएं

● **हेलास सैट 3-इनमारसैट एस ईएएन**

➡ सद्यः मिशन में एरियन-5 VA-238 रॉकेट ने जीसैट-17 के अतिरिक्त एक अन्य उपग्रह 'हेलास सैट 3-इनमारसैट एस ईएएन' (Hellas Sat-3 Inmarsat S EAN) को भी अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया।

➲ यह एक बहु-मिशन रिले उपग्रह है।

➲ यह उपग्रह कांस (फ्रांस) स्थित कंपनी 'थेल्स एलिनिया स्पेस' (Thales Alenia Space) द्वारा निर्मित किया गया है।

➲ 5780 किग्रा. वजनी इस उपग्रह की मिशन कालावधि लगभग 15 वर्ष है।

➡ उल्लेखनीय है कि इस उपग्रह में दो पेलोड शामिल हैं–(i) हेलास सैट 3(ii) इनमारसैट एस ईएएन।

➲ हेलास सैट 3, अरबसैट समूह की सहायक कंपनी 'हेलास सैट' का पेलोड है।

➲ यह कंपनी यूरोप, मध्य-पूर्व तथा दक्षिण अफ्रीका में संचार सेवाएं उपलब्ध कराती है।

➲ जबकि 'इनमारसैट एस ईएन' ब्रिटिश कंपनी इनमारसैट का पेलोड है।

● **एरियनस्पेस एवं इसरो की साझेदारी**

➡ जीसैट-17 एरियनस्पेस द्वारा 'भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन' (ISRO) के लिए प्रक्षेपित किया गया 21वां उपग्रह है।

➲ उल्लेखनीय है कि विदेशी प्रक्षेपण प्रणालियों द्वारा अब तक प्रक्षेपित इसरो के भू-स्थिर उपग्रहों में से 87 प्रतिशत उपग्रह एरियनस्पेस ने ही प्रमोचित किए हैं।

➲ प्रायोगिक उपग्रह 'एप्पल' (APPLE) इसरो का ऐसा पहला उपग्रह था, जिसके प्रक्षेपण के लिए एरियनस्पेस के एरियन-1 रॉकेट की मदद ली गई थी।

● **एरियन-5 : लगातार 80वीं सफलता**

➡ सद्यः मिशन पिछले 14 वर्षों की अवधि में एरियन-5 रॉकेट का लगातार 80वां सफल मिशन था।

➡ पिछले 14 वर्षों में एरियन-5 रॉकेट ने व्यावसायिक एवं सरकारी दोनों उपभोक्ताओं के लिए कुल 160 उपग्रह प्रमोचित किए हैं, जिनका कुल वजन 677 मीट्रिक टन से भी अधिक है।

जीसैट-17 : प्रमुख विशेषताएं		
कक्षा	-	भू-स्थिर/93.50° पूर्व देशांतर
भार	-	1480 किग्रा. (शुष्क भार) 3477 किग्रा. (उत्थापन के समय भार)
विद्युत उत्पादन	-	6200 वॉट उत्पन्न करने वाले सौर ऐरे, 144Ah की दो लीथियम आयन बैटरियां।
प्लेटफॉर्म	-	I-3K बस
प्रणोदन प्रणाली	-	16 प्रणोदक संरूपण (Thruster Configu-ration) सहित 'एकीकृत द्विनोदक प्रणाली' (Unified Bipropellant System) एवं एक 440 न्यूटन का 'द्रव अपभू मोटर' (LAM)
नियंत्रण प्रणाली	-	संवेदकों एवं प्रवर्तकों सहित 3 अक्षीय पिंड स्थिरीकृत नियंत्रण प्रणाली
मिशन कालावधि	-	लगभग 15 वर्ष

'दरवाजा बंद' अभियान

● **भूमिका**

➡ स्वच्छता का संबंध सोच से है। स्वच्छता की इसी सोच को व्यावहारिक स्वरूप प्रदान करने हेतु 2 अक्टूबर, 2014 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'स्वच्छ भारत मिशन' का शुभारंभ किया था।

- ➲ इस मिशन के दो उप-मिशन हैं-स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) और स्वच्छ भारत मिशन (शहरी)।
- ➲ स्वच्छ भारत मिशन के तहत महात्मा गांधी की 150वीं जयंती (2 अक्टूबर, 2019) तक 'स्वच्छ भारत' का लक्ष्य प्राप्त किया जाना है।

● **शुभारंभ**

➡ स्वच्छ भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु स्वच्छता के एक प्रमुख घटक, खुले में शौच से मुक्ति एवं शौचालय के प्रयोग को प्रोत्साहित करने हेतु केंद्रीय पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय द्वारा 30 मई, 2017 को देशभर के गांवों में 'दरवाजा बंद' नामक एक नए महत्वाकांक्षी अभियान का शुभारंभ किया गया।

➡ विश्व बैंक द्वारा समर्थित इस अभियान की औपचारिक शुरुआत के तुरंत बाद इसे पूरे देश में लागू किया जा रहा है।

- ➲ इस अभियान का उद्देश्य उन लोगों के व्यवहार में परिवर्तन लाना है, जो शौचालय होने के बावजूद उसका उपयोग नहीं करते हैं।
- ➲ इस अभियान से अधिक-से-अधिक लोगों को जागरूक करने हेतु प्रसिद्ध अभिनेता अभिताभ बच्चन एवं अभिनेत्री अनुष्का शर्मा को भी जोड़ा गया है। ज्ञातव्य है कि अभिताभ बच्चन पहले से ही स्वच्छ भारत मिशन के एम्बेसेडर हैं।

● **अभियान की आवश्यकता**

➡ विश्व बैंक के एक आकलन के अनुसार, अपर्याप्त स्वच्छता के कारण भारत को प्रति वर्ष लगभग 244 अरब रुपये (जो वर्ष 2006 की भारतीय GDP के 6% से भी अधिक था) की क्षति होती है।

- ➲ इसके अतिरिक्त भारत जैसे देश की इस संदर्भ में स्थिति गरीब देशों से भी नीचे होना बहुत निराशाजनक है।
- ➲ भारत में हुए तमाम अध्ययन यह बताते हैं कि भारत में शौचालय का प्रयोग न करना एक मानसिक परिघटना है।
- ➲ ऐसे में लोगों को शौचालय के उपयोग के प्रति जागरूक करने हेतु इस अभियान को प्रारंभ किया गया है।

● **प्रगति**

➡ 22 जून, 2017 को पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, अब तक 5 राज्य खुले में शौच से मुक्त हो चुके हैं।

➡ भारत का खुले में शौच से मुक्त होने वाला पहला राज्य सिक्किम है।

- ➲ इसके बाद हिमाचल प्रदेश, केरल, उत्तराखंड एवं हरियाणा भी खुले में शौच से मुक्त राज्य बन चुके हैं।

➡ वर्तमान स्थिति (22 जून, 2017) के अनुसार, भारत के दो लाख गांव एवं 147 जिले खुले में शौच से मुक्त हैं।

- ➲ इसके अतिरिक्त गुजरात एवं आंध्र प्रदेश के शहरी क्षेत्र भी खुले में शौच से मुक्त घोषित किए जा चुके हैं।

आरेखीय चित्र : दरवाजा बंद अभियान

● **निष्कर्ष**

वर्ष 2019 तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'स्वच्छ भारत' के सपने को साकार करने हेतु 'स्वच्छ भारत मिशन' प्रारंभ किया गया है। इस मिशन के तहत न केवल शौचालयों के निर्माण, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन को शामिल किया गया है, बल्कि शौचालयों के उपयोग एवं अपने परिवेश को स्वच्छ रखने हेतु भी लोगों को प्रेरित किया जाना है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्रारंभ 'दरवाजा बंद' अभियान से ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को शौचालयों के उपयोग हेतु प्रेरित करने में मदद मिलेगी।

सं. नीरज ओझा

अहमदाबाद : भारत का पहला विश्व धरोहर शहर

● विश्व धरोहर समिति की 41वीं बैठक

➡ यूनेस्को की 'विश्व धरोहर समिति' (World Heritage Committee) की 41वीं वार्षिक बैठक 2-12 जुलाई, 2017 के मध्य क्राकाव, पोलैंड में संपन्न हुई।

- ➲ इस बैठक के दौरान समिति द्वारा विश्वभर के कुल 21 नए स्थलों को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया।
- ➲ इन 21 स्थलों में से 18 सांस्कृतिक स्थल तथा 3 प्राकृतिक स्थल हैं।
- ➲ नए स्थलों को शामिल किए जाने के बाद अब विश्व के 167 देशों में विश्व धरोहर स्थलों की कुल संख्या बढ़कर 1073 हो गई है, जिनमें से 832 सांस्कृतिक स्थल, 206 प्राकृतिक स्थल तथा 35 मिश्रित स्थल के रूप में शामिल हैं।
- ➲ इस बैठक के दौरान ही विश्व धरोहर सूची में पहले से ही शामिल 5 स्थलों की सीमाओं को संशोधित या विस्तारित किया गया।
- ➲ अंगोला तथा इरिट्रिया का कोई स्थल पहली बार विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया।

● अहमदाबाद को विश्व धरोहर स्थल का दर्जा

➡ विश्व धरोहर समिति की 41वीं बैठक के दौरान 8 जुलाई, 2017 को गुजरात के ऐतिहासिक शहर अहमदाबाद को विश्व धरोहर सूची में शामिल किए जाने की घोषणा की गई।

- ➲ विश्व धरोहर सूची में स्थान पाने वाला यह भारत का पहला शहर है।
- ➲ उल्लेखनीय है कि इसके पूर्व तक भारत के विभिन्न शहरों में स्थित कुल 35 स्मारकों/स्थलों/उद्यानों आदि को विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया था, लेकिन यह प्रथम अवसर है जब पूरे शहर को ही विश्व धरोहर स्थल का दर्जा दिया गया।
- ➲ अहमदाबाद सहित अब तक भारत के कुल 36 स्थल विश्व धरोहर सूची में शामिल हो चुके हैं, जिनमें से 28 को सांस्कृतिक श्रेणी, 7 को प्राकृतिक श्रेणी तथा 1 स्थल को मिश्रित श्रेणी में स्थान प्राप्त हुआ है।
- ➲ ज्ञातव्य है कि अहमदाबाद को सांस्कृतिक स्थल के रूप में विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया है।
- ➲ एशिया एवं प्रशांत क्षेत्र में सर्वाधिक विश्व धरोहर स्थल (52) चीन में हैं, जबकि इस दृष्टि से भारत दूसरे स्थान पर है।

सारांश

- ◆ यूनेस्को की 'विश्व धरोहर समिति' की 41वीं बैठक क्राकाव, पोलैंड में संपन्न।
- ◆ 8 जुलाई, 2017 को अहमदाबाद विश्व धरोहर सूची में (सांस्कृतिक स्थल के रूप में) शामिल।
- ◆ अहमदाबाद विश्व धरोहर सूची में स्थान पाने वाला भारत का पहला शहर।
- ◆ अहमदाबाद सहित भारत के कुल 36 स्थल विश्व धरोहर सूची में शामिल।
- ◆ 15वीं शताब्दी में अहमदाबाद की स्थापना –सुल्तान अहमदशाह द्वारा।

● ऐतिहासिक शहर अहमदाबाद

➡ अहमदाबाद के किलेबंद शहर (Walled City) को सुल्तान अहमदशाह ने 15वीं सदी में साबरमती नदी के पूर्वी तट पर बसाया था।

- ➲ यह शहर वास्तुकला की एक समृद्ध विरासत प्रस्तुत करता है।
- ➲ यहां पर ऐसे 28 स्मारक हैं, जिनका संरक्षण 'भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण' (ASI) द्वारा किया जा रहा है।
- ➲ यहां की प्रमुख धरोहरों में अहमदशाह द्वारा 1423 ई. में निर्मित जामा मस्जिद, भद्र के किले की उत्तरी-पूर्वी प्राचीर के पास 1572 ई. में निर्मित सीढ़ी सैयद मस्जिद, 1451 ई. में कुतुबुदीन द्वारा निर्मित कांकरिया झील, दिल्ली दरवाजे के निकट स्थित सफेद संगमरमर से बने कलात्मक जैन मंदिर आदि के नाम उल्लेखनीय हैं।

➡ भारत का पहला विश्व धरोहर शहर घोषित किए जाने के उपलक्ष्य में गुजरात सरकार ने अहमदाबाद में 1-15 अगस्त, 2017 के मध्य 'धरोहर महोत्सव' (Heritage Festival) के आयोजन की घोषणा की है।

● विश्व धरोहर सूची में शामिल नए विदेशी स्थल

विश्व धरोहर समिति की 41वीं बैठक के दौरान जिन विदेशी स्थलों को विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया, उनमें प्रमुख हैं–

1. दक्षिण जर्मनी में स्वाबियन जुरा' (Swabian Jura) में स्थित गुफाएं एवं हिम युग की कला (जर्मनी)।
2. असमारा : अफ्रीका का आधुनिक शहर (इरिट्रिया)।
3. 15वीं एवं 17वीं शताब्दी के मध्य निर्मित वेनिस का सुरक्षा तंत्र (क्रोएशिया, इटली एवं मोंटेनेग्रो)।
4. ओकिनोशिमा का पवित्र द्वीप एवं मुनाकता क्षेत्र में उससे संबद्ध स्थल (जापान)।
5. कुलांग्सू द्वीप : एक ऐतिहासिक अंतरराष्ट्रीय अवस्थापन (चीन)।
6. किंघाई होह जिल : विश्व का सबसे बड़ा एवं सबसे ऊंचा पठार (चीन)।

● संकटग्रस्त विश्व धरोहर स्थल

➡ विश्व धरोहर समिति की 41वीं बैठक के दौरान ही ऑस्ट्रिया स्थित विएना के ऐतिहासिक केंद्र (Historic Centre of Vienna) को 'विश्व की संकटग्रस्त धरोहरों की सूची' (List of World Heritage in Danger) में शामिल किया गया।

- ➲ जबकि 'हेब्रॉन/अल-खलील प्राचीन नगर' (फिलीस्तीन) को विश्व धरोहर सूची एवं विश्व की संकटग्रस्त धरोहरों की सूची दोनों में एक-साथ शामिल किया गया।
- ➲ इस प्रकार वर्तमान में विश्व की संकटग्रस्त धरोहरों की सूची में कुल 54 स्थल शामिल हैं।
- ➲ इस सूची में कोई भी भारतीय स्थल शामिल नहीं है।

सं. सौरभ मेहरोत्रा

विश्व सैन्य व्यय प्रवृत्ति, 2016

● भूमिका

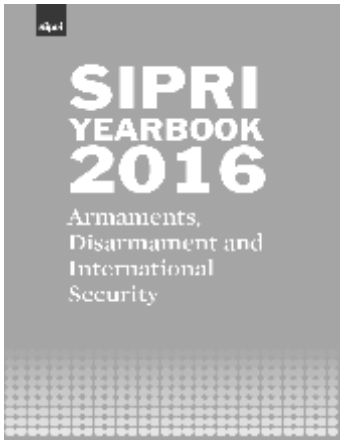

वर्तमान विश्व परिदृश्य में सैन्य शक्ति बनने की होड़-सी लगी हुई है। आज सैन्य शक्ति, सुरक्षा के साथ-साथ आर्थिक-राजनैतिक हितों को साधने का भी एक महत्वपूर्ण उपकरण बन गई है। वर्तमान विश्व में क्षेत्रीय तनावों/युद्धों तथा आर्थिक अस्थिरता के आलोक में सैन्य व्यय प्रवृत्ति के विश्लेषण पर आधारित 'विश्व सैन्य व्यय प्रवृत्ति, 2016' (Trends in World Military Expenditure, 2016) रिपोर्ट 24 अप्रैल, 2017 को 'स्टॉकहोम अंतरराष्ट्रीय शांति अनुसंधान संस्थान' (SIPRI) द्वारा जारी की गई।

➡ यह रिपोर्ट क्षेत्रीय विश्लेषण के साथ-साथ देश विशेष के सैन्य व्यय की प्रवृत्ति को भी प्रदर्शित करती है।

➲ इस रिपोर्ट में विभिन्न देशों के सैन्य व्यय का वर्ष 2007 से 2016 के मध्य का तुलनात्मक विश्लेषण भी प्रस्तुत किया गया है।

● सकल विश्व प्रवृत्ति

➡ वर्ष 2016 में सकल विश्व सैन्य व्यय 1686 बिलियन डॉलर रहा।

➲ यह वर्ष 2016 में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (GDP) का 2.2 प्रतिशत है।

➲ वर्ष 2016 में सकल विश्व सैन्य व्यय में वर्ष 2015 की तुलना में 0.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

➡ वर्ष 2016 में सर्वाधिक सैन्य व्यय की दृष्टि से शीर्ष पांच राष्ट्र हैं–1. संयुक्त राज्य अमेरिका, 2. चीन, 3. रूस, 4. सऊदी अरब तथा 5. भारत।

➡ वर्ष 2016 में अमेरिका का सैन्य व्यय 611 बिलियन डॉलर रहा और इसमें वर्ष 2015 की तुलना में 1.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

➲ पिछले पांच वर्षों से सैन्य व्यय में लगातार गिरावट दर्ज किए जाने के बाद यह पहला अवसर है, जब अमेरिका के सैन्य व्यय में वृद्धि हुई।

➲ वर्ष 2016 में अमेरिका ने विश्व के कुल सैन्य व्यय का 36 प्रतिशत अकेले व्यय किया।

➲ चीन की तुलना में अमेरिका का सैन्य व्यय तीन गुना अधिक है।

➲ वर्ष 2016 के उत्तरार्द्ध में रूस के सैन्य व्यय में अप्रत्याशित वृद्धि तथा सऊदी अरब के सैन्य बजट में अत्यधिक कटौती के कारण सर्वाधिक सैन्य व्यय करने वाले देशों की सूची में रूस तीसरे स्थान पर पहुंच गया।

➲ उल्लेखनीय है कि वर्ष 2015 की सूची में सऊदी अरब तीसरे, जबकि रूस चौथे स्थान पर था।

➡ एशिया एवं ओशिनिया, यूरोप (मध्य, पूर्वी तथा पश्चिमी) तथा उत्तरी अमेरिकी क्षेत्र में सैन्य व्यय में वृद्धि हुई।

➲ जबकि अफ्रीका, मध्य अमेरिका तथा कैरेबियन और दक्षिण अमेरिका के सैन्य व्यय में कमी देखने को मिली।

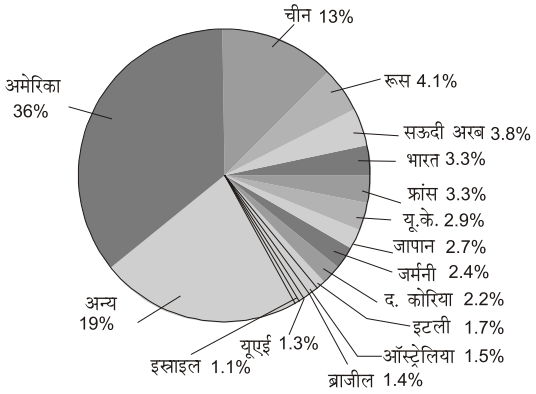

वर्ष 2016 में विश्व में 15 सर्वाधिक सैन्य व्यय करने वाले देशों की हिस्सेदारी

सारांश

- ◆ विश्व सैन्य व्यय प्रवृत्ति, 2016 रिपोर्ट, 24 अप्रैल, 2017 को 'स्टॉकहोम अंतरराष्ट्रीय शांति अनुसंधान संस्थान' (SIPRI) द्वारा जारी।
- ◆ सकल विश्व सैन्य व्यय वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (GDP) का 2.2 प्रतिशत।
- ◆ सर्वाधिक सैन्य व्यय की दृष्टि से शीर्ष पांच राष्ट्र- 1. संयुक्त राज्य अमेरिका, 2. चीन, 3. रूस, 4. सऊदी अरब तथा 5. भारत।
- ◆ वर्ष 2007-16 के मध्य चीन के सैन्य व्यय में सर्वाधिक वृद्धि (118%), रूस दूसरे (87%) व भारत तीसरे (54%) स्थान पर।
- ◆ भारत का सैन्य व्यय देश के GDP का 2.5 प्रतिशत।
- ◆ अमेरिका का सैन्य व्यय चीन से तीन गुना अधिक।
- ◆ वर्ष 2016 में अमेरिका द्वारा विश्व के कुल सैन्य व्यय का 36 प्रतिशत व्यय।
- ◆ वर्ष 2016 में विश्व के सर्वाधिक सैन्य व्यय करने वाले शीर्ष 15 देशों में से 5 (चीन, भारत, जापान, दक्षिण कोरिया एवं ऑस्ट्रेलिया) एशिया एवं ओशियाना क्षेत्र से।
- ◆ पिछले पांच वर्षों से सैन्य व्यय में लगातार गिरावट दर्ज किए जाने के बाद पहला अवसर जब अमेरिका के सैन्य व्यय में वृद्धि।

● सैन्य व्यय : एशिया एवं ओशिनिया क्षेत्र की प्रवृत्ति

➡ वर्ष 2016 में एशिया एवं ओशिनिया का सैन्य व्यय 450 बिलियन डॉलर (वर्ष 2015 की तुलना में 4.6% की वृद्धि) रहा।

➡ वर्ष 2016 में विश्व में सर्वाधिक सैन्य व्यय करने वाले शीर्ष 15 देशों में से 5 (चीन, भारत, जापान, दक्षिण कोरिया एवं ऑस्ट्रेलिया) एशिया एवं ओशिनिया क्षेत्र के हैं।

➲ इस क्षेत्र में चीन सर्वाधिक सैन्य व्यय करने वाला देश रहा।

➲ वर्ष 2016 में चीन का सैन्य व्यय 215 बिलियन डॉलर रहा, जो इस क्षेत्र के कुल सैन्य व्यय का 48 प्रतिशत है।

➡ वर्ष 2007-2016 के मध्य विश्व में चीन के सैन्य व्यय में सर्वाधिक वृद्धि (118%) देखने को मिली।

➲ इस दृष्टि से रूस (87%) दूसरे एवं भारत (54%) तीसरे स्थान पर रहा।

● **भारत का सैन्य व्यय**

➡ वर्ष 2016 में भारत का सैन्य व्यय 55.9 बिलियन डॉलर दर्ज किया गया, जो देश के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) का 2.5 प्रतिशत है।

➲ वर्ष 2009 के बाद से वर्ष 2016 में भारत के वार्षिक सैन्य व्यय में हुई सबसे बड़ी वृद्धि के कारण भारत, विश्व के सर्वाधिक सैन्य व्यय करने वाले देशों की सूची में 7वें स्थान (वर्ष 2015 की संशोधित सूची के अनुसार) से 5वें स्थान पर पहुंच गया।

शीर्ष 5 देशों के सैन्य व्यय की प्रवृत्ति

रैंक		देश	व्यय	परिवर्तन	व्यय का GDP में हिस्सा (%)	
2016	2015 (संशोधित)		2016 (बिलियन डॉलर)	2007-2016 (%)	2007	2016
1.	1.	सं.रा. अमेरिका	611	–4.8	3.8	3.3
2.	2.	चीन	215	118	1.9	1.9
3.	4.	रूस	69.2	87	3.4	5.3
4.	3.	सऊदी अरब	63.7	20	8.5	10
5.	7.	भारत	55.9	54	2.3	2.5

सं. सौरभ मेहरोत्रा

भारत-रूस : विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी भागीदारी के 10 वर्ष

● **पृष्ठभूमि**

भारत एवं रूस के मध्य दीर्घकालिक वैज्ञानिक संबंध रहा है। इस संबंध की शुरुआत वर्ष 1972 में भारत तथा सोवियत संघ (USSR) के बीच विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी समझौते से हुई थी। वर्ष 1987 में वैज्ञानिक सहयोग के 'एकीकृत दीर्घकालिक कार्यक्रम' (ILTP) को अंतिम रूप दिए जाने के बाद यह संबंध और अधिक मजबूत हुआ। सोवियत संघ के विघटन के पश्चात भी भारत एवं रूस के मध्य वैज्ञानिक सहयोग बना रहा और वर्ष 1994 में दोनों देशों के मध्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग हेतु एक नए समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

● **बुनियादी विज्ञान के क्षेत्र में सहयोग के 10 वर्ष**

➡ 'एकीकृत दीर्घकालिक कार्यक्रम' (ILTP) की समाप्ति के पश्चात वर्ष 2007 में भारत के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग और रसियन फेडरेशन ऑफ बेसिक रिसर्च (RFBR) का 'बुनियादी विज्ञान कार्यक्रम' प्रारंभ हुआ। वर्ष 2017 में भारत एवं रूस बुनियादी विज्ञान के क्षेत्र में सहयोग की 10वीं वर्षगांठ मना रहे हैं।

➡ इस कार्यक्रम से भारतीय वैज्ञानिकों को रूस के अकादमिक एवं वैज्ञानिक संस्थानों में कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ।

- ➲ विगत 10 वर्षों में भारत के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग एवं रसियन फेडरेशन ऑफ बेसिक रिसर्च (RFBR) ने संयुक्त रूप से कुल 254 अनुसंधान परियोजनाओं को सहयोग प्रदान किया।
- ➲ इस कार्यक्रम के तहत बुनियादी विज्ञान क्षेत्र की जिन परियोजनाओं को समर्थन दिया गया है, उनमें शामिल हैं– भौतिकी एवं खगोलशास्त्र (69 परियोजनाएं), रसायन विज्ञान एवं पदार्थ विज्ञान (55 परियोजनाएं) और जीव विज्ञान एवं चिकित्सा विज्ञान (34 परियोजनाएं)।
- ➲ साथ ही कार्यक्रम के तहत पृथ्वी विज्ञान (32 परियोजनाएं), गणित (27 परियोजनाएं), अभियांत्रिकी विज्ञान (23 परियोजनाएं), कंप्यूटर विज्ञान एवं दूरसंचार (14 परियोजनाएं) आदि को भी समर्थन दिया गया।
- ➲ उपर्युक्त परियोजनाओं के अब तक 800 शोध-पत्र प्रकाशित हो चुके हैं।

● **हालिया घटनाक्रम**

➡ 19 जून, 2017 को भारत के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव प्रो. आशुतोष शर्मा तीन दिवसीय यात्रा हेतु रूस पहुंचे।

➡ यात्रा के दौरान भारत के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग और रूस के 'फाउंडेशन फॉर असिस्टेंस टू स्माल इनोवेटिव इंटरप्राइजेज' (FASIE) के मध्य 'भारत-रूस एकीकृत प्रौद्योगिकी आकलन और त्वरित व्यवसायिकीकरण कार्यक्रम' हेतु एक नए समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

- ➲ समझौते का उद्देश्य उद्यमों को सहयोग उपलब्ध कराना है, ताकि वे अंतरराष्ट्रीय सहयोग, अभिनव कार्य-कलापों और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के माध्यम से वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अपनी स्थिति मजबूत कर सकें।
- ➲ दोनों संस्थानों (DST और FASIE) द्वारा भारत एवं रूस के संगठनों तथा संस्थाओं के मध्य समन्वय स्थापित किया जाएगा, जिससे उद्यम और शोध संस्थान संयुक्त रूप से प्रौद्योगिकी सहयोग एवं संयुक्त उद्यम विकसित कर सकेंगे।

● **भारत-रूस राजनयिक संबंधों के 70 वर्ष**

➡ वर्ष 2017 में भारत एवं रूस राजनयिक संबंधों की स्थापना की 70वीं वर्षगांठ मना रहे हैं।

➡ उल्लेखनीय है कि 13 अप्रैल, 1947 को भारत और तत्कालीन सोवियत संघ के मध्य राजनयिक संबंध स्थापित हुए थे।

- ➲ राजनयिक संबंधों की स्थापना की 70वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में वर्ष 2017 में वर्षभर रूस के विभिन्न शहरों में भारतीय सांस्कृतिक विरासत के प्रदर्शन हेतु 'नमस्ते रसिया' (Namaste Russia!) कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।
- ➲ जून, 2017 में सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम में भारत 'अतिथि देश' के रूप में शामिल हुआ।

सारांश

- ◆ वर्ष 2017 में भारत एवं रूस के मध्य बुनियादी विज्ञान के क्षेत्र में सहयोग की 10वीं वर्षगांठ।
- ◆ वर्ष 2007 में भारत के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग और रसियन फेडरेशन ऑफ बेसिक रिसर्च (RFBR) का 'बुनियादी विज्ञान कार्यक्रम' प्रारंभ।
- ◆ वर्ष 2017 में भारत व रूस के मध्य राजनयिक संबंधों की स्थापना की 70वीं वर्षगांठ।
- ◆ रूस के विभिन्न शहरों में भारतीय सांस्कृतिक विरासत के प्रदर्शन हेतु 'नमस्ते रसिया' कार्यक्रम।
- ◆ मई, 2017 में रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में 'इंडिया वीक' का आयोजन।
- ◆ जून, 2017 में सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम में भारत 'अतिथि देश'।

'साथ' कार्यक्रम

● **शुभारंभ**

10 जून, 2017 को नीति आयोग द्वारा सहकारी संघवाद की कार्यसूची पर अमल के लिए 'साथ' (SATH : Sustainable Action for Transforming Human Capital) कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह कार्यक्रम मानव पूंजी के रूपांतरण के लिए सतत क्रिया के रूप में है।

● **उद्देश्य**

इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों का कायाकल्प करना है। इस कार्यक्रम के माध्यम से विभिन्न राज्यों को नीति आयोग से अपेक्षित तकनीकी सहायता प्राप्त होगी। इसका लक्ष्य स्वास्थ्य प्रणाली के लिए भविष्य के तीन रोल मॉडल राज्यों की पहचान और उनका निर्माण करना है।

● **कार्यक्रम का कार्यान्वयन**

'साथ' कार्यक्रम का कार्यान्वयन नीति आयोग द्वारा ग्लोबल कंसल्टेंसी मैकिन्से एंड कंपनी और आईपीई ग्लोबल कंसोर्टियम के साथ किया जाएगा। इसके लिए इन कंपनियों के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया जाएगा।

● **राज्यों का चयन**

नीति आयोग द्वारा तीन मॉडल राज्यों के चयन हेतु त्रिस्तरीय प्रक्रिया को परिभाषित किया गया है–

1. रुचि की अभिव्यक्ति (Expression of Interest)
2. राज्यों द्वारा प्रस्तुतियां (Presentations by the States)
3. स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार के प्रति प्रतिबद्धता का आकलन (Assessment of Commitment to Health Sector Reforms)

➡ नीति आयोग द्वारा 'साथ' कार्यक्रम में भाग लेने के लिए सभी राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों को आमंत्रित किया गया था।

- ➲ 16 राज्यों ने इसमें अपनी रुचि दिखाई थी, जिनमें से 14 राज्यों ने अपनी प्रस्तुतियों को बिबेक देबराय की अध्यक्षता वाली समिति के समक्ष पेश किया था।
- ➲ इनमें से 5 राज्यों का चयन किया गया है।
- ➲ अंतिम रूप से तीन राज्यों का चयन किया जाना है, जिनमें इस कार्यक्रम को लागू किया जाएगा। राज्यों का अंतिम रूप से चयन विभिन्न मानदंडों जैसे- मातृ मृत्यु दर, शिशु मृत्यु दर, मलेरिया के मामले आदि के आधार पर किया जाना है।

आरेखीय चित्र : साथ कार्यक्रम

● **नीति आयोग**

➡ 1 जनवरी, 2015 को नीति (NITI : National Institution for Transforming India) आयोग अस्तित्व में आया।

- ➲ इसे योजना आयोग के स्थान पर स्थापित किया गया है।
- ➲ योजना आयोग की तरह इसकी स्थापना भी मंत्रिमंडल द्वारा पारित प्रस्ताव द्वारा की गई है। अतः यह भी एक संविधानेतर तथा परामर्शदात्री संस्था है। इसका उद्देश्य राज्यों की सक्रिय भागीदारी के साथ राष्ट्रीय विकास प्राथमिकताओं, क्षेत्रों और रणनीतियों का एक साझा दृष्टिकोण विकसित करना है।

नीति आयोग का गठन

अध्यक्ष	-	भारत का प्रधानमंत्री।
उपाध्यक्ष	-	प्रधानमंत्री द्वारा नियुक्त।
गवर्निंग काउंसिल	-	राज्यों के मुख्यमंत्री और केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपाल।
सदस्य	-	(i) पूर्णकालिक (ii) अंशकालिक
पदेन सदस्य	-	केंद्रीय मंत्रिपरिषद से अधिकतम चार सदस्य, प्रधानमंत्री द्वारा नामित।
विशेष आमंत्रित सदस्य	-	प्रधानमंत्री द्वारा नामित।
मुख्य संचालन अधिकारी	-	भारत सरकार के सचिव स्तर का अधिकारी, प्रधानमंत्री द्वारा नियुक्त।
क्षेत्रीय परिषद	-	विशिष्ट मुद्दों और ऐसे आकस्मिक मामलों के लिए, जिनका संबंध एक से अधिक राज्य क्षेत्र से हो।

● **निष्कर्ष**

एक वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित होने के लिए भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश के लिए यह अत्यंत आवश्यक है कि उसके नागरिक स्वस्थ एवं जागरूक हों। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21, जीने का अधिकार ही नहीं देता, बल्कि सम्मानपूर्वक पूर्ण स्वस्थता के साथ जीने का अधिकार देता है, लेकिन भारत में स्वास्थ्य एवं शिक्षा की स्थिति अत्यंत सोचनीय है। वैश्विक जनसंख्या में 17.5 प्रतिशत की भागीदारी वाले भारत की विश्व की बीमारियों में हिस्सेदारी लगभग 20 प्रतिशत है। स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में समावेशी विकास हेतु नीति आयोग द्वारा 'साथ' कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। इसके माध्यम से राज्यों में शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों का कायाकल्प किया जाना है।

सं. काली शंकर 'शारदेय'

राष्ट्रीय उन्नत अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल प्रौद्योगिकी मिशन

● **पृष्ठभूमि**

➡ कोयला भारत में ऊर्जा का मुख्य स्रोत है।

➲ देश का लगभग 66 प्रतिशत विद्युत उत्पादन कोयले पर निर्भर है।

➡ भारत का मौजूदा कोयला भंडार 286 बिलियन टन अनुमानित है, जबकि प्रमाणित कोयला भंडार (Proven Reserves) 114 बिलियन टन है। हालांकि कोयले द्वारा विद्युत उत्पादन की प्रक्रिया में कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन भी बहुत होता है, जो कि जलवायु परिवर्तन के परिप्रेक्ष्य से चिंता का कारण है।

➡ भारत ऐसी स्वच्छ कोयला उपयोग आधारित विद्युत उत्पादन तकनीकों को अपनाना चाहता है, जिससे कार्बन उत्सर्जन घटाने में मदद मिले।

➲ साथ ही उच्चतम संभाव्य ऊर्जा दक्षता प्राप्त हो और प्रति यूनिट विद्युत उत्पादन हेतु आवश्यक कोयले की मात्रा को भी घटाने में सहायता मिले।

● **राष्ट्रीय उन्नत अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल प्रौद्योगिकी मिशन**

➡ जून, 2017 में भारत ने स्वच्छ कोयला उपयोग के लिए 'राष्ट्रीय उन्नत अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल प्रौद्योगिकी मिशन' (National Mission on Advanced Ultra Super Critical Technologies) प्रारंभ करने की घोषणा की।

➲ यह घोषणा बीजिंग में आयोजित द्वितीय मिशन नवाचार मंत्रिस्तरीय और 8वें स्वच्छ ऊर्जा मंत्रिस्तरीय सम्मेलन के दौरान विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. हर्षवर्धन द्वारा की गई।

➡ मिशन की कुल लागत 238 मिलियन डॉलर होगी।

➡ मिशन को दो चरणों में कार्यान्वित किया जाएगा।

➲ मिशन के पहले चरण का उद्देश्य ताप विद्युत संयंत्रों के लिए उन्नत अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल प्रौद्योगिकी के सभी पहलुओं पर अनुसंधान एवं विकास (R & D) करना, जिससे विद्युत संयंत्र की दक्षता में सुधार, कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी और प्रति यूनिट विद्युत उत्पादन में आवश्यक कोयला खपत को कम किया जा सके।

➲ मिशन के दूसरे चरण में विकसित प्रौद्योगिकी पर आधारित एक 800 मेगावॉट के उन्नत अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल प्रौद्योगिकी प्रदर्शक विद्युत संयंत्र की स्थापना की जाएगी।

सत्यमेव जयते

Department of Science and Technology
Ministry of Science and Technology
Government of India

➡ यह मिशन भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (BHEL), इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र (IGCAR) और राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम लिमिटेड (NTPC) द्वारा संयुक्त रूप से कार्यान्वित किया जाएगा।

● **अन्य पहल एवं घोषणाएं**

➡ उपर्युक्त मिशन के साथ ही भारत ने स्वच्छ कोयला प्रौद्योगिकियों पर दो उत्कृष्टता केंद्रों (प्रत्येक की लागत 5 मिलियन डॉलर) की स्थापना करने की घोषणा की है।

➡ स्वच्छ ईंधनों पर अनुसंधान के लिए मेथेनॉल (Methanol) और डाइ-मेथिल ईथर (Di-Methyl Ether) पर एक राष्ट्रीय मिशन प्रारंभ किया जा रहा है।

➲ सोलर फोटोवोटेइक, तापीय भंडारण तथा सौर ईंधन अनुसंधान पर 5 मिलियन डॉलर की लागत से एक नए केंद्र की स्थापना की स्वीकृति दी गई है।

➲ ऊर्जा भंडारण, स्वच्छ कोयला एवं अपशिष्ट जल उपचार के क्षेत्र में 10 मिलियन डॉलर तक के वित्तपोषण अवसरों की घोषणा की गई है।

➲ भारत-अमेरिका संयुक्त स्वच्छ ऊर्जा अनुसंधान (PACE-R) के तहत स्मार्ट ग्रिड एवं ऊर्जा भंडारण पर एक सहयोगात्मक सार्वजनिक-निजी कार्यक्रम को स्वीकृति प्रदान की गई है।

➲ भारत ने नॉर्वे के साथ अक्षय ऊर्जा पर एक संयुक्त कार्यक्रम प्रारंभ किया है।

● **निष्कर्ष**

कोयले से विद्युत उत्पादन से वातावरण में लगभग 32 प्रतिशत कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन होता है। उन्नत अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल प्रौद्योगिकी युक्त कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्र में सब-क्रिटिकल ताप विद्युत संयंत्र की तुलना में 20 प्रतिशत कम कोयला खपत एवं 20 प्रतिशत कम कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन होता है, जबकि सुपर क्रिटिकल ताप विद्युत संयंत्र में यह कमी 11 प्रतिशत (प्रत्येक में) है। भविष्य में सभी बड़े कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्रों में उन्नत अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल प्रौद्योगिकी के उपयोग से पर्यावरण को क्षति पहुंचाए बिना देश में लंबी अवधि के लिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

सारांश

◆ जून, 2017 में स्वच्छ कोयला उपयोग हेतु 'राष्ट्रीय उन्नत अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल प्रौद्योगिकी मिशन प्रारंभ।
◆ मिशन दो चरणों में कार्यान्वित।
◆ पहले चरण में ताप विद्युत संयंत्रों के लिए अनुसंधान एवं विकास।
◆ दूसरे चरण में 800 मेगावॉट के विद्युत संयंत्र की स्थापना।
◆ BHEL, IGCAR व NTPC द्वारा संयुक्त रूप से कार्यान्वित।
◆ मिशन वर्ष 2017-18 में प्रारंभ होकर आगामी तीन वर्षों में कार्यान्वित।
◆ स्वच्छ ईंधनों के अनुसंधान के लिए मेथेनॉल, डाइ-मेथिल ईथर (Di-Methyl Ether) पर एक राष्ट्रीय मिशन।
◆ यूनाइटेड किंगडम के साथ संयुक्त वर्चुअल (Virtual) स्वच्छ ऊर्जा केंद्र आरंभ।
◆ कोयले से विद्युत उत्पादन से वातावरण में लगभग 32 प्रतिशत कार्बन डाइऑक्साइड प्रदूषण।
◆ ADU-USC ताप विद्युत संयंत्र में सबक्रिटिकल ताप विद्युत संयंत्र की अपेक्षा 20 प्रतिशत कम कोयला खपत एवं 20 प्रतिशत कम CO_2 उत्सर्जन।
◆ 6-8 जून, 2017 के मध्य, द्वितीय मिशन नवाचार व 8वीं स्वच्छ ऊर्जा मंत्री स्तरीय सम्मेलन बीजिंग (चीन) में।
◆ स्वच्छ ऊर्जा मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में 24 देश व यूरोपीय संघ शामिल।

पेरिस समझौते से अलग हुआ अमेरिका

● **पृष्ठभूमि**

वर्तमान में विश्व के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती के रूप में पर्यावरणीय समस्या विद्यमान है। यह एक बहुआयामी समस्या है। एक तरफ गरीबी से ग्रस्त देश जहां इसे जटिल बना रहे हैं, वहीं विकसित देशों की विकास के लिए जारी अंधी दौड़ ने पर्यावरण को नष्ट करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। आज विश्व समुदाय इस समस्या से निजात पाने की जुगत में लगा हुआ है। इसी परिप्रेक्ष्य में वर्ष 2015 में विश्व के देशों द्वारा पेरिस में एक समझौते पर सहमति व्यक्त की गई थी।

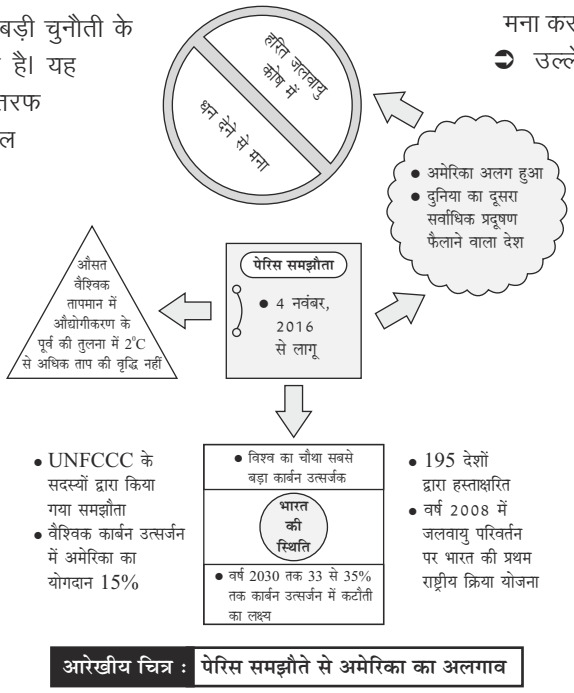

आरेखीय चित्र : पेरिस समझौते से अमेरिका का अलगाव

● **क्या है पेरिस समझौता?**

➡ पेरिस समझौता, जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए यूएनएफसीसीसी के सदस्यों (Parties of UNFCCC) द्वारा किया गया एक समझौता है।

- ➲ इस समझौते पर 195 देशों ने हस्ताक्षर किए थे।
- ➲ इस समझौते के अनुसार, 21वीं सदी के औसत तापमान में औद्योगीकरण के पूर्व के वैश्विक तापमान के स्तर की तुलना में 2^0C से अधिक की वृद्धि नहीं होने दी जाएगी।
- ➲ साथ ही यह प्रयास भी रहेगा कि वैश्विक औसत तापमान में वृद्धि को 1.5^0C तक सीमित रखा जाए।
- ➲ यह समझौता 4 नवंबर, 2016 से लागू हुआ था।

● **पेरिस समझौते से अमेरिका हुआ बाहर**

➡ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पेरिस समझौते से अलग होने का निर्णय लिया है।

- ➲ उनके अनुसार, पेरिस समझौता अमेरिका की अर्थव्यवस्था को कुप्रभावित कर रहा है।
- ➲ उनका यह भी तर्क है कि इस समझौते से वर्ष 2025 तक अमेरिका में 27 लाख नौकरियां चली जाएंगी।

➡ जलवायु परिवर्तन के मुद्दों पर ऐसा दूसरी बार है, जब अमेरिका किसी वैश्विक समझौते से अलग हो गया है।

- ➲ इससे पूर्व क्योटो प्रोटोकॉल (1997 में हस्ताक्षरित) के साथ अमेरिका ने ऐसा ही किया था।
- ➲ इस घोषणा से पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका में जीवाश्म ईंधन की खपत और ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के लिए ओबामा प्रशासन द्वारा शुरू की गई नीतियों को समाप्त कर दिया।
- ➲ इसके अतिरिक्त अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा हरित जलवायु कोष (Green Climate Fund : GCF) समेत ग्लोबल क्लाइमेट चेंज इनिशिएटिव को भी धनराशि प्रदान करने से भी मना कर दिया गया है।
- ➲ उल्लेखनीय है कि हरित जलवायु कोष को विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन के अनुकूल बनाने और निम्न कार्बन प्रौद्योगिकियों का इस्तेमाल बढ़ाने में मदद करने के लिए स्थापित किया गया है।

● **जलवायु परिवर्तन में अमेरिका की भूमिका**

जलवायु परिवर्तन के लिए अमेरिका ऐतिहासिक रूप से सर्वाधिक उत्तरदायी है। वर्तमान में यह दुनिया का दूसरा सर्वाधिक प्रदूषण फैलाने वाला देश है। अमेरिका का विद्युत क्षेत्र अकेले ही वर्ष 2015 में 2 बिलियन टन से अधिक कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार था।

➡ ध्यातव्य है कि वर्ष 2014 के आंकड़ों के अनुसार कुल वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में **चीन** का योगदान 30%, **सं. रा. अमेरिका** का 15%, **यूरोपीय संघ** का 9%, **भारत** का 7% व **रूस** का 5% है।

● **अन्य देशों का मत**

पेरिस समझौते से अलग होने की अमेरिका की घोषणा से जलवायु परिवर्तन के खिलाफ चल रही वैश्विक मुहिम को नुकसान पहुंचा है। हालांकि जिस तरीके से दुनिया भर के देशों ने अमेरिका के इस फैसले के खिलाफ एकजुटता दिखाई है, उससे ऐसा लगता है कि पृथ्वी को बचाने की अंतरराष्ट्रीय मुहिम की गति धीमी नहीं पड़ी है।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैकों ने डोनाल्ड ट्रंप के नारे 'अमेरिका ग्रेट अगेन' के विपरीत विश्व समुदाय की भलाई के लिए नया नारा 'प्लैनेट ग्रेट अगेन' दिया है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने पेरिस समझौते से अमेरिका के हटने को अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। उनका कहना है कि इससे ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी लाने के वैश्विक प्रयासों को नुकसान पहुंचा है।

● **भारत का मत**

पेरिस समझौते से अलग होने की अमेरिका की घोषणा के उपरांत भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कहना है कि पेरिस समझौता भावी पीढ़ियों के लिए किया गया है और इस संबंध में भारत के रुख में कोई बदलाव नहीं होगा। ध्यातव्य है कि भारत विश्व का चौथा सबसे बड़ा कार्बन उत्सर्जक देश है। पेरिस समझौते के तहत भारत ने वर्ष 2030 तक 2005 के स्तर की तुलना में 33 से 35 प्रतिशत तक कार्बन उत्सर्जन में कटौती का लक्ष्य रखा है।

सं. काली शंकर 'शारदेय'

केरल में हरित प्रोटोकॉल लागू

● **मसौदा**

➡ विवाह जैसे शुभ अवसरों को अधिक प्रकृति अनुकूल बनाने हेतु केरल सरकार द्वारा एक 'हरित प्रोटोकॉल' (Green Protocol) को लागू किया गया है।

- ➲ यह प्रोटोकॉल विवाह समारोहों को प्लास्टिक और अन्य गैर-जैवनिम्नीकृत (Non-Biodegradable) वस्तुओं जैसे कि प्रयोज्य (Disposable) बर्तनों इत्यादि के प्रयोग से मुक्त रखेगा।
- ➲ ये ऐसी वस्तुएं हैं, जो आसानी से अपघटित नहीं होती हैं। अतः इनके प्रयोग को हतोत्साहित किया जाएगा।
- ➲ योजना के तहत विवाह समारोह स्थल, मैरिज हॉल एवं होटलों का औचक निरीक्षण किया जाएगा और प्रोटोकॉल का उल्लंघन होने पर कार्रवाई की जाएगी।

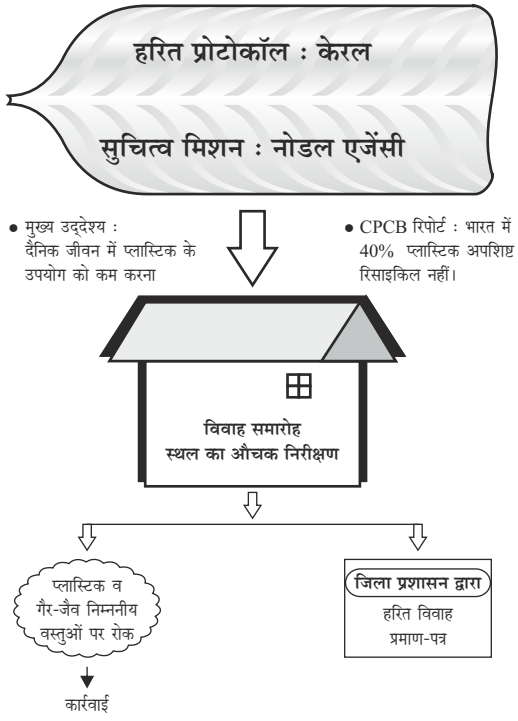

आरेखीय चित्र : हरित प्रोटोकॉल

● **उद्देश्य**

इस पहल का मुख्य उद्देश्य दैनिक जीवन में प्लास्टिक के उपयोग को कम करना है। प्लास्टिक एवं अन्य गैर-जैवनिम्नीकृत वस्तुएं विवाह समारोहों का अभिन्न अंग होते जा रहे हैं। इनके निस्तारण का विकल्प पुनर्चक्रण हो सकता है, परंतु यह विधि इनकी उपलब्धता को कम नहीं कर सकती है। यह लक्ष्य इनके निम्नतम उपयोग को अपनाकर ही हासिल किया जा सकता है।

● **वस्तुस्थिति**

➡ केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अनुमानित रूप से प्रति वर्ष 9,205 टन प्लास्टिक अपशिष्ट एकत्र करके रिसाइकिल अर्थात पुनर्चक्रित किया जाता है।

- ➲ यह कुल प्लास्टिक अपशिष्ट का 60 प्रतिशत (वजन के आधार पर) है, जबकि शेष 6137 टन अपशिष्ट गैर-एकत्रित और जहां-तहां पड़ा रह जाता है।

➡ प्लास्टिक दो प्रकार के होते हैं–'थर्मोप्लॉस्टिक्स' एवं 'थर्मोसेट'। पुनर्चक्रण योग्य थर्मोप्लास्टिक्स की हिस्सेदारी 80 प्रतिशत होती है, वहीं डिजिटल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग में प्रयुक्त, गैर-पुनर्चक्रण योग्य 'थर्मोसेट प्लास्टिक' कुल प्लास्टिक अपशिष्ट का 20 प्रतिशत होता है।

● **संचालन**

➡ स्वच्छता हेतु राज्य की नोडल एजेंसी 'सुचित्व मिशन' ने इस पहल को कन्नूर, एर्नाकुलम, कोल्लम और अलप्पुझा में प्रायोगिक आधार पर लागू किया है।

➡ 'हरित प्रोटोकॉल', 'प्लास्टिक रोधी अभियान' और 'हरित केरल मिशन' का ही एक हिस्सा है।

- ➲ इसके संचालन हेतु 'सुचित्व मिशन' ने अपने साथ जिला प्रशासन, पंचायत अधिकारियों, सामाजिक-सांस्कृतिक एवं धार्मिक संगठनों को भी शामिल किया है।
- ➲ प्रभावी संचालन हेतु इसे एक जन-जागरूकता अभियान का रूप दिया जाएगा।
- ➲ कानूनी प्रावधान के तहत विवाह गृहों, समारोहों के निरीक्षण हेतु विशेष दस्तों (जिसमें सुचित्व मिशन और राजस्व विभाग के अधिकारीगण शामिल होंगे) को गठित किया गया है।
- ➲ समारोहों में प्रयुक्त प्रयोज्य एवं गैर-जैवनिम्नीकृत वस्तुओं के आधार पर संबंधित व्यक्ति पर कार्रवाई की जाएगी।

➡ एर्नाकुलम जिला प्रशासन द्वारा '**हरित विवाह प्रमाण-पत्र**' (Green Marriage Certificate) उन समारोहों को जारी किया जा रहा है, जिनमें प्रोटोकॉल का पालन पूर्णतः किया गया है।

सं. पंकज पाण्डेय

ईरान में 12वें राष्ट्रपति का चुनाव

● **पृष्ठभूमि**

ईरान, मध्य एशिया में एक संतुलन साधक राष्ट्र है। आईएसआईएस के विरुद्ध एक के बाद एक इराकी शहरों फालुजा, मोसुल, टिकरित एवं रमादी पर फतह में ईरान की भी महती भूमिका रही है। कभी ईरान को शैतानियत की धुरी (Axis of Evil) मानने वाले अमेरिका ने भी ईरान पर लगे आर्थिक प्रतिबंधों को हटाने में सकारात्मक भूमिका निभायी है। ईरानी राजनय वैश्विक पटल पर किस करवट बदलेगा यह इस बात पर निर्भर करता है कि ईरान का राष्ट्रपति रुढ़िवादी एवं सुधारवादी में किस दृष्टिकोण का चुना जाता है। यही कारण है कि ईरानी राष्ट्रपति के चुनाव पर पूरी दुनिया की निगाहें सतर्क रहती हैं। यह सुकून की बात है कि मई, 2017 में संपन्न ईरानी राष्ट्रपति के चुनाव में एक बार पुनः सुधारवादी दृष्टिकोण के राष्ट्रपति भारी बहुमत से चुन लिए गए हैं।

● **संबंधित तथ्य**

➡ 19 मई, 2017 को ईरान में 12वें राष्ट्रपति के निर्वाचन हेतु आम चुनाव कराए गए जिसमें 73.33 प्रतिशत मतदान हुआ।

➡ 20 मई, 2017 को ईरान के आंतरिक मंत्रालय द्वारा घोषित किए गए चुनाव परिणाम में वर्तमान राष्ट्रपति एवं उदारवादी धार्मिक नेता डॉ. हसन रूहानी ने 57.14 प्रतिशत मत प्राप्त कर विजय प्राप्त की।

➡ उन्होंने अपने मुख्य प्रतिद्वंद्वी इब्राहिम रईसी (मत प्रतिशत - 38.28) को हराया।

➡ ईरान के 12वें राष्ट्रपति चुनाव हेतु अप्रैल, 2017 में देश भर से कुल 1636 प्रत्याशियों ने अपना पंजीकरण करवाया था, जिसमें रिकॉर्ड 137 महिलाएं शामिल थीं, परंतु ईरान की विद्वत परिषद अथवा शूरा परिषद (Guardian Council) द्वारा आवेदन पत्रों की जांच के पश्चात केवल 6 वैध उम्मीदवार ही चुनाव मैदान में रह गए।

➡ योग्य घोषित 6 उम्मीदवारों में से दो उम्मीदवारों (मोहम्मद बाघेर गालिबाफ एवं ईशाक जहांगीरी) ने अपना नाम वापस ले लिया।

● **राष्ट्रपति निर्वाचन से संबंधित संवैधानिक उपबंध**

➡ संविधान के अनुच्छेद 117 में प्रावधान है कि राष्ट्रपति चुनाव को जीतने के लिए किसी उम्मीदवार को कुल डाले गए मतों में से न्यूनतम 50 प्रतिशत + 1 मत प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

➡ यदि किसी भी प्रत्याशी को ये आवश्यक मत नहीं प्राप्त हो सके, तो सबसे अधिक मत प्राप्त करने वाले दो उम्मीदवारों के बीच एक को चुनने हेतु पुनः मतदान कराने का प्रावधान है।

➡ राष्ट्रपति के रूप में 4-4 वर्षों के अधिकतम दो कार्यकाल (8 वर्ष हेतु) के लिए कोई व्यक्ति राष्ट्रपति रह सकता है।

● **डॉ. हसन रूहानी**

➡ तेहरान विश्वविद्यालय से विधि स्नातक एवं ग्लास्गो विश्वविद्यालय, स्कॉटलैंड से विधि में स्नातकोत्तर की शिक्षा प्राप्त डॉ. हसन रूहानी को चुनावों में देश भर के युवाओं एवं महिलाओं का जबर्दस्त समर्थन प्राप्त हुआ।

- ➲ रूहानी ईरान के 7वें राष्ट्रपति (व्यक्ति की दृष्टि से) हैं।
- ➲ वे ईरान की राजनीतिक पार्टी एमडीपी (MDP : Moderation & Development Party) से संबद्ध हैं।
- ➲ अपने पहले कार्यकाल (2013-2017) में रूहानी ने आरोपित आर्थिक प्रतिबंधों से ईरान की बर्बाद हुई अर्थव्यवस्था और बदतर हुए अंतरराष्ट्रीय संबंधों में सुधार करने में सफलता प्राप्त की है।

● **भारतीय संदर्भ में परिणाम**

➡ भारत ने ईरान के राष्ट्रपति के तौर पर डॉ. हसन रूहानी के पुनः निर्वाचन का स्वागत किया है। भारत के लिए ईरान वाणिज्यिक और सामरिक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है। आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई में भी भारत को इसका सहयोग अपेक्षित है। डॉ. रूहानी के कार्यकाल में भारत-ईरान संबंध काफी प्रगाढ़ हुए हैं तथा उनका पुनः निर्वाचित होना भारत और ईरान को अपने संबंधों को एक नई ऊंचाई पर ले जाने का सुनहरा अवसर प्रदान करता है।

● **निष्कर्ष**

डॉ. रूहानी के पहले कार्यकाल की सबसे बड़ी उपलब्धि ईरान का पश्चिमी देशों के साथ परमाणु समझौता रहा जिसके तहत यूरोप और अमेरिका समेत संयुक्त राष्ट्र संघ ने ईरान पर लगे प्रतिबंधों को हटा दिया जिससे विश्व पटल पर अलग-थलग पड़ रहे इस देश को मुख्य धारा में लाने का मार्ग प्रशस्त हुआ। इसका यह अर्थ नहीं है कि उनका दूसरा कार्यकाल कम चुनौतीपूर्ण होगा, परंतु यह उम्मीद की जा सकती है कि जिस प्रकार इन्होंने अपने पहले कार्यकाल में ईरान को गंभीर प्रतिबंधों से मुक्ति दिलाई है, उसी प्रकार अपने दूसरे कार्यकाल में भी वे व्यापक राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक सुधारों को क्रियान्वित करेंगे। वर्तमान समय में विश्व के समक्ष उपस्थिति चुनौतियों को देखते हुए, एक मजबूत, स्थिर, तटस्थ तथा विकास की ओर अग्रसर ईरान की आवश्यकता विश्व समुदाय को भी है।

सारांश

- ◆ 19 मई, 2017 को ईरान में 12वें राष्ट्रपति के निर्वाचन हेतु आम चुनाव।
- ◆ वर्तमान राष्ट्रपति एवं उदारवादी धार्मिक नेता डॉ. हसन रूहानी 57.14 प्रतिशत मत प्राप्त कर विजयी।
- ◆ संविधान में राष्ट्रपति के रूप में 4-4 वर्षों के अधिकतम दो कार्यकाल का प्रावधान।
- ◆ डॉ. रूहानी के पहले कार्यकाल की बड़ी उपलब्धि-ईरान का पश्चिमी देशों के साथ परमाणु समझौता।

सं. गौरभ श्रीवास्तव

भारतीय प्रधानमंत्री की श्रीलंका यात्रा

● यात्रा कार्यक्रम

➡ 11-12 मई, 2017 के मध्य भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कोलंबो में आयोजित '14वें अंतरराष्ट्रीय वेसाक दिवस' (14th International Vesak Day) समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए श्रीलंका की यात्रा पर रहे।

➡ उल्लेखनीय है कि जिस दिन भारत में 'बुद्ध पूर्णिमा' मनाई जाती है, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसी दिन को 'वेसाक दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

- ➲ ध्यातव्य है कि भगवान बुद्ध का जन्म, उनको ज्ञान की प्राप्ति एवं उनका महापरिनिर्वाण पूर्णिमा के दिन ही हुआ था।
- ➲ संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 1999 में 'अंतरराष्ट्रीय वेसाक दिवस' को आधिकारिक मान्यता प्रदान की गई थी।
- ➲ यह पहला अवसर था, जब अंतरराष्ट्रीय वेसाक दिवस का आयोजन श्रीलंका में किया गया।
- ➲ इस दिवस का केंद्रीय विषय (Theme) 'सामाजिक न्याय एवं सतत विश्व शांति हेतु बौद्ध शिक्षाएं (Buddhist Teachings for Social Justice and Sustainable World Peace) था।
- ➲ श्रीलंकाई राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरीसेना के निमंत्रण पर श्रीलंका की यात्रा पर गए भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मार्च, 2015 के पश्चात यह दूसरी श्रीलंका यात्रा थी।

➡ भारतीय प्रधानमंत्री कोलंबो में स्थित प्रसिद्ध 'गंगा-रमैया मंदिर' गए, जहां उन्होंने पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन समारोह में भाग लिया।

➡ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कैंडी स्थित दलदा मालिगावा, पवित्र दंत अवशेष मंदिर भी गए।

- ➲ भारतीय प्रधानमंत्री ने भारत सरकार के सहयोग से 'श्रीलंकाई बौद्ध अकादमी' द्वारा पालिकेलि में स्थापित किए जा रहे 'कैंडियाई नृत्य संकाय' (Faculty of Kandyan Dance) का शिलान्यास किया।
- ➲ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रीलंका के पहाड़ी क्षेत्र (Hill Country Region) के डिकोया में 50 करोड़ रुपये की भारतीय सहायता से निर्मित 150 बिस्तरों वाले मल्टी स्पेशियेलिटी अस्पताल का उद्घाटन किया।
- ➲ यह पहला अवसर है जब किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने श्रीलंका के पहाड़ी क्षेत्र की यात्रा की।
- ➲ श्रीलंका के इस क्षेत्र के प्रमुख निवासी भारतीय मूल के तमिल हैं।

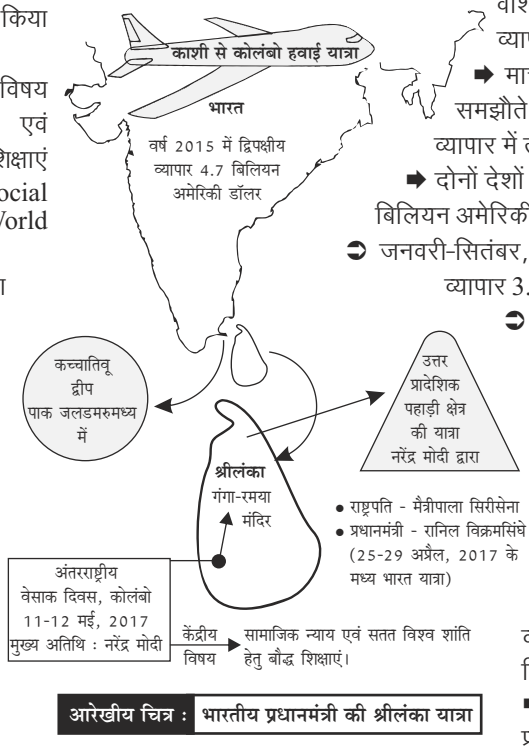

आरेखीय चित्र : भारतीय प्रधानमंत्री की श्रीलंका यात्रा

● भारत-श्रीलंका संबंध

➡ भारत एवं श्रीलंका के राजनीतिक संबंधों को नियमित अंतराल पर होने वाली उच्चस्तरीय राजनीतिक यात्राओं में देखा जा सकता है।

➡ श्रीलंका के प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने 25-29 अप्रैल, 2017 के मध्य भारत की यात्रा संपन्न की।

- ➲ श्रीलंकाई राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरीसेना 13-14 मई, 2016 के मध्य भारत की कार्यकारी यात्रा (Working Visit) पर आए।
- ➲ भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13-14 मार्च, 2015 के मध्य श्रीलंका की यात्रा पर रहे।

➡ श्रीलंका, दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संघ (SAARC) में भारत के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक है, जबकि भारत वैश्विक स्तर पर श्रीलंका का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है।

➡ मार्च, 2000 में 'भारत-श्रीलंका मुक्त व्यापार समझौते' के प्रभावी होने के बाद दोनों देशों के व्यापार में तीव्र वृद्धि हुई।

➡ दोनों देशों के मध्य वर्ष 2015 में द्विपक्षीय व्यापार 4.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर था।

- ➲ जनवरी-सितंबर, 2016 के मध्य भारत-श्रीलंका द्विपक्षीय व्यापार 3.22 बिलियन अमेरिकी डॉलर था।
- ➲ वर्ष 2003 से 1 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक के निवेश के साथ भारत, श्रीलंका में शीर्ष चार निवेशकों में से एक है।

● भारत-श्रीलंका के मध्य द्विपक्षीय मुद्दे

➡ भारत एवं श्रीलंका के मध्य संबंधों पर प्रवासी भारतीयों की समस्या, कच्चातिवू द्वीप की समस्या, मछुआरों की समस्या, तमिल समस्या आदि ने विपरीत प्रभाव डाला है।

➡ भारत एवं श्रीलंका के मध्य भारतीय प्रवासियों की समस्या के समाधान हेतु जनवरी, 1954 में एक समझौता हुआ, जिसे नेहरू-कोटलेवाला समझौता के नाम से जाना जाता है।

➡ सरकारी जनगणना के आंकड़ों (2011) के अनुसार, श्रीलंका में भारतीय मूल के तमिल नागरिकों की संख्या लगभग 1.6 मिलियन है।

- ➲ भारत एवं श्रीलंका के मध्य तमिल समस्या के समाधान हेतु कोलंबो समझौता जुलाई, 1987 में हुआ था।

➡ 2 जनवरी, 2017 को कोलंबो में भारत एवं श्रीलंका के मध्य मछुआरों एवं मत्स्ययन के मुद्दे पर मंत्रिस्तरीय वार्ता का आयोजन किया गया।

- ➲ नवंबर, 2016 में दोनों देशों के मध्य मत्स्ययन विवाद के समाधान हेतु संयुक्त कार्य-समूह (JWC) का गठन किया गया था।

सं. नीरज ओझा

किसान संपदा योजना

● पृष्ठभूमि

सकल घरेलू उत्पाद (GDP), रोजगार और निवेश के क्षेत्र में योगदान के संदर्भ में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र (Food Processing sector) भारतीय अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन कर उभरा है। वर्ष 2015-16 के दौरान खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र का विनिर्माण एवं कृषि क्षेत्र में योगदान जीवीए (GVA : Gross Value Added) का क्रमशः 9.1 प्रतिशत और 8.6 प्रतिशत था। इसी परिप्रेक्ष्य में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय की योजनाओं को पुनर्गठित करने हेतु 3 मई, 2017 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने एक नई केंद्रीय क्षेत्र योजना यथा ''कृषि समुद्रीय प्रसंस्करण और कृषि-प्रसंस्करण क्लस्टर के विकास हेतु योजना : संपदा (SAMPADA : Scheme for Agro-Marine Processing and Development of Agro-Processing Clusters) को स्वीकृति प्रदान की।

➡ खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय द्वारा संपदा योजना का पुनर्नामकरण 'किसान संपदा योजना' के रूप में किया गया है।

➡ योजना के तहत खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय की योजनाओं का नवीनीकरण किया जाएगा।

● किसान संपदा योजना का शुभारंभ

26 मई, 2017 को असम राज्य के धेमाजी जिले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'किसान संपदा योजना' (Kisan SAMPADA Yojana) के शुभारंभ की घोषणा की।

➡ यह योजना 14वें वित्त आयोग के चक्र के साथ वर्ष 2016-20 की अवधि में लागू की जाएगी।

➡ 6000 करोड़ रुपये के आवंटन से प्रारंभ हुई किसान संपदा योजना से 31400 करोड़ रुपये का निवेश होने का अनुमान है।

➲ साथ ही योजना से 104125 करोड़ रुपये मूल्य का 334 लाख मीट्रिक टन कृषि-उत्पादन भी प्राप्त होगा।

➲ योजना से 20 लाख किसानों को लाभ प्राप्त होगा।

➲ इसके अतिरिक्त वर्ष 2019-20 तक देश में 530500 प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रोजगार का सृजन होगा।

➡ योजना का क्रियान्वयन खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय द्वारा किया जाएगा।

● लागू की जाने वाली योजनाएं

➡ किसान संपदा योजना के तहत वर्तमान में चल रही जिन योजनाओं का कार्यान्वयन किया जाएगा उनमें शामिल हैं- मेगा फूड पार्क, एकीकृत शीत शृंखला (Integrated Cold Chain) एवं मूल्य संवर्धन आधारभूत संरचना, खाद्य सुरक्षा तथा गुणवत्ता आश्वासन अवसंरचना और मानव संसाधन एवं संस्थान।

➡ योजना के तहत कुछ नई योजनाओं को भी शामिल किया गया है जो हैं– खाद्य प्रसंस्करण एवं परिरक्षण क्षमताओं का सृजन/विस्तार, कृषि-प्रसंस्करण क्लस्टर हेतु आधारभूत संरचना आदि।

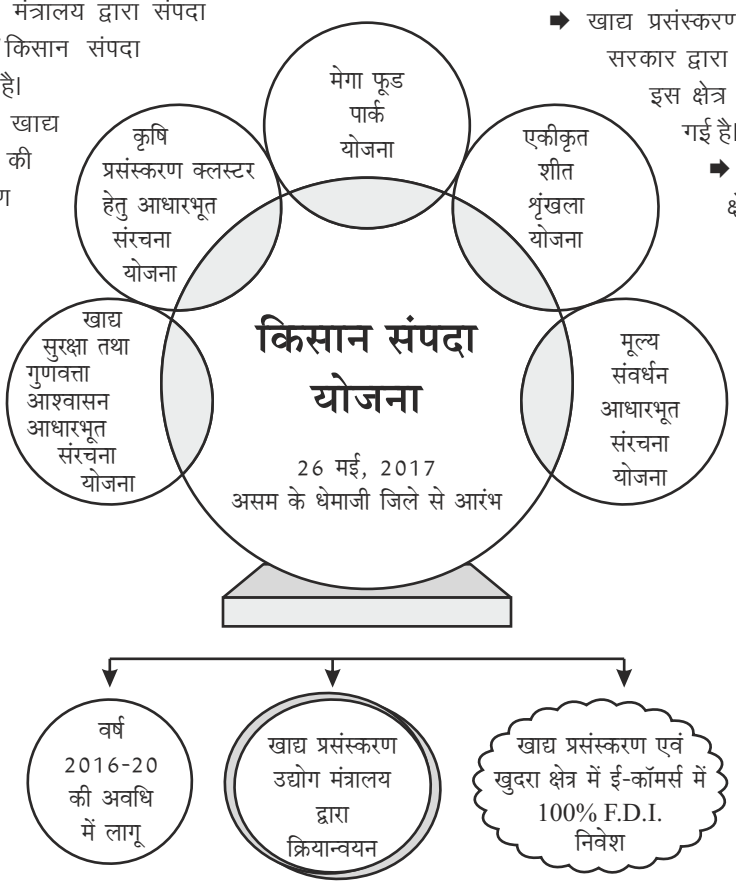

आरेखीय चित्र : किसान संपदा योजना एवं उसके अंतर्गत अन्य योजनाएं

● खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र हेतु सरकारी प्रयास

➡ खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को बढ़ावा देने हेतु सरकार द्वारा किए गए विभिन्न उपायों से इस क्षेत्र की वृद्धि दर 7 प्रतिशत हो गई है।

➡ खाद्य प्रसंस्करण एवं खुदरा क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहन देने हेतु सरकार ने भारत में निर्मित तथा उत्पादित खाद्य उत्पादों के संबंध में ई-कॉमर्स सहित व्यापार में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति दी है।

➡ सरकार ने नाबार्ड (NABARD) में 2000 करोड़ रुपये की विशेष निधि की स्थापना की है, जिससे निर्दिष्ट फूड पार्कों एवं कृषि प्रसंस्करण इकाइयों को रियायती दर पर ऋण उपलब्ध कराया जा सकेगा।

➡ खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा देने, हानि को रोकने, रोजगार के अवसर सृजित करने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए खाद्य एवं कृषि आधारित प्रसंस्करण इकाइयों और शीत शृंखला आधारभूत संरचना को 'प्राथमिकता क्षेत्र ऋण' (Priority Sector Lending : PSL) के तहत लाया गया है।

'तेजस' से मिसाइल का सफल परीक्षण

● **तेजस विमान**

➡ तेजस स्वदेश में विकसित चौथी पीढ़ी का लड़ाकू विमान है।

➡ आधुनिक वायु सेना की सामरिक आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु निर्मित तेजस व्यापक वायु रक्षा भूमिकाएं निभाने में सक्षम बहु-भूमिका (Multi-role) वाला विमान है।

➡ लड़ाकू विमान तेजस वायु-से-वायु और वायु से सतह पर मार करने वाले हथियारों को वहन करने में सक्षम है।

➲ इसका विकास 'हल्के लड़ाकू विमान कार्यक्रम' (Light Combat Aircraft Programme) के तहत किया गया।

➲ यह कार्यक्रम 'एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी' (ADA) के प्रबंधन में कार्यान्वित किया गया, जिसमें 'हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड' (HAL) प्रमुख भागीदार है।

➲ साथ ही इस कार्यक्रम में 'रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन' (DRDO) और 'वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद' (CSIR) की विविध प्रयोगशालाएं, सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के उद्योग और अकादमिक संस्थान भागीदार थे।

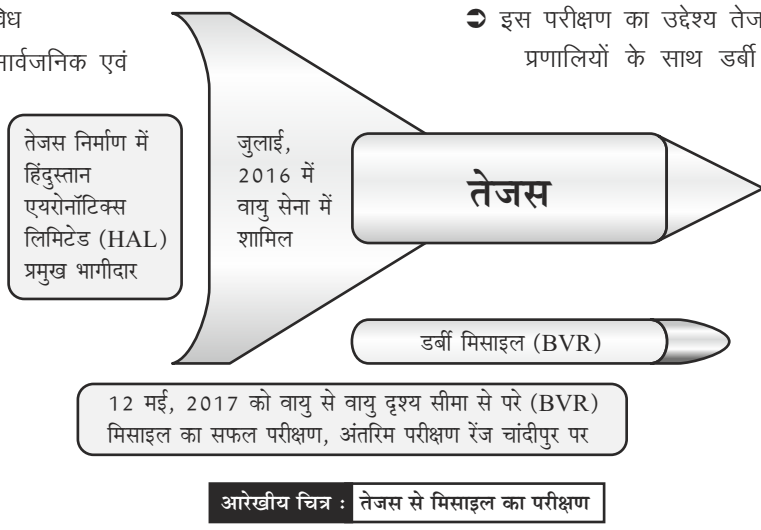

आरेखीय चित्र : तेजस से मिसाइल का परीक्षण

● **हल्का लड़ाकू विमान (LCA) कार्यक्रम : एक नजर**

➡ वर्ष 1983 में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) को हल्के लड़ाकू विमान के डिजाइन एवं विकास हेतु कार्यक्रम प्रारंभ करने की अनुमति प्रदान की गई।

➡ भारत सरकार द्वारा वर्ष 1984 में हल्के लड़ाकू विमान के विकास एवं LCA कार्यक्रम के प्रबंधन हेतु नोडल एजेंसी के रूप 'एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी' (ADA) की स्थापना की गई।

➡ 4 जनवरी, 2001 को भारत के उड्डयन इतिहास में एक नए युग का शुभारंभ तब हुआ, जब LCA के तकनीकी प्रदर्शक 'टीडी-1' (TD-1) ने ऐतिहासिक पहली उड़ान भरी।

➡ तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने हल्के लड़ाकू विमान को 'तेजस' नाम दिया।

➲ 17 जनवरी, 2015 को भारतीय वायु सेना को पहला स्वदेश निर्मित हल्का लड़ाकू विमान तेजस प्राप्त हुआ।

➲ 21-23 जनवरी, 2016 के मध्य भारत के स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान तेजस ने पहली बार बहरीन में अंतरराष्ट्रीय वायु प्रदर्शनी में भाग लिया।

➲ 1 जुलाई, 2016 को LCA तेजस को वायु सेना की 45वीं स्क्वाड्रन में शामिल किया गया, जिसे 'फ्लाइंग डैगर्स' (Flying Daggers) कहा जाता है।

➲ 8 अक्टूबर, 2016 को 84वें वायु सेना दिवस समारोह में तेजस शामिल हुआ।

➲ 26 जनवरी, 2017 को 68वें गणतंत्र दिवस परेड में तीन तेजस विमान शामिल हुए।

● **तेजस से मिसाइल परीक्षण**

➡ 12 मई, 2017 को हल्के लड़ाकू विमान तेजस से रडार निर्देशित मोड में हवा से हवा में मार करने वाली दृश्य सीमा से परे (Beyond Visual Range : BVR) डर्बी (Derby) मिसाइल का सफल परीक्षण किया गया।

➲ इस परीक्षण का उद्देश्य तेजस लड़ाकू विमान पर मौजूद प्रणालियों के साथ डर्बी मिसाइल के एकीकरण का आकलन करना था।

➡ यह परीक्षण अंतरिम परीक्षण रेंज (ITR), चांदीपुर पर गतिशील हवाई लक्ष्य के ऊपर किया गया।

➡ अंतिम परिचालन मंजूरी (Final Operational Clearance : FOC) प्राप्त करने के लिए हल्के लड़ाकू विमान तेजस की दृश्य सीमा से परे (BVR) क्षमताओं की अभिपुष्टि की दिशा में डर्बी मिसाइल का परीक्षण एक महत्वपूर्ण कदम है।

● **अद्यतन स्थिति एवं भविष्य की योजनाएं**

➡ भारतीय वायु सेना की योजना वर्ष 2024-25 तक अपने बेड़े में 123 स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान तेजस को शामिल करने की है।

➲ हल्के लड़ाकू विमान के नौसैनिक संस्करण को विमान वाहक पोत से परीक्षण के लिए तैयार किया जाना है।

➲ इन विमानों को आईएनएस विक्रमादित्य और आईएनएस विक्रांत श्रेणी के विमानवाहक पोतों पर तैनात किया जाएगा।

➲ भविष्य में भारतीय वायु सेना के लिए 'एलसीए एएफ एमके 2' (LCA AF MK2) और भारतीय नौसेना के लिए 'एलसीए नेवी एमके 2' (LCA Navy MK2) का विकास किया जाएगा।

भारत का पहला ग्रामीण LED स्ट्रीट लाइटिंग कार्यक्रम

● **पृष्ठभूमि**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 5 जनवरी, 2015 को 'राष्ट्रीय स्ट्रीट लाइट कार्यक्रम' (Street Light National Programme : SLNP) का शुभारंभ किया था। इस कार्यक्रम के तहत 100 शहरों में पारंपरिक स्ट्रीट एवं घरेलू लाइट के स्थान पर ऊर्जा दक्ष एलईडी (LED : Light Emitting Diode) बल्ब लगाया जाना है। इस कार्यक्रम के तहत सरकार का उद्देश्य देश भर में 1.34 करोड़ परंपरागत स्ट्रीट लाइट को एलईडी बल्ब से प्रतिस्थापित (Replace) करना है।

● **ग्रामीण एलईडी स्ट्रीट लाइटिंग परियोजना**

➡ भारत सरकार द्वारा आंध्र प्रदेश में 'ग्रामीण एलईडी स्ट्रीट लाइटिंग परियोजना' का कार्यान्वयन किया जाएगा।

- ➲ भारत सरकार के 'राष्ट्रीय स्ट्रीट लाइट कार्यक्रम' के तहत देश में ग्रामीण एलईडी स्ट्रीट लाइटिंग की यह पहली परियोजना है।
- ➲ परियोजना का कार्यान्वयन विद्युत मंत्रालय के तहत 'ऊर्जा दक्षता सेवाएं लिमिटेड' (EESL : Energy Efficiency Services Limited) द्वारा किया जाएगा।

➡ परियोजना के तहत आंध्र प्रदेश के सात जिलों की ग्राम पंचायतों में 10 लाख परंपरागत स्ट्रीट लाइट के स्थान पर ऊर्जा दक्ष एलईडी बल्ब लगाए जाएंगे।

- ➲ परियोजना के प्रथम चरण के तहत शामिल आंध्र प्रदेश के 7 जिले- गुंटूर, प्रकाशम, नेल्लोर, कुर्नूल, कडप्पा, अनंतपुर एवं चित्तूर हैं।

➡ परियोजना से ग्राम पंचायतों को लगभग 147 मिलियन यूनिट वार्षिक बिजली की बचत करने में मदद मिलेगी और कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जनों में 12 करोड़ टन की कटौती होगी।

➡ परियोजना पर आने वाली कुल पूंजीगत लागत का वित्तपोषण फ्रांसीसी विकास एजेंसी (AFD) द्वारा किया जाएगा।

➡ परियोजना के तहत ऊर्जा दक्षता सेवाएं लिमिटेड (EESL) द्वारा आगामी 10 वर्षों तक इन ग्राम पंचायतों में वार्षिक रख-रखाव और वारंटी प्रतिस्थापन का कार्य किया जाएगा।

● **अद्यतन स्थिति**

➡ राष्ट्रीय स्तर पर 21 राज्यों में 23 लाख से अधिक परंपरागत स्ट्रीट लाइट के स्थान पर एलईडी स्ट्रीट लाइट लगाई गई है।

➡ केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (CEA) के 18वें विद्युत ऊर्जा सर्वेक्षण के अनुसार, भारतीय सार्वजनिक लाइटिंग क्षेत्र की अनुमानित ऊर्जा खपत वर्ष 2012-13 में 8478 मिलियन किलोवॉट घंटा थी।

➡ यह खपत निरंतर 7 प्रतिशत की संयुक्त वार्षिक वृद्धि दर (Compound Annual Growth Rate : CAGR) से बढ़ रही है।

➡ इसी परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'राष्ट्रीय स्ट्रीट लाइट कार्यक्रम' का शुभारंभ किया था।

➡ 9 जनवरी, 2017 को केंद्रीय ऊर्जा मंत्री पीयूष गोयल ने विश्व के सबसे बड़े स्ट्रीट लाइट प्रतिस्थापन (Replacement) कार्यक्रम का 'दक्षिण दिल्ली नगर निगम' (SDMC) क्षेत्र में उद्घाटन किया।

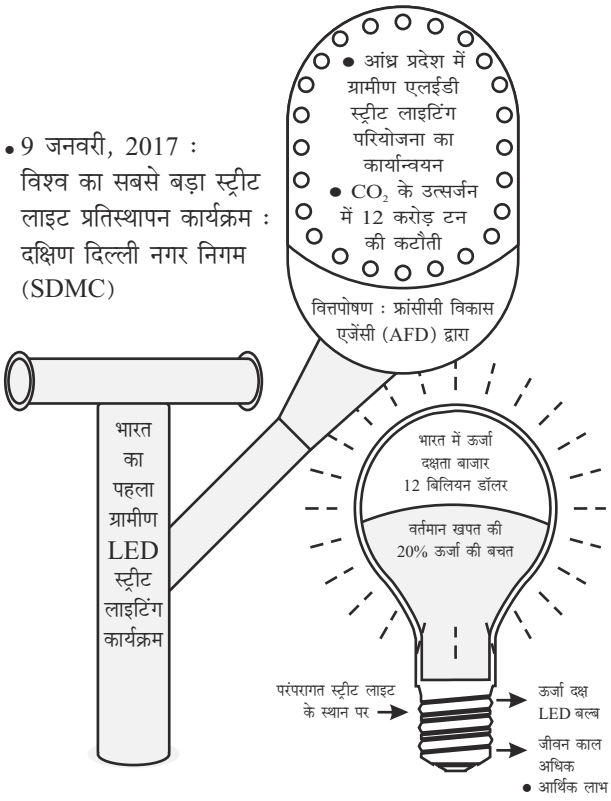

आरेखीय चित्र : पहला ग्रामीण LED स्ट्रीट लाइटिंग कार्यक्रम

➡ राष्ट्रीय स्ट्रीट लाइट कार्यक्रम के तहत दक्षिण दिल्ली नगर निगम क्षेत्र में 2 लाख स्ट्रीट लाइट को बदला गया।

➡ दक्षिण दिल्ली नगर निगम में इस कार्यक्रम से सकल वार्षिक ऊर्जा बचत 2.65 करोड़ किलोवॉट घंटा (KWh) होगी, जिससे प्रतिदिन 22000 टन ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन कम होगा।

➡ गौरतलब है कि भारत में ऊर्जा दक्षता बाजार 12 बिलियन डॉलर का है, जिससे वर्तमान खपत की 20 प्रतिशत ऊर्जा की बचत की जा सकती है।

● **निष्कर्ष**

राष्ट्रीय स्ट्रीट लाइट कार्यक्रम के तहत परंपरागत स्ट्रीट लाइट के स्थान पर ऊर्जा दक्ष एलईडी बल्ब लगाया जाना है। इससे न केवल ऊर्जा की बचत होगी बल्कि कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन में भी कमी आएगी। इसके अतिरिक्त परंपरागत स्ट्रीट लाइट एवं सीएफएल (CFL : Compact Fluorescent Lamp) की तुलना में एलईडी बल्ब का जीवनकाल अधिक होता है, जिससे आर्थिक लाभ भी होगा।

संचार क्षेत्र में तीन नई योजनाओं का शुभारंभ

● **शुभारंभ**

24 मई, 2017 को संचार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) मनोज सिन्हा ने तीन योजनाओं नामतः पंडित दीन दयाल उपाध्याय कौशल विकास प्रतिष्ठान योजना, पंडित दीन दयाल उपाध्याय दूरसंचार कौशल उत्कृष्टता पुरस्कार योजना तथा भारत संचार निगम लिमिटेड (BSNL) की सैटेलाइट फोन सेवा का शुभारंभ किया।

● **पंडित दीन दयाल उपाध्याय संचार कौशल विकास प्रतिष्ठान योजना**

➡ यह प्रायोगिक योजना 'पंडित दीन दयाल उपाध्याय' की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में 'पंडित दीन दयाल उपाध्याय संचार कौशल विकास प्रतिष्ठान' की स्थापना के लिए प्रारंभ की गई है।

➲ इन प्रतिष्ठानों की स्थापना दूरसंचार क्षेत्र के विकास हेतु प्रशिक्षित श्रमबल तैयार करने और देश के युवाओं के लिए आजीविका सृजन में सहयोग करने हेतु की जा रही है।

➡ योजना के तहत विभिन्न ग्रामीण, पिछड़े एवं अन्य जरूरतमंद क्षेत्रों में कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना की जाएगी जिन्हें 'पंडित दीन दयाल उपाध्याय संचार कौशल विकास प्रतिष्ठान' नाम दिया जाएगा।

➲ प्रारंभ में योजना के प्रायोगिक चरण में ऐसे 10 केंद्रों की स्थापना की जाएगी और योजना के सफल रहने पर देश भर में इन केंद्रों की स्थापना की जाएगी।

➲ योजना के प्रायोगिक चरण में 10000 अभ्यर्थियों को कौशल विकास प्रशिक्षण दिया जाएगा और योजना की सफलता के पश्चात देश भर के युवाओं को दूरसंचार क्षेत्र से संबंधित प्रशिक्षण दिया जाएगा।

➡ प्रायोगिक चरण में 'पंडित दीन दयाल उपाध्याय संचार कौशल विकास प्रतिष्ठान' (PDDUSKVP) कौशल विकास केंद्र प्रत्यक्ष रूप से दूरसंचार विभाग (DOT) के अंतर्गत होंगे।

➲ प्रायोगिक चरण के बाद यह योजना दूरसंचार विभाग के स्थानीय सेवा क्षेत्रों (LSAs) द्वारा प्रबंधित की जाएगी।

➡ यह प्रतिष्ठान 'राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क' (NSQF) के अनुसार कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करेंगे।

➡ प्रायोगिक चरण में यह योजना उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, ओडिशा एवं पंजाब में कार्यान्वित की जाएगी।

➡ इस योजना का वित्तपोषण दूरसंचार विभाग द्वारा किया जाएगा।

● **पंडित दीन दयाल उपाध्याय दूरसंचार कौशल उत्कृष्टता पुरस्कार योजना**

➡ जो व्यक्ति कौशल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे, उन्हें 'पंडित दीन दयाल उपाध्याय दूरसंचार कौशल उत्कृष्टता पुरस्कार' प्रदान किए जाएंगे।

➲ एक स्वतंत्र चयन मंडल गठित किया जाएगा, जो इस पुरस्कार के विजेताओं का चयन करेगा।

● **बीएसएनएल की सैटेलाइट फोन सेवा**

➡ भारत संचार निगम लिमिटेड (BSNL) ने सैटेलाइट फोन सेवा की शुरुआत की है।

➡ पहले चरण में यह सेवा आपदा प्रबंधन में संलग्न एजेंसियों, राज्य पुलिस, रेलवे, सीमा सुरक्षा बलों और अन्य सरकारी एजेंसियों को उपलब्ध कराई जाएगी।

➲ तत्पश्चात इस सेवा का विस्तार वायुयान एवं समुद्री जहाजों से यात्रा करने वाले व्यक्तियों तक किया जाएगा।

➡ यह सेवा 'इनमारसैट' (INMARSAT) के माध्यम से प्रदान की जाएगी, जिसमें 14 उपग्रहों का समूह है।

➡ उल्लेखनीय है कि भारत, वर्ष 1979 में संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में स्थापित 'अंतरराष्ट्रीय मैरीटाइम सैटेलाइट संगठन' (International Maritime Satellite Organization : INMARSAT) के संस्थापक सदस्यों में से एक है।

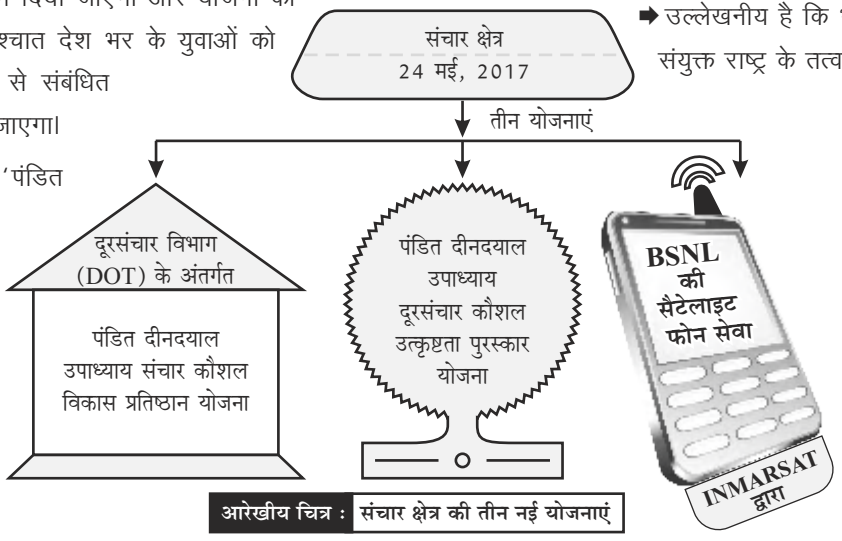

आरेखीय चित्र : संचार क्षेत्र की तीन नई योजनाएं

➡ उल्लेखनीय है कि भारत में अब तक सैटेलाइट फोन सेवा टाटा कम्युनिकेशंस द्वारा उपलब्ध कराई जा रही है।

सं. नीरज ओझा

साबरमती आश्रम के 100 वर्ष

दक्षिण अफ्रीका से लौटने के पश्चात महात्मा गांधी ने भारत में अपना पहला आश्रम 25 मई, 1915 को अहमदाबाद के कोचराब (Kochrab) क्षेत्र में स्थापित किया था। यह आश्रम 17 जून, 1917 को साबरमती नदी के किनारे स्थानांतरित किया गया। साबरमती नदी के तट पर स्थित होने के कारण इस आश्रम को 'साबरमती आश्रम' नाम दिया गया। साथ ही इस आश्रम को 'हरिजन आश्रम' और 'सत्याग्रह आश्रम' के नाम से भी जाना जाता है। महात्मा गांधी ने वर्ष 1917 से 1930 तक साबरमती आश्रम में निवास किया। 12 मार्च, 1930 को महात्मा गांधी ने प्रसिद्ध 'दांडी मार्च', साबरमती आश्रम से ही प्रारंभ किया था। हाल ही में साबरमती आश्रम की स्थापना के 100 वर्ष पूरे हुए।

➡ 17 जून, 2017 को साबरमती आश्रम की स्थापना के 100 वर्ष पूरे हुए।

➡ इस उपलक्ष्य में साबरमती आश्रम संरक्षण एवं स्मारक ट्रस्ट द्वारा 'साबरमती आश्रम शताब्दी समारोह' का आयोजन किया गया।

- समारोह के मुख्य अतिथि महात्मा गांधी के पौत्र और पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल गोपाल कृष्ण गांधी थे।
- समारोह में 'माई लाइफ इज माई मैसेज गैलरी' (My Life is My Message Gallery) और 'चरखा गैलरी' का शुभारंभ किया गया।
- 'माई लाइफ इज माई मैसेज गैलरी' में महात्मा गांधी के जीवन से संबंधित विभिन्न चित्रों को प्रदर्शित किया गया।
- चरखा गैलरी में देशभर के चरखों के मॉडलों को प्रदर्शित किया गया।

➡ समारोह में दो पुस्तकों 'लेटर्स टू गांधी' (Letters to Gandhi) और 'पायनियर्स ऑफ सत्याग्रह' (Pioneers of Satyagraha) का विमोचन किया गया।

➡ 'साबरमती आश्रम शताब्दी समारोह' के उपलक्ष्य में रेल मंत्रालय द्वारा 17 जून, 2017 को साबरमती स्टेशन से 'गांधी दर्शन ट्रेन' को रवाना किया गया था।

- 10 दिनों की यात्रा में ट्रेन ने यात्रियों को महात्मा गांधी के जीवन से संबंधित भारतीय स्थलों का दर्शन कराया।
- 29 जून, 2017 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अहमदाबाद में 'साबरमती आश्रम शताब्दी समारोह' में शामिल हुए।
- उल्लेखनीय है कि अप्रैल, 2017 में चंपारण सत्याग्रह के 100 वर्ष पूरे हुए।

कोच्चि मेट्रो का शुभारंभ

विश्व की पहली मेट्रोपॉलिटन (मेट्रो) रेलवे सेवा की शुरुआत 1863 ई. में लंदन में हुई थी। भारत में प्रथम मेट्रो रेल नेटवर्क का प्रारंभ वर्ष 1984 में कोलकाता में हुआ था। वर्तमान समय में 7 भारतीय शहरों नामतः कोलकाता, दिल्ली, बंगलुरू, जयपुर, गुरुग्राम (गुड़गांव), मुंबई एवं चेन्नई में मेट्रो रेल का परिचालन किया जा रहा है। हाल ही में मेट्रो रेल का परिचालन प्रारंभ करने वाला कोच्चि (केरल राज्य) भारत का 8वां शहर बना।

➡ 17 जून, 2017 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'कोच्चि मेट्रो' के प्रथम चरण के प्रथम खंड का उद्घाटन किया।

➡ कोच्चि मेट्रो के इस खंड में 'अलुवा से पलारिवट्टम' (Aluva to Palarivattom) तक मेट्रो रेल का परिचालन किया जाएगा।

- यह खंड 13.26 किमी. लंबा है और इसमें 11 स्टेशन हैं।
- उल्लेखनीय है कि कोच्चि मेट्रो रेल भारत सरकार एवं केरल सरकार का संयुक्त उद्यम है। इसमें दोनों की 50 :50 की हिस्सेदारी है।
- कोच्चि मेट्रो 'संचार आधारित ट्रेन नियंत्रण संकेतन प्रणाली' (Communication Based Train Control Signalling System) वाली पहली मेट्रो परियोजना है।

➡ कोच्चि मेट्रो रेल के डिब्बों (Coaches) का निर्माण फ्रांसीसी कंपनी अल्सटॉम (Alstom) के श्री सिटी स्थित कारखाने में किया गया है और डिब्बों के निर्माण में लगभग 70 प्रतिशत भारतीय सामग्री का प्रयोग किया गया है।

➡ कोच्चि मेट्रो शहर के पूरे सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क को एकल

प्रणाली में एकीकृत करती है।

➡ कोच्चि मेट्रो रेल प्रणाली में कार्य करने के लिए लगभग 1000 महिलाओं और 23 ट्रांसजेंडर समुदाय के व्यक्तियों का चयन किया गया है।

➡ कोच्चि मेट्रो परियोजना की कुल ऊर्जा आवश्यकता का 25 प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों विशेष रूप से सौर ऊर्जा से प्राप्त करने की योजना है।

➲ दीर्घावधि में इस परियोजना को शून्य कार्बन उत्सर्जन वाली शहरी यातायात प्रणाली बनाने का लक्ष्य है।

➡ इस मेट्रो के प्रत्येक छठें खंभे पर 'आवृत्त ऊर्ध्वाधर उद्यान' (Covered Vertical Garden) होगा एवं इसमें शहरी ठोस अपशिष्ट का उपयोग किया जाएगा।

'नम्मा मेट्रो' के अंतिम चरण का उद्घाटन

17 जून, 2017 को तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने नम्मा मेट्रो (बंगलुरू) के प्रथम चरण के अंतिम खंड ग्रीन लाइन का उद्घाटन किया। 11.3 किमी. लंबे इस खंड के प्रारंभ हो जाने से नम्मा मेट्रो के प्रथम चरण का कार्य पूर्ण हो गया। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2008 में नम्मा मेट्रो के पहले चरण में 42.3 किमी. रेल लाइन निर्माण का कार्य प्रारंभ किया गया था। विगत वर्षों में विभिन्न खंडों में 31 किमी. लाइन पर मेट्रो सेवा प्रारंभ की गई थी। नम्मा मेट्रो के 72 किमी. लंबे दूसरे चरण का निर्माण कार्य जारी है। इस परियोजना में मुख्य भागीदारी कर्नाटक सरकार, भारत सरकार, जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (JICA) और फ्रांस की एजेंसे फ्रैंकाइसे डि डेवलपमेंट (Agence Francaise De Development) की है।

अक्षय ऊर्जा बांड स्वीकृत

'अक्षय ऊर्जा या नवीकरणीय ऊर्जा (Renewable Energy) वह ऊर्जा है, जो नवीकरणीय प्राकृतिक संसाधनों से उत्पन्न होती है। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, पनबिजली/लघु पनबिजली, ज्वार-भाटा से प्राप्त ऊर्जा, बायोमास तथा जैव ईंधन आदि अक्षय ऊर्जा के प्रमुख उदाहरण हैं।

अक्षय ऊर्जा, जीवाश्म ऊर्जा के विकल्प के रूप में है। इनके द्वारा पर्यावरण को कोई नुकसान नहीं पहुंचता है।

➡ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 24 मई, 2017 को अक्षय ऊर्जा के विकास हेतु 2360 करोड़ रुपये के बांड जारी किए जाने हेतु अपनी स्वीकृति प्रदान की।

➡ वर्ष 2017-18 के दौरान भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (IREDA-इरेडा) के माध्यम से नवीन तथा नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE) द्वारा बांड के माध्यम से संसाधन एकत्र किए जाएंगे।

➲ इन संसाधनों का अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में अतिरिक्त क्षमता के विकास हेतु उपयोग किया जाएगा, जिसके फलस्वरूप अतिरिक्त रोजगार उत्पन्न होंगे।

➡ अक्षय ऊर्जा बांड द्वारा एकत्रित निधि का प्रयोग सौर पार्क, हरित ऊर्जा गलियारा, पवन परियोजनाओं के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहनों, रक्षा सौर परियोजनाओं और केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रम आदि में निवेश के लिए किया जाएगा।

➡ वित्त वर्ष 2016-17 के बजट में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एनएचएआई (NHAI), पीएफसी (PFC), इरेडा (IREDA), आरईसी (REC) तथा आईडब्ल्यूएआई (IWAI) के माध्यम से 31,300 करोड़ रुपये के बांड जारी कर अतिरिक्त धन एकत्र करने की घोषणा की थी।

➡ नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने वर्ष 2016-17 में 4000 मेगावॉट के लक्ष्य की तुलना में 5400 मेगावॉट से भी अधिक उत्पादन द्वारा पवन ऊर्जा क्षमता वृद्धि में एक रिकॉर्ड स्थापित किया।

कुल स्थापित क्षमता (ऊर्जा)

ऊर्जा	मेगावॉट	प्रतिशत
1. कुल तापीय ऊर्जा	2,20,576	67.0
(i) कोयला	1,94,553	59.1
(ii) गैस	25,185	7.6
(iii) तेल	838	0.3
2. पनबिजली	44,614	13.6
3. नाभिकीय ऊर्जा	6,780	2.1
4. नवीकरणीय ऊर्जा	57,260	17.3
कुल	**3,29,230**	

➡ सरकार ने वर्ष 2022 के अंत तक 175 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता सृजित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है, इसमें सम्मिलित हैं–

➲ पवन ऊर्जा से - 60 गीगावॉट
➲ सौर ऊर्जा से - 100 गीगावॉट
➲ बायोमास ऊर्जा से - 10 गीगावॉट
➲ लघु पनबिजली परियोजनाओं से - 5 गीगावॉट

चितले समिति रिपोर्ट, 2017

2525 किमी. लंबी गंगा नदी गंगोत्री से निकलकर बंगाल की खाड़ी तक बहती है। गंगा के प्रवाह मार्ग में गाद/तलछट के जमा होने से नदी के निरंतर प्रवाह में अवरोध उत्पन्न हो गया है। इस समस्या को ध्यान में रखकर जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा पुनरुद्धार मंत्रालय द्वारा भीमगौड़ा (उत्तराखंड) से फरक्का (पश्चिम बंगाल) तक गंगा नदी की गाद (Silt) निकालने के लिए दिशा-निर्देश तैयार करने एवं रेत का अवैध खनन रोकने के लिए चितले समिति का गठन जुलाई, 2016 में किया गया था। समिति के अध्यक्ष राष्ट्रीय गंगा नदी घाटी प्राधिकरण (NGRBA) के विशेषज्ञ सदस्य माधव चितले को बनाया गया। हाल ही में इस समिति ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की।

➡ मई, 2017 में जारी चितले समिति की रिपोर्ट के अनुसार, गंगा नदी में तलछट का जमाव मुख्य रूप से भीमगौड़ा बैराज के नीचे की ओर तथा गंगा में मिलने वाली सहायक नदियों के संगम स्थल के पास पाया जाता है।

➡ समिति के अनुसार, नदी प्रणाली में गाद प्रवाह कम करने के लिए कृषि की उन्नत पद्धतियों को अपनाकर भूमि को कटाव से बचाने की प्रक्रिया को अपनाने की आवश्यकता है।

➡ नदी तट की सुरक्षा, जल ग्रहण क्षेत्र प्रबंधन और जल विभाजक विकास कार्यों में प्रगति आवश्यक है।

- ➲ नदी के प्रवाह मार्ग में भूमि का कटाव तथा तलछट का जमाव नदी के प्राकृतिक नियमन कार्य हैं। इसमें मानवीय हस्तक्षेप को रोककर संतुलन बनाने की आवश्यकता है।
- ➲ 'गाद को हटाने' के बजाय गाद के लिए मार्ग प्रदान करने की रणनीति अपनाई जानी चाहिए।

➡ पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के रेत खनन के दिशा-निर्देशों के अतिरिक्त गंगा नदी में गाद हटाने के कार्यों के विशिष्ट संदर्भ में समिति ने निम्नलिखित दिशा-निर्देशों का सुझाव दिया है–

(i) गंगा नदी प्राकृतिक नदी तल तथा तट के झुकाव के अनुरूप स्वयं का संतुलन प्राप्त करने का प्रयास करती है। बाढ़ के स्तर को नियंत्रित करने के लिए नदी के प्रवाह में बिना किसी बाधा के बाढ़ के लिए पर्याप्त मैदान और झीलें उपलब्ध कराना आवश्यक है।

(ii) बैराज/पुल जैसे निर्माण कार्यों के कारण गाद भरने से नदी के मार्ग में परिवर्तन हो सकता है, इसलिए नदी की आकारिकी को प्रभावित किए बिना उचित मूल्यांकन के बाद ही निर्माण कार्य किया जाना चाहिए।

(iii) नदी के संकुचन के कारण व्यापक गाद जमा हो सकती है ऐसे स्थलों का पूर्व चयन द्वारा प्रवाह में गाद हटाने का कार्य गहराई में किया जा सकता है, जिससे नदी की मुख्य धारा को प्रवाह की सही दिशा मिल सके।

(iv) संगम वाले स्थानों, विशेष रूप से भारी गाद अपने साथ ले जाने वाली सहायक नदियों जैसे घाघरा, सोन इत्यादि से गाद हटाना आवश्यक है, ताकि संगम वाले स्थलों को जल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।

(v) नदियों में बाढ़ वाले मैदानी क्षेत्रों में कृषि की पद्धति को उन्नत करने की आवश्यकता है, जिससे कि बाढ़ के पानी के प्रवाह में कोई अवरोध उत्पन्न न हो सके।

(vi) पर्यावरणीय दृष्टि से स्वीकार्य और व्यावहारिक दृष्टि से समुचित गाद निपटान योजना की आवश्यकता है।

(vii) नदी में उपस्थित बजरी/रेत/गाद का समुचित उपयोग आवास, सड़कों, बांध जैसे निर्माण कार्यों में किया जा सकता है।

➡ **समिति के अनुसार नदी में गाद निकालने के प्रतिकूल प्रभाव–**

- ➲ अत्यधिक गाद निकालने से नदी का तल नीचे हो सकता है।
- ➲ नदी के तल के नीचे होने से तट का कटाव बढ़ सकता है।
- ➲ नदी के आस-पास स्थित उथले जल स्तर का नीचे की ओर जाना।
- ➲ पर्यावरण संबंधी समस्याओं का उत्पन्न होना।

फिलीस्तीन के राष्ट्रपति की भारत यात्रा

भारत और फिलीस्तीन के मध्य संबंध अतीत से ही सौहार्द्रपूर्ण रहे हैं। भारत पहला गैर-अरब देश था, जिसने वर्ष 1974 में फिलीस्तीन की जनता के एकमात्र और कानूनी प्रतिनिधि के रूप में पीएलओ (PLO-Palestine Liberation Organization) को मान्यता प्रदान की थी। भारत 1988 में फिलीस्तीन राज्य को मान्यता देने वाले पहले देशों में से एक था। हाल ही में फिलीस्तीन के राष्ट्रपति की भारत यात्रा से दोनों देशों के संबंधों के और प्रगाढ़ होने की उम्मीद की जा रही है।

➡ तत्कालीन भारतीय राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के निमंत्रण पर फिलीस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास 14 -17 मई, 2017 के मध्य भारत की राजकीय यात्रा पर रहे।

➡ राष्ट्रपति महमूद अब्बास द्वारा भारत की यह कुल पांचवीं, जबकि तीसरी राजकीय यात्रा है।

➡ 16 मई, 2017 को भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा फिलीस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास के मध्य नई दिल्ली स्थित हैदराबाद हाउस में प्रतिनिधिमंडल स्तर की द्विपक्षीय वार्ता संपन्न हुई।

➡ दोनों देशों के मध्य निम्न पांच समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए–

(i) राजनयिक और आधिकारिक पासपोर्ट पर वीजा छूट पर समझौता-ज्ञापन।

(ii) युवा मामलों और खेल के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता- ज्ञापन।

(iii) कृषि के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता-ज्ञापन।

(iv)स्वास्थ्य क्षेत्र में सहयोग पर समझौता-ज्ञापन।

(v) सूचना प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स पर समझौता-ज्ञापन।

➡ फिलीस्तीन में भारत द्वारा निर्मित फिलीस्तीन-भारत टेक्नोपार्क दोनों देशों के मध्य सहयोग का उदाहरण है।

- ➲ इस सहयोग को और आगे बढ़ाते हुए 15 मई, 2017 को फिलीस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने सी-डैक, नोएडा का दौरा किया।
- ➲ उन्होंने दिल्ली स्थित इंडिया-इस्लामिक सांस्कृतिक केंद्र का भी दौरा किया।

सीआरवाई : उत्तर प्रदेश में बालश्रम

विधि द्वारा निर्धारित आयु सीमा से कम उम्र के बच्चों द्वारा प्रतिबंधित व्यवसायों में किया गया कार्य बालश्रम के अंतर्गत आता है। भारत सरकार द्वारा बालश्रम (निषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 अधिनियमित किया गया है। इस अधिनियम के अंतर्गत देश में 18 व्यवसायों एवं 65 गतिविधियों में 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों का नियोजन प्रतिबंधित है। जुलाई, 2016 में बालश्रम अधिनियम, 1986 में संशोधन के उद्देश्य से संसद द्वारा बालश्रम (निषेध एवं विनियमन) विधेयक, 2016 पारित किया गया था। बाल मजदूरी पर हाल ही में CRY (Child Rights and You) द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 5 से 14 वर्ष के 10.13 लाख बच्चे मजदूरी कर रहे हैं। ज्ञातव्य है कि CRY (क्राई) एक गैर-सरकारी संगठन है। इस संगठन की स्थापना वर्ष 1979 में रिप्पन कपूर द्वारा की गई थी। यह संस्था गरीब एवं बेसहारा बाल श्रमिकों के उत्थान के लिए कार्य करती है।

➡ क्राई (CRY) की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक 250672 बच्चे बाल मजदूरी करते हैं।

- ➲ इसके बाद बिहार में बाल श्रमिकों की संख्या 128087 एवं महाराष्ट्र में 82847 है।

➡ भारत में बालश्रम का 80 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्रों में केंद्रित है।

➡ उत्तर प्रदेश सरकार के श्रम आयुक्त संगठन द्वारा बालश्रम की रोकथाम के लिए किए जा रहे प्रयास–

- ➲ सरकार द्वारा राष्ट्रीय बाल श्रम परियोजना के तहत 11 जनपदों में बाल श्रमिकों के पुनर्वासन हेतु अब तक 470 स्कूल खोले जा चुके हैं।
- ➲ उत्तर प्रदेश शासन द्वारा बाल श्रमिकों के कल्याण के लिए 23 बाल श्रमिक बाहुल्य जनपदों यथा-मुरादाबाद, अमरोहा, रामपुर, शाहजहांपुर, मिर्जापुर, सोनभद्र, इलाहाबाद, प्रतापगढ़, झांसी, आगरा, अलीगढ़, फिरोजाबाद, आज़मगढ़, मऊ, बुलंदशहर, वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर, भदोही, हरदोई कानपुर नगर, कन्नौज और फर्रुखाबाद में 5 लाख प्रति जनपद की दर से कुल 115 लाख रुपये की व्यवस्था की गई है।
- ➲ उत्तर प्रदेश सरकार ने बालश्रम पुनर्वासन एवं कल्याण निधि में राज्य के अंशदान के रूप में 1 करोड़ की धनराशि स्टेट बैंक में सावधि जमा योजना में निवेशित की है।

स्किल फॉर लाइफ, सेव ए लाइफ अभियान

वर्तमान में भारत जनसांख्यकीय लाभ की स्थिति में है, क्योंकि भारत की लगभग 65 प्रतिशत से अधिक आबादी 35 वर्ष की आयु से नीचे है। वर्तमान परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार द्वारा युवाओं को आवश्यक कौशल प्रशिक्षण देकर सतत और समेकित विकास की मजबूत आधारशिला रखने के लिए 'प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना' 15 जुलाई, 2015 को पहले विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर लांच की गई। यह युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने की प्रमुख योजना है, जिसके तहत परिष्कृत पाठ्यक्रम, बेहतर प्रशिक्षण और प्रशिक्षित प्रशिक्षक की उपलब्धता पर विशेष ध्यान दिया गया है। हाल ही में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने 'प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना' की उपलब्धि को आगे बढ़ाते हुए 'स्किल फॉर लाइफ, सेव ए लाइफ अभियान का शुभारंभ किया।

➡ केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में कौशल विकास हेतु 6 जून, 2017 को 'स्किल फॉर लाइफ, सेव ए लाइफ' अभियान की शुरुआत की।

➡ इस अभियान का उद्देश्य स्वास्थ्य प्रणाली में प्रशिक्षित लोगों की गुणवत्ता और संख्या को बढ़ाना है।

- ➲ इस अभियान के तहत कई पाठ्यक्रमों को आरंभ करने की योजना है।
- ➲ इन पाठ्यक्रमों में स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में अलग-अलग योग्यताओं वाले लोगों को प्रशिक्षित किया जाएगा।
- ➲ इस अभियान के द्वारा आम लोगों को भी प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

➡ 'स्किल फॉर लाइफ, सेव ए लाइफ' अभियान के पाठ्यक्रम को राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान (NIHFW) और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान, नई दिल्ली द्वारा डिजाइन किया गया है।

➡ इन पाठ्यक्रमों के प्रारंभ होने से स्वास्थ्य क्षेत्र को पर्याप्त प्रशिक्षित एवं कुशल कर्मी प्राप्त हो सकेंगे।

प्रथम संयुक्त राष्ट्र महासागर सम्मेलन

वर्तमान में महासागरीय संसाधनों के अति-विदोहन की नीति ने विश्व में न केवल राजनीतिक संघर्ष को बढ़ावा दिया है, बल्कि महासागरीय पारिस्थितिकी में असंतुलन भी उत्पन्न किया है। तटीय क्षेत्रों में अति-नौवहन से उत्पन्न पारिस्थितिकी असंतुलन ने द्वीपीय देशों के आर्थिक एवं सामाजिक हितों को प्रतिकूल रूप से प्रभावित किया है। महासागरीय पारिस्थितिकी के प्रति वैश्विक समुदाय द्वारा उपेक्षा का भाव अपनाया जा रहा है, जिसने छोटे द्वीपीय देशों के अस्तित्व को ही खतरे में डाल दिया है, क्योंकि इनकी अर्थव्यवस्था मूलतः समुद्री खाद्य व्यापार (Seafood Business) पर आधारित है। महासागरीय पारिस्थितिकी के संरक्षण एवं समुद्री संसाधनों के धारणीय उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हाल ही में संयुक्त राष्ट्र द्वारा एक 'वैश्विक प्रयास' का आह्वान किया गया।

➡ 5-9 जून, 2017 के मध्य संयुक्त राष्ट्र द्वारा न्यूयॉर्क में प्रथम महासागर सम्मेलन (The Ocean Conference) का आयोजन किया गया।

➡ इस सम्मेलन का उद्देश्य सतत विकास लक्ष्य-14 : ''महासागरीय, सागरीय एवं जलीय संसाधनों का संरक्षण एवं उनका चिरस्थायी उपयोग करना'' के क्रियान्वयन में वैश्विक भागीदारी को बढ़ावा देना है।

- ➲ सम्मेलन का शीर्षक 'हमारा महासागर, हमारा भविष्य' (Our Ocean, Our Future) था।
- ➲ इस सम्मेलन में 178 देशों तथा यूरोपियन यूनियन सहित संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न संगठनों और कई गैर-सरकारी संगठनों ने हिस्सा लिया।
- ➲ सम्मेलन की अध्यक्षता के लिए फिजी के प्रधानमंत्री जोसैया वोरेक बैनीमारामा और स्वीडन की उप-प्रधानमंत्री इसाबेला लॉविन को चुना गया।
- ➲ सम्मेलन के दौरान 'विश्व महासागर दिवस' (8 जून) के अवसर पर विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

➡ सम्मेलन में 7 भागीदारी वार्ताओं का आयोजन किया गया, जो इस प्रकार है–

क्र.सं.	सह-अध्यक्ष (Co-chair)	विषय
1.	इंडोनेशिया - नॉर्वे	समुद्री प्रदूषण
2.	पलाउ - इटली	समुद्री एवं तटीय पारिस्थितिकी का प्रबंधन, संरक्षण एवं पुनर्स्थापना
3.	मोनाको-मोजाम्बिक	महासागरीय अम्लीकरण का न्यूनीकरण।
4.	कनाडा-सेनेगल	मत्स्य उद्योग को धारणीय बनाना।
5.	एस्टोनिया-ग्रेनाडा	द्वीपीय एवं अल्पविकसित देशों के आर्थिक लाभ में वृद्धि
6.	आइसलैंड-पेरू	समुद्री प्रौद्योगिकी के वैज्ञानिक ज्ञान एवं अनुसंधान क्षमता का विकास तथा उनका हस्तांतरण।
7.	ऑस्ट्रेलिया-केन्या	अंतरराष्ट्रीय कानूनों के द्वारा महासागरों एवं उसके संसाधनों का संरक्षण तथा उनका धारणीय उपयोग।

➡ अंतिम दिन 14 सूत्री 'कार्यवाही आह्वान-पत्र' (Call for Action) के मसौदे को स्वीकार किया गया।

● भारत

➡ 8 जून, 2017 को भारत के विदेश राज्य मंत्री एम.जे. अकबर ने सम्मेलन को संबोधित किया।

- ➲ उन्होंने प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रीय ध्वज के अशोक चक्र को 'ब्लू चक्र' के रूप में व्याख्यायित करने का उल्लेख करते हुए भारत के लिए समुद्र-आधारित क्रिया-कलापों के महत्व को रेखांकित किया।
- ➲ इस अवसर पर उन्होंने भारत-संयुक्त राष्ट्र विकास भागीदारी निधि का शुभारंभ किया।
- ➲ यह निधि प्रशांत महासागर के द्वीपीय देशों के सतत विकास कार्यक्रमों को सहायता प्रदान करेगी।

➡ जनवरी, 2016 से 'सतत विकास लक्ष्य' (Sustainable Development Goal) प्रभावी हुआ।

➡ इसके अंतर्गत कुल 17 लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं।

➲ लक्ष्य संख्या 14 का शीर्षक-'जलीय जीवन' है।

➡ इसका उद्देश्य है–

- ➲ समुद्री एवं तटीय पारिस्थितिकी का स्थायी संरक्षण एवं प्रबंधन।
- ➲ सागर अम्लीकरण का समाधान।
- ➲ महासागरीय संसाधनों का टिकाऊ उपयोग।
- ➲ अंतरराष्ट्रीय महासागरीय कानूनों का बेहतर क्रियान्वयन।

भारत-संयुक्त राष्ट्र विकास भागीदारी निधि

वैश्विक परिदृश्य में भारत विकासशील देशों के सशक्त नेतृत्वकर्ता के रूप में तेजी से उभर रहा है। एक बेहतर विश्व के निर्माण हेतु श्रम शक्ति एवं संसाधनों के रूप में भारत के योगदान को पूरे विश्व में सराहना मिलती है। इस छवि को और अधिक मजबूत बनाने के लिए भारत, संयुक्त राष्ट्र के पर्यावरणीय, आतंक निरोधी एवं विकासात्मक कार्यक्रमों में अपनी भागीदारी बढ़ा रहा है। इसी कड़ी में एक और कदम आगे बढ़ाते हुए भारत द्वारा 'यूएनओएसएससी' (United Nations Office for South South Co-operation : UNOSSC) के सहयोग से विकासशील देशों में सतत विकास परियोजनाओं के प्रवर्तन हेतु एक निधि की स्थापना की गई है।

➡ 8 जून, 2017 को न्यूयॉर्क में विश्व महासागर दिवस के अवसर पर 'भारत-संयुक्त राष्ट्र विकास भागीदारी निधि' (India-UN Development Partnership Fund) का शुभारंभ किया गया।

➡ इसका प्रबंधन यूएनओएसएससी (UNOSSC) द्वारा एवं क्रियान्वयन संयुक्त राष्ट्र तंत्र के सहयोग से किया जाएगा।

- ➲ यह पहला अवसर है, जब भारत संयुक्त राष्ट्र के किसी त्रिपक्षीय सहयोग का भागीदार बना है।
- ➲ यह निधि विकासशील देशों में **'सतत विकास लक्ष्य-2030' (SDG-2030)** के लक्ष्यों को प्राप्त करने में योगदान देने वाली राष्ट्रीय परियोजनाओं का वित्तीयन करेगी।
- ➲ अल्पविकसित एवं छोटे विकासशील द्वीपीय देशों को इस निधि में प्राथमिकता दी जाएगी।
- ➲ 'प्रशांत द्वीपीय देशों में जलवायु संबंधित पूर्व चेतावनी प्रणाली' (Climate Early Warning System in Pacific Island Countries) इस निधि द्वारा समर्थित पहली परियोजना है।

➡ इस परियोजना का निर्माण भारत एवं संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) द्वारा प्रशांत क्षेत्र के सात द्वीपीय देशों के सहयोग से किया गया है।

- ➲ ये सात द्वीपीय देश हैं–कुक द्वीप, किरिबाती, नौरू, सोलोमन द्वीप, मार्शल द्वीप, माइक्रोनेशिया संघ और टोंगा द्वीप।

➡ इस परियोजना का उद्देश्य प्राकृतिक आपदाओं के प्रति इन देशों की प्रतिरोधक क्षमता (Resilience to Natural Disasters) में अभिवृद्धि करना है।

- ➲ यह परियोजना इस क्षेत्र में वायुमंडलीय एवं महासागरीय माप-उपकरणों की स्थापना, विशेषज्ञों के प्रशिक्षण, सामुदायिक शिक्षा और जागरूकता कार्यक्रमों के लिए सहायता प्रदान करेगी।
- ➲ इसके तहत प्राकृतिक आपदाओं के प्रति तत्परता में वृद्धि के लिए वर्षा, हवा की गति, आर्द्रता और वायुमंडलीय दाब में विविधताओं की माप के लिए उपकरणों की स्थापना की जाएगी।

➡ **यूएनओएसएससी (UNOSSC)**

- ➲ वर्ष 1974 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा विश्व में दक्षिण-दक्षिण (South-South) एवं त्रिपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक संगठन की स्थापना की गई थी।
- ➲ वर्ष 2012 में इस संगठन को यूएनओएसएससी (UNOSSC) नाम दिया गया।
- ➲ इसका मुख्यालय न्यूयॉर्क (अमेरिका) में है।

यूएनएचसीआर ग्लोबल ट्रेंड्स रिपोर्ट

वर्तमान में संपूर्ण विश्व युद्ध, हिंसा, आतंकवाद की विभीषिका से त्रस्त है, जिससे पलायन करने वाले लोगों की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। वर्ष 1950 में स्थापित संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी यूएनएचसीआर (UNHCR) की हाल ही में जारी रिपोर्ट के अनुसार युद्ध, हिंसा और उत्पीड़न के कारण दुनिया भर में बहुत अधिक लोगों को जबरन विस्थापित किया जा रहा है।

➡ 19 जून, 2017 को UNHCR द्वारा विस्थापितों पर वार्षिक रिपोर्ट 'ग्लोबल ट्रेंड्स रिपोर्ट' (Global Trends Report) जारी की गई।

➡ इस रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2016 के अंत तक संपूर्ण विश्व में 65.6 मिलियन लोगों को जबरन विस्थापित होना पड़ा, यह संख्या पिछले वर्ष की तुलना में 3 लाख अधिक है।

➡ 65.6 मिलियन जनसंख्या के इस आंकड़े में तीन घटकों को शामिल किया गया है–

1. पहले घटक में दूसरे देशों के 'शरणार्थियों' को शामिल किया गया है, जिनकी संख्या अब तक की सर्वाधिक 22.5 मिलियन है।
   - ➲ इनमें से 17.2 मिलियन लोग UNHCR के उत्तरदायित्व के तहत आते हैं और शेष (5.3 मिलियन) फिलीस्तीनी शरणार्थी हैं, जो UNHCR की सिस्टर संस्था UNRWA (United Nations Relief & Works Agency for Palestine Refugees) के साथ संबद्ध हैं।
   - ➲ सीरिया संघर्ष के कारण सर्वाधिक संख्या में लोग शरणार्थी बन रहे हैं (5.5 मिलियन)।
2. दूसरे घटक में उनको शामिल किया गया है, जो अपने ही देश में विस्थापित हैं।
   - ➲ वर्ष 2016 के अंत तक 40.3 मिलियन लोग आंतरिक विस्थापित थे, जबकि पिछले वर्ष 40.8 मिलियन लोग विस्थापित हुए थे।

➲ सीरिया, इराक और कोलंबिया सबसे बड़े आंतरिक विस्थापन स्थितियों वाले देश थे।

3. तीसरे घटक में शरण चाहने वाले लोग (Asylum Seekers) शामिल हैं, जो अपने देश से भाग गए हैं और शरणार्थी के रूप में अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा की मांग कर रहे हैं।

➲ वर्ष 2016 के अंत तक 2.8 मिलियन लोग वैश्विक स्तर पर शरण की खोज में थे।

➡ 65.6 मिलियन लोगों के विस्थापित होने का तात्पर्य है कि दुनिया में प्रत्येक 113 लोगों पर औसतन 1 व्यक्ति विस्थापित है।

➡ कुल 65.6 मिलियन विस्थापित लोगों में 10.3 मिलियन लोग वर्ष 2016 में ही विस्थापित हुए, उनमें से दो-तिहाई (6.9 मिलियन) अपने देश के अंदर ही विस्थापित हैं।

➲ इस दौरान 37 देशों ने 189,300 शरणार्थियों को पुनर्वास के लिए स्वीकार किया है।

➡ विस्थापितों की सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश–

क्रम	देश	जनसंख्या (मिलियन)
1.	सीरिया	12
2.	कोलंबिया (समूह)	7.7
3.	अफगानिस्तान	4.7
4.	इराक	4.2
5.	दक्षिण सूडान	3.3

➡ वर्ष 2016 में शरणार्थियों की जनसंख्या में लगभग 51 प्रतिशत हिस्सेदारी 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की है। एक अनुमान के अनुसार, विश्व की कुल जनसंख्या में 31 प्रतिशत बच्चों की जनसंख्या है।

➡ 2 मिलियन नए शरण चाहने वालों में से सर्वाधिक लोगों (7,22,400) ने जर्मनी में शरण के लिए आवेदन किया है। इसके बाद सं.रा. अमेरिका (2,62,000), इटली (1,23,000) और तुर्की (78,600) का स्थान है।

➡ लगातार तीसरे वर्ष 2.9 मिलियन लोगों के साथ तुर्की सबसे बड़ा शरणदाता देश रहा। शरणार्थियों को शरण प्रदान करने वाले शीर्ष देश हैं–

देश	शरणार्थी
तुर्की	2.9 मिलियन
पाकिस्तान	1.4 मिलियन
लेबनान	1.0 मिलियन
ईरान	9,79,400
युगांडा	9,40,800
इथियोपिया	7,91,600

➡ वर्ष 2016 में कुल शरणार्थियों की जनसंख्या में विभिन्न आयु वर्ग के लोगों का प्रतिशत है–

विभिन्न वर्ग	प्रतिशत जनसंख्या
पुरुष	51
महिला	49
18 वर्ष से कम उम्र	51
18-59	45
60 से अधिक	4

➡ UNHCR की इस रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2016 के अंत तक भारत में 1,97,851 शरणार्थी थे, जिनमें से 24,594 लोगों की सहायता UNHCR द्वारा की जा रही है, जबकि शरण चाहने वालों की संख्या 9219 है।

➡ उल्लेखनीय है कि विश्व शरणार्थी दिवस प्रति वर्ष 20 जून को मनाया जाता है।

सामाजिक प्रगति सूचकांक, 2017

विगत आधी सदी के आर्थिक विकास ने करोड़ों लोगों को गरीबी के स्तर से ऊपर उठाकर उनके जीवन में सुधार किया है। लेकिन मात्र आर्थिक प्रगति के आधार पर मानव विकास का मॉडल अधूरा साबित हुआ है और यह स्पष्ट हुआ है कि समावेशी विकास के लिए आर्थिक और सामाजिक प्रगति दोनों की जरूरत होती है। विश्व में बहुत से लोग (चाहे उनकी आय कुछ भी हो) ऐसे हैं, जो पूर्ण अधिकारों से वंचित हैं और उन्हें लिंग, धर्म, जाति आदि के आधार पर पक्षपात या हिंसा का सामना करना पड़ता है। स्पष्ट है कि राष्ट्रीय आय के मापन के पारंपरिक साधन जैसे प्रति व्यक्ति जीडीपी (GDP Per Capita) आदि समाज की समग्र प्रगति के मूल्यांकन में असफल साबित हुए हैं। इस दृष्टि से 'सामाजिक प्रगति सूचकांक' (Social Progress Index) ऐसी पहली व्यापक प्रणाली है, जो जीडीपी से स्वतंत्र सामाजिक प्रगति का मापन करती है तथा आर्थिक एवं सामाजिक प्रगति के मध्य संबंध को समझने की क्षमता प्रदान करती है।

➡ सामाजिक प्रगति सूचकांक, का प्रकाशन प्रति वर्ष अमेरिका स्थित एक गैर-लाभकारी संगठन 'सोशल प्रोग्रेस इम्परेटिव' (Social Progress Imperative) द्वारा किया जाता है।

➲ यह सूचकांक सर्वप्रथम 'अपरिष्कृत रूप' (Beta Form) में वर्ष 2013 में प्रकाशित किया गया था, जबकि आधिकारिक रूप से इसका पहला पूर्ण एवं व्यापक संस्करण वर्ष 2014 में जारी किया गया था।

➡ इस सूचकांक के माध्यम से किसी देश की सामाजिक प्रगति के समग्र स्तर को परिभाषित करने के लिए उसे स्कोर एवं रैंक प्रदान किया जाता है।

➲ इस सूचकांक में किसी देश को स्कोर प्रदान करने के लिए तीन आयामों का सामान्य औसत (Simple Average) निकाला जाता है–

(i) आधारभूत मानवीय आवश्यकताएं (Basic Human Needs)

(ii) कल्याण के मूल आधार (Foundations of Wellbeing)
(iii) अवसर (Opportunity)

➲ पुनः प्रत्येक आयाम चार घटकों (Components) में विभाजित है। इस प्रकार वर्ष 2017 के सामाजिक प्रगति सूचकांक की संरचना में सामाजिक प्रगति के कुल 12 घटक एवं 50 विभिन्न संकेतक शामिल किए गए हैं।

➡ 21 जून, 2017 को सोशल प्रोग्रेस इम्परेटिव द्वारा 'सामाजिक प्रगति सूचकांक, 2017' के परिणाम जारी किए गए।

➲ इस सूचकांक में उन 128 देशों को रैंकिंग प्रदान की गई है, जिनकी सामाजिक प्रगति के सभी 12 घटकों से संबंधित पर्याप्त आंकड़े उपलब्ध हैं।

➲ हालांकि, इन देशों के अतिरिक्त 82 और देशों के आंशिक आंकड़े इस सूचकांक के माध्यम से उपलब्ध कराए गए हैं।

➲ इस प्रकार, इस सूचकांक का विस्तार विश्व की 98 प्रतिशत जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करने वाले 210 देशों तक हो गया है।

➡ सामाजिक प्रगति सूचकांक, 2017 में कुल 128 देशों की सूची में डेनमार्क (स्कोर : 90.57) को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

➲ उल्लेखनीय है कि इस सूचकांक में प्रथम चार स्थान नॉर्डिक देशों (डेनमार्क, फिनलैंड, आइसलैंड एवं नॉर्वे) को ही प्राप्त हुए हैं, जबकि एक अन्य नॉर्डिक देश स्वीडन को आठवां स्थान हासिल हुआ है।

➡ इन सभी देशों को 'अत्यधिक उच्च सामाजिक प्रगति' (Very High Social Progress) वाले 14 देशों की सूची में स्थान दिया गया है।

➲ अत्यधिक उच्च सामाजिक प्रगति वाले अन्य प्रमुख देशों में स्विट्जरलैंड को 5वां, ऑस्ट्रेलिया को 9वां, यूके को 12वां तथा जर्मनी को 13वां स्थान प्राप्त हुआ है।

➲ चार जी-7 देश यथा अमेरिका (18वां स्थान), जापान (17वां स्थान), फ्रांस (19वां स्थान) एवं इटली (24वां स्थान) 'उच्च सामाजिक प्रगति' (High Social Progress) वाले दूसरे दर्जे के देशों में ही स्थान बना सके हैं।

➡ पांच ब्रिक्स देशों में ब्राजील (43वां स्थान) का प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ रहा और इसने 'उच्चतर मध्यम सामाजिक प्रगति' (Upper Middle Social Progress) वाले देशों में स्थान प्राप्त किया।

➲ अन्य ब्रिक्स देशों में दक्षिण अफ्रीका (66वां स्थान) एवं रूस (67वां स्थान) उच्चतर मध्यम सामाजिक प्रगति वाले देशों में तथा चीन (83वां स्थान) 'निम्न मध्यम सामाजिक प्रगति' (Lower Middle Social Progress) वाले देशों की सूची में स्थान प्राप्त करने में सफल रहे।

➲ भारत ने 58.39 स्कोर के साथ इस सूचकांक में 93वां स्थान प्राप्त किया।

➲ चीन, श्रीलंका, ईरान, नेपाल आदि देशों के साथ भारत 'निम्न मध्यम सामाजिक प्रगति' वाले देशों की सूची में स्थान बनाने में सफल रहा।

➡ इस सूचकांक में निचले पांच स्थान प्राप्त करने वाले देश क्रमशः हैं–128. मध्य अफ्रीकी गणराज्य (स्कोर : 28.38), 127. अफगानिस्तान (स्कोर : 35.66), 126. चाड (स्कोर : 35.69), 125. अंगोला (स्कोर : 40.63) तथा 124. नाइजर (स्कोर : 42.97)।

➲ इन सभी देशों को 'अत्यधिक निम्न सामाजिक प्रगति' (Very Low Social Progress) वाले देशों की सूची में स्थान दिया गया है।

वैश्विक नवाचार सूचकांक, 2017

नवाचार का संबंध नवीन विचारों, वस्तुओं, पद्धतियों, प्रणालियों तथा नए प्रयासों से है। सामाजिक, आर्थिक विकास क्रम में मानव अपनी आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए सदैव नई-नई वस्तुओं, तकनीक एवं ज्ञान का अन्वेषण करता रहता है, इसे ही 'नवाचार' (Innovation) कहते हैं। नवाचार को आर्थिक संवृद्धि एवं विकास का केंद्रीय वाहक माना जाता है।

नवाचार से संबंधित चुनौतियों का सर्वश्रेष्ठ तरीके से सामना करने वाली अर्थव्यवस्थाओं एवं क्षेत्रों की पहचान कर विभिन्न राष्ट्रों के नवाचार कार्यक्रम को लाभप्रद रूप प्रदान करने में 'वैश्विक नवाचार सूचकांक' (Global Innovation Index : GII) की भूमिका महत्वपूर्ण है। वर्ष 2007 से इस सूचकांक का प्रकाशन प्रति वर्ष कारनेल विश्वविद्यालय (न्यूयॉर्क), INSEAD (The Business School for the World) तथा 'विश्व बौद्धिक संपदा संगठन' (World Intellectual Property Organization : WIPO) द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। 'भारतीय उद्योग परिसंघ' (CII) इस सूचकांक के प्रकाशन में 'ज्ञान भागीदार' (Knowledge Partner) के रूप में शामिल है।

➡ 15 जून, 2017 को जेनेवा में 'वैश्विक नवाचार सूचकांक, 2017' जारी किया गया।

➲ यह इस सूचकांक का **10वां वार्षिक संस्करण** है।

➲ वर्ष 2017 के 'वैश्विक नवाचार सूचकांक' का केंद्रीय विषय है– **'इनोवेशन फीडिंग द वर्ल्ड'** (Innovation Feeding the World)।

➲ इस सूचकांक में विश्व की **127 अर्थव्यवस्थाओं** के नवाचार प्रदर्शन को माप कर उन्हें रैंकिंग प्रदान की गई है।

➲ यह 127 अर्थव्यवस्थाएं विश्व की 92.5 प्रतिशत जनसंख्या तथा विश्व जीडीपी के 97.6 प्रतिशत (अमेरिकी डॉलर में) का प्रतिनिधित्व करती हैं।

➲ वैश्विक नवाचार सूचकांक का यह संस्करण 'कृषि एवं खाद्य प्रणालियों में नवाचार' पर विशेष रूप से केंद्रित है।

➡ वैश्विक नवाचार सूचकांक, 2017 में लगातार 7वें वर्ष **स्विट्जरलैंड**

को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

- GII-2017 में शामिल शीर्ष-5 नवाचारी देश हैं–1. स्विट्जरलैंड, 2. स्वीडन, 3. नीदरलैंड्स, 4. संयुक्त राज्य अमेरिका तथा 5. यूनाइटेड किंगडम।
- उल्लेखनीय है कि इस सूचकांक में शामिल शीर्ष 25 देशों में से 24 'उच्च आय वाली अर्थव्यवस्थाएं' (High-Income Economies) हैं।
- चीन (22वां स्थान) शीर्ष 25 नवाचारी देशों में शामिल एकमात्र मध्यम आय वाली अर्थव्यवस्था है।

➡ वैश्विक नवाचार सूचकांक, 2017 में **भारत 60वें स्थान** (वर्ष 2016 में 66वां स्थान) **पर** है।

- यदि क्षेत्रीय संदर्भ में देखा जाए, तो भारत 'मध्य एवं दक्षिण एशिया' (Central & Southern Asia) में शीर्ष नवाचारी देश है।
- 'निम्न-मध्यम आय' (Lower-Middle Income) वाली 27 अर्थव्यवस्थाओं में भारत नवाचार की दृष्टि से छठें स्थान पर है।
- अपने आर्थिक विकास के वर्तमान स्तर की तुलना में नवाचार के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने के कारण इस वर्ष भारत को **'इनोवेशन अचीवर'** (Innovation Achiever) घोषित किया गया है।
- उल्लेखनीय है कि भारत को वर्ष 2011 से लगातार इनोवेशन अचीवर घोषित किया जा रहा है।
- इस वर्ष कुल 17 अर्थव्यवस्थाएं इनोवेशन अचीवर घोषित की गई हैं।

➡ उल्लेखनीय है कि वैश्विक नवाचार सूचकांक दो उप-सूचकांकों यथा नवाचार इनपुट उप-सूचकांक तथा नवाचार आउटपुट उप-सूचकांक पर आधारित है।

- समग्र GII स्कोर की गणना हेतु इनपुट एवं आउटपुट उप-सूचकांकों का सामान्य औसत निकाला जाता है।

GII-2017 : विभिन्न क्षेत्रों में शीर्ष देश

क्षेत्र	देश	क्षेत्रीय रैंक	GII-2017 रैंक
उत्तरी अमेरिका	संयुक्त राज्य अमेरिका	1	4
उप-सहारा अफ्रीका	दक्षिण अफ्रीका	1	57
लैटिन अमेरिका एवं कैरेबियन	चिली	1	46
मध्य एवं दक्षिण एशिया	भारत	1	60
उत्तरी अफ्रीका एवं पश्चिमी एशिया	इस्राइल	1	17
दक्षिण पूर्व एशिया, पूर्वी एशिया तथा ओशेनिया	सिंगापुर	1	7
यूरोप	स्विट्जरलैंड	1	1

विज्ञापन

मार्चांत, 2017 में भारत का विदेशी ऋण

भारत में विदेशी ऋण के आंकड़े त्रैमासिक आधार पर प्रकाशित किए जाते हैं। कैलेंडर वर्ष की प्रथम दो तिमाहियों (जनवरी-मार्च और अप्रैल-जून) के आंकड़े 'भारतीय रिजर्व बैंक' (RBI) द्वारा, जबकि अंतिम दो तिमाहियों (जुलाई-सितंबर और अक्टूबर-दिसंबर) के आंकड़े वित्त मंत्रालय के आर्थिक कार्य विभाग द्वारा प्रकाशित किए जाते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मार्चांत, 2017 के विदेशी ऋण संबंधी आंकड़े 30 जून, 2017 को जारी किए गए।

➡ मार्च, 2017 की समाप्ति पर भारत के बाह्य ऋण में मार्चांत, 2016 की तुलना में 2.7 प्रतिशत की कमी रही, जिसका प्रमुख कारण अनिवासी भारतीयों की जमाओं और वाणिज्यिक उधारों में दर्ज कमी है।

- ➲ बाह्य ऋण की मात्रा में कमी आंशिक रूप से भारतीय रुपये की तुलना में अमेरिकी डॉलर के मूल्य ह्रास के परिणामस्वरूप होने वाली मूल्यांकन हानि के कारण भी हुई।
- ➲ मार्च, 2017 के अंत में बाह्य ऋण सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के अनुपात में 20.2 प्रतिशत था, जो मार्चांत, 2016 के स्तर 23.5 प्रतिशत से कम है।
- ➲ मार्चांत, 2017 में भारत का बाह्य ऋण 471.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा, जो मार्चांत, 2016 के स्तर (485 बिलियन डॉलर) से 13.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर कम है।
- ➲ भारतीय रुपया की तुलना में अमेरिकी डॉलर के मूल्य ह्रास के कारण मूल्यांकन हानि 1.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर है।

➡ बाह्य ऋण का सबसे बड़ा घटक वाणिज्यिक उधार (36.7%) रहा। उसके बाद क्रमशः एनआरआई जमाएं (24.8%) तथा अल्पावधिक व्यापार ऋण (18.3%) रहे।

➡ मार्चांत, 2017 में दीर्घावधि ऋण 383.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा, जिसमें मार्चांत, 2016 के स्तर से 17.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर की गिरावट दर्ज की गई।

➲ मार्चांत, 2017 में कुल बाह्य ऋण में दीर्घावधि ऋण की हिस्सेदारी 81.4 प्रतिशत रही, जो मार्चांत, 2016 के स्तर (82.8%) से थोड़ी कम है।

➡ कुल बाह्य ऋण में अल्पावधिक ऋण (मूल परिपक्वता) की हिस्सेदारी मार्चांत, 2016 के 17.2 प्रतिशत से बढ़कर मार्चांत, 2017 में 18.6 प्रतिशत हो गई।

➡ विदेशी मुद्रा भंडार से अल्पावधिक ऋण का अनुपात मार्चांत, 2017 में 23.8 प्रतिशत हो गया, जबकि मार्चांत, 2016 में यह अनुपात 23.1 प्रतिशत था।

➡ भारत के बाह्य ऋण में सबसे बड़ा हिस्सा (52.1%) अमेरिकी डॉलर में मूल्यवर्गित ऋण का रहा।

- ➲ उसके बाद भारतीय रुपये (33.6%), एसडीआर (5.8%), जापानी येन (4.6%) तथा यूरो (2.9%) में लिए गए ऋण का स्थान आता है।
- ➲ मार्चांत, 2017 में सरकार के बकाया ऋण में वृद्धि, जबकि गैर-सरकारी ऋण में कमी दर्ज की गई है।

भारत के विदेशी ऋण की संरचना (बिलियन अमेरिकी डॉलर)

घटक	मार्चांत, 2016 सं.	मार्चांत, 2017 अनु.	मार्चांत, 2016 की तुलना में मार्चांत, 2017 में वृद्धि/कमी	मार्चांत, 2016 की तुलना में मार्चांत, 2017 में प्रतिशत वृद्धि/कमी
1. बहुपक्षीय	54.0	54.5	0.5	0.9
2. द्विपक्षीय	22.5	23.2	0.7	3.1
3. अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF)	5.6	5.4	-0.2	-3.5
4. व्यापार ऋण (Trade Credit)	10.6	9.7	-1.0	-9.0
5. वाणिज्यिक उधार	180.7	173.1	-7.7	-4.2
6. एन.आर.आई. जमाएं	126.9	116.9	-10.1	-7.9
7. रुपया ऋण	1.3	1.2	-0.1	-3.9
8. दीर्घावधिक ऋण (1–7)	401.6	383.9	-17.7	-4.4
9. अल्पावधिक ऋण	83.4	88.0	4.6	5.5
10. कुल विदेशी ऋण (8+9)	485.0	471.9	-13.1	-2.7

नोट : सं. = संशोधित, अनु. = अनुमानित

राष्ट्रीय आय के अनंतिम अनुमान, 2016-17

केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अधीन 'केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय' (CSO) द्वारा 31 मई, 2017 को वित्त वर्ष 2016-17 के लिए स्थिर (2011-12) एवं चालू कीमतों पर राष्ट्रीय आय के अनंतिम अनुमान (Provisional Estimates : P.E.) जारी किए गए। इन अनुमानों के प्रमुख बिंदु निम्नलिखित हैं–

➡ **सकल घरेलू उत्पाद (GDP)**

➡ वर्ष 2016-17 के अनंतिम अनुमानों के अनुसार, स्थिर (2011-12) कीमतों पर वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (GDP) 7.1 प्रतिशत वृद्धि के साथ 121.90 लाख करोड़ रुपये अनुमानित है।

- ➲ वर्ष 2015-16 में सकल घरेलू उत्पाद 113.81 लाख करोड़ रुपये था।
- ➲ अनंतिम अनुमानों के अनुसार, चालू कीमतों पर वर्ष 2016-17 में सकल घरेलू उत्पाद गत वर्ष की तुलना में 11.0 प्रतिशत वृद्धि के साथ 151.84 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर अनुमानित है, जबकि गत वर्ष (2015-16) में यह 136.82 लाख करोड़ रुपये था।
- ➲ वर्तमान मूल्यों (Current Prices) पर जिन क्षेत्रों में 9 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि दर दर्ज की है, उनमें कृषि, विनिर्माण, व्यापार, होटल, परिवहन, संचार एवं प्रसारण संबंधी सेवाएं, वित्तीय, अचल संपत्ति एवं व्यावसायिक सेवाएं तथा लोक प्रशासन, रक्षा एवं अन्य सेवाएं शामिल हैं।

राष्ट्रीय आय से संबंधित प्रमुख आंकड़े एक दृष्टि में (लाख करोड़ रुपये में)

	मद	2011-12 के स्थिर मूल्यों पर		चालू मूल्यों पर	
		2015-16 के अनुमान	2016-17 के अनंतिम अनुमान	2015-16 के अनुमान	2016-17 के अनंतिम अनुमान
1.	सकल घरेलू उत्पाद (GDP)	113.81 (8.0 %)	121.90 (7.1 %)	136.82 (9.9 %)	151.84 (11.0 %)
2.	निवल घरेलू उत्पाद (NDP)	101.20 (8.1 %)	108.42 (7.2 %)	122.37 (10.2%)	135.98 (11.1 %)
3.	सकल मूल्य वर्धन (GVA) बुनियादी कीमतों पर	104.91 (7.9 %)	111.85 (6.6 %)	124.59 (8.5%)	136.70 (9.7%)
4.	सकल राष्ट्रीय आय (GNI)	112.46 (8.0 %)	120.35 (7.0 %)	135.22 (10.0%)	149.94 (10.9 %)
5.	शुद्ध राष्ट्रीय आय (NNI)	99.82 (8.1%)	106.87 (7.1 %)	120.77 (10.3%)	134.08 (11.0 %)
6.	प्रति व्यक्ति शुद्ध राष्ट्रीय आय (रुपये में) (NNI Per Capita in Rs.)	77803 (6.8 %)	82269 (5.7 %)	94130 (8.9%)	103219 (9.7 %)

नोट - कोष्ठक में दिए गए आंकड़े पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत वृद्धि को दर्शाते हैं।

सकल मूल्य संवर्धन (GVA) में क्षेत्रवार वृद्धि (अनंतिम अनुमान, 2016-17)

(प्रतिशत में)

क्षेत्र	स्थिर कीमतों पर (आधार वर्ष, 2011-12)	चालू कीमतों पर
1. कृषि, वानिकी एवं मत्स्यिकी	4.9	9.0
2. खनन एवं उत्खनन	1.8	1.9
3. विनिर्माण	7.9	9.3
4. बिजली, गैस, जलापूर्ति तथा अन्य सेवाएं	7.2	6.5
5. निर्माण	1.7	3.5
6. व्यापार, होटल, परिवहन, संचार एवं प्रसारण संबंधी सेवाएं	7.8	9.8
7. वित्त, रियल एस्टेट एवं व्यावसायिक सेवाएं	5.7	9.8
8. लोक प्रशासन, रक्षा एवं अन्य सेवाएं	11.3	16.6
जीवीए (GVA)	6.6	9.7

फोर्ब्स 'ग्लोबल-2000' सूची

प्रतिष्ठित अमेरिकी बिजनेस पत्रिका 'फोर्ब्स' (Forbes) द्वारा जारी की जाने वाली वार्षिक सूचियों के क्रम में मई, 2017 में 'ग्लोबल- 2000' शीर्षक के अंतर्गत विश्व के विभिन्न देशों की कुल 2000 शीर्ष सार्वजनिक कंपनियों (Public Companies) की सूची जारी की गई। इस सूची में बिक्री, मुनाफा, परिसंपत्ति और बाजार मूल्य के आधार पर दुनिया की सबसे बड़ी और शक्तिशाली सार्वजनिक कंपनियों को वरीयता क्रम में सूचीबद्ध किया गया है। फोर्ब्स ग्लोबल-2000 सूची वर्ष 2003 से प्रति वर्ष जारी की जा रही है। इस वर्ष की सूची में भारत की 58 अग्रणी कंपनियों को स्थान मिला है, तथापि कोई भी भारतीय कंपनी प्रथम 100 में स्थान बना पाने में असफल रही है। वर्ष 2017 की ग्लोबल-2000 सूची में 58 देशों की कंपनियों को जगह मिली है, जबकि वर्ष 2003 में जब फोर्ब्स ने सूची जारी करना शुरू किया था, तो उस समय 46 देशों की कंपनियां शामिल थीं। कुल 565 कंपनियों के साथ अमेरिका इस सूची में शीर्ष स्थान पर है, जबकि दूसरे स्थान पर चीन (हांगकांग को मिलाकर) है, जिसकी 263 कंपनियों ने इस सूची में जगह बनाई है।

➡ 24 मई, 2017 को फोर्ब्स द्वारा जारी 'ग्लोबल-2000' के 15वें संस्करण में शीर्ष दो स्थानों पर चीनी कंपनियां काबिज हैं।

- ➲ चीन का सरकारी बैंक इंडस्ट्रियल और कॉमर्शियल बैंक ऑफ चाइना (ICBC) लगातार पांचवें वर्ष प्रथम स्थान पर रहा।
- ➲ जबकि 'चाइना कंस्ट्रक्शन बैंक' (China Construction Bank) को दूसरा स्थान प्राप्त हुआ।

➡ सूची में तीसरे, चौथे एवं पांचवें स्थान पर अमेरिकी कंपनियां क्रमशः **बर्कशायर हैथवे, जेपी मॉर्गन चेज** एवं **वेल्स फार्गो** हैं।

➡ वर्ष 2017 की सूची में शीर्ष 10 में से 5 कंपनियां अमेरिका की, 4 कंपनियां चीन की एवं एक जापान की (दसवें स्थान पर **टोयोटा मोटर्स**) है।

- ➲ ध्यातव्य है कि शीर्ष 100 कंपनियों में 38 अमेरिकी कंपनियां हैं।

➡ ग्लोबल-2000 सूची में शामिल 58 भारतीय कंपनियों (वर्ष 2016 में 56 कंपनियां शामिल थी) में **रिलायंस इंडस्ट्रीज** 71.2 बिलियन डॉलर के बाजार मूल्य और 41.8 बिलियन डॉलर की बिक्री के साथ 106वें स्थान (भारतीय कंपनियों में शीर्ष स्थान) पर है।

- ➲ सूची में शामिल भारत की शीर्ष कंपनियों में दूसरे स्थान पर **भारतीय स्टेट बैंक** है, जो 36.5 बिलियन डॉलर के बाजार मूल्य और 43.7 बिलियन डॉलर की बिक्री के साथ 244वें स्थान पर है।

➡ इस सूची में शामिल भारत की कुछ प्रमुख कंपनियां हैं– ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन (246वीं रैंक), एचडीएफसी बैंक (258वीं रैंक), इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (264वीं रैंक), टाटा मोटर्स (290वीं रैंक), आईसीआईसीआई बैंक (310वीं रैंक), हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कॉर्पोरेशन (373वीं रैंक), टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (376वीं रैंक), एनटीपीसी (408वीं रैंक), एक्सिस बैंक (463वीं रैंक), लॉर्सन एंड टूब्रो (483वीं रैंक), भारती एयरटेल (513वीं रैंक) आदि।

➡ सूची में शामिल 58 देशों की सभी कंपनियों का संयुक्त राजस्व 35.3 ट्रिलियन डॉलर, संयुक्त लाभ 2.5 ट्रिलियन डॉलर, संयुक्त परिसंपत्ति 169.1 ट्रिलियन डॉलर तथा संयुक्त बाजार मूल्य 48.8 ट्रिलियन डॉलर है।

वैश्विक खुदरा विकास सूचकांक, 2017

प्रतिष्ठित बिजनेस कंसल्टेंसी फर्म ए.टी. कियर्नी (A.T. Kearney) द्वारा विश्वभर में खुदरा व्यापार के विस्तार के आधार पर प्रतिवर्ष शीर्ष 30 विकासशील देशों की सूची प्रकाशित की जाती है। यह सूची इस मामले में अद्वितीय है कि यह वर्तमान में विश्व के सबसे सफल व्यापारों के साथ ऐसे बाजारों को भी चिह्नित करती है, जिनमें भविष्य में सर्वाधिक सफलता प्राप्त करने की क्षमता है। यह सूची 'वैश्विक खुदरा विकास सूचकांक' (Global Retail Development Index : GRDI) शीर्षक से जारी की जाती है।

➡ 5 जून, 2017 को ए.टी. कियर्नी द्वारा वैश्विक खुदरा विकास सूचकांक, 2017 (GRDI, 2017) जारी किया गया।

- ➲ यह इस वार्षिक रिपोर्ट का 16वां संस्करण है।

➡ इसका शीर्षक **'संकेंद्रण का काल' (The Age of Focus)** है।

➡ इस सूचकांक में विश्व के 30 विकासशील देशों को राष्ट्रीय जोखिम, जनसंख्या एवं प्रतिव्यक्ति जी.डी.पी. के आधार पर चुना गया है।

➡ चयनित 30 देशों को निम्नलिखित चार चरों (Variables) में प्राप्त अंकों के आधार पर 0-100 अंक (जहां शून्य निम्न आकर्षण, उच्च जोखिम, पूर्णता एवं निम्न समय दबाव को दर्शाता है) प्रदान किया गया है–

- ➲ राष्ट्रीय एवं व्यवसाय जोखिम (Country and Business Risk)।
- ➲ बाजार का आकर्षण (Market Attractiveness)।
- ➲ बाजार की पूर्णता (Market Saturation)।
- ➲ समय दबाव (Time Pressure)।
- ➲ इन चरों का मुख्य सूचकांक (GRDI Score) में भारांश 25-25 प्रतिशत है।

➡ इस वर्ष के सूचकांक में भारत ने चीन को प्रतिस्थापित कर पहला

स्थान प्राप्त किया।

- ➲ इसका अर्थ यह है कि भारत खुदरा निवेश की दृष्टि से शीर्ष विकासशील देश है।
- ➲ पिछले कुछ वर्षों से भारत में विदेशी निवेश के लिए अधिक अनुकूल वातावरण, तीव्र आर्थिक वृद्धि आदि को इस उपलब्धि का श्रेय दिया गया है।
- ➲ इस वर्ष की रिपोर्ट में मोबाइल फोन के माध्यम से खरीददारी में वृद्धि तथा उसके वैश्विक खुदरा बाजार के विस्तार पर प्रभाव से संबंधित एक विशेष खंड शामिल किया गया है।
- ➲ रिपोर्ट के अनुसार, पिछले वर्ष भारत में मोबाइल फोन द्वारा खरीददारी में 121 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

➡ इस सूचकांक में भारत में ऑनलाइन खुदरा खरीददारी की वृद्धि दर 30 प्रतिशत वार्षिक आकी गई है और इसके वर्ष 2020 तक 48 बिलियन डॉलर के स्तर तक पहुंचने की संभावना है।

➡ वर्तमान में भारत का कुल राष्ट्रीय खुदरा विक्रय 1071 बिलियन डॉलर है।

विश्व प्रतिस्पर्धात्मकता रिपोर्ट, 2017

◆ अंतरराष्ट्रीय प्रबंधन-विकास संस्थान (International Institute for Management Development) वर्ष 1989 से विभिन्न अर्थव्यवस्थाओं (राष्ट्रों) में प्रतिस्पर्धी माहौल का आकलन करके प्रति वर्ष विश्व प्रतिस्पर्धात्मकता रिपोर्ट प्रकाशित करता है।

◆ 31 मई, 2017 को इस संस्थान (IMD) द्वारा 'विश्व प्रतिस्पर्धात्मकता रिपोर्ट (World Competitiveness Report), 2017' का प्रकाशन किया गया।

◆ रिपोर्ट में 63 देशों को 4 बृहद प्राचालों में उनके द्वारा अर्जित अंकों के आधार पर रैंकिंग प्रदान की गई है।

◆ ये बृहद प्राचाल निम्न हैं–

(i) अर्थव्यवस्था का निष्पादन (Economic Performance)
(ii) सरकारी दक्षता (Government Efficiency)
(iii) वाणिज्यिक दक्षता (Business Efficiency)
(iv) आधारभूत अवसंरचना (Infrastructure)

◆ इस रैंकिंग में प्रथम पांच स्थान प्राप्त करने वाले देश हैं–

(1) हांगकांग (2) स्विट्जरलैंड
(3) सिंगापुर (4) यूएसए
(5) नीदरलैंड्स

◆ इस रैंकिंग में अंतिम पांच स्थान प्राप्त करने वाले देश हैं–

(63) वेनेजुएला (62) मंगोलिया
(61) ब्राजील (60) यूक्रेन
(59) क्रोएशिया

ग्लोबल 300 रैंकिंग

जेएलएल रियल एस्टेट (Real Estate) के क्षेत्र में व्यावसायिक सेवाएं प्रदान करने वाली भारत की सबसे बड़ी एवं प्रतिष्ठित कंपनी है। इस कंपनी द्वारा प्रति वर्ष 'ग्लोबल 300' रैंकिंग जारी की जाती है। इस रैंकिंग में विश्व के उन 300 प्रमुख शहरों को शामिल किया जाता है, जो व्यावसायिक गतिविधियों के प्रमुख केंद्र हैं। साथ ही ये शहर वैश्विक अर्थव्यवस्था के 40 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करते हैं तथा वैश्विक रियल एस्टेट निवेश में तीन-चौथाई हिस्सेदारी रखते हैं।

➡ मई, 2017 में जेएलएल (JLL) द्वारा विश्व के 300 प्रमुख शहरों की रैंकिंग 'ग्लोबल 300' जारी की गई।

➡ इस रैंकिंग में भारत के नौ शहरों को शामिल किया गया है ये शहर हैं– मुंबई, दिल्ली, बंगलुरू, चेन्नई, कोलकाता, हैदराबाद, अहमदाबाद, पुणे एवं सूरत।

- ➲ मुंबई (रैंक-24) एवं दिल्ली (रैंक-26) को 'ग्लोबल टॉप 30' (Global Top 30) में शामिल किया गया है।
- ➲ बंगलुरू (रैंक-90), चेन्नई (रैंक-79) एवं कोलकाता (रैंक-90) को 'ग्लोबल टॉप 100' में शामिल किया गया है।
- ➲ सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के संबंध में दुनिया के 20 बड़े शहरों में मुंबई 17वें स्थान पर है।
- ➲ दिल्ली सकल घरेलू उत्पाद के संबंध में 22वें स्थान पर है।
- ➲ ध्यातव्य है कि मुंबई एवं दिल्ली दोनों शहरों का संयुक्त सकल घरेलू उत्पाद 400 बिलियन डॉलर से अधिक है।

➡ एशिया के बड़े शहरों में मुंबई एवं दिल्ली क्रमशः 5वें एवं 6वें स्थान पर हैं। इस दृष्टि से प्रथम चार स्थानों पर क्रमशः टोक्यो, शंघाई, सियोल एवं जकार्ता हैं।

➡ सकल घरेलू उत्पाद के संबंध में भारत के शेष 7 शहरों की रैंक इस प्रकार है- कोलकाता (63वीं), बंगलुरू (75वीं), चेन्नई (81वीं), अहमदाबाद (92वीं), सूरत (111वीं), पुणे (116वीं) और हैदराबाद (147वीं)।

- ➲ अपनी अधिक जनसंख्या के कारण मुंबई एवं दिल्ली प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद (GDP Per Capita) के संबंध में विश्व के अन्य प्रमुख शहरों से पीछे हैं।

➡ मुंबई कॉर्पोरेट उपस्थिति (Corporate Presence) के संबंध में सैन फ्रांसिस्को, शंघाई, सिडनी, सिंगापुर, वाशिंगटन, अटलांटा, टोरंटो आदि से आगे है।

- ➲ इस संबंध में दिल्ली भी ग्वांगझाऊ एवं फ्रैंकफर्ट से आगे है।

फोर्ब्स : सेलिब्रिटीज 100

विश्व की विख्यात पत्रिकाओं में शुमार अमेरिका की 'फोर्ब्स पत्रिका' मुख्यत: एक व्यावसायिक पत्रिका है, जिसके द्वारा समय-समय पर विभिन्न प्रकार के आंकड़े एवं सूचियां जारी की जाती रही हैं। इनमें विश्व के अरबपतियों की सूची, ग्लोबल-2000 सूची, 100 सर्वाधिक भुगतान प्राप्तकर्ता एथलीट्स की सूची आदि प्रमुख हैं। इसी क्रम में फोर्ब्स पत्रिका द्वारा 'सेलिब्रिटी 100' सूची जारी की गई, जिसमें विश्व के सर्वाधिक शुल्क वाले 100 सेलिब्रिटीज को रैंकिंग प्रदान की गई है।

➡ 12 जून, 2017 को जारी इस सूची में अमेरिकी संगीतकार सीन कॉम्बस (Sean Combs) 130 मिलियन अमेरिकी डॉलर कमाई के साथ शीर्ष पर रहे।

- ➲ इसके पश्चात प्रसिद्ध अमेरिकी गायिका बियॉन्से नोल्स (BeyonceKnowles) 105 मिलियन अमेरिकी डॉलर कमाई के साथ दूसरे स्थान पर रहीं।
- ➲ प्रसिद्ध ब्रिटिश लेखिका जे.के. रॉलिंग (J.K. Rowling) 95 मिलियन अमेरिकी डॉलर कमाई के साथ तीसरे स्थान पर रहीं।
- ➲ कनाडा के प्रसिद्ध संगीतकार ड्रेक (Drake) 94 मिलियन अमेरिकी डॉलर कमाई के साथ चौथे स्थान पर रहे।

➡ इस सूची में पुर्तगाल के प्रसिद्ध फुटबॉल खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो (Cristiano Ronaldo) 93 मिलियन अमेरिकी डॉलर के साथ पांचवें स्थान पर रहे।

➡ इसके अलावा अन्य प्रमुख मशहूर हस्तियों में लियोनेल मेसी 14वें, रोजर फेडरर 23वें व जैकी चैन 39वें स्थान पर हैं।

➡ वर्ष 2017 की इस सूची में भारत की तीन मशहूर हस्तियां भी शामिल हैं।

➲ प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान 38 मिलियन अमेरिकी डॉलर की कमाई के साथ इस सूची में 65वें स्थान पर हैं।

➲ बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान 37 मिलियन अमेरिकी डॉलर की कमाई के साथ 71वें स्थान पर, जबकि अभिनेता अक्षय कुमार 35.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर की कमाई के साथ 80वें स्थान पर हैं।

➡ इस सूची में शामिल काइली जेनर (Kylie Jenner) सबसे कम आयु (19 वर्ष) की मशहूर हस्ती हैं, जबकि पॉल मैक्कार्टनी (Paul McCartney) सबसे अधिक आयु (75 वर्ष) की मशहूर हस्ती हैं।

➲ फोर्ब्स के अनुसार, पिछले 12 महीने (जून, 2016 से जून, 2017) की अवधि के दौरान विश्व में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले 100 मशहूर हस्तियों की कुल कमाई 5.15 बिलियन अमेरिकी डॉलर रही।

फोर्ब्स : 100 सर्वाधिक भुगतान प्राप्तकर्ता एथलीट्स

- ◆ 7 जून, 2017 को फोर्ब्स पत्रिका ने विश्व के उच्चतम भुगतान प्राप्त करने वाले एथलीट्स की सूची, 2017 जारी की।
- ◆ वर्ष 2017 में विश्व के सर्वोच्च भुगतान प्राप्त करने वाले एथलीटों की सूची में 21 देशों के 100 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है।
- ◆ 93 मिलियन डॉलर आय के साथ पुर्तगाल के फुटबॉल खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो शीर्ष पर रहे।
- ◆ ध्यातव्य है कि रोनाल्डो गत वर्ष (2016) भी शीर्ष स्थान पर थे।
- ◆ इस सूची में अमेरिकी बास्केटबॉल खिलाड़ी लीब्रान जेम्स 86.2 मिलियन अमेरिकी डॉलर आय के साथ दूसरे स्थान पर, जबकि अर्जेंटीना के फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेसी 80 मिलियन डॉलर आय के साथ तीसरे स्थान पर रहे।
- ◆ सूची में स्विट्जरलैंड के प्रसिद्ध टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर 64 मिलियन अमेरिकी डॉलर आय के साथ चौथे तथा अमेरिकी बास्केटबॉल खिलाड़ी केविन डुरंट 60.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर आय के साथ पांचवें स्थान पर रहे।
- ◆ इस सूची में शामिल भारत के एकमात्र खिलाड़ी विराट कोहली हैं।
- ◆ भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली 22 मिलियन अमेरिकी डॉलर आय के साथ इस सूची में 89वें स्थान पर हैं।
- ◆ वर्ष 2017 की इस सूची में शामिल एकमात्र महिला खिलाड़ी सेरेना विलियम्स हैं।
- ◆ सेरेना 27 मिलियन अमेरिकी डॉलर आय के साथ इस सूची में 51वें स्थान पर हैं।

डब्ल्यूपीआई आकलन हेतु नया आधार वर्ष

अर्थव्यवस्था में हुए संरचनात्मक परिवर्तनों के सटीक प्रदर्शन हेतु तथा सूचकांकों की गुणवत्ता, व्यापकता एवं प्रतिनिधित्व में सुधार करने के लिए सरकार समय-समय पर समष्टि-आर्थिक संकेतकों (Macroeconomic Indicators) के आधार वर्ष की समीक्षा एवं संशोधन करती रहती है। इसी क्रम में 12 मई, 2017 को वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग (DIPP) द्वारा अखिल भारतीय थोक मूल्य सूचकांक (All-India Wholesale Price Index) के आधार वर्ष में संशोधन किया गया।

➡ WPI की माप के लिए आधार वर्ष को वर्ष 2004-05 से बदलकर वर्ष 2011-12 कर दिया गया है।

- ➲ यह इस शृंखला का सातवां संशोधन है।
- ➲ यह संशोधन स्व. सौमित्र चौधरी की अध्यक्षता में गठित कार्यकारी समूह की संस्तुति पर किया गया है।
- ➲ इस कार्यकारी समूह का गठन 19 मार्च, 2012 को किया गया था।

- ➲ आधार वर्ष में संशोधन के अतिरिक्त WPI की माप के लिए प्रयोग में लाए जा रहे 'वस्तु-समूह' (Basket of Commodities) में शामिल वस्तुओं की संख्या 676 से बढ़ाकर 697 कर दी गई है।
- ➲ नई शृंखला में भी पूर्व की भांति इन वस्तुओं को तीन समूहों यथा-प्राथमिक वस्तुएं, ईंधन एवं शक्ति तथा विनिर्मित उत्पाद में बांटा गया है।
- ➲ अब WPI की गणना करते समय इन वस्तुओं के मूल्यों से 'अप्रत्यक्ष करों' को घटा दिया गया है, ताकि राजकोषीय नीति के प्रभावों को शून्य किया जा सके।

➡ इसके अतिरिक्त सूचकांक की गणना में अब समांतर माध्य के स्थान पर गुणोत्तर माध्य (Geometric Mean) का प्रयोग किया जाएगा।

➡ WPI की गणना मासिक आधार पर की जाती है।

WPI में वस्तुओं की संख्या एवं उनके भारांश की तुलनात्मक स्थिति

समूह	वस्तुओं की संख्या		भारांश	
	2004-05	2011-12	2004-05	2011-12
प्राथमिक वस्तुएं	102	117	20.12	22.62
ऊर्जा एवं ईंधन	19	16	14.91	13.15
विनिर्मित उत्पाद	555	564	64.97	64.23
कुल	**676**	**697**	**100.00**	**100.00**

➡ फरवरी, 2017 तक के WPI आंकड़े आधार वर्ष 2004-05 पर जारी किए गए हैं, इसके बाद के आंकड़े आधार वर्ष 2011-12 पर जारी होंगे।

- ➲ 12 मई, 2017 को केंद्रीय सांख्यिकी संगठन द्वारा औद्योगिक निष्पादन सूचकांक (Index of Industrial Production) का आधार वर्ष भी वर्ष 2004-05 से परिवर्तित कर वर्ष 2011-12 कर दिया गया।

नीति आयोग विजन, 2031-32

भारतीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में सरकार द्वारा अनेक कदम उठाये जा रहे हैं। इसके तहत विमुद्रीकरण, डिजिटल भारत का निर्माण, केंद्र एवं राज्यों के लिए एकल वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी), योजना आयोग के स्थान पर नीति आयोग का गठन इत्यादि कदम उठाये गए हैं। इसी क्रम में आजादी के बाद विकास की प्रमुख रणनीति रही पंचवर्षीय योजनाएं (Five Year Plans) इतिहास बनने जा रही हैं। नीति आयोग ने इनके स्थान पर पंद्रह वर्षीय (Fifteen Year) विजन को वास्तविक धरातल पर कार्यान्वित करने की तैयारी शुरू कर दी है। पंद्रह वर्षीय विजन के अंतर्गत 'सात वर्षीय रणनीति' (Seven Year Strategy) तथा तीन वर्षीय एक्शन एजेंडा (Three Year Action Agenda) भी निर्मित किया जाएगा। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए नीति आयोग ने अप्रैल, 2017 में वित्तीय वर्ष 2017-18 से 2019-20 तक के लिए तीन वर्षीय एक्शन एजेंडा प्रकाशित किया। इस दस्तावेज के 7 भाग एवं 24 अध्याय हैं।

➡ इस एजेंडे के तहत आगामी तीन वर्षों (2017-18 से 2019-20) में राजस्व एवं व्यय, कृषि, उद्योग, सेवाओं, क्षेत्रीय विकास, आधारभूत संरचना, सुशासन एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से संबंधित अनेक लक्ष्य बनाये गए हैं।

➡ वित्तीय वर्ष 2018-19 तक राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के 3 प्रतिशत तथा राजस्व घाटे को वित्तीय वर्ष 2019-20 तक जीडीपी के 0.9 प्रतिशत के स्तर तक लाने का प्रस्ताव किया गया है।

➡ वर्ष 2022 तक किसानों की कृषि से होने वाली आय को दो गुना करने का लक्ष्य रखा गया है जिसके लिए सिंचाई, उन्नत बीज आदि की उपलब्धता बढ़ाकर उत्पादकता में बढ़ोत्तरी की रणनीति बनाई गई है।

- ➲ किसानों को पशुपालन, बागवानी, मत्स्यपन आदि जैसी लाभदायक उत्पादक गतिविधियों की ओर उन्मुख करना भी रणनीति का प्रमुख स्तंभ है।

➡ उच्च निर्यात को बढ़ावा देने तथा रोजगार में वृद्धि के लिए तटीय रोजगार जोन (Coastal Employment Zone) का निर्माण किया जाएगा।

➡ भारत के क्षेत्रीय विकास को मजबूत करने के लिए इसे चार भागों यथा-(i) उत्तर पूर्वी क्षेत्र, (ii) तटीय क्षेत्र तथा द्वीपसमूह, (iii) उत्तरी हिमालयी राज्य और (iv) रेगिस्तानी एवं सूखा प्रवण राज्य में बांट कर आवश्यक कदम उठाये जाएंगे।

➡ एक विकसित यातायात के क्षेत्र को विकास हेतु आवश्यक मानते हुए राजमार्ग, रेलवे, जहाजरानी, द्वीपीय जलमार्ग एवं नागरिक उड्डयन के विकास हेतु बड़े पैमाने पर निवेश किया जाएगा।

➡ वर्ष 2022 तक समस्त गरीब परिवारों तक सस्ती बिजली तथा एलपीजी गैस पहुंचाई जाएगी।

➡ 'राष्ट्रीय विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार संस्थान' (National Science, Technology & Innovation Foundation) की स्थापना की जाएगी, जो विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार से संबंधित राष्ट्रीय मुद्दों की पहचान करेगा तथा उनके समाधान हेतु आवश्यक सुझाव देगा।

➡ इसके अतिरिक्त शासन द्वारा बेहतर मानव संसाधन प्रबंधन, ई-शासन, जन स्वास्थ्य तथा शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक बदलाव की रणनीति बनाई गई है।

➡ साथ ही कर आधार में विस्तार, करारोपण का सरलीकरण तथा कर चोरी में कमी लाने हेतु आवश्यक कदम उठाना तथा सार्वजनिक वितरण में सुधार भी इस एजेंडे का प्रमुख लक्ष्य है।

➡ नीति आयोग द्वारा प्रस्तुत इस तीन वर्षीय एक्शन एजेंडे में अर्थव्यवस्था के उन सभी क्षेत्रों को कवर किया गया, जहां तत्काल सुधार की आवश्यकता है।

- ➲ इस दस्तावेज में अनेक व्यावहारिक सुझाव भी प्रस्तुत किए गए हैं।
- ➲ समग्र रूप से कहा जाय तो यह सैद्धांतिक रूप से एक सार्थक प्रयास है, जो दीर्घकालीन विजन की प्राप्ति हेतु एक मजबूत आधार प्रदान करेगा।

सरस्वती सुपरक्लस्टर की खोज

अधिकांश वैज्ञानिक यह मानते हैं कि प्रारंभिक ब्रह्मांड में ऊर्जा एवं पदार्थ का वितरण असमान था। घनत्व में आरंभिक भिन्नता के कारण गुरुत्वाकर्षण बलों में भिन्नता आई। इससे पदार्थ का एकत्रण हुआ, जिसने आकाशगंगाओं के विकास को आधार प्रदान किया। वास्तव में आकाशगंगा (Galaxy) ऐसे तारों का समूह है, जो अपने ही गुरुत्वाकर्षण बल के कारण एक-दूसरे से परस्पर बंधे हुए होते हैं। एक आकाशगंगा में एक-दूसरे के निकट रहने वाले अरबों तारे शामिल होते हैं और ब्रह्मांड में ऐसी अरबों आकाशगंगाएं हैं। कुछ आकाशगंगाएं आकार में 'सर्पिल' (Spiral) होती हैं, तो कुछ 'दीर्घवृत्ताकार' (Elliptical)। हालांकि, कुछ ऐसी आकाशगंगाएं भी हैं, जिनका कोई निश्चित आकार नहीं है। हमारा सौरमंडल जिस आकाशगंगा का सदस्य है, उसका नाम 'मिल्की वे' (Milky Way) यानी दुग्धमेखला है। यह आकार में सर्पिलाकार है। इसमें तारों की संख्या 100-400 बिलियन अनुमानित है।

आकाशगंगाएं ब्रह्मांड की मूलभूत अंग हैं, ये अनियमित रूप से इधर-उधर बिखरी होने के बजाए समूहबद्ध होती हैं। आकाशगंगाओं के इन समूहों को 'क्लस्टर' (Cluster) कहते हैं। कई क्लस्टर पुनः समूहबद्ध होकर सुपरक्लस्टर (Supercluster) का निर्माण करते हैं। 'मिल्की वे' आकाशगंगा दर्जनों अन्य आकाशगंगाओं के साथ 'लोकल ग्रुप' (Local Group) क्लस्टर में शामिल है, जो पुनः 'लानीयाकिया सुपरक्लस्टर' (Laniakea Supercluster) का अंग है।

➡ हाल ही में आईयूसीएए (IUCAA : Inter University Centre for Astronomy & Astrophysics), पुणे; भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पुणे (Indian Institute of Science Education & Research : IISER); राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जमशेदपुर तथा न्यूमेन कॉलेज, तोडुपुजा (केरल) के वैज्ञानिकों ने आकाशगंगाओं के एक बहुत बड़े सुपरक्लस्टर की खोज की है।

- उन्होंने इसे 'सरस्वती' नाम दिया है।
- यह सुपरक्लस्टर पृथ्वी से 400 करोड़ प्रकाश वर्ष की दूरी पर मीन तारामंडल (Constellation Pisces) में स्थित है।
- यह नव-अन्वेषित सुपरक्लस्टर 600 मिलियन प्रकाश वर्ष के दायरे में विस्तृत है और ब्रह्मांड में अब तक ज्ञात सबसे बड़ी संरचनाओं में से एक है।
- सरस्वती सुपरक्लस्टर में आकाशगंगाओं के कुल 43 क्लस्टर शामिल हैं।
- सरस्वती सुपरक्लस्टर की विशालता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इसका कुल द्रव्यमान लगभग 20 मिलियन बिलियन सूर्यों के बराबर है।
- उल्लेखनीय है कि सरस्वती सुपरक्लस्टर का नाम विद्या, संगीत एवं कला की देवी 'सरस्वती' के नाम पर रखा गया है।
- सरस्वती सुपरक्लस्टर की खोज ने वैज्ञानिकों को ब्रह्मांड के जन्म और विकास से जुड़ी मूल धारणाओं पर नए सिरे से विचार करने पर विवश कर दिया है।
- इस खोज से डार्क मैटर और डार्क एनर्जी जैसे ब्रह्मांड के अनसुलझे रहस्यों को सुलझाने में मदद मिल सकती है।

➡ ज्ञातव्य है कि सरस्वती सुपरक्लस्टर की खोज 'स्लोअन डिजिटल स्काई सर्वे' (Sloan Digital Sky Survey) नामक दूरस्थ आकाशगंगाओं के एक स्पेक्ट्रोस्कोपिक सर्वेक्षण से प्राप्त आंकड़ों की मदद से की गई है।

- ब्रह्मांड का डिजिटल त्रिविमीय मानचित्र तैयार करने के उद्देश्य से यह सर्वेक्षण वर्ष 2000 में प्रारंभ हुआ था।

➡ सरस्वती सुपरक्लस्टर की खोज से संबंधित यह शोध-पत्र 'अमेरिकन एस्ट्रोनॉमिकल सोसायटी' के प्रतिष्ठित 'द एस्ट्रोफिजिकल जर्नल' (The Astrophysical Journal) के नवीनतम संस्करण में प्रकाशित हुआ है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- ◆ आकाशगंगाओं के समूह को परिभाषित करने के लिए 'क्लस्टर' (Cluster) शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम अमेरिकी खगोलशास्त्रियों 'हार्लो शापले' (Harlow Shapley) एवं 'एडिलेड आमेस' (Adelaide Ames) ने वर्ष 1926 में किया था।
- ◆ आकाशगंगाओं के पहले सुपरक्लस्टर 'शापले सुपरक्लस्टर' की खोज वर्ष 1989 में सॉमक रे चौधरी के नेतृत्व में एक अनुसंधान दल ने की थी।
- ◆ सॉमक रे चौधरी IUCAA के वर्तमान निदेशक हैं और सरस्वती सुपरक्लस्टर की खोज में भी शामिल हैं।
- ◆ आकाशगंगाओं का दूसरा सुपरक्लस्टर 'द स्लोअन ग्रेट वॉल' (The Sloan Great Wall) वर्ष 2003 में खोजा गया था।

फ्लोटिंग डॉक 'एफडीएन-2' का जलावतरण

नौसेना का 'फ्लोटिंग डॉक' (Floating Dock) युद्धपोतों एवं पनडुब्बियों का नियमित रख-रखाव एवं मरम्मत करने वाला समुद्र में स्थित प्लेटफॉर्म है। अभी तक भारतीय नौसेना में एकमात्र फ्लोटिंग डॉक एफडीएन-1 ही तैनात था। जापान से वर्ष 1987 में प्राप्त इस फ्लोटिंग डॉक की पोत वहन क्षमता 11500 टन है। यह फ्लोटिंग डॉक विमानवाहक एवं तेलवाहक पोतों के अतिरिक्त अन्य सभी प्रकार के भारतीय नौसेना के पोतों के भारतीय नौसेना के पोतों की डॉकिंग में सक्षम है। हालांकि विगत वर्षों में भारतीय नौसेना में युद्धपोतों की संख्या में वृद्धि के फलस्वरूप एक और फ्लोटिंग डॉक की जरूरत महसूस की जा रही थी।

➡ 20 जून, 2017 को भारतीय नौसेना के दूसरे एवं पहले स्वदेश निर्मित फ्लोटिंग डॉक 'एफडीएन-2' (एलएंडटी यार्ड 55000) का जलावतरण संपन्न हुआ।

- ➲ यह जलावतरण चेन्नई के निकट काटुपल्ली (Kattupalli) में स्थित लार्सन एंड टूब्रो लिमिटेड (L & T) के शिपयार्ड पर आयोजित एक भव्य समारोह में संपन्न हुआ।
- ➲ फ्लोटिंग डॉक का निर्माण निजी क्षेत्र की कंपनी लार्सन एंड टूब्रो द्वारा किया गया है।
- ➲ यह डॉक 185 मीटर लंबा एवं 40 मीटर चौड़ा है एवं इसकी लागत 468 करोड़ रुपये है।
- ➲ यह भारतीय नौसेना के 8000 टन विस्थापन क्षमता वाले युद्धपोतों एवं पनडुब्बियों की डॉकिंग (Docking) में सक्षम है।
- ➲ फ्लोटिंग डॉक को बंदरगाह परीक्षणों (Harbour Trials) के पश्चात भारतीय नौसेना को सौंपा जाएगा।

➡ स्वदेशी रूप से डिजाइन एवं निर्मित यह डॉक अत्याधुनिक मशीनरी तथा नियंत्रण प्रणाली से युक्त है, जिसमें शामिल हैं- उच्च क्षमता के बैलास्ट पंप (Ballast Pumps), उन्नत स्वचालित बैलास्ट नियंत्रण प्रणाली आदि।

➡ यह फ्लोटिंग डॉक अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह के पोर्ट ब्लेयर में स्थापित किया जाएगा।

- ➲ उल्लेखनीय है कि केंद्रीय रक्षा मंत्रालय ने मई, 2015 में एलएंडटी को FDN-2 की डिजाइन एवं निर्माण हेतु ऑर्डर दिया था।

पर्यावरणीय प्रभाव सर्वेक्षण, 2017

यूनाइटेड किंगडम (UK) स्थित वित्तीय सेवा वेबसाइट 'मनी सुपर मार्केट डॉट कॉम' ने 'पर्यावरणीय प्रभाव सर्वेक्षण, 2017' जारी किया है। यह सर्वेक्षण विश्व जलवायु में प्रति व्यक्ति योगदान पर केंद्रित है। सर्वेक्षण में 102 देशों को रैंकिंग प्रदान की गई है।

➡ सर्वेक्षण में दक्षिणी अफ्रीकी देश मोजाम्बिक को पहला स्थान प्राप्त हुआ।

- ➲ उल्लेखनीय है कि यह देश ऊर्जा उपभोग के लिए हरित ऊर्जा संसाधनों पर निर्भर है।
- ➲ सर्वेक्षण में शामिल शीर्ष 10 देश हैं- मोजाम्बिक, इथियोपिया, जाम्बिया, लाटविया, केन्या, अल्बानिया, घाना, ताजिकिस्तान, नेपाल एवं कोलंबिया।

➡ सर्वेक्षण में अंतिम स्थान पर त्रिनिदाद एवं टोबैगो (102वां) है।

- ➲ त्रिनिदाद एवं टोबैगो में हरित ऊर्जा संसाधनों का उपयोग नगण्य है।
- ➲ सर्वेक्षण में पर्यावरणीय प्रभाव के संबंध में त्रिनिदाद एवं टोबैगो के बाद सबसे खराब प्रदर्शन जिन देशों का है, वे हैं- संयुक्त राज्य अमेरिका (101वां), श्रीलंका (100वां), आयरलैंड (99वां), कनाडा (98वां), चीन (97वां), ऑस्ट्रेलिया (96वां), दक्षिण अफ्रीका (95वां) आदि।

➡ सर्वेक्षण में भारत को 75वां स्थान मिला है।

- ➲ भारत के कुल ऊर्जा उपभोग में नवीकरणीय ऊर्जा का योगदान 15.2 प्रतिशत है।
- ➲ भारत में मात्र 2.2 प्रतिशत अपशिष्ट जल का पुनर्चक्रण हो पाता है।
- ➲ भारत में प्रति व्यक्ति 0.34 किग्रा. शहरी अपशिष्ट प्रतिदिन उत्पादित होता है।

क्यूआरएसएएम मिसाइल का सफल परीक्षण

अप्रैल, 2016 में 'भारत डायनामिक्स लिमिटेड' (BDL)और 'रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन' (DRDO) के मध्य हुए एक समझौते के तहत दोनों संगठनों द्वारा संयुक्त रूप से स्वदेशी 'त्वरित प्रतिक्रिया सतह से वायु में मार करने वाली मिसाइल' (Quick Reaction Surface to

Air Missile : QRSAM) का डिजाइन, विकास तथा उत्पादन किया जाना प्रस्तावित है। मिसाइल का डिजाइन एवं विकास रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन द्वारा जबकि उत्पादन भारत डायनामिक्स लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। DRDO द्वारा हाल ही में क्यूआरएसएएम (QRSAM) का सफल परीक्षण किया गया।

➡ 3 जुलाई, 2017 को 'त्वरित प्रतिक्रिया सतह से वायु में मार करने वाली मिसाइल' (QRSAM) का सफल परीक्षण किया गया।

➡ मिसाइल का परीक्षण ओडिशा के चांदीपुर स्थित 'एकीकृत परीक्षण रेंज' (ITR), के कॉम्प्लेक्स-3 से ट्रक पर लगे हुए (Truck-Mounted) कनस्तर (Canister) लांचर से किया गया।

➡ क्यूआरएसएएम मिसाइल का यह दूसरा विकासात्मक परीक्षण था।

- ➲ उल्लेखनीय है कि इस मिसाइल का पहला विकासात्मक परीक्षण 4 जून, 2017 को ओडिशा स्थित 'एकीकृत परीक्षण रेंज' से ही किया गया था।

➡ क्यूआरएसएएम लघु दूरी की मिसाइल है, जो एक साथ कई लक्ष्यों को भेद सकती है।

- ➲ यह कनस्तर आधारित उच्च गति की स्वदेशी मिसाइल है।
- ➲ यह मिसाइल लड़ाकू विमानों, कम दूरी की मिसाइलों और क्रूज मिसाइलों को नष्ट कर सकती है।
- ➲ मिसाइल की मारक क्षमता 25-30 किमी. है।
- ➲ यह नाभिकीय एवं जैविक हथियार ले जाने में सक्षम है।
- ➲ मिसाइल में संलग्न 'रात्रि दृष्टि उपकरण' (Night Vision Devices) और परिष्कृत नेवीगेशन प्रणाली इसकी मारक क्षमता में वृद्धि करते हैं।

➡ क्यूआरएसएएम हथियार प्रणाली आसानी से परिवहन योग्य है और इसे प्रतिकूल परिस्थितियों में भी तैनात किया जा सकता है।

सी-17 ग्लोबमास्टर विमान के विक्रय की स्वीकृति

वर्ष 2005 में 'भारत-अमेरिका रक्षा संबंध हेतु नवीन रूपरेखा' (New Framework for India-U.S. Defence Relations) पर हस्ताक्षर के साथ ही रक्षा संबंध भारत-अमेरिका सामरिक भागीदारी के प्रमुख स्तंभ के रूप में उभरा है। यह समझौता जून, 2015 में अगले 10 वर्ष के लिए नवीनीकृत किया गया है। दोनों देशों के मध्य रक्षा संबंध, रक्षा व्यापार, संयुक्त अभ्यास, सैन्यकर्मियों के आदान-प्रदान, समुद्री सुरक्षा में सहयोग आदि क्षेत्रों में परिलक्षित होता है। भारत-अमेरिका रक्षा व्यापार के तहत भारत ने सी-17 ग्लोबमास्टर विमान, सी-130 हरक्यूलिस विमान, अपाचे एवं चिनूक हेलीकॉप्टर, पी-8 आई विमान, एम-777 होवित्जर तोप आदि खरीदने का समझौता किया है। हाल ही में अमेरिका के स्टेट डिपार्टमेंट ने भारत को एक सी-17 ग्लोबमास्टर विमान के विक्रय को मंजूरी प्रदान की।

➡ 26 जून, 2017 को संयुक्त राज्य अमेरिका के स्टेट डिपार्टमेंट (State Department) ने 'विदेशी सैन्य विक्रय' (Foreign Milita Sale) के तहत भारत को एक सी-17 ग्लोबमास्टर तृतीय (C-17 Globemaster III) परिवहन विमान (अनुमानित लागत 366 मिलियन डॉलर) के विक्रय को स्वीकृति प्रदान की।

- ➲ विमान से भारत की आपदा राहत एवं मानवीय सहायता उपलब्ध कराने की क्षमताओं में वृद्धि होगी।
- ➲ इसके अतिरिक्त यह भारत को अपने सशस्त्र बलों के लिए अधिक तीव्र सामरिक हवाई परिवहन सेवाएं प्रदान करने में सक्षम बनाएगा।

➡ उल्लेखनीय है कि जून, 2011 में भारत ने अमेरिका के साथ 4.1 बिलियन डॉलर की लागत से 10 सी-17 ग्लोबमास्टर तृतीय विमान खरीदने हेतु समझौता किया था।

➡ सितंबर, 2013 में हिंडन एयरबेस पर आयोजित एक समारोह में सी-17 ग्लोबमास्टर III विमान को भारतीय वायु सेना में शामिल किया गया।

➡ भारतीय वायु सेना में सी-17 ग्लोबमास्टर स्क्वाड्रन को 'स्काईलार्ड्स' (Skylords) नाम दिया गया है।

➡ 4 इंजन वाला सी-17 ग्लोबमास्टर सैन्य परिवहन विमान दिन या रात में दुर्गम इलाकों के छोटे हवाई अड्डों (Air Fields) पर बड़े उपकरणों एवं सैनिकों को ले जा सकता है।

- ➲ यह विमान 164900 पौंड भार के साथ 7000 फीट की हवाई पट्टी (Runway) से उड़ान भर सकता है।
- ➲ उड़ान के दौरान ही विमान में ईंधन भरा जा सकता है।
- ➲ इस विमान की लंबाई 174 फीट (53.04 मीटर) और पंखों का विस्तार 169.8 फीट (51.74 मीटर) है।
- ➲ सी-17 ग्लोबमास्टर तृतीय विमान का निर्माण संयुक्त राज्य अमेरिका की कंपनी बोइंग (Boeing) द्वारा किया गया है।
- ➲ विमान की गति 0.74-0.77 मैक (Mach) है।

कांगो इबोला मुक्त घोषित

इबोला वायरस रोग (Ebola Virus Disease), जिसे पहले 'इबोला रक्तस्रावी बुखार' (Ebola Haemorrhagic Fever) कहा जाता था, एक घातक बीमारी है। इस बीमारी का कारण फाइलोवायरस परिवार (Filovirus Family) का सदस्य इबोला वायरस है। वर्ष 1976 में पहली बार कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में इबोला नदी के किनारे स्थित यांबुकु (Yambuku) गांव में और सूडान में इबोला वायरस की पहचान की गई। इबोला नदी के नाम पर ही इस वायरस का नामकरण इबोला वायरस किया गया था। मई, 2017 में कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में इबोला वायरस रोग का प्रकोप होने के पश्चात हाल ही में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस देश को इबोला मुक्त घोषित किया।

➡ 2 जुलाई, 2017 को विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (DRC) को इबोला वायरस रोग (EVD) के प्रकोप से मुक्त घोषित किया गया।

- ➲ उल्लेखनीय है कि मई, 2017 में विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य के 'बैस-यूले' (Bas-Uele) प्रांत में इबोला वायरस रोग का प्रकोप घोषित किया गया था।
- ➲ वर्ष 1976 में कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में इबोला वायरस की खोज के पश्चात यहां इबोला वायरस रोग के प्रकोप का यह 8वां मामला है।
- ➲ इसके पहले इस देश में वर्ष 1976, 1977, 1995, 2007, 2008-09, 2012 एवं 2014 में इबोला वायरस रोग प्रकोप हुआ था।

➡ वर्ष 2017 में इबोला वायरस रोग के प्रकोप से देश में 4 लोगों की मृत्यु हुई।

➡ गौरतलब है कि वर्ष 2013 में पश्चिम अफ्रीका (लाइबेरिया, गिनी एवं सिएरा लियोन) में इबोला वायरस रोग का प्रकोप हुआ था, जिसमें लगभग 11,300 लोगों की मृत्यु हुई थी और अनुमानित 28,600 लोग संक्रमित हुए थे।

➡ इबोला वायरस का संक्रमण संक्रमित पशुओं या संक्रमित मनुष्यों के शारीरिक तरल पदार्थों के संपर्क में आने से होता है।

- ➲ इबोला वायरस रोग के लक्षण भिन्न-भिन्न है, जिसमें शुरुआती चरण में अचानक बुखार, तीव्र कमजोरी, मांसपेशियों में दर्द, सिरदर्द और गले में खराबी सामान्य हैं।
- ➲ विशिष्ट संक्रमण रोकथाम एवं नियंत्रण उपायों के माध्यम से लोग स्वयं को इबोला वायरस संक्रमण से बचा सकते हैं।

➡ एक प्रायोगिक इबोला वैक्सीन 'RVSV-ZEBOV' को घातक इबोला वायरस के खिलाफ अत्यधिक सुरक्षात्मक पाया गया है।

- ➲ इस वैक्सीन का परीक्षण वर्ष 2015 में गिनी (Guinea) में विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा किया गया था।

Add

चर्चित व्यक्ति

❑ एस. अपर्णा

➡ वरिष्ठ आईएएस अधिकारी; केंद्र सरकार द्वारा वाशिंगटन डी.सी. स्थित विश्व बैंक में कार्यकारी निदेशक नियुक्त। (5 अगस्त, 2017)

- ➲ कार्यकाल-3 वर्ष।
- ➲ विश्व बैंक में कार्यकारी निदेशक के रूप में वह भारत, बांग्लादेश, भूटान और श्रीलंका का प्रतिनिधित्व करेंगी।

❑ डॉ. राजीव कुमार

➡ प्रसिद्ध अर्थशास्त्री; केंद्र सरकार द्वारा नीति आयोग के नए उपाध्यक्ष नियुक्त। (5 अगस्त, 2017)

- ➲ इस पद पर वह अरविंद पनगढ़िया का स्थान लेंगे।

❑ मोहम्मद मुस्तफा

➡ वरिष्ठ आईएएस अधिकारी; केंद्र सरकार द्वारा भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (SIDBI: Small Industries Development Bank of India) के नए अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक नियुक्त। (4 अगस्त, 2017)

- ➲ **कार्यकाल**-3 वर्ष।

❑ प्रो. यशपाल

➡ **प्रसिद्ध शिक्षाविद् एवं वैज्ञानिक का निधन**। (24 जुलाई, 2017)

- ➲ वर्ष 1973 में वह अहमदाबाद स्थित अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (SAC) के पहले निदेशक नियुक्त हुए थे।
- ➲ वर्ष 1986-91 तक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) के अध्यक्ष रहे।
- ➲ वर्ष 2007-12 तक जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (JNU) के कुलपति रहे।

➡ वर्ष 1976 में 'पद्मभूषण' तथा वर्ष 2013 में 'पद्म विभूषण' से सम्मानित।

❑ प्रो. यू. आर. राव

➡ **भारतीय उपग्रह कार्यक्रम के वास्तुकार प्रसिद्ध अंतरिक्ष वैज्ञानिक एवं इसरो के पूर्व अध्यक्ष** का निधन। (24 जुलाई, 2017)

- ➲ उनके नेतृत्व में ही वर्ष 1975 में भारत के पहले उपग्रह 'आर्यभट्ट' को अंतरिक्ष में सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया गया था।

➡ वर्ष 1976 में 'पद्मभूषण' तथा वर्ष 2017 में 'पद्म विभूषण' से सम्मानित।

- ➲ वह भारत के प्रथम अंतरिक्ष वैज्ञानिक थे, जिन्हें वर्ष 2013 में 'सैटेलाइट हाल ऑफ द फेम' में तथा वर्ष 2016 में 'आईएएफ हाल ऑफ फेम' में शामिल किया गया था।

❑ सुब्रत भट्टाचार्य

➡ मोहन बागान फुटबॉल क्लब द्वारा पूर्व भारतीय डिफेंडर।

- ➲ क्लब का सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार '**मोहन बागान रत्न**' प्रदान किए जाने की घोषणा। (30 जून, 2017)

❑ श्रीहरि चंद्रघटगी

➡ भारतीय सूक्ष्मजीव विज्ञानी (Microbiologist)।

- ➲ जापान में '**मिनिस्ट्री ऑफ इन्वायरनमेंट**' (Ministry of Environment) अवॉर्ड प्रदान किया गया। (20 जून, 2017)

❑ एच.एस. शिवप्रकाश

➡ प्रसिद्ध कन्नड़ कवि एवं नाटककार।

- ➲ 'कुसुमाग्रजा राष्ट्रीय पुरस्कार, 2017' प्रदान किया गया। (15 जून, 2017)

❑ महेश मुरलीधर भागवत

➡ तेलंगाना राज्य के आईपीएस अधिकारी।

- ➲ यूएस स्टेट डिपार्टमेंट द्वारा '**ट्रैफिकिंग इन पर्सन**' (TIP) **रिपोर्ट हीरोज अवॉर्ड** प्रदान किया। (28 जून, 2017)
- ➲ यह अवॉर्ड पाने वाले वह भारत के तीसरे आईपीएस अधिकारी हैं।

❑ चंद्रबाबू नायडू

➡ आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री।

- ➲ राज्य स्तर पर अमेरिका-भारत के संबंधों को मजबूत करने के

प्रयासों हेतु ह्यूस्टन (अमेरिका) में यूएस-इंडिया बिजनेस काउंसिल' (US IBC) द्वारा '**ट्रांसफॉर्मेटिव चीफ मिनिस्टर**' (Transformative Chief Minister) अवॉर्ड प्रदान किया गया। (18 मई, 2017)

❑ टी.आर. जेलियांग

➡ नगालैंड पीपुल्स फ्रंट के नेता।
- ➲ राज्य के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण। (19 जुलाई, 2017)
- ➲ इस पद पर उन्होंने डॉ. शुरहोजेलि लियेजित्सु का स्थान लिया।

❑ न्यायमूर्ति गोपाल प्रसाद पाराजुली

➡ वरिष्ठ न्यायाधीश।
- ➲ नेपाल के नए मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ग्रहण। (17 जुलाई, 2017)
- ➲ इस पद पर उन्होंने नेपाल की प्रथम महिला मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की का स्थान लिया।

❑ मरियम मिर्जाखानी

➡ ईरानी मूल की प्रसिद्ध अमेरिकी गणितज्ञ का निधन। (15 जुलाई, 2017)
- ➲ वह गणित के क्षेत्र में सबसे प्रतिष्ठित सम्मान 'फील्ड्स मेडल' (Fields Medal) जीतने वाली प्रथम महिला थीं।

❑ लियू शियाओबो

➡ चीन के प्रसिद्ध लोकतंत्र समर्थक नेता एवं नोबेल शांति पुरस्कार विजेता का निधन। (13 जुलाई, 2017)
- ➲ इनको वर्ष 2010 के नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

❑ कौशिक बसु

➡ भारत सरकार के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार।
- ➲ इंटरनेशनल इकोनॉमिक एसोसिएशन' (IEA) के नए अध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण। (जून, 2017)
- ➲ कार्यकाल- 3 वर्ष।

❑ के.के. वेणुगोपाल

➡ वरिष्ठ अधिवक्ता।
- ➲ भारत के 15वें अटॉर्नी जनरल (महान्यायवादी) के रूप में पदभार ग्रहण। (3 जुलाई, 2017)
- ➲ इस पद पर उन्होंने मुकुल रोहतगी का स्थान लिया।

❑ अचल कुमार जोति

➡ भारत के 21वें मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) के रूप में पदभार ग्रहण। (6 जुलाई, 2017)
- ➲ इस पद पर उन्होंने डॉ. नसीम जैदी का स्थान लिया।

❑ व्लादिमीर इवानोविच वोरोनकोव

➡ रूस के वरिष्ठ राजनयिक।
- ➲ नवनिर्मित संयुक्त राष्ट्र आतंक-विरोधी केंद्र (UN Counter Terrorism Centre) के नए प्रमुख नियुक्त। (21 जून, 2017)
- ➲ उनको अवर-महासचिव (Under Secretary General) का पद दिया गया है।

❑ मुजून अलमेल्लेहान

➡ 19 वर्षीय सीरियाई शरणार्थी एवं शिक्षा कार्यकर्त्री।
- ➲ यूनिसेफ की नई तथा सबसे युवा सद्भावना दूत नियुक्त। (19 जून, 2017)

❑ पलबिंदर कौर शेरगिल

➡ भारतीय मूल की कनाडियन नागरिक।
- ➲ न्यू वेस्टमिंस्टर (कनाडा) में ब्रिटिश कोलंबिया के सुप्रीम कोर्ट की पहली पगड़ीधारी महिला जज नियुक्त। (23 जून, 2017)
- ➲ इस पद पर वह न्यायमूर्ति ईए अर्नाल्ड बेली (EA Arnold Bailey) का स्थान लिया।

❑ अमिताभ बच्चन

➡ प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेता।
- ➲ केंद्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क विभाग द्वारा वस्तु एवं सेवा कर (GST) के ब्रांड एंबेसेडर नियुक्त। (19 जून, 2017)
- ➲ उन्होंने 40 सेकंड की एक विज्ञापन फिल्म के माध्यम से जीएसटी का प्रचार किया है।

❑ एना ब्रनाबिक

➡ सर्बिया की पहली महिला प्रधानमंत्री नियुक्त। (29 जून, 2017)
- ➲ वह देश की पहली समलैंगिक प्रधानमंत्री हैं।

❑ डॉ. लियो वरडकर

➡ भारतीय मूल के आयरिश नागरिक एवं राजनीति।
- ➲ आयरलैंड के नए प्रधानमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण। (14 जून, 2017)
- ➲ वह देश के सबसे युवा एवं पहले समलैंगिक प्रधामनंत्री हैं।

❑ न्यायमूर्ति पी.एन. भगवती

➡ उच्चतम न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश का निधन। (15 जून, 2017)

- ➲ वह वर्ष 1985-86 में देश के मुख्य न्यायाधीश रहे।
- ➲ उन्होंने मुख्य न्यायाधीश के रूप में भारतीय न्याय प्रणाली में जनहित याचिका (PIL) तथा पूर्ण दायित्व (Absolute Liability) के सिद्धांत को प्रस्तुत किया था।
- ➲ केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2007 में पद्म विभूषण से सम्मानित।

❑ अजमेर सिंह औलख

➡ प्रसिद्ध पंजाबी नाटककार का निधन। (15 जून, 2017)

- ➲ उन्हें उनकी पुस्तक 'इश्क बाझ नमाज दा हज नाही' (Ishka Bajha Namaz da Hajja Nahi) हेतु वर्ष 2006 में साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

❑ नीरू चड्ढा

➡ प्रसिद्ध विधि विशेषज्ञ।

- ➲ 'इंटरनेशनल ट्रिब्यूनल फॉर लॉ ऑफ द सी' (ITLOS) की पहली भारतीय महिला न्यायाधीश चुनी गईं। (14 जून, 2017)
- ➲ कार्यकाल-9 वर्ष।
- ➲ आईटीएलओएस समुद्र संबंधी अंतरराष्ट्रीय कानून से जुड़े विवादों का निस्तारण करने वाली संयुक्त राष्ट्र की एक न्यायिक संस्था है।

❑ सी. नारायण रेड्डी

➡ प्रसिद्ध तेलुगू कवि और लेखक एवं पूर्व राज्य सभा सदस्य का निधन। (12 जून, 2017)

- ➲ उन्हें उनके कविताओं के संग्रह 'विश्वंभरा' के लिए वर्ष 1988 में प्रतिष्ठित ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

अन्य चर्चित व्यक्ति

- **एन. धरम सिंह—** कांग्रेस नेता एवं कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एन. धरम सिंह का निधन। (27 जुलाई, 2017)
- **संजय कोठारी—** लोक उद्यम चयन बोर्ड (PESB) के अध्यक्ष; केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के सचिव नियुक्त। (22 जुलाई, 2017)
- **रवीश कुमार—** भारतीय विदेश सेवा (IFS) के वरिष्ठ अधिकारी, केंद्र सरकार द्वारा विदेश मंत्रालय के नए प्रवक्ता नामित। (22 जुलाई, 2017)
- **ब्रेंडा हैले—** यू.के. सुप्रीम कोर्ट की उपाध्यक्ष; इस कोर्ट की पहली महिला अध्यक्ष नियुक्त। (21 जुलाई, 2017)
- **मार्टिन लांडाऊ—** प्रसिद्ध अमेरिकी एवं ऑस्कर पुरस्कार विजेता अभिनेता का निधन। (15 जुलाई, 2017)
- **लिली सिंह—** भारतीय मूल की कनाडियन लेखिका, कॉमेडियन और अभिनेत्री; यूनिसेफ (UNICEF) की नई वैश्विक सद्भावना दूत नियुक्त। (15 जुलाई, 2017)
- **नर बहादुर भंडारी—** सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री का निधन। (16 जुलाई, 2017)
- **सुभाष चंद्र गर्ग—** वरिष्ठ आईएएस अधिकारी; आर्थिक मामलों के विभाग (DEA), वित्त मंत्रालय के नए सचिव के रूप में कार्यभार ग्रहण। (12 जुलाई, 2017)
- **प्रदीप कुमार रावत—** भारतीय विदेश सेवा के वरिष्ठ अधिकारी; केंद्र सरकार द्वारा इंडोनेशिया में भारत के नए राजदूत नियुक्त। (4 जुलाई, 2017)।
- **शम्मा जैन—** भारतीय विदेश सेवा की वरिष्ठ अधिकारी; केंद्र सरकार द्वारा ग्रीस में भारत की नई राजदूत नियुक्त। (29 जून, 2017)।
- **राजीव कुमार—** वरिष्ठ आईएएस अधिकारी; उत्तर प्रदेश के नए मुख्य सचिव के रूप में पदभार ग्रहण। (29 जून, 2017)
- **डॉ. मनोज सोनी—** डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी, गुजरात के पूर्व कुलपति; संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) के नए सदस्य के रूप में शपथ ग्रहण। (28 जून, 2017)
- **प्रियंका चोपड़ा—** प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेत्री; राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (NSDC) द्वारा 'स्किल इंडिया अभियान' की ब्रांड एंबेसेडर नियुक्त। (25 जून, 2017)
- **संजय कुमार—** वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी; राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (NDRF) के नए महानिदेशक के रूप में पदभार ग्रहण। (6 जुलाई, 2017)
- **आर.के. पचनंदा—** वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी; भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल (ITBP) के नए महानिदेशक के रूप में पदभार ग्रहण। (30 जून, 2017)
- **सिमोन वेल—** फ्रांस की प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ का निधन। (30 जून, 2017)।
- **राजेश वी. शाह—** राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (NIFT) के नए अध्यक्ष नियुक्त। (28 जून, 2017)
- **एन. एन. वोहरा—** जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल; नई दिल्ली स्थित देश के प्रमुख सांस्कृतिक संस्थान इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (IIC) के नए अध्यक्ष नियुक्त। (26 जून, 2017)
- **देशबंधु गुप्ता—** देश की प्रमुख दवा निर्माता कंपनी ल्यूपिन के संस्थापक एवं अध्यक्ष का निधन। (26 जून, 2017)
- **राजीव गुप्ता—** पूर्व आईएएस अधिकारी; उत्तर प्रदेश गो-सेवा आयोग के नए अध्यक्ष। (21 जून, 2017)
- **राजीव गौबा—** वरिष्ठ आईएएस अधिकारी, केंद्र सरकार द्वारा देश

के नए गृह सचिव (Home Secretary) नियुक्त। (21 जून, 2017)

- **न्यायमूर्ति दलवीर भंडारी—** भारत सरकार द्वारा अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (ICJ) के न्यायाधीश पद के उम्मीदवार के रूप में दोबारा नामित। (29 जून, 2017)
- **स्वामी आत्मस्थानंद महाराज—** रामकृष्ण मठ और मिशन के 15वें प्रमुख का निधन। (18 जून, 2017)
- **शशि शंकर—** केंद्र सरकार द्वारा ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन लि. (ONGC Ltd.) के नए अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक नियुक्त। (19 जून, 2017)
- **हेल्मुट कोल—** जर्मनी के पूर्व चांसलर एवं जर्मन एकीकरण के जनक का निधन। (16 जून, 2017)
- **गायत्री इस्सर कुमार—** भारतीय विदेश सेवा की वरिष्ठ अधिकारी; केंद्र सरकार द्वारा 'किंगडम ऑफ बेल्जियम' में भारत के अगले राजदूत के रूप में नियुक्त। इसके अतिरिक्त वह ब्रुसेल्स स्थित यूरोपियन यूनियन (EU) में राजदूत के रूप में कार्य करेंगी। (13 जून, 2017)।
- **रीनत संधू—** भारतीय विदेश सेवा की वरिष्ठ अधिकारी; केंद्र सरकार द्वारा इटली में भारत की अगली राजदूत नियुक्त। (13 जून, 2017)
- **गुरुस्वामी जयरमन—** पश्चिमी सिडनी में भारतीय समुदाय की सेवा हेतु **ऑर्डर ऑफ ऑस्ट्रेलिया** (Order of Australia) अवॉर्ड प्रदान किए जाने की घोषणा। (9 जून, 2017)

चर्चित स्थल

❑ उत्तराखंड

➡ राज्य के युवाओं के कौशल विकास में नवाचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी के गहन प्रयोग हेतु 'दूसरे वैश्विक कौशल विकास सम्मेलन' (2nd Global Skill Development Summit), पेरिस (फ्रांस) में उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किया गया। (19-23 जून, 2017)

❑ दक्षिणी चीन सागर

➡ **इंडोनेशिया** द्वारा दक्षिणी-चीन सागर के अपने विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र के हिस्से का नाम बदलकर 'उत्तरी नातूना सागर' (North Natuna Sea) कर दिया गया। (14 जुलाई, 2017)

❑ पुणे

➡ पुणे स्थित एनजीओ '**स्वयं शिक्षण प्रयोग**' (Swayam Shikshan Prayog) को महिलाओं के नेतृत्व पर आधारित सूखे के प्रतिकूल प्रभावों से निपटने में सक्षम कृषि मॉडल का विकास करने के लिए यूएनडीपी (United Nations Development Programme : UNDP) का **इक्वेटर प्राइज** (Equator Prize) प्रदान किया गया। (4 जुलाई, 2017)

❑ चीन

➡ चीन द्वारा ल्यूझोऊ (Liuzhou) शहर में '**नानजिंग ग्रीन टॉवर**' नाम से एशिया की पहली '**वर्टिकल फॉरेस्ट सिटी**' के निर्माण की औपचारिक शुरुआत की गई। (28 जून, 2017)

➲ इसका डिजाइन प्रसिद्ध इतावली आर्किटेक्ट **स्टीफेनो बॉयरी** द्वारा बनाया गया है।

❑ माटुंगा

➡ मुंबई सिटी स्थित मध्य रेलवे का **मांटुगा स्टेशन देश का पहला महिलाओं द्वारा संचालित रेलवे स्टेशन बना**। (जुलाई, 2017)

➲ इस रेलवे स्टेशन पर प्रबंधक से लेकर सुरक्षा, टिकट जांच तथा टिकट बुकिंग समेत सभी विभागों में महिला कर्मचारी कार्यरत हैं।

❑ वाराणसी

➡ केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा वाराणसी स्थित '**राष्ट्रीय बीज अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र' (NSRTC) परिसर में दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र** (ISARC) का '**अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान**' (IRRI) स्थापित करने के प्रस्ताव को मंजूरी। (12 जुलाई, 2017)

❑ पश्चिम बंगाल

➡ पश्चिम बंगाल सरकार को वर्ष 2017 का प्रतिष्ठित **संयुक्त राष्ट्र लोक सेवा पुरस्कार प्रदान** किया गया। (23 जून, 2017)

➲ यह पुरस्कार राज्य को '**कन्याश्री प्रकल्प**' योजना के लिए दिया गया।

➲ '**कन्याश्री प्रकल्प**' एक लक्षित सशर्त नकदी हस्तांतरण योजना है।

➲ इसका उद्देश्य स्कूलों और अन्य शैक्षणिक और कौशल विकास संस्थानों में गरीब बालिकाओं को सुविधाएं देना तथा बाल विवाह को रोकना है।

❑ धीरूभाई अंबानी एयरोस्पेस पार्क

➡ वाणिज्य मंत्रालय के तहत एसईजेड बोर्ड ऑफ अप्रूवल द्वारा **रिलायंस एरो स्ट्रक्चर के प्रस्ताव को मंजूरी**। (10 जुलाई, 2017)

➲ इस मंजूरी के तहत **धीरूभाई अंबानी एयरोस्पेस पार्क मिहान विशेष आर्थिक क्षेत्र, नागपुर में स्थापित होगा**।

➲ 6500 करोड़ रुपये के प्रस्तावित निवेश से यह पार्क **देश का सबसे बड़ा ग्रीनफील्ड एयरोस्पेस पार्क होगा**।

❑ हैदराबाद

➡ केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी द्वारा देश के **पहले गरीब नवाज़ कौशल विकास केंद्र का हैदराबाद में उद्घाटन**। (8 जुलाई, 2017)

➲ देश के 100 जिलों में गरीब नवाज कौशल विकास केंद्र स्थापित किए जाएंगे।

➲ अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा स्थापित किए जा रहे इन केंद्रों में वस्तु एवं सेवा कर (GST) एकाउंटिंग, प्रोग्रामिंग और अन्य संबंधित विषयों पर सर्टिफिकेट कोर्स कराया जाएगा।

❑ कपूरथला

➡ केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री हरसिमरत कौर बादल ने **कपूरथला, पंजाब में देश के प्रथम मक्का आधारित मेगा फूड पार्क की आधारशिला** रखी। (7 जुलाई, 2017)

❑ अंगुल

➡ राष्ट्रीय एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड (NALCO) ओडिशा इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के सहयोग से **अंगुल में एक एल्युमिनियम पार्क की स्थापना कर रही है**। (6 जुलाई, 2017)

➲ यह एल्युमिनियम पार्क भारतीय उपमहाद्वीप में ऐसा पहला प्रोजेक्ट होगा जो स्मेलटर से सीधे पिघला हुआ एल्युमिनियम प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करेगा।

❑ भारत

➡ भारत एवियन इन्फ्लुएंजा (H5N1 तथा H5N8) से मुक्त घोषित। (6 जून, 2017)

➲ भारत में इसके प्रसार की सूचना अक्टूबर, 2016 से फरवरी, 2017 के दौरान प्राप्त हुई थी।

❑ दिल्ली

➡ भारत का सबसे ऊंचा हवाई यातायात नियंत्रण टॉवर (ATC Tower) **इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, दिल्ली में स्थापित किया जा रहा** है। (4 जुलाई, 2017)

➲ इस **टॉवर की ऊंचाई 101.9 मीटर होगी**।

❑ ओडिशा

➡ ओडिशा सरकार द्वारा राष्ट्रीय कृषि विकास कार्यक्रम के तहत देश के पहले **मवेशी ब्लड बैंक की स्थापना से संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी**। (27 जून, 2017)

➲ **यह ब्लड बैंक ओडिशा कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय परिसर में 3.25 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित होगा**।

➲ इस परियोजना में केंद्र सरकार और राज्य सरकार के मध्य हिस्सेदारी का अनुपात 60:40 होगा।

❑ शारजाह

➡ यूनेस्को की महानिदेशक इरीना बोकोवा ने सलाहकार समिति की सिफारिश पर **वर्ष 2019 के लिए शारजाह** (संयुक्त अरब अमीरात) को **वर्ल्ड बुक कैपिटल नामित किया**। (26 जून, 2017)

➲ उल्लेखनीय है कि वर्ष 2017 के लिए कोनाक्री तथा वर्ष 2018 के लिए एथेंस को वर्ल्ड बुक कैपिटल घोषित किया गया था।

❑ ओरमांझी

➡ झारखंड के मुख्यमंत्री रघुबर दास द्वारा **ओरमांझी में भारत के सबसे बड़े फ्रेश वाटर एक्वेरियम 'रांची मछली घर' का उद्घाटन**। (28 जून, 2017)

➲ यह मछली घर बिरसा मुंडा जैविक उद्यान परिसर में 36,000 वर्ग फीट में विस्तारित है।

❑ छत्तीसगढ़

➡ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर छत्तीसगढ़ राज्य में लगभग 50 लाख लोगों ने विभिन्न स्थानों पर **एक साथ योगाभ्यास कर विश्व कीर्तिमान बनाया**। (21 जून, 2017)

➲ **यह कीर्तिमान गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है।**

❑ जर्मनी

➡ जर्मनी की संसद द्वारा **समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता प्रदत्त**। (30 जून, 2017)

➲ समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने संबंधी प्रस्ताव के पक्ष में 393 सांसदों ने तथा विरोध में 226 सांसदों ने मत दिया।

➲ समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता प्रदान करने वाला **जर्मनी विश्व का 23वां देश** है।

❑ भोपाल

➡ मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा भोपाल में निर्मित होने वाले **देश के सबसे बड़े ग्लोबल स्किल पार्क का शिलान्यास**। (3 जुलाई, 2017)

➲ '**इंडस्ट्री के साथ-इंडस्ट्री के लिए**' की भावना पर यह पार्क संचालित होगा।

❑ तेलंगाना

➡ तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव द्वारा **वर्ष 2018 से अलग कृषि बजट पेश करने का निर्णय**। (1 जुलाई, 2017)

➲ इसका उद्देश्य कृषि क्षेत्र के लिए पर्याप्त धन की व्यवस्था करना है।

❑ बुल्गारिया

➡ नासा के फ्लोरिडा स्थित कैनेडी स्पेस सेंटर से **स्पेस एक्स के फाल्कन-9 रॉकेट की सहायता से बुल्गारिया का पहला भू-स्थैतिक संचार उपग्रह बुल्गारिया सैट-1 सफलतापूर्वक प्रक्षेपित**। (23 जून, 2017)

➲ 3.7 टन वजनी यह संचार उपग्रह टेलीविजन तथा दूरसंचार सेवाएं उपलब्ध कराएगा।

❑ इराक

➡ आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट ने इराक के मोसुल शहर में स्थित **ऐतिहासिक अल-नूरी मस्जिद और इसकी प्रसिद्ध झुकी हुई मीनार अल-हदबा (840 वर्ष से भी अधिक प्राचीन) को विस्फोट कर नष्ट कर दिया**। (21 जून, 2017)

❑ लखनऊ

➡ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा **अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के नवीन परिसर का लखनऊ में उद्घाटन**। (20 जून, 2017)

➲ यह विश्वविद्यालय वर्ष 2000 में स्थापित हुआ था। वर्तमान में 785 महाविद्यालय/संस्थान इससे संबद्ध हैं।

❑ ताज महल पैलेस होटल

➡ वर्ष 1903 में निर्मित (114 वर्ष प्राचीन) **मुंबई स्थित ताज महल पैलेस होटल (होटल ताज) की बिल्डिंग विश्व की प्रमुख छवि ट्रेडमार्क (Image Trademark) वाली संपत्तियों के क्लब में शामिल**। (19 जून, 2017)

➲ इस क्लब में न्यूयॉर्क की एम्पायर स्टेट बिल्डिंग, पेरिस का एफिल टॉवर और सिडनी का ओपेरा हाउस आदि शामिल हैं।

➲ यह देश की पहली छवि ट्रेडमार्क वाली इमारत है।

➡ इस ट्रेडमार्किंग के बाद अब कोई भी कंपनी बिना अनुमति के इस होटल की फोटो का व्यावसायिक इस्तेमाल नहीं कर सकेगी।

❑ ऑस्ट्रेलिया

➡ ऑस्ट्रेलियाई सरकार द्वारा **देश में 3 माह की अवधि के लिए राष्ट्रीय गन एमनेस्टी (National Gun Amnesty) प्रावधान लागू**। (1 जुलाई, 2017)

➲ हथियारों की संख्या में कमी करने के उद्देश्य से यह प्रावधान लागू किया गया है।

➲ इस समयावधि के दौरान लोग गैर-कानूनी हथियारों को जमा कर सकते हैं, जिसके लिए उन्हें कोई सजा नहीं दी जाएगी।

➡ **वर्ष 1996 में ऑस्ट्रेलिया में पहली बार गन एमनेस्टी प्रावधान लागू हुआ था।**

पुरस्कार/सम्मान

❑ रेमन मैग्सेसे पुरस्कार, 2017

➡ एशिया के नोबेल पुरस्कार के नाम से विख्यात रेमन मैग्सेसे पुरस्कारों की घोषणा, (27 जुलाई, 2017)।

➲ इस वर्ष यह पुरस्कार 6 व्यक्तियों/संस्थाओं को दिए जाने का निर्णय लिया गया। जो इस प्रकार हैं-

(i) योशियाकी इशिजावा (Yoshiaki Ishizawa) - जापान
(ii) लीलिया डी लीमा (Lilia de Lima) - फिलीपींस
(iii) एबडोन नबाबन (Abdon Nababan) - इंडोनेशिया
(iv) फिलीपीन एजुकेशनल थियेटर एसोसिएशन (Philipine Educational Theater Association) - फिलीपींस
(v) गेथ्सी शानमुगम (Gethsie Shanmugam) - श्रीलंका
(vi) टोनी टे (Tony Tay) - सिंगापुर

➡ इस वर्ष किसी भी भारतीय व्यक्ति या संस्थान को यह पुरस्कार नहीं मिला।

➲ जबकि गत वर्ष (2016) भारत के बेजवाड़ा विल्सन एवं टी.एम. कृष्णा को इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

❑ 18वें अंतरराष्ट्रीय भारतीय फिल्म अकादमी (IIFA) पुरस्कार, 2017

➡ 18वें अंतरराष्ट्रीय भारतीय फिल्म अकादमी (IIFA) पुरस्कार समारोह का आयोजन **न्यूयॉर्क, अमेरिका में संपन्न**। (14-15 जुलाई, 2017)

➲ प्रमुख पुरस्कारों एवं उनके विजेताओं का विवरण निम्नवत है:-

➲ सर्वश्रेष्ठ फिल्म-**नीरजा** (निर्देशक-राम माधवानी)

➲ सर्वश्रेष्ठ निर्देशक-**अनिरुद्ध रॉय चौधरी** (फिल्म-पिंक)

➲ सर्वश्रेष्ठ अभिनेता-**शाहिद कपूर** (फिल्म-उड़ता पंजाब)

➲ सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री-**आलिया भट्ट** (फिल्म- डियर जिंदगी एवं उड़ता पंजाब)

- सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता-**अनुपम खेर** (फिल्म-एम.एस. धौनी : द अनटोल्ड स्टोरी)
- सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री-**शबाना आजमी** (फिल्म-नीरजा)
- सर्वश्रेष्ठ नवोदित अभिनेता-**दिलजीत दोसांझ** (फिल्म-उड़ता पंजाब)
- सर्वश्रेष्ठ नवोदित अभिनेत्री-**दिशा पटानी** (फिल्म-एम.एस. धौनी : द अनटोल्ड स्टोरी)
- सर्वश्रेष्ठ कहानी-**शकुन बत्रा-आयशा देवित्रे ढिल्लन** (फिल्म-कपूर एंड संस)
- सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशक-**प्रीतम** (फिल्म-ऐ दिल है मुश्किल)
- सर्वश्रेष्ठ गायक -**अमित मिश्रा** (फिल्म-ऐ दिल है मुश्किल), गीत-बुल्लेया।
- सर्वश्रेष्ठ गायिका-**तुलसी कुमार** (फिल्म - एयरलिफ्ट) गीत-सोच न सके एवं **कनिका कपूर** (फिल्म-उड़ता पंजाब), गीत दा दा दस्से
- सर्वश्रेष्ठ गीतकार-**अमिताभ भट्टाचार्य** (फिल्म-ऐ दिल है मुश्किल), गीत-चन्ना मेरेया
- आइफा अवॉर्ड फॉर वूमेन ऑफ द ईयर-**तापसी पन्नू**।

❑ ग्रेट इमिग्रांट्स : द प्राइड ऑफ अमेरिका पुरस्कार, 2017

➡ अमेरिकी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भारतीय मूल के दो **व्यक्तियों एडोब सिस्टम के सीईओ शांतनु नारायण एवं पूर्व यूएस सर्जन जनरल विवेक मूर्ति** को वर्ष 2017 के प्रतिष्ठित 'ग्रेट इमिग्रांट्स : द प्राइड ऑफ अमेरिका' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। (4 जुलाई, 2017)

❑ फेमिना मिस इंडिया, 2017

➡ 54वें एफ.बी.बी. कलर्स फेमिना मिस इंडिया, 2017 सौंदर्य प्रतियोगिता का आयोजन यशराज स्टूडियो, मुंबई में संपन्न। (25 जून, 2017)

- इस प्रतियोगिता में हरियाणा की **मानुषी छिल्लर** को एफ.बी.बी. कलर्स '**फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड, 2017**' के खिताब से नवाजा गया।
- मानुषी छिल्लर 'मिस वर्ल्ड, 2017' प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।

➡ प्रतियोगिता की प्रथम उपविजेता जम्मू और कश्मीर की **सना दुआ** और द्वितीय उपविजेता बिहार की **प्रियंका कुमारी** रहीं।

❑ साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार, 2017

➡ साहित्य अकादमी द्वारा 24 भारतीय भाषाओं में वार्षिक 'साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार, 2017' की घोषणा। (22 जून, 2017)

- 16 कविता-संग्रह, 6 कहानी-संग्रह, 2 आत्मकथा तथा 1 निबंध के लिए साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार घोषित किए गए।
- कविता-संग्रह के लिए पुरस्कृत कवि हैं-प्रतीम बरुआ (असमिया), बिजित गोरा रामसियारी (बोडो), रजिन्दर रांझा (डोगरी), तारो सिंदिक (हिंदी), निगहत साहिबा (कश्मीरी), अमेय विश्राम नायक (कोंकणी), चंदन कुमार झा (मैथिली), खंज्नोकपम कृष्णमोहन सिंह (मणिपुरी), शरण मुस्कान (गुरुङ) (नेपाली), सूर्यस्नात त्रिपाठी (ओडिया), हरमन (पंजाबी), हेमचंद्र बेलवाल (संस्कृत), मैना टुडु (संथाली), रेखा सचदेव पोहाणी (सिंधी), जे. जयभारती (मानुषी) (तमिल) तथा मर्सी मारग्रेट (तेलुगू)।
- कहानी-संग्रह के लिए पुरस्कृत कहानीकार हैं-शमीक घोष (बांग्ला), राम मोरी (गुजराती), शांति के. अपन्ना (कन्नड़), अस्वथी शशिकुमार (मलयालम) और उम्मेद धानियां (राजस्थानी)।
- आत्मकथा हेतु पुरस्कृत लेखक हैं-मनु एस.पिल्लै (अंग्रेजी) तथा रशीद अशरफ खान (उर्दू)।
- निबंध के लिए पुरस्कृत निबंधकार हैं- राहुल कौसंबी (मराठी)।

➡ अकादमी द्वारा साहित्य अकादमी भाषा सम्मान, 2017 घोषित। (28 जून, 2017)

➡ **विजेता** - डॉ. शेष आनंद मधुकर (मगही भाषा)

- मगही को अकादमी द्वारा मान्यता प्राप्त नहीं है।

❑ स्पोर्ट्स इलस्ट्रेटेड इंडिया मैगजीन के वार्षिक पुरस्कार

➡ 6वें संस्करण के पुरस्कार मुंबई में वितरित। (6 जुलाई, 2017) **प्रमुख पुरस्कार**

- वर्ष की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी-**पी.वी. सिंधु**
- लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड-**अभिनव बिंद्रा**
- लिविंग लीजेंड अवॉर्ड-**मिल्खा सिंह**
- टीम ऑफ द ईयर-**पुरुष जूनियर हॉकी टीम**
- कोच ऑफ द ईयर-**पुलेला गोपीचंद**
- एथलीट ऑफ द ईयर-**गौरव गिल**
- गेमचेंजर ऑफ द ईयर-**के.एल. राहुल**
- एक्सट्रीम परफॉर्मर ऑफ द ईयर-**शिवा केशवन**
- खेल क्षेत्र में सेवा हेतु विशेष पुरस्कार-**जयंत रस्तोगी**

❑ क्वींस यंग लीड्र्स अवॉर्ड, 2017

➡ बकिंघम पैलेस, लंदन में राष्ट्रमंडल के सदस्य राष्ट्रों से 60 युवाओं को यह अवॉर्ड प्रदान किया गया। (27 जून, 2017)

- भारत के **अंकित क्वात्रा** (फीडिंग इंडिया) और **सुहानी जलोटा** (मैना महिला फाउंडेशन) पुरस्कृत।

❑ जर्मन शांति पुरस्कार, 2017

➡ जर्मन बुक ट्रेड द्वारा मार्गरेट एटवुड (कनाडा) को जर्मन शांति पुरस्कार प्रदान किया गया। (13 जून, 2017)

❑ पेन पिंटर पुरस्कार, 2017

➡ इंग्लिश पेन (English Pen) द्वारा वर्ष 2017 के पेन पिंटर पुरस्कार की घोषणा। (1 जून, 2017)

➡ **विजेता**-आयरलैंड के **कवि माइकल लोंगले** (Michael Longley)

➲ वर्ष 2016 की विजेता-मार्गरेट एटवुड (कनाडा)

❑ मैन बुकर इंटरनेशनल प्राइज, 2017

➲ मैन बुकर फाउंडेशन द्वारा लंदन में मैन बुकर इंटरनेशनल प्राइज प्रदान किया गया। (14 जून, 2017)

➲ **विजेता-डेविड ग्रासमैन (इस्राइल),** उपन्यास '**A Horse Walks into a Bar**' के लिए तथा उपन्यास अनुवादक-**जेसिका कोहेन (अमेरिका)**।

➲ ग्रासमैन यह पुरस्कार जीतने वाले प्रथम इस्राइली लेखक हैं।

➲ वर्ष 2016 का पुरस्कार- **हॉन-कांग** (दक्षिण कोरिया) एवं अनुवादक **देबोराह स्मिथ।**

❑ मद्रास संगीत अकादमी पुरस्कार, 2017

➡ अकादमी द्वारा वार्षिक पुरस्कारों की घोषणा। (16 जुलाई, 2017)

➡ **प्रमुख पुरस्कार**

➲ **संगीत कलानिधि**-एन. रविकिरण (चित्रवीणा वादक)

➲ **संगीत कला आचार्य**-1. वी. कमलाकर राव (मृदंग वादक) और 2. राधा नाम्बूदिरी (गायक)

➲ **नृत्य कलानिधि**- लक्ष्मी विश्वनाथन

➲ **पप्पा वेंकटरमैय्या पुरस्कार (वायलिन वादन हेतु)**-तिरुवल्लूर पार्थसारथी

➲ **टीटीके पुरस्कार**-1. सुकन्या रामगोपाल, 2. मुथु कंडासामी देसीकर

➲ **म्यूजिकोलॉजिस्ट पुरस्कार** -डॉ.टी.एस. सत्यवती

➡ संगीत कलानिधि पुरस्कार कर्नाटक संगीत का सर्वाधिक प्रतिष्ठित वार्षिक पुरस्कार है।

❑ कलिंग साहित्य महोत्सव, 2017

➡ **आयोजन भुवनेश्वर में।** (10-12 जून, 2017)

➡ महोत्सव का विषय-'शांति एवं सामंजस्य के लिए संगीत'

➡ **प्रमुख पुरस्कार**

➲ **कलिंग साहित्य पुरस्कार**-हरप्रसाद दास

➲ **कलिंग अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार**-आनंद नीलकांतन (बाहुबली उपन्यास श्रृंखला की पहली पुस्तक 'द राइज ऑफ शिवगामी' के लेखक)

❑ भूपेन हजारिका राष्ट्रीय पुरस्कार, 2017

➡ अरुणाचल प्रदेश के प्रसिद्ध लेखक और साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेता **येशी दोरजी थोंगची** को पुणे स्थित एनजीओ 'सरहद' (Sarhad) द्वारा 5वें भूपेन हजारिका राष्ट्रीय पुरस्कार हेतु चुना गया। (15 जून, 2017)

❑ लोकमत संसदीय पुरस्कार, 2017

➡ लोकमत मीडिया ग्रुप द्वारा नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में तत्कालीन उपराष्ट्रपति **हामिद अंसारी ने 'लोकमत संसदीय पुरस्कार, 2017' प्रदान किया**। (19 जुलाई, 2017)

➡ **लोक सभा के लिए प्रमुख पुरस्कार**

➲ लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड-**लालकृष्ण आडवाणी** (भाजपा)

➲ सर्वश्रेष्ठ सांसद- **के. प्रेमचंद्रन** (रिवोल्युशनरी सोशलिस्ट पार्टी)

➲ सर्वश्रेष्ठ महिला सांसद-**कु. सुष्मिता देवी** (कांग्रेस)

➲ सर्वश्रेष्ठ नवोदित महिला सांसद-**मीनाक्षी लेखी** (भाजपा)

➡ **राज्यसभा के लिए प्रमुख पुरस्कार**

➲ लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड-**शरद यादव** (जदयू)

➲ सर्वश्रेष्ठ सांसद-**सीताराम येचुरी** (सीपीआई-एम)

➲ सर्वश्रेष्ठ महिला सांसद-**जया बच्चन** (समाजवादी पार्टी)

➲ सर्वश्रेष्ठ नवोदित महिला सांसद-**रजनी पाटिल** (कांग्रेस)

❑ प्रथम ग्लोबल रोबोटिक्स ओलंपियाड, 2017

➡ वाशिंगटन (अमेरिका) में आयोजित प्रथम ग्लोबल रोबोटिक्स ओलंपियाड में सात सदस्यीय भारतीय टीम ने **झांग हेंग इंजीनियरिंग डिजाइन अवॉर्ड श्रेणी में स्वर्ण** जबकि **ग्लोबल चैलेंज मैच श्रेणी में कांस्य पदक** प्राप्त किया। (19 जुलाई, 2017)

❑ 7वां एशियन अवॉर्ड, 2017

➡ लंदन (यू.के.) में अवॉर्ड समारोह का आयोजन। (5 मई, 2017)

➡ **प्रमुख भारतीय विजेता एवं श्रेणी**

➲ आउटस्टैंडिंग अचीवमेंट इन सिनेमा- **ओमपुरी**

➲ सोशल आंत्रप्रिन्योर ऑफ द ईयर- **निशा दत्त**

➲ आउटस्टैंडिंग अचीवमेंट इन म्यूजिक- **अदनान सामी**

➲ फेलोशिप अवॉर्ड- **सचिन तेंदुलकर**

➲ बिजनेस लीडर ऑफ द ईयर- **अजय पाल सिंह बंगा**

➲ राइजिंग स्टार - **सनी पवार**

योजना/परियोजना

❑ 'साची' और 'श्रुति' लांच

➡ रिलायंस डिफेंस एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड (RDEL) द्वारा दो नौसैनिक अपतटीय गश्ती जहाजों (Naval Offshore Patrol Vessels: NOPVs) 'साची' (Shachi) और 'श्रुति' (Shruti) पीपावाव शिपयार्ड, गुजरात में लांच। (25 जुलाई, 2017)

➲ दोनों अपतटीय गश्ती जहाज पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ वाइस एडमिरल गिरीश लूथरा की पत्नी प्रीति लूथरा द्वारा लांच किए गए।

❑ निजी भूमि पर सस्ते आवासों का निर्माण

➡ केंद्रीय गृह मंत्रालय और शहरी विकास मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत निजी भूमि पर शहरी गरीबों हेतु सस्ते आवासों के निर्माण हेतु मंजूरी प्रदान। (25 जुलाई, 2017)

➲ इस मंजूरी के तहत शोलापुर, महाराष्ट्र में 30000 सस्ते आवासों का निर्माण किया जाएगा।

➡ प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत निजी जमीन पर बनने वाली यह पहली परियोजना है।

➲ इससे पूर्व प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत अनुमोदित परियोजनाएं राज्य सरकार या नगर निगमों से संबंधित भूमि पर बनाई गई थी।

❑ प्रधानमंत्री वय वंदना योजना

➡ केंद्रीय वित्त, रक्षा और कार्पोरेट मामलों के मंत्री अरुण जेटली द्वारा नई दिल्ली में 'प्रधानमंत्री वय वंदना योजना' (PMVVY) का औपचारिक शुभारंभ। (21 जुलाई, 2017)

➲ यह पेंशन योजना 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए है।

➡ पॉलिसी अवधि 10 वर्ष है, कम से कम 1000 रुपये या अधिकतम 5000 रुपये मासिक पेंशन देय।

➡ मासिक पेंशन के लिए कम से कम 1,50,000 रुपये अथवा अधिकतम 7,50,000 रुपये अदा कर इस पेंशन योजना को खरीदा जा सकता है।

➲ पॉलिसी के 3 वर्ष पूर्ण होने के पश्चात पॉलिसी खरीदारी कीमत का 75 प्रतिशत लोन के रूप में प्राप्त किया जा सकता है।

➡ भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) को इस योजना के संचालन करने का विशेषाधिकार दिया गया है।

➲ इस योजना को सेवा कर/जीएसटी से छूट दी गई है।

❑ आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस योजना

➡ दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (DAY-NRLM) के तहत ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा एक नई उप-योजना 'आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस योजना' (AGEY) की शुरुआत की जाएगी।

➲ इस योजना का मुख्य उद्देश्य डीएवाई-एनआरएलएम के तहत स्वयंसहायता समूहों (SHGs) के सदस्यों को आजीविका के वैकल्पिक स्रोतों को उपलब्ध कराना है।

➲ इसके तहत उन्हें पिछड़े ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक परिवहन सेवाएं परिचालित करने की सुविधा प्रदान की जाएगी।

➡ यह उप-योजना 2017-18 से 2019-20 तक 3 वर्षों की अवधि के लिए एक पायलट योजना के आधार पर देश के 250 ब्लॉकों में लागू की जाएगी।

❑ मलेरिया उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय रणनीति योजना

➡ केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा द्वारा मलेरिया उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय रणनीति योजना (2017-22) का शुभारंभ। (12 जुलाई, 2017)

➲ इस योजना में आगामी 5 वर्षों के लिए देश के विभिन्न भागों में मलेरिया की स्थानिकता (endemicity) के आधार पर समाप्ति का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

➲ उल्लेखनीय है कि यह योजना स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा फरवरी, 2016 में लांच की गई, राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन संरचना (NFME), 2016-2030 का एक भाग है।

❑ पहला एयर फ्रेट कॉरिडोर

➡ अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी ने **काबुल से नई दिल्ली के मध्य एयर फ्रेट कॉरिडोर फ्लाइट** का शुभारंभ किया। (19 जून, 2017)

➲ यह भारत और अफगानिस्तान के बीच पहला एयर फ्रेट कॉरिडोर है।

❑ स्टार्ट-अप इंडिया वर्चुअल हब

➡ केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री **निर्मला सीतारमण** द्वारा नई दिल्ली में '**स्टार्ट अप इंडिया वर्चुअल हब**' का शुभारंभ। (19 जून, 2017)

➲ यह भारत में उद्यमिता परिवेश के सभी हितधारकों को एक-दूसरे से जोड़ने के लिए एक ऑनलाइन प्लेटफार्म है।

❑ ग्रांड ट्रंक योजना

➡ **ब्रिटिश सरकार ने भारत विभाजन की 70वीं वर्षगांठ के स्मरण में ग्रांड ट्रंक (The Grand Trunk) नामक एक नई योजना की शुरुआत की**। (जुलाई, 2017)

#70YearsOn

➲ इस योजना के तहत यूनाइटेड किंगडम में निवासित मुस्लिम, सिख और हिंदू समुदाय के स्वयंसेवक विभिन्न कार्यक्रमों में एक साथ शामिल हुए।

❑ लाइफ कार्यक्रम

➡ मेघालय के मुख्यमंत्री मुकुल संगमा द्वारा पूर्वी गारो हिल्स में स्थित सोंगसैक में **'लाइफ' (LIFE-Livelihood Intervention and Facilitation of Entrepreneurship)** नामक महत्वाकांक्षी फ्लैगशिप कार्यक्रम का शुभारंभ। (11 जुलाई, 2017)

➲ **उद्देश्य**-स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से सभी गरीब और कमजोर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना।

❑ मिशन परिवार विकास

➡ उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अवंती बाई चिकित्सालय, बलरामपुर में अधिक प्रजनन दर (सकल प्रजनन दर 3 या इससे अधिक) वाले 57 जिलों में भारत सरकार की योजना 'मिशन परिवार विकास' का शुभारंभ। (11 जुलाई, 2017)

➲ इस कार्यक्रम का उद्देश्य इन जिलों में सकल प्रजनन दर में कमी लाना है, जिससे मातृ-शिशु मृत्यु दर में कमी लाई जा सके।

❑ आयकर सेतु

➡ केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली द्वारा नवीन करदाता सेवा मॉड्यूल **आयकर सेतु** लांच। (10 जुलाई, 2017)

➲ यह मॉड्यूल आयकर विभाग के अंतर्गत निहित विभिन्न टैक्स टूल्स, लाइव चैट सुविधा,त्वरित अपडेट और विभिन्न प्रक्रियाओं से संबंधित महत्वपूर्ण लिंक को एकल मॉड्यूल में संकलित करता है।

❑ निःशुल्क शल्य चिकित्सा योजना

➡ दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा निःशुल्क शल्य चिकित्सा योजना का शुभारंभ। (8 जुलाई, 2017)

➲ इस योजनांतर्गत जिन रोगियों को ऑपरेशन हेतु सरकारी अस्पताल में 1 माह के भीतर की तारीख नहीं मिल पाती, वे अपना इलाज निजी अस्पतालों में मुफ्त करा सकेंगे।

❑ किसान ऋण मोचन पोर्टल

➡ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा **किसान ऋण मोचन पोर्टल का शुभारंभ**। (9 जुलाई, 2017)

➲ इस पोर्टल के माध्यम से फसल ऋण मोचन योजना के क्रियान्वयन और उससे जुड़ी किसानों की समस्याओं का निराकरण किया जाएगा।

❑ ई-शिक्षा पर तीन डिजिटल पहलों की शुरुआत

➡ 'डिजिटल पहल पर राष्ट्रीय सम्मेलन' में तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी द्वारा देश में ई-शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु तीन डिजिटल पहलों **स्वयं, स्वयंप्रभा** तथा **नेशनल एकेडमिक डिपॉजिटरी की नई दिल्ली में शुरुआत**। (9 जुलाई, 2017)

➲ **स्वयं**-ऐसे छात्र जो अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर सके और ऐसे पेशेवर जो अपने ज्ञान को अपग्रेड करना चाहते हैं, यह उनको लक्षित करेगा।

➲ **स्वयंप्रभा-** यह जीसैट-15 उपग्रह के उपयोग के माध्यम से उच्च गुणवत्तापरक शैक्षिक कार्यक्रमों के (24×7) प्रसारण हेतु समर्पित 32 डीटीएच चैनलों का मंच है।

➲ **नेशनल एकेडमिक डिपॉजिटरी-** यह प्रमाण-पत्रों के ऑनलाइन सत्यापन की सुविधा प्रदान करेगा।

❑ जीएसटी रेट फाइंडर

➡ केंद्रीय वित्तमंत्री अरुण जेटली द्वारा **मोबाइल ऐप जीएसटी रेट फाइंडर लांच**। (7 जुलाई, 2017)

➲ इस ऐप के माध्यम से उपयोगकर्ताओं को विभिन्न वस्तुओं और सेवाओं से संबंधित जीएसटी दरों के विषय में जानकारी प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

❑ नया प्रशिक्षण कार्यक्रम 'कमिट'

➡ परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह द्वारा राज्य सरकार के अधिकारियों के लिए नए प्रशिक्षण कार्यक्रम '**कमिट**' (COMMIT : Comprehensive Online Modified Modules on Induction Training) **का शुभारंभ**। (29 जून, 2017)

➲ **उद्देश्य**-सार्वजनिक सेवा वितरण तंत्र में सुधार करना और अधिकारियों की कार्यक्षमता में वृद्धि कर नागरिक केंद्रित प्रशासन प्रदान करना।

➲ मौजूदा वित्त वर्ष 2017-18 के दौरान यह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभिक चरण में **6 राज्यों (असम, हरियाणा, महाराष्ट्र,**

तमिलनाडु, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल) में आरंभ होगा और आगामी वर्ष में इसे पूरे भारत में लागू करने का लक्ष्य है।

➡ यह कार्यक्रम संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) के सहयोग से कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा विकसित किया गया है।

❑ निःशुल्क विद्युत कनेक्शन योजना

➡ उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा **शहरी गरीब परिवारों के लिए निःशुल्क विद्युत कनेक्शन योजना का शुभारंभ**। (30 जून, 2017)

- ➲ इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विद्युत उपभोक्ताओं के लिए **ई-निवारण मोबाइल ऐप** का भी शुभारंभ किया।

❑ डिजिटल एमएसएमई योजना

➡ केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री कलराज मिश्र द्वारा 'डिजिटल एमएसएमई योजना' का शुभारंभ। (27 जून, 2017)

- ➲ यह योजना क्लाउड कंप्यूटिंग पर केंद्रित है।

➡ ध्यातव्य है कि **संयुक्त राष्ट्र ने 27 जून को संयुक्त राष्ट्र एमएसएमई** दिवस घोषित किया है।

❑ ई-बिडिंग पोर्टल और मेरिट ऐप

➡ केंद्रीय विद्युत, कोयला, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा और खान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पीयूष गोयल द्वारा **ई-बिडिंग पोर्टल और मेरिट ऐप (आय एवं पारदर्शिता के कायाकल्प हेतु बिजली का मेरिट ऑर्डर डिस्पैच) का शुभारंभ**। (5 जुलाई, 2017)

- ➲ ई-बिडिंग पोर्टल का शुभारंभ बिजली की खरीद के लिए स्वतंत्र विद्युत उत्पादकों के चयन हेतु राज्यों को ई-बिडिंग समाधान मुहैया कराने हेतु किया गया है।
- ➲ इस ऐप एवं पोर्टल के माध्यम से कोयले का इष्टतम उपयोग संभव होगा।

❑ मुखबिर योजना

➡ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शुभारंभ। (24 जून, 2017)

- ➲ इस योजना के माध्यम से **भ्रूण हत्या के विषय में जनता से गोपनीय रूप से सूचना प्राप्त की जाएगी।**
- ➲ इस सूचना के आधार पर लिंग चयन एवं उसके पश्चात विशेष लिंग की भ्रूण हत्या के अवैध कार्य में संलिप्त व्यक्तियों और संस्थाओं के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी और उन्हें दंडित किया जाएगा।

❑ विंग्स, 2017

➡ नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली में 'विंग्स, 2017, सब उड़ें, सब जुड़ें - बढ़ती क्षेत्रीय कनेक्टिविटी' (Wings, 2017-Sub Uden, Sab Juden - Expanding Regional Connectivity) का प्रथम संस्करण आयोजित। (7 जुलाई, 2017)

➡ वर्तमान में भारत नागरिक उड्डयन क्षेत्र में विश्व का 9वां सबसे बड़ा बाजार है।

❑ नया सवेरा योजना

➡ उत्तर प्रदेश में श्रम विभाग द्वारा **शुरुआत**। (16 जून, 2017)

- ➲ **उद्देश्य**-श्रमिक बच्चों को चिह्नित करके **बाल श्रम से मुक्ति दिलाना और इनका सामाजिक, शैक्षिक और नैतिक विकास करना**।
- ➲ योजनांतर्गत प्रथम चरण में 11 जनपदों के 600 ग्रामों को बाल श्रम से मुक्त किया जाएगा, कुल 916 ग्रामों को बाल श्रम से मुक्त किए जाने का लक्ष्य है।

❑ सरदार सरोवर बांध की ऊंचाई बढ़ाने संबंधी प्रस्ताव को मंजूरी

➡ नर्मदा नियंत्रण प्राधिकरण द्वारा **गुजरात में सरदार सरोवर बांध की ऊंचाई बढ़ाने के संबंधी अंतिम प्रस्ताव को मंजूरी**। (16 जून, 2017)

- ➲ मंजूरी के तहत बांध के प्रवेश द्वारों की ऊंचाई कम की जाएगी और जलाशय में पानी की मात्रा में वृद्धि कर इसे **पूर्ण जलाशय स्तर अर्थात 138.68 मीटर तक ऊंचा उठाया जाएगा**।
- ➲ इससे इसकी भंडारण क्षमता 5740 मिलियन घनमीटर (MCM) हो जाएगी, जो पूर्व में 1565 मिलियन घनमीटर (MCM) थी।

➡ इसके अतिरिक्त जल भंडारण से लगभग **8 लाख हेक्टेयर भूमि सिंचित हो सकेगी तथा 1 करोड़ आबादी को सुनिश्चित** पेयजल की आपूर्ति होगी।

ऑपरेशन/अभियान

❑ मालाबार नौसैन्य अभ्यास, 2017

➡ **भारत, अमेरिका तथा जापान की नौसेनाओं के बीच 'मालाबार नौसैन्य अभ्यास' का 21वां संस्करण** बंगाल की खाड़ी में संपन्न। (10-17 जुलाई, 2017)

❑ सैन्य अभ्यास 'मैत्री' 2017

➡ भारतीय सेना और थाईलैंड की रॉयल सेना के मध्य **संयुक्त सैन्य अभ्यास 'मैत्री' हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले** के बकलोह में संपन्न। (3-17 जुलाई, 2017)

❑ पहला मतदाता पंजीकरण स्मरण अभियान

➡ निर्वाचन आयोग द्वारा **पहले राष्ट्रव्यापी मतदाता पंजीकरण स्मरण अभियान का शुभारंभ**। (1 जुलाई, 2017)

- ➲ इस अभियान हेतु निर्वाचन आयोग ने **फेसबुक के साथ साझेदारी** की है।
- ➲ मतदान के योग्य लोगों के पास इस अभियान की सूचना फेसबुक के माध्यम से प्रेषित की जाएगी।

➡ याद दिलाने (स्मरण) का कार्य 13 भारतीय भाषाओं-अंग्रेजी, हिंदी, गुजराती, तमिल, तेलुगू, मलयालम, कन्नड़, पंजाबी, बांग्ला, उर्दू, असमी, मराठी और ओडिया में किया ज५ ?ाएगा।

- ➲ यह पहली बार है कि फेसबुक का उपयोग संपूर्ण भारत में नए मतदाताओं के नामांकन हेतु किया जा रहा है।

❑ राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन

➡ केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. हर्षवर्धन द्वारा भारत में बायोफार्मास्युटिकल्स के विकास को गति देने हेतु **पहले औद्योगिक-शैक्षणिक मिशन 'राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन' का नई दिल्ली में औपचारिक शुभारंभ**। (30 जून, 2017)

- ➲ यह मिशन भारत में **नवाचार (आई-3)** नाम से शुरू किया गया है।
- ➲ जैव प्रौद्योगिकी विभाग के तहत सार्वजनिक क्षेत्र की इकाई, **जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायक परिषद (BIRAC)** द्वारा यह मिशन संचालित है।

❑ ऑपरेशन स्वर्ण

➡ राजधानी और शताब्दी जैसी रेलवे की प्रीमियम ट्रेनों में सार्वजनिक रूप से प्राप्त शिकायतों के संबंध में सेवा सुधार हेतु भारतीय रेलवे द्वारा '**ऑपरेशन स्वर्ण**' का शुभारंभ। (22 जून, 2017)

- ➲ प्रथम चरण में **मुंबई-दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस** और **मुंबई-अहमदाबाद शताब्दी एक्सप्रेस** को अपग्रेड करने हेतु चयनित किया गया है। बाद में चरणबद्ध ढंग से और अधिक ट्रेनों की पहचान की जाएगी।
- ➲ ऑपरेशन के तहत रेल-कोचों में साफ-सफाई, भोजन की गुणवत्ता और रेल समयबद्धता जैसी सुविधाओं में सुधार किया जाएगा।

❑ भारत का सांस्कृतिक मानचित्रण अभियान

➡ केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. महेश शर्मा द्वारा **जनपद मथुरा (उ.प्र.) के गोवर्धन प्रभाग (ब्लॉक) में भारत के सांस्कृतिक मानचित्रण अभियान का शुभारंभ**। (17 जून, 2017)

- ➲ **उद्देश्य**-भारत के विस्तृत एवं व्यापक सांस्कृतिक कैनवास को एक उद्देश्यपूर्ण सांस्कृतिक मानचित्रण में रूपांतरित करना है।
- ➲ इस अभियान की शुरुआत '**एक भारत श्रेष्ठ भारत**' कार्यक्रम के बैनर तले की गई है।

❑ दस्तक अभियान

➡ मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा जावरा (रतलाम जिला) में आयोजित '**स्कूल चलें हम**' अभियान कार्यक्रम के अवसर पर **दस्तक अभियान के द्वितीय चरण का शुभारंभ**। (15 जून, 2017)

- ➲ **मध्य प्रदेश देश का पहला राज्य है, जो बच्चों में कुपोषण समाप्त करने हेतु यह अभियान संचालित कर रहा है।**

आयोग/समिति

❑ टी.के. विश्वनाथन समिति

➡ भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) द्वारा उचित बाजार व्यवहार (Fair Market Conduct) पर लोक सभा के पूर्व महासचिव एवं पूर्व विधि सचिव टी.के. विश्वनाथन की अध्यक्षता में एक समिति गठित। (1 अगस्त, 2017)

➲ यह समिति बाजारों की बेहतर निगरानी के लिए अल्पावधि और मध्यम अवधि के उपाय सुझाएगी।

❑ न्यायमूर्ति बी.एन. श्रीकृष्ण समिति

➡ इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा देश के नागरिकों के व्यक्तिगत डाटा को सुरक्षित एवं संरक्षित रखने के लिए उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी.एन. श्रीकृष्ण की अध्यक्षता में एक विशेषज्ञ समिति गठित। (31 जुलाई, 2017)

❑ एनएपीए के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति हेतु समिति

➡ जीएसटी परिषद द्वारा जीएसटी के अंतर्गत मुनाफाखोरी के खिलाफ राष्ट्रीय प्राधिकरण (National Anti-profiteering Authority:NAPA) के अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति के लिए योग्य व्यक्तियों की पहचान और सिफारिश करने हेतु कैबिनेट सचिव प्रदीप कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में एक चयन समिति का गठन। (25 जुलाई, 2017)

➲ यह प्राधिकरण वस्तुओं अथवा सेवाओं की आपूर्ति पर जीएसटी की दर में कटौती अथवा मूल्यों में आनुपातिक कटौती द्वारा प्राप्तकर्ता को इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ नहीं सौंपे जाने की स्थिति में मुनाफाखोरी के खिलाफ उपायों को लागू करने के लिए जिम्मेदार होगा।

❑ सुखबिंदर सिंह सरकारिया समिति

➡ पंजाब विधान सभा अध्यक्ष राणा के.पी. सिंह द्वारा किसान आत्महत्या के मुद्दे पर **सुखबिंदर सिंह सरकारिया** की अध्यक्षता में एक समिति का गठन। (7 जुलाई, 2017)

❑ गाय से लाभ पर शोध हेतु समिति

➡ केंद्र सरकार द्वारा गाय से लाभ पर शोध हेतु केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. हर्षवर्धन की अध्यक्षता में 19 सदस्यीय **राष्ट्रीय संचालन समिति** का गठन किया गया। (16 जुलाई, 2017)

➲ यह समिति एसवीएआरओपी (Scientific Validation and Research on Panchgavya-SVAROP) कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए गठित की गई है।

➡ पंचगव्य अर्थात - गाय का दूध, दही, घी, गोमूत्र और गोबर।

➡ इस समिति का कार्यकाल 3 वर्ष का होगा।

❑ डॉ. वेद प्रकाश मिश्रा समिति

➡ बंदरगाह अस्पतालों को अपग्रेड करने के सुझावों हेतु **डॉ. वेद प्रकाश मिश्रा की अध्यक्षता में गठित समिति** ने अपनी रिपोर्ट केंद्रीय जहाजरानी और सड़क परिवहन तथा राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को सौंपी। (14 जुलाई, 2017)

➲ समिति ने अपनी रिपोर्ट में संभावित विकल्पों की जानकारी दी जिनसे पीपीपी मोड के अंतर्गत बंदरगाह अस्पतालों को अपग्रेड किया जा सकता है ताकि उनकी स्वास्थ्य देखभाल की सुविधाएं बेहतर बन सके।

❑ राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतिम प्रारूप के निर्माण हेतु समिति

➡ केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति का अंतिम प्रारूप तैयार करने हेतु इसरो के पूर्व अध्यक्ष **डॉ. के. कस्तूरीरंगन की अध्यक्षता में एक समिति का गठन**। (26 जून, 2017)

❑ रीना मित्रा समिति

➡ केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा म्यांमार सीमा पर मुक्त आवागमन के दुरुपयोग को रोकने के तरीकों की जांच हेतु विशेष सचिव आंतरिक सुरक्षा **रीना मित्रा की अध्यक्षता में एक समिति का गठन**। (12 जून, 2017)

➲ समिति सीमावर्ती राज्यों में मुक्त आवागमन व्यवस्था के कार्यान्वयन के लिए लागू होने वाले मौजूदा नियमों की जांच करेगी।

सम्मेलन/समारोह

❑ ब्रिक्स देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक

➡ ब्रिक्स देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक बीजिंग, चीन में संपन्न। (27-28 जुलाई, 2017)

➲ इस बैठक में भारत का नेतृत्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) अजीत डोभाल ने किया।

❑ ब्रिक्स यूथ फोरम- 2017

➡ बीजिंग, चीन में आयोजित। (25-27 जुलाई, 2017)

➲ मुख्य विषय - 'ब्रिक्स भागीदारी में वृद्धि करना, युवा विकास को बढ़ावा देना' (Enhance BRICS Partnership, Promote Youth Development)।

❑ ब्रिक्स देशों के श्रम एवं रोजगार मंत्रियों की बैठक

➡ ब्रिक्स देशों के श्रम एवं रोजगार मंत्रियों की बैठक चोंगजिंग, चीन में संपन्न। (26-27 जुलाई, 2017)

➲ चीन वर्ष 2017 के लिए ब्रिक्स श्रम और रोजगार मंत्रियों की बैठक का अध्यक्ष है।

➡ इस बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व केंद्रीय श्रम और रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बंडारू दत्तात्रेय ने किया।

➲ बैठक में ब्रिक्स श्रम और रोजगार मंत्रिस्तरीय घोषणा-पत्र को स्वीकार किया गया।

❑ साइबरस्पेस पर 5वां वैश्विक सम्मेलन (GCCS)

➡ साइबरस्पेस पर विश्व का सबसे बड़ा सम्मेलन, नई दिल्ली में आयोजित होगा। (23-24 नवंबर, 2017)

➲ मुख्य विषय (Theme)- सभी के लिए साइबर स्पेस एक समावेशी, सतत, विकासात्मक, तथा सुरक्षित साबर स्पेस। (Cyber4All: An Inclusive, Sustainable, Developmental, Safe and Secure Cyberspace)।

❑ भारत-जॉर्डन व्यापार एवं आर्थिक संयुक्त समिति की 10वीं बैठक

➡ बैठक नई दिल्ली में संपन्न। (4-5 जुलाई, 2017)

➲ इस बैठक की सह-अध्यक्षता वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) निर्मला सीतारमण और जॉर्डन हाशिमिते साम्राज्य की सरकार में उद्योग, व्यापार एवं आपूर्ति मंत्री यारूब क्यूदा (Yarub Qudah) ने की।

❑ 8वां थियेटर ओलंपिक्स, 2018

➡ विश्व के सबसे बड़े थियेटर समारोह '**8वें थियेटर ओलंपिक्स, 2018' की मेजबानी भारत करेगा**। (12 जुलाई, 2017)

➲ भारत में पहली बार आयोजित होने वाले इस समारोह का आयोजन **17 फरवरी से 8 अप्रैल, 2018** के मध्य देश के 15 शहरों में किया जाएगा।

➲ इस समारोह का सूत्र वाक्य (Theme) है- '**मित्रता का ध्वज**' (Flag of Friendship)।

➲ इसका आयोजन **केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के तत्वावधान में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (NSD) द्वारा** किया जाएगा।

❑ भीड़ प्रबंधन पर राष्ट्रीय सम्मेलन

➡ राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा संयुक्त रूप से **भीड़ प्रबंधन पर राष्ट्रीय सम्मेलन** (Conference on Crowd Management) का आयोजन **तिरुवनंतपुरम, केरल में संपन्न**। (11-12 जुलाई, 2017)

❑ 22वीं विश्व पेट्रोलियम कांग्रेस, 2017

➡ 22वीं विश्व पेट्रोलियम कांग्रेस (22nd World Petroleum Congress), 2017 का आयोजन **इस्तांबुल, तुर्की में संपन्न**। (9-13 जुलाई, 2017)

➲ **मुख्य विषय**- 'हमारे भविष्य की ऊर्जा हेतु सेतु' (Bridges to Our Energy Future)।

➲ इस कांग्रेस में भारत का प्रतिनिधित्व केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र प्रधान ने किया।

❑ दिल्ली संवाद

➡ दिल्ली संवाद (Delhi Dialogue) के **9वें संस्करण का आयोजन नई दिल्ली में संपन्न**। (4-5 जुलाई, 2017)

➲ **मुख्य विषय-'आसियान-भारत संबंध : अगले 25 वर्षों के लिए कार्य की रूपरेखा'**।

❑ ब्रिक्स के स्वास्थ्य/सांस्कृतिक मंत्रियों की बैठक

➡ ब्रिक्स के स्वास्थ्य मंत्रियों की 7वीं बैठक एवं सांस्कृतिक मंत्रियों की दूसरी बैठक **तियानजिन, चीन में संपन्न**। (जुलाई, 2017)

➲ इस बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व केंद्रीय सांस्कृतिक एवं पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. महेश शर्मा एवं केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा ने किया।

❑ प्रथम गुवाहाटी अंतरराष्ट्रीय वृत्तचित्र फिल्म महोत्सव

➡ फिल्म प्रभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और डॉ. भूपेन हजारिका क्षेत्रीय राजकीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से '**प्रथम गुवाहाटी अंतरराष्ट्रीय वृत्तचित्र फिल्म महोत्सव**' (First Guwahati International Documentry Film Festival) **गुवाहाटी, असम में** संपन्न। (21-24 जून, 2017)

❑ जैव प्रौद्योगिकी नवाचार संगठन अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, 2017

➡ 'जैव प्रौद्योगिकी नवाचार संगठन (BIO) अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन' (Biotechnology Innovation Organization International Convention), 2017 **सैन डिएगो, अमेरिका में आयोजित**। (19-22 जून, 2017)

➲ इस सम्मेलन में केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी एवं पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री वाई.एस. चौधरी ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया।

❑ ब्रिक्स देशों के कृषि मंत्रियों की सातवीं बैठक

➡ **नानजिंग, चीन में आयोजित**। (16-17 जून, 2017)

➲ इस बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री राधामोहन सिंह ने किया।

❑ पहली अंतरराष्ट्रीय विमानन सुरक्षा संगोष्ठी

➡ **मानेसर, हरियाणा में आयोजित**। (6-7 जुलाई, 2017)

➲ इसका आयोजन राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (NSG) द्वारा किया गया।

❑ ड्री उत्सव

➡ 5 जुलाई, 2017 को **ड्री उत्सव (Dree Festival) अरुणाचल प्रदेश में मनाया गया**।

➲ यह अपतानी समुदाय द्वारा प्रति वर्ष जुलाई माह में मनाया जाने वाला एक कृषि उत्सव है।

➲ ड्री का नामकरण डी पीईलो के नाम पर किया गया है, जो अपतानी कैलेंडर में एक महीना है।

❑ वन महोत्सव

➡ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा कुकरैल पूर्वी, **जरहरा वन ब्लॉक में पौधरोपण कर वन महोत्सव** (1-7 जुलाई, 2017) **का शुभारंभ**। (1 जुलाई, 2017)

➲ 5 जुलाई, 2017 को मुख्यमंत्री ने **गढ़मुक्तेश्वर (हापुड़) में गंगा तट पर विशेष वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया**।

➡ महोत्सव के दौरान पूरे प्रदेश में लगभग 6.55 करोड़ पौधे लगाए गए।

➲ वर्ष 1950 से प्रत्येक वर्ष जुलाई माह के प्रथम सप्ताह को वन महोत्सव के रूप में मनाया जाता है।

❑ उत्तर प्रदेश आम महोत्सव, 2017

➡ उत्तर प्रदेश का 5वां **आम महोत्सव, 2017 इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में आयोजित**। (24-25 जून, 2017)

➲ यह महोत्सव उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग और उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया।

➲ इस अवसर पर आयोजित प्रदर्शनी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आम की विभिन्न प्रजातियों का अवलोकन किया तथा 'गौरजीत' प्रजाति के आम का एक पौधा रोपित किया।

❑ हीमटेक्सटिल इंडिया और एंबीएंटे इंडिया, 2017

➡ हीमटेक्सटिल इंडिया और एंबीएंटे इंडिया, 2017 (Heimtextil India & Ambiente India, 2017) **मेला प्रगति मैदान, नई दिल्ली में संपन्न**। (20-22 जून, 2017)

➲ इसका आयोजन मेस्से फ्रैंकफर्ट ट्रेड फेयर इंडिया द्वारा किया गया।

➲ इस अवसर पर आयोजित प्रदर्शनी में केंद्रीय कपड़ा मंत्री स्मृति ईरानी ने मेस्से फ्रैंकफर्ट ट्रेड फेयर इंडिया द्वारा निर्मित विश्व के सबसे बड़े कुशन का अनावरण किया।

संधि/समझौता

❑ भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार के मध्य समझौता

➡ गोरखपुर में एम्स की स्थापना के संदर्भ में भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार के बीच समझौता-ज्ञापन हस्ताक्षरित। (13 जुलाई, 2017)

➲ एम्स की स्थापना का कार्य **45.326 हेक्टेयर क्षेत्र में महादेव झारखंडी गांव (गोरखपुर)** में किया जा रहा है।

➲ परियोजना की कुल लागत राशि 1,750 करोड़ रुपये है।

❑ भारत-फिलीस्तीन समझौता

➡ केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा **भारत और फिलीस्तीन** के बीच स्वास्थ्य और चिकित्सा के क्षेत्र में सहयोग पर आधारित समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर हेतु पूर्वव्यापी-प्रभाव से मंजूरी। (12 जुलाई, 2017)

❑ भारत-जर्मनी समझौता

➡ केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा **भारत व जर्मनी के बीच स्वास्थ्य के क्षेत्र में** सहयोग पर आधारित संयुक्त घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर हेतु पूर्व-प्रभाव से मंजूरी। (12 जुलाई, 2017)

➲ संयुक्त घोषणा-पत्र में शामिल क्षेत्र-**स्नातकोत्तर शिक्षा, चिकित्सा कर्मिकों का प्रशिक्षण, औषधि और औषधि अर्थशास्त्र** तथा **स्वास्थ्य अर्थशास्त्र**।

❑ स्वास्थ्य मंत्रालय और पश्चिम बंगाल सरकार के मध्य समझौता

➡ कोलकाता में रक्ताधान चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट केंद्र स्थापित करने हेतु भारत सरकार और पश्चिम बंगाल सरकार के बीच समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर। (10 जुलाई, 2017)

➲ स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की योजना के रूप में **परिकल्पित महानगर रक्त बैंक परियोजना** चार महानगरों दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में स्थापित की जाएगी।

❑ ओडिशा सरकार, आईएएएफ और एएफआई के मध्य समझौता

➡ **ओडिशा सरकार, इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एथलेटिक्स फेडरेशन (IAAF) तथा एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया** (AFI) के मध्य भुवनेश्वर स्थित कलिंगा स्टेडियम में **एक उच्च निष्पादन अकादमी** (High Performance Academy) की स्थापना हेतु आशय-पत्र पर हस्ताक्षर। (6 जुलाई, 2017)

- ➲ इस अकादमी का नाम ओडिशा-एएफआई-आईएएएफ हाई परफॉर्मेंस अकादमी होगा।
- ➲ इस केंद्र में एथलीटों को कोचिंग, एकीकृत समर्थित सेवा, शिक्षा आदि की सेवाएं मुहैया कराई जाएंगी।

❑ रक्षा मंत्रालय-एमडीएल में समझौता

➡ रक्षा उत्पादन विभाग के अधीनस्थ **सार्वजनिक क्षेत्र के रक्षा उपक्रम माझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड** (मिनी रत्न, अनुसूची 'ए') और **रक्षा मंत्रालय** के मध्य सहमति-पत्र पर हस्ताक्षर। (3 जुलाई, 2017)

- ➲ इसके तहत वित्तीय वर्ष 2017-18 हेतु परिचालन से 4500 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित करने का लक्ष्य निर्धारित है।
- ➲ **परियोजना 75 (स्कॉर्पियन पनडुब्बियां) और 15 बी (डिस्ट्रॉयर्स) तथा 17 ए (फ्रिगेट्स)** की जहाज निर्माण परियोजनाओं के तहत हासिल महत्वपूर्ण उपलब्धियां भी इस सहमति-पत्र का भाग हैं।

❑ ईईएसएल और सऊदी अरब की कंपनी के मध्य समझौता

➡ भारत की **ऊर्जा दक्षता सेवा लिमिटेड** (EESL) और सऊदी अरब की **राष्ट्रीय ऊर्जा सेवा कंपनी** के बीच ऊर्जा दक्षता कार्यक्रमों को लागू करने और खाड़ी देशों में मांग में वृद्धि के उपायों को लागू करने हेतु समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर। (29 जून, 2017)

❑ RLDA और NBCC के मध्य समझौता

➡ **रेलवे भूमि विकास प्राधिकरण** (RLDA) द्वारा वैश्विक मानकों पर पूरे देश में **10 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास हेतु राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम (NBCC) के साथ** समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर। (30 जून, 2017)

- ➲ पुनर्विकास हेतु प्रथम चरण में चयनित रेलवे स्टेशनों में **तिरुपति**, **दिल्ली सराय रोहिल्ला**, **नेल्लोर**, **पुडुचेरी**, **माझगांव**, **लखनऊ**, **गोमतीनगर**, **कोटा**, **ठाणे (न्यू)** और **एर्नाकुलम** जंक्शन शामिल हैं।

❑ एडीबी और उत्तर प्रदेश सरकार के मध्य समझौता

➡ **एशियाई विकास बैंक (ADB)** और **उत्तर प्रदेश सरकार** के मध्य प्रदेश में **8 प्रमुख जिला मार्गों के निर्माण हेतु 2782 करोड़ रुपये के ऋण अनुबंध-पत्र पर हस्ताक्षर किए गए**। (27 जून, 2017)

- ➲ इस परियोजना हेतु एडीबी द्वारा 1950 करोड़ रुपये की राशि मुहैया कराई जाएगी, जबकि राज्य सरकार 832 करोड़ रुपये की राशि प्रदान करेगी।
- ➲ इन 8 जिला मार्गों का निर्माण कार्य वर्ष 2017 से प्रारंभ होकर वर्ष 2024 तक पूर्ण होगा।

❑ विप्रो इंफ्रास्ट्रक्चर इंजीनियरिंग और इस्राइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज के मध्य समझौता

➡ **विप्रो इंफ्रास्ट्रक्चर इंजीनियरिंग और इस्राइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज** (IAI) के मध्य समझौते पर हस्ताक्षर। (5 जुलाई, 2017)

- ➲ समझौते के अनुसार, आईएआई, भारत में समग्र हवाई जहाज के ढांचे के निर्माण में विप्रो इंफ्रास्ट्रक्चर इंजीनियरिंग का सहयोग करेगी।

❑ भारत-ऑस्ट्रेलिया समझौता

➡ **केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार तथा विदेश कार्य एवं व्यापार विभाग, ऑस्ट्रेलिया** के मध्य वस्त्र, परिधान और फैशन के क्षेत्रों में सहयोग हेतु समझौता-ज्ञापन को मंजूरी। (22 जून, 2017)

❑ भारत-श्रीलंका समझौता

➡ केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा आयुष मंत्रालय, भारत सरकार और श्रीलंका के स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वदेशी चिकित्सा मंत्रालय के बीच **चिकित्सा की परंपरागत प्रणालियों** एवं **होम्योपैथी में सहयोग हेतु समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने को मंजूरी**। (22 जून, 2017)

- ➲ अनुसंधान, प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों, सम्मेलनों/बैठकों के संचालन हेतु आवश्यक वित्तीय संसाधनों को आयुष मंत्रालय के विद्यमान आवंटित बजट एवं योजनाओं से पूरा किया जाएगा।

❑ ईपीएफओ और हुडको के मध्य समझौता

➡ **वर्ष 2022 तक सभी के लिए आवास मिशन को पूरा करने हेतु कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) और आवास एवं शहरी विकास निगम (HUDCO) के बीच नई दिल्ली में समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर।** (22 जून, 2017)

❑ भारत-विश्व बैंक समझौता

➡ **आंध्र प्रदेश में 24×7 बिजली आपूर्ति परियोजना के सह वित्तपोषण हेतु** भारत द्वारा विश्व बैंक से 240 मिलियन डॉलर और एशियन इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक (AIIB) से 160 मिलियन डॉलर (60 : 40 का अनुपात) का ऋण समझौता। (22 जून, 2017)

- ➲ **उद्देश्य**-उपभोक्ताओं हेतु विद्युत आपूर्ति को बेहतर बनाना तथा आंध्र प्रदेश के कुछ चुनिंदा क्षेत्रों में बिजली वितरण में संचालन कार्य कुशलता और प्रणाली के प्रति विश्वसनीयता बढ़ाना।
- ➲ परियोजना की कुल लागत 570 मिलियन डॉलर है जिसमें से विश्व बैंक और एआईआईबी क्रमशः 240 मिलियन डॉलर और 160 मिलियन डॉलर तथा शेष 170 मिलियन राशि आंध्र प्रदेश सरकार मुहैया कराएगी।

❑ बॉम्बार्डियर विमानों की खरीद

➡ भारतीय विमानन सेवा कंपनी स्पाइसजेट (निजी क्षेत्र) द्वारा कनाडियन कंपनी **बॉम्बार्डियर कॉमर्शियल एयरक्राफ्ट के साथ 50 Q 400 टर्बोप्रॉप एयरलाइनर खरीदने हेतु आशय-पत्र पर हस्ताक्षर**। (20 जून, 2017)

- ➲ Q 400 टर्बोप्रॉप मूल्य सूची के आधार पर यह ऑर्डर 1.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक का हो सकता है।

❑ थेल्स और रिलायंस डिफेंस लिमिटेड में समझौता

➡ **फ्रांसीसी रक्षा कंपनी थेल्स और रिलायंस डिफेंस लिमिटेड द्वारा भारत में संयुक्त उद्यम स्थापित करने की घोषणा**। (21 जून, 2017)

- ➲ इस संयुक्त उद्यम में **थेल्स और रिलायंस डिफेंस लिमिटेड की हिस्सेदारी क्रमशः 49 प्रतिशत और 51 प्रतिशत होगी**।
- ➲ संयुक्त उद्यम मिहान-नागपुर विशेष आर्थिक क्षेत्र में स्थापित होगा।

❑ रिलायंस डिफेंस एम्युनिशन और यूगोइमपोर्ट में समझौता

➡ अनिल अंबानी समूह की कंपनी रिलायंस डिफेंस एम्युनिशन द्वारा सर्बियाई सार्वजनिक रक्षा उपक्रम यूगोइमपोर्ट के साथ **भारत में युद्धोपकरण का निर्माण किए जाने हेतु सामरिक भागीदारी समझौते पर हस्ताक्षर**। (20 जून, 2017)

- ➲ इसका लक्ष्य आगामी 10 वर्षों में 20,000 करोड़ रुपये के रक्षा अवसरों का निर्माण करना है।

❑ लॉकहीड मार्टिन और टीएएसएल में समझौता

➡ अमेरिकी कंपनी लॉकहीड मार्टिन और भारत की टाटा एडवांस्ड सिस्टम लिमिटेड के बीच **भारत में एफ-16 ब्लॉक 70 विमान का निर्माण करने हेतु समझौते पर हस्ताक्षर**। (19 जून, 2017)

संघ/संगठन

❑ भारतीय समुदाय कल्याण कोष के संशोधित दिशा-निर्देश

➡ केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा 'भारतीय समुदाय कल्याण कोष' (ICWF) के संशोधित दिशा-निर्देशों को मंजूरी। (19 जुलाई, 2017)

- ➲ नए दिशा-निर्देशों में प्रवासी भारतीयों को संकट की स्थिति में मदद उपलब्ध कराना, उनके लिए सामुदायिक कल्याण कार्य तथा दूतावास सेवाओं को बेहतर बनाने जैसी तीन प्रमुख बातें शामिल हैं।
- ➲ ज्ञातव्य है कि इस कोष की स्थापना प्रवासी भारतीयों को अत्यंत संकट एवं आपात स्थिति में सहायता प्रदान करने हेतु वर्ष 2009 में हुई थी।

❑ भारती एयरटेल और टेलीनॉर इंडिया का विलय

➡ भारती एयरटेल द्वारा टेलीनॉर इंडिया के विलय हेतु भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग से वैधानिक अनुमोदन की प्राप्ति। (6 जून, 2017)

- ➲ इससे पूर्व मई, 2017 में भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI), बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) तथा नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) ने भारती एयरटेल और टेलीनॉर इंडिया के विलय को मंजूरी प्रदान की थी।

➡ विलय के तहत एयरटेल द्वारा टेलीनॉर के भारत में संचालित सात सर्किलों- आंध्र प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, गुजरात, यू.पी. (पूर्व), यू.पी. (पश्चिम) और असम का अधिग्रहण किया जाएगा।

- ➲ इस अधिग्रहण से भारती एयरटेल को 1800 मेगाहर्ट्ज बैंड में 43.4 मेगाहर्ट्ज का अतिरिक्त स्पेक्ट्रम मिल सकेगा।

❑ एनएमसीई और आईसीईएक्स का विलय

➡ नेशनल मल्टी-कमोडिटी एक्सचेंज (NMCE) और इंडियन कमोडिटी एक्सचेंज (ICEX) के बोर्डों द्वारा दोनों एक्सचेजों के विलय से संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी के बाद विलय करने के निर्णय की घोषणा। (3 जुलाई, 2017)

- ➲ विलय के फलस्वरूप यह एमसीएक्स (Multi Commodity Exchange) और एनसीडीईएक्स (National Commodity and Derivatives Exchange) के बाद देश का तीसरा सबसे बड़ा कमोडिटी एक्सचेंज होगा।

➡ विलय की गई इकाई में आईसीईएक्स के शेयरधारकों की हिस्सेदारी 62.8 प्रतिशत जबकि 37.2 प्रतिशत हिस्सेदारी एनएमसीई के शेयर-धारकों की होगी।

❑ कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय का क्षेत्रीय कार्यालय

➡ देहरादून (उत्तराखंड) सचिवालय में भारत सरकार, राज्य सरकार एवं टाटा ट्रस्ट के अधिकारियों की कौशल विकास पर आयोजित बैठक के दौरान भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय का क्षेत्रीय कार्यालय उत्तराखंड में स्थापित करने का निर्णय। (21 जून, 2017)

➲ यह पहला अवसर होगा जब मंत्रालय का क्षेत्रीय कार्यालय दिल्ली से बाहर देश के किसी राज्य में खोला जाएगा।

विधि/न्याय

❑ भारतीय पेट्रोलियम एवं ऊर्जा संस्थान विधेयक, 2017

➡ लोक सभा द्वारा भारतीय पेट्रोलियम एवं ऊर्जा संस्थान विधेयक-2017 पारित। (4 अगस्त, 2017)

➲ राष्ट्रीय महत्व के इस संस्थान का निर्माण विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश में किया जाएगा।

➲ **उद्देश्य**-पेट्रोलियम, हाइड्रोकॉर्बन व ऊर्जा के क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता शिक्षा व अनुसंधान को बढ़ावा देना।

❑ उच्चतम न्यायालय द्वारा दहेज उत्पीड़न मामले में दिशा-निर्देश

➡ उच्चतम न्यायालय द्वारा वर्ष 1983 के दहेज प्रताड़ना निरोधक कानून तथा भारतीय दंड संहिता की धारा 498-ए का दुरुपयोग रोकने के लिए व्यापक दिशा-निर्देश जारी। (27 जुलाई, 2017)

➲ यह निर्देश न्यायमूर्ति ए.के. गोयल और न्यायमूर्ति यू.यू. ललित की पीठ ने जारी किया।

➲ इसके साथ ही उच्चतम न्यायालय ने आईपीसी की धारा 498-ए के तहत दायर दहेज उत्पीड़न के मामलों में पति और उनके परिवार के सदस्यों की तत्काल गिरफ्तारी को समाप्त कर दिया।

➲ अब आईपीसी की धारा 498-ए के तहत मामलों को प्रत्येक जिले में गठित परिवार कल्याण समिति (FWC) के समक्ष भेजा जाएगा।

➲ समिति अपनी रिपोर्ट एक माह में मजिस्ट्रेट या पुलिस को भेजेगी।

➲ समिति की रिपोर्ट के बाद ही जांच अधिकारी (IO) या मजिस्ट्रेट देखेगा कि कार्यवाही की जाए या नहीं।

❑ सिंथेटिक मांझे पर प्रतिबंध

➡ **राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) द्वारा संपूर्ण देश में सिंथेटिक मांझे के प्रयोग पर प्रतिबंध**। (11 जुलाई, 2017)

➲ न्यायमूर्ति स्वतंत्र कुमार की अध्यक्षता वाली पीठ ने सभी राज्य सरकारों को पतंग उड़ाने में प्रयोग किए जाने वाले सिंथेटिक या नायलॉन के धागों और सभी प्रकार के सिंथेटिक धागों से बने मांझों के विनिर्माण, बिक्री, भंडारण, खरीद और इस्तेमाल पर रोक लगाने का निर्देश दिया।

➲ ज्ञातव्य है कि इससे पूर्व एनजीटी ने चीनी मांझे के प्रयोग पर प्रतिबंध लगाया था।

❑ बांग्लादेश : न्यायाधीशों पर महाभियोग का संसद का अधिकार रद्द

➡ बांग्लादेश के उच्चतम न्यायालय ने अपने एक ऐतिहासिक आदेश में शीर्ष अदालत के न्यायाधीशों पर महाभियोग चलाने के लिए संसद को अधिकार प्रदान करने वाले 16वें संविधान संशोधन को अमान्य घोषित किया। (3 जुलाई, 2017)

➲ यह आदेश बांग्लादेश उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सुरेंद्र कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में सात सदस्यीय पीठ ने दिया।

➲ उच्चतम न्यायालय ने अपने आदेश में वर्ष 2014 में पारित संविधान के 16वें संशोधन को अवैध घोषित करने वाले उच्च न्यायालय के आदेश को बरकरार रखा।

➲ उच्च न्यायालय ने मई, 2016 में इस संशोधन को अवैध करार दिया था।

वर्ष/दिवस

❑ विश्व स्तनपान सप्ताह

➡ **तिथि**-1-7 अगस्त, 2017

➲ **मुख्य विषय**- 'Sustaining Breastfeeding Together'।

❑ विश्व हेपेटाइटिस दिवस

➡ **तिथि-28 जुलाई, 2017**

➲ **मुख्य विषय**-'हेपेटाइटिस को खत्म करना' (Eliminate Hepatitis)।

❑ नेल्सन मंडेला अंतरराष्ट्रीय दिवस

➡ **तिथि-18 जुलाई, 2017**

➲ **मुख्य विषय**-'गरीबी के विरुद्ध कार्यवाही' (Action Against Poverty)।

❑ विश्व युवा कौशल दिवस

➡ **तिथि-15 जुलाई, 2017**

➲ **मुख्य विषय**-'भविष्य के कार्य के लिए कौशल' (Skills for the Future of Work)।

❑ विश्व जनसंख्या दिवस

➡ **तिथि-11 जुलाई, 2017**

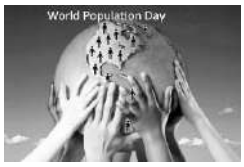

➲ **मुख्य विषय**-'परिवार नियोजन : लोगों का सशक्तीकरण, राष्ट्रों का विकास' (Family Planning : Empowering People, Developing Nations)।

❑ अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस

➡ **तिथि-1 जुलाई, 2017**

➡ **मुख्य विषय**-'सहकारी समितियां सुनिश्चित करें कि कोई भी पीछे न छूटे' (Co-operatives ensure no-one is Left Behind)।

❑ 11वां राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस

➡ **तिथि-29 जून, 2017**

➲ **मुख्य विषय**-'प्रशासनिक सांख्यिकी' (Administrative Statistics)।

➡ इसके अतिरिक्त संयुक्त राष्ट्र विश्व सांख्यिकी दिवस (WSD) प्रत्येक 5 वर्ष पर 20 अक्टूबर को मनाए जाने का निर्णय लिया गया। (3 जून, 2015)

➲ अगला विश्व सांख्यिकी दिवस 20 अक्टूबर, 2020 को मनाया जाएगा।

❑ अंतरराष्ट्रीय नाविक दिवस

➡ **तिथि-25 जून, 2017**

➲ **मुख्य विषय**- नाविकों की समस्या (Seafarers Matter)।

❑ वर्ल्ड हाइड्रोग्राफी डे

➡ **तिथि 21 जून, 2017**

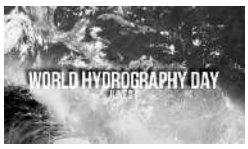

➲ **मुख्य विषय**- हमारे समुद्रों, महासागरों और जलमार्गों का मानचित्रण-पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण' (Mapping our Seas, Oceans and Waterways-More Important than Ever)।

❑ संघर्ष के दौरान यौन हिंसा के उन्मूलन हेतु अंतरराष्ट्रीय दिवस

➡ **तिथि-19 जून, 2017**

➲ **मुख्य विषय-'न्याय और प्रतिरोध के माध्यम से यौन हिंसा के अपराधों को रोकना'** (Preventing Sexual Violence Crimes through Justice and Deterrence)।

❑ मादक-द्रव्य दुरुपयोग और अवैध व्यापार के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय दिवस

➡ **तिथि-26 जून, 2017**

❑ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

➡ **तिथि-21 जून, 2017**

➲ मुख्य विषय-'स्वास्थ्य के लिए योग' (Yoga for Health)।

❑ विश्व शरणार्थी दिवस

➡ **तिथि-20 जून, 2017**

➲ **उद्देश्य**-संपूर्ण विश्व में शरणार्थियों की स्थिति के बारे में जागरूकता बढ़ाना।

❑ बंजर भूमि एवं सूखे से मुकाबले हेतु विश्व दिवस

➡ **तिथि-17 जून, 2017**

➲ **मुख्य विषय**- हमारी जमीन। हमारा घर। हमारा भविष्य' (Our land. Our Home. Our Future)।

❑ विश्व रक्तदाता दिवस

➡ **तिथि-14 जून, 2017**

➲ **स्लोगन**-'आप क्या कर सकते हैं? रक्तदान करें। अभी करें। प्रायः करें। (What Can you do? Give Blood. Give Now. Give Often)।

❑ विश्व बाल श्रम निषेध दिवस

➡ **तिथि-12 जून, 2017**

➲ **मुख्य विषय**- 'संघर्षों और आपदाओं में, बालश्रम से बच्चों को सुरक्षित रखें'। (In Conflicts and Disasters, Protect Children from Child Labour)।

पुस्तकें

- **एडवाइस एंड डिसेंट : माई लाइफ इन पब्लिक सर्विस** - वाई.वी. रेड्डी
- **द इमर्जेंसी : इंडियन डेमोक्रेसीज डार्केस्ट ऑवर** - ए. सूर्य प्रकाश
- **द मेकिंग ऑफ ए लीजेंड** - बिंदेश्वर पाठक
- **प्रेसीडेंट'स लेडी (प्रणबेर प्रेयोसी)** - संगीता घोष
- **व्हाट हैपेंड** - हिलेरी क्लिंटन
- **चेसिंग एक्सीलेंस : ए स्टोरी एबाउट बिल्डिंग द वर्ल्ड'स फिटेस्ट एथलीट्स** - बेन बर्गेरॉन
- **डेंजरस** - मिलो यिआनोपोल्स
- **द लेट शो** - माइकल कोनेली
- **डेविल्स बार्बेन : स्टीव बैनन, डोनाल्ड ट्रंप एंड द स्टॉर्मिंग ऑफ द प्रेसिडेंसी** - जोशुआ ग्रीन

- **द लाइंग गेम : ए नॉवेल** - रूथ वेयर
- **बिहाइंड क्लोज्ड डोर्स : ए नॉवेल** - बी.ए. पेरिस
- **द बिग लाई : एक्सपोजिंग द नाजी रूट्स ऑफ द अमेरिकन लेफ्ट** - दिनेश डी सूजा
- **ए माइंड एट प्ले : हाउ क्लाउड शैनन इन्वेंटेड द इंफार्मेशन एज** - जिम्मी सोनी, रॉब गुडमैन
- **पैराडाइज वैली : ए नॉवेल** - सी. जे. बॉक्स
- **द ट्रंप प्राफिसीज : द एस्टॉनिशिंग ट्रू स्टोरी ऑफ द मैन हू सॉ टुमारो .... एंड व्हाट ही सेज इज कमिंग नेक्स्ट** - मार्क टेलर, मेरी काल्बर्ट
- **गो निट्रो : राइज ऑफ द ब्लेड्स** - जेरेमी एन. डूले
- **इन आल सीजंस, फॉर ऑल रीजंस : प्रेयिंग थ्रूआउट द ईयर** -जेम्स मार्टिन एसजे
- **कान्वर्सेशन विथ फ्रेंड्स : ए नॉवेल** - सैली रूनी
- **गर्ल कोड : अनलॉकिंग द सीक्रेट्स टू सक्सेज, सैनिटी एंड हैप्पीनेस फॉर द फीमेल आंत्रप्रिन्योर** - कारा एलविल लेबा
- **द चिकेनशिट क्लब : व्हाई द जस्टिस डिपार्टमेंट फेल्स टू प्रोसिक्यूट एक्सेक्यूटिव्स** - जेसी आसिंगर
- **द व्हिसलर : ए नॉवेल** - जॉन ग्रिशम
- **लेस : ए नॉवेल** - एंड्रू सीन ग्रीर
- **बैटलफ्रांट II : इनफेर्नो स्काएड (स्टार वार्स)** - क्रिस्टी गोल्डेन
- **इंडिया 2017 ईयर बुक** - राजीव महर्षि
- **इंदिरा : इंडिया'ज मोस्ट पॉवरफुल प्राइम मिनिस्टर** - सागरिका घोष
- **स्नफिंग आउट द मून-** ओसामा सिद्दीकी
- **राइजिंग टाइड्स : क्लाइमेट रिफ्यूजीस इन द ट्वेंटी-फर्स्ट सेंचुरी** - जॉन आर. वेनर्स्टेन और डेनिस रॉबिंस

विविध

❑ विश्व की पहली ग्रीन मेट्रो

➡ भारतीय ग्रीन बिल्डिंग परिषद (IGBC) द्वारा ग्रीन बिल्डिंग मानदंडों के अनुपालन हेतु दिल्ली मेट्रो को ग्रीन प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। (28 जुलाई, 2017)

➲ दिल्ली मेट्रो विश्व की पहली मेट्रो है जिसे इसकी प्रमुख इमारतों और प्रतिष्ठानों के लिए ग्रीन प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया है।

❑ उपभोक्ता संतुष्टि सूचकांक सर्वेक्षण, 2017

➡ भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI) द्वारा गठित एक स्वतंत्र एजेंसी द्वारा किए गए उपभोक्ता संतुष्टि सूचकांक सर्वेक्षण में रायपुर (छत्तीसगढ़) के **स्वामी विवेकानंद हवाई अड्डे को लगातार तीसरी बार प्रथम स्थान (4.84 अंक)** प्राप्त हुआ। (14 जुलाई, 2017)

➲ इसके पश्चात **उदयपुर हवाई अड्डा दूसरे स्थान** पर, **अमृतसर हवाई अड्डा तीसरे स्थान** पर तथा **देहरादून हवाई अड्डा चौथे स्थान** पर रहा।

➲ जनवरी से जून, 2017 की अवधि के दौरान हुए इस सर्वेक्षण में देश भर के 49 हवाई अड्डों को शामिल किया गया था।

❑ पहली सौर ऊर्जा से संचालित डेमू ट्रेन

➡ केंद्रीय रेल मंत्री सुरेश प्रभाकर प्रभु द्वारा **सफदरजंग रेलवे स्टेशन, नई दिल्ली में देश की पहली सौर ऊर्जा से संचालित डिब्बों वाली डेमू** (DEMU: Diesel Electrical Multiple Unit) ट्रेन राष्ट्र को समर्पित। (14 जुलाई, 2017)

➲ यह ट्रेन दिल्ली के **सराय रोहिल्ला स्टेशन** से हरियाणा के **फारूख नगर स्टेशन** तक चलेगी।

➡ ट्रेन के डिब्बों में सोलर पैनल लगे हैं, जिससे मिलने वाली ऊर्जा से गाड़ी के डिब्बों में प्रकाश व्यवस्था एवं पंखों के संचालन के साथ-साथ विद्युत ऊर्जा का संचयन (बैट्री) किया जाएगा।

➲ इसके द्वारा प्रति वर्ष प्रति कोच (डिब्बे) से 9 टन कार्बन डाईऑक्साइड का उत्सर्जन कम किया जा सकेगा।

❑ पहला प्रौद्योगिकी और नवाचार सहायता केंद्र

➡ देश का पहला प्रौद्योगिकी और नवाचार सहायता केंद्र (Technology and Innovation Support Centre : TISC) पंजाब में स्थापित किया जाएगा। (13 जुलाई, 2017)

➲ इस हेतु औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग (DIPP) ने पंजाब राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद के साथ एक संस्थागत समझौते पर हस्ताक्षर किया।

➲ यह केंद्र पंजाब के पेटेंट सूचना केंद्र में विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (WIPO) के प्रौद्योगिकी और नवाचार सहायता केंद्र कार्यक्रम के तहत स्थापित किया जाएगा।

❑ पहली सौर संयंत्र वाली लौह अयस्क खान

➡ जमशेदपुर स्थित टाटा स्टील की **नोवामुंडी खान देश की पहली सौर संयंत्र वाली लौह अयस्क खान** बनी। (10 जुलाई, 2017)

➡ टाटा स्टील कंपनी ने नोवामुंडी में **3 मेगावॉट सोलर पॉवर प्लांट का शुभारंभ किया**।

➡ इस सोलर फोटोवोल्टेइक पॉवर प्लांट से प्रतिवर्ष 3000 टन कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी।

❑ जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में भारत एक अग्रणी देश : विश्व बैंक

➡ विश्व बैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार, लोगों को वर्ष 2030 तक 24 घंटे बिजली उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु सौर ऊर्जा के प्रति प्रतिबद्धता, नवोन्मेषी समाधान और ऊर्जा दक्षता पहलों के साथ भारत जलवायु परिवर्तन के खिलाफ वैश्विक संघर्ष में एक अग्रणी देश के रूप में उभर रहा है। (जुलाई, 2017)

- ➲ एशियाई देशों में ऊर्जा के स्रोत के रूप में कोयले के स्थान पर सौर ऊर्जा उपयोग में निरंतर वृद्धि हो रही है।
- ➲ सौर फोटोवोल्टेइक संयंत्र से बिजली पैदा करने की लागत वर्ष 2009 की तुलना वर्तमान में एक-चौथाई कम हुई है और वर्ष 2040 तक इसमें 66 प्रतिशत की और कमी आने की संभावना है।
- ➲ भारत सरकार ने वर्ष 2022 तक पवन चक्की और सौर ऊर्जा से 160 गीगावॉट बिजली पैदा करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है।

❑ ब्रिटेन में सर्वाधिक निवेश करने वाले शीर्ष 4 देश

➡ जुलाई, 2017 में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, ब्रिटेन में निवेश करने वाले देशों की सूची में भारत चौथे स्थान पर है।

- ➲ भारत ने विगत वर्ष ब्रिटेन में 127 नई परियोजनाएं स्थापित की जिसके परिणामस्वरूप 7,645 मौजूदा नौकरियों को सुरक्षित किया तथा वर्ष 2016-17 में 3,999 नई नौकरियों को सृजित किया।
- ➲ ब्रिटेन में निवेश करने वाले देशों की सूची में शीर्ष तीन देश- अमेरिका, चीन और फ्रांस हैं।

❑ पूर्णतः स्वचालित डिजिटल बैंकिंग सेवा

➡ स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की एक सहायक कंपनी नेपाल एसबीआई द्वारा नेपाल की राजधानी काठमांडू में पूर्णत: स्वचालित डिजिटल बैंकिंग सेवा का शुभारंभ। (7 जुलाई, 2017)

- ➲ यह पहली बार है जब स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने भारत के बाहर पेपरलेस बैंकिंग सिस्टम का विस्तार किया है।
- ➲ डिजिटल बैंकिंग में विभिन्न सेवाएं जैसे नकदी जमा, नए खाते खोलना, डेबिट कार्ड का वितरण, एटीएम और स्क्रीन पर स्पर्श के द्वारा ऑनलाइन बैंकिंग जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

❑ जमात-उल-अहरार

➡ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने जमात-उल-अहरार को प्रतिबंधित संगठनों की सूची में शामिल किया। (6 जुलाई, 2017)

- ➲ यह लालापुर, नंगरहर प्रांत अफगानिस्तान में स्थित तहरीक-ए तालिबान पाकिस्तान (TTP) का छद्म आतंकवादी संगठन है।
- ➲ इस प्रतिबंध के कारण अब इस संगठन की विश्व में कहीं भी स्थित परिसंपत्तियों और बैंक खातों को जब्त किया जा सकता है।

❑ गूगल पर जुर्माना

➡ यूरोपियन यूनियन के एंटी ट्रस्ट रेग्यूलेट्र्स ने लब्ध प्रतिष्ठित सर्च इंजन गूगल पर भरोसे के हनन के लिए रिकॉर्ड 2.42 बिलियन यूरो (2.7 बिलियन डॉलर) का जुर्माना लगाया। (27 जून, 2017)

- ➲ यूरोपीय यूनियन में 'एंटी ट्रस्ट केस' के तहत किसी कंपनी पर इतना बड़ा जुर्माना पहली बार लगाया गया है।
- ➲ गूगल पर सर्च रिजल्ट्स में गड़बड़ी करने का आरोप है।

❑ नम्र मिसाइल

➡ पाकिस्तान द्वारा सतह से सतह पर मार करने में सक्षम (मारक क्षमता 60-70 किमी.) बैलिस्टिक मिसाइल नम्र (हल्फ-9) का सफल परीक्षण। (5 जुलाई, 2017)

➡ यह मिसाइल त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली से लैस है।

❑ हाइजैकिंग रोधी कानून

➡ देश का नया हाइजैकिंग रोधी कानून (विमान अपहरणरोधी कानून) एक सरकारी अधिसूचना के बाद लागू। (5 जुलाई, 2017)

- ➲ इस कानून के तहत हाइजैकिंग में किसी भी व्यक्ति की मृत्यु की स्थिति में दोषियों को मृत्युदंड देने का प्रावधान है।
- ➲ यह विमान अपहरणरोधी अधिनियम, 1982 की जगह लेगा।

❑ जम्मू-कश्मीर में जीएसटी विधेयक पारित

➡ जम्मू-कश्मीर विधान सभा में वस्तु एवं सेवा कर (GST) विधेयक पारित। (5 जुलाई, 2017)

- ➲ यह बिल पारित करने वाला जम्मू-कश्मीर देश का अंतिम राज्य है।
- ➲ 8 जुलाई, 2017 से जम्मू-कश्मीर में जीएसटी लागू हुआ।

❑ 'एलेवेट 100'

➡ सूचना प्रौद्योगिकी एवं बायोटेक्नोलॉजी विभाग, कर्नाटक सरकार द्वारा स्टार्टअप्स के लिए एक व्यापक उद्यमशीलता मंच प्रदान करने हेतु 'एलेवेट 100' पहल का शुभारंभ। (5 जुलाई, 2017)

➲ इसके लिए प्रतिस्पर्धा के माध्यम से 100 सर्वश्रेष्ठ तकनीकी आधारित स्टार्टअप्स का चयन किया जाएगा।

➡ इस पहल के लिए 400 करोड़ रुपये का सरकारी फंड निर्धारित किया गया है, जो कि स्टार्टअप्स के लिए किसी भी राज्य सरकार द्वारा दिए जाने वाला सबसे बड़ा फंड है।

➡ इसके माध्यम से चुने गए 100 स्टार्टअप्स को सफलता के अगले स्तर तक पहुंचाने में सहायता दी जाएगी।

❑ स्पेशल राइनो प्रोटेक्शन फोर्स

➡ असम सरकार ने राज्य में एक सींग वाले गैंडों की बेहतर सुरक्षा के लिए एक स्पेशल राइनो प्रोटेक्शन फोर्स के गठन से संबंधित प्रस्ताव पर मंजूरी प्रदान की। (3 जुलाई, 2017)

➲ असम सरकार इस कार्यक्रम का आयोजन वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर और इंटरनेशनल राइनो फाउंडेशन के सहयोग से कर रही है।

➲ **उद्देश्य**-वर्ष 2020 तक असम में जंगली गैंडों की संख्या को 3000 तक पहुंचाना।

➡ एक सींग वाले गैंडे एशियन राइनो की सबसे बड़ी प्रजाति है।

❑ बिक्री कर भवन का नाम परिवर्तित

➡ देश में नई कर व्यवस्था लागू होने के साथ ही महाराष्ट्र सरकार के बिक्री कर विभाग के मुख्यालय (बिक्री कर भवन) का नाम परिवर्तित कर **जीएसटी भवन** कर दिया गया। (1 जुलाई, 2017)

➲ महाराष्ट्र के वित्त मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने जीएसटी को 'गरीबों की सेवा करने वाला कर' के रूप में परिभाषित किया।

❑ भारत द्वारा संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना कोष में योगदान

➡ भारत द्वारा संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना कोष में 5 लाख डॉलर का योगदान। (जुलाई, 2017)

➲ भारत ने अभी तक इस स्थापना कोष में कुल 50 लाख डॉलर राशि का योगदान किया है।

➲ इस कोष का प्रारंभ संघर्षग्रस्त देशों में शांति स्थापित करने के उद्देश्य से संगठनों, गतिविधियों और कार्रवाइयों को समर्थन देने के लिए किया गया था।

➡ वर्ष 2005 में शांति स्थापना आयोग की शुरुआत से ही भारत इसका सदस्य है।

❑ नया सबमरीन केबल सिस्टम

➡ भारत की सबसे बड़ी 4जी (4G) और मोबाइल ब्रॉडबैंड डिजिटल सेवा प्रदाता रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड द्वारा एशिया-अफ्रीका- यूरोप (AAE-1) सबमरीन केबल सिस्टम लांच किया गया। (29 जून, 2017)

➲ इस सिस्टम के अंतर्गत 25000 किमी. से अधिक लंबी केबल फ्रांस के मार्सिलो से लेकर हांगकांग तक बिछाई जाएगी।

❑ जंबो एलपीजी सिलेंडर

➡ इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन द्वारा भारतीय बाजार में 450 किग्रा. वजनी इंडेन जंबो एलपीजी सिलेंडर (मिनी बल्क) कोयंबटूर में लांच। (3 जुलाई, 2017)

➡ इस सिलेंडर के उपयोग हेतु लाइसेंस आवश्यक नहीं है।

❑ जेल बंदियों को कानूनी सेवाएं देने हेतु वेब एप्लीकेशन

➡ नई दिल्ली स्थित भारतीय विधि संस्थान में आयोजित सम्मेलन में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश और राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण (NALSA) के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति दीपक मिश्रा द्वारा जेल बंदियों को मुफ्त कानूनी सेवाएं प्रदान करने हेतु वेब एप्लीकेशन और एनआईसी के माध्यम से विकसित कानूनी सेवा प्रबंधन प्रणाली का शुभारंभ। (28 जून, 2017)

❑ मोबाइल ऐप 'सेलीब्रेटिंग योगा'

➡ विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा विकसित मोबाइल ऐप 'सेलीब्रेटिंग योगा' का नई दिल्ली में शुभारंभ। (19 जून, 2017)

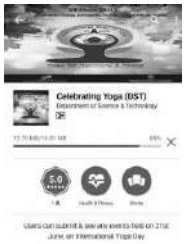

➲ **उद्देश्य**-स्वस्थ जीवन हेतु लोगों के मध्य योग को लोकप्रिय बनाना तथा योग में उनकी भागीदारी बढ़ाने हेतु प्रोत्साहित करना।

❑ एटीएम परिचालन के 50 वर्ष

➡ भारत में जन्मे जॉन शेफर्ड बैरोन और उनकी इंजीनियरिंग टीम द्वारा विकसित एटीएम अर्थात ऑटोमेटेड टेलर मशीन ने अपने परिचालन के 50 वर्ष पूरे किए। (27 जून, 2017)

- ➲ 27 जून, 1967 को लंदन के इनफील्ड कस्बे में विश्व का पहला एटीम शुरू हुआ था।
- ➲ इस मशीन को बार्क्लेज बैंक ने इनफील्ड शाखा में स्थापित किया था।
- ➲ भारत में पहला एटीएम वर्ष 1987 में शुरू हुआ था। इसे हांग-कांग एंड शंघाई बैंकिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड (HSBC) ने मुंबई स्थित अपनी शाखा में स्थापित किया था।

❑ असम स्टेट पब्लिक फाइनेंस इंस्टीट्यूशनल रिफॉर्म्स

➡ विश्व बैंक (अंतरराष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक) के निदेशक मंडल द्वारा असम स्टेट पब्लिक फाइनेंस इंस्टीट्यूशनल रिफॉर्म्स (ASPIRe) परियोजना हेतु 35 मिलियन डॉलर की ऋण सहायता राशि को मंजूरी। (15 जून, 2017)

- ➲ इस परियोजना का लक्ष्य असम में कर प्रशासन में दक्षता व बजट निष्पादन में पूर्वानुमान और पारदर्शिता में सुधार लाना है।
- ➲ परियोजना की पूर्णता अवधि 5 वर्ष है।

❑ सर्वे ऑफ इंडिया की 250वीं वर्षगांठ

➡ संचार मंत्री मनोज सिन्हा द्वारा सर्वे ऑफ इंडिया की 250वीं वर्षगांठ के अवसर पर दो स्मारक डाक टिकट तथा एक लघु चित्र जारी। (22 जून, 2017)

- ➲ सर्वे ऑफ इंडिया का आदर्श वाक्य 'सेतु हिमाचलम- कन्याकुमारी से हिमालय तक' है। इसका मुख्यालय देहरादून में है।
- ➲ भारतीय सर्वेक्षण विभाग (Survey of India) का गठन 1767 ई. में किया गया था।
- ➲ सर्वे ऑफ इंडिया को भारत के पहले डाक टिकट तथा संविधान की पहली प्रति छापने का विशिष्ट सम्मान प्राप्त है।

❑ अमेरिका द्वारा भारत को मानवरहित ड्रोनों की बिक्री

➡ अमेरिका द्वारा भारत को 22 मानवरहित गार्जियन ड्रोनों की बिक्री को मंजूरी। (22 जून, 2017)

- ➲ इन ड्रोनों को यूएस सेना में एमक्यू-9 बी (MQ-9B) नाम दिया गया है।

❑ चीन की पहली अंतरिक्ष दूरबीन

➡ चीन द्वारा गोबी रेगिस्तान में स्थित जियुकुआन उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से लांग मार्च-4 बी रॉकेट से 2.5 टन वजनी इन्साइट नामक हार्ड एक्सरे मॉड्यूलेशन टेलिस्कोप (HXMT) सफलतापूर्वक प्रक्षेपित। (15 जून, 2017)

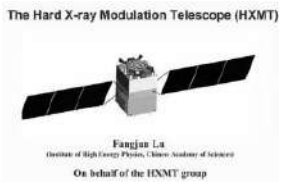

- ➲ यह चीन द्वारा लांच पहली एक्सरे अंतरिक्ष दूरबीन है।
- ➲ इसके माध्यम से वैज्ञानिकों को ब्लैक होल के विकास और न्यूट्रॉन तारों तथा गामा किरणों के विस्फोट के बारे में जानकारी प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

❑ 14411 मददगार हेल्पलाइन

➡ जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल एन.एन. वोहरा द्वारा टोल फ्री हेल्पलाइन '14411 मददगार' का श्रीनगर में औपचारिक शुभारंभ। (16 जून, 2017)

- ➲ यह हेल्पलाइन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) द्वारा कश्मीरी नागरिकों (कश्मीर या देश के किसी दूसरे भाग में निवासरत) के लिए शुरू की गई है।

❑ मोबाइल ऐप 'जन-मनरेगा'

➡ ग्रामीण विकास मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर द्वारा मनरेगा पर एक नागरिक केंद्रित मोबाइल ऐप जन-मनरेगा का शुभारंभ। (19 जून, 2017)

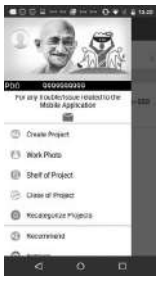

- ➲ इस ऐप के माध्यम से मनरेगा कार्यक्रम से संबंधित विभिन्न पहलुओं की जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

❑ एअर इंडिया के विनिवेश को सैद्धांतिक मंजूरी

➡ आर्थिक मामलों पर मंत्रिमंडलीय समिति द्वारा एअर इंडिया और उसकी पांच सहायक कंपनियों के विनिवेश संबंधी प्रस्ताव को सैद्धांतिक मंजूरी। (28 जून, 2017)

- ➲ विनिवेश की प्रक्रिया के संदर्भ में मंत्रियों का एक समूह गठित किया जाएगा, जो विनिवेश की प्रक्रिया तय करेगा।
- ➲ हाल ही में नीति आयोग द्वारा एअर इंडिया के पूर्ण निजीकरण का सुझाव दिया गया था।

टेनिस

❑ विम्बलडन, 2017

➡ वर्ष 2017 की तीसरी ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिता '**विम्बलडन चैंपियनशिप, 2017**' ऑल इंग्लैंड लॉन टेनिस क्लब, लंदन (यू.के.) में संपन्न। (3-16 जुलाई, 2017)

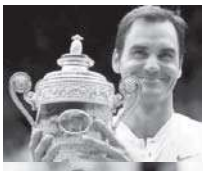

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **पुरुष एकल**

विजेता - रोजर फेडरर (स्विट्जरलैंड)

उपविजेता - मारिन सिलिक (क्रोएशिया)

➲ **महिला एकल**

विजेता - गार्बिने मुगुरूजा (स्पेन)

उपविजेता - वीनस विलियम्स (अमेरिका)

➲ **पुरुष युगल**

विजेता - लुकास कुबोत (पोलैंड) एवं **मार्सेलो मेलो** (ब्राजील)

उपविजेता - ओलिवर माराच (ऑस्ट्रिया) एवं मेट पाविक (क्रोएशिया)

➲ **महिला युगल**

विजेता - कैटरीना माकारोवा एवं **एलेना वेस्नीना** (दोनों रूस)

उपविजेता - चान हाओ-चिंग (चीनी ताइपे) एवं मोनिका निकुलेस्कु (रोमानिया)

➲ **मिश्रित युगल**

विजेता - जेमी मरे (ब्रिटेन) एवं **मार्टिना हिंगिस** (स्विट्जरलैंड)

उपविजेता - हेनरी कोंटीनेन (फिनलैंड) एवं हीथर वाटसन (ब्रिटेन)

➡ फेडरर का यह **रिकॉर्ड 8वां** विम्बलडन एवं कुल 19वीं ग्रैंड स्लैम पुरुष एकल खिताब है।

➲ इसके साथ ही फेडरर ने ओपन युग (1968 से प्रारंभ) में **पीट संप्रास** (अमेरिका) के सर्वाधिक विम्बलडन खिताब (7) जीतने के रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया।

➡ यह ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट फेडरर ने बिना कोई सेट गंवाए (हारे) जीता।

➲ ओपन युग में बिना कोई सेट गंवाए विम्बलडन चैंपियनशिप जीतने वालों में स्वीडन के ब्योर्न बोर्ग (1976) भी शामिल हैं।

➡ फेडरर के 19 ग्रैंड स्लैम पुरुष एकल खिताबों में **8 विम्बलडन, 5 यूएस ओपन, 5 ऑस्ट्रेलियन ओपन** तथा **1 फ्रेंच ओपन** खिताब शामिल है।

➡ इस जीत के साथ फेडरर ओपन युग में विम्बलडन खिताब जीतने वाले **सबसे उम्रदराज पुरुष खिलाड़ी** (35 वर्ष, 342 दिन) बन गए।

➲ फेडरर ने अपने **आठवें विम्बलडन खिताब को पूर्व ब्रिटिश टेनिस खिलाड़ी आर्थर गोर (मृत्यु- 1928) को समर्पित किया**। (30 जुलाई, 2017)

➡ कोंचिता मार्टिनेज (1994) के बाद गार्बिने मुगुरूजा विम्बलडन का महिला एकल खिताब जीतने वाली दूसरी स्पेनिश खिलाड़ी बनीं।

➲ यह मुगुरूजा का दूसरा ग्रैंड स्लैम एकल खिताब है। इससे पूर्व इन्होंने वर्ष 2016 के फ्रेंच ओपन फाइनल में सेरेना विलियम्स को पराजित कर अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था।

➡ महिला युगल मुकाबला **माकारोवा एवं वेस्नीना** की जोड़ी ने 6-0, 6-0 (Double Bagel) से जीता।

➲ वर्ष 1953 के बाद विम्बलडन महिला युगल फाइनल में यह पहला **'डबल बैगल'** परिणाम है।

➲ वर्ष 1953 में विम्बलडन महिला युगल का खिताब **शिरले फ्राई और डोरिस हार्ट** की अमेरिकी जोड़ी ने 6-0, 6-0 से जीता था।

➲ ज्ञातव्य है कि टेनिस शब्दावली में एक सेट 6-0 से जीतना 'बैगल' (Bagel) कहा जाता है।

❑ विनेटका चैलेंजर, 2017

➡ ATP '**चैलेंजर टूर, 2017**' की नीएल्सन प्रो टेनिस चैंपियनशिप विनेटका (अमेरिका) में संपन्न। (11-16 जुलाई, 2017)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **पुरुष एकल**

विजेता - अकिरा सांतीलान (ऑस्ट्रेलिया)

उपविजेता - रामकुमार रामनाथन (भारत)

❑ नाईमान ITF प्रो सर्किट टूर्नामेंट

➡ नाईमान ITF प्रो सर्किट महिला टूर्नामेंट चीन में संपन्न। (10-16 जुलाई, 2017)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **महिला एकल**

विजेता - लु जिंग-जिंग (चीन)

उपविजेता - करमान कौर थांडी (भारत)

❑ एगॉन इंटरनेशनल, 2017

➡ ईस्टबोर्न, ब्रिटेन में संपन्न। (26 जून - 1 जुलाई, 2017)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **पुरुष एकल**

विजेता - नोवाक जोकोविक (सर्बिया)

उपविजेता - गेल मोनफिल्स (फ्रांस)

➲ **महिला एकल**

विजेता - कैरोलीना प्लिसकोवा (चेक गणराज्य)

उपविजेता - कैरोलिन वोजनिआकी (डेनमार्क)

➲ **पुरुष युगल**

विजेता - बॉब एवं **माइक ब्रायन** (दोनों अमेरिका)

उपविजेता - रोहन बोपन्ना (भारत) एवं आंद्रे सा (ब्राजील)

➲ **महिला युगल**

विजेता - चान युंग-जान (चीनी ताइपे) एवं **मार्टिना हिंगिस** (स्विट्जरलैंड)

उपविजेता - एशलेघ बार्टी एवं केसी डेलाकुआ (दोनों ऑस्ट्रेलिया)

❑ गैरी वेबर ओपन , 2017

➡ हाले, जर्मनी मे संपन्न। (19-25 जून, 2017)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **पुरुष एकल**

विजेता - रोजर फेडरर (स्विट्जरलैंड)

उपविजेता - अलेक्जेंडर ज्वेरेव (जर्मनी)

➲ **पुरुष युगल**

विजेता - लुकास कुबोत (पोलैंड) एवं **मार्सेलो मेलो** (ब्राजील)

उपविजेता - अलेक्जेंडर एवं मिस्चा ज्वेरेव (दोनों जर्मनी)

क्रिकेट

❑ ICC महिला विश्व कप, 2017

➡ ICC महिला क्रिकेट विश्व कप, 2017 (11वां संस्करण) संपन्न। (24 जून - 23 जुलाई, 2017)

➡ **मेजबान** - इंग्लैंड एवं वेल्स

➡ **प्रतिभागी टीमें (8) -** इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, भारत, दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज, श्रीलंका एवं पाकिस्तान।

➡ महिला क्रिकेट जगत की सबसे उम्रदराज खिलाड़ी **एलीन वेलान** (इंग्लैंड, 105 वर्ष) ने लार्ड्स क्रिकेट स्टेडियम में घंटी बजाकर विश्व कप के फाइनल मैच की शुरुआत करने की परंपरा निभाई।

➡ मेजबान **इंग्लैंड** ने फाइनल (लार्ड्स, लंदन) में भारत को 9 रन से पराजित कर चौथी बार विश्व कप का खिताब जीत लिया।

➡ **प्लेयर ऑफ द मैच** - (फाइनल) - **अन्या श्रुबसोले** (6 विकेट, 46 रन, 9.4 ओवर)

➲ श्रुबसोले ICC एकदिवसीय क्रिकेट विश्व कप के फाइनल में 6 विकेट प्राप्त करने वाली विश्व की एकमात्र गेंदबाज बन गईं।

➡ **प्लेयर ऑफ द सीरीज - टैमी ब्यूमोंट** (इंग्लैंड), टूर्नामेंट में सर्वाधिक 410 रन।

➡ इंग्लैंड की टीम की कप्तान हीथर नाइट तथा भारत की कप्तान मिताली राज थीं।

➡ ग्रुप चरण के एक मैच में इंग्लैंड की **टैमी ब्यूमोंट और साराह टेलर** ने द. अफ्रीका के **विरुद्ध 275 रनों की साझेदारी** की।

➲ महिला क्रिकेट विश्व कप में यह किसी भी विकेट के लिए अब तक की उच्चतम साझेदारी है।

➡ **मिताली राज** ने ग्रुप चरण के एक मैच के दौरान ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध खेलते हुए इंग्लैंड के चार्लोट एडवर्ड्स के एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में सर्वाधिक 5992 रनों के रिकॉर्ड को तोड़कर 6000 रनों का आंकड़ा पार किया और ऐसा करने वाली प्रथम महिला खिलाड़ी बन गईं।

➡ भारत की **हरमनप्रीत कौर** ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध **नाबाद 171 रनों की पारी खेली।**

➲ यह महिला विश्व कप के नॉकआउट चरण में अब तक का उच्चतम व्यक्तिगत स्कोर है।

➲ साथ ही यह महिला विश्व कप में किसी भारतीय खिलाड़ी का उच्चतम व्यक्तिगत स्कोर भी है।

➡ **महिला विश्व कप, 2017 : मुख्य तथ्य**

➲ **सर्वाधिक रन -** 410, टैमी ब्यूमोंट (इंग्लैंड)

➲ **सर्वाधिक शतक -** 2, नताली स्काइवर (इंग्लैंड)

➲ **सर्वाधिक अर्द्धशतक -** 5, एलिस पैरी (ऑस्ट्रेलिया)

➲ **सर्वाधिक चौके -** 54, टैमी ब्यूमोंट एवं साराह टेलर (दोनों इंग्लैंड)

➲ **सर्वाधिक छक्के -** 12, लिजिले ली (द. अफ्रीका)

➲ **उच्च स्कोर (व्यक्तिगत) -** 178, (नाबाद), चमारी अटापट्टू (श्रीलंका)

➲ **सर्वाधिक विकेट-** 15, डैन वैन निएकर्क (द. अफ्रीका)

➲ **सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन (एक पारी में) -** 6 विकेट, 46 रन, 9.4 ओवर; अन्या श्रुबसोले (इंग्लैंड), भारत के विरुद्ध

➲ **उच्चतम टीम स्कोर** - 377, इंग्लैंड (पाकिस्तान के विरुद्ध)

➲ **न्यूनतम टीम स्कोर** - 48, वेस्टइंडीज (द. अफ्रीका के विरुद्ध)

➡ 12वां ICC महिला विश्व कप वर्ष 2021 में न्यूजीलैंड की मेजबानी में आयोजित किया जाएगा।

➡ 24 जुलाई, 2017 को ICC द्वारा घोषित वर्ष 2017 की महिला विश्व कप टीम का कप्तान, **भारतीय महिला टीम की कप्तान मिताली राज** को चुना गया है।

➡ इस टीम में शामिल दो अन्य भारतीय हैं- हरमनप्रीत कौर एवं दीप्ति शर्मा।

➡ इंग्लैंड की साराह टेलर को टीम का **विकेटकीपर** और **नताली स्काइवर** को टीम का 12वां खिलाड़ी चुना गया है।

❑ भारतीय क्रिकेट टीम का वेस्टइंडीज दौरा

➡ भारतीय क्रिकेट टीम के वेस्टइंडीज दौरे के दौरान 5 एकदिवसीय मैचों की शृंखला तथा एक ट्वेंटी-20 मैच का आयोजन हुआ।(23 जून - 9 जुलाई, 2017)

➡ भारत ने एकदिवसीय शृंखला (सीग्राम्स रॉयल स्टैग मेगा क्रिकेट कप) 3-1 से जीत ली।

➲ शृंखला का पहला मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था।

➲ **प्लेयर ऑफ द सीरीज - अजिंक्य रहाणे (भारत)**, शृंखला में सर्वाधिक 336 रन।

➲ **शृंखला में सर्वाधिक विकेट-** जेसन होल्डर (वेस्टइंडीज) एवं कुलदीप यादव (भारत) (दोनों 8-8 विकेट)।

➲ एकदिवसीय शृंखला में भारत के **कप्तान विराट कोहली एवं वेस्टइंडीज के कप्तान जेसन होल्डर** रहे।

➲ एकमात्र ट्वेंटी-20 मैच वेस्टइंडीज (कप्तान - कार्लोस ब्रैथवेट) ने 9 विकेट से जीत लिया।

❑ जिम्बाब्वे-श्रीलंका एकदिवसीय शृंखला, 2017

➡ जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम के श्रीलंका दौरे के दौरान दोनों देशों की क्रिकेट टीमों के मध्य पांच एकदिवसीय मैचों की शृंखला संपन्न। (30 जून - 10 जुलाई, 2017)

➡ जिम्बाब्वे (कप्तान - ग्रीएम क्रेमर) ने एकदिवसीय शृंखला 3-2 से जीत ली।

➲ **प्लेयर ऑफ द सीरीज - हैमिल्टन मसाकद्जा** (जिम्बाब्वे)

➲ जिम्बाब्वे ने श्रीलंका के विरुद्ध पहली बार कोई शृंखला जीती है।

➲ यह पहला अवसर है जब जिम्बाब्वे ने विदेशी धरती पर 5 एकदिवसीय मैचों की शृंखला जीती है।

❑ आयरलैंड-अफगानिस्तान को ICC की पूर्ण सदस्यता

International Cricket Council

➡ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने **आयरलैंड एवं अफगानिस्तान** को पूर्ण सदस्य (Full Member) का दर्जा प्रदान किया। (22 जून, 2017)

➡ यह दर्जा प्राप्त होने के बाद आयरलैंड एवं अफगानिस्तान क्रमश: 11वीं एवं 12वीं टेस्ट मैच खेलने वाली टीमें होंगी।

➲ इससे पूर्व वर्ष 2000 में बांग्लादेश ICC का 10वां पूर्ण सदस्य देश बना था।

➲ ICC (स्थापना-1909) के अन्य पूर्ण सदस्य देशों की सूची : - **संस्थापक सदस्य -** इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया एवं द. अफ्रीका (1909) **अन्य पूर्ण सदस्य -** भारत, न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज (1926), पाकिस्तान (1952), श्रीलंका (1981) तथा जिम्बाब्वे (1992)।

❑ वीवो: IPL का पुनः प्रायोजन अधिकार

➡ चीनी मोबाइल निर्माता कंपनी '**वीवो'** (VIVO) को IPL का **टाइटल प्रायोजन** (Title Sponsorship) अधिकार पुन: प्राप्त। (27 जून, 2017)

➡ अगले 5 वर्षों (2018-2022) की स्पॉन्सरशिप के लिए विवो ने सर्वाधिक 2199 करोड़ रुपये की बोली लगाई।

➲ इससे पूर्व वीवो ने अक्टूबर, 2015 में दो वर्षों (2016-2017) के लिए टाइटल स्पॉन्सरशिप हासिल की थी।

फुटबॉल

❑ कंफेडरेशन कप, 2017

➡ अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल नियामक संस्था 'फीफा' (FIFA) द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय पुरुष फुटबॉल टूर्नामेंट '**कंफेडरेशन कप**' का 10वां संस्करण रूस में संपन्न। (17 जून - 2 जुलाई, 2017)

➡ विश्व कप विजेता **जर्मनी** ने फाइनल में चिली को 1-0 से पराजित कर इस टूर्नामेंट का खिताब पहली बार जीत लिया।

➡ **प्रतियोगिता में प्रदत्त पुरस्कार इस प्रकार रहे-**

➲ **एडिडास गोल्डन बॉल -** जूलियन ड्रैक्सलर (जर्मन कप्तान)

➲ **एडिडास सिल्वर बॉल** - एलेक्सिस सांचेज (चिली)

➲ **एडिडास ब्रांज बॉल** - लियोन गोरेत्जका (जर्मनी)

➲ **एडिडास गोल्डन बूट** - तिमो वार्नेर (जर्मनी, 3 गोल)

➲ **एडिडास सिल्वर बूट** - लार्स स्टिंडल एवं लियोन गोरेत्जका (दोनों जर्मनी)

➲ **एडिडास गोल्डन ग्लव** - क्लाउडियो ब्रावो (कप्तान-चिली)

➲ **फीफा फेयर प्ले अवॉर्ड** - जर्मनी

❑ ISL को AFC की मान्यता

➡ एशियाई फुटबॉल परिसंघ (AFC) ने इंडियन सुपर लीग (ISL) को आधिकारिक मान्यता प्रदान की। (28 जून, 2017)

➡ इस प्रकार अब भारत में घरेलू सत्र 2017-18 में दो राष्ट्रीय लीग आयोजित होंगी।

➲ पहली हीरो आई-लीग तथा दूसरी फ्रेंचाइजी आधारित इंडियन सुपर लीग।

➲ अब आई-लीग (I-League) की विजेता टीम AFC चैंपियंस लीग क्वालीफायर में हिस्सा लेगी, जबकि ISL विजेता AFC कप अर्हता मैचों में भाग लेने का हकदार होगा।

हॉकी

❑ फिंट्रो महिला हॉकी वर्ल्ड लीग सेमीफाइनल्स, 2017

➡ FIH महिला हॉकी वर्ल्ड लीग सेमीफाइनल्स/विश्व कप क्वालीफायर दो चरणों में संपन्न हुआ। (जून-जुलाई, 2017)

➡ दो चरणीय इस टूर्नामेंट में विश्व की 20 टीमों ने हिस्सा लिया जिनमें से 7 टीमों ने वर्ल्ड लीग फाइनल में खेलने के लिए अर्हता प्राप्त की (मेजबान न्यूजीलैंड स्वयं अर्ह)।

➲ हॉकी महिला वर्ल्ड लीग फाइनल 17-26 नवंबर, 2017 के मध्य ऑकलैंड, न्यूजीलैंड में खेला जाएगा।

➡ **पहला सेमीफाइनल ब्रुसेल्स में संपन्न**। (21 जून - 2 जुलाई, 2017)

➲ **विजेता - नीदरलैंड्स** (2-0 से)

➲ उपविजेता - चीन

➡ **व्यक्तिगत पुरस्कार**

- **प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट - चुई क्युशिया** (चीन)
- **टॉप गोलस्कोरर - काईआ वैन मासाकेर** (नीदरलैंड्स, 7 गोल)
- **बेस्ट गोलकीपर - मार्टिना चिरिको** (इटली)
- **बेस्ट जूनियर प्लेयर - लौरा नूनिंक** (नीदरलैंड्स)

➡ **दूसरा सेमीफाइनल जोहांसबर्ग (दक्षिण अफ्रीका) में संपन्न**। (8-23 जुलाई, 2017)

➲ **विजेता - अमेरिका** (पेनाल्टी शूट आउट में 3-2 से)

➲ उपविजेता - जर्मनी

➲ भारतीय महिला टीम टूर्नामेंट में **8वें स्थान** पर रहीं।

➡ **व्यक्तिगत पुरस्कार**

- **प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट - मेलिसा गोंजालेज** (अमेरिका)
- **टॉप गोलस्कोरर - जिल विटमेर** (अमेरिका, 5 गोल)
- **बेस्ट गोलकीपर - जैकी ब्रिग्स** (अमेरिका)
- **बेस्ट जूनियर प्लेयर - नाइक लॉरेंज** (जर्मनी)

➡ सेमीफाइनल्स से नीदरलैंड्स, चीन, दक्षिण कोरिया, अमेरिका, जर्मनी, इंग्लैंड एवं अर्जेंटीना ने महिला वर्ल्ड लीग फाइनल के लिए अर्हता प्राप्त कर ली।

➡ सेमीफाइनल्स से नीदरलैंड्स, चीन, न्यूजीलैंड, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, जर्मनी, अर्जेंटीना, दक्षिण अफ्रीका और जापान ने महिला हॉकी विश्व कप, 2018 के लिए अर्हता प्राप्त कर ली (मेजबान इंग्लैंड स्वतः अर्ह)।

➲ 2018 महिला हॉकी विश्व कप प्रतियोगिता 21 जुलाई- 5 अगस्त, 2018 के मध्य लंदन, इंग्लैंड में आयोजित की जाएगी।

❑ हीरो पुरुष हॉकी वर्ल्ड लीग सेमीफाइनल्स, 2017

➡ FIH पुरुष हॉकी वर्ल्ड लीग सेमीफाइनल्स/विश्व कप क्वालीफायर दो चरणों में जून-जुलाई, 2017 में संपन्न हुआ।

➡ दो चरणीय टूर्नामेंट में विश्व की 20 टीमों ने हिस्सा लिया। जिनमें से 7 टीमों (स्वतः अर्ह मेजबान भारत सहित 8 टीमें) ने वर्ल्ड लीग फाइनल में खेलने के लिए अर्हता प्राप्त की।

➲ पुरुष हॉकी वर्ल्ड लीग फाइनल 1-10 दिसंबर, 2017 के मध्य भुवनेश्वर, ओडिशा (भारत) में आयोजित किया जाएगा।

➡ **पहला सेमीफाइनल लंदन में संपन्न**। (15-25 जून, 2017)

➲ **विजेता - नीदरलैंड्स** (6-1 से)

➲ उपविजेता - अर्जेंटीना

➲ **भारत** टूर्नामेंट में **छठवें** स्थान पर रहा।

➡ **व्यक्तिगत पुरस्कार**

- **हीरो बेस्ट प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट - गोंजालो पेइलाट** (अर्जेंटीना)
- **हीरो टॉप स्कोरर ऑफ द टूर्नामेंट - गोंजालो पेइलाट** (अर्जेंटीना, 12 गोल)
- **बेस्ट गोलकीपर - कुमार सुब्रमण्यम** (मलेशिया)
- **बेस्ट जूनियर प्लेयर - थिएरी ब्रिंकमैन** (नीदरलैंड्स)

➡ **दूसरा सेमीफाइनल जोहांसबर्ग (दक्षिण अफ्रीका) में संपन्न**। (8-23 जुलाई, 2017)

➲ **विजेता - बेल्जियम** (6-1 से)

➲ उपविजेता - जर्मनी

➡ **व्यक्तिगत पुरस्कार**

- **हीरो बेस्ट प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट** - मैट्स ग्रामबुस्च (जर्मनी)
- **हीरो टॉप स्कोरर ऑफ द टूर्नामेंट** - टॉम बून (बेल्जियम, 7 गोल)
- **बेस्ट गोलकीपर** - क्विको कोर्टेस (स्पेन)
- **बेस्ट जूनियर प्लेयर** - ऑर्थर वैन डोरेन (बेल्जियम)

➡ सेमीफाइनल्स से अर्जेंटीना, इंग्लैंड, नीदरलैंड्स, बेल्जियम, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया तथा स्पेन (7 टीमें) ने वर्ल्ड लीग फाइनल 2016 -17 के लिए अर्हता प्राप्त की।

➡ सेमीफाइनल्स से नीदरलैंड्स, अर्जेंटीना, इंग्लैंड, मलेशिया, कनाडा, बेल्जियम, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, स्पेन तथा आयरलैंड ने FIH विश्व कप, 2018 के लिए अर्हता प्राप्त कर ली (मेजबान भारत स्वतः अर्ह)।

➲ FIH पुरुष हॉकी विश्व कप, 2018 का आयोजन 24 नवंबर से 16 दिसंबर, 2018 के मध्य भुवनेश्वर में किया जाएगा।

❑ 7वीं सीनियर पुरुष राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप (A डिवीजन)

➡ हॉकी इंडिया की यह चैंपियनशिप लखनऊ, उ.प्र. में संपन्न। (25 जून, 2017)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **विजेता (स्वर्ण पदक) - रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड** (RSPB), शूटआउट में 3-0 से।

➲ **उपविजेता (रजत पदक) -** पंजाब एवं सिंध बैंक

➡ कांस्य पदक के प्लेऑफ में **हॉकी पंजाब** ने हॉकी चंडीगढ़ को 2-1 से पराजित किया।

शतरंज

❑ जेनेवा फिडे ग्रैंड प्रिक्स, 2017

➡ फिडे (FIDE) ग्रैंड प्रिक्स, 2017 के तहत खेली जाने वाली चार शतरंज प्रतियोगिताओं में से तीसरी **जेनेवा ग्रैंड प्रिक्स,** स्विट्जरलैंड में संपन्न। (6 - 15 जुलाई, 2017)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **विजेता - तैमूर राद्जाबोव** (अजरबैजान)

➡ भारतीय ग्रैंडमास्टर **पी. हरिकृष्णा** टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर रहे।

➡ **चार फिडे ग्रैंड प्रिक्स के आयोजन स्थल** - शारजाह, मॉस्को, जेनेवा और पाल्मा (स्पेन)।

❑ 11वीं विश्व टीम शतरंज चैंपियनशिप, 2017

➡ फिडे (FIDE) की विश्व टीम चैंपियनशिप खांती- मानसिस्क, रूस में संपन्न। (17-26 जून, 2017)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **ओपन वर्ग**

- **स्वर्ण पदक - चीन** (16 अंक)
- **रजत पदक** - रूस (15 अंक)
- **कांस्य पदक** - पोलैंड (12 अंक)

➡ भारतीय पुरुष टीम 11 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रही।

➲ **महिला वर्ग**

- **स्वर्ण पदक - रूस** (16 अंक)
- **रजत पदक** - चीन (13 अंक)
- **कांस्य पदक** - जॉर्जिया (12 अंक)

➡ भारतीय महिला टीम 12 अंक प्राप्त कर चौथे स्थान पर रही।

❑ मुंबई मेयर्स कप, 2017

➡ मुंबई मेयर्स कप इंटरनेशनल ओपन चेस टूर्नामेंट मुंबई, महाराष्ट्र में संपन्न। (4-11 जून, 2017)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **विजेता - नगुएन डुक हो** (वियतनाम), 8.5 अंक

➲ **दूसरा स्थान -** अमोनातोव फारूक (ताजिकिस्तान), 8.0 अंक

➡ भारत के दिप्तायन घोष एवं नीलोत्पल दास क्रमश: तीसरे और चौथे स्थान पर रहे।

❑ अल्टीबॉक्स नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट, 2017

➡ 5वां अल्टीबॉक्स नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट स्टावेंगर, नॉर्वे में संपन्न। (5-17 जून, 2017)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **विजेता - लेवान अरोनियन** (आर्मेनिया), 9 में से सर्वाधिक 6 अंक अर्जित।

➲ **दूसरा स्थान -** हिकारू नाकामूरा (अमेरिका), 5 अंक

➲ **तीसरा स्थान -** व्लादीमीर क्रैमनिक (रूस), 5 अंक

➡ भारतीय ग्रैंडमास्टर एवं पूर्व विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद 4 अंक प्राप्त कर टूर्नामेंट में 8वें स्थान पर रहे।

❑ कापाब्लांका मेमोरियल शतरंज टूर्नामेंट, 2017

➡ अंतरराष्ट्रीय शतरंज टूर्नामेंट वाराडेरो, क्यूबा में संपन्न। (27 मई-6 जून, 2017)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **विजेता - कृष्णन शशिकिरण** (भारत), 10 में से सर्वाधिक 6.5 अंक अर्जित।

➲ **दूसरा स्थान -** वेस्ली इवानचुक (यूक्रेन), 5.5 अंक

➲ **तीसरा स्थान -** सैमुअल एल. शांकलैंड (अमेरिका), 5.5 अंक

बैडमिंटन

❑ कनाडा ओपन ग्रैंड प्रिक्स, 2017

➡ BWF सत्र, 2017 की ग्रैंड प्रिक्स बैडमिंटन प्रतियोगिता अल्बर्टा, कनाडा में संपन्न। (11-16 जुलाई, 2017)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **पुरुष एकल**

विजेता - कांटा त्सुनेयामा (जापान)

उपविजेता - केंटो मोमोटा (जापान)

➲ **महिला एकल**

विजेता - साएना कावाकामी (जापान)

उपविजेता - क्रर्स्टी गिलमौर (स्कॉटलैंड)

❑ ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर सीरीज, 2017

➡ सिडनी, ऑस्ट्रेलिया में संपन्न। (20-25 जून, 2017)

➡ **प्रतियोगिता के मुख्य परिणाम**

➲ **पुरुष एकल**

विजेता - श्रीकांत किदांबी (भारत)

उपविजेता - चेन लोंग (चीन)

➲ **महिला एकल**

विजेता - नोजोमी ओकुहारा (जापान)

उपविजेता - अकाने यामागुची (जापान)

➲ भारतीय शटलर श्रीकांत किदांबी ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर लगातार दो सुपर सीरीज खिताब जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष बैडमिंटन खिलाड़ी बन गए।

➲ इससे पूर्व श्रीकांत ने इंडोनेशिया ओपन सुपर सीरीज (12-18 जून, 2017) का खिताब जीता था।

❑ आइवरी कोस्ट इंटरनेशनल, 2017

➡ BWF सत्र, 2017 की फ्यूचर सीरीज की यह प्रतियोगिता आबिदजान, आइवरी कोस्ट में संपन्न। (29 जून - 2 जुलाई, 2017)

➡ **प्रतियोगिता के मुख्य परिणाम**

➲ **पुरुष एकल**

विजेता - अनुओलुवापो ओपेयोरी (नाइजीरिया)

उपविजेता - बाहेदीन अल्शानिंक (जॉर्डन)

➲ **महिला एकल**

विजेता - रितिका ठक्कर (भारत)

उपविजेता - सिमरन सिंघी (भारत)

➲ **महिला युगल**

विजेता - रितिका ठक्कर एवं **सिमरन सिंघी** (दोनों भारत)

उपविजेता - जेनाब मोमोह एवं पीस ओर्जी (दोनों नाइजीरिया)

❑ इंडोनेशिया ओपन सुपर सीरीज, 2017

➡ जकार्ता, इंडोनेशिया में संपन्न। (12-18 जून, 2017)

➡ **प्रतियोगिता के मुख्य परिणाम**

➲ **पुरुष एकल**

विजेता - श्रीकांत किदांबी (भारत)

उपविजेता - काजुमाशा सकाई (जापान)

➲ **महिला एकल**

विजेता - सयाका सातो (जापान)

उपविजेता - सुंग जी-ह्यून (दक्षिण कोरिया)

➡ श्रीकांत इंडोनेशिया ओपन जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष बैडमिंटन खिलाड़ी हैं।

गोल्फ

❑ लेडीज यूरोपियन थाईलैंड चैंपियनशिप, 2017

➡ महिला यूरोपियन टूर, 2017 की नई प्रतियोगिता लेडीज यूरोपियन थाईलैंड चैंपियनशिप पट्टाया (थाईलैंड) में संपन्न। (9 जुलाई, 2017)

➡ **विजेता - अथाया थितिकुल** (थाईलैंड)

➲ 14 वर्षीय अथाया महिला यूरोपियन चैंपियनशिप जीतने वाली विश्व की सबसे युवा (14 वर्ष, 4 माह, 19 दिन) गोल्फर बन गईं।

❑ यूएस ओपन चैंपियनशिप, 2017

➡ PGA टूर सत्र, 2017 की मेजर चैंपियनशिप इरिन, विस्कॉन्सिन में संपन्न। (15-18 जून, 2017)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **विजेता** - अमेरिकी गोल्फर **ब्रुक्स कोएप्का**।

❑ ओपन चैंपियनशिप, 2017

➡ PGA टूर सत्र, 2017 की मेजर चैंपियनशिप साउथपोर्ट, इंग्लैंड में संपन्न। (20-23 जुलाई, 2017)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **विजेता** - अमेरिकी गोल्फर **जॉर्डन स्पीथ**।

टेबल टेनिस

❑ ऑस्ट्रेलियन ओपन टेबल टेनिस, 2017

➡ अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ (ITTF) पेशेवर टेबल टेनिस वर्ल्ड टूर की प्लेटिनम श्रेणी की यह प्रतियोगिता गोल्ड कोस्ट, ऑस्ट्रेलिया में संपन्न। (2-7 जुलाई, 2017)

➲ प्रतियोगिता के महिला युगल मुकाबले में **भारत की पूजा सहस्रबुद्धे** और **सुतीर्था मुखर्जी** की जोड़ी ने **कांस्य पदक** जीता।

➡ **प्रतियोगिता के एकल स्पर्धा परिणाम**

➲ **पुरुष एकल**

- **स्वर्ण पदक - व्लादीमीर सैमसोनोव** (बेलारूस)
- **रजत पदक -** सिमोन गाउजी (फ्रांस)

➲ **महिला एकल**

- **स्वर्ण पदक - चेन मेंग** (चीन)
- **रजत पदक -** वांग मेन्यु (चीन)

बिलियर्ड्स/स्नूकर/स्क्वैश

❑ विक्टोरियन ओपन, 2017

➡ PSA टूर सत्र, 2017 की विक्टोरियन ओपन स्क्वैश प्रतियोगिता विक्टोरिया, ऑस्ट्रेलिया में संपन्न। (11-16 जुलाई, 2017)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **पुरुष वर्ग**

विजेता - हरिंदर पाल संधू (भारत)

उपविजेता - रेक्स हेंड्रिक (ऑस्ट्रेलिया)

❑ साउथ ऑस्ट्रेलियन ओपन, 2017

➡ एडिलेड, ऑस्ट्रेलिया में संपन्न। (5-8 जुलाई, 2017)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **पुरुष वर्ग**

विजेता - हरिंदर पाल संधू (भारत)

उपविजेता - राइस डाउलिंग (ऑस्ट्रेलिया)

❑ मास्टर्स स्नूकर राष्ट्रीय चैंपियनशिप, 2017

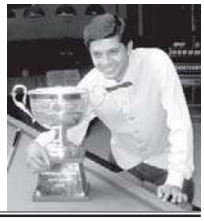

➡ चेन्नई (तमिलनाडु) में संपन्न। (12-16 जुलाई, 2017)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **विजेता - आई.एच. मनुदेव** (कर्नाटक)

➲ **उपविजेता** - आलोक कुमार (PSPB)

➡ इन दोनों के अतिरिक्त चैंपियनशिप से **चिराग रामाकृष्णन** और **रफत हबीब** ने **विश्व 6-रेड और टीम चैंपियनशिप, मिस्र** (1-10 अगस्त, 2017) तथा **IBSF विश्व स्नूकर चैंपियनशिप, माल्टा** (10-19 नवंबर, 2017) के लिए अर्हता प्राप्त कर ली।

❑ एशियन 6 रेड एवं टीम स्नूकर चैंपियनशिप, 2017

➡ एशियन कंफेडरेशन ऑफ बिलियड्र्स (ACBS) द्वारा आयोजित एशियन 6 रेड और टीम स्नूकर चैंपियनशिप बिस्केक, किर्गिजिस्तान में संपन्न। (29 जून -5 जुलाई, 2017)

➡ **एशियन 6 रेड स्नूकर चैंपियनशिप का स्वर्ण पदक पाकिस्तान** के **मोहम्मद सज्जाद** ने जीता।

➡ **टीम स्नूकर चैंपियनशिप का स्वर्ण पदक 'भारत A'** टीम ने जीत लिया।

➲ फाइनल में 'भारत A' ने 'पाकिस्तान B' टीम को 3-0 से पराजित किया।

➲ 'भारत A' टीम - पंकज आडवाणी (कप्तान), लक्ष्मण रावत एवं मलकीत सिंह।

➲ 'पाकिस्तान B' टीम - मुहम्मद बिलाल एवं बाबर मसीह।

मुक्केबाजी

❑ ASBC एशियन यूथ बॉक्सिंग चैंपियनशिप, 2017

➡ एशियन बॉक्सिंग कंफेडरेशन (ASBC) द्वारा आयोजित यूथ बॉक्सिंग चैंपियनशिप बैंकॉक, थाईलैंड में संपन्न। (1-7 जुलाई, 2017)

➡ **प्रतिभागी** - 23 देशों के 120 मुक्केबाज।

➡ चैंपियनशिप में **भारत** कुल 6 पदक (1 रजत, 5 कांस्य) प्राप्त कर पदक तालिका में 5वें स्थान पर रहा।

➡ उज्बेकिस्तान ने कुल 9 पदक (5 स्वर्ण, 3 रजत एवं 1 कांस्य) प्राप्त कर चैंपियनशिप में शीर्ष स्थान प्राप्त किया।

❑ बैटल ऑफ ब्रिस्बेन

➡ यह **WBO विश्व वेल्टरवेट चैंपियन** के खिताब हेतु खेले गए मुक्केबाजी मैच को दिया गया नाम है।

➡ यह मुकाबला ऑस्ट्रेलियाई चैलेंजर **जेफ होर्न** तथा डिफेंडर **मैनी पैक्कियाओ** (फिलीपींस) के मध्य खेला गया।

➲ 12 दौर की बाउट में पेशेवर मुक्केबाज **जेफ होर्न** ने 11 बार के विश्व चैंपियन मैनी पैक्कियाओ को पराजित कर WBO विश्व वेल्टरवेट खिताब जीत लिया।

❑ उलानबतार कप, 2017

➡ अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी टूर्नामेंट '**उलानबतार कप**' मंगोलिया में संपन्न। (20-26 जून, 2017)

➡ भारत ने प्रतियोगिता में **कुल 5 पदक** जीते।

➲ इनमें 1 स्वर्ण, 1 रजत एवं 3 कांस्य पदक शामिल हैं।

➡ भारत के लिए **एकमात्र स्वर्ण पदक अंकुश दहिया** (60 किग्रा. भार वर्ग) ने प्राप्त किया।

➡ **अन्य भारतीय पदक विजेता (भार वर्ग के साथ)**

- **रजत पदक**
  1. एल. देवेंद्रो सिंह (52 किग्रा.)
- **कांस्य पदक**
  1. के. श्याम कुमार (49 किग्रा.)
  2. मोहम्मद हुशामुद्दीन (56 किग्रा.)
  3. प्रियंका चौधरी (60 किग्रा.)

एथलेटिक्स

❑ 57वीं राष्ट्रीय अंतरराज्यीय सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप, 2017

➡ भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (AFI) की 57वीं राष्ट्रीय अंतरराज्यीय सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप संपन्न। (15-18 जुलाई, 2017)

➲ **आयोजक** - आंध्र प्रदेश एथलेटिक्स एसोसिएशन।

➲ **स्थल** - आचार्य नागार्जुन यूनिवर्सिटी, गुंटूर (आं.प्र.)।

➡ प्रतियोगिता का ओवरऑल चैंपियनशिप खिताब **159 अंकों** के साथ **केरल** ने जीत लिया।

➲ **110 अंकों** के साथ तमिलनाडु द्वितीय एवं **101 अंकों** के साथ **हरियाणा** तृतीय स्थान पर रहा।

➡ चैंपियनशिप के **पुरुष वर्ग** का खिताब **हरियाणा** (79 अंक) ने तथा **महिला वर्ग** का खिताब **केरल** (105 अंक) ने जीता।

➡ पंजाब के भाला फेंक खिलाड़ी **देविंदर सिंह कांग** को पुरुष वर्ग में '**सर्वश्रेष्ठ एथलीट**' चुना गया।

➡ केरल की धावक **अनु राघवन** को महिला वर्ग में 'सर्वश्रेष्ठ एथलीट' चुना गया।

❑ 22वीं एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप

➡ एशियन एथलेटिक्स एसोसिएशन (AAA) द्वारा आयोजित **22वीं एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप** संपन्न। (6-9 जुलाई, 2017)

➡ **स्थल - कलिंगा स्टेडियम**, भुवनेश्वर (ओडिशा)।

➲ **शुभंकर (Mascot)** - 'ओली' द वॉरियर ('OLLY' THE WARRIOR) नामक एक ऑलिव रिडले समुद्री कछुआ।

➲ **प्रतिभागी** - 45 देशों के 800 एथलीटों ने 42 स्पर्धाओं में भाग लिया।

➡ चीन के वर्चस्व वाली इस चैंपियनशिप में मेजबान **भारत** ने इतिहास रचते हुए पदक तालिका में शीर्ष स्थान प्राप्त किया।

➡ पदक तालिका में शीर्ष 5 स्थान प्राप्त देश -

क्रम.	देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
1.	भारत	12	5	12	29
2.	चीन	8	9	4	21
3.	कजाख्स्तान	4	2	2	8
4.	ईरान	4	0	1	5
5.	वियतनाम	2	2	0	4

➡ **भारतीय स्वर्ण पदक विजेता एथलीट-**

1. मोहम्मद अनस (400 मी. दौड़)
2. अजय कुमार सरोज (1500 मी. दौड़)
3. गोविंदन लक्ष्मणन (5000 एवं 10000 मी. दौड़)
4. पुरुष रिले टीम (4×400 मी.)
5. नीरज चोपड़ा (भाला फेंक)
6. निर्मला शियोरण (400 मी. दौड़)
7. पीयू चित्रा (1500 मी. दौड़)
8. सुधा सिंह (3000 मी. स्टीपलचेज)
9. महिला रिले टीम (4×400 मी.)
10. मनप्रीत कौर (शॉटपुट)
11. स्वप्ना बर्मन (हेप्टाथलन)

➲ अगली एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप, 2019 दोहा (कतर) में प्रस्तावित है।

फॉर्मूला वन

❑ ब्रिटिश ग्रैंड प्रिक्स

➡ नार्थैम्पटशायर,इंग्लैंड में संपन्न। (16 जुलाई, 2017)

➡ **विजेता -** जर्मन टीम मर्सिडीज बेंज के ब्रिटिश चालक **लुईस हैमिल्टन**।

❑ ऑस्ट्रियन ग्रैंड प्रिक्स

➡ ऑस्ट्रिया में संपन्न। (9 जुलाई, 2017)

➡ **विजेता - वाल्टेरी बोट्टास** (फिनलैंड), जर्मन टीम मर्सिडीज बेंज के चालक।

❑ अजरबैजान ग्रैंड प्रिक्स

➡ बाकू, अजरबैजान में संपन्न। (25 जून, 2017)

➡ ऑस्ट्रियाई रेडबुल रेसिंग टीम के ऑस्ट्रेलियन चालक **डेनियल रिक्कीआर्डो**।

खेल विविध

❑ विलियम जोंस कप, 2017

➡ FIBA एशिया के अंतरराष्ट्रीय बास्केटबॉल (महिला/पुरुष) टूर्नामेंट **विलियम जोंस** कप के 39वें संस्करण का आयोजन ताइवान (चीनी ताइपे) की मेजबानी में संपन्न। (5-23 जुलाई, 2017)

➡ महिला खिलाड़ियों का टूर्नामेंट 5-9 जुलाई, 2017 के मध्य संपन्न। हुआ।

➲ टूर्नामेंट में 6 टीमों- भारत, जापान, चीनी ताइपे ब्लू, न्यूजीलैंड, चीनी ताइपे व्हाइट एवं कोरिया केबी ऑल स्टार्स ने भाग लिया।

➡ **जापान U24 महिला टीम** ने टूर्नामेंट में शीर्ष स्थान प्राप्त करते हुए खिताब जीत लिया।

- भारत अंतिम (छठवें) स्थान पर रहा।

➡ पुरुष खिलाड़ियों का टूर्नामेंट 15-23 जुलाई, 2017 के मध्य संपन्न हुआ।

➡ **टीम कनाडा 150 पुरुष** टीम ने टूर्नामेंट में शीर्ष स्थान प्राप्त करते हुए खिताब जीत लिया।

➲ भारतीय टीम अंतिम (दसवें) स्थान पर रही।

❑ विश्व ताइक्वांडो चैंपियनशिप, 2017

➡ मुजु (Muju), दक्षिण कोरिया में संपन्न। (24-30 जून, 2017)

➡ पुरुष एवं महिला दोनों वर्गों की चैंपियनशिप दक्षिण कोरिया ने जीत ली।

➲ **समग्र पदक तालिका में प्रथम स्थान** - दक्षिण कोरिया, कुल 10 पदक (5 स्वर्ण, 1 रजत, 4 कांस्य)
द्वितीय स्थान - तुर्की (2 स्वर्ण, 1 रजत)
तृतीय स्थान - सर्बिया (2 स्वर्ण)

❑ ISSF जूनियर विश्व चैंपियनशिप, 2017

➡ ISSF की जूनियर विश्व चैंपियनशिप (राइफल/पिस्टल) सुहल, जर्मनी में संपन्न। (22-29 जून, 2017)

➡ चैंपियनशिप में **चीन** कुल 21 पदक प्राप्त कर शीर्ष स्थान पर रहा।

➡ पदक तालिका में शीर्ष 3 स्थान प्राप्त देश -

क्रम.	देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
1.	चीन	9	4	8	21
2.	भारत	3	2	3	8
3.	यूक्रेन	3	2	1	6

➡ चैंपियनशिप में भारत की यशस्विनी सिंह ने 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में जूनियर विश्व रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए स्वर्ण पदक जीता।

❑ ISC ओपन वर्ल्ड गेम्स (नेपाल), 2017

➡ गैर-लाभकारी संस्था अंतरराष्ट्रीय खेल परिषद (ISC), कनाडा द्वारा आयोजित वर्ल्ड गेम्स काठमांडू, नेपाल में संपन्न। (15-18 जून, 2017)

➡ **भारतीय पुरुष एवं महिला टीम** ने वर्ल्ड गेम्स की थ्रोबॉल प्रतियोगिता का **स्वर्ण पदक** जीत लिया।

➲ फाइनल में पुरुषों ने **बांग्लादेश** को तथा महिलाओं ने **पाकिस्तान** को पराजित किया।

चर्चित खेल व्यक्ति एवं स्थल

❑ धनराज पिल्लै

➡ भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान।

➡ **ईस्ट बंगाल फुटबॉल क्लब** द्वारा क्लब के सर्वोच्च सम्मान '**भारत गौरव**' से सम्मानित किए जाने की घोषणा। (27 जून, 2017)

➲ यह सम्मान क्लब के स्थापना दिवस (1 अगस्त) समारोह में प्रदान किया गया।

❑ मिस्बाह-उल-हक

➡ पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर।

➡ मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (MCC) द्वारा **मानद आजीवन सदस्यता से सम्मानित**। (12 जुलाई, 2017)

➲ मिस्बाह यह सम्मान पाने वाले 22वें पाकिस्तानी खिलाड़ी हैं।

➲ मिस्बाह से पूर्व यह सम्मान पाने वाले अंतिम पाकिस्तानी खिलाड़ी रमीज राजा (वर्ष 2015 में) थे।

❑ रवि शास्त्री

➡ पूर्व क्रिकेटर, भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मैनेजर एवं निदेशक।

➡ बीसीसीआई द्वारा भारतीय क्रिकेट टीम के **मुख्य कोच** नियुक्त। (11 जुलाई, 2017)

➲ रवि शास्त्री का कार्यकाल वर्ष **2019 क्रिकेट विश्व कप** तक होगा।

➡ कोच पद के लिए साक्षात्कार बीसीसीआई की तीन सदस्यीय क्रिकेट सलाहकार समिति (CAC) ने लिया, जिसमें पूर्व क्रिकेटर **सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली** और **वीवीएस लक्ष्मण** शामिल थे।

➡ उल्लेखनीय है कि 18 जून, 2017 को संपन्न ICC चैंपियंस ट्रॉफी के बाद मुख्य कोच अनिल कुंबले ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

➲ बीसीसीआई ने गेंदबाजी कोच पद हेतु भरत अरुण का चयन किया।

➡ अगले दो वर्षों हेतु **संजय बांगड़** भारतीय क्रिकेट टीम के सहायक (बल्लेबाजी) कोच तथा **रामकृष्णन श्रीधर** फील्डिंग कोच रहेंगे।

❑ विशेष भृगुवंशी

➡ वाराणसी (उत्तर प्रदेश) में जन्मे भारतीय बास्केटबॉल टीम के पूर्व कप्तान।

➡ ऑस्ट्रेलियाई एनबीए टीम **एडिलेड थर्टीसिक्सर्स** (Adelaide 36ers) के साथ एक वर्षीय प्रशिक्षण समझौते पर हस्ताक्षर किए। (7 जुलाई, 2017)

➲ इसी के साथ **भृगुवंशी** देश के पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया के किसी नेशनल बास्केटबॉल लीग (NBA) क्लब के साथ करार किया है।

❑ पी.वी.सिंधु

➡ **स्पोर्ट्स इलेस्ट्रेटेड इंडिया मैगजीन** द्वारा 'मारुति सुजुकी स्पोर्ट्स पर्सन ऑफ द ईयर' पुरस्कारों का वितरण। (6 जुलाई, 2017)

➡ '**वर्ष की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी**' का पुरस्कार भारतीय महिला बैडमिंटन खिलाड़ी **पी.वी.सिंधु** को प्रदान किया गया।

➡ समारोह में अन्य पुरस्कारों का भी वितरण किया गया जिसमें **लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड - अभिनव बिंद्रा** को तथा **लीविंग लेजेंड अवॉर्ड** - धावक मिल्खा सिंह को प्रदान किया गया है।

➡ उल्लेखनीय है कि हाल ही में पी.वी. सिंधु को **भारतीय खेल पत्रकार संघ** (SJFI) द्वारा '**वर्ष का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी**' चुना गया था। (25 जून, 2017)

❑ वानिदु हसारंगा

➡ 19 वर्षीय श्रीलंकाई लेग स्पिन गेंदबाज।

➡ पदार्पण एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में **हैट्रिक** (जिम्बाब्वे के विरुद्ध) लेने वाले श्रीलंका के पहले तथा विश्व के तीसरे गेंदबाज बने।

➡ हसारंगा से पूर्व ताईजुल इस्लाम (बांग्लादेश) एवं कगिसो रबाडा (दक्षिण अफ्रीका) अपने पदार्पण एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में हैट्रिक ले चुके हैं।

❑ डेन वैन निएकर्क

➡ दक्षिण अफ्रीका की महिला क्रिकेट टीम की कप्तान और लेग-स्पिनर गेंदबाज।

➡ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट इतिहास (पुरुष/महिला क्रिकेट) में **बिना कोई रन दिए 4 या उससे अधिक विकेट लेने वाली विश्व की पहली गेंदबाज बनीं**। (2 जुलाई, 2017)

➲ निएकर्क ने यह उपलब्धि आईसीसी महिला विश्व कप, 2017 के 12वें मैच में वेस्टइंडीज के विरुद्ध हासिल की। (3.2 ओवर, 3 मेडन, 4 विकेट)

➡ इससे पूर्व महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में **2 बार** तथा महिला ट्वेंटी-20 क्रिकेट में **1 बार** बिना कोई रन दिए 3 विकेट लेने का कारनामा किया जा चुका है।

➡ पुरुष क्रिकेट में बिना कोई रन दिए सर्वाधिक 3 विकेट लेने का विश्व रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के रिची बेनौ के नाम दर्ज है।

➲ रिची ने वर्ष 1959 में दिल्ली में **भारत के विरुद्ध टेस्ट मैच** में 3.4 ओवर में बिना कोई रन दिए 3 विकेट लिए थे।

❑ इमरान ख्वाजा

➡ सिंगापुर के वरिष्ठ प्रशासक।

➡ आईसीसी (ICC) द्वारा अपने संविधान संशोधन के बाद सृजित किए गए **डिप्टी चेयरमैन** पद पर नियुक्त। (22 जून, 2017)

अन्य चर्चित खेल व्यक्ति

- **लोनवाबो सोत्सोबे-** दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज; घरेलू टी-20 'रैम स्लैम टूर्नामेंट' के दौरान भ्रष्टाचार में लिप्त पाए जाने के दोषी, क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (CSA) द्वारा 8 वर्षों के लिए प्रतिबंधित। (11 जुलाई, 2017)
- **प्रजनेश गुणेश्वरन-** भारतीय टेनिस खिलाड़ी; चीन में आईटीएफ पुरुष फ्यूचर्स टेनिस टूर्नामेंट का पुरुष एकल खिताब ली झी (चीन) को पराजित कर जीत लिया। (2 जुलाई, 2017)
- **प्रांजला यदलापल्ली-** भारतीय टेनिस खिलाड़ी; मिस्र में आईटीएफ महिला फ्यूचर्स टेनिस टूर्नामेंट का महिला एकल खिताब जियादा क्लेरिकी (इटली) को पराजित कर जीत लिया। (2 जुलाई, 2017)
- **जॉन ग्रेगरी-** इंग्लैंड के पूर्व फुटबॉलर; इंडियन सुपर लीग की टीम चेन्नइयिन एफसी के मुख्य कोच नियुक्त। (2 जुलाई, 2017)
- **गौड़ घोष-** झारखंड एवं बंगाल के पूर्व क्रिकेटर; जुलाई, 2017 में निधन।
- **रानिंदर सिंह-** भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (NRAI) के अध्यक्ष; 8 जुलाई, 2017 को संपन्न चुनावों में संघ के अध्यक्ष पद हेतु पुनर्निर्वाचित।
- **पी.आर. वेंकटरामा राजा-** सर्वसम्मति से अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (AICF) के अध्यक्ष (कार्यकाल 2017-2020 तक) पुनः चुने गए। (25 जून, 2017)
- **कविता दलाल-** भारतीय पहलवान; वर्ल्ड रेसलिंग इंटरटेनमेंट (WWE) के टूर्नामेंट में प्रतिभाग करने वाली पहली भारतीय महिला रेसलर बनीं। (जुलाई, 2017)

➡ ICC के वर्तमान चेयरमैन **शशांक मनोहर** हैं, जिनका कार्यकाल जून, 2018 में समाप्त होगा।

❑ बोरिस बेकर

➡ 6 पुरुष एकल ग्रैंड स्लैम खिताब विजेता पूर्व जर्मन टेनिस खिलाड़ी।

➡ निजी बैंकरों की एक फर्म का ऋण न चुका पाने के कारण लंदन की एक अदालत द्वारा दिवालिया घोषित। (21 जून, 2017)

❑ भूमिका शर्मा

➡ भारतीय महिला बॉडी-बिल्डर।

➡ वेनिस (इटली) में संपन्न वर्ल्ड बॉडी-बिल्डिंग चैंपियनशिप में **स्वर्ण पदक** (मिस वर्ल्ड) जीता। (18 जून, 2017)

❑ श्रीनिवास गोकुलनाथ

➡ अमेरिकी अल्ट्रामैराथन साइकिल रेस प्रतियोगिता '**रेस अक्रॉस अमेरिका**' (Race Across America or RAAM) पूरी करने वाले प्रथम (First Solo Finisher) भारतीय बने। (जून, 2017)

➡ नासिक (महाराष्ट्र) निवासी श्रीनिवास ने लगभग 4900 किमी. लंबी साइकिल रेस को **11 दिन, 18 घंटे और 45 सेकंड** में पूरा किया।

➲ एक अन्य भारतीय **अमित समर्थ** यह रेस पूरी (समयः 11 दिन, 21 घंटे, 11 मिनट) करने वाले दूसरे भारतीय बने।

➡ 9 लोगों ने यह रेस पूरी की, जिसमें श्रीनिवास और अमित क्रमशः 7वें एवं 8वें स्थान पर रहे।

❑ रजत गोयल

➡ भारतीय पावर लिफ्टर।

➡ हॉलैंड में संपन्न **यूरोपियन पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप** में स्वर्ण पदक जीता। (2 जुलाई, 2017)

➡ इस चैंपियनशिप में रजत के अतिरिक्त **भीम सिंह** ने भी स्वर्ण पदक जीता।

❑ ओडिशा

➡ **ओडिशा सरकार** ने प्रदेश में अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं की मेजबानी के लिए **कलिंगा अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स सिटी** के निर्माण की घोषणा की। (11 जुलाई, 2017)

➲ साथ ही **कटक, बेरहामपुर, सम्बलपुर और राउरकेला** में विश्व स्तरीय चार सैटेलाइट स्टेडियम भी बनाए जाएंगे।

झारखंड पी.सी.एस.(प्रा.) परीक्षा, 2016

प्रथम प्रश्न-पत्र

सीरीज - B **परीक्षा तिथि - 18/12/2016**

सम-सामयिक घटना चक्र द्वारा अपने पाठकों के लिए झारखंड सिविल सेवा (प्रा.) परीक्षा, 2016 का हल प्रश्न-पत्र व्याख्यात्मक उत्तरों के साथ प्रस्तुत किया जा रहा है। प्रत्येक प्रश्न के हल हेतु व्याख्या के लिए उत्तर के मूल स्रोत तक पहुंचने का प्रयास किया गया है। इन मूल स्रोतों अर्थात उत्तर को प्रमाणित करने वाली व्याख्या हेतु प्रयुक्त अधिकांश पाठ्य सामग्री हमारे पास संरक्षित है। इन्हीं मूल स्रोतों के आधार पर हम इस हल प्रश्न-पत्र की अधिकतम शुद्धता का दावा करते हैं। यदि कहीं किसी प्रश्न के उत्तर हेतु हमारी व्याख्या से न संतुष्ट हो पा रहे हों, तो दूरभाष सं. 9335140296 पर मध्याह्न 12 बजे से सायं 8 बजे के मध्य हमसे संपर्क करें। हम आपको वस्तुस्थिति से अवगत करा देंगे।

1. चालुक्य शासक पुलकेशिन की हर्ष पर विजय का वर्ष था-

(a) 612 ई. (b) 618 ई.
(c) 622ई. (d) 634 ई.

उत्तर—(d)

पुलकेशिन द्वितीय चालुक्य वंश का शक्तिशाली राजा था। हर्ष की विजयों के फलस्वरूप उसके राज्य की पश्चिमी सीमा नर्मदा नदी तक पहुंच गई। उधर पुलकेशिन भी उत्तर की ओर राज्य का विस्तार चाहता था। ऐसी स्थिति में दोनों के बीच युद्ध अवश्यम्भावी हो गया। फलस्वरूप हर्ष और पुलकेशिन द्वितीय के बीच नर्मदा नदी के तट पर युद्ध हुआ जिसमें हर्ष की पराजय हुई। अल्टेकर का विचार है कि हर्ष और पुलकेशिन का युद्ध 630 से 634 ई. के बीच कभी हुआ था। इसका पहला कारण तो यह है कि वल्लभी का युद्ध 630 ई. के पहले नहीं हो सकता और यह युद्ध उसी का परिणाम था। पुनःश्च पुलकेशिन का 630 ई. का लोहनारा से प्राप्त लेख उसके द्वारा पराजित जिन शत्रुओं का उल्लेख करता है उसमें हर्ष का नाम नहीं है। परंतु 634 ई. का एहोल अभिलेख इस युद्ध का उल्लेख करता है। ऐसी स्थिति में युद्ध की तिथि 630 से 634 ई. के बीच रखी जा सकती है। अतः निकटतम उत्तर विकल्प (d) सही है। अप्रैल, 2016 में भंडारकर ओरिएंटल रिसर्च इंस्टीट्यूट (BORI) के अनुसंधानकर्ताओं ने एक ताम्रपत्र लेख के आधार पर यह विचार व्यक्त किया था कि चालुक्य शासक पुलकेशिन तथा हर्ष का युद्ध वर्ष 618 ई. में निश्चित किया जा सकता है। हालांकि झारखंड लोक सेवा आयोग ने विकल्प (b) को सही उत्तर माना है।

2. चुंबकीय दिशासूचक का भारतीय महासागरों में प्रयोग की प्रारंभिक सूचना किसके द्वारा दी गई?

(a) मार्कोपोलो (b) इब्नबतूता
(c) सदरुद्दीन मुहम्मद 'औफी' (d) निकोलो कोंटी

उत्तर—(c)

चुंबकीय दिशासूचक का भारतीय महासागरों में प्रयोग की प्रारंभिक सूचना 1232-33 ई. में सदरुद्दीन मुहम्मद अल 'औफी' द्वारा दी गई। इनकी पुस्तक का नाम 'लुबाब-उल-अल्बाब' तथा 'जवामी-उल-हिकायत थी। जवामी उल- हिकायत में ही इन्होंने दिशासूचक यंत्र के बारे में संदर्भित किया था।

3. प्रथम वास्तविक मेहराब किस सल्तनतकालीन स्मारक में दृशातीत् है?

(a) इल्तुतमिश का मकबरा (b) बलबन का मकबरा
(c) अलाई दरवाजा (d) कुव्वत-उल इस्लाम मस्जिद

उत्तर—(b)

बलबन का मकबरा 'किला-ए-रायपिथौरा' के दक्षिण-पूर्व में स्थित है। मकबरे का कक्ष वर्गाकार है। सर्वप्रथम इस मकबरे में मेहराब का वास्तविक रूप दिखाई पड़ता है।

4. अति कट्टरपंथी सूफी संप्रदाय था-

(a) चिश्ती (b) सुहरावर्दी
(c) नक्शबंदी (d) कादिरी

उत्तर—(c)

नक्शबंदी शाखा की स्थापना 14वीं शताब्दी में ख्वाजा बहाउद्दीन नक्शबंद ने की थी। भारत में बाबर ने इस शाखा को लोकप्रिय बनाया। वह अपने पिता की भांति नक्शबंदी संत ख्वाजा उबैदुल्ला अहरार का परम भक्त था। नक्शबंदी शाखा में 'समा' अर्थात संगीत-गोष्ठी का आयोजन वर्जित है। इसके अतिरिक्त इस शाखा के सूफियों को 'जिक्र जली' अथवा उच्च स्वर में संस्मरण की अनुमति नहीं है, परंतु वे 'जिक्र-खफी' अथवा निम्न स्वर में संस्मरण करते हैं। नक्शबंदी सूफियों ने कुरान के अक्षरशः पालन पर बल दिया। झारखंड लोक सेवा आयोग ने इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (b) माना है।

5. सूची - I को सूची - II से सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए :

सूची - I जनजाति	सूची -II मूल राज्य
A. थारू	1. राजस्थान
B. भील	2. हिमाचल प्रदेश
C. गद्दी	3. झारखंड
D. मुंडा	4. उत्तर प्रदेश

कूट :

	A	B	C	D
(a)	4	2	1	3
(b)	1	3	4	2
(c)	4	1	3	2
(d)	4	1	2	3

उत्तर—(d)

सही सुमेलन इस प्रकार है-

सूची - I जनजाति	सूची -II मूल राज्य
थारू	उत्तर प्रदेश
भील	राजस्थान
गद्दी	हिमाचल प्रदेश
मुंडा	झारखंड

6. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति को संयुक्त राष्ट्रीय आयोग के किस संशोधन के अंतर्गत दो अलग निकायों में बांटा गया है?

(a) 42वें संशोधन (b) 44वें संशोधन
(c) 89वें संशोधन (d) 93वें संशोधन

उत्तर—(c)

89वें संविधान संशोधन, 2003 द्वारा अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति को दो अलग-अलग निकायों में बांटा गया है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 338 और 338 (क) में क्रमशः राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग और राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की व्यवस्था की गई है। 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा नीति निदेशक, 44 वें संविधान संशोधन, 1978 द्वारा राष्ट्रपति मंत्रिमंडल से अपनी मंत्रणा पर पुनर्विचार करने के लिए कह सकेगा।

7. मूल भारतीय संविधान में कितने भाग, अनुच्छेद और अनुसूची थे?

(a) 22 भाग, 395 अनुच्छेद और 8 अनुसूची
(b) 24 भाग, 450 अनुच्छेद और 12 अनुसूची
(c) 22 भाग, 390 अनुच्छेद और 8 अनुसूची
(d) 24 भाग, 425 अनुच्छेद और 12 अनुसूची

उत्तर—(a)

मूल भारतीय संविधान में 22 भाग, 395 अनुच्छेद और 8 अनुसूचियां थीं, जबकि वर्तमान भारतीय संविधान में 22 भाग, 395 अनुच्छेद और 12 अनुसूचियां हैं। 9वीं अनुसूची प्रथम संविधान संशोधन, 1951 द्वारा, 10वीं अनुसूची 52वें संविधान संशोधन, 1985 द्वारा, 11वीं अनुसूची 73वें संविधान संशोधन, 1992 द्वारा और 12वीं अनुसूची 74वें संविधान संशोधन, 1992 द्वारा जोड़ी गई।

8. भारत में राजनीतिक दलों से दल-बदल की बुराई को किस संशोधन के अंतर्गत अधिनियमित किया गया है?

(a) 52वें संशोधन (b) 54वें संशोधन
(c) 56वें संशोधन (d) 58वें संशोधन

उत्तर—(a)

भारत में राजनीतिक दलों से दल-बदल की बुराई को 52वें संविधान संशोधन, 1985 के तहत 10वीं अनुसूची के अंतर्गत अधिनियमित किया गया है। इसमें किसी दल में एक साथ पूर्ण दल-बदल, एक साथ लघु दल-बदल एवं दल प्राधिकृत व्यक्ति के निर्देश के विरुद्ध मतदान करने संबंधी प्रावधान हैं। इसके तहत भारत में पहली बार राजनीतिक दलों को संवैधानिक मान्यता प्रदान की गई।

9. बारहवीं पंचवर्षीय योजना के संदर्भ में कौन-सा बिंदु नहीं है?

(a) 8 प्रतिशत वास्तविक जी.डी.पी. विकास दर
(b) 4 प्रतिशत कृषि विकास दर
(c) प्रति व्यक्ति उपभोक्ता निर्धनता 10 प्रतिशत तक कम करना
(d) उपरोक्त सभी

उत्तर—(*)

12वीं पंचवर्षीय योजना (2012-17) का उपशीर्षक है- तीव्र, अधिक समावेशी एवं धारणीय विकास। इस योजना में 25 मुख्य लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं, जिनमें से कुछ निम्नवत हैं-

- GDP में 8% की वास्तविक दर से संवृद्धि
- 4% की दर से कृषि संवृद्धि
- 10% की दर से विनिर्माण संवृद्धि
- प्रति व्यक्ति उपभोग गरीबी में 10% की कमी
- योजना के दौरान गैर-कृषि क्षेत्रक में 50 मिलियन नए कार्य अवसरों का सृजन आदि।

हालांकि आयोग का प्रश्न त्रुटिपूर्ण है। प्रश्न का प्रारूप होना चाहिए - ''बारहवीं पंचवर्षीय योजना के संदर्भ में कौन-सा बिंदु सही है?''

10. राइबोजाइम्स होते हैं-

(a) डी.एन.ए. (b) आर.एन.ए.
(c) प्रोटीन्स (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(b)

'राइबोन्यूक्लिक एसिड एंजाइम' या राइबोजाइम्स (Ribozymes) R.N.A. अणु हैं, जो विशिष्ट जैव-रसायनिक प्रतिक्रियाओं (Reaction) को उत्प्रेरित करने की क्षमता रखते हैं। R.N.A. के इस उत्प्रेरक गुण (Catalytic Properties) की खोज के लिए थॉमस आर. केच (Thomas R. Cech) तथा सिडनी अल्टमॉन (Sidney Altman) को वर्ष 1989 में नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया था।

11. मृत मछली से निकलने वाली दुर्गंध किन यौगिकों के कारण होती है?

(a) अमीनो यौगिक (b) एल्डिहाइडिक यौगिक

(c) सल्फर यौगिक (d) नाइट्रो यौगिक

उत्तर—(a)

ट्राइमेथिलएमीन एक तृतीयक एमीन है जो संरचनात्मक रूप से अमीनो यौगिक है जिसमें अमोनिया का प्रत्येक हाइड्रोजन परमाणु एक मेथिल समूह से प्रतिस्थापित होता है। मृत मछलियों से निकलने वाली दुर्गंध इन्हीं यौगिकों की उपस्थिति के कारण होती है।

12. नान-स्टिक फ्राइंग कड़ाही में लेप लगा होता है-

(a) आरलान (b) टेफ्लॉन

(c) पॉलीस्टाइरिन (d) पॉलीप्रोपाइलिन

उत्तर—(b)

पॉलीटेट्राफ्लोरो एथीलीन (PTFE) को आमतौर पर टेफ्लॉन के नाम से जाना जाता है। PTFE एक ठोस फ्लोरोकार्बन है। इसका घनत्व $2.2g/cm^3$ होता है एवं इसका गलनांक 327°C होता है। यह विशेषत: बर्तनों पर न चिपकने वाली (Non Stick) सतह के रूप में प्रयुक्त होता है।

13. शासक पूरणमल के द्वारा निम्नलिखित में से किस मंदिर का निर्माण करवाया गया?

(a) रांची स्थित जगन्नाथ मंदिर

(b) देवघर स्थित शिव मंदिर

(c) रांची स्थित पहाड़ी शिव मंदिर

(d) इटखोरी स्थित भद्रकाली मंदिर

उत्तर—(b)

देवघर स्थित शिव मंदिर जिसे 'रावनेश्वर वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग' भी कहा जाता है, द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक है। इसका निर्माण पूरणमल के द्वारा करवाया गया था। झारखंड लोक सेवा आयोग द्वारा जारी पहले उत्तर पत्रक में इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (c) रांची स्थित पहाड़ी शिव मंदिर को माना गया जबकि संशोधित उत्तर पत्रक में इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (b) माना गया।

14. महुआडांर अभयारण्य झारखंड के किस जिले में है?

(a) पलामू (b) कोडरमा

(c) चत्रा (d) लातेहार

उत्तर—(d)

महुआडांर अभयारण्य झारखंड के लातेहार जिले में है। 63.25 वर्ग किलोमीटर में विस्तृत यह अभयारण्य मुख्यतया 'भेड़ियों' के लिए प्रसिद्ध है। यहां पाए जाने वाले अन्य जीव हैं- खरगोश, नेवला, चूहे, गिलहरी, छोटे हिरण तथा भूमि पर रहने वाले पक्षी इत्यादि।

15. 'आंजन धाम' झारखंड के किस जिले में है?

(a) गुमला (b) गढ़वा

(c) गिरिडीह (d) गोड्डा

उत्तर—(a)

'आंजन धाम' झारखंड के गुमला जिले में है। जिले के उत्तरी क्षेत्र में अवस्थित 'आंजन धाम' के बारे में किंवदंती है कि यहीं पर हिंदू आराध्य 'हनुमान' का जन्म हुआ था। उनकी माता 'अंजनी' के नाम पर ही इस जगह का नाम 'आंजन धाम' पड़ा।

16. झारखंड निवासी दीपसेन गुप्ता का नाम किस खेल से जुड़ा हुआ है?

(a) तीरंदाजी (b) बास्केटबॉल

(c) एथलेटिक्स (d) शतरंज

उत्तर (d)

झारखंड निवासी दीपसेन गुप्ता शतरंज के खेल से जुड़े हुए हैं। इन्होंने वर्ष 2000 में विश्व युवा शतरंज चैंपियनशिप का खिताब जीता।

17. स्टैंड-अप इंडिया स्कीम का प्रयोजन-

(a) अनुसूचित जाति/जनजाति एवं महिला उद्यमियों में उद्यमिता को प्रोत्साहित करना है।

(b) पिछड़े वर्ग के उद्यमियों में उद्यमिता को प्रोत्साहित करना है।

(c) सिर्फ अनुसूचित जाति के उद्यमियों में उद्यमिता को प्रोत्साहित करना है।

(d) सिर्फ महिला उद्यमियों में उद्यमिता को प्रोत्साहित करना है।

उत्तर—(a)

संस्थागत साख संरचना तक अनुसूचित जाति/जनजाति एवं महिला उद्यमियों की पहुंच को आसान बनाना, जो अब तक इसके लिए अयोग्य समझे गए थे, के उद्देश्य को पूरा करने हेतु 15 अगस्त, 2015 को प्रधानमंत्री ने 'स्टैंड-अप इंडिया' की घोषणा की थी। इस योजना का शुभारंभ 5 अप्रैल, 2016 को बाबू जगजीवन राम के जन्म दिवस तथा बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 125वीं जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री द्वारा नोएडा से किया गया।

18. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का पहला पुरस्कार हाल ही में किस फिल्म को मिला है?

(a) पिंक (b) ब्लैक एंड ह्वाइट

(c) रेड एंड ह्वाइट (d) ब्लैक

उत्तर—(b)

15 नवंबर, 2016 को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का प्रथम पुरस्कार अनुज एस.आर. की लघु फिल्म 'ब्लैक एंड ह्वाइट' को प्रदान किया गया। जबकि रिंबिक दास की लघु फिल्म 'ट्यूम्लिंग स्ट्रीट' को द्वितीय और सोमनाथ चक्रवर्ती की लघु फिल्म 'अम्ब्रोसिया' को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

19. सभी प्रकार के सामाजिक विभेद का उन्मूलन मानवाधिकार की किस पीढ़ी के अंतर्गत आता है?

(a) पहली पीढ़ी (b) दूसरी पीढ़ी

(c) तीसरी पीढ़ी (d) चौथी पीढ़ी

उत्तर—(b)

सभी प्रकार के सामाजिक विभेद (आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक) का उन्मूलन मानवाधिकार की दूसरी पीढ़ी के अंतर्गत आता है। जबकि पहली पीढ़ी में नागरिक और राजनीतिक स्वतंत्रता का अधिकार तथा तीसरी पीढ़ी में एकजुटता का अधिकार तथा समूह में शामिल होने के अधिकारों आदि का उल्लेख है। हालांकि झारखंड लोक सेवा आयोग का उत्तर विकल्प (c) है।

20. कार्टाजेना प्रोटोकॉल का संबंध है-

(a) जैव सुरक्षा समझौते से (b) प्रदूषण से

(c) ओजोन क्षरण से (d) जलवायु परिवर्तन से

उत्तर—(a)

कार्टाजेना प्रोटोकॉल (Cartajena Protocal) एक अंतरराष्ट्रीय संधि है, जिसका संबंध जैव सुरक्षा समझौते से है। इसे 29 जनवरी, 2000 को स्वीकार किया गया तथा 11 सितंबर, 2003 से यह लागू हुआ। भारत ने 23 जनवरी, 2003 को जैव सुरक्षा पर कार्टाजेना प्रोटोकॉल की पुष्टि की।

21. शुद्ध चांदी का रुपया का आविष्कार किसने किया?

(a) अकबर (b) शेरशाह

(c) जहांगीर (d) औरंगजेब

उत्तर—(b)

शेरशाह का शासनकाल भारतीय मुद्राओं के इतिहास में एक परीक्षण का काल था। उसके मुद्रा सुधार के बारे में इतिहासकार स्मिथ ने लिखा था कि ''यह रुपया वर्तमान ब्रिटिश मुद्रा प्रणाली का आधार है।'' शेरशाह ने पुराने घिसे-पिटे सिक्कों के स्थान पर शुद्ध सोने, चांदी एवं तांबे के सिक्कों का प्रचलन किया। उसने शुद्ध चांदी का रुपया (180 ग्रेन) तथा तांबे का दाम (380 ग्रेन) चलाया।

22. निम्नलिखित वृत्तियों को उनके लेखक से सुमेलित करके सही कूटों में से उत्तर चुनिए-

A. हकाइक ए हिंदी	1. इब्न मिस्काविया
B. तहजीबुल अखलाक	2. सदरुद्दीन मुहम्मद 'औफी'
C. कुंजुल तिजार	3. अब्दुल वाहिद बिलग्रामी
D. जवामिउल हिकायात्	4. बैलक अल कबायाकी

कूट :

	A	B	C	D
(a)	3	1	4	2
(b)	2	4	1	3
(c)	3	1	2	4
(d)	1	2	3	4

उत्तर—(a)

सही सुमेल इस प्रकार है-

वृत्ति		लेखक
हकाइक ए हिंदी	-	अब्दुल वाहिद बिलग्रामी
तहजीबुल अखलाक	-	इब्न मिस्काविया
कुंजुल तिजार	-	बैलक अल कबायाकी
जवामिउल हिकायात्	-	सदरुद्दीन मुहम्मद 'औफी'

23. बघात रियासत का ब्रिटिश में विलय कब हुआ?

(a) 1848 (b) 1850

(c) 1852 (d) 1853

उत्तर—(b)

डलहौजी के व्यपगत सिद्धांत के अंतर्गत विलय किए गए राज्य- सतारा (1848 ई.), जैतपुर एवं संभलपुर (1849 ई.), बघात (1850 ई.), उदयपुर (1852 ई.), झांसी (1853 ई.) तथा नागपुर (1854 ई.) थे।

24. निम्नलिखित में से किसने गांधीजी के नमक आंदोलन में भाग लिया?

(a) सरोजिनी नायडू (b) राजकुमारी अमृत कौर

(c) कमलादेवी चट्टोपाध्याय (d) उपर्युक्त में से सभी

उत्तर—(d)

महात्मा गांधी ने 12 मार्च, 1930 को अपना प्रसिद्ध 'दांडी मार्च' शुरू किया। उन्होंने साबरमती आश्रम से 78 चुने हुए साथियों के साथ सत्याग्रह के लिए कूच किया। 24 दिनों की लंबी यात्रा के बाद उन्होंने 6 अप्रैल, 1930 को दांडी में सांकेतिक रूप से नमक कानून भंग किया और इस प्रकार नमक कानून तोड़कर सविनय अवज्ञा आंदोलन का शुभारंभ किया। सविनय अवज्ञा आंदोलन में महिलाओं की पर्याप्त भागीदारी रही। उपर्युक्त सभी महिलाओं (सरोजिनी नायडू, राजकुमारी अमृत कौर, कमलादेवी चट्टोपाध्याय) ने गांधीजी के नमक सत्याग्रह में भाग लिया।

25. भारत के संविधान में किस अनुच्छेद में करों को केंद्र द्वारा लगाया तथा एकत्रित किया जाता है, लेकिन केंद्र और राज्यों के बीच वितरित किया जाता है?

(a) अनुच्छेद 268 (b) अनुच्छेद 269

(c) अनुच्छेद 270 (d) अनुच्छेद 271

उत्तर—(c)

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 270 में कृषि आय के अतिरिक्त अन्य आय पर लगने वाला कर केंद्र सरकार द्वारा लगाया और वसूला जाता है लेकिन इससे प्राप्त आय केंद्र और राज्यों के बीच वितरित की जाती है।

26. निम्न में से कौन सुशासन की विशेषता नहीं है?

(a) जवाबदेही (b) पारदर्शिता

(c) कानून का नियम (d) लालफीताशाही

उत्तर—(d)

लालफीताशाही सुशासन की विशेषता नहीं है जबकि हिस्सेदारी, जवाबदेही, पारदर्शिता, कानून का नियम, सर्वसम्मति से निर्णय लेना, दक्षता एवं प्रभावशीलता आदि सुशासन की विशेषताएं हैं।

27. मिथकों और कहावतों के रूप में प्रशासन के सिद्धांतों को किसने अस्वीकार किया है?

(a) हर्बर्ट साइमन (b) ड्वाइट वाल्डो

(c) फ्रैंक मेरिनी (d) एफ. डब्ल्यू. रिग्स

उत्तर—(a)

हर्बर्ट ए. साइमन ने मिथकों और कहावतों के रूप में प्रशासन के सिद्धांतों को अस्वीकार किया है जबकि ड्वाइट वाल्डो, फ्रैंक मेरिनी और एफ. डब्ल्यू. रिग्स ने मिथकों और कहावतों के रूप में प्रशासन के सिद्धातों को स्वीकार किया है।

28. ''राज्य हर जगह है : यह अंतराल शायद ही कोई छोड़ता है'' यह वक्तव्य किस धारणा की व्याख्या करता है?

(a) कल्याणकारी राज्य (b) कम्युनिस्ट राज्य

(c) लोकतांत्रिक राज्य (d) पुलिस राज्य

उत्तर—(a)

''राज्य हर जगह है : यह अंतराल शायद ही कोई छोड़ता है'' यह वक्तव्य कल्याणकारी धारणा की व्याख्या करता है।

29. विषाक्त मस्टर्ड गैस होती है-

(a) गैस (b) द्रव
(c) ठोस (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर—(b)

कमरे के तापमान पर मस्टर्ड गैस मूलत: द्रव (Liquid) रूप में होती है। इसे शक्तिशाली रासायनिक हथियार के रूप में प्रयोग किया जाता है। इस विषाक्त रसायन से त्वचा, आंख एवं फेफड़े आदि सर्वाधिक प्रभावित होते हैं। इसके लक्षण प्रयोग के 1-6 घंटे बाद दृष्टिगत होने लगते हैं।

30. डाइनामाइट के निर्माण में प्रयुक्त होने वाला रासायनिक (Chemical) है-

(a) ग्लाइसेराल (b) ग्लाइसेराल ट्राईएसीटेट
(c) ग्लाइसेराल ट्राईनाइट्रेट (d) ग्लाइसेराल ट्राईआयोडेट

उत्तर—(c)

ग्लाइसेराल ट्राइनाइट्रेट को नाइट्रोग्लिसरीन भी कहा जाता है। यह एक भारी रंगहीन, तैलीय विस्फोटक तरल पदार्थ है। यह डाइनामाइट का एक आवश्यक संघटक है।

31. मानव रक्त में अल्कोहल की कितनी प्रतिशत मात्रा मृत्यु का कारण होती है?

(a) 2.0 (b) 3.0
(c) 5.0 (d) 7.0

उत्तर—(*)

मानव रक्त में अल्कोहल की सांद्रता को संक्षिप्त में BAC (Blood Alcohol Concentration) कहते हैं, जिसे प्रतिशत में मापा जाता है। .10 प्रतिशत मात्रा का अर्थ होता है कि मानव शरीर में रक्त के प्रति 1000 मिली. भाग में 1 मिली. अल्कोहल उपस्थित है। मानव शरीर में BAC की .45 प्रतिशत या इससे अधिक की मात्रा मृत्यु का कारण होती है। झारखंड लोक सेवा आयोग द्वारा जारी उत्तर पत्रक में इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (c) दिया गया है।

32. सूचना प्रौद्योगिकी को परिभाषित कर सकते हैं-

(a) कंप्यूटर्स + कनेक्टिविटी
(b) कंप्यूटर्स + नेटवर्क
(c) हार्डवेयर + सॉफ्टवेयर
(d) कनेक्टिविटी + हार्डवेयर

उत्तर—(d)

सूचना प्रौद्योगिकी आंकड़ों की प्राप्ति, सूचना संग्रह, सुरक्षा, परिवर्तन, आदान-प्रदान, अध्ययन तथा डिजाइन आदि कार्यों तथा इन कार्यों के निष्पादन के लिए नेटवर्क कनेक्टिंग हार्डवेयर (Network Connecting Hardware) से संबंधित है।

33. खोरठा संकलनों का प्रकाशन 'मेघदूत' नाम से किस रचनाकार ने किया?

(a) भुवनेश्वर दत्त शर्मा 'व्याकुल'
(b) ए.के. झा
(c) नरेश प्रसाद सिंह
(d) श्रीनिवास पानुरी

उत्तर—(d)

झारखंडी भाषाओं में खोरठा ऐसी भाषा है जो समुद्र (फरक्का के पास) और दामोदर नदी से संबंध रखती है। साथ ही यही ऐसी अकेली झारखंडी भाषा है जिसका भाषा क्षेत्र विदेश (बांग्लादेश) से संबद्ध है। खोरठा संकलनों का प्रकाशन ' मेघदूत' नाम से श्रीनिवास पानुरी ने किया था।

34. मुंडा परंपरा का 'रिजगढ़' किस स्थल से संबंधित है?

(a) रोहतासगढ़ (b) बीजनगढ़
(c) पालीगढ़ (d) राजगीर

उत्तर—(d)

मुंडा परंपरा का 'रिजगढ़' राजगीर से संबंधित है। राजगीर या राजगृह मगध राज्य की राजधानी थी। उल्लेखनीय है कि महाभारत काल में यह गिरिव्रज था, जो जरासंध की प्राचीन राजधानी थी।

35. फ्रेंडशिप - 2016 क्या है?

(a) रूस और पाकिस्तान के सैनिकों द्वारा किया गया संयुक्त युद्धाभ्यास।
(b) अमेरिका और भारत के सैनिकों द्वारा किया गया संयुक्त युद्धाभ्यास।
(c) भारत और अफगानिस्तान के सैनिकों द्वारा किया गया संयुक्त युद्धाभ्यास।
(d) भारत और कजाख्स्तान के सैनिकों द्वारा किया गया संयुक्त युद्धाभ्यास।

उत्तर—(a)

फ्रेंडशिप -2016 रूस और पाकिस्तान के सैनिकों द्वारा किया गया संयुक्त युद्धाभ्यास था। यह संयुक्त युद्धाभ्यास 24 सितंबर से 10 अक्टूबर, 2016 के मध्य पाकिस्तान के शेरात इकाई के रत्तू बेस पर किया गया। इसमें करीब 70 रूसी व 130 पाकिस्तानी सैनिकों ने भाग लिया। युद्धाभ्यास को दिया गया नाम शीत युद्ध के दौर में दोनों देशों के बीच रहे तनाव के खत्म होने का संकेत है। उल्लेखनीय है कि रूस और पाकिस्तान की सेनाओं का यह पहला संयुक्त युद्धाभ्यास था।

36. 14वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन का आयोजन कहां किया गया था?

(a) वियंतियेन (b) इस्लामाबाद
(c) ढाका (d) दावोस

उत्तर—(a)

14वां आसियान-भारत शिखर सम्मेलन लाओस की राजधानी वियंतियेन में 8 सितंबर, 2016 को आयोजित किया गया। इसमें भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाग लिया।

37. संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) का मुख्यालय कहां है?

(a) द हेग (b) नैरोबी

(c) न्यूयॉर्क (d) वाशिंगटन डी.सी.

उत्तर—(b)

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) का मुख्यालय नैरोबी, केन्या में है। यह संयुक्त राष्ट्र संघ की एक एजेंसी है, जो पर्यावरणीय क्रियाकलापों में सहयोग करती है। इसकी स्थापना वर्ष 1972 में की गई थी।

38. दीपिका पल्लीकल किस खेल से संबंधित हैं?

(a) स्क्वैश (b) हैंडबॉल

(c) बैडमिंटन (d) टेनिस

उत्तर—(a)

दीपिका पल्लीकल भारतीय महिला स्क्वैश खिलाड़ी हैं। वह प्रोफेशनल स्क्वैश एसोसिएशन की शीर्ष दस महिला खिलाड़ियों की सूची में जगह बनाने वाली पहली भारतीय महिला हैं।

39. वेलोड्रोम किस खेल से संबंधित है?

(a) टेनिस (b) तलवारबाजी

(c) मुक्केबाजी (d) साइक्लिंग

उत्तर—(d)

वेलोड्रोम साइक्लिंग से संबंधित है। वेलोड्रोम ट्रैक साइक्लिंग का क्षेत्र होता है। यह दो घुमावदार किनारों और दो सीधी रेखाओं की आकृति का क्षेत्र होता है।

40. 'संघमित्रा कलिता' को हाल ही में किस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है?

(a) पुलित्जर अवॉर्ड (b) बुकर्स अवॉर्ड

(c) ज्ञानपीठ अवॉर्ड (d) द लीजन ऑफ हॉनर

उत्तर—(a)

भारतीय मूल की अमेरिकी पत्रकार संघमित्रा कलिता को पुलित्जर पुरस्कार 2016 से सम्मानित किया गया है। वह लॉस एंजिलिस टाइम्स में प्रबंध संपादक हैं और अखबार के उस दल का हिस्सा थीं जिसे ब्रेकिंग न्यूज रिपोर्टिंग श्रेणी में यह पुरस्कार दिया गया है।

41. 'पाकिस्तान प्रस्ताव' की रूपरेखा किसने तैयार की?

(a) रहमत अली (b) सिकंदर हयात् खां

(c) मुहम्मद अली जिन्ना (d) फजलुल हक

उत्तर—(b)

मार्च, 1940 में लौहार में आयोजित मुस्लिम लीग के वार्षिक अधिवेशन में जिन्ना के द्विराष्ट्र सिद्धांत को मान्यता दी गई थी। इससे संबंधित प्रस्ताव का प्रारूप सिकंदर हयात खां ने तैयार किया था और उसे फजलुल हक ने 23 मार्च, 1940 को प्रस्तुत किया था।

42. भारतीय स्वतंत्रता के समय अंग्रेजी महाराज था-

(a) जॉर्ज पंचम् (b) जॉर्ज षष्ठम्

(c) राजा एडवर्ड् सप्तम् (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर—(b)

भारत 15 अगस्त, 1947 को आजाद हुआ। उस समय ब्रिटेन का राजा जॉर्ज षष्ठम् था। जॉर्ज षष्ठम् को दिसंबर, 1936 में ब्रिटेन का सम्राट घोषित किया गया और वह मई, 1937 में गद्दी पर बैठा।

43. माउंटबेटेन योजना (जून, 1947) ने निम्नलिखित में से किस (किन) प्रांत (प्रांतों) में लोक निर्णयार्थ संस्तुति की थी?

(a) सिंध (b) बलूचिस्तान

(c) उत्तर-पश्चिम सीमांत प्रांत (d) उपर्युक्त में से सभी

उत्तर—(d)

माउंटबेटेन योजना (जून, 1947) के अनुसार, पंजाब और बंगाल की प्रांतीय सभाओं की बैठक दो भागों में होनी थी- एक मुस्लिम बहुसंख्यक भाग और दूसरा शेष प्रांत के प्रतिनिधियों का और प्रांतीय सभाओं के ये दोनों भाग पृथक-पृथक बैठकें करके यह निश्चित करेंगे कि प्रांतों का बंटवारा हो कि नहीं। यदि किसी एक भाग का साधारण बहुमत बंटवारे के पक्ष में मत देता है, तो बंटवारे का प्रबंध किया जाएगा। उत्तर-पश्चिमी सीमा प्रांत में जनमत संग्रह (Referendum) का प्रावधान था और सिंध, ब्लूचिस्तान तथा असम के मुस्लिम बहुसंख्यक जिले सिलहट में भी जनमत संग्रह का प्रावधान था।

44. निम्नलिखित जोड़ों में से कौन-सा जोड़ा सही नहीं है?

(a) भारत का कुल क्षेत्रफल - 3.28 मिलियन वर्ग किलोमीटर

(b) भारत का अक्षांशीय विस्तार - 8° 4' उ. से 37°6' उ.

(c) भारत का रेखांशीय विस्तार - 68° 7' पू. से 97°25' पू.

(d) भारत में राज्यों की संख्या - 26

उत्तर—(d)

भारत का भौगोलिक क्षेत्रफल 3.28 मिलियन वर्ग किमी. है। इसका अक्षांशीय विस्तार 8° 4' उत्तर से 37°6' उत्तर तक तथा देशांतरीय विस्तार 68° 7' पूर्व से 97°25' पूर्व तक है। भारत में कुल 29 राज्य एवं 7 संघशासित प्रदेश हैं।

45. दूसरे प्रशासनिक आयोग के कौन-से प्रतिवेदन ने भारत में सुशासन की बाधाओं की पहचान की है?

(a) 'शासन में नैतिकता'

(b) 'नागरिक-केंद्रित प्रशासन : शासन का केंद्र बिंदु'

(c) 'ई-शासन को बढ़ावा'

(d) 'स्थानीय शासन'

उत्तर—(b)

द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग के प्रतिवेदन संख्या 12 'नागरिक केंद्रित प्रशासन : शासन का केंद्र बिंदु' में भारत में सुशासन की बाधाओं की पहचान की गई है तथा सुशासन के लिए आवश्यक पूर्व-शर्तों का उल्लेख है।

46. भारतीय संविधान के कौन-से अनुच्छेद में जिला योजना समिति का गठन होता है?

(a) अनुच्छेद 243 ZD (b) अनुच्छेद 244 ZD

(c) अनुच्छेद 242 ZD (d) अनुच्छेद 243 ZE

उत्तर—(a)

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243 ZD में जिला योजना समिति के गठन का उल्लेख है। प्रत्येक राज्य में जिला स्तर पर, जिले में पंचायतों और नगरपालिकाओं द्वारा तैयार की गई योजनाओं का समेकन और संपूर्ण जिले के लिए एक विकास योजना प्रारूप तैयार करने के लिए एक जिला योजना समिति का गठन किया जाएगा।

47. जोड़ियां बनाइए -

सूची - I (वर्ष)	**सूची -II (समिति)**
1. 1949-51	A. स्थानीय वित्त जांच समिति
2. 1953-54	B. कराधान जांच आयोग
3. 1963 -66	C. ग्रामीण-शहरी संबंध समिति
4. 1985- 88	D. शहरीकरण पर राष्ट्रीय आयोग

कूट :

	1	**2**	**3**	**4**
(a)	A	B	C	D
(b)	B	C	D	A
(c)	C	D	A	B
(d)	D	C	B	A

उत्तर—(a)

सही सुमेलित हैं-

सूची - I (वर्ष)	**सूची -II (समिति)**
1949-51	स्थानीय वित्त जांच समिति
1953-54	कराधान जांच आयोग
1963-66	ग्रामीण-शहरी संबंध समिति
1985-88	शहरीकरण पर राष्ट्रीय आयोग

48. चौदहवें वित्त आयोग सिफारिशों के आधार पर संघीय करों के कुल आय का हिस्सा, केंद्र से राज्य के मध्य वृद्धि के लिए निश्चित किया गया है-

(a) 32 प्रतिशत (b) 37 प्रतिशत
(c) 42 प्रतिशत (d) 41 प्रतिशत

उत्तर—(c)

वाई.वी.रेड्डी की अध्यक्षता में गठित 14वें वित्त आयोग ने केंद्र के निवल कर राजस्व में से 42 प्रतिशत राज्यों को आवंटित करने की सिफारिश की है।

49. एक किलोबाइट में कितने बिट्स होते हैं?

(a) 1024 (b) 1000
(c) 8024 (d) 8192

उत्तर—(d)

एक बाइट में आठ बिट्स होते हैं तथा एक किलोबाइट में 1024 बाइट्स होते हैं। इस प्रकार-
एक किलोबाइट = 1024 × 8 बिट्स = 8192 बिट्स
भंडारण की सबसे बड़ी इकाई जियोपबाइट होती है, जो कि 1024 ब्रोंटोबाइट्स के बराबर होती है।

50. निम्नलिखित में से कौन आउटपुट डिवाइस नहीं है?

(a) मॉनिटर (b) टच स्क्रीन
(c) प्रिंटर (d) प्लॉटर

उत्तर—(b)

टच स्क्रीन एक इनपुट डिवाइस है जबकि शेष सभी आउटपुट डिवाइस हैं। टच स्क्रीन एक ऐसी युक्ति है जिसमें कंप्यूटर उपयोगकर्त्ता बिना किसी अतिरिक्त प्लॉइंटिंग युक्ति (Device) के सीधे कंप्यूटर स्क्रीन पर अपनी उंगलियों के माध्यम से संकेतों को इनपुट करता है।

51. निम्नलिखित में से कौन एक ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर नहीं है?

(a) इंटरनेट एक्सप्लोरर (b) गूगल क्रोम
(c) लाइनक्स (d) ओपन ऑफिस

उत्तर—(a)

इंटरनेट एक्सप्लोरर एक 'क्लोज्ड सोर्स सॉफ्टवेयर' है जबकि शेष सभी 'ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर' हैं।

52. सुनहरे चावल में बीटा-कैरोटीन जीन कहां से आता है?

(a) गाजर (b) डैफोडिल
(c) चुकंदर (d) पपीता

उत्तर—(b)

गोल्डेन राइस (सुनहरी धान) जैव प्रौद्योगिकी की उपलब्धि है जिसके जन्मदाता प्रो. इंगो पोट्रीक्स तथा डॉ. पीटर बेयर हैं। इस चावल का रंग सुनहरा (Golden) होता है। इसके जीनोम में दो जीन डैफोडिल से तथा एक जीन एर्वीनिया यूरेडोवोरा नामक जीवाणु से निवेशित (Inserted) किया जाता है। ये तीनों जीन चावल के अपरिपक्व भ्रूणपोष में प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले यौगिक जिरेर्निल जिरेनिल डाईफॉस्फेट (GGDP) को बीटा कैरोटीन में परिवर्तित करने हेतु आवश्यक एंजाइम उत्पन्न करता है। बीटा-कैरोटीन हमारे शरीर में पहुंचने पर विटामिन 'ए' में परिवर्तित हो जाता है तथा यह विटामिन नेत्रों के लिए अत्यावश्यक है।

53. चंद्रमा पर जाने के लिए दुनिया की पहली प्राइवेट फ्लाईट योजना का नाम-

(a) मून एक्सप्रेस (b) मून फ्लाईट
(c) चंद्रयान (d) मून मेल

उत्तर—(a)

आधिकारिक तौर पर चंद्रमा पर जाने के लिए दुनिया की पहली प्राइवेट फ्लाईट योजना का नाम 'मून एक्सप्रेस' (Moon Express) है। वर्ष 2017 में क्रियान्वित होने वाली इस योजना को संघीय विमानन प्रशासन (Federal Aviation Administration) द्वारा अनुमति 3 अगस्त, 2016 को प्रदान की गई थी।

54. अफगानिस्तान की पहली महिला गवर्नर हैं-

(a) मलाला यूसुफजई (b) मासूमा मुरादी
(c) फरीदा शेख (d) चांद उस्मानी

उत्तर—(*)

अफगानिस्तान की पहली गवर्नर हबीबा सरोबी हैं जो 23 मार्च, 2005 से 14 अक्टूबर, 2013 तक इस पद पर रहीं। जबकि मासूमा मुरादी अफगानिस्तान की द्वितीय महिला गवर्नर हैं जो जून, 2015 से इस पद पर हैं। झारखंड लोक सेवा आयोग का उत्तर विकल्प (b) है जो कि सत्य नहीं है।

55. रियो ओलंपिक्स में तुवालू राष्ट्र ने कितने सदस्यों/प्रतिभागियों के साथ हिस्सा लिया था?

(a) 5 (b) 3
(c) 1 (d) 9

उत्तर—(c)

रियो ओलंपिक खेलों के लिए तुवालू का प्रतिनिधिमंडल सबसे छोटा था। तुवालू की ओर से भाग लेने वाले एटिमनी तिमुआनी एकमात्र सदस्य थे।

56. विश्व आर्थिक मंच सम्मेलन, 2016 (WEF) कहां पर आयोजित हुई?

(a) स्विट्जरलैंड (b) लाओस
(c) ऑस्ट्रिया (d) फ्रांस

उत्तर—(a)

विश्व आर्थिक मंच सम्मेलन, 2016 स्विट्जरलैंड के दावोस शहर में 20-23 जनवरी, 2016 के बीच आयोजित किया गया। इसकी थीम 'चौथी औद्योगिक क्रांति में प्रवीणता' थी। इसमें विश्व आर्थिक मंच द्वारा जारी रिपोर्ट के संदर्भ में बेरोजगारी, जलवायु परिवर्तन, प्रवासन, स्वास्थ्य, आर्थिक असमानता आदि विषयों पर चर्चा हुई।

57. 'नवनाथन पिल्लई' को किस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है?

(a) बुकर्स अवॉर्ड (b) पुलित्जर अवॉर्ड
(c) ऑस्कर अवॉर्ड (d) द लीजन ऑफ हॉनर

उत्तर—(d)

नवनाथन पिल्लई भारतीय मूल की दक्षिण अफ्रीकी न्यायाधीश हैं। उन्हें हाल ही में फ्रांस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान द लीजन ऑफ हॉनर (The legion of Honour) से सम्मानित किया गया। वह दक्षिण अफ्रीका उच्च न्यायालय की पहली अश्वेत महिला न्यायाधीश हैं।

58. नेशनल सेंटर फॉर डिजास्टर मैनेजमेंट (NCDM) कहां स्थित है?

(a) नागपुर (b) नई दिल्ली
(c) हैदराबाद (d) पुणे

उत्तर—(b)

नेशनल सेंटर फॉर डिजास्टर मैनेजमेंट (NCDM) नई दिल्ली में स्थित है। इसकी स्थापना वर्ष 1995 में हुई थी। कालांतर में आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के तहत राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान की स्थापना की गई।

59. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन-योजना' (NDMP) कब जारी की?

(a) 1 जून (b) 2 जून
(c) 3 जून (d) 1 मई

उत्तर—(a)

'राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन योजना' का शुभारंभ 1 जून, 2016 को हुआ। यह योजना आपदा रोकथाम, शमन, राहत एवं बचाव कार्य से संबंधित है।

60. चक्रीय निर्धन वे हैं-

(a) जो सदैव निर्धन रहते हैं।
(b) जो निरंतर निर्धन और गैर-निर्धन होते रहते हैं।
(c) जो अधिकांश समय धनी रहते हैं, पर यदा-कदा निर्धन रहते हैं।
(d) उपर्युक्त सभी

उत्तर—(b)

चक्रीय निर्धनता उस निर्धनता को संदर्भित करती है जो सीमित अवधि के लिए संपूर्ण जनसंख्या में व्यापक हो सकती है। जैसे - गैर-औद्योगिक समुदाय में प्राकृतिक घटनाओं या खराब कृषि योजनाओं के कारण अस्थायी रूप से योजना की कमी हो जाए तो निश्चित रूप से जनसंख्या निर्धन हो जाएगी क्योंकि खाद्य पदार्थों की कमी होगी जिससे खाद्य पदार्थों के मूल्य बढ़ेंगे। लेकिन पुनः अनाज की व्यवस्था हो जाने पर वह अपने सामान्य व्यवस्था में आ जाएगी। इस तरह से औद्योगिक अर्थव्यवस्था में व्यापारिक उच्चा वचनों के कारण भी चक्रीय निर्धनता आती रहती है। या यह कहा जा सकता है कि व्यापार में गिरावट, अथवा आर्थिक तंगी एवं मुद्रास्फीति की वजह से निर्धनता, चक्रीय निर्धनता (Cyclical Poor) कहलाती है।

61. भारत का वह कौन-सा स्थान है, जहां बंगाल की खाड़ी, अरब सागर तथा हिंद महासागर मिलते हैं?

(a) कन्याकुमारी (b) इंदिरा प्वॉइंट
(c) नागरकोइल (d) रामेश्वरम्

उत्तर—(a)

भारतीय मुख्य भूमि के दक्षिणी छोर पर स्थित कन्याकुमारी वह स्थान है, जहां बंगाल की खाड़ी, अरब सागर तथा हिंद महासागर मिलते हैं। कन्याकुमारी भारतीय राज्य तमिलनाडु में स्थित है। यह प्रायद्वीपीय भारत के अंतिम छोर पर स्थित है।

62. क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का विश्व के देशों में कौन-सा स्थान है?

(a) पांचवां (b) छठां
(c) सातवां (d) आठवां

उत्तर—(c)

भारत का क्षेत्रफल की दृष्टि से विश्व में सातवां (7वां) स्थान है। क्षेत्रफल की दृष्टि से विश्व के बड़े देश क्रमशः हैं- रूस, कनाडा, चीन, सं.रा. अमेरिका, ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया एवं भारत। भारत विश्व के भू-भाग का मात्र 2.4 प्रतिशत क्षेत्रफल रखता है।

63. निम्नलिखित उच्चावच आकृतियों पर ध्यान दीजिए-

1. महादेव पर्वत श्रृंखला
2. मैकाल पर्वत श्रृंखला
3. छोटानागपुर पठार

4. खासी की पहाड़ियां

उपरोक्त उच्चावच आकृतियों का पश्चिम से पूर्व की ओर बढ़ते हुए सही क्रम बताइए-

(a) 1, 2, 3, 4 (b) 4, 3, 2, 1

(c) 2, 3, 4, 1 (d) 1, 3, 2, 4

उत्तर—(a)

प्रश्नानुसार दिए गए उच्चावच आकृतियों का पश्चिम से पूर्व की ओर बढ़ते हुए सही क्रम है- महादेव पर्वत श्रृंखला, मैकाल पर्वत श्रृंखला, छोटानागपुर पर्वत श्रृंखला तथा खासी की पहाड़ियां। महादेव एवं मैकाल श्रेणियां सतपुड़ा श्रेणी के पूर्वी विस्तार के रूप में स्थित हैं। इनके पूर्व में छोटानागपुर श्रेणी तथा सबसे पूर्व में खासी की पहाड़ियां (मेघालय) स्थित हैं।

64. निम्नलिखित में से कौन-सा जोड़ा सही है?

	नदी	राज्य
(a)	इंद्रावती	झारखंड
(b)	भीमा	तमिलनाडु
(c)	लूनी	राजस्थान
(d)	घाटप्रभा	केरल

उत्तर—(c)

लूनी नदी राजस्थान में अजमेर के दक्षिण-पश्चिम में अरावली श्रेणी से निकलती है। 320 किमी. तक प्रवाहित होने के पश्चात यह कच्छ रन के दलदली क्षेत्र में विलुप्त हो जाती है। अतः इसका समुद्र से संपर्क नहीं हो पाता है। इंद्रावती नदी प्रमुख रूप से छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा एवं बस्तर जिले में प्रवाहित होती है। भीमा नदी दक्षिण भारत की प्रमुख नदी है। यह नदी दक्षिण भारत के महाराष्ट्र, कर्नाटक एवं तेलंगाना, जबकि घाटप्रभा नदी महाराष्ट्र एवं कर्नाटक राज्यों में प्रवाहित होती है।

65. नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एन.जी.टी.) भारत सरकार द्वारा स्थापित किया गया था-

(a) 2008 (b) 2009

(c) 2010 (d) 2011

उत्तर—(c)

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (N.G.T.) की स्थापना भारत सरकार द्वारा 18 अक्टूबर, 2010 को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल एक्ट, 2010 के अधीन किया गया था। इसके द्वारा पर्यावरण संरक्षण, वन एवं अन्य प्राकृतिक संसाधनों से संबंधित मामलों का निपटारा किया जाता है।

66. भारत के परिप्रेक्ष्य में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव के संदर्भ में सत्य नहीं है?

(a) क्लीन डेवलपमेंट मेकॅनिज्म (CDM) की स्थापना

(b) नेशनल एडाप्टेशन फंड के अंतर्गत 100 करोड़ रु. का प्रारंभिक कोष के रूप में निवेश

(c) हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के सन सिटी में आयोजित BASIC की 19वीं बैठक में शामिल न होना

(d) उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं

उत्तर—(c)

स्वच्छ विकास युक्ति (CDM), UNFCCC के क्योटो प्रोटोकॉल की धारा 12 के अंतर्गत वर्णित है। इसके तहत एनेक्जर -I के विकसित देश गैर-एनेक्जर - I देशों में स्वच्छ विकास युक्ति परियोजनाएं कार्यान्वित कर 'कार्बन क्रेडिट' प्राप्त कर सकते हैं। कार्बन क्रेडिट का उपयोग विकसित देश अपनी राष्ट्रीय उत्सर्जन प्रतिबद्धताओं में हुई कमी को पूरा करने में कर सकते हैं। भारत सरकार द्वारा जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव को कम करने के लिए नेशनल एडाप्टेशन फंड की स्थापना की गई है। बेसिक (BASIC) की 19वीं बैठक में शामिल न होने का जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव का सामना करने से कोई संबंध नहीं है।

67. सूची- I को सूची - II से सुमेलित करें और नीचे दिए हुए कूटों में से सही उत्तर का चयन करें।

सूची- I	सूची - II
A. इनिक्वॉलिटी री-एक्जामिंड	i. जोसेफ इ. स्टिग्लिट्ज
B. द प्राइस ऑफ इनिक्वॉलिटी	ii. थॉमस पिकेकटी
C. इनिक्वॉलिटी : वाट कैन बी डन	iii. अमर्त्य सेन
D. द इकोनॉमिक्स ऑफ इनिक्वॉलिटी	iv. एंथनी बी. एटकिंसन

कूट :

	A	B	C	D
(a)	iv	iii	ii	i
(b)	iii	iv	i	ii
(c)	ii	iii	i	iv
(d)	iii	i	iv	ii

उत्तर—(d)

सही सुमेलित हैं-

सूची- I	सूची - II
इनिक्वॉलिटी री-एक्जामिंड	अमर्त्य सेन
द प्राइस ऑफ इनिक्वॉलिटी	जोसेफ इ. स्टिग्लिट्ज
इनिक्वॉलिटी : वाट कैन बी डन	एंथनी बी. एटकिंसन
द इकोनॉमिक्स ऑफ इनिक्वॉलिटी	थॉमस पिकेकटी

68. सूची- I को सूची - II से सुमेलित करें और सही उत्तर का चयन करें

सूची- I	सूची - II
A. चक्रवर्ती समिति	i. कर सुधार
B. नरसिंहम समिति	ii. निर्धनता आकलन
C. तेंदुलकर समिति	iii. बैंकिंग क्षेत्र सुधार
D. चेलैया समिति	iv. वित्तीय क्षेत्र सुधार

कूट :

	A	B	C	D
(a)	iii	ii	i	iv
(b)	iv	i	iii	ii
(c)	ii	iii	iv	i
(d)	iii	iv	ii	i

उत्तर—(*)

सही सुमेलित हैं-

सूची- I	सूची - II
चक्रवर्ती समिति	वित्तीय क्षेत्र सुधार
नरसिंहम समिति	बैंकिंग क्षेत्र सुधार
तेंदुलकर समिति	निर्धनता आकलन
चेलैया समिति	कर सुधार

नोट - झारखंड लोक सेवा आयोग द्वारा जारी उत्तर-पत्रक में इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (d) दिया गया है।

69. पंचधारा योजना संबंधित है-

(a) नदी जल प्रबंधन से
(b) नारी कल्याण एवं विकास से
(c) एल.पी.जी. वितरण
(d) भूजल प्रबंधन से

उत्तर—(b)

मध्य प्रदेश सरकार द्वारा 1 नवंबर, 1991 से विशेषत: ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों की महिलाओं के कल्याण एवं विकास हेतु पंचधारा योजना शुरू की गई। इस योजना के तहत वात्सल्य योजना, ग्राम्य योजना, आयुष्मति योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना और कल्पवृक्ष योजना सन्निहित हैं।

70. पौधों में वाइट बड रोग किसकी कमी से होता है?

(a) जिंक (b) कॉपर
(c) बोरॉन (d) मैंगनीज

उत्तर—(a)

पौधों में वाइट बड रोग जिंक की कमी से होता है। यह रोग प्राय: मक्के (Maize) में पाया जाता है, जिसमें पौधे की नई पत्तियां लगभग सफेद-सी हो जाती हैं।

71. दूध का सफेद रंग होता है-

(a) कैसीन से (b) एल्बुमिन से
(c) लैक्टोज से (d) ग्लोबुलिन से

उत्तर—(a)

दूध में कैसीन नामक प्रोटीन उपस्थित होता है। इसी प्रोटीन के कारण दूध सफेद रंग का होता है। गाय के दूध के हल्के पीले रंग का कारण कैरोटीन की उपस्थिति है।

72. वेब पोर्टल DACNET संबंधित है-

(a) ई-एग्रीकल्चर से (b) ई-कॉमर्स से
(c) ई-बिजनेस से (d) ई-लाजिस्टिक्स से

उत्तर—(a)

वेब पोर्टल DACNET ई-एग्रीकल्चर से संबंधित है। कृषि एवं सहकारिता विभाग की यह एक ई-गवर्नेंस परियोजना है, जिसे कृषि-ऑनलाइन की सुविधा के लिए राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (NIC) द्वारा निष्पादित किया जा रहा है।

73. विश्व का प्रथम कैशलेस अर्थव्यवस्था वाला देश-

(a) कनाडा (b) स्वीडन
(c) फ्रांस (d) बेल्जियम

उत्तर—(b)

कैशलेस अर्थव्यवस्था वाला विश्व का प्रथम देश स्वीडन है।

74. रियो ओलंपिक्स की सबसे युवा एथलीट कौन थीं?

(a) दीपा करमाकर (b) वरजीनिया थ्रेशर
(c) गौरिका सिंह (d) एमिली सीबोहन

उत्तर—(c)

रियो ओलंपिक, 2016 में प्रतिभाग करने वाली नेपाली तैराक गौरिका सिंह (13 वर्ष, 255 दिन) सबसे कम उम्र की खिलाड़ी थीं।

75. ग्रामीण स्वच्छता सर्वेक्षण के अनुसार, स्वच्छता के मामले में सबसे ऊपर कौन-सा राज्य है?

(a) झारखंड (b) सिक्किम
(c) केरल (d) तेलंगाना

उत्तर—(b)

राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन (NSSO) द्वारा वर्ष 2015 में किए गए सर्वेक्षण के आधार पर 'ग्रामीण स्वच्छता सर्वेक्षण रैंकिंग, 2016' सितंबर, 2016 में जारी की गई। इस सूची में 26 राज्यों को शामिल किया गया है। इस सूची में ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता के संदर्भ में सिक्किम पहले स्थान पर तथा झारखंड अंतिम पायदान पर है। इस सूची में शामिल शीर्ष 5 राज्य क्रमश: सिक्किम, केरल, मिजोरम, हिमाचल प्रदेश और नगालैंड हैं।

76. भारत में सर्वाधिक गति से चलने वाली ट्रेन 'गतिमान एक्सप्रेस' 4 अप्रैल, 2016 को कहां-से-कहां तक चली?

(a) नई दिल्ली से लखनऊ तक
(b) हजरत निजामुद्दीन से आगरा तक
(c) दिल्ली से चंडीगढ़ तक
(d) मुंबई से पुणे तक

उत्तर—(b)

5 अप्रैल, 2016 को सर्वाधिक गति से चलने वाली गतिमान एक्सप्रेस ट्रेन का परिचालन हजरत निजामुद्दीन से आगरा कैंट तक किया गया। यह भारत की पहली हाईस्पीड (160 किमी./घंटा) ट्रेन है।
नोट- प्रश्न में 4 अप्रैल, 2016 दिया गया है, जो कि त्रुटिपूर्ण है।

77. प्रच्छन्न बेरोजगारी का अर्थ है-

(a) तकनीकी के परिवर्तन से उत्पन्न बेरोजगारी
(b) श्रम की उत्पादकता का कम होना
(c) श्रम की सीमांत उत्पादकता शून्य है
(d) बड़ी तादाद में लोगों का बेरोजगार रहना

उत्तर—(c)

ऐसे श्रमिक जो ऊपर से देखने में तो रोजगार में लगे रहते हैं, पर वास्तव में रोजगार में नहीं होते हैं, क्योंकि उनसे प्राप्त होने वाला सीमांत उत्पादन शून्य है अर्थात यदि उन्हें श्रम से बाहर कर दिया जाए, तब भी कुल उत्पादन में कोई कमी नहीं होगी। अत: ऐसे श्रमिकों को प्रच्छन्न बेरोजगारी कहते हैं। भारतीय कृषि क्षेत्र में पाई जाने वाली यह सबसे बड़ी समस्या है।

78. 'राजीव आवास योजना' जो 2011 में शुरू की गई थी, उसे कब तक के लिए विस्तारित किया गया है?

(a) 2016 (b) 2020
(c) 2021 (d) 2022

उत्तर—(d)

केंद्रीय बजट 2009-10 में प्रस्तावित यह योजना स्लम डेवलपर्स तथा शहरी गरीबों से संबंधित है। यह योजना जून, 2011 से आरंभ की गई थी, जिसे विस्तारित करते हुए वर्ष 2022 तक कर दिया गया है। इस योजना में समावेशी और साम्यिक शहरों से युक्त 'झुग्गी मुक्त भारत' की कल्पना की गई है, जिसमें प्रत्येक नागरिक को बुनियादी नागरिक अवसंरचना और सामाजिक सुविधाओं तथा उचित आश्रय उपलब्ध हो।

79. 2016 को संयुक्त राष्ट्र संघ के द्वारा किस रूप में मनाया जा रहा है?

(a) अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष (b) अंतरराष्ट्रीय युवा वर्ष
(c) अंतरराष्ट्रीय जैव-विविधता वर्ष (d) अंतरराष्ट्रीय दलहन वर्ष

उत्तर—(d)

वर्ष 2016 को संयुक्त राष्ट्र संघ ने 'अंतरराष्ट्रीय दलहन वर्ष' घोषित किया है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा वर्ष 2017 को अंतरराष्ट्रीय विकास के लिए 'सतत पर्यटन का वर्ष' घोषित किया गया है।

80. यूनेस्को (UNESCO) का 195वां सदस्य कौन है?

(a) फिलिस्तीन (b) कजाख्स्तान
(c) क्रोएशिया (d) दक्षिण सूडान

उत्तर—(a)

फिलिस्तीन वर्ष 2011 में यूनेस्को का 195वां सदस्य देश बना। वर्तमान में यूनेस्को में शामिल सदस्य देशों की संख्या 195 है तथा 10 एसोशिएट सदस्य हैं। यूनेस्को का मुख्यालय पेरिस, फ्रांस में स्थित है।

81. भारत में हड़प्पा का वृहद स्थल है-

(a) राखीगढ़ी (b) धौलावीरा
(c) कालीबंगन (d) लोथल

उत्तर—(a)

हरियाणा के हिसार जिले में अवस्थित राखीगढ़ी भारत में हड़प्पा सभ्यता का सबसे बड़ा स्थल है। मोहनजोदड़ो, हड़प्पा और गनवेरीवाला (पाकिस्तान) तथा राखीगढ़ी एवं धौलावीरा (भारत) हड़प्पा सभ्यता के पांच वृहद स्थलों की श्रेणी में आते हैं।

82. ऋग्वैदिक जन सभा जो न्यायिक कार्यों से संबंधित थी-

(a) सभा (b) समिति
(c) विधाता (d) उपर्युक्त में से सभी

उत्तर—(a)

सभा, समिति एवं विदथ ऋग्वैदिक कालीन जनतांत्रिक संस्थाएं थीं। इन संस्थाओं में सभा न्यायिक कार्यों से संबंधित थी। ऋग्वेद में सभा का आठ बार उल्लेख हुआ है। अथर्ववेद में सभा और समिति को प्रजापति की दो पुत्रियां कहा गया है।

83. "यमक" बुद्ध "पिटक" से संबंधित है-

(a) सुत्त (b) विनय
(c) अभिधम्म (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर—(c)

महात्मा बुद्ध की मृत्यु के उपरांत उनकी शिक्षाओं को संकलित कर तीन पिटकों में विभाजित किया गया- (1) विनय पिटक, (2) सुत्त पिटक तथा (3) अभिधम्म पिटक। इन्हीं को त्रिपिटक की संज्ञा दी जाती है। विनय पिटक में संघ-संबंधी नियम तथा दैनिक जीवन-संबंधी आचार-विचारों, विधि-निषेधों आदि का संग्रह है। सुत्त पिटक में बौद्ध धर्म के सिद्धांत तथा उपदेशों का संग्रह है। अभिधम्म पिटक में दार्शनिक सिद्धांतों का संग्रह मिलता है। यह प्रश्नोत्तर के रूप में है। अभिधम्म के अंतर्गत सात ग्रंथ सम्मिलित हैं- धम्मसंगणि, विभंग, धातुकथा, युग्गल पंचति, कथावत्थु, यमक तथा पट्ठान।

84. चीनी तीर्थयात्री जिसने छठीं शताब्दी में भारत दर्शन किया-

(a) युआन च्वांग (b) फाहियान
(c) सुंग युन (d) आइजिंग

उत्तर—(c)

चीनी यात्री सुंग युन 518 ई. में भारत आया और उसने अपने तीन वर्ष की यात्रा में बौद्ध धर्म की प्रतियां एकत्रित कीं।

85. झारखंड में वार्षिक वर्षा अंतराल है-

(a) 60 से 100 सेंटीमीटर के मध्य
(b) 100 से 200 सेंटीमीटर के मध्य
(c) 200 से 300 सेंटीमीटर के मध्य
(d) 300 सेंटीमीटर से अधिक

उत्तर—(b)

झारखंड की जलवायु उष्णकटिबंधीय मानसूनी प्रकार की है। राज्य की औसत वार्षिक वर्षा 1296.3 मिमी. या 129.6 सेमी. है। राज्य की कुल वर्षा का 4/5 भाग जून से सितंबर के मध्य होती है। झारखंड अरब सागर की मानसून शाखा से भी कुछ वर्षा प्राप्त करता है।

86. निम्नलिखित में से कौन-सा जोड़ा सही नहीं है?

	क्षेत्र	**मुख्य संसाधन**
(a)	कोल्हान	खनिज संसाधन
(b)	कच्छ	वन संसाधन
(c)	मालाबार तट	जल संसाधन
(d)	मध्य गंगा मैदान	मृदा संसाधन

उत्तर—(b)

सही सुमेल इस प्रकार है-

क्षेत्र	**मुख्य संसाधन**
कोल्हान	खनिज संसाधन
कच्छ	जल संसाधन
मालाबार तट	जल संसाधन
मध्य गंगा मैदान	मृदा संसाधन

87. निम्नलिखित में से कौन-सा जोड़ा सही है?

क्षेत्र	मुख्य आर्थिक क्रियाकलाप
(a) लद्दाख	सूती वस्त्रोद्योग
(b) दंडकारण्य	जूट की कृषि
(c) उत्तरी बिहार	चीनी उद्योग
(d) रायल सीमा	चाय की बागान

उत्तर—(c)

बिहार राज्य का चीनी उत्पादन में महत्वपूर्ण स्थान है। इस उद्योग का केंद्रीकरण उत्तरी बिहार में अधिक हुआ। उत्तरी बिहार में सारन, चंपारन, मुजफ्फरपुर, दरभंगा आदि चीनी उद्योग के प्रमुख जिले हैं। अन्य विकल्प सही सुमेलित नहीं हैं।

88. भारत में निम्न राज्यों में उच्च से निम्न जनसंख्या घनत्व का 2011 की जनगणना के अनुसार सही क्रम क्या है?

(a) पंजाब-बिहार-झारखंड-उत्तराखंड

(b) बिहार-झारखंड-उत्तराखंड-पंजाब

(c) बिहार-पंजाब-झारखंड-उत्तराखंड

(d) पंजाब-बिहार-उत्तराखंड-झारखंड

उत्तर—(c)

राज्य	जनसंख्या घनत्व
बिहार	1106
पंजाब	551
झारखंड	414
उत्तराखंड	189

उपर्युक्त आंकड़ों से स्पष्ट है सही क्रम के लिए विकल्प (c) बिहार-पंजाब-झारखंड-उत्तराखंड सत्य है।

89. 2004-05 के 61वें एन.एस.एस.ओ. डाटा में निर्धनता आकलन करने के लिए विधि अपनाई गई है-

(a) यूनीफॉर्म रिकॉल मेथड (यू.आर.एम.)

(b) मिक्स्ड रिकॉल मेथड (एम.आर.एम.)

(c) यू.आर.एम. और एम.आर.एम. दोनों

(d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(c)

NSSO द्वारा वर्ष 2004-05 के लिए किए गए 61वें दौर के आंकड़ों में निर्धनता आकलन के लिए यू. आर. पी. (यूनिफार्म रिकॉल पीरियड) तथा एम. आर. पी. (मिक्स्ड रिकॉल पीरियड) विधि का प्रयोग किया गया है। यू. आर. पी. विधि में 30 दिन की रिकॉल अवधि में सभी उपयोग मदों के लिए उपभोक्ता व्यय संबंधी आंकड़े एकत्रित किए जाते हैं। जबकि एम. आर. पी. में 5 गैर-खाद्य मदों, जैसे- वस्त्र, जूट, चप्पल, टिकाऊ वस्तुएं, शिक्षा तथा संस्थागत मेडिकल व्यय 365 दिन की रिकॉल अवधि के लिए तथा शेष मदों के लिए उपभोग व्यय 30 दिवसीय रिकॉल अवधि से एकत्रित किए जाते हैं, का प्रयोग होता है।

90. राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के संदर्भ में कौन-सा कथन सत्य नहीं है?

(a) 67 प्रतिशत जनता को कानूनी रूप से सब्सिडी वाले खाद्य प्रदान करती है

(b) यह 75 प्रतिशत ग्रामीण जनसंख्या और 50 प्रतिशत शहरी जनसंख्या को आच्छादित करती है

(c) इसके केवल दो अनुच्छेद हैं, जो कीमत की समस्या और भोजन की पौष्टिकता के स्तर को निर्धारित करता है

(d) उपरोक्त सभी

उत्तर—(c)

सरकार ने संसद द्वारा पारित राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013, 10 सितंबर, 2013 को अधिसूचित किया है। जिसका उद्देश्य एक गरिमापूर्ण जीवन जीने के लिए लोगों को वहनीय मूल्यों पर अच्छी गुणवत्ता के खाद्यान्न की पर्याप्त मात्रा उपलब्ध कराते हुए उन्हें मानव जीवन चक्र दृष्टिकोण में खाद्य और पौषणिक सुरक्षा प्रदान करना है। इस अधिनियम के लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत राज्य सहायता प्राप्त खाद्यान्न प्राप्त करने के लिए 75% ग्रामीण आबादी और 50% शहरी आबादी को दायरे में लाने का प्रावधान है। इस प्रकार लगभग दो-तिहाई आबादी दायरे में लाई जाएगी। झारखंड लोक सेवा आयोग द्वारा जारी पहले उत्तर-पत्रक में इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (b) माना गया था, जबकि संशोधित उत्तर-पत्रक में इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (c) माना गया।

91. राष्ट्रीय विनिर्माण नीति भारत सरकार द्वारा आरंभ की गई थी-

(a) 2010 (b) 2011

(c) 2012 (d) 2013

उत्तर—(b)

राष्ट्रीय विनिर्माण नीति, 4 नवंबर, 2011 को वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा अधिसूचित किया गया। इस नीति का उद्देश्य जीडीपी में विनिर्माण के हिस्से को एक दशक के भीतर 25% तक बढ़ाना तथा 100 मिलियन रोजगारों का सृजन करना है।

92. स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एस.ई.जेड.) की नीति देश में पहली बार आरंभ की गई थी-

(a) 1991 (b) 2000

(c) 2005 (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(b)

भारत सरकार ने अप्रैल, 2000 में विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) नीति की घोषणा की। यह एक निर्दिष्ट शुल्क मुक्त क्षेत्र है, जिसे व्यापार संचालन तथा शुल्क एवं तटकर के लिए विदेशी क्षेत्र माना गया। भारत सरकार द्वारा विशेष आर्थिक क्षेत्र अधिनियम वर्ष 2005 में पारित किया गया, जो फरवरी, 2006 से प्रभावी हुआ। भारत एशिया के पहले देशों में से एक है, जिसने निर्यात संवर्धन में निर्यात संसाधन क्षेत्र (EPZ) की महत्ता को स्वीकार किया और वर्ष 1965 में कांडला में एशिया का पहला निर्यात संवर्धन क्षेत्र स्थापित किया।

93. संथाल परगना क्षेत्र को अति प्राचीन काल में क्या कहा जाता था?

(a) नरीखंड (b) मान-वर्जिका

(c) करतासिना (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(a)

संथाल परगना क्षेत्र को अति प्राचीन काल में 'नरीखंड' कहा जाता था। इसके अलावा बौद्ध साहित्य के अनुसार, इसे 'कजंगला' (Kajangala) नाम से भी जाना जाता था। महाभारत युग में संथाल परगना क्षेत्र 'अंग महाजनपद' का एक भाग था।

94. साफा-होर आंदोलन किस आदिवासी समुदाय से संबंधित है?

(a) मुंडा (b) हो

(c) संथाल (d) खड़िया

उत्तर—(c)

साफा-होर आंदोलन संथाल आंदोलन से संबंधित है। खेरवार आंदोलन (1868-71 ई.) को साफा-होर आंदोलन भी कहा जाता था। यह आंदोलन एक ईश्वर की अवधारणा के साथ-साथ सामाजिक सुधार से भी संबंधित था।

95. निम्नलिखित में से कौन आदिम जनजाति है?

(a) कवर (b) कोरा

(c) करमाली (d) कोरवा

उत्तर—(d)

झारखंड की 32 जनजातियों में से आठ जनजातियां आदि जनजाति समूह (Primitive Tribe Groups) में आती हैं। इनमें असुर, बिरहोर, बिराजिया, कोरवा, परहिया (बैगा), साबर, माल पहरिया और सौरिया पहरिया शामिल हैं। झारखंड की कुल जनसंख्या का 27 प्रतिशत भाग जनजातियों का है। 2011 की जनगणना के अनुसार, आदिम जनजातियों की जनसंख्या 2.23 लाख है।

96. 'अंडी' और 'ओपोरतीपि' नाम से प्रचलित विवाह किस आदिवासी समुदाय से संबंधित है?

(a) हो (b) पहाड़िया

(c) मुंडा (d) उरांव

उत्तर—(a)

'अंडी' और 'ओपोरतीपि' नाम से प्रचलित विवाह 'हो' (Ho) आदिवासी समुदाय से संबंधित है। जहां 'अंडी' (Andi) से तात्पर्य वार्ता के द्वारा विवाह, जबकि 'ओपोरतीपि' (Oportipi) से तात्पर्य अपहरण के द्वारा विवाह से है।

97. रियो पैरा-लंपिक में भारत कौन से स्थान पर रहा?

(a) 42वें (b) 43वें

(c) 44वें (d) 32वें

उत्तर—(b)

15वें ग्रीष्मकालीन पैरा-लंपिक खेलों का आयोजन रियो डी जेनेरियो (ब्राजील) में हुआ। इसमें भारत 2 स्वर्ण, 1 रजत एवं 1 कांस्य पदक के साथ पदक तालिका में 43वें स्थान पर रहा। इस पैरा-लंपिक में देवेंद्र झांझरिया (भाला फेंक) और मरियप्पन थंगावेलु (पुरुष ऊंची कूद) में स्वर्ण पदक जीता। रियो पैरा-लंपिक की पदक तालिका में शीर्ष 5 देश रहे- चीन, ग्रेट ब्रिटेन, यूक्रेन, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया।

98. रणथम्भौर की प्रसिद्ध बाघिन जिसकी हाल ही में मृत्यु हुई है, उसका नाम क्या है?

(a) मछली (b) सोनल

(c) शेरी (d) शत्रुजीत

उत्तर—(a)

18 अगस्त, 2016 को रणथम्भौर नेशनल पार्क में निवास करने वाली प्रसिद्ध बाघिन जिसे 'मछली' के नाम से जाना जाता था, की मृत्यु हो गई। इसे एक अन्य टी-16 (T-16) नाम से भी जाना जाता था। इसकी उम्र 19 वर्ष थी। इसे रणथम्भौर राष्ट्रीय उद्यान की रानी भी कहा जाता था।

99. भारत की पहली सशस्त्र परमाणु पनडुब्बी है-

(a) आई.एन.एस. तिहायु

(b) आई.एन.एस. विराट

(c) आई.एन.एस. अरिहंत

(d) आई.एन.एस. अस्त्रधारिणी

उत्तर—(c)

एडमिरल सुनील लांबा ने अगस्त, 2016 में आईएनएस अरिहंत को औपचारिक रूप से भारतीय नौसेना में शामिल किया। यह भारत की पहली स्वदेश निर्मित परमाणु पनडुब्बी है। यह 83 मेगावॉट के दाबित हल्के जल परमाणु रिएक्टर द्वारा संचालित है। इसका वजन 6000 टन है। थल और आकाश के बाद पानी के भीतर से परमाणु वार करने की परमाणु त्रयी क्षमता हासिल करने वाला भारत विश्व का छठां देश है।

100. प्रोजेक्ट लून (LOON) संबंधित है-

(a) अपशिष्ट-प्रबंधन प्रौद्योगिकी से

(b) बेतार संचार प्रौद्योगिकी से

(c) सौर ऊर्जा उत्पादन प्रौद्योगिकी से

(d) जल-संरक्षण प्रौद्योगिकी से

उत्तर—(b)

प्रोजेक्ट लून (LOON) बेतार संचार प्रौद्योगिकी से संबंधित है। यह परियोजना गूगल द्वारा शुरू की गई है। प्रोजेक्ट लून हवा में तैरते गुब्बारों का एक समूह है, जिसका लक्ष्य ग्रामीण और सुदूरवर्ती इलाकों में इंटरनेट सेवा मुहैया कराना है। इस परियोजना की शुरुआत प्रायोगिक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में न्यूजीलैंड में की गई थी। प्रोजेक्ट लून में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका पोलीथिलिन से बने गुब्बारों की होती है, जिसमें हीलियम गैस भरी होती है।

झारखंड पी.सी.एस.(प्रा.) परीक्षा, 2016

द्वितीय प्रश्न-पत्र

सीरीज - B **परीक्षा तिथि - 18/12/2016**

1. जलवायु के प्रमुख घटक, जो झारखंड राज्य के वन के क्षेत्र की जलवायु को प्रभावित कर रहे हैं-

(a) आधारभूत संरचना के विकास की कमी
(b) जंगल की आग
(c) सिंचाई की कमी
(d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(b)

झारखंड राज्य के वन के क्षेत्र की जलवायु को प्रभावित करने वाला प्रमुख घटक जंगल की आग है। जंगल की आग से झारखंड के प्रभावित होने वाले जिलों में हजारीबाग, जमशेदपुर, पलामू, बोकारो आदि हैं। जंगल की आग झारखंड के आरक्षित एवं संरक्षित वनों में भी प्रमुख समस्या है।

2. झारखंड राज्य में जंगलों को 'सुरक्षित वन' के रूप में वर्गीकृत करने का उद्देश्य है-

(a) बिना अनुमति सभी गतिविधियों पर प्रतिबंध
(b) सभी गतिविधियों की छूट
(c) सभी गतिविधियों पर प्रतिबंध
(d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(a)

झारखंड राज्य में वनों को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है- सुरक्षित, संरक्षित तथा अवर्गीकृत वन। राज्य में सुरक्षित वनों में बिना अनुमति के सभी गतिविधियां निषिद्ध हैं।

3. NIDM रिपोर्ट के अनुसार, झारखंड राज्य में कितने प्रकार के जलवायु क्षेत्र मौजूद हैं?

(a) 4 (b) 3
(c) 5 (d) 1

उत्तर—(c)

NIDM रिपोर्ट के अनुसार, झारखंड राज्य में 5 प्रकार के जलवायु क्षेत्र मौजूद हैं। इनमें उत्तर-पूर्वी और उत्तर-मध्य पठार क्षेत्र, ऊपरी छोटा नागपुर क्षेत्र, दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र, पूर्वी क्षेत्र और उत्तर पश्चिमी निम्न पठार क्षेत्र शामिल हैं। झारखंड लोक सेवा आयोग द्वारा जारी उत्तर-पत्रक में इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (b) माना गया है, जो कि त्रुटिपूर्ण है।

4. झारखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (JSDMA) वर्ष में गठित की गई है-

(a) 2009 (b) 2011
(c) 2008 (d) 2010

उत्तर—(d)

झारखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (JSDMA) का गठन वर्ष 2010 में किया गया था।

5. जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (DDMA) का नेतृत्व कौन करता है?

(a) जिला दंडाधिकारी (b) जिला समाहर्ता
(c) इनमें से कोई भी एक (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(c)

'जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण' (DDMA) का नेतृत्व जिला कलेक्टर या डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट या डिप्टी कमिश्नर करता है। इस प्रकार झारखंड में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का नेतृत्व जिला दंडाधिकारी या जिला समाहर्ता करता है। अतः विकल्प (c) सही उत्तर है।

6. झारखंड के स्वतंत्रता सेनानियों में से प्रथम शहीद होने का गौरव किस सेनानी को प्राप्त है?

(a) बिरसा मुंडा (b) तेलंगा खड़िया
(c) तिलका मांझी (d) सिद्धू और कान्हु

उत्तर—(c)

झारखंड में जमींदारों और ब्रिटिश सरकार के खिलाफ पहले आदिवासी विद्रोह का नेतृत्व 1771 ई. में तिलका मांझी ने किया था। तिलका मांझी संथाली आदिवासी इलाके के बहादुर नेता थे। वह अपने लोगों को बेईमान जमींदारों के चंगुल से मुक्त कराना चाहते थे और अपने लोगों की जमीन को बहाल कराना चाहते थे। ब्रिटिश सरकार ने अपने सैनिकों को भेजकर तिलका मांझी के विद्रोह को कुचल दिया। 1785 ई. में तिलका मांझी को गिरफ्तार कर लिया गया और फांसी दे दी गई। तिलका मांझी को झारखंड में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों में प्रथम शहीद होने का गौरव प्राप्त है।

7. झारखंड में प्रथम परमवीर चक्र की उपाधि से गौरवान्वित किया गया था-

(a) अल्बर्ट एक्का (b) बिरसा मुंडा
(c) तिलका मांझी (d) जतरा उरांव

उत्तर—(a)

अल्बर्ट एक्का वर्ष 1971 के भारत-पाक युद्ध में लड़ते हुए शहीद हो गए थे। उन्हें मरणोपरांत देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया। परमवीर चक्र पुरस्कार से सम्मानित वह झारखंड के पहले निवासी हैं। अल्बर्ट एक्का का जन्म झारखंड के गुमला जिले में हुआ था।

8. स्वतंत्रता सेनानी पोटो सरदार था-

(a) उरांव (b) गोंड

(c) मुंडा (d) नागबंशी

उत्तर—(*)

झारखंड के स्वतंत्रता सेनानी पोटो सरदार 'हो' थे। पोटो सरदार के नेतृत्व में आदिवासियों ने सिंहभूम में बहादुरी से ब्रिटिश सेना का मुकाबला किया। कई ब्रिटिश सैनिक मारे गए। पोटो सरदार और उनके सबसे करीबी सहयोगी- नारा हो, बोरा हो, पांडुआ हो, देवी हो, बुडो हो और भुगनी हो को गिरफ्तार कर लिया गया और 1838 ई. में मौत की सजा सुनाई गई। झारखंड लोक सेवा आयोग द्वारा जारी संशोधित उत्तर-पत्रक में इस प्रश्न के किसी भी विकल्प को सही नहीं माना गया है।

9. 'मारंग गोमके' किसे कहा जाता है?

(a) जयपाल सिंह (b) के.एस.सिंह

(c) सिबु सोरेन (d) बिरसा मुंडा

उत्तर—(a)

जयपाल सिंह एक मुंडा आदिवासी थे। उन्होंने एम्सटर्डम में वर्ष 1928 के ग्रीष्मकालीन ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम का नेतृत्व किया था। कालांतर में झारखंड राज्य की मांग को लेकर जयपाल सिंह आदिवासियों के एकमात्र नेता बनकर उभरे। भारत की संविधान सभा के सदस्य के रूप में उन्होंने अनुसूचित जनजातियों के अधिकारों के लिए सक्रिय रूप से अभियान चलाया। उन्हें लोकप्रिय रूप से 'मारंग गोमके' के नाम से जाना जाता है, जिसका अर्थ महान नेता होता है।

10. 1954 के छोटानागपुर संयुक्त संघ का अध्यक्ष कौन था?

(a) सत्येदव साहू (b) सुखदेव महतो

(c) राम नारायण खलको (d) एम.एल. अग्रवाल

उत्तर—(b)

वर्ष 1954 के छोटानागपुर संयुक्त संघ के अध्यक्ष सुखदेव महतो थे।

11. वर्ष 2016 के पद्मश्री अवॉर्ड से झारखंड के किस पर्यावरणविद् को सम्मानित किया गया है?

(a) शिवलाल सागर (b) डॉ. सुरेंद्र प्रसाद

(c) सिमोन उरांव (d) अशोक भगत

उत्तर—(c)

झारखंड के रहने वाले 'वाटरमैन' सिमोन उरांव को वर्ष 2016 में पर्यावरण संरक्षण के लिए पद्मश्री सम्मान से सम्मानित किया गया। इनके साथ ही झारखंड राज्य की प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय तीरंदाज दीपिका कुमारी को भी पद्मश्री सम्मान से सम्मानित किया गया।

12. सन् 2016 में झारखंड विधान सभा के द्वारा किस विधायक को उत्कृष्ट विधायक के रूप में सम्मानित किया गया?

(a) प्रदीप यादव (b) बिरंची नारायण

(c) स्टीफन मरांडी (d) जोबा मांझी

उत्तर—(c)

वर्ष 2016 में झारखंड विधान सभा द्वारा महेशपुर से सात बार विधायक रह चुके स्टीफन मरांडी को बिरसा मुंडा उत्कृष्ट विधायक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उन्हें झारखंड विधान सभा के 16वें स्थापना दिवस के दिन प्रदान किया गया।

13. सन् 2015 के गणतंत्र दिवस समारोह में जिस झांकी को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ वह थी-

(a) मलूटी मंदिर (b) राजरप्पा मंदिर

(c) देवघर मंदिर (d) बासुकीनाथ मंदिर

उत्तर—(a)

झांकी श्रेणी में वर्ष 2015 के गणतंत्र दिवस समारोह में झारखंड के 'मलूटी मंदिर' को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। इस समारोह में महाराष्ट्र के 'पंढरपुर वारी' को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया।

14. किस वस्तु के सीधा लाभ स्थानांतरण में झारखंड देश का पहला राज्य बना है?

(a) चीनी (b) दाल

(c) खाद्य तेल (d) केरोसिन तेल

उत्तर—(d)

1 अक्टूबर, 2016 से झारखंड राज्य के चार जिलों चतरा, हजारीबाग, खूंटी और जामताड़ा में केरोसिन तेल में प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) शुरू करने वाला देश का प्रथम राज्य बना है। डीबीटी योजना के तहत अनुदान (Subsidy) सीधे उपभोक्ताओं के बैंक खातों में हस्तांतरित किया जा रहा है। सरकार की इस पहल का उद्देश्य अनुदान को युक्तिसंगत बनाना है।

15. ऊर्जा गंगा जगदीशपुर-हल्दिया गैस पाइप लाइन झारखंड के किस जिले से नहीं गुजरेगी?

(a) धनबाद (b) बोकारो

(c) पूर्वी सिंहभूम (d) प. सिंहभूम

उत्तर—(d)

24 अक्टूबर, 2016 को गैस वितरण हेतु ऊर्जा गंगा परियोजना का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी में किया। यह परियोजना देश के पांच राज्यों- उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, ओडिशा तथा पश्चिम बंगाल से गुजरेगी। ऊर्जा गंगा जगदीशपुर हल्दिया गैस पाइप लाइन झारखंड के छः जिलों - बोकारो, गिरिडीह, हजारीबाग, धनबाद, पूर्वी सिंहभूम एवं रांची से गुजरेगी।

16. 'गायब होता हुआ देश' उपन्यास के लेखक हैं-

(a) निर्मला पुतुल (b) रजत वर्मा

(c) श्रवण कुमार गोस्वामी (d) रणेंद्र

उत्तर—(d)

'गायब होता हुआ देश' उपन्यास के लेखक रणेंद्र हैं। इनकी यह पुस्तक इनके पहले उपन्यास 'ग्लोबल गांव के देवता' की तरह विस्थापित होते टूटते-बिखरते और लगातार गायब होते जा रहे आदिवासी समाज की समस्याओं की कहानी कहती है।

17. 'कोचे कड़बा' नाटक के रचनाकार हैं-

(a) सोलेमान मुरमू (b) नारायण सोरेन
(c) पंचानन मारडी (d) रघुनाथ मुरमू

उत्तर—(a)

'कोचे कड़बा' (Koche karba) नाटक के रचनाकार सोलेमान मुरमू हैं।

18. 'खेरवाल बांशो धोरोम पुथी' के रचयिता हैं-

(a) फादर पीटरलाल एक्का (b) स्टेफन हिकिम मुरमू
(c) मांझी रामदास टुडू (d) डोमन हांसदा

उत्तर—(c)

'खेरवाल बांशो धोरोम पुथी' के रचयिता मांझी रामदास टुडू हैं।

19. 'आदि धर्म' पुस्तक के रचनाकार हैं-

(a) रघुनाथ मुरमू (b) गुरबचन सिंह
(c) रामदयाल मुंडा (d) निर्मल मिंझ

उत्तर—(c)

'आदि धर्म' (Adi-dharam) पुस्तक के रचनाकार रामदयाल मुंडा हैं।

20. किस साहित्यकार की जन्मशती 2016 में है?

(a) वंदना टेटे (b) रामस्वार्थ सिंह
(c) दिनेश्वर प्रसाद (d) राधाकृष्ण

उत्तर—(d)

साहित्यकार राधाकृष्ण की जन्मशती वर्ष 2016 में थी। ये झारखंड के द्वितीय पीढ़ी के कहानीकार माने जाते हैं। इनकी पहली कहानी 'सिन्हा साहेब' वर्ष 1929 में प्रकाशित हुई थी। इनके अन्य कहानी संग्रह हैं- रामलीला, सजला, गल्पिका, गेंद और गोल आदि।

21. बिहार स्पांजर आयरन संयंत्र, अवस्थित है-

(a) आदित्यपुर (b) सोनारी
(c) चांडिल (d) तमाड

उत्तर—(c)

बिहार स्पांजर आयरन लिमिटेड भारत का पहला व्यापारिक स्पांजर आयरन संयंत्र है। यह संयंत्र सरायकेला खारसवां जिले के उमेश नगर, चांडिल में स्थित है।

22. भारत के किस राज्य में सर्वप्रथम 'मुख्यमंत्री जन वन योजना' का प्रारंभ किया गया?

(a) बिहार (b) झारखंड
(c) छत्तीसगढ़ (d) केरल

उत्तर—(b)

झारखंड राज्य में पर्यावरण संतुलन बनाए रखने हेतु राज्य में 'मुख्यमंत्री जन वन योजना' को लागू किया गया। इसे 15 नवंबर, 2015 को प्रारंभ किया गया था। इस योजना के निम्नलिखित उद्देश्य हैं-

- प्रदेश के हरित क्षेत्र में वृद्धि कर पर्यावरण संतुलन कायम रखना।
- वृक्षारोपण के माध्यम से भू-जल संरक्षण करना।
- निजी क्षेत्र में वनोपज उत्पादन को बढ़ावा देकर अधिसूचित वनों पर दबाव कम करना।
- किसानों की भूमि पर वृक्षारोपण कर उनकी आय बढ़ाना।
- राज्य में जन सहयोग से वनाच्छादन को बढ़ाना।

23. झारखंड में विधवाओं के लिए लागू भीमराव अंबेडकर आवास योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2016-17 में कुल निर्मित किए जाने वाले आवासों की संख्या है-

(a) 8,000 (b) 9,000
(c) 10,000 (d) 11,000

उत्तर—(d)

झारखंड के मुख्यमंत्री रघुवर दास ने बी.आर. अंबेडकर की 125वीं जयंती के अवसर पर विधवाओं के लिए 'भीमराव अंबेडकर आवास योजना' का शुभारंभ किया। इस योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2016-17 में 11,000 आवासों के निर्माण का लक्ष्य है। इस योजना हेतु 80 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया गया है।

24. झारखंड सरकार द्वारा 'योजना बनाओ' प्रयास की शुरुआत कब की गई?

(a) 2011 (b) 2013
(c) 2014 (d) 2016

उत्तर—(d)

झारखंड के मुख्यमंत्री रघुवर दास ने जनवरी, 2016 में 'योजना बनाओ अभियान' की शुरुआत की। इस योजना की टैगलाइन है- ''हमारी योजना, हमारा विकास''। इस योजना में ग्रामीण अपनी ग्राम पंचायत के साथ मिलकर अपने जीवन से जुड़ी आजीविकाओं व बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए सहभागितापूर्ण योजनाओं का चयन करेंगे।

25. झारखंड सरकार ने विनिर्माण क्षेत्र से जुड़े श्रमिकों के लाभ के लिए 'सरस्वती योजना' की शुरुआत किस वर्ष में की?

(a) 2011 (b) 2012
(c) 2013 (d) 2014

उत्तर—(d)

झारखंड सरकार द्वारा विनिर्माण क्षेत्र से जुड़े श्रमिकों की बेटियों हेतु 'सरस्वती योजना' की शुरुआत वर्ष 2014 में की गई। राज्य सरकार विनिर्माण क्षेत्र में निबंधित मजदूरों की बेटियों के खाते में डाक जमा योजना के तहत 5000 रुपये का बीमा कराएगी। बालिका के 18 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर 1 लाख रुपये प्रदान किया जाएगा। इसमें बालिकाओं के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करने की भी व्यवस्था है।

26. संथाली का प्रथम छोटी कहानी का संग्रह था-

(a) हैंडमावक अटो (b) कुकमु
(c) महिला चेचेत दाई (d) समीर

उत्तर—(b)

संथाली का प्रथम छोटी कहानी संग्रह कुकमु (Kukmu) है।

27. लांगड़े क्या है?

(a) वाद्य यंत्र (b) एक प्रकार का नृत्य

(c) जादू का प्रकार (d) a एवं c दोनों

उत्तर—(b)

लांगड़े एक प्रकार का नृत्य है, जिसे डाहार नृत्य भी कहते हैं। यह माघ महीने का नृत्य है। माघ बांगा पर्व पर यह नृत्य किया जाता है। इसका एक प्रारूप बाहा नृत्य भी है, जो फाल्गुन महीने में किया जाता है। यह नृत्य सरहुल (बाहा पर्व) के उपलक्ष्य में किया जाता है।

28. कजली कब गाया जाता है?

(a) रबी फसल के समय (b) होली में

(c) वर्षा ऋतु में (d) चैत्र मास में

उत्तर—(c)

कजली वर्षा ऋतु (सावन + भादों) में गाया जाता है। यह उत्तर प्रदेश के प्रचलित लोकगीतों में से एक है, जिसका मुख्य केंद्र वाराणसी तथा मिर्जापुर क्षेत्र है।

29. टांगीनाथ केंद्र था-

(a) वैष्णव धर्म (b) पशुपति संप्रदाय

(c) बौद्ध धर्म (d) जैन धर्म

उत्तर—(b)

गुमला जिला मुख्यालय से उत्तर-पश्चिम दिशा में टांगीनाथ मंदिर के अवशेष स्थित हैं। शिव को समर्पित इस मंदिर स्थल पर प्राचीन प्रस्तर स्तंभ आदि एकत्रित कर रखे गए हैं जहां एक विशाल त्रिशूल भी विखंडित अवस्था में पड़ा हुआ है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान परशुराम ने यहां शिव की घोर उपासना की थी।

30. 'धुमकरिया' किस जनजाति की सामाजिक संस्था है?

(a) उरांव (b) हो

(c) गोंड (d) कोल

उत्तर—(a)

उरांव जनजाति का युवागृह 'धुमकरिया' कहलाता है। उरांव जनजाति में समगोत्रीय विवाह निषिद्ध है। उरांव समाज में बाल विवाह की प्रथा नहीं है। उरांवों में विवाह का सर्वाधिक प्रचलित रूप 'आयोजित विवाह' है। इसमें विवाह का प्रस्ताव वर पक्ष के सामने रखा जाता है। इस विवाह में वर पक्ष को वधू मूल्य देना पड़ता है। उरांव गांव का मुखिया 'महतो' कहलाता है। उरांव गांव की पंचायत को 'पंचोरा' कहा जाता है।

31. वर्ष 2016 में विश्व बैंक एवं DIPP के अनुसार, ब्यापार सुगमीकरण में भारतीय राज्यों में झारखंड का स्थान है-

(a) प्रथम (b) पंचम

(c) सप्तम (d) तृतीय

उत्तर—(c)

वर्ष 2016 में विश्व बैंक तथा औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग (DIPP) के अनुसार, व्यापार सुगमीकरण में भारतीय राज्यों में झारखंड का स्थान सातवां है। इस सूची में आंध्र प्रदेश और तेलंगाना संयुक्त रूप से पहले स्थान पर रहे।

32. झारखंड सरकार की नई औद्योगिक नीति (2016) ने ग्रामीण विद्युतीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए विद्युतीकरण का लक्ष्य-

(a) 70% विद्युतीकरण 2017 तक

(b) 80% विद्युतीकरण 2017 तक

(c) 90% विद्युतीकरण 2017 तक

(d) 100% विद्युतीकरण 2017 तक

उत्तर—(d)

झारखंड सरकार की नई औद्योगिक नीति (2016) में ग्रामीण विद्युतीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान की गई है। इस औद्योगिक नीति में वर्ष 2017 तक 100% विद्युतीकरण का लक्ष्य है। साथ ही साथ पतरातू थर्मल पॉवर स्टेशन पर 4000 मेगावॉट का बिजली संयंत्र स्थापित करने हेतु झारखंड सरकार ने एनटीपीसी (NTPC) के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है।

33. झारखंड सरकार की 2016 औद्योगिक नीति के लागू रहने की अवधि है-

(a) 5 वर्ष (b) 10 वर्ष

(c) 15 वर्ष (d) 1 वर्ष

उत्तर—(a)

झारखंड सरकार ने वर्ष 2012 की औद्योगिक नीति के स्थान पर वर्ष 2016 में एक नई औद्योगिक नीति लागू की है, जिसकी अवधि 5 वर्ष (अप्रैल, 2016 से मार्च, 2021 तक) है।

34. नई औद्योगिक नीति (2016) के अंतर्गत सीमेंट क्षेत्र में बृहत परियोजना के लिए न्यूनतम पूंजी निवेश की आवश्यकता है-

(a) 100 करोड़ रु. (b) 200 करोड़ रु.

(c) 300 करोड़ रु. (d) 500 करोड़ रु.

उत्तर—(c)

झारखंड सरकार की नई औद्योगिक नीति (2016) के अंतर्गत सीमेंट क्षेत्र में बृहत परियोजना के लिए न्यूनतम 300 करोड़ रुपये पूंजी निवेश की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त विनिर्माण में न्यूनतम 250 करोड़ रुपये की पूंजी निवेश की आवश्यकता है।

35. 2008 की पुनर्स्थापन एवं पुनर्वास नीति के अनुसार, राज्य स्तरीय पुनर्स्थापन एवं पुनर्वास परिषद की बैठक कम-से-कम ..... एक वर्ष में होगी।

(a) एक बार (b) दो बार

(c) तीन बार (d) चार बार

उत्तर—(b)

झारखंड राज्य में औद्योगिक विकास, उद्योगों व खानों की स्थापना के लिए काफी भूमि अर्जित की गई, जिससे बड़ी संख्या में स्थानीय लोग विस्थापित हुए और ये स्थानीय लोग अपनी भूमि, वन,जल संसाधन, सामुदायिक पहचान, कला एवं जीविकोपार्जन को खो बैठे। स्थानीय लोगों के हितों की रक्षा के लिए सरकार द्वारा पुनर्स्थापना एवं पुनर्वास नीति, 2008 लाई गई। इसी नीति के अनुसार, निगरानी तंत्र के लिए

'राज्य स्तरीय पुनर्स्थापना एवं पुनर्वास परिषद' की स्थापना की गई, जिसके सदस्य - मुख्यमंत्री (अध्यक्ष), संबंधित विभाग के मंत्री, संबंधित विभाग के सचिव, राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञ होंगे। इस परिषद का कार्य है पुनर्स्थापन एवं पुनर्वास नीति, 2008 के क्रियान्वयन के संबंध में परामर्श देना व समीक्षा करना। इस परिषद की बैठक एक वर्ष में दो बार होगी।

36. निम्नलिखित में से कौन-से जलप्रपात-नदी युग्म सुमेलित नहीं हैं?

(a) हुंडरू-स्वर्णरेखा (b) जोन्हा-राहु
(c) दसोंग-कांची (d) लोध-बराकर

उत्तर—(d)

लोध जलप्रपात, झारखंड के लातेहर जिले में बूढ़ा नदी (Burha River) पर स्थित है। इसे बूढ़ा घाट जलप्रपात भी कहा जाता है। यह झारखंड का प्रमुख जलप्रपात तथा भारत में 21वां सबसे ऊंचा जलप्रपात है। इसकी ऊंचाई 469 फीट है। जबकि अन्य विकल्प सही सुमेलित हैं।

37. तिलैया बांध इस नदी पर निर्मित है-

(a) दामोदर (b) बराकर
(c) कोनार (d) उसरी

उत्तर—(b)

तिलैया बांध, झारखंड के कोडरमा जिले में बराकर नदी पर निर्मित है। इसका निर्माण वर्ष 1953 में हुआ था। इस बांध की लंबाई 366 मीटर है। इस बांध के द्वारा सिंचाई तथा जलविद्युत उत्पादन किया जाता है।

38. पारसनाथ पहाड़ी की ऊंचाई क्या है?

(a) 1600 मीटर (b) 1565 मीटर
(c) 1365 मीटर (d) 1260 मीटर

उत्तर—(c)

पारसनाथ पहाड़ी, झारखंड राज्य के गिरीडीह जिले में स्थित है। इसकी ऊंचाई लगभग 1365 मीटर है। इसके शिखर पर शिखरजी जैन मंदिर स्थित है। यह पहाड़ी छोटानागपुर पठार के पूर्वी छोर पर स्थित है।

39. तुरामडीह में किस खनिज का खनन होता है?

(a) कायनाइट (b) एजबेस्टॉस
(c) अबरख (d) यूरेनियम

उत्तर—(d)

तुरामडीह (पूर्वी सिंहभूम, झारखंड) में यूरेनियम खनिज का खनन किया जाता है। यह जादूगुडा से लगभग 24 किमी. पश्चिम में स्थित है। यूरेनियम कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा यहां खनन कार्य किया जाता है।

40. बैंटोनाइट निक्षेप झारखंड में पाया जाता है-

(a) प. सिंहभूम (b) लोहरदगा
(c) साहिबगंज (d) जायंतारा

उत्तर—(c)

बैंटोनाइट (Bentonite) निक्षेप झारखंड के साहिबगंज में पाया जाता है। यहां भारत में बैंटोनाइट के कुल भंडार का 0.17 प्रतिशत भंडार मौजूद है। भारत में कुल 568.36 मिलियन टन बैंटोनाइट के भंडार मौजूद हैं, जबकि झारखंड में 0.980 मिलियन टन भंडार है।

41. संथाल परगना अधिनियम, 1949 की धारा ..... के तहत, जमीन जो किसी भी रूप में दर्ज नहीं किया गया है, वो मूल रैयत का जोत (निजी जोत) या मूल रैयती जोत (अधिकृत जोत) माना जाएगा।

(a) 9 (b) 8
(c) 7 (d) 10

उत्तर—(d)

संथाल परगना अधिनियम, 1949 की धारा 10 के अंतर्गत जमीन जो किसी भी रूप में दर्ज नहीं किया गया है, वो मूल रैयत का जोत (निजी जोत) या मूल रैयती जोत (अधिकृत जोत) माना जाएगा।

42. संथाल परगना काश्तकारी अधिनियम, 1949 की धारा 33 के अंतर्गत कोई भी बंजर भूमि का बंदोबस्ती रद्द करने के योग्य है अगर उसमें ..... वर्ष तक कृषि न किया गया हो।

(a) 4 (b) 6
(c) 5 (d) 8

उत्तर—(c)

संथाल परगना काश्तकारी अधिनियम, 1949 की धारा 33 के अंतर्गत कोई भी बंजर भूमि का बंदोबस्ती रद्द करने के योग्य है अगर उसमें 5 वर्षों के अंदर कृषि कार्य न किया गया हो।

43. संथाल परगना काश्तकारी अधिनियम, 1949 की धारा 22 के तहत, एक रैयत किस परिस्थिति में अपने जोत भूमि को एसडीओ और मुखिया जी या मूल रैयत को सूचना देकर अस्थायी रूप से कृषि हेतु न्यास में रख सकता है?

(a) गांव से अस्थायी अनुपस्थिति की स्थिति में
(b) हल चलाने लायक बैलों की कमी की स्थिति में
(c) रैयत के विधवा व नाबालिग होने की स्थिति में
(d) इनमें से सभी

उत्तर—(d)

संथाल परगना काश्तकारी अधिनियम, 1949 की धारा 22 के अंतर्गत एक रैयत किन परिस्थितियों में अपने जोत भूमि को एसडीओ और मुखिया जी या मूल रैयत को सूचना देकर अस्थायी रूप से कृषि हेतु न्यास रख सकता है, का वर्णन किया गया है जिसके अनुसार -
(1) गांव से अस्थायी अनुपस्थिति की स्थिति में।
(2) अपनी बीमारी या शारीरिक रूप से असमर्थ होने की स्थिति में।
(3) हल चलाने लायक बैलों की कमी की स्थिति में।
(4) रैयत के विधवा या नाबालिग होने की स्थिति में।

44. पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप परियोजना के लिए जमीन के अधिग्रहण के वास्ते कितने प्रतिशत लोगों की स्वेच्छा का प्रावधान भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन अधिनियम, 2013 के तहत -

(a) 50 प्रतिशत (b) 60 प्रतिशत

(c) 70 प्रतिशत (d) 80 प्रतिशत

उत्तर—(c)

भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास एवं पुनर्व्यवस्थापन अधिनियम, 2013 की धारा 2 के अनुसार, पब्लिक प्राइवेट भागीदारी परियोजनाओं के लिए भूमि अर्जन की दशा में प्रभावित कुटुम्बों के कम-से-कम 70 प्रतिशत कुटुम्बों की पूर्व सहमति अभिप्राप्त की जानी होगी।

45. भूमि का स्वामी भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन अधिनियम, 2013 के तहत किसको माना जाता है?

(a) भूमि रिकॉर्ड में स्वामी देण हो

(b) जंगल अधिकार को जंगल अधिकार अधिनियम, 2006 में मान्यता

(c) पट्टा अधिकार का मालिक

(d) ऊपर के सभी

उत्तर—(d)

भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास, एवं पुनर्स्थापन अधिनियम, 2013 की धारा 3(ग) में 'भूमि स्वामी' के बारे में प्रावधान किया गया है। इसके अनुसार, भूमि स्वामी में निम्नलिखित व्यक्ति शामिल हैं-

(i) ऐसे व्यक्ति जिनका नाम भूमि या मकान या उसके भाग में स्वामी के रूप में अभिलेखित है,

(ii) ऐसे व्यक्ति जिनका जंगल अधिकार, जंगल अधिकार अधिनियम, 2006 के अधीन मान्यता प्राप्त है तथा

(iii) पट्टा अधिकार का स्वामी।

अत: विकल्प (d) अर्थात सभी विकल्प सही हैं।

46. प. सिंहभूम में अवस्थित चिरिया प्रसिद्ध है -

(a) पक्षी अभयारण्य (b) भेड़िया अभयारण्य

(c) लौह अयस्क खनन (d) खरकई पर बांध

उत्तर—(c)

प. सिंहभूम जिले में अवस्थित चिरिया लौह अयस्क खनन के लिए प्रसिद्ध है।

47. झारखंड के किस जिले में लाह का सबसे अधिक उत्पादन होता है?

(a) रांची (b) खुंटी

(c) प. सिंहभूम (d) गुमला

उत्तर—(a)

वर्ष 2014-15 के दौरान झारखंड के रांची जिले में लाह का सर्वाधिक उत्पादन दर्ज किया गया। रांची के पश्चात सिमडेगा, खुंटी एवं गुमला जिलों ने क्रमश: द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। झारखंड लोक सेवा आयोग ने इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (b) माना है, जो सत्य नहीं है।

48. झारखंड में प्रतिव्यक्ति वन एवं पेड़ों का आच्छादन है-

(a) 0.08 हेक्टेयर (b) 1.08 हेक्टेयर

(c) 2.08 हेक्टेयर (d) 3.08 हेक्टयेर

उत्तर—(a)

भारत वन स्थिति रिपोर्ट- 2015 के अनुसार, झारखंड राज्य में कुल वन एवं वृक्षावरण क्षेत्र 26,261 वर्ग किमी. है, जो राज्य के भौगोलिक क्षेत्रफल का 32.94 प्रतिशत है। राज्य में प्रतिव्यक्ति वन एवं वृक्षावरण क्षेत्र 0.08 हेक्टेयर है।

49. शहीद निर्मल महतो पार्क जिसे झारखंड के झारपार्क प्रोग्राम में सम्मिलित किया गया, जिले ये हैं-

(a) रांची (b) पूर्वी सिंहभूम

(c) हजारीबाग (d) पलामू

उत्तर—(c)

शहीद निर्मल महतो पार्क जिसे झारखंड के झारपार्क प्रोग्राम में सम्मिलित किया गया है, हजारीबाग में है। यह राज्य का पहला जुरॉसिक पार्क है।

50. राजरप्पा किन नदियों के संगम पर अवस्थित है?

(a) दामोदर - भेरा (b) दामोदर - शेरभूखी

(c) दामोदर-बराकर (d) दामोदर-कोनार

उत्तर—(a)

रांची से 80 किमी. दूर रामगढ़-चित्रापुर रोड पर स्थित राजरप्पा एक शक्ति-पीठ है। राजरप्पा दामोदर और भैरवी या भेरा नदियों के संगम पर अवस्थित है। यहां स्थित चिन्नमस्तिका मंदिर एक बहुत प्रसिद्ध और हिंदू तीर्थ स्थल का एक प्रमुख स्थान है। यह मंदिर बहुत पुराना है और इसका वास्तुशिल्प डिजाइन तांत्रिक महत्व के अन्य मंदिरों के समान है।

51. छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम, 1908 की धारा 71A, जो अनुसूचित जनजातियों के गैर-कानूनी रूप से अंतरण किए गए जमीन में अनुसूचित जनजाति के सदस्यों का अधिकार बहाल करने की शक्ति प्रदान करता है, इसे .... कानून द्वारा डाला गया है।

(a) सिविल प्रक्रिया संहिता (1859 का सप्तम् अधिनियम)

(b) बिहार अनुसूचित क्षेत्र नियम, 1969

(c) दोनों

(d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(b)

छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम, 1908 की धारा 71A, जो अनुसूचित जनजातियों के गैर-कानूनी रूप से अंतरण किए गए जमीन में अनुसूचित जनजाति के सदस्यों का अधिकार बहाल करने की शक्ति प्रदान करता है, इसे बिहार अनुसूचित क्षेत्र नियम, 1969 कानून द्वारा डाला गया है।

52. छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम, 1908 के अंतर्गत एक कन्या खुंट-कट्टीदार को-

(a) पैतृक संपत्ति पर उत्तराधिकार के अधिकार अपवर्जित हैं।

(b) पुरुषों के समान अधिकार प्राप्त है।

(c) खुंट-कट्टीदार अधिकार प्राप्त है।

(d) इनमें से कोई नहीं।

उत्तर—(a)

'छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम, 1908 की धारा 8 के अंतर्गत मुंडारी खुंट-कट्टीदार के विषय में बताया गया है जिसके अनुसार, मुंडारी वह होता है जो जंगल की भूमि का खुद उपयोग करता है या अपने परिवार के पुरुष सदस्यों को देता है। अत: पैतृक संपत्ति पर उत्तराधिकार के अधिकार कन्या खुंट-कट्टीदार को प्राप्त नहीं हैं। इसलिए उसको अपवर्जित किया गया है।

53. छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम, 1869 के अंतर्गत पद 'भूईंहारी रैयती' की परिभाषा में सम्मिलित किया गया है-

(a) मुंडा को (b) भूतखेत को
(c) उरांव को (d) इनमें से सभी को

उत्तर—(b)

छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम, 1869 की धारा 47 के अंतर्गत 7 प्रकार की भूईंहारी रैयती जमीन का वर्णन किया गया है जिसमें- (1) भूईंहारी, (2) भूईंहारी महतो, (3) भूईंहारी मुंडारी, (4) भूईंहारी पाहानी, (5) भूईंहारी पाहबहारा, (6) भूईंहारी डालिकाटरि जमीन एवं (7) भूईंहारी भूतखेत।

54. संथाल परगना काश्तकारी अधिनियम, 1949 के तहत, खास गांव से तात्पर्य एक ऐसे गांव से है जहां-

(a) कोई मूल रैयत न हो (b) कोई मुखिया न हो
(c) a और b दोनों (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(c)

संथाल परगना काश्तकारी अधिनियम, 1949 की धारा 2(ix) के अंतर्गत खास गांव को परिभाषित किया गया है जिसके अनुसार, खास गांव से एक ऐसे गांव से तात्पर्य है जहां कोई मूल रैयत न हो तथा न कोई मुखिया हो।

55. संथाल परगना काश्तकारी अधिनियम, 1949 के तहत गांव के मुखिया का पद-

(a) हस्तांतरणीय (b) अहस्तांतरणीय
(c) वंशानुगत (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(b)

संथाल परगना काश्तकारी अधिनियम, 1949 की धारा 9 के अंतर्गत गांव के मुखिया के पद को अहस्तांतरणीय बनाया गया है।

56. सन् 2011 में संपन्न 34वें राष्ट्रीय खेलों का शुभंकर छउआ था-

(a) शिशु हिरण (b) शिशु हाथी
(c) शिशु भालू (d) उपरोक्त में कोई नहीं

उत्तर—(a)

वर्ष 2011 में झारखंड में आयोजित 34वें राष्ट्रीय खेलों का शुभंकर छउआ (Chhaua) था। छउआ, हाथ में मशाल पकड़े गतिशील मुद्रा में एक शिशु हिरण है।

57. झारखंड की सबसे पहली महिला जिन्होंने माउंट एवरेस्ट पर विजय प्राप्त की-

(a) बछेंद्री पाल (b) प्रेमलता अग्रवाल
(c) अरुणा मिश्रा (d) उपरोक्त में कोई नहीं

उत्तर—(b)

प्रेमलता अग्रवाल झारखंड की पहली महिला हैं, जिन्होंने माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई की। एवरेस्ट फतह करने वाली पहली भारतीय महिला बछेंद्री पाल ने प्रेमलता को प्रशिक्षण दिया था। प्रेमलता सातों महाद्वीपों के सात सर्वोच्च शिखरों पर चढ़ाई कर चुकी हैं। ऐसा करने वाली वह भारत की पहली महिला पर्वतारोही हैं।

58. मोहन कुमारमंगलम स्टेडियम अवस्थित है-

(a) जमशेदपुर (b) धनबाद
(c) सिमडेगा (d) बोकारो

उत्तर—(d)

झारखंड राज्य के कुछ प्रमुख स्टेडियम निम्न हैं-

स्टेडियम	स्थान
1. मोहन कुमारमंगलम स्टेडियम	बोकारो
2. जयपाल सिंह स्टेडियम	रांची
3. जेएससीए क्रिकेट स्टेडियम	रांची
4. बिरसा स्टेडियम	रांची
5. मोहन आहुजा इंडोर स्टेडियम	जमशेदपुर

59. छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम, 1908 की धारा ..... के तहत अनुसूचित जनजाति/पिछड़ा वर्ग/ अनुसूचित जाति भूमि के हस्तांतरण पर प्रतिबंध प्रदान की गई है।

(a) 46 (b) 72
(c) 48 (d) 42

उत्तर—(a)

छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम 1908 की धारा 46 के अंतर्गत अनुसूचित जनजाति/पिछड़ा वर्ग/अनुसूचित जाति भूमि के हस्तांतरण पर प्रतिबंध प्रदान की गई है।

60. धारा 46 के तहत बेदखली के समय, ... वर्ष है, जिसके तहत इस अवधि के समाप्ति के बाद प्रतिकूल कब्जे में रही भूमि का हस्तांतरण परिपूर्ण होगा।

(a) 10 (b) 8
(c) 5 (d) 12

उत्तर—(d)

छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम की धारा 46 के अंतर्गत बेदखली का समय 12 वर्ष है। इस अवधि के समाप्ति के पश्चात प्रतिकूल कब्जे में रही भूमि का हस्तांतरण परिपूर्ण होगा।

61. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (इंडियन स्कूल ऑफ माइंस) की स्थापना हुई थी सन्-

(a) 1926 (b) 1925
(c) 1927 (d) उपरोक्त में कोई नहीं

उत्तर—(a)

इंडियन स्कूल ऑफ माइंस की औपचारिक रूप से स्थापना 9 दिसंबर, 1926 को हुई थी। भारत के तत्कालीन वायसराय लॉर्ड इर्विन ने इसका उद्घाटन किया था। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, अधिनियम, 1956 की धारा 3 के तहत वर्ष 1967 में इसे डीम्ड विश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान किया गया था।

62. रांची विश्वविद्यालय की स्थापना किस विश्वविद्यालय से अलग करके हुई थी?

(a) बिहार विश्वविद्यालय (b) पटना विश्वविद्यालय
(c) मगध विश्वविद्यालय (d) उपरोक्त में कोई नहीं

उत्तर—(a)

2 जनवरी, 1952 को पटना विश्वविद्यालय से बिहार विश्वविद्यालय को अलग किया गया। वर्ष 1960 में बिहार राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, 1960 के द्वारा बिहार विश्वविद्यालय का पुनर्गठन कर बिहार विश्वविद्यालय मुजफ्फरपुर; रांची विश्वविद्यालय, रांची और भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर की स्थापना की गई।

63. एक्स.एल.आर.आई. जमशेदपुर की स्थापना की थी-

(a) टाटा संस (b) मेरी सोसाइटी

(c) सोसाइटी ऑफ जीसस (d) सर रतन टाटा ट्रस्ट

उत्तर—(c)

X.L.R.I. का अर्थ है- जेवियर लेबर रिसर्च इंस्टीट्यूट। इसकी स्थापना वर्ष 1949 में सोसाइटी ऑफ जीसस द्वारा जमशेदपुर (वर्तमान झारखंड, तत्कालीन बिहार) में की गई थी। यह भारत का एक प्रसिद्ध प्रबंधन संस्थान है।

64. झारखंड की पहली महिला हॉकी खिलाड़ी जिसने ओलंपिक खेला-

(a) असुंता लकड़ा (b) निक्की प्रधान

(c) सावित्री पूर्ती (d) सुमराई टेटे

उत्तर—(b)

झारखंड के खूंटी जिले की निक्की प्रधान ओलंपिक्स में खेलने वाली झारखंड की पहली महिला हॉकी खिलाड़ी हैं।

65. सन् 2016 में किस खिलाड़ी को पद्मश्री से सम्मानित किया गया?

(a) एम.एस. धौनी (b) झानु हांसदा

(c) दीपिका कुमारी (d) सिलवानिस डुंगडुंग

उत्तर—(c)

प्रसिद्ध तीरंदाज दीपिका कुमारी को वर्ष 2016 में पद्मश्री सम्मान से सम्मानित किया गया। वह तीरंदाजी विश्वकप फाइनल (2011, 2012, 2013 ,एवं 2015) में व्यक्तिगत स्पर्धा में चार रजत पदक जीत चुकी हैं। दिल्ली में वर्ष 2010 में हुए राष्ट्रमंडल खेल में भी उन्होंने व्यक्तिगत एवं टीम दोनों स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक हासिल किया था।

66. मुख्यमंत्री लाडली लक्ष्मी योजना की शुरुआत झारखंड में किस वर्ष में की गई?

(a) 2012 (b) 2013

(c) 2014 (d) 2015

उत्तर—(*)

झारखंड राज्य सरकार द्वारा झारखंड राज्य के 12वें स्थापना दिवस (15 नवंबर, 2011) के अवसर पर राज्य में 'मुख्यमंत्री लाडली लक्ष्मी' योजना की शुरुआत 15 नवंबर, 2011 को की गई। झारखंड लोक सेवा आयोग द्वारा जारी उत्तर-पत्रक में इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (c) माना गया है, जो कि त्रुटिपूर्ण है।

67. सी.ए.एम.पी.ए. (CAMPA) से क्या तात्पर्य है?

(a) झारखंड प्रतिपूरक वनीकरण कोष प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण

(b) झारखंड अवनीकरण कोष प्रबंधन और नीति प्राधिकरण

(c) झारखंड प्रतिपूरक संघ कोष प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण

(d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(a)

सी.ए.एम.पी.ए. (CAMPA) से तात्पर्य झारखंड प्रतिपूरक वनीकरण कोष प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण है। प्राधिकरण वन भूमियों के क्षतिपूर्ति से उचित मुआवजे के लिए एक पारदर्शी तंत्र के रूप में कार्य करेगा।

68. झारखंड सरकार ने राज्य के विभिन्न वन्यजीव अभ्यारण्यों में ..... वर्ष की अवधि के लिए वन्यजीव प्रबंधन योजना शुरू की है।

(a) 5 वर्ष (b) 6 वर्ष

(c) 4 वर्ष (d) 10 वर्ष

उत्तर—(d)

झारखंड सरकार ने राज्य के विभिन्न वन्यजीव अभ्यारण्यों में 10 वर्ष की अवधि के लिए वन्यजीव प्रबंधन योजना शुरू की है। ये वन्यजीव अभ्यारण्य हैं- डालमा वन्यजीव अभ्यारण्य, कोडरमा वन्यजीव अभ्यारण्य, हजारीबाग वन्याजीव अभ्यारण्य, पारसनाथ वन्यजीव अभ्यारण्य और उधवा झील पक्षी अभ्यारण्य।

69. राष्ट्रीय हरित मिशन, भारत निम्नलिखित में से किस राज्यों में मौजूदा वनों का घनत्व में सुधार करने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा शुरू की गई है?

(a) झारखंड (b) मध्य प्रदेश

(c) दोनों राज्यों में (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(a)

राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन कार्य योजना (NAPCC) के तहत रेखांकित 8 मिशनों में से एक मिशन राष्ट्रीय हरित भारत मिशन (GIM) वनों के उस प्रभाव को स्वीकार करता है, जिसका जलवायु परिवर्तन शमन, वन पर निर्भर समुदायों की खाद्य सुरक्षा, जल सुरक्षा, जैवविविधता, संरक्षण एवं आजीविका पर सुरक्षा के जरिए पर्यावरण को बेहतर बनाने पर पड़ता है। अक्टूबर, 2015 में राष्ट्रीय ग्रीन इंडिया मिशन (जीआईएम) की राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद (एनईसी) की द्वितीय बैठक में देश के चार राज्यों- मिजोरम, मणिपुर, केरल और झारखंड द्वारा प्रस्तावित संभावित योजनाएं एवं संचालनों की वार्षिक योजना को मंजूरी दी गई।

70. झारखंड राज्य गंगा नदी संरक्षण प्राधिकरण ..... में गठित की है।

(a) 2008 (b) 2010

(c) 2009 (d) 2011

उत्तर—(c)

झारखंड राज्य गंगा नदी संरक्षण प्राधिकरण का गठन वर्ष 2009 में किया गया। राज्य का मुख्यमंत्री इस प्राधिकरण का पदेन अध्यक्ष होता है।

71. झारखंड के किस जिले में आदिवासी जनसंख्या सबसे अधिक है?

(a) पश्चिम सिंहभूम (b) पूर्वी सिंहभूम

(c) दुमका (d) लोहरदगा

उत्तर—(a)

जिला	आदिवासी कुल जनसंख्या	प्रतिशत
पश्चिमी सिंहभूम	1011296	67.3
पूर्वी सिंहभूम	653923	28.5
दुमका	571077	43.2
लोहरदगा	262734	56.9

उपर्युक्त आंकड़ों के आधार पर स्पष्ट है कि सर्वाधिक आदिवासी जनसंख्या पश्चिमी सिंहभूम जिले में है।

72. सोहराई त्योहार दीपावली के दूसरे दिन झारखंड में किसके महिमा में मनाई जाती है?

(a) खेती धन (b) जंगल धन

(c) खनन धन (d) जानवर धन

उत्तर—(d)

सोहराई त्योहार झारखंड की जनजातियों का एक लोकप्रिय त्योहार है। यह मवेशियों के साथ जुड़ा हुआ है और दीपावली के दौरान मनाया जाता है। त्योहार के दौरान मवेशियों को धोया जाता है और उनकी पूजा की जाती है।

73. बाबू लाल मरांडी ने झारखंड के मुख्यमंत्री का पद संभालते ही कौन-से जिले को उप-राजधानी के रूप में विकसित करने का एलान किया?

(a) लोहरदगा (b) सिमडेगा

(c) दुमका (d) सराईकेला

उत्तर—(c)

झारखंड राज्य 15 नवंबर, 2000 को अस्तित्व में आया। जब बाबू लाल मरांडी मुख्यमंत्री बने तो उन्होंने एक महीने बाद ही दुमका को राज्य की उप-राजधानी (Sub Capital) के रूप में विकसित करने का एलान किया था।

74. 'हिल असेंबली प्लान' किसके द्वारा आदिवासी उन्नति के लिए किया गया था?

(a) टी. विलकिंसन (b) क्लीवलैंड

(c) लॉर्ड विलियम बेंटिक (d) लॉर्ड मैकाले

उत्तर—(b)

आदिवासी स्वतंत्रता आंदोलन जैसे कोल विद्रोह, संथाल विद्रोह 1855-56, प्रथम स्वतंत्रता आंदोलन 1857 आदि ने भारतीय समाज में आदिवासियों के संगठन में विशेष भूमिका निभाई। इसके अलावा अनेक अधिनियम जैसे 'क्लीवलैंड्स हिल असेंबली प्लान', बंगाल अधिनियम 1833, विलकिंसन रूल्स 1837, अनुसूचित क्षेत्र अधिनियम 1874, छोटानागपुर टेनेसी एक्ट, भारत सरकार अधिनियम, 1919 तथा भारतीय आधिनियम, 1935 ने भी स्वतंत्रता से पूर्व आदिवासियों के विकास और संगठन में विशेष योगदान दिया।

75. संथालों में विवाह का सबसे सामान्य रूप कौन-सा है?

(a) इतूत (b) सांगा

(c) निर-बलोक (d) बुपला

उत्तर—(d)

संथालों में विवाह को ' बापला' (बुपला) कहा जाता है। बापला कई प्रकार के होते हैं- जैसे- सदय बापाला, सेता बापला, गोंग बोलो बापला, किरिंग बापला आदि। संथालों में वर पक्ष की ओर से वधू पक्ष को दिया जाने वाला वधू-मूल्य 'पोन' कहलाता है। शादियां तोड़ी भी जा सकती हैं। इस मामले में स्त्री -पुरुष दोनों को समान अधिकार प्राप्त हैं। 'बिटलाहा' संथाल समाज में सबसे कठोर सजा है। यह एक प्रकार का सामाजिक बहिष्कार है। संथाल गांव (आतो) का प्रधान 'मांझी' कहलाता है।

76. झारखंड सिंगल विंडो क्लीयरेंस कानून लागू हुआ, सन्

(a) 2016 (b) 2014

(c) 2013 (d) 2015

उत्तर—(d)

प्रश्नगत अधिनियम 'झारखंड सिंगल विंडो क्लीयरेंस अधिनियम, 2015' के नाम से जाना जाता है। इस विधेयक को राज्यपाल ने 22 मार्च, 2016 को अनुमति दी थी। इस अधिनियम के लागू होने की अधिसूचना 6 अप्रैल, 2016 को जारी हुई। औद्योगिक विकास के प्रोत्साहन के उद्देश्य से विभिन्न अनुज्ञप्तियों, अनुमतियों एवं स्वीकृतियों को त्वरित एवं समयबद्ध मंजूरी प्रदान करने, नए निवेशों को सुगम एवं सरल करने हेतु प्रक्रियात्मक आवश्यकताओं को कम करते हुए विनियामक ढांचे को सरल बनाने, सहज व्यापार व्यवस्था में सुधार लाने एवं निवेशकों के अनुकूल वातावरण उपलब्ध करने के लिए इस अधिनियम को अधिनियमित किया गया है।

77. बोकारो इस्पात संयंत्र का निर्माण हुआ था .... के सहयोग से।

(a) संयुक्त राज्य अमेरिका (b) जर्मनी

(c) इंग्लैंड (d) रूस

उत्तर—(d)

बोकारो इस्पात संयंत्र सार्वजनिक क्षेत्र में चौथा इस्पात कारखाना है। यह सोवियत संघ (रूस) के सहयोग से वर्ष 1965 में प्रारंभ हुआ। आरंभ में इसे 29 जनवरी, 1964 को एक लिमिटेड कंपनी के तौर पर निगमित किया गया और बाद में सेल (SAIL) के साथ इसका विलय हुआ। कारखाने का निर्माण कार्य 6 अप्रैल, 1968 को प्रारंभ हुआ। यह कारखाना देश के पहले स्वदेशी इस्पात कारखाने के नाम से विख्यात है।

78. जेएसएमडीसी द्वारा स्थापित ग्रेनाइट पॉलिशिंग उद्योग अवस्थित है-

(a) तुपुदाना (रांची) (b) मधुपुर

(c) पाकुड (d) सरायकेला

उत्तर—(a)

झारखंड राज्य खनिज विकास निगम (JSMDC) द्वारा स्थापित ग्रेनाइट पॉलिशिंग उद्योग तुपुदाना (रांची) में स्थित है। विश्रामपुर ग्रेफाइट प्रोजेक्ट पलामू में स्थित है।

79. गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लि. का डीजल इंजन संयंत्र, अवस्थित है-

(a) बोकारो (b) आदित्यपुर

(c) कांड्रा (d) रांची

उत्तर—(d)

गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लि. का डीजल इंजन संयंत्र रांची में अवस्थित है।

80. भारत सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक निर्माण क्लस्टर की स्वीकृति की है ..... में।

(a) आदित्यपुर (b) तुपुदाना

(c) जसीडीह (d) बोकारो

उत्तर—(a)

झारखंड राज्य के सरायकेला खारसवां जिले के आदित्यपुर में भारत सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक निर्माण क्लस्टर की स्वीकृति प्रदान की है।

81. कौन-सा कथन ढोकलो सोहर महा समिति के लिए सही नहीं है?

(a) पंचायती राज एलेक्सन का विरोध किया

(b) पंचायती राज का समर्थन किया

(c) जातीय प्रथा का समर्थन किया

(d) मुंडा-मांकी व्यवस्था को स्वीकार करना

उत्तर—(b)

ढोकलो सोहर महा समिति ने पंचायती राज का विरोध किया है तथा अपनी जातीय प्रथा का समर्थन किया है। इसी कारण पंचायती राज चुनाव का भी उन्होंने विरोध किया। इसने मुंडा-मांकी व्यवस्था को स्वीकार किया।

82. जिसने जंगल को साफ किया और खेती के लिए तैयार किया उस परिवार को क्या कहते हैं?

(a) भूइंहार (b) चलो पच्चो
(c) बैगा (d) पुजार

उत्तर—(a)

झारखंड में जिसने जंगलों को साफ किया और खेती के लिए तैयार किया उस परिवार को भूइंहार कहते हैं। भूइंहारों का मानना है कि भूमि किराए से मुक्त होनी चाहिए।

83. ग्रामीण शासकीय व्यवस्था में बैगा का क्या कार्य है?

(a) ग्रामीण देवताओं को शांत करना
(b) ग्राम सेवक का काम करना
(c) बढ़ई का काम करना
(d) लोहार का काम करना

उत्तर—(a)

ग्रामीण शासकीय व्यवस्था में बैगा का कार्य ग्रामीण देवताओं को शांत करना है।

84. झारखंड के सदान का मुख्य व्यवसाय क्या है?

(a) शिकार (b) खेती
(c) व्यापार (d) बुनाई करना

उत्तर—(b)

झारखंड के समाज की संरचना आदिवासी और सदान की संभागिता से हुई है। दोनों की प्रकृति और संस्कृति एक है, भाषा भले ही भिन्न हो। झारखंड के सदान का मुख्य व्यवसाय कृषि है।

85. निम्नलिखित भाषाओं में से कौन-सी भाषा झारखंड के आदिवासी समुदाय से विलुप्त हो गई है?

(a) मुंढारी (b) कुरुख
(c) खरीया (d) असुरी

उत्तर—(d)

वर्तमान समय में झारखंड की अनेक भाषाओं पर विलुप्त होने का गंभीर खतरा है। ये भाषाएं हैं- असुरी, बिरहोरी, मलतो, भूमीज, कुडख, मुंडारी, हो, खडिया आदि।

86. आपदा प्रबंधन के ज्ञान-सह-प्रदर्शन केंद्र (सृजन) का मुख्य कार्य है-

(a) ज्ञान-सह-प्रदर्शन केंद्र
(b) जागरूकता फैलाना
(c) स्थानीय आवश्यकता के आधार पर जानकारी प्रदान करना
(d) इनमें से सभी

उत्तर—(d)

आपदा प्रबंधन के ज्ञान-सह-प्रदर्शन केंद्र (सृजन) का मुख्य कार्य विभिन्न प्रकार की संभावित आपदाओं के प्रति समुदाय और लोगों में जागरूकता फैलाना है। सृजन कुछ निश्चित प्रकार की आपदाओं जैसे- सूखा, बाढ़, वनाग्नि एवं अग्नि आदि के लिए विकसित एवं डिजाइन किए गए हैं। ये केंद्र स्थानीय आवश्यकता आधारित सूचना, संचार एवं तकनीकी उपकरण आदि के प्रसार के लिए प्रमुख केंद्र के रूप में कार्य करेंगे।

87. इनमें से किस वर्ष, झारखंड राज्य ने वर्षा की कमी के कारण गंभीर सूखे का अनुभव किया?

(a) 2001 (b) 2005
(c) 2010 (d) 2006

उत्तर—(c)

वर्ष 2010 में झारखंड राज्य ने वर्षा की कमी के कारण गंभीर सूखे का अनुभव किया। इस वर्ष सूखे के कारण राज्य के लगभग 10 लाख हेक्टेयर क्षेत्र पर धान का रोपण नहीं हो सका। राज्य में कुल खाद्यान्न उत्पादन घटकर लगभग आधा हो गया था।

88. आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की कौन धारा ..... राज्य के राज्यपाल को राज्य में राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) की स्थापना करने की शक्ति प्रदान करता है?

(a) धारा 14(1) (b) धारा 15
(c) धारा 16 (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(a)

आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की धारा 14(1) में राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की स्थापना का प्रावधान किया गया है। प्रत्येक राज्य में इस अधिनियम की धारा 3(1) के अधीन सूचना जारी हो जाने के बाद राज्यपाल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की स्थापना करेगा।

89. झारखंड का पहला वाई-फाई ग्राम निम्नलिखित में से किस प्रखंड में स्थित है?

(a) इचाक (b) कसमार
(c) चौपारण (d) गोविंदपुर

उत्तर—(b)

झारखंड का पहला वाई-फाई ग्राम बोकारो जिले के कसमार प्रखंड में स्थित गारी गांव है।

90. हाल ही में देश के पहले खेल विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए झारखंड राज्य एवं निम्नलिखित में से किसके बीच एम.ओ.यू. (M.O.U.) संपन्न हुआ है?

(a) सी.सी.एल. (b) सेल
(c) एन.टी.पी.सी. (d) टिस्को

उत्तर—(a)

17 जून, 2015 को झारखंड सरकार ने सेंट्रल कोलफील्ड लिमिटेड (CCL) के साथ झारखंड खेल विश्वविद्यालय एवं झारखंड स्पोर्ट्स अकादमी स्थापित करने हेतु समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया।

91. प्रारंभिक काल में इनमें से कौन मुंडा जनजाति के भूईहरी-पहड़ा के अधिकारी नहीं थे?

(a) कुवर (b) लाल
(c) कार्तो (d) पाट-मुंडा

उत्तर—(d)

खुंटकट्टी क्षेत्र में पहड़ा पंचायत में केवल अध्यक्ष (जो पाट मुंडा कहलाता था) को छोड़कर न कोई स्थायी अधिकारी थे और न कोई स्थायी अंग था। जबकि दूसरे प्रकार की पंचायत भूईहारी- पहड़ा में स्थायी अध्यक्ष के साथ स्थायी अंग, राजा और स्थायी अधिकारियों का वर्ग जैसे कुवर, लाल, ठाकुर, कारता, दीवान, ओहदार, कोतवार आदि थे। अतः स्पष्ट है कि पाट-मुंडा भूईहारी पहड़ा के अधिकारी नहीं थे।

92. नागबंशी शासक राजा दुर्जन शाल ने 1628 ई. में मुगल सम्राट जहांगीर को वार्षिक कर देना स्वीकार किया था। वार्षिक कर की राशि थी-

(a) 7,000 रुपया (b) 9,000 रुपया
(c) 6,000 रुपया (d) 5,000 रुपया

उत्तर—(c)

नागबंशी शासक राजा दुर्जन शाल ने 1628 ई. में मुगल सम्राट जहांगीर को 6000 रुपये वार्षिक कर देना स्वीकार किया था।

93. प्रारंभिक काल में महतो के कार्यभार से पहले उरांव ग्रामों का पुरोहिती एवं लौकिक प्रधान कौन था?

(a) पुजार (b) बैगा
(c) गौरेत (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(b)

प्रारंभिक काल में महतो के कार्यभार से पहले उरांव ग्रामों का पुरोहिती एवं लौकिक प्रधान बैगा होता था। उरांव भारत के विभिन्न प्रदेशों के साथ-साथ बांग्लादेश में निवास करते हैं। इनकी अधिकांश आबादी झारखंड के छोटानागपुर क्षेत्र में निवास करती है।

94. संथालों के सामुदायिक व्यवस्था में मांझी का उपप्रधान कौन था?

(a) प्रधान (b) मुस्तंजीर
(c) पारानिक (d) गौरेत

उत्तर—(c)

संथाल भारत के झारखंड (विशेषकर संथाल परगना) राज्य में आदिवासी समूह है। झारखंड के अतिरिक्त प. बंगाल, ओडिशा, असम आदि राज्यों में भी इनकी आबादी पाई जाती है। संथालों के सामुदायिक व्यवस्था में मांझी का उपप्रधान पारानिक होता था। पारानिक न्याय एवं निर्णय निर्माण की प्रक्रिया में मांझी की सहायता करता था।

95. मुंडा मानकी व्यवस्था को किस अंग्रेज पदाधिकारी ने मंजूरी दिया था?

(a) थोमासन (b) कारलाएल
(c) क्लीवलैंड (d) थॉमस विलकिंसन

उत्तर—(d)

मुंडा मानकी व्यवस्था झारखंड में आदिवासियों की पारंपरिक शासन व्यवस्था है। झारखंड में यह व्यवस्था ब्रिटिश शासन से पहले मौजूद है। मुंडा मानकी व्यवस्था को अंग्रेज अधिकारी थॉमस विलकिंसन ने मान्यता प्रदान की थी।

96. भारतीय कृषि में जलवायु परिवर्तन नॉलेज नेटवर्क (CCKNIA) महाराष्ट्र, झारखंड और ओडिशा तीन राज्यों में वर्ष …….. में शुरू किया गया था।

(a) 2012 (b) 2011
(c) 2013 (d) 2014

उत्तर—(c)

भारतीय कृषि में 'जलवायु परिवर्तन नॉलेज नेटवर्क (CCKNIA) परियोजना' सितंबर, 2013 में शुरू की गई थी। इस कार्यक्रम का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि किसानों, विस्तृत सेवा प्रदाताओं और नीति-निर्माताओं को मिलने वाली जानकारी आधुनिक समयानुसार विश्वसनीय व स्थिति के अनुसार हो, ताकि वे बदलती जलवायु के अनुकूल किसानों को तैयार कर सकें। इसे जर्मन सरकार के स्वामित्व वाले उपक्रम GIZ के साथ कृषि मंत्रालय द्वारा तैयार किया गया है।

97. झारखंड राज्य मुख्यतः किस जलवायु क्षेत्र के तहत आता है?

(a) उष्णकटिबंधीय मानसून (b) उष्णकटिबंधीय नमी
(c) दोनों (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(a)

झारखंड राज्य मुख्यतः उष्णकटिबंधीय मानसून जलवायु क्षेत्र के तहत आता है। राज्य का औसत तापमान 25° सेल्सियस है। राज्य के तापमान में विभिन्न पठारों की अलग-अलग ऊंचाइयों के कारण भिन्नता है। कर्क रेखा राज्य में रांची शहर के मध्य से होकर गुजरती है।

98. किसके सहयोग से झारखंड राज्य जलवायु केंद्र स्थापित कर दिया गया है?

(a) विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यू.टी.ओ.)
(b) अम्नेस्टी इंटरनेशनल
(c) संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यू.एन.डी.पी.)
(d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(c)

झारखंड राज्य में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यू.एन.डी.पी.) की सहायता से राज्य जलवायु परिवर्तन केंद्र स्थापित किया गया है। यह जलवायु परिवर्तन पर राज्य सरकार को परामर्श प्रदान करता है। इसके मुख्य कार्य हैं-

(1) विभिन्न हितधारकों के प्रयोग हेतु जलवायु परिवर्तन संबंधी ज्ञान सामग्री का निर्माण।
(2) जलवायु परिवर्तन संबंधी समस्याओं पर कार्य कर रहे अन्य संगठनों के साथ नेटवर्क बनाना।
(3) जन-जागरूकता बढ़ाने हेतु सरकारी अधिकारियों के क्षमता विकास में सहयोग।

99. जलवायु परिवर्तन पर झारखंड कार्ययोजना किस वर्ष प्रकाशित हुई?

(a) 2013 (b) 2014
(c) 2015 (d) 2011

उत्तर—(*)

जलवायु परिवर्तन पर झारखंड कार्ययोजना वर्ष 2013 एवं 2014 में प्रकाशित हुई। इसका उद्देश्य ' पर्यावरण धारणीयता सुनिश्चित करते हुए गरीबी उन्मूलन एवं रोजगार बढ़ाने का लक्ष्य प्राप्त करना' था। कार्ययोजना विकसित करने की प्रक्रिया की शुरुआत यू.एन.डी.पी. की सहायता से मई, 2011 में प्रारंभ की गई।

100. झारखंड जलवायु परिवर्तन कार्ययोजना रिपोर्ट (2014) के अनुसार, सबसे संवेदनशील जिला कौन है?

(a) पूर्वी सिंहभूम (b) सरायकेला खारसवां
(c) रांची (d) बोकारो

उत्तर—(b)

झारखंड जलवायु परिवर्तन कार्ययोजना रिपोर्ट (2014) के अनुसार, पर्यावरण संवदेनशीलता के मामले में सरायकेला खारसवां जिला शीर्ष पर है। इसका स्कोर 0.78 है, जो इसकी सुभेद्यता को दर्शाता है। मापन (–1) से (+1) के पैमाने पर किया जाता है, जो क्रमशः कम से अधिक सुभेद्यता दर्शाता है।

बौद्ध धर्म

13 अंकों में आविष्कार/खोज, 4 अंकों में राष्ट्रगान, 5 अंकों में संसद, 3 अंकों में मुद्राओं तथा 11 अंकों में धरातलीय आकृतियों के पश्चात अब ज्ञानिकी के तहत पृथक-पृथक शीर्षकों में जानकारियां प्रदान की जा रही हैं। विगत 25 अंकों में परिवहन के विभिन्न घटकों, महासागरीय नितल के उच्चावच, स्थानीय पवन, आर्द्रता, कुहरा एवं बादल, वर्षा, चक्रवात, भूकंप, बाढ़ एवं सूखा, भारत की प्रमुख बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजनाओं, भारत के प्रमुख अनुसंधान संस्थानों/केंद्रों, पाषाण काल, हड़प्पा काल, वैदिक सभ्यता तथा जैन धर्म के विषय में तथ्यों को प्रस्तुत किया गया था। इस अंक में भारतीय इतिहास के अंतर्गत बौद्ध धर्म से संबंधित जानकारी प्रस्तुत की जा रही है।

➡ गौतम बुद्ध का जन्म कपिलवस्तु के निकट लुम्बिनी में 563 ई.पू. में हुआ था।

➡ उनके पिता शुद्धोधन शाक्यगण के प्रधान थे तथा माता माया देवी अथवा महामाया कोलिय गणराज्य (कोलिय वंश) की कन्या थीं।

➡ गौतम बुद्ध के बचपन का नाम सिद्धार्थ था।

➡ इनके जन्म के कुछ दिनों बाद इनकी माता का देहांत हो गया। अतः इनका लालन-पालन इनकी मौसी प्रजापति गौतमी ने किया था।

➡ इनका विवाह 16 वर्ष की अल्पायु में शाक्य कुल की कन्या यशोधरा के साथ हुआ।

➡ उत्तरकालीन बौद्ध ग्रंथों में यशोधरा के अन्य नाम गोपा, बिम्बा, भद्कच्छना आदि मिलते हैं।

➡ इनके पुत्र का नाम राहुल था।

➡ बुद्ध के जीवन में चार दृश्यों का अत्यधिक प्रभाव पड़ा। ये थे–

- ➲ वृद्ध व्यक्ति
- ➲ बीमार व्यक्ति
- ➲ मृतक
- ➲ प्रसन्नचित्त संन्यासी

➡ उपर्युक्त चार दृश्यों को देखकर सिद्धार्थ के मन में वैराग्य की भावना उठी।

➡ इन समस्याओं के समाधान के लिए सिद्धार्थ ने पत्नी एवं बच्चों को सोते हुए छोड़कर गृह त्याग दिया।

➡ गृह त्याग के समय सिद्धार्थ की आयु 29 वर्ष थी।

➡ बौद्ध ग्रंथों में गृह त्याग को 'महाभिनिष्क्रमण' की संज्ञा दी गई है।

➡ सांख्य दर्शन के आचार्य आलार कालाम से वैशाली के समीप उनकी मुलाकात हुई।

- ➲ इनके आश्रम में सिद्धार्थ ने तपस्या की, किंतु उन्हें शांति नहीं मिली।

➡ यहां से सिद्धार्थ राजगृह के समीप निवास करने वाले रुद्रक रामपुत्त नामक एक दूसरे धर्माचार्य के पास पहुंचे।

➡ इनके पश्चात सिद्धार्थ उरुवेला (बोधगया) पहुंचे।

➡ छः वर्षों की कठिन साधना के पश्चात 35 वर्ष की अवस्था में वैशाख पूर्णिमा की रात्रि को एक पीपल के वृक्ष के नीचे गौतम को ज्ञान प्राप्त हुआ।

- ➲ ज्ञान प्राप्ति के बाद वह 'बुद्ध' कहलाए।
- ➲ बुद्ध का एक अन्य नाम 'तथागत' मिलता है जिसका अर्थ है– सत्य है ज्ञान जिसका।
- ➲ शाक्य कुल में जन्म लेने के कारण इन्हें 'शाक्यमुनि' कहा गया।

❑ बुद्ध धर्म का प्रचार

➡ ज्ञान प्राप्ति के पश्चात गौतम बुद्ध ने अपने मत का प्रचार प्रारंभ किया।

➡ उरुवेला से वे सबसे पहले ऋषिपत्तन (वर्तमान सारनाथ, वाराणसी) पहुंचे।

- ➲ यहां उन्होंने पांच ब्राह्मण संन्यासियों को प्रथम उपदेश दिया। इस प्रथम उपदेश को 'धर्मचक्रप्रवर्तन' कहा जाता है।

बुद्ध के जीवन से संबंधित बौद्ध धर्म के प्रतीक

घटना	प्रतीक
जन्म	कमल एवं सांड
गृह त्याग	घोड़ा
ज्ञान	पीपल (बोधि वृक्ष)
निर्वाण	पद चिह्न

➡ वर्षा ऋतु में बुद्ध किसी एक नगर में विश्राम करते तथा शेष ऋतुओं में एक स्थान से दूसरे स्थान में घूम-घूम कर अपने मत का प्रचार करते रहे।

➡ सारनाथ से बुद्ध वाराणसी गए जहां यश नामक एक धनी श्रेष्ठीपुत्र को अपना शिष्य बनाया।

➡ वाराणसी से बुद्ध मगध की राजधानी राजगृह पहुंचे।

➡ राजगृह में उन्होंने द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ वर्षाकाल व्यतीत किया।

➡ मगध के राजा बिम्बिसार ने उनके निवास के लिए 'वेलुवन' नामक महाविहार बनवाया।

➡ राजगृह में रहते हुए बुद्ध ने एक बार अपने गृह नगर कपिलवस्तु की भी यात्रा की, जहां अपने परिवार के सभी लोगों को अपने मत में दीक्षित किया।

➡ राजगृह से चलकर बुद्ध लिच्छवियों की राजधानी वैशाली पहुंचे। जहां उन्होंने पांचवां वर्षाकाल व्यतीत किया।

➡ लिच्छवियों ने उनके निवास के लिए महावन में प्रसिद्ध 'कुटाग्रशाला' का निर्माण करवाया।

➡ वैशाली की प्रसिद्ध नगर-वधू आम्रपाली उनकी शिष्या बनी तथा भिक्षु-संघ के निवास के लिए अपनी आम्रवाटिका प्रदान कर दी।

➡ ज्ञान प्राप्ति के 8वें वर्ष गौतम बुद्ध ने वैशाली में अपने प्रिय शिष्य आनंद के कहने पर महिलाओं को संघ में प्रवेश की अनुमति दी।

➡ बुद्ध की मौसी तथा विमाता संघ में प्रवेश करने वाली प्रथम महिला थीं।

➡ भग्गों की राजधानी सुमसुमारगिरि में बुद्ध ने आठवां वर्षाकाल व्यतीत किया।

➡ नौवां विश्राम बुद्ध ने वत्सराज उदयन की राजधानी कौशाम्बी में किया।

➡ बौद्ध धर्म का सर्वाधिक प्रचार कोशल राज्य में हुआ।

- ➲ यहां उन्होंने इक्कीस वास किए।

➡ कोशल राज्य के अनाथपिण्डक नामक धनी व्यापारी ने उनकी शिष्यता ग्रहण की तथा संघ के लिए 'जेतवन' विहार प्रदान किया।

➡ भरहुत से प्राप्त एक शिल्प के ऊपर इस दान का उल्लेख है।

- ➲ इसमें 'जेतवन अनाथपेन्डिको देति कोटिसम्थतेनकेता' लेख उत्कीर्ण मिलता है।

➡ कोशल नरेश प्रसेनजित ने भी अपने परिवार के साथ बुद्ध की शिष्यता ग्रहण की तथा संघ के लिए 'पुब्बाराम' (पूर्वा-राम) नामक विहार बनवाया।

➡ अपने मत का प्रचार करते हुए वे मल्लों की राजधानी पावा पहुंचे, जहां वे चुंद नामक लुहार की आम्रवाटिका में ठहरे।

- ➲ उसने बुद्ध को सूकरमद्दव खाने का दिया, इससे उन्हें 'रक्तातिसार' हो गया।

➡ फिर ये पावा में कुशीनारा चले गए और यहीं पर सुभद्द को उन्होंने अपना अंतिम उपदेश दिया।

- ➲ कुशीनारा (मल्ल गणराज्य की राजधानी) में 483 ई.पू. में 80 वर्ष की अवस्था में उन्होंने शरीर त्याग दिया।
- ➲ बौद्ध ग्रंथों में इसे 'महापरिनिर्वाण' कहा जाता है।

➡ महापरिनिर्वाण सूत्र में बुद्ध की शरीर धातु के दावेदारों के नाम निम्नलिखित हैं–

- ➲ मगध नरेश अजातशत्रु
- ➲ वैशाली के लिच्छवि
- ➲ पावा के मल्ल
- ➲ कपिलवस्तु के शाक्य
- ➲ रामगाम के कोलिय
- ➲ अलकप्प के बुलि
- ➲ पिप्पलिवन के मोरिय
- ➲ वेठद्वीप के ब्राह्मण

❑ गौतम बुद्ध के उपदेश एवं शिक्षाएं

➡ बुद्ध के प्रथम उपदेश को 'धर्मचक्रप्रवर्तन' की संज्ञा दी जाती है।

- ➲ उनका यह उपदेश दु:ख, दु:ख के कारण तथा उसके समाधान से संबंधित था।
- ➲ इसे चार आर्य सत्य कहा जाता है। ये हैं–
  - – दु:ख
  - – दु:ख समुदाय
  - – दु:ख निरोध
  - – दु:ख निरोधगामिनी प्रतिपदा

➡ बुद्ध के अनुसार, दु:ख का मूल कारण अविद्या के विनाश का उपाय अष्टांगिक मार्ग है।

➡ 'अष्टांगिक मार्ग' आठ हैं, जो इस प्रकार हैं–सम्यक् दृष्टि, सम्यक् संकल्प, सम्यक् वाक्, सम्यक् कर्मांत, सम्यक् आजीव, सम्यक् व्यायाम, सम्यक् स्मृति एवं सम्यक् समाधि।

➡ जरामरण से लेकर अविद्या तक दु:ख के कारण में 12 कड़ियां बताई गई हैं। ये हैं–जरामरण, जाति (शरीर धारण करना), भव (शरीर धारण करने की इच्छा), उपादान (सांसारिक विषयों से लिपटे रहने की इच्छा), तृष्णा, वेदना, स्पर्श, षडायतन (पांच इंद्रियों तथा मन का समूह), नामरूप, विज्ञान, संस्कार तथा अविद्या।

➡ बुद्ध अपने मत को 'मध्यमा प्रतिपदा' या मध्यम मार्ग कहते हैं।

- ➲ यह दो अतिवादी मान्यताओं शाश्वतवाद और उच्छेदवाद का निषेध करता है।

➡ बौद्ध धर्म के अनुयायी दो वर्गों में बंटे हुए थे–

- ➲ भिक्षु, भिक्षुणी
- ➲ उपासक, उपासिकाएं
- ➲ सामान्य मनुष्यों के लिए बुद्ध ने जिस धर्म का उपदेश दिया उसे 'उपासक धर्म' कहा गया।

➡ बौद्ध धर्म के त्रिरत्न हैं–बुद्ध, धम्म एवं संघ।

बौद्ध संगीतियां

क्रम	वर्ष	स्थान	अध्यक्ष	शासक
प्रथम	483 ई.पू.	राजगृह	महाकस्सप	अजातशत्रु
द्वितीय	383 ई.पू.	वैशाली	सुधुकामी	कालाशोक
तृतीय	247 ई.पू.	पाटलिपुत्र	मोग्गलिपुत्त तिस्स	अशोक
चतुर्थ	102 ई.	कुंडलवन (कश्मीर)	वसुमित्र अश्वघोष (उपाध्यक्ष)	कनिष्क

➡ परंपरागत नियम में आस्था रखने वालों का संप्रदाय 'स्थविर' या 'थेरावादी' कहलाया।

- ➲ इनका नेतृत्व महाकच्चायन ने किया।

➡ परिवर्तन के साथ नियम को स्वीकार करने वालों का संप्रदाय 'महासांघिक' अथवा 'सर्वास्तिवादी' कहलाया।

➲ इनका नेतृत्व महाकस्सप ने किया।

➡ बौद्ध संघ का यह विभेद बढ़ता गया तथा कालांतर में दोनों संप्रदाय अट्ठारह उपसंप्रदायों में विभक्त हो गए।

➡ चतुर्थ बौद्ध संगीति में महासांघिकों का बोलबाला था।

➡ चतुर्थ बौद्ध संगीति के समय में बौद्धों ने भाषा के रूप में संस्कृत को अपनाया।

➲ इस संगीति के समय बौद्ध धर्म स्पष्ट रूप से हीनयान और महायान नामक दो संप्रदायों में विभाजित हो गया।

हीनयान और महायान में अंतर

हीनयान	महायान
◆ हीनयान का शाब्दिक अर्थ है– निम्न मार्ग।	◆ महायान का शाब्दिक अर्थ है–उत्कृष्ट मार्ग।
◆ इसमें महात्मा बुद्ध को एक महापुरुष माना जाता था।	◆ इसमें उन्हें देवता माना जाता था।
◆ यह व्यक्तिवादी धर्म है। इसके अनुसार, प्रत्येक व्यक्ति को अपने प्रयत्नों से ही मोक्ष प्राप्त करना चाहिए।	◆ इसमें परोपकार एवं परसेवा पर बल दिया गया। इसका उद्देश्य समस्त मानव जाति का कल्याण है।
◆ यह मूर्तिपूजा एवं भक्ति में विश्वास नहीं करता है।	◆ यह आत्मा एवं पुनर्जन्म में विश्वास करता है।
◆ इसकी साधन पद्धति अत्यंत कठोर है तथा यह भिक्षु जीवन का समर्थक है।	◆ इनके सिद्धांत सरल एवं सर्वसाधारण के लिए सुलभ हैं। इसमें भिक्षु के साथ-साथ सामान्य उपासकों को भी महत्व दिया गया है।
◆ इसका आदर्श 'अर्हत्' पद को प्राप्त करना है।	◆ इसका आदर्श 'बोधिसत्व' है।
◆ इसके प्रमुख संप्रदाय हैं–वैभाषिक तथा सौत्रान्तिक।	◆ इसके प्रमुख संप्रदाय हैं–शून्यवाद (माध्यमिक) तथा विज्ञानवाद (योगाचार)।

➡ वैभाषिक मत की उत्पत्ति मुख्य रूप से कश्मीर में हुई।

➡ विभाषाशास्त्र पर आधारित होने के कारण इसे 'वैभाषिक' कहा गया।

➲ इसके मतानुयायी चित्त तथा बाह्य वस्तुओं को स्वीकार करते हुए यह प्रतिपादित करते हैं कि वस्तुओं का ज्ञान केवल प्रत्यक्ष से ही संभव है।

➡ वैभाषिक मत के प्रमुख आचार्य हैं–धर्मत्रात, घोषक, बुद्धदेव, वसुमित्र आदि।

➡ सौत्रान्तिक संप्रदाय सुत्तपिटक पर आधारित है।

➡ शून्यवाद (माध्यमिक) के प्रवर्तक नागार्जुन हैं, जिसकी प्रसिद्ध रचना 'माध्यमिककारिका' है।

➲ नागार्जुन के अतिरिक्त इस मत के अन्य विद्वान थे– चन्द्रकीर्ति, शान्तिदेव, शान्तिरक्षित, आर्यदेव आदि।

➡ विज्ञानवाद अथवा योगाचार संप्रदाय की स्थापना मैत्रेय अथवा मैत्रेयनाथ ने किया था।

➲ असंग तथा वसुबंधु ने इसका विकास किया।

➡ पांचवीं या छठीं शताब्दी ई. से बौद्ध धर्म के ऊपर तंत्र-मंत्र का प्रभाव बढ़ने के फलस्वरूप वज्रयान नामक नए संप्रदाय का जन्म हुआ।

➡ वज्रयान का सर्वाधिक विकास आठवीं शताब्दी में हुआ।

➡ इसके सिद्धांत मंजुश्रीमूलकल्प तथा गुह्यसमाज नामक ग्रंथों में मिलते हैं।

➲ इसने भारत में बौद्ध धर्म के पतन का मार्ग प्रशस्त किया।

❑ बोधिसत्व

➡ 'मैत्रेय' को बौद्ध परंपरा में 'भावी बुद्ध' कहा गया है।

➡ अवलोकितेश्वर प्रधान बोधिसत्व हैं। इन्हें 'पद्मपाणि' (हाथ में कमल लिए हुए) भी कहते हैं। इनका प्रधान गुण दया है।

➡ वज्रपाणि पाप एवं असत्य के संहारक हैं। इन्हें हाथ में वज्र लिए हुए प्रदर्शित किया गया है।

➡ मंजुश्री के एक हाथ में खड्ग तथा दूसरे हाथ में पुस्तक रहती है।

➲ इनका मुख्य कार्य बुद्धि को प्रखर करना है।

❑ बौद्ध साहित्य

➡ बौद्ध साहित्य को 'त्रिपिटक' कहा जाता है।

➡ यह पाली भाषा में रचित है।

➡ बुद्ध के महापरिनिर्वाण के पश्चात उनकी शिक्षाओं को संकलित कर तीन भागों में बांटा गया, इन्हीं को त्रिपिटक कहते हैं।

➲ यह हैं–विनयपिटक, सुत्तपिटक तथा अभिधम्मपिटक'।

➡ विनयपिटक में संघ संबंधी नियम तथा दैनिक जीवन संबंधी आचार-विचारों, विधि-निषेधों आदि का संग्रह है।

➡ सुत्तपिटक में बौद्ध धर्म के सिद्धांत तथा उपदेशों का संग्रह है।

➡ अभिधम्मपिटक में बौद्ध धर्म के दार्शनिक सिद्धांतों का संग्रह मिलता है।

➡ अट्ठ कथाएं त्रिपिटकों के भाष्य के रूप में लिखी गई हैं।

➡ सुत्तपिटक की अट्ठ कथा 'महा अट्ठक' तथा विनयपिटक की अट्ठ कथा 'कुरुन्दी' है।

➡ अभिधम्मपिटक की अट्ठ कथा मूल रूप से सिंहली भाषा में 'महा पच्चारी' है।

➡ बौद्धों का वह धर्म ग्रंथ, जिसमें गौतम बुद्ध के पूर्ववर्ती जन्म की कथाएं संकलित हैं, जातक कहलाता है।

➲ यह पालि भाषा में है।

बौद्ध ग्रंथ एवं उनके रचनाकार

ग्रंथ	रचनाकार
मिलिन्दपण्हो	नागसेन
बुद्धचरित, सौन्दरानन्द, शारिपुत्र प्रकरण	अश्वघोष
माध्यमिककारिका	नागार्जुन
विशुद्धिमग्ग	बुद्धघोष
अभिधम्म कोश	वसुबन्धु

Q. 21 जुलाई, 2017 को यू.के. उच्चतम न्यायालय की पहली महिला अध्यक्ष कौन नियुक्त हुईं?

A. ब्रेंडा हैले।

Q. 19 जुलाई, 2017 को नगालैंड के मुख्यमंत्री के रूप में किसने शपथ ग्रहण किया?

Q. नेल्सन मंडेला अंतरराष्ट्रीय दिवस कब मनाया जाता है?

A. 18 जुलाई को।

A. टी.आर. जेलियांग ने।

Q. 17 जुलाई, 2017 को नेपाल के नए मुख्य न्यायाधीश के रूप में किसने शपथ ग्रहण किया?

A. गोपाल पराजुली ने।

Q. 16 जुलाई, 2017 को सिक्किम के किस पूर्व मुख्यमंत्री का निधन हो गया?

A. नर बहादुर भंडारी।

Q. 16 जुलाई, 2017 को केंद्र सरकार ने पंचगव्य (गोदुग्ध, गोदधि, गोमूत्र, गोघृत एवं गोबर का सम्मिश्रण) से लाभ पर शोध हेतु किसकी अध्यक्षता में 19 सदस्यीय समिति गठित की है?

A. केंद्रीय मंत्री डॉ. हर्षवर्धन की अध्यक्षता में।

Q. 16 जुलाई, 2017 को मद्रास संगीत अकादमी द्वारा नृत्य कलानिधि पुरस्कार के लिए किसे चुना गया है?

A. भरतनाट्यम नृत्यांगना लक्ष्मी विश्वनाथन को।

Q. 15-18 जुलाई, 2017 के मध्य संपन्न 57वीं राष्ट्रीय अंतरराज्यीय सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप, 2017 का पुरुष एवं महिला वर्ग का खिताब किसने जीता?

A. क्रमशः हरियाणा एवं केरल ने।

Q. जुलाई, 2017 में संपन्न विक्टोरियन ओपन स्क्वैश टूर्नामेंट, 2017 के पुरुष एवं महिला वर्ग के विजेता क्रमशः कौन-कौन हैं?

A. हरिंदर पाल संधू (भारत) एवं लियु त्सज लिंग (हांगकांग)।

Q. 3-16 जुलाई, 2017 के मध्य संपन्न विम्बलडन चैंपियनशिप के पुरुष एकल वर्ग का खिताब रोजर फेडरर ने रिकॉर्ड 8वीं बार जीत लिया। महिला एकल वर्ग का खिताब किसने जीता?

A. गार्बिने मुगुरुजा (स्पेन) ने।

Q. 3-17 जुलाई, 2017 के मध्य भारत और थाईलैंड की सेनाओं के मध्य बकलोह (हिमाचल प्रदेश) में आयोजित संयुक्त सैन्य अभ्यास का नाम क्या था?

A. मैत्री-2017।

Q. 15 जुलाई, 2017 को यूनिसेफ की नई सद्भावना दूत कौन चुनी गईं?

A. अभिनेत्री एवं लेखिका लिली सिंह।

Q. 14 जुलाई, 2017 को इंडोनेशिया द्वारा दक्षिणी-चीन सागर के अपने अनन्य आर्थिक क्षेत्र के हिस्से का नाम परिवर्तन कर दिया गया। इस क्षेत्र का नया नाम क्या है?

A. उत्तरी नातूना सागर (North Natuna Sea)।

Q. 14 जुलाई, 2017 को भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा गठित एक स्वतंत्र एजेंसी द्वारा जारी उपभोक्ता संतुष्टि सूचकांक में प्रथम स्थान किस हवाई अड्डे को प्राप्त हुआ है?

A. स्वामी विवेकानंद हवाई अड्डा, रायपुर को।

Q. 14 जुलाई, 2017 को केंद्रीय रेल मंत्री सुरेश प्रभु ने देश की पहली सौर ऊर्जा पैनल युक्त डेमू (DEMU) ट्रेन का उद्घाटन किस स्टेशन से किया?

A. सफदरजंग रेलवे स्टेशन, नई दिल्ली से।

Q. 14 जुलाई, 2017 को रेलमंत्री सुरेश प्रभु ने रेल यात्रियों की सुविधा हेतु कौन-से ऐप का शुभारंभ किया?

A. 'रेल सारथी' ऐप का।

Q. औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग (DIPP) देश का पहला प्रौद्योगिकी और नवाचार समर्थन केंद्र (TISC) किस राज्य में स्थापित करेगा?

A. पंजाब में।

Q. विश्व जनसंख्या दिवस (11 जुलाई), 2017 का मुख्य विषय (Theme) क्या था?

A. परिवार नियोजन : लोगों का सशक्तीकरण, विकासशील राष्ट्र।

Q. 10-17 जुलाई, 2017 के दौरान बंगाल की खाड़ी में भारत, अमेरिका और जापान की नौसेनाओं के मध्य किस नौसैन्य अभ्यास का 21वां संस्करण आयोजित हुआ?

A. मालाबार अभ्यास का।

Q. 10 जुलाई, 2017 को कौन-सी लौह अयस्क खान देश की पहली सौर संयंत्र युक्त खान बनी?

A. टाटा स्टील की नोवामुंडी खान, झारखंड।

Q. 1-31 जुलाई, 2017 के मध्य झारखंड सरकार द्वारा राज्य में कौन-सा अभियान चलाया गया।

A. मुख्यमंत्री कालाजार उन्मूलन अभियान।

Q. 12 जुलाई, 2017 को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वाराणसी स्थित राष्ट्रीय बीज अनुसंधान और प्रशिक्षण केंद्र परिसर में कौन-से अंतरराष्ट्रीय संस्थान का दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र स्थापित करने को मंजूरी प्रदान की?

A. अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (IRRI) का।

Q. 12 जुलाई, 2017 को वित्त मंत्रालय में आर्थिक मामलों के विभाग में नए सचिव के रूप में किसने कार्यभार संभाला?

A. सुभाष चंद्र गर्ग ने।

Q. 13 जुलाई, 2017 को चीन के प्रसिद्ध मानवाधिकार कार्यकर्ता एवं नोबेल शांति पुरस्कार विजेता का निधन हो गया। उनका क्या नाम था?

A. लियू शियाओबो।

Q. 11 जुलाई, 2017 को विस्तारा एयरलाइंस का मुख्य कार्यकारी अधिकारी किसे नियुक्त किया गया?

A. लेस्ली थंग को।

Q. 10 जुलाई, 2017 को केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली ने आयकर दाताओं की सुविधा हेतु कौन-सा नया ऐप (app) लांच किया?

A. नवीन करदाता सेवा मॉड्यूल 'आयकर सेतु'।

Q. 11-13 जुलाई, 2017 के मध्य सार्क के कानून एवं व्यवस्था मंत्रियों (आंतरिक/गृह मामलों) की 8वीं बैठक कहां संपन्न हुई?

A. कोलंबो, श्रीलंका में।

Q. 7-8 जुलाई, 2017 के मध्य जी-20 का 12वां शिखर सम्मेलन कहां संपन्न हुआ?

A. हैम्बर्ग, जर्मनी में।

Q. वर्ष 2018, 2019 एवं 2020 में जी-20 का शिखर सम्मेलन कहां प्रस्तावित है?

A. क्रमशः अर्जेंटीना, जापान एवं सऊदी अरब में।

Q. 7 जुलाई, 2017 को काठमांडू में पूर्णतः स्वचालित डिजिटल बैंकिंग सेवाएं किस बैंक ने शुरू की?

A. स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की अनुषंगी बैंक नेपाल एसबीआई ने।

Q. 6 जुलाई, 2017 को भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (NBFCs) को राष्ट्रीय पेंशन स्कीम (NPS) उपलब्ध कराने की अनुमति दी है। इसकी शर्तों के अनुसार, पिछले वित्त वर्ष में शुद्ध लाभ के साथ-साथ गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों की परिसंपत्ति राशि कम-से-कम कितनी होनी चाहिए?

A. 500 करोड़ रु.।

Q. 6 जुलाई, 2017 को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने कौन-से आतंकवादी संगठन को प्रतिबंधित संगठनों की सूची में शामिल किया?

A. जमात-उल-अहरार को।

Q. 6 जुलाई, 2017 को जारी वैश्विक साइबर सुरक्षा सूचकांक, 2017 के दूसरे संस्करण में 165 देशों की सूची में भारत को कौन-सा स्थान प्राप्त हुआ है?

A. 23वां।

Q. 12 जुलाई, 2017 को केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा ने किस बीमारी के उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय रणनीति योजना (2017-22) का शुभारंभ किया?

A. मलेरिया उन्मूलन के लिए।

Q. 10 जुलाई, 2017 को केंद्र सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2016-17 में किस योजना के तहत कुल 57029 करोड़ रुपये की बचत हुई?

A. प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण योजना।

Q. 7 जुलाई, 2017 को केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा किस कार्यक्रम के प्रथम संस्करण का आयोजन किया गया?

A. 'विंग्स 2017-सब उड़ें, सब जुड़ें-क्षेत्रीय कनेक्टिविटी का विस्तार।

Q. आगामी 6 महीनों में अल्पसंख्यक समुदाय के युवाओं के रोजगारपरक कौशल विकास के लिए देश के 100 जिलों में किस कौशल विकास केंद्र की स्थापना होगी?

A. गरीब नवाज कौशल विकास केंद्र की।

Q. किस राज्य ने वर्ष 2018 से अलग कृषि बजट पेश करने का निर्णय लिया है?

A. तेलंगाना ने।

Q. 12 जुलाई, 2017 को भारतीय इंडोर क्रिकेट टीम का ब्रांड एंबेसेडर किसे चुना गया है?

A. संदीप पाटिल को।

Q. 11 जुलाई, 2017 को बीसीसीआई ने भारतीय क्रिकेट टीम का मुख्य कोच किसे नियुक्त किए जाने की घोषणा की?

A. रवि शास्त्री को।

Q. फ्रांस ने किस वर्ष तक डीजल तथा पेट्रोल कारों की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की?

A. वर्ष 2040 तक।

Q. ओडिशा में स्थापित होने वाले भारत के पहले मवेशी ब्लड बैंक में केंद्र एवं राज्य सरकार की हिस्सेदारी क्रमशः कितनी है?

A. 60:40।

Q. न्यूयॉर्क में आयोजित 18वें 'अंतरराष्ट्रीय भारतीय फिल्म अकादमी (IIFA), 2017' पुरस्कार समारोह में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता एवं सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार किसे प्रदान किया गया?

A. क्रमशः शाहिद कपूर एवं आलिया भट्ट को।

Q. 6 जुलाई, 2017 को स्पोर्ट्स इलस्ट्रेटेड इंडिया मैगजीन द्वारा वितरित वार्षिक पुरस्कारों में किस खिलाड़ी को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड प्रदान किया गया?

A. अभिनव बिंद्रा (निशानेबाज) को।

Q. 7 जुलाई, 2017 को पंजाब विधान सभा अध्यक्ष राणा के.पी. सिंह ने राज्य में किसानों द्वारा आत्महत्या की घटनाओं के कारणों का पता लगाने तथा सुझावों एवं अनुशंसाओं सहित विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए किस समिति का गठन किया है?

A. सुखबिंदर सिंह सरकारिया समिति का।

Q. 6 जुलाई, 2017 को राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (NDRF) के नए महानिदेशक का पदभार किसने ग्रहण किया?

A. संजय कुमार ने।

Q. 8 जुलाई, 2017 को यूनेस्को की 'विश्व धरोहर संबंधी वैश्विक समिति' ने किस शहर को भारत के पहले वैश्विक धरोहर शहर के रूप में मान्यता दी?

A. अहमदाबाद को।

Q. 8 जुलाई, 2017 को संपन्न भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ के चुनाव में इसका अध्यक्ष कौन पुनर्निर्वाचित हुआ?

A. रानिंदर सिंह।

Q. 6 जुलाई, 2017 को विद्यार्थी-वैज्ञानिक संपर्क हेतु किस कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया है?

A. जिज्ञासा कार्यक्रम का।

Q. 4-6 जुलाई, 2017 के मध्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किस देश की यात्रा संपन्न की?

A. इस्राइल की।

Q. 6 जुलाई, 2017 को जारी अधिसूचना के अनुसार, केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा शहरी विकास मंत्रालय तथा आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय के विलय की घोषणा की गई। विलय के पश्चात नए मंत्रालय का नाम क्या होगा?

A. आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय।

Q. जीएसटी विधेयक पारित करने वाला भारत का अंतिम राज्य कौन है?

A. जम्मू-कश्मीर।

Q. भारत में वस्तु एवं सेवा कर कब से लागू हुआ?

A. 1 जुलाई, 2017 से।

Q. 3 जुलाई, 2017 को भारत के सबसे बड़े ग्लोबल स्किल पार्क का शिलान्यास कहां किया गया?

A. भोपाल में।

Q. 3 जुलाई, 2017 को डीआरडीओ ने सतह से हवा में मार करने वाले कम दूरी के त्वरित प्रतिक्रिया प्रक्षेपास्त्र (QR-SAM) का सफल परीक्षण किस स्थल से किया?

A. चांदीपुर, ओडिशा से।

Q. जुलाई, 2017 में संपन्न 'ड्री' त्योहार अरुणाचल प्रदेश में किस जनजाति द्वारा मनाया जाता है?

A. अपतानी जनजाति द्वारा।

Q. जुलाई, 2017 में 'स्कूल ऑफ इंटरनेशनल बायोडिजाइन' (SIB) कार्यक्रम के तहत मेसर्स सोहम इनोवेशन लैब्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विकसित कौन-से नवजात श्रवणशक्ति जांच उपकरण का लोकार्पण किया गया?

A. 'सोहम' उपकरण का।

Q. 1 जुलाई, 2017 से निर्वाचन आयोग द्वारा फेसबुक पर कौन-सा प्रथम राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया गया है?

A. मतदाता पंजीकरण स्मरण अभियान।

Q. 23 जून, 2017 को छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों द्वारा नक्सलियों के विरुद्ध प्रारंभ किए गए अभियान का नाम क्या है?

A. ऑपरेशन प्रहार।

Q. 26 जून, 2017 को यूनेस्को द्वारा किस शहर को वर्ल्ड बुक कैपिटल, 2019 नामित किया गया?

A. शारजाह (संयुक्त अरब अमीरात)।

Q. 28 जून, 2017 को किस संस्था ने जेल बंदियों को मुफ्त कानूनी सेवाएं प्रदान करने के लिए वेब एप्लीकेशन लांच किया?

A. राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण (NALSA) ने।

Q. 30 जून, 2017 को जर्मन संसद ने समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता प्रदान की। ऐसा करने वाला जर्मनी विश्व का कौन-सा देश है?

A. 23वां।

Q. धीरूभाई अंबानी एयरोस्पेस पार्क किस विशेष आर्थिक क्षेत्र में स्थापित होगा?

A. मिहान विशेष आर्थिक क्षेत्र (नागपुर) में।

Q. किस तिथि को भारत सरकार ने देश को एवियन इन्फ्लुएंजा (H5N1और H5N8) से मुक्त घोषित किया?

A. 6 जून, 2017 से।

सम-सामयिक **घटना चक्र**

अतिरिक्तांक

GS प्वाइंटर 1

(पूर्वावलोकन सार)

प्राचीन एवं मध्यकालीन इतिहास

Website : http//www.ssgcp.com/
https://www.facebook.com/ssgcpl
https://www.facebook.com/ssgc.gs.qa
https://plus.google.com./+Ssgcpssgcp
https://twitter.com/SamsamyikGhatna

नि:शुल्क

अगस्त, 2017 अंक के साथ

श्रृंखला का अगला अंक - आधुनिक भारत का इतिहास

G.S. प्वाइंटर-1

प्राचीन भारत का इतिहास

2017, अगस्त माह से सम-सामयिक घटना चक्र मुख्य पत्रिका के साथ नि:शुल्क अतिरिक्तांक की शृंखला प्रारंभ की गई है। इस शृंखला में सामान्य अध्ययन के विभिन्न विषयों पर G.S. 'प्वाइंटर' क्रमशः प्रस्तुत किया जाएगा।

पाषाण काल

- रॉबर्ट ब्रूस फुट थे एक **— भूगर्भ-वैज्ञानिक एवं पुरातत्त्वविद्**
- भारतीय प्राग इतिहास का पिता कहा जाता है **— रॉबर्ट ब्रूस फुट को**
- कोपेनहेगन संग्रहालय की सामग्री से पाषाण, कांस्य और लौह युग का त्रियुगीय विभाजन किया था **— थॉमसन ने**
- पशुपालन के साक्ष्य सर्वप्रथम मिलते हैं **— मध्य पाषाण काल में**
- मध्य पाषाण काल में पशुपालन के प्रमाण जहां से मिले, वह स्थान है **— आदमगढ़**
- चोपानी मांडो, काकोरिया, महदहा एवं सराय नाहरराय स्थलों में से हड्डी के उपकरण प्राप्त हुए हैं **— महदहा से**
- हड्डी से निर्मित आभूषण भारत में मध्य पाषाण काल में प्राप्त हुए हैं **— महदहा से**
- एक ही कब्र से तीन मानव कंकाल मिले हैं **— दमदमा से**
- खाद्यान्नों की कृषि सर्वप्रथम प्रारंभ हुई थी **— नवपाषाण काल में**
- भारत में मानव का सर्वप्रथम साक्ष्य मिलता है **— नर्मदा घाटी से**
- मानव द्वारा सर्वप्रथम प्रयुक्त अनाज था **— जौ**
- भारतीय उपमहाद्वीप में कृषि के प्राचीनतम साक्ष्य प्राप्त हुए हैं **— लहुरादेव से**
- पुरापाषाण युग, नवपाषाण युग,ताम्रपाषाण युग तथा लौह युग में से चालकोलिथिक युग भी कहा जाता है **— ताम्रपाषाण युग को**
- आम्री, मेहरगढ़, कोटदीजी तथा कालीबंगा में से वह पुरास्थल, जहां से पाषाण संस्कृति से लेकर हड़प्पा सभ्यता तक के सांस्कृतिक अवशेष प्राप्त हुए हैं **— मेहरगढ़**
- नवदाटोली का उत्खनन करवाया था **— एच.डी. सांकलिया ने**
- नवदाटोली अवस्थित है **— मध्य प्रदेश में**
- वृहत्पाषाण स्मारकों की पहचान की गई है **— मृतक को दफनाने के स्थान के रूप में**
- राख का टीला बुदिहाल, संगनकल्लू, कोलडिहवा तथा ब्रह्मगिरी में से जिस नवपाषाणिक स्थल से संबंधित है, वह है **— संगनकल्लू**
- 'भीमबेटका' प्रसिद्ध है **— गुफाओं के शैल चित्र के लिए**
- भारत में सर्वाधिक शैल चित्र प्राप्त हुए हैं **— भीमबेटका से**
- अजंता, भीमबेटका, बाघ तथा अमरावती में से वह स्थल जो प्रागैतिहासिक चित्रकला के लिए प्रसिद्ध है **— भीमबेटका**
- भीमबेटका की गुफाएं स्थित है**— अब्दुल्लागंज-रायसेन (मध्य प्रदेश) में**
- गैरिक मृद्भांड पात्र (ओ.सी.पी.) का नामकरण हुआ था **— हस्तिनापुर में**
- ताम्र पाषाण काल में महाराष्ट्र के लोग मृतकों को घर के फर्श के नीचे दफनाते थे **— उत्तर से दक्षिण की ओर**
- ब्रह्मगिरि, बुर्जहोम, चिरांद तथा मास्की में से वह स्थल जहां से मानव कंकाल के साथ कुत्ते का कंकाल भी शवाधान से प्राप्त हुआ है **— बुर्जहोम**
- बुर्जहोम, कोलडिहवा, ब्रह्मगिरि एवं संगनकल्लू में से गर्त आवास के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं **— बुर्जहोम से**
- विंध्य क्षेत्र का वह शिलाश्रय जहां से सर्वाधिक मानव कंकाल मिले हैं **— लेखहिया**
- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण संस्कृति, पर्यटन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा मानव संसाधन विकास विभागों/मंत्रालयों में से संलग्न कार्यालय है **— संस्कृति मंत्रालय का**
- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के प्रथम महानिदेशक थे **— जॉन मार्शल**
- राष्ट्रीय मानव संग्रहालय स्थित है **— भोपाल में**

सैंधव सभ्यता एवं संस्कृति

✸ मानव समाज विलक्षण है, क्योंकि वह मुख्यतया आश्रित होता है–
— संस्कृति पर

✸ हड़प्पा संबद्ध है **— सिंधु घाटी सभ्यता से**

✸ सिंधु सभ्यता संबंधित है **— आद्य-ऐतिहासिक युग से**

✸ सिंधु घाटी की सभ्यता गैर-आर्य थी, क्योंकि
— वह नगरीय सभ्यता थी

✸ सिंधु घाटी सभ्यता को आर्यों से पूर्व की रखे जाने का महत्वपूर्ण कारक है **— मृद्‌भांड**

✸ सिंधु घाटी संस्कृति वैदिक सभ्यता से भिन्न थी, क्योंकि
— इसके पास विकसित शहरी जीवन की सुविधाएं थीं; इसके पास चित्रलेखीय लिपि थी; इसके पास लोहे और रक्षा शस्त्रों के ज्ञान का अभाव था।

✸ हड़प्पा संस्कृति की जानकारी का प्रमुख स्रोत है **— पुरातात्विक खुदाई**

✸ हड़प्पा सभ्यता की उत्पत्ति के संदर्भ में सही सुमेलन है–

ई.जे.एच. मैके	–	सुमेर से लोगों का पलायन
मार्टिमर व्हीलर	–	पश्चिमी एशिया से 'सभ्यता के विचार' का प्रवसन
अमलनंदा घोष	–	हड़प्पा सभ्यता का उद्‌भव पूर्व हड़प्पा सभ्यता की परिपक्वता के परिणामस्वरूप हुआ।

✸ भारत में चांदी की उपलब्धता के प्राचीनतम साक्ष्य मिलते हैं
— हड़प्पा संस्कृति में

✸ हड़प्पा में मिट्टी के बर्तनों पर सामान्यतः उपयोग हुआ था
— लाल रंग का

✸ मूर्ति पूजा का आरंभ माना जाता है
— पूर्व आर्य (Pre Aryan) सभ्यता से

✸ गाय, हाथी, गैंडा तथा बाघ पशुओं में से वह जिसका हड़प्पा संस्कृति में पाई गई टेराकोटा कलाकृति में निरूपण (Representation) नहीं हुआ था **— गाय**

✸ सुमेलित है–

प्राचीन स्थल		पुरातत्वीय खोज
लोथल	–	गोदीबाड़ा
कालीबंगा	–	जुता हुआ खेत
धौलावीरा	–	हड़प्पन लिपि के बड़े आकार के दस चिह्नों वाला एक शिलालेख
बनावली	–	पक्की मिट्टी की बनी हुई हल की प्रतिकृति

✸ सुमेलित है–

स्थल		नदी
हड़प्पा	–	रावी
हस्तिनापुर	–	गंगा
नागार्जुन कोंडा	–	कृष्णा
पैठन	–	गोदावरी

✸ सही सुमेलन है–

बस्ती		नदी
हड़प्पा	–	रावी
कालीबंगा	–	घग्गर
लोथल	–	भोगवा
रोपड़	–	सतलज

✸ सिंधु सभ्यता के बारे में सत्य कथन है
— नगरों में नालियों की सुदृढ़ व्यवस्था थी, व्यापार और वाणिज्य उन्नत दशा में था एवं मातृदेवी की उपासना की जाती थी

✸ सिंधु घाटी सभ्यता जानी जाती है **— अपने नगर नियोजन के लिए, मोहनजोदड़ो और हड़प्पा के लिए, अपने कृषि संबंधी कार्य के लिए एवं अपने उद्योगों के लिए**

✸ सुमेलित है–

आलमगीरपुर	–	उत्तर प्रदेश
लोथल	–	गुजरात
कालीबंगा	–	राजस्थान
रोपड़	–	पंजाब

✸ सुमेलित है–

आलमगीरपुर	–	उत्तर प्रदेश
बनावली	–	हरियाणा
दायमाबाद	–	महाराष्ट्र
राखीगढ़ी	–	हरियाणा

✸ सही सुमेलन है–

हड़प्पीय स्थल		स्थिति
मांडा	–	जम्मू-कश्मीर
दायमाबाद	–	महाराष्ट्र
कालीबंगा	–	राजस्थान
राखीगढ़ी	–	हरियाणा

✸ हड़प्पा संस्कृति के सिंध में अवस्थित स्थल हैं **— मोहनजोदड़ो, चन्हूदड़ो जुडेरजोदड़ो, आमरी, कोटिदीजी एवं अलीमुराद**

✸ चन्हूदड़ो के उत्खनन का निर्देशन किया था **— जे.एच. मैके ने**

✸ कालीबंगा, हड़प्पा, लोथल एवं आलमगीरपुर में से सिंधु घाटी सभ्यता का वह स्थान जो अब पाकिस्तान में है **— हड़प्पा**

✸ रंगपुर जहां हड़प्पा की समकालीन सभ्यता थी, वह है
— सौराष्ट्र (गुजरात) में

✸ दधेरी एक परवर्ती हड़प्पीय पुरास्थल है **— पंजाब का**

✸ हड़प्पा, मोहनजोदड़ो एवं लोथल में से सिंधु सभ्यता का वह स्थान जो भारत में स्थित है **— लोथल (गुजरात में)**

✸ वह हड़प्पीय नगर, जिसका प्रतिनिधित्व लोथल का पुरातत्त्व-स्थल करता है, स्थित था **— भोगवा नदी पर**

✸ सिंधु घाटी सभ्यता का पत्तन नगर था **— लोथल**

✸ सिकंदरिया, लोथल, महास्थानगढ़, नागपट्टनम में से वह, जो हड़प्पा का बंदरगाह है **— लोथल**

✸ कालीबंगन, रोपड़, पाटलिपुत्र तथा लोथल में से वह, जो सिंधु घाटी की सभ्यता से संबंधित स्थल नहीं है **— पाटलिपुत्र**

✸ भारत का सबसे बड़ा हड़प्पन पुरास्थल है **— राखीगढ़ी**

✸ हड़प्पा सभ्यता का सबसे बड़ा पुरास्थल है **— मोहनजोदड़ो**

✸ सिंधु घाटी के लोग विश्वास करते थे **— मातृ शक्ति में**

✸ सिंधु घाटी के लोग पूजा करते थे **— मातृदेवी की, पशुपति की, लिंग एवं योनि की, पशुओं की, नागों की एवं वृक्षों की।**

✸ सिंधु-घाटी सभ्यता को खोज निकालने में जिन दो भारतीयों का नाम जुड़ा है, वे हैं **— राखालदास बनर्जी (मोहनजोदड़ो की खोज) तथा दयाराम साहनी (हड़प्पा की खोज)**

✸ सुमेलित है–

हड़प्पा	-	दयाराम साहनी
लोथल	-	एस.आर. राव
सुरकोटडा	-	जे.पी. जोशी
धौलावीरा	-	जे.पी. जोशी

✸ हड़प्पा का उत्खनन करने वाला प्रथम पुरातत्वविद जो इसके महत्व को नहीं समझ पाया था **— ए. कनिंघम**

✸ आर.डी. बनर्जी, के.एन. दीक्षित, एम.एस. वत्स तथा वी.ए.स्मिथ में से वह, जो हड़प्पा और मोहनजोदड़ो के उत्खनन से संबंधित नहीं थे **— वी.ए.स्मिथ**

✸ सिंधु सभ्यता की विकसित अवस्था में हड़प्पा, कालीबंगा, लोथल तथा मोहनजोदड़ो में से वह स्थल जहां से घरों में कुओं के अवशेष मिले हैं **— मोहनजोदड़ो**

✸ सही कालाक्रम है **— नगर संस्कृति, लोहे का हल, आहत मुद्रा, सोने के सिक्के**

✸ सर्वप्रथम मानव ने जिस धातु का उपयोग किया था, वह है **— तांबा**

✸ हाथी दांत का पैमाना हड़प्पीय संदर्भ में मिला है **— लोथल से**

✸ हड़प्पाकालीन स्थलों में अभी तक जिस धातु की प्राप्ति नहीं हुई है, वह है **— लोहा**

✸ आलमगीरपुर, लोथल, मोहनजोदड़ो तथा बनावली में से वह स्थल जो घग्गर और उसकी सहायक नदियों की घाटी में स्थित है **— बनावली**

✸ सही कथन है– **— मोहनजोदड़ो, हड़प्पा, रोपड़ एवं कालीबंगा सिंधु घाटी सभ्यता के प्रमुख स्थल हैं। हड़प्पा के लोगों ने सड़कों तथा नालियों के जाल के साथ नियोजित शहरों का विकास किया।**

✸ **कथन (A) :** मोहनजोदड़ो तथा हड़प्पा नगर अब विलुप्त हो गए हैं। **कारण (R) :** वह खुदाई के दौरान प्रकट हुए थे। **— (A) और (R) दोनों सही हैं, किंतु (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है (A) का।**

✸ हड़प्पन संस्कृति के संदर्भ में शैलकृत स्थापत्य के प्रमाण मिले हैंकृ **— धौलावीरा से**

✸ धौलावीरा जिस राज्य में स्थित है, वह है **—गुजरात**

✸ वह हड़प्पीय (Harappan) नगर जो तीन भागों में विभक्त है **— धौलावीरा**

✸ एक उन्नत जल-प्रबंधन व्यवस्था का साक्ष्य प्राप्त हुआ है**— धौलावीरा से**

✸ कुंतासी, धौलावीरा, लोथल एवं कालीबंगा में से वह स्थल जहां से द्वि-शव संस्कार (डबल बरियल) का प्रमाण मिला है **— लोथल एवं कालीबंगा**

✸ हड़प्पन स्थल सनौली के अभी हाल में उत्खननों से प्राप्त हुए हैं **— मानव शवाधान**

✸ वस्त्रों के लिए कपास की खेती का आरंभ सबसे पहले किया गया **— भारत में**

✸ सिंधु घाटी सभ्यता के संदर्भ सही कथन है– **— यह प्रमुखतः लौकिक सभ्यता थी तथा उसमें धार्मिक तत्व, यद्यपि उपस्थित था, वर्चस्वशाली नहीं था। उस काल में भारत में कपास से वस्त्र बनाए जाते थे।**

✸ सिंधु सभ्यता के संदर्भ में सही कथन है **— वे देवियों और देवताओं, दोनों की पूजा करते थे।**

✸ सिंधु-घाटी सभ्यता से संबद्ध विख्यात वृषभ-मुद्रा प्राप्त हुई थी **— मोहनजोदड़ो से**

✸ वह पशु जिनका अंकन हड़प्पा संस्कृति की मुहरों पर नहीं मिलता है **— घोड़ा, गाय एवं ऊंट**

✸ जिस पशु के अवशेष सिंधु घाटी सभ्यता में प्राप्त नहीं हुए हैं, वह है **— शेर**

✸ मृण-पट्टिका पर उत्कीर्ण सींगयुक्त देवता की कृति प्राप्त हुई है **— कालीबंगा से**

✸ वह सभ्यता जो नील नदी के तट पर पनपी **— मिस्र की सभ्यता**

✸ माया - एजटेक - मुइस्का - इंका सभ्यताओं का उत्तर से दक्षिण का सही क्रम है **— एजटेक - माया - मुइस्का - इंका**

✸ लेखन कला की उचित प्रणाली विकसित करने वाली सर्वप्रथम प्राचीन सभ्यता थी **— सुमेरिया**

वैदिक काल

✸ 'आर्य' शब्द इंगित करता है **— श्रेष्ठ वंश को**

✸ क्लासिकीय संस्कृत में 'आर्य' शब्द का अर्थ है **— एक उत्तम व्यक्ति**

✸ सबसे पुराना वेद है **— ऋग्वेद**

✸ 'त्रयी' नाम है **— तीन वेदों (ऋग्वेद, यजुर्वेद एवं सामवेद) का**

✸ वह वैदिक ग्रंथ जिसमें 'वर्ण' शब्द का सर्वप्रथम नामोल्लेख मिलता है **— ऋग्वेद**

✸ वर्णव्यवस्था से संबंधित 'पुरुष सूक्त' मूलतः पाया जाता है**— ऋग्वेद में**

✸ सुमेलित है–

अथर्ववेद	–	औषधियों से संबंधित
ऋग्वेद	–	ईश्वर महिमा
यजुर्वेद	–	बलिदान विधि
सामवेद	–	संगीत

✸ सुमेलित है–

ऋग्वेद	–	स्तोत्र एवं प्रार्थनाएं
यजुर्वेद	–	स्तोत्र एवं कर्मकांड
सामवेद	–	संगीतमय स्तोत्र
अथर्ववेद	–	तंत्र-मंत्र एवं वशीकरण

✸ ऋग्वेद, यजुर्वेद, अथर्ववेद तथा सामवेद चार वेदों में से वह, जिसमें जादुई माया और वशीकरण का वर्णन है **— अथर्ववेद**

✸ ऋग्वेद में ऋचाएं हैं **— 1028**

✸ ऋग्वेद में मंडल हैं **— 10**

✸ सुमेलित है–

वेद		**ब्राह्मण**
ऋग्वेद	–	ऐतरेय
सामवेद	–	पंचवीश
अथर्ववेद	–	गोपथ
यजुर्वेद	–	शतपथ

✸ ऋग्वेद का वह मंडल जो पूर्णतः 'सोम' को समर्पित है **— नौवां मंडल**

✸ 'यज्ञ' संबंधी विधि-विधानों का पता चलता है **— यजुर्वेद से**

✸ यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद में से वह, जिसका संकलन ऋग्वेद पर आधारित है **— सामवेद**

✸ तक्षशिला, अतरंजीखेड़ा, कौशाम्बी एवं हस्तिनापुर में से वह स्थल जिसकी खुदाई से लौह धातु के प्रचलन के प्राचीनतम प्रमाण मिले हैं **— अतरंजीखेड़ा**

✸ उपनिषदों का मुख्य विषय है **— दर्शन**

✸ ऋग्वेद, परवर्ती संहिताएं, ब्राह्मण तथा उपनिषद में से वह वैदिक साहित्य जिसमें मोक्ष की चर्चा मिलती है **— उपनिषद**

✸ मोक्ष शब्द का सबसे पहले उल्लेख हुआ है **— श्वेताश्वर उपनिषद में**

✸ अध्यात्म ज्ञान के विषय में नचिकेता और यम का संवाद जिस उपनिषद में प्राप्त होता है, वह है **— कठोपनिषद**

✸ उपनिषद काल के राजा अश्वपति शासक थे **– केकय के**

✸ वैदिक साहित्य का सही क्रम है **— वैदिक संहिताएं, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद**

✸ आरंभिक वैदिक साहित्य में सर्वाधिक वर्णित नदी है **— सिंधु**

✸ वैदिक नदी अस्किनी की पहचान की जाती है **— चेनाब नदी से**

✸ ऋग्वेद में जिन नदियों का उल्लेख अफगानिस्तान के साथ आर्यों के संबंध का सूचक है, वह हैं **— कुभा, क्रमु**

✸ सुमेलन है–

वैदिक नदियां		**आधुनिक नाम**
कुभा	–	काबुल
परुष्णी	–	रावी
सदानीरा	–	गंडक
सुतुद्री	–	सतलज

✸ वह प्रथा-चतुष्टय जो वेदोत्तर काल में प्रचलित हुई **— ब्रह्मचर्य - गृहस्थाश्रम - वानप्रस्थ - संन्यास**

✸ ''धर्म'' तथा ''ऋत'' भारत की प्राचीन वैदिक सभ्यता के एक केंद्रीय विचार को चित्रित करते हैं। इस संदर्भ में सत्य कथन है **— धर्म व्यक्ति के दायित्वों एवं स्वयं तथा दूसरों के प्रति व्यक्तिगत कर्तव्यों की संकल्पना था; ऋत मूलभूत नैतिक विधान था, जो सृष्टि और उसमें अंतर्निहित सारे तत्वों के क्रियाकलापों को संचालित करता था।**

✸ अग्नि, बृहस्पति, द्यौस तथा इंद्र वैदिक देवताओं में उनका पुरोहित माना जाता था **— बृहस्पति को**

✸ लोपामुद्रा, गार्गी, लीलावती तथा सावित्री में से वह ब्रह्मवादिनी जिसने कुछ वेद मंत्रों की रचना की थी **— लोपामुद्रा**

✸ ऋग्वैदिक काल में निष्क शब्द का प्रयोग एक स्वर्ण आभूषण के लिए होता था, किंतु परवर्ती काल में उसका प्रयोग हुआ **— सिक्का में**

✸ ऋग्वैदिक काल में निष्क आभूषण था **— गला का**

✸ 14वीं सदी ई. पूर्व का बोगजकोई अभिलेख महत्वपूर्ण है, क्योंकि **—यहां से प्राप्त अभिलेखों में वैदिक देवताओं एवं देवियों का नामोल्लेख प्राप्त होता है**

✸ मान सेहरा, शहबाजगढ़ी, बोगजकोई तथा जूनागढ़ अभिलेखों में से वह, जो ईरान से भारत में आर्यों के आने की सूचना देता है **— बोगजकोई**

✸ शंकराचार्य, एनी बेसेंट, विवेकानंद तथा बाल गंगाधर तिलक में से वह, जिसने आर्यों के आदि देश के बारे में लिखा था**— बाल गंगाधर तिलक**

✸ 'पुरुष मेध' का उल्लेख हुआ है **— शतपथ ब्राह्मण में**

✸ शतपथ ब्राह्मण में उल्लिखित राजा विदेघ माधव से संबंधित ऋषि थे **— ऋषि गौतम राहुगण**

✸ उत्तर वैदिक काल में से आर्य संस्कृति का धुर समझा जाता था **— अंग, मगध को**

✸ गोत्र शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम हुआ था **— ऋग्वेद में**

✸ गोत्र प्रथा की स्थापना हुई थी **— उत्तर वैदिक काल में**

✸ पूर्व-वैदिक आर्यों का धर्म प्रमुखत: था **— प्रकृति पूजा और यज्ञ**

✸ ऋग्वेद काल में जनता मुख्यतया विश्वास करती थी **— बलि एवं कर्मकांड में**

✸ ऋग्वेद में उल्लिखित प्रसिद्ध 'दश-राजाओं' का युद्ध लड़ा गया था **— परुष्णी नदी के किनारे**

✸ सिंधु, सरस्वती, वितस्ता तथा यमुना में से वह नदी जिसे ऋग्वेद में 'मातेतमा', 'देवीतमा' एवं 'नदीतमा' के रूप में संबोधित किया गया है **— सरस्वती**

✸ ऋग्वैदिक आर्यों के पंचजन थे **— यदु, द्रुर्ध्यु, पुरु, अनु एवं तुर्वसु**

✸ प्राचीन काल में आर्यों के जीविकोपार्जन का मुख्य साधन था**— शिकार**

✸ ऋग्वेद में उल्लिखित 'यव' शब्द जिस कृषि उत्पाद हेतु प्रयुक्त किया गया है, वह है **— जौ**

✸ वैदिक युग में प्रचलित लोकप्रिय शासन प्रणाली थी **—वंश परंपरागत राजतंत्र**

✸ सभा और समिति को प्रजापति की दो पुत्रियां कहा गया है **— अथर्ववेद में**

✸ 'आयुर्वेद' अर्थात 'जीवन का विज्ञान' का उल्लेख सर्वप्रथम मिलता है **— अथर्ववेद में**

✸ ऋग्वेदिक धर्म था **— बहुदेववादी**

✸ सर्वाधिक ऋग्वैदिक सूक्त समर्पित हैं **—इंद्र को**

✸ ऋग्वेद में इंद्र के बाद सर्वाधिक संख्या में मंत्र संबंधित हैं **— अग्नि से**

✸ ऋग्वेद में युद्ध-देवता समझा जाता है **— इंद्र**

✸ पूर्व वैदिक आर्यों का सर्वाधिक लोकप्रिय देवता था **— इंद्र**

✸ 800 से 600 ईसा पूर्व का काल जुड़ा है **— ब्राह्मण युग से**

✸ गायत्री मंत्र के नाम से प्रसिद्ध मंत्र सर्वप्रथम मिलता है **— ऋग्वेद में**

✸ गायत्री मंत्र की रचना की थी **— विश्वामित्र ने**

✸ सर्ग, प्रतिसर्ग, वंश, मन्वन्तर और वंशानुचरित संकेतक हैं **— पुराणों के**

✸ पुराणों की संख्या हैं **— 18**

✸ 'श्रीमद्भागवद्गीता' मौलिक रूप में लिखी गई थी **— संस्कृत में**

✸ महाभारत मूलत: जानी जाती थी **— जयसंहिता के रूप में**

✸ हिंदू पौराणिक कथा के अनुसार समुद्र मंथन हेतु जिस सर्प ने रस्सी के रूप में स्वयं को प्रस्तुत किया, वह है **— वासुकी**

✸ अछूत की अवधारणा स्पष्ट रूप से उद्धृत हुई थी **— धर्मशास्त्र के समय में**

✸ 'सत्यमेव जयते' शब्द लिया गया है **— मुंडक उपनिषद से**

✸ सत्यकाम जाबाल की कथा, जो अनब्याही मां होने के लांछन को चुनौती देती है, उल्लेखित है **— छांदोग्य उपनिषद् में**

✸ ऋग्वेद की मूल लिपि थी **— ब्राह्मी**

✸ वैदिक कर्म कांड में 'होता' का संबंध है **—ऋग्वेद से**

✸ अवेस्ता और ऋग्वेद में समानता है। अवेस्ता संबंधित है **— ईरान से**

✸ वैदिक काल में 'अघन्या' माना गया है **— गाय को**

✸ ऋग्वैदिक काल के प्रारंभ में महत्वपूर्ण मूल्यवान संपत्ति समझा जाता था **— गाय को**

✸ प्राचीन भारतीय समाज के प्रसंग में, कुल, वंश, कोश तथा गोत्र शब्दों में से वह शब्द जो शेष तीन के वर्ग का नहीं है **— कोश**

✸ संस्कारों की संख्या है **— 16**

✸ जीविकोपार्जन हेतु 'वेद-वेदांग' पढ़ाने वाला अध्यापक कहलाता था **— उपाध्याय**

बौद्ध धर्म

✸ गौतम बुद्ध का जन्म हुआ था **— 563 ई. पू. में**

✸ बुद्ध के जीवन की वह घटना जिसे 'महाभिनिष्क्रमण' के रूप में जाना जाता है **— उनका गृहत्याग**

✸ गौतम बुद्ध की मां संबंधित थीं **— कोलिय वंश से**

✸ बुद्ध का जन्म हुआ था **— लुंबिनी में**

✸ गौतम बुद्ध के बचपन का नाम था **— सिद्धार्थ**

✸ बसाढ़ स्तंभ अभिलेख, निगाली सागर स्तंभ अभिलेख, रामपुरवा स्तंभ अभिलेख तथा रुमिनदेई स्तंभ अभिलेख में से वह एक अभिलेख जो इस परंपरा की पुष्टि करता है कि गौतम बुद्ध का जन्म लुंबिनी में हुआ था? **— रुमिनदेई स्तंभ अभिलेख**

✸ अशोक, कनिष्क, हर्ष तथा धर्मपाल में से वह, जिसके एक अभिलेख से सूचना मिलती है कि शाक्यमुनि बुद्ध का जन्म लुंबिनी में हुआ था **— मौर्य शासक अशोक**

✸ महात्मा बुद्ध का 'महापरिनिर्वाण' हुआ **— मल्ल गणराज्य की राजधानी कुशीनगर में**

✸ महापरिनिर्वाण मंदिर अवस्थित है **— कुशीनगर में**

✸ अवंति, गांधार, कोसल एवं मगध राज्यों में से वह, जिनका संबंध बुद्ध के जीवन से था **— कोसल एवं मगध**

✸ गौतम बुद्ध द्वारा अपने धर्म में दीक्षित किया जाने वाला अंतिम व्यक्ति था **— सुभद्द**

✸ बुद्ध ने अपने जीवन की अंतिम वर्षा ऋतु बिताई थी **— वैशाली में**

✸ बौद्ध मत में निर्वाण की अवधारणा की सर्वश्रेष्ठ व्याख्या करता है **— तृष्णारूपी अग्नि का शमन**

✸ आलार कालाम थे **— बुद्ध के एक गुरु जो सांख्य दर्शन के आचार्य थे**

✸ महात्मा बुद्ध ने अपना पहला 'उपदेश' (धर्मचक्रप्रवर्तन) दिया था **— सारनाथ में**

✸ बुद्ध ने सर्वाधिक उपदेश दिए थे **— श्रावस्ती में**

✸ बुद्ध कौशाम्बी आए थे **— उदयन के राज्य-काल में**

✸ बुद्ध की मृत्यु के पश्चात प्रथम बौद्ध संगीति की अध्यक्षता की गई **— महाकस्सप द्वारा**

✸ प्रथम बौद्ध संगीति का आयोजन हुआ था **— राजगृह की सप्तपर्णि गुफा में**

✸ कश्मीर में कनिष्क के शासनकाल में, जो चतुर्थ बौद्ध संगीति आयोजित हुई थी, उसकी अध्यक्षता की थी **— वसुमित्र ने**

✸ बौद्ध धर्म की महायान शाखा औपचारिक रूप से प्रकट हुई **— कनिष्क के शासनकाल में**

✸ प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ बौद्ध संगीतियों के आयोजन स्थलों का सही क्रम है **— राजगृह, वैशाली, पाटलिपुत्र एवं कुंडलवन**

✸ द्वितीय बौद्ध समिति का आयोजन हुआ था **— काशी (वाराणसी) में**

✸ प्रथम बौद्ध समिति का आयोजन हुआ था **— अजातशत्रु के शासनकाल में**

✸ द्वितीय बौद्ध सभा का आयोजन किया था **— कालाशोक ने**

✸ बुद्ध के जीवन की चार महत्वपूर्ण घटनाएं एवं उनसे संबंधित स्थलों का सुमेलन इस प्रकार है–

घटना		**स्थल**
जन्म	–	लुम्बिनी
ज्ञानप्राप्ति	–	बोधगया
प्रथम प्रवचन	–	सारनाथ
निधन	–	कुशीनगर

✸ भारतीय कला में बुद्ध के जीवन की वह घटना जिसका चित्रण 'मृग सहित चक्र' द्वारा हुआ है **— प्रथम उपदेश**

✸ सही सुमेलन है–

अर्था		**चिह्न**
जन्म	–	कमल
प्रथम प्रवचन	–	धर्मचक्रप्रवर्तन
महाबोधि	–	बोधि वृक्ष
त्याग	–	घोड़ा

✸ करमापा लामा तिब्बत के बुद्ध संप्रदाय के जिस वर्ग का है, वह है **— कंग्यूपा**

✸ महात्मा बुद्ध के संबंध में सही कथन हैं–

1. उनका जन्म कपिलवस्तु (लुम्बिनी) में हुआ था।

2. उन्होंने बोधगया में ज्ञान प्राप्त किया था।

3. उन्होंने वैदिक धर्म को अस्वीकार किया था।

4. उन्होंने आर्य सत्य का प्रचार किया था।

✸ बोधगया में महाबोधि मंदिर बनाया गया, जहां **— गौतम बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ**

✸ बोधगया में 'बोधि वृक्ष' को नष्ट कर दिया था **— शशांक ने**

✸ प्रमुख बौद्ध पवित्र स्थल, जो निरंजना नदी पर स्थित था **— बोधगया**

✸ बुद्ध के उपदेश संबंधित हैं **— आचरण की शुद्धता व पवित्रता से**

✸ बुद्ध के जीवनकाल में ही संघ प्रमुख होना चाहता था **— देवदत्त**

✸ गौतम बुद्ध ने अपनी मृत्यु के उपरांत बौद्ध संघ के नेतृत्व के लिए नामित किया था **— किसी को भी नहीं**

✸ अष्टांग मार्ग की संकल्पना, अंग है **— धर्मचक्रप्रवर्तन सुत्त की विषयवस्तु का**

✸ गौतम बुद्ध के बारे में सत्य कथन हैं **— वे कर्म में विश्वास करते थे, आत्मा का शरीर में परिवर्तन मानते थे एवं निर्वाण प्राप्ति में विश्वास करते थे**

✸ बौद्ध संघ में भिक्षुणी के रूप में स्त्रियों के प्रवेश की अनुमति बुद्ध द्वारा दी गई थी **— वैशाली में**

✸ 'त्रिपिटक' है **— बुद्ध के उपदेशों का संग्रह**

✸ 'त्रिपिटक' ग्रंथ संबंधित है **— बौद्ध धर्म से**

✸ वह बौद्ध ग्रंथ जिसमें संघ जीवन के नियम प्राप्त होते हैं **— विनय पिटक**

✸ वह बौद्ध साहित्य जिसमें महात्मा बुद्ध के 'नैतिक एवं सिद्धांत' संबंधित प्रवचन संकलित हैं **— सुत्त पिटक**

✸ वह बौद्ध साहित्य जिसमें बुद्ध के 'दार्शनिक सिद्धांत' का उल्लेख है **— अभिधम्मपिटक**

✸ अशोकाराम विहार स्थित था **— पाटलिपुत्र में**

✸ विश्व का सबसे ऊंचा कहा जाने वाला 'विश्व शांति स्तूप' स्थित है **— राजगीर (बिहार) में**

✸ बुद्ध की 80 फुट बड़ी प्रतिमा जो बोधगया में है, निर्मित की गई थी **—जापानियों के द्वारा**

✸ सर्वप्रथम 'स्तूप' शब्द मिलता है **— ऋग्वेद में**

✸ सारनाथ, सांची, बोधगया एवं कुशीनारा में से वह स्तूप-स्थल, जिसका संबंध भगवान बुद्ध के जीवन की किसी घटना से नहीं रहा है, वह है **— सांची**

✸ 'संसार अस्थिर और क्षणिक है' का बौद्ध, जैन, गीता एवं वेदांत में से जिससे संबंध है, वह है **— बौद्ध**

✸ 'एशिया के ज्योति पुंज' के तौर पर जाना जाता है **— गौतम बुद्ध को**

✸ सर एडविन एर्नाल्ड की पुस्तक 'द लाइट ऑफ दी एशिया' आधारित है **— ललितविस्तार पर**

✸ गौतम बुद्ध को एक देवता का स्थान जिस राजा के युग में प्राप्त हुआ, वह है **— कनिष्क**

✸ भारत में पहले जिन मानव प्रतिमाओं को पूजा गया, वह थी**— बुद्ध की**

✸ देश में जिस धर्म के लोगों ने मूर्ति पूजा की नींव रखी थी, वह है **— बौद्ध धर्म**

✸ गांधार शैली की मूर्ति कला में बुद्ध के सारनाथ में हुए प्रथम धर्मोपदेश से संबद्ध प्रवचन मुद्रा का नाम है **— धर्मचक्र**

✸ बुद्ध की खड़ी प्रतिमा बनाई गई **— कुषाण काल में**

✸ भगवान बुद्ध की प्रतिमा कभी-कभी एक हस्त मुद्रा युक्त दिखाई गई है, जिसे 'भूमिस्पर्श मुद्रा' कहा जाता है। यह प्रतीक है **— मार के प्रलोभनों के बावजूद अपनी शुचिता और शुद्धता का साक्षी होने के लिए बुद्ध का धरती का आह्वान**

✸ भूमिस्पर्श मुद्रा की सारनाथ बुद्ध मूर्ति संबंधित है **— गुप्त काल से**

✸ **कथन (A) :** कुशीनगर मल्ल गणराज्य की राजधानी थी।
कारण (R) : महात्मा बुद्ध का महापरिनिर्वाण कुशीनगर में हुआ था।
— दोनों A और R सही हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है

✸ सुमेलित हैं–

लोथल	:	प्राचीन गोदी क्षेत्र
सारनाथ	:	बुद्ध का प्रथम धर्मोपदेश
सांची	:	अशोक का सिंह स्तंभ शीर्ष
नालंदा	:	बौद्ध अधिगम का महान पीठ

✸ महायान बौद्ध धर्म में बोधिसत्व अवलोकितेश्वर को और जिस अन्य नाम से जानते हैं, वह है **— पद्मपाणि**

✸ भारत के धार्मिक इतिहास के संदर्भ में सत्य कथन हैं **— बोधिसत्व अपने प्रबोध के मार्ग पर बढ़ता हुआ करुणामय है। बोधिसत्व समस्त सचेतन प्राणियों को उनके प्रबोध के मार्ग पर चलने में सहायता करने के लिए स्वयं की निर्वाण प्राप्ति विलंबित करता है।**

✸ हीनयान अवस्था का विशालतम एवं सर्वाधिक विकसित शैलकृत चैत्यगृह स्थित है **—कार्ले में**

✸ प्रथम शताब्दी ईस्वी में जिस भारतीय बौद्ध भिक्षुक को चीन भेजा गया था, वह है **— नागार्जुन**

✸ शून्यता के सिद्धांत का सर्वप्रथम प्रतिपादन करने वाले बौद्ध दार्शनिक का नाम है **— नागार्जुन**

✸ नागार्जुन जिस बौद्ध संप्रदाय के थे, वह है **— माध्यमिक**

✸ विक्रमशिला, वाराणसी, गिरनार एवं उज्जैन में से बौद्ध शिक्षा का केंद्र है **— विक्रमशिला**

✸ वल्लभी विश्वविद्यालय स्थित था **— गुजरात में**

✸ नालंदा विश्वविद्यालय के स्थापन का युग है **— गुप्त**

✸ नालंदा विश्वविद्यालय के संस्थापक थे **— कुमारगुप्त**

✸ नालंदा विश्वविद्यालय विश्वप्रसिद्ध था **— बौद्ध धर्म दर्शन के लिए**

✸ **कथन (A) :** बारहवीं शताब्दी के अंत तक नालंदा महाविहार का पतन हो गया।
कारण (R) : महाविहार को राजकीय प्रश्रय मिलना बंद हो गया था।
— दोनों A और R सही हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

✸ 'नव नालंदा महाविहार' विख्यात है **— पाली अनुसंधान संस्थान के लिए**

✸ बौद्ध धर्म और जैन धर्म दोनों में समान रूप से विद्यमान था **— वेद प्रामाण्य के प्रति अनास्था, कर्मकांडों की फलवत्ता का निषेध, प्राणियों की हिंसा का निषेध (अहिंसा)**

✸ बौद्ध धर्म के चार आर्य सत्य का सही क्रम है **— दुःख है, दुःख का कारण है, दुःख का निरोध है, दुःख निरोध का मार्ग है**

✸ बौद्ध तथा जैन दोनों ही धर्म विश्वास करते हैं कि **— कर्म तथा पुनर्जन्म के सिद्धांत सही हैं**

✸ **कथन (A) :** पुनर्जन्म नहीं होता है।
कारण (R) : आत्मा की सत्ता नहीं है।
— A गलत है, किंतु R सही है

✸ बौद्ध धर्म के विषय में सही कथन हैं
– उसने वर्ण एवं जाति को अस्वीकार नहीं किया। उसने ब्राह्मण वर्ग की सर्वोच्च सामाजिक कोटि को चुनौती दी। उसने कुछेक शिल्पों को निम्न माना।

✸ बौद्ध धर्म के विस्तार के कारणों में सम्मिलित थे–
— धर्म की सादगी, दलितों के लिए विशेष अपील, धर्म की मिशनरी भावना, स्थानीय भाषा का प्रयोग

✸ आरंभिक मध्ययुगीन समय में बौद्ध धर्म का पतन जिन कारणों से शुरू हुआ, वह हैं **— उस समय तक बुद्ध, विष्णु के अवतार समझे जाने लगे और वैष्णव धर्म का हिस्सा बन गए।**

✸ कुछ शैलकृत बौद्ध गुफाओं को चैत्य कहते हैं, जबकि अन्य को विहार। दोनों में अंतर है, कि **— चैत्य पूजा-स्थल होता है, जबकि विहार बौद्ध भिक्षुओं का निवास-स्थान है**

✸ वह बौद्ध शाखा, जो सुल्तानी युग में सबसे प्रभावशाली थी
— वज्रयान

जैन धर्म

✸ जैन धर्म के संस्थापक हैं **—ऋषभ देव**

✸ जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर थे **— ऋषभदेव**

✸ जैन 'तीर्थंकर' पार्श्वनाथ मुख्यत: संबंधित थे **— वाराणसी से**

✸ महावीर स्वामी का जन्म हुआ था **— कुंडग्राम में**

✸ महावीर जैन की मृत्यु हुई थी **— पावापुरी में**

✸ तीर्थंकर शब्द संबंधित है **— जैन से**

✸ जैन तीर्थंकरों के क्रम में अंतिम थे **— महावीर**

✸ चंद्रप्रभु, नाथमुनि, नेमि तथा संभव में से वह, जो जैन तीर्थंकर नहीं था
— नाथमुनि

✸ प्रभासगिरि जिनका तीर्थ स्थल है, वे हैं **— जैन**

✸ जैन धर्म में 'पूर्ण ज्ञान' के लिए शब्द है **— कैवल्य**

✸ त्रिरत्न सिद्धांत सम्यक धारण, सम्यक चरित्र एवं सम्यक ज्ञान जिस धर्म की महिमा है, वह है **— जैन धर्म**

✸ अणुव्रत सिद्धांत का प्रतिपादन किया था **— जैन धर्म ने**

✸ स्यादवाद सिद्धांत है **— जैन धर्म का**

✸ जैन दर्शन के अनुसार सृष्टि की रचना एवं पालन-पोषण
— सार्वभौमिक विधान से हुआ है

✸ अनेकांतवाद बौद्ध मत, जैन मत, सिख मत तथा वैष्णव मत में से जिसका क्रोड सिद्धांत एवं दर्शन है, वह है **— जैन मत**

✸ बौद्ध धर्म, जैन धर्म, हिंदू धर्म तथा इस्लाम में से वह धर्म जो 'विश्व विनाशकारी प्रलय' की अवधारणा में विश्वास नहीं करता **— जैन धर्म**

✸ जैन धर्म का आधारभूत बिंदु है **— अहिंसा**

✸ यापनीय एक संप्रदाय था **— जैन धर्म का**

✸ बारह अंग, बारह उपांग, चौदह पूर्व तथा चौदह उपपूर्व में से वह, जो सबसे पूर्वकालिक जैन ग्रंथ कहलाता है **— चौदह पूर्व**

✸ प्रारंभिक जैन साहित्य जिस भाषा में लिखे गए, वह है **— अर्ध-मागधी**

✸ चंपा, पावा, सम्मेद शिखर तथा ऊर्जयंत में से वह स्थल, जो पार्श्वनाथ से संबद्ध होने के कारण जैन-सिद्ध क्षेत्र माना जाता है
— सम्मेद शिखर

✸ थेरीगाथा, आचारांगसूत्र, सूत्रकृतांग तथा बृहत्कल्पसूत्र में से वह, जो आरंभिक जैन साहित्य का भाग नहीं है **— थेरीगाथा**

✸ जैन संप्रदाय में प्रथम विभाजन के समय श्वेतांबर संप्रदाय के संस्थापक थे **— स्थूलभद्र**

✸ महावीर का प्रथम अनुयायी था **— जमालि**

✸ वह जैन सभा जिसमें अंतिम रूप से श्वेतांबर आगम का संपादन हुआ
— पाटलिपुत्र

✸ सत्य कथन हैं
— गौतम बुद्ध की माता कोलिय राजवंश की राजकुमारी थीं, 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ बनारस से थे।

✸ प्राचीन जैन धर्म के संबंध में सत्य कथन हैं–
— भद्रबाहु के नेतृत्व में दक्षिण भारत में जैन धर्म का प्रचार हुआ। 'पाटलिपुत्र' में हुई परिषद के पश्चात जो जैन धर्म के लोग स्थूलबाहु के नेतृत्व में रहे, वे श्वेतांबर कहलाए। प्रथम शतक ई.पू. में जैन धर्म को कलिंग के राजा खारवेल का समर्थन मिला

✸ जैन सिद्धांत के अनुरूप कथन हैं
— कर्म को विनष्ट करने का सुनिश्चित मार्ग तपश्चर्या है, प्रत्येक वस्तु में, चाहे वह सूक्ष्मतम कण हो, आत्मा होती है, कर्म आत्मा का विनाशक है और अवश्य इसका अंत करना चाहिए।

✸ 'समाधि मरण' से संबंधित है **— जैन दर्शन से**

✸ सत्य कथन हैं
— दक्षिण भारत के इक्ष्वाकु शासक बौद्धमत के समर्थक थे, पूर्वी भारत के पाल शासक बौद्धमत के समर्थक थे

✸ 'आजीवक' संप्रदाय के संस्थापक थे **— मक्खलिगोसाल**

✸ वह संप्रदाय, जो नियति की अटलता में विश्वास करता था
— आजीवक

✸ बराबर की गुफाओं का उपयोग आश्रयगृह के रूप में किया
— आजीविकों ने

✸ उत्तर प्रदेश में बौद्ध एवं जैनियों दोनों की प्रसिद्ध तीर्थस्थली है
— कौशाम्बी

✸ सही कथन हैं–
— भारत का सबसे बड़ा बौद्ध मठ अरुणाचल प्रदेश में है, खजुराहो के मंदिर चंदेल राजाओं द्वारा बनवाए गए और होयसलेश्वर मंदिर शिव को समर्पित है।

✸ श्रवणबेलगोला में गोमतेश्वर की विशाल प्रतिमा स्थापित करवाई थी **— चामुंडराय ने**

✸ महान धार्मिक घटना, महामस्तकाभिषेक संबंधित है **— बाहुबली से**

✸ बाहुबली को पुत्र माना जाता है **— प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव का**

शैव, भागवत धर्म

✸ प्राचीन भारत के विश्वोत्पत्ति (Cosmogonic) विषयक धारणाओं के अनुसार चार युगों के चक्र का क्रम इस प्रकार है **— कृत, त्रेता, द्वापर और कलि**

✸ आजीवक, मत्तमयूर, मयमत तथा ईशानशिवगुरुदेवपद्धति में से वह, जो प्राचीन भारत में शैव संप्रदाय था **— मत्तमयूर**

✸ अर्धनारीश्वर मूर्ति में आधा शिव तथा आधा पार्वती प्रतीक है **— देव और उसकी शक्ति का योग**

✸ 'नयनार' थे **— शैव धर्मानुयायी**

✸ पोयगई, तिरुज्ञान, पूडम तथा तिरुमंगई में से वह, जो अलवार संत नहीं था **— तिरुज्ञान**

✸ भागवत संप्रदाय के विकास में सर्वाधिक योगदान दिया था **— गुप्त ने**

✸ भागवत धर्म के प्रवर्तक थे **— कृष्ण**

✸ सर्वप्रथम देवकी के पुत्र कृष्ण का वर्णन मिलता है **— छांदोग्य उपनिषद में**

✸ वासुदेव कृष्ण की पूजा सर्वप्रथम प्रारंभ की **— भागवतों ने**

✸ वह देवता जिसे कला में हल लिए प्रदर्शित किया गया है **— बलराम**

✸ भागवत संप्रदाय में भक्ति के रूपों की संख्या है **— 9**

✸ हेलियोडोरस का बेसनगर अभिलेख संदर्भित है **— वासुदेव से**

✸ भागवत धर्म से संबंधित प्राचीनतम अभिलेखीय साक्ष्य है **—हेलियोडोरस का बेसनगर अभिलेख**

✸ भागवत धर्म का ज्ञात सर्वप्रथम अभिलेखीय साक्ष्य है **—बेसनगर का गरुड़ स्तंभ**

✸ 'बेसनगर अभिलेख' का हेलियोडोरस निवासी था **— तक्षशिला का**

✸ विष्णु के जिस अवतार को सागर से पृथ्वी का उद्धार करते हुए अंकित किया जाता है, वह है **— वाराह**

✸ छठीं शताब्दी ई.पू. के संदर्भ में भारत में आस्तिक और नास्तिक संप्रदायों में विभेदक लक्षण है **— वेदों की प्रामाणिकता में आस्था**

✸ मोक्ष के साधन के रूप में जन्म, कर्म तथा भक्ति को समान महत्व देता है **— भगवदगीता**

✸ प्रस्थानत्रयी में सम्मिलित हैं **— उपनिषद, ब्रह्मसूत्र एवं भगवदगीता**

✸ वह प्राचीन स्थल जहां 60,000 मुनियों की सभा में संपूर्ण महाभारत-कथा का वाचन किया गया था **— नैमिषारण्य**

✸ रामायण का वह कांड जिसमें राम और हनुमान की पहली भेंट का वर्णन है **— किष्किन्धा कांड**

✸ पुरी में 'रथयात्रा' निकाली जाती है**— भगवान जगन्नाथ के सम्मान में**

✸ नासिक में कुंभ मेला लगता है **— गोदावरी नदी के तट पर**

✸ सुमेलित है–

धर्म		पवित्र स्थल
जैन धर्म	–	पावापुरी
हिंदू धर्म	–	वाराणसी
इस्लाम धर्म	–	मदीना
ईसाई धर्म	–	वेटिकन

छठीं शती ई.पू. : राजनीतिक दशा

✸ भारत के प्राचीनतम प्राप्त सिक्के **— चांदी के थे**

✸ सुमेलित हैं–

राजा		राज्य
प्रद्योत	-	अवंति
उदयन	-	वत्स
प्रसेनजित	-	कोसल
अजातशत्रु	-	मगध

✸ अभिलेखीय साक्ष्य से प्रकट होता है कि नंद राजा के आदेश से एक नहर खोदी गई थी **— कलिंग में**

✸ उज्जैन का प्राचीनकाल में नाम था **— अवंतिका**

✸ मानचित्र में A, B, C, D द्वारा अंकित स्थल हैं

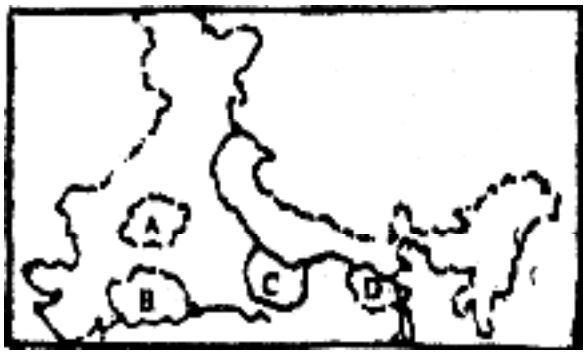

— मत्स्य, अवंति, वत्स, अंग

✸ प्राचीन नगर जो महाभारत और महाभाष्य दोनों में उल्लेखित है
— मध्यमिका एवं विराटनगर

✸ पाटलिपुत्र के संस्थापक थे **— उदयिन**

✸ चंद्रगुप्त मौर्य, अशोक महान, चंद्रगुप्त विक्रमादित्य एवं कनिष्क में से पाटलिपुत्र को जिस शासक ने सर्वप्रथम अपनी राजधानी बनाया, वह है
— चंद्रगुप्त मौर्य

✸ सर्वप्रथम पाटलिपुत्र का राजधानी के रूप में चयन किया गया
— उदयिन द्वारा

✸ उदयन-वासवदत्ता की दंतकथा संबंधित है **— उज्जैन से**

✸ प्रथम मगध साम्राज्य का उत्कर्ष हुआ था **— ई.पू. छठवीं शताब्दी में**

✸ गंधार, कम्बोज, काशी तथा मगध में से वह, जो ईसा पूर्व छठीं शताब्दी में, प्रारंभ में भारत का सर्वाधिक शक्तिशाली नगर राज्य था **— काशी**

✸ शाक्य, लिच्छवि एवं यौधेय में से प्रारंभिक गणतंत्र में नहीं था
— यौधेय

✸ विश्व का पहला गणतंत्र वैशाली में स्थापित किया गया
— लिच्छवी द्वारा

✸ सही सुमेलन है–

पार्श्वनाथ	-	जैन
बिंदुसार	-	मौर्य
स्कंदगुप्त	-	गुप्त
चेतक	-	लिच्छवी

✸ 16 महाजनपदों की सूची जिन प्राचीन ग्रंथों में मिलती है, वे हैं
— अंगुत्तर निकाय एवं भगवती सूत्र में

✸ महाभारत के अनुसार उत्तरी पांचाल की राजधानी स्थित थी
— अहिच्छत्र में

✸ सोलह महाजनपदों के युग में मथुरा राजधानी थी **— सूरसेन की**

✸ चम्पा राजधानी थी **— अंग की**

✸ छठवीं शताब्दी ई.पू. में शुक्तिमती राजधानी थी **— चेदि की**

✸ गोदावरी नदी के तट पर स्थित महाजनपद था **— अस्सक**

✸ मगध की प्रारंभिक राजधानी थी **— राजगृह (गिरिव्रज)**

✸ गिरिव्रज, राजगृह, पाटलिपुत्र तथा कौशाम्बी में से वह, जो मगध साम्राज्य की राजधानी नहीं रहा **— कौशाम्बी**

✸ प्राचीन श्रावस्ती का नगर विन्यास है **— अर्द्धचंद्राकार**

✸ मगध का प्रारंभिक शासक जिसने राज्यारोहण के लिए अपने पिता की हत्या की एवं स्वयं इसी कारणवश अपने पुत्र द्वारा मारा गया
— अजातशत्रु

✸ अजातशत्रु के वंश का नाम था **— हर्यंक**

✸ मालवा क्षेत्र पर मगध की सत्ता का विस्तार हुआ था
— शिशुनाग के शासन काल में

✸ नंद वंश के पश्चात मगध पर शासन किया **— मौर्य राजवंश ने**

✸ राजा नंद का उल्लेख करने वाला अभिलेखीय प्रमाण है
— खारवेल का हाथी गुम्फा अभिलेख

✸ मगध पर शासन करने वाले राजवंशों का कालक्रम है
— हर्यंक वंश, नंद वंश, मौर्य वंश, शुंग वंश

✸ मगध का सम्राट जो 'अपरोपरशुराम' के नाम से जाना जाता है
— महापद्मनंद

✸ सही कथन हैं
— विश्व के सभी भागों में ईस्वी पूर्व छठवीं शताब्दी एक महान धार्मिक उथल-पुथल का काल था, वैदिक धर्म बहुत जटिल हो चुका था।

✸ गौतम बुद्ध के समय का प्रसिद्ध वैद्य जीवक संबंधित था
— बिंबिसार के दरबार से

✸ काल्पी नगर जिस नदी के तट पर स्थित है, वह है **— यमुना**

✸ सही सुमेलन है–

उ.प्र. के प्राचीन जनपद		राजधानी
कुरु	-	इंद्रप्रस्थ
पांचाल	-	अहिच्छत्र
कोशल	-	साकेत
वत्स	-	कौशाम्बी

यूनानी आक्रमण

✸ सिकंदर के हमले के समय उत्तर भारत पर शासन था
— नंद का

✸ मगध का राजा, जो सिकंदर महान के समकालीन था **— घनानंद**

✸ **कथन (A) :** लगभग दो वर्ष के अभियान के पश्चात सिकंदर महान ने 325 ई. पू. में भारत छोड़ दिया।
कारण (R) : वह चंद्रगुप्त मौर्य से पराजित हुआ था।
— A सही है, परंतु R गलत है

✸ युद्ध-भूमि में बड़ी संख्या में सैनिकों के मारे जाने अथवा आहत हो जाने के बाद जिस भारतीय गण अथवा राज्य की स्त्रियों ने सिकंदर के विरुद्ध शस्त्र धारण किया था, वह है **— मस्सग**

✸ भारत में सिकंदर की सफलता के कारण थे
— उस समय भारत में कोई केंद्रीय सत्ता नहीं थी, उसकी फौज बेहतर थी, उसे देशद्रोही शासकों से सहायता मिली

✸ वह वीर भारतीय राजा, जिसे सिकंदर ने झेलम के तट पर पराजित किया था **— पुरु (पोरस)**

✸ नियार्कस, आनेसिक्रिटस, डाइमेकस तथा अरिस्टोब्यूलस में से वह, जो सिकंदर के साथ भारत में नहीं आया था **— डाइमेकस**

मौर्य साम्राज्य

✸ प्रथम भारतीय साम्राज्य स्थापित किया गया था — **चंद्रगुप्त मौर्य द्वारा**

✸ गुप्त, मौर्य, वर्धन, कुषाण में से सबसे पुराना राजवंश है — **मौर्य**

✸ जिसके ग्रंथ में चंद्रगुप्त मौर्य का विशिष्ट रूप से वर्णन हुआ है, वह है — **विशाखदत्त**

✸ सैंड्रोकोट्स से चंद्रगुप्त मौर्य की पहचान की — **विलियम जोंस ने**

✸ प्लिनी, जस्टिन, स्ट्रैबो तथा मेगास्थनीज में से वह जिसने 'सैंड्रोकोट्स' (चंद्रगुप्त मौर्य) और सिकंदर महान की भेंट का उल्लेख किया है — **जस्टिन**

✸ कौटिल्य प्रधानमंत्री थे — **चंद्रगुप्त मौर्य के**

✸ चाणक्य अपने बचपन में जाने जाते थे — **विष्णुगुप्त के नाम से**

✸ कौटिल्य का अर्थशास्त्र है, एक — **शासन के सिद्धांतों की पुस्तक**

✸ सप्तांग सिद्धांत के अनुसार राज्य के अंग हैं — **राजा, आमत्य, जनपद, दुर्ग, कोष, सेना एवं मित्र**

✸ कौटिल्य के 'अर्थशास्त्र' में प्रकाश डाला गया है — **राजनीतिक नीतियों पर**

✸ मैक्यावेली के 'प्रिंस' से तुलना की जा सकती है — **कौटिल्य के 'अर्थशास्त्र' की**

✸ डाइमेकस भारत आया था — **बिंदुसार के शासनकाल में**

✸ पाटलिपुत्र में स्थित चंद्रगुप्त का महल मुख्यतः बना था — **लकड़ी का**

✸ जिस प्राचीन नगर के अवशेष कुम्रहार स्थल से प्राप्त हुए हैं, वह है — **पाटलिपुत्र**

✸ बुलंदीबाग प्राचीन स्थान था — **पाटलिपुत्र का**

✸ अशोक, चंद्रगुप्त, बिंदुसार तथा कुणाल में से वह मौर्य राजा जिसने दक्कन की विजय प्राप्त की थी — **चंद्रगुप्त**

✸ मालवा, गुजरात एवं महाराष्ट्र पहली बार जीता — **चंद्रगुप्त मौर्य ने**

✸ वह अभिलेख, जिससे यह प्रमाणित होता है कि चंद्रगुप्त का प्रभाव पश्चिम भारत पर था — **रुद्रदामन का जूनागढ़ शिलालेख**

✸ गुजरात चंद्रगुप्त मौर्य के साम्राज्य में सम्मिलित था, यह प्रमाणित होता है — **रुद्रदामन के जूनागढ़ शिलालेख से**

✸ सेल्यूकस, जिनको अलेक्जैंडर द्वारा सिंध एवं अफगानिस्तान का प्रशासक नियुक्त किया गया था, को हराया था — **चंद्रगुप्त ने**

✸ चंद्रगुप्त मौर्य ने सेल्यूकस को पराजित किया था — **305 ई.पू. में**

✸ दिया गया मानचित्र संबंधित है—

— **अशोक से, उसके शासनकाल के अंतिम समय से**

✸ सहिष्णुता, उदारता और करुणा के त्रिविध आधार पर राजधर्म की स्थापना की — **अशोक ने**

✸ अफगानिस्तान, बिहार, श्रीलंका तथा कलिंग में से वह क्षेत्र, जो अशोक के साम्राज्य में सम्मिलित नहीं था — **श्रीलंका**

✸ अशोक के तृतीय मुख्य शिलालेख, द्वितीय मुख्य शिलालेख, नवां मुख्य शिलालेख तथा प्रथम स्तंभ अभिलेख में से वह, जिसमें दक्षिण भारतीय राज्यों का उल्लेख हुआ है — **द्वितीय मुख्य शिलालेख**

✸ भारत के प्रथम अस्पताल एवं औषधि-बाग का निर्माण करवाया था — **अशोक ने**

✸ ''अशोक ने बौद्ध होते हुए भी, हिंदू धर्म में आस्था नहीं छोड़ी'' इसका प्रमाण है — **'देवनामप्रिय' की उपाधि**

✸ अशोक के शासनकाल में बौद्ध सभा आयोजित की गई थी — **पाटलिपुत्र में**

✸ मौर्य शासक जो बौद्ध धर्म के अनुयायी थे — **अशोक एवं दशरथ**

✸ रज्जुक थे — **मौर्य शासन में अधिकारी**

✸ सार्थवाह कहते थे — **व्यापारियों के काफिले को**

✸ अग्रहारिक, युक्त, प्रादेशिक तथा राजुक में से वह अधिकारी जो मौर्य प्रशासन का भाग नहीं था — **अग्रहारिक**

✸ सारनाथ स्तंभ का निर्माण किया था — **अशोक ने**

✸ सर्वश्रेष्ठ स्तूप मानते हैं — **सांची को**

✸ सांची का स्तूप बनवाया था — **अशोक ने**

✸ सुमेलित हैं—

स्थान		स्मारक/भग्नावशेष
कौशाम्बी	—	घोषिताराम मठ
कुशीनगर	—	रानाभर स्तूप
सारनाथ	—	धमेख स्तूप
श्रावस्ती	—	सहेत-महेत

✸ सम्राट अशोक की तीर्थ यात्रा का सही क्रम है
— गया, कुशीनगर, लुंबिनी, कपिलवस्तु,सारनाथ एवं श्रावस्ती

✸ अशोक के शिलालेखों (Inscriptions) में प्रयुक्त भाषा है
— प्राकृत भाषा में

✸ कालसी, गिरनार, शाहबाजगढ़ी तथा मेरठ में से वह अशोक कालीन अभिलेख जो 'खरोष्ठी' लिपि में है **— शाहबाजगढ़ी**

✸ पत्थर पर प्राचीनतम शिलालेख थे **— प्राकृत भाषा में**

✸ अशोक के शिलालेखों को सर्वप्रथम पढ़ा था **— जेम्स प्रिंसेप ने**

✸ वह स्थान, जहां प्राक् अशोक ब्राह्मी लिपि का पता चला है **— अनुराधापुर**

✸ प्राचीन भारत में ब्राह्मी, नंदनागरी, शारदा तथा खरोष्ठी में से, वह एक लिपि जो दाईं ओर से बाईं ओर लिखी जाती थी **— खरोष्ठी**

✸ अशोक का अपने शिलालेखों में सामान्यत: जिस नाम से उल्लेख हुआ है, वह है **— प्रियदर्शी**

✸ अशोक के प्रस्तर स्तंभों के संदर्भ में सत्य कथन हैं
— इन पर बढ़िया पॉलिश है, ये अखंड हैं, स्तंभों का शैफ्ट शुंडाकार है

✸ मास्की, गुर्जरा, नेट्टूर एवं उडेगोलन में से वह एक अभिलेख जिसमें अशोक के व्यक्तिगत नाम का उल्लेख मिलता है **— मास्की**

✸ अशोक का रुम्मिनदेई स्तंभ संबंधित है **— बुद्ध के जन्म से**

✸ गुजर्रा लघु शिलालेख, जिसमें अशोक का नामोल्लेख किया गया है, स्थित है **— मध्य प्रदेश के दतिया जिले में**

✸ केवल वह स्तंभ जिसमें अशोक ने स्वयं को मगध का सम्राट बताया है
— भाब्रू स्तंभ

✸ कालसी प्रसिद्ध है **— अशोक के शिलालेख के कारण**

✸ उत्तराखंड में, सम्राट अशोक के शिलालेखों की एक प्रति मिली थी
— कालसी में

✸ कलिंग युद्ध की विजय तथा क्षतियों का वर्णन अशोक के जिस शिलालेख (Rock Edict) में है, वह है **— शिलालेख XIII**

✸ अशोक का पूर्णरूपेण धार्मिक सहिष्णुता के प्रति समर्पित अभिलेख है
— शिलालेख XII

✸ अशोक के जो प्रमुख शिलालेख (Rock Edicts) संगम राज्य के विषय में हमें बताते हैं, उनमें सम्मिलित हैं **— II और XIII शिलालेख**

✸ चोल, पाण्ड्य, सतियपुत्त तथा सातवाहन में से वह दक्षिणी राज्य, जिसका उल्लेख अशोक के अभिलेखों में नहीं है **— सातवाहन**

✸ अशोक का वह अभिलेख जिसमें पारंपरिक अवसरों पर पशु बलि पर रोक लगाई गई है, ऐसा लगता है कि यह पाबंदी पशुओं के वध पर थी
— शिला अभिलेख I

✸ टालेमी फिलाडेल्फस (तुरमय) जिसके साथ अशोक के राजनय संबंध थे, शासक था **— मिस्र का**

✸ चोल, गुप्त, मौर्य तथा पल्लव में से वह राजवंश जिसके शासकों के सुदूर देशों जैसे सीरिया एवं मिस्र के साथ राजकीय संबंध थे **— मौर्य**

✸ प्राचीन भारतीय अभिलेखों में से वह एक खाद्यान्न जिसे देश में संकटकाल में उपयोग हेतु सुरक्षित रखने के बारे में प्राचीनतम शाही आदेश है **— सोहगौरा ताम्रपत्र**

✸ **कथन (A) :** अशोक ने कलिंग को मौर्य साम्राज्य में जोड़ लिया था।
कारण (R) : कलिंग दक्षिण भारत को जाने वाले स्थलीय एवं समुद्री मार्गों को नियंत्रित करता था। **—(A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है**

✸ **कथन (A) :**मौर्यकालीन शासकों ने धार्मिक आधार पर भू-अनुदान नहीं दिया था।
कारण (R) : भू-अनुदान के विरुद्ध कृषकों ने विद्रोह किया।
— (A) सही है, परंतु (R) गलत है।

✸ मौर्यकाल में टैक्स को छुपाने (चोरी) के लिए दिया जाता था
— मृत्युदंड

✸ प्रसिद्ध यूनानी राजदूत मेगस्थनीज भारत में आए थे
— चंद्रगुप्त मौर्य के दरबार में

✸ मेगस्थनीज ने अपने ग्रंथ इंडिका में भारतीय समाज को विभाजित किया
— सात श्रेणियों में

✸ अर्थशास्त्र, मुद्राराक्षस, मेगस्थनीज की इंडिका तथा वायुपुराण में से वह स्रोत जिसमें उल्लिखित है कि प्राचीन भारत में दासता नहीं थी
— मेगस्थनीज की इंडिका

✸ वह स्रोत जिसमें पाटलिपुत्र के प्रशासन का वर्णन उपलब्ध है
— इंडिका

✸ वह स्रोत जो मौर्यों के नगर प्रशासन का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करता है
— मेगस्थनीज की इंडिका

✸ मेगस्थनीज की पुस्तक का नाम है **— इंडिका**

✸ मौर्य नरेशों ने विकास किया था
— संस्कृति कला व साहित्य, प्रांतीय विभाजन, हिंदूकुश तक साम्राज्य

✸ 'भाग' एवं 'बलि' थे **— राजस्व के स्रोत**

✸ मौर्य काल में भूमि कर, जो कि राज्य की आय का मुख्य स्रोत था एकत्रित किया जाता था **— सीताध्यक्ष द्वारा**

✸ मौर्यकाल में 'सीता' से तात्पर्य है **— राजकीय भूमि से प्राप्त आय**

✸ मौर्य मंत्रिपरिषद में राजस्व इकट्ठा करने से संबंधित था **— समाहर्ता**

✸ मौर्ययुगीन अधिकारी जो तौल-माप का प्रभारी था **— पौतवाध्यक्ष**

✸ 'पंकोदकसन्निरोधे' मौर्य प्रशासन द्वारा लिया जाने वाला जुर्माना था
— सड़क पर कीचड़ फैलाने पर

✸ मौर्य काल में शिक्षा का सर्वाधिक प्रसिद्ध केंद्र था **— तक्षशिला**

- कौटिल्य के 'अर्थशास्त्र' के अनुसार मौर्यकालीन न्याय व्यवस्था में ये न्यायालय अस्तित्व में थे **— धर्मस्थीय एवं कंटकशोधन**
- वर्तमान नगरपालिका प्रशासन का यह कार्य मौर्य काल से जारी है **— जन्म एवं मृत्यु का पंजीकरण**
- भारत के सांस्कृतिक इतिहास के संदर्भ में इतिवृत्तों, राजवंशीय इतिहासों तथा वीरगाथाओं को कंठस्थ करना व्यवसाय था **— मागध एवं सूत वर्गों का**
- गांवों के शासन को स्वायत्तशासी पंचायतों के माध्यम से संचालित करने की व्यवस्था का सूत्रपात किया **मौर्यों ने**
- प्राचीन भारत का ग्रंथ जिसमें पति द्वारा परित्यक्त पत्नी के लिए विवाह विच्छेद की अनुमति दी गई है **— अर्थशास्त्र**
- जातक, मनुस्मृति, याज्ञवल्क्य एवं अर्थशास्त्र में से पुनर्विवाह वर्जित (Prohibits) है **— मनुस्मृति में**
- विदेशियों को भारतीय समाज में मनु द्वारा दिया गया सामाजिक स्तर था **— व्रात्य क्षत्रियों का (Fallen Kshatriyas)**
- प्राचीन भारत के यात्रियों का सही क्रम है **— मेगस्थनीज, फाह्यान, ह्वेनसांग एवं इत्सिंग**
- सही सुमेलित है–

सूची-I		सूची-II
चंद्रगुप्त	–	सैंड्रोकोट्टस
बिंदुसार	–	अमित्रघात
अशोक	–	पियदसि
चाणक्य	–	विष्णुगुप्त

- अंतिम मौर्य सम्राट था **—बृहद्रथ**
- सही कथन हैं **— अंतिम मौर्य शासक बृहद्रथ की हत्या उसके प्रधान सेनापति पुष्यमित्र शुंग ने की थी, अंतिम शुंग राजा देवभूति की हत्या उसके ब्राह्मण मंत्री वासुदेव कण्व ने की और उसने राजसिंहासन हथिया लिया, आंध्र ने कण्व राजवंश के अंतिम शासक को पद वंचित किया था।**
- ईस्वी सन के पूर्व की कुछ शताब्दियों में गिरनार क्षेत्र में जल संसाधन व्यवस्था की ओर ध्यान दिया **— चंद्रगुप्त मौर्य एवं अशोक ने**
- जल की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, जिस प्रथम शासक ने गिरनार क्षेत्र में एक झील का निर्माण करवाया, वह था **— चंद्रगुप्त मौर्य**
- सुमेलित हैं–

लोथल	-	एनसिएंट डाकयार्ड
सारनाथ	-	फर्स्ट सरमन ऑफ बुद्ध
सारनाथ	-	लायन कैपिटल ऑफ अशोक
नालंदा	-	ग्रेट सीट ऑफ बुद्धिस्ट लर्निंग

मौर्योत्तर काल

- स्ट्रैटो II, स्ट्रैटो I ,डेमेट्रियस तथा मेनांडर में से वह हिंद-यवन शासक जिसने सीसे के सिक्के जारी किए थे **— स्ट्रैटो II**
- बिंबिसार, गौतम बुद्ध, मिलिंद तथा प्रसेनजीत में से वह एक जो अन्य तीनों के समसामयिक नहीं था **— मिलिंद**
- 'काव्य' शैली का प्राचीनतम नमूना मिलता है **— काठियावाड़ के रुद्रदामन के अभिलेख में**
- रुद्रदामन प्रथम की विभिन्न उपलब्धियां वर्णित हैं **— जूनागढ़ के अभिलेख में**
- बिना बेगार के सुदर्शन झील का जीर्णोद्धार कराया **— रुद्रदामन प्रथम ने**
- उत्तरी तथा उत्तरी-पश्चिमी भारत में सर्वाधिक संख्या में तांबे के सिक्कों को जारी किया था **—कुषाणों ने**
- प्राचीन भारत में नियमित रूप से सोने के सिक्के चलाए **— कुषाण ने**
- विम कडफिसेस, कनिष्क, नहपाण एवं बुध गुप्त में से जिसके सिक्कों पर बुद्ध का अंकन हुआ है, वह है **— कनिष्क**
- कुजुल कडफिसेस, विम कडफिसेस, कनिष्क प्रथम तथा हुविष्क में से वह शासक जिसको सर्वप्रथम सोने के सिक्के जारी करने का श्रेय दिया जाता है **— विम कडफिसेस**
- विम कडफिसेस, कुजुल कडफिसेस, कनिष्क तथा हर्मवीज में से वह, जिसने भारत में स्वर्ण सिक्कों का प्रचलन नियमित उपयोग के लिए किया था **— विम कडफिसेस ने**
- यौधेय सिक्कों पर अंकन मिलता है **— कार्तिकेय का**
- कनिष्क के सारनाथ बौद्ध प्रतिमा अभिलेख की तिथि है **— 81 ई.सन्**
- कुषाण शासक कनिष्क का राज्याभिषेक हुआ **— 78 ई. में**
- शक संवत् प्रारंभ किया गया **— 78 ई. में**
- विक्रम एवं शक संवतों में अंतर (वर्षों में) है **— 135 वर्ष**
- विक्रम संवत् प्रारंभ हुआ **— 57 ई. पू. में**
- कनिष्क के समकालीन थे **— अश्वघोष एवं वसुमित्र**
- अश्वघोष, चरक, नागार्जुन तथा पतंजलि में से वह, जो कनिष्क के दरबार से संबद्ध नहीं था **— पतंजलि**
- अश्वघोष, पार्श्व, वसुमित्र तथा विशाखदत्त में से वह, जो कनिष्क प्रथम के दरबार में नहीं गया था **— विशाखदत्त**

✸ श्रावस्ती, कौशांबी, पाटलिपुत्र तथा चम्पा नगरों में से कनिष्क के रबतक अभिलेख में उल्लेख नहीं है **— श्रावस्ती का**

✸ तक्षशिला विश्वविद्यालय में शिक्षा प्राप्त की थी **— चरक तथा जीवक ने**

✸ शुंग वंश के बाद भारत पर राज किया **— कण्व वंश ने**

✸ पुष्यमित्र शुंग, खारवेल, गौतमीपुत्र शातकर्णी, वासुदेव एवं समुद्रगुप्त में से वह शासक जो वर्ण-व्यवस्था का रक्षक कहा जाता है **— गौतमीपुत्र शातकर्णी**

✸ मौर्यों के बाद दक्षिण भारत में सबसे प्रभावशाली राज्य था **— सातवाहन**

✸ सिमुक संस्थापक था **— सातवाहन वंश का**

✸ चीनी जनरल जिसने कनिष्क को हराया था **— पान चाऊ**

✸ गुप्त वंश, मौर्य वंश तथा कुषाण वंश में से वह वंश जिसके साम्राज्य की सीमाएं भारतीय उपमहाद्वीप के बाहर तक फैली थीं **— कुषाण वंश**

✸ बाल विवाह की प्रथा आरंभ हुई **— कुषाणकाल में**

✸ कला की गांधार शैली फली-फूली **— कुषाणों के समय में**

✸ सुमेलित हैं–

राजवंश		सिक्कों की धातुएं
कुषाण	-	स्वर्ण एवं ताम्र
गुप्त	-	स्वर्ण एवं रजत
सातवाहन	-	सीसा एवं पोटीन
कलचुरि	-	स्वर्ण, रजत एवं ताम्र

✸ अफगानिस्तान का बामियान प्रसिद्ध था **— बुद्ध प्रतिमा के लिए**

✸ जो कला शैली भारतीय और यूनानी (ग्रीक) आकृति का सम्मिश्रण है, उसे कहते हैं **— गांधार**

✸ वह मूर्ति कला जिसमें सदैव हरित स्तरित चट्टान (शिस्ट) का प्रयोग माध्यम के रूप में होता था **— गांधार मूर्ति कला**

✸ प्राचीन काल के भारत पर आक्रमणों के संबंध में सही कालानुक्रम है **— यूनानी-शक-कुषाण**

✸ पहला ईरानी शासक जिसने भारत के कुछ भाग को अपने अधीन किया था **— डेरियस प्रथम**

✸ चालुक्य, पल्लव, राष्ट्रकूट तथा सातवाहन राजवंशों में सबसे पुराना राजवंश था **— सातवाहन**

✸ आंध्र सातवाहन राजाओं की सबसे लंबी सूची मिलती है **— मत्स्य पुराण में**

✸ सातवाहनों की राजधानी अवस्थित थी **— अमरावती एवं प्रतिष्ठान में**

✸ 'एका ब्राह्मण' प्रयुक्त हुआ है **— गौतमीपुत्र शातकर्णी के लिए**

✸ निम्न कथनों पर विचार कीजिए–

कथन (A) : कुषाण फारस की खाड़ी और लाल सागर से होकर व्यापार करते थे।

कारण (R) : उनकी सुसंगठित नौसेना उच्च कोटि की थी।

— A सही है, परंतु R गलत है।

✸ राजा खारवेल का नाम जुड़ा है **— हाथीगुम्फा लेख के साथ**

✸ अशोक, हर्ष, पुलकेशिन द्वितीय एवं खारवेल में से वह, जो जैन धर्म का संरक्षक था **— खारवेल**

✸ कलिंग नरेश खारवेल संबंधित थे **— चेदि वंश से**

✸ दशरथ, बृहद्रथ, खारवेल तथा हुविष्क राजाओं में से वह जिसका जैन धर्म के प्रति भारी झुकाव था **— खारवेल**

✸ पूर्वी रोमन शासक जस्टिनियन का सर्वाधिक महत्वपूर्ण योगदान था **— विधि में**

गुप्त एवं गुप्तोत्तर युग

✸ गुप्तवंश ने शासन किया **— 319-500 ई. अवधि के मध्य**

✸ चार अश्वमेधों का संपादन किया था **— प्रवरसेन प्रथम ने**

✸ 'भारत का नेपोलियन' कहा जाता है **— समुद्रगुप्त को**

✸ गुप्त राजा देवगुप्त का एक अन्य नाम था **— चंद्रगुप्त द्वितीय**

✸ प्रथम गुप्त शासक जिसने 'परम भागवत' की उपाधि धारण की **— चंद्रगुप्त द्वितीय**

✸ इलाहाबाद स्तंभ अभिलेख संबद्ध है **— समुद्रगुप्त से**

✸ प्रयाग प्रशस्ति जानकारी देती है **— कुमारगुप्त के सैन्य अभियान के बारे में**

✸ समुद्रगुप्त के प्रयाग प्रशस्ति वाले स्तंभ पर लेख मिलता है **— जहांगीर का**

✸ 'पृथिव्या प्रथम वीर' उपाधि थी **— समुद्रगुप्त की**

✸ हूणों के आक्रमण से अत्यंत विचलित हुआ **—गुप्त राजवंश**

✸ हूणों ने भारत पर आक्रमण किया था **— स्कंदगुप्त के शासनकाल में**

✸ गुप्त शासक जिसने हूणों पर विजय प्राप्त की **— स्कंदगुप्त**

✸ वह अभिलेख जिससे ज्ञात होता है कि स्कंदगुप्त ने हूणों को पराजित किया था **— भितरी स्तंभ-लेख**

✸ गुप्त साम्राज्य के पतन के विभिन्न कारण थे, जो हैं **— हूण आक्रमण, प्रशासन का सामंतीय ढांचा, उत्तरवर्ती गुप्तों का बौद्ध धर्म स्वीकार करना, अयोग्य उत्तराधिकारी**

✸ 'शक-विजेता' के रूप में जाना जाता है **— चंद्रगुप्त द्वितीय को**

- चंद्रगुप्त द्वितीय ने पराजित किया था **— रुद्र सिंह तृतीय को**
- रजत सिक्के जारी करने वाला प्रथम गुप्त शासक **— चंद्रगुप्त द्वितीय**
- गुप्तकाल में उत्तर भारतीय व्यापार जिस एक पत्तन से संचालित होता था, वह है **— ताम्रलिप्ति**
- भारत ने दक्षिण-पूर्वी एशिया के साथ अपने आरंभिक सांस्कृतिक संपर्क तथा व्यापारिक संबंध बंगाल की खाड़ी के पार बना रखे थे, क्योंकि **— बंगाल की खाड़ी में चलने वाली मानसूनी हवाओं ने समुद्री यात्राओं को सुगम बना दिया था**
- प्राचीन भारत में देश की अर्थव्यवस्था में अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली 'श्रेणी' संगठन के संदर्भ में सत्य कथन है **— 'श्रेणी' ही वेतन, काम करने के नियमों, मानकों और कीमतों को सुनिश्चित करती थीं। 'श्रेणी' का अपने सदस्यों पर न्यायिक अधिकार होता था।**
- गुप्तकाल में गुजरात, बंगाल, दक्कन एवं तमिल राष्ट्र में स्थित केंद्र संबंधित थे **— वस्त्र उत्पादन से**
- गुप्तकाल में अपनी आयुर्विज्ञान विषयक रचना के लिए जाना जाता है **— सुश्रुत**
- धनवंतरि, भास्कराचार्य, चरक तथा सुश्रुत में से प्राचीन भारत के आयुर्वेद शास्त्र से संबंध नहीं है **— भास्कराचार्य का**
- प्राचीन कालीन भारत में हुई वैज्ञानिक प्रगति के संदर्भ में सत्य कथन है **— प्रथम शती ईस्वी में विभिन्न प्रकार के विशिष्ट शल्य औजारों का उपयोग आम था।,पांचवीं शती ईस्वी में कोण के ज्या का सिद्धांत ज्ञात था। सातवीं शती ईस्वी में चक्रीय चतुर्भुज का सिद्धांत ज्ञात था।**
- चंद्रगुप्त के नौ रत्नों में से फलित-ज्योतिष से संबंधित था **— क्षपणक**
- कालिदास जिसके शासनकाल में थे, वह शासक है **— चंद्रगुप्त II**
- गुप्तकालीन स्वर्ण मुद्रा है **— दीनार**
- गुप्तकालीन रजत मुद्राओं को नाम दिया गया था **— रूपक**
- वह गुप्त शासक जिसने सर्वप्रथम सिक्के जारी किए **— चंद्रगुप्त प्रथम**
- गुप्तकाल में लिखित संस्कृत नाटकों में स्त्री और शूद्र बोलते थे **— प्राकृत**
- सती प्रथा का प्रथम अभिलेखिक साक्ष्य प्राप्त हुआ है **— एरण से**
- गुप्त संवत की स्थापना की **— चंद्रगुप्त I ने**
- सुमेलित हैं–

सम्राट		बिरुद
अशोक	–	प्रियदर्सिन
समुद्रगुप्त	–	परक्रमांक
चंद्रगुप्त-II	–	विक्रमादित्य
स्कंदगुप्त	–	क्रमादित्य

- नगरों का क्रमिक पतन एक महत्वपूर्ण विशेषता थी **— गुप्तकाल की**
- मंदिरों एवं ब्राह्मणों को सबसे अधिक ग्राम अनुदान में दिया था **— गुप्त वंश ने**
- प्राचीन भारत में वह वंश, जिसका शासनकाल 'स्वर्ण युग' कहा जाता है **— गुप्त**
- गुप्त युग में भूमि राजस्व की दर थी **— उपज का छठां भाग**
- हिंदू विधि द्वारा मान्य कर था **— उपज का छठां भाग**
- गुप्त साम्राज्य द्वारा कर-रहित कृषि भूमि प्रदान की जाती थी **— ब्राह्मणों को**
- प्राचीन भारत में सिंचाई कर को कहते थे **— बिदकभागम**
- तीसरी शताब्दी में वारंगल प्रसिद्ध था **— लोहे के यंत्रों/उपकरणों हेतु**
- तोरमाण था **— हूण जातीय दल का**
- हूण शासक मिहिरकुल को पराजित किया था **— बालादित्य एवं यशोधर्मन ने**
- विशाखदत्त के प्राचीन भारतीय नाटक मुद्राराक्षस की विषय वस्तु है **— चंद्रगुप्त मौर्य के समय में राजदरबार की दुरभिसंधियों के बारे में**
- सत्य कथन है **— गुप्त सम्राट स्वयं के लिए दैवीय अधिकारों का दावा करते थे। उनका प्रशासन विकेंद्रीकृत था। उन्होंने भूमिदान की परंपरा को विस्तारित किया।**
- शतरंज का खेल उद्भूत (originate) हुआ था **— भारत में**
- शूद्रक द्वारा लिखी हुई प्राचीन भारतीय पुस्तक 'मृच्छकटिकम्' का विषय था **— एक धनी व्यापारी और एक गणिका की पुत्री की प्रेम-गाथा**
- प्राचीन सांख्य दर्शन में महत्वपूर्ण योगदान है **— कपिल का**
- भारत में दार्शनिक विचार के इतिहास के संबंध में, सांख्य संप्रदाय से संबंधित सत्य कथन है **— सांख्य की मान्यता है कि आत्म-ज्ञान ही मोक्ष की ओर ले जाता है, न कि कोई बाह्य प्रभाव अथवा कारक।**
- योग दर्शन के प्रतिपादक हैं **— पतंजलि**
- अनुस्मृति, प्रत्याहार, ध्यान तथा धारणा में से वह, जो 'आष्टांग योग' का अंश नहीं है **— अनुस्मृति**
- महाभाष्य के लेखक 'पतंजलि' समसामयिक थे **— पुष्यमित्र शुंग के**
- नव्य-न्याय संप्रदाय (स्कूल) के संस्थापक थे **— गंगेश**
- 'जब तक जीवित रहो, सुख से जीवित रहो, चाहे इसके लिए ऋण ही लेना पड़े, क्योंकि शरीर के भस्मीभूत हो जाने पर पुनरागमन नहीं हो सकता।' पुनर्जन्म का निषेध करने वाली यह उक्ति है **— चार्वाकों की**
- वैशेषिक दर्शन के प्रवर्तक थे **— कणाद**
- न्याय दर्शन के प्रवर्तक थे **— गौतम**

- मीमांसा के प्रणेता थे — **जैमिनी**
- कर्म का सिद्धांत संबंधित है — **मीमांसा से**
- सांख्य, वैशेषिक, मीमांसा, न्याय तथा योग में से वह दर्शन जिसका मत है कि वेद शाश्वत सत्य हैं — **मीमांसा**
- मीमांसा और वेदांत, न्याय और वैशेषिक, लोकायत और कापालिक तथा सांख्य और योग युग्मों में से वह एक जो भारतीय षड्दर्शन का भाग नहीं है — **लोकायत और कापालिक**
- अद्वैत दर्शन के संस्थापक हैं — **शंकराचार्य**
- ज्ञान, कर्म, भक्ति तथा योग में से अद्वैत वेदांत के अनुसार, मुक्ति प्राप्त की जा सकती है — **ज्ञान द्वारा**
- शंकराचार्य, अभिनव गुप्त, रामानुज तथा माधव में से 'वेदांत दर्शन' के साथ संबंध नहीं है — **अभिनव गुप्त का**
- सुमेलित हैं–

संवत्सर	गणना अवधि
विक्रम संवत्सर	– 58 ई.पू.
शक संवत्सर	– 78 ईस्वी
गुप्त संवत्सर	– 320 ईस्वी
कलि संवत्सर	– 3102 ई.पू.

- सत्य कथन है

— विक्रम संवत् 58 ई.पू. से आरंभ हुआ
शक संवत् सन 78 ई.से आरंभ हुआ
गुप्तकाल सन 319 से आरंभ हुआ
भारत में मुसलमान शासन का युग सन् 1192 से शुरू हुआ

- पुलकेशिन-II का बादामी शिलालेख शक वर्ष 465 का दिनांकित है। यदि इसे विक्रम संवत में दिनांकित करना हो तो वर्ष होगा

— 601अथवा 600

- एक चालुक्य अभिलेख के तिथि अंकन में शक संवत् का वर्ष 556 दिया हुआ है। इसका तुल्य वर्ष है — **634 ई.**
- पुराणों के अनुसार, चंद्रवंशीय शासकों का मूल स्थान था—**प्रतिष्ठानपुर**
- मौखरि शासकों की राजधानी थी — **कन्नौज**
- हरिषेण, कल्हण एवं कालिदास में से वह जिसकी पुस्तकों में हर्ष के समय की सूचनाएं निहित हैं — **कल्हण**
- 'हर्षचरित' नामक पुस्तक लिखी — **बाणभट्ट ने**
- हर्ष के साम्राज्य की राजधानी थी — **कन्नौज**
- सम्राट हर्ष ने अपनी राजधानी थानेश्वर से स्थानांतरित की थी — **कन्नौज में**
- सम्राट हर्षवर्धन ने दो महान धार्मिक सम्मेलनों का आयोजन किया था — **कन्नौज तथा प्रयाग में**
- उत्तर प्रदेश में स्थित वह स्थल जहां हर्षवर्धन ने बौद्ध महासम्मेलन का आयोजन किया था — **प्रयाग**
- नर्मदा नदी पर सम्राट हर्ष के दक्षिणवर्ती अग्रगमन को रोका — **पुलकेशिन II ने**
- हर्षवर्धन को पराजित किया था — **पुलकेशिन द्वितीय ने**
- कवि बाण, निवासी था — **प्रीथिकूटा (औरंगाबाद) का**
- ह्वेनसांग भारत आया था — **सम्राट हर्ष के शासनकाल में**
- भारत की यात्रा करने वाले चीनी यात्री युआन च्वांग (ह्वेनसांग) ने तत्कालीन भारत की सामान्य दशाओं और संस्कृति का वर्णन किया है। इस संदर्भ में, सही कथन है

— जहां तक अपराधों के लिए दंड का प्रश्न है, अग्नि, जल व विष द्वारा सत्यपरीक्षा किया जाना ही किसी भी व्यक्ति की निर्दोषिता अथवा दोष के निर्णय के साधन थे।
व्यापारियों को नौघाटों और नौकों पर शुल्क देना पड़ता था।

- ह्वेनसांग की भारत यात्रा के समय सूती कपड़ों के उत्पादन के लिए सबसे प्रसिद्ध नगर था — **मथुरा**
- 'कौशेय' शब्द का प्रयोग किया गया है — **रेशम के लिए**
- चीनी यात्री ह्वेनसांग ने अध्ययन किया था — **नालंदा विश्वविद्यालय में**
- आज भी भारत में ह्वेनसांग को याद करने का मुख्य कारण है — **सी-यू-की की रचना**
- चीनी यात्री जिसने भीनमाल की यात्रा की थी — **ह्वेनसांग**
- चीनी यात्री इत्सिंग ने बिहार का भ्रमण किया, लगभग — **671 अथवा 672 ई. में**
- चीनी लेखक भारत का उल्लेख करते हैं — **यिन-तु नाम से**
- नालंदा विश्वविद्यालय के विनाश का कारण था — **मुस्लिम आक्रमण**
- भारत में सबसे प्राचीन विहार है — **—नालंदा**
- नालंदा स्थित है — **बिहार में**
- गुप्तोत्तर युग में प्रमुख व्यापारिक केंद्र था — **कन्नौज**
- **कथन (A) :** सामंतवाद का विकास गुप्तोत्तर काल की कृषक-संरचना की प्रमुख विशेषता थी।
  कारण (R) : इस काल में भू-स्वामी मध्यस्थ वर्ग एवं आश्रित कृषक वर्ग अस्तित्व में आया।
  — (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

✸ भारतीय इतिहास के संदर्भ में, सामंती व्यवस्था के अनिवार्य तत्व हैं
— भूमि के नियंत्रण तथा स्वामित्व पर आधारित प्रशासनिक संरचना का उदय, सामंत तथा उसके अधिपति के बीच स्वामी-दास संबंध का बनना

✸ सत्य कथन है
— चीनी तीर्थयात्री फाह्यान चंद्रगुप्त द्वितीय का समकालीन था, चीनी तीर्थयात्री ह्वेनसांग, हर्ष से मिला और उसे बौद्ध धर्म का उपासक बताया।

✸ आठवीं शताब्दी के संत शंकराचार्य के बारे में सही कथन है–
— उन्होंने भारत के विभिन्न क्षेत्रों में चार धाम स्थापित किए। उन्होंने वेदांत का प्रसार किया। उन्होंने बौद्ध तथा जैन धर्मों के विस्तार पर रोक लगाई।

✸ आदिशंकर जो बाद में शंकराचार्य बने, उनका जन्म हुआ था
— केरल में

✸ आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित चार मठ स्थित हैं
— जोशीमठ, द्वारका, पुरी, शृंगेरी में

✸ सुमेलित हैं–

रविकीर्ति	–	पुलकेशिन II
भवभूति	–	कन्नौज के यशोवर्मन
हरिषेण	–	समुद्रगुप्त
दंडी	–	नरसिंह वर्मन

✸ सुमेलित हैं–

दरबारी कवि		**राजा**
अमीर खुसरो	–	अलाउद्दीन खिलजी
कालिदास	–	चंद्रगुप्त II
हरिषेण	–	समुद्रगुप्त
बाणभट्ट	–	हर्षवर्धन

✸ सुमेलित हैं–

भोज	-	धार
दुर्गावती	-	गोंडवाना
समुद्रगुप्त (प्रांतीय शासक)	-	विदिशा
अशोक (प्रांतीय शासक)	-	उज्जैन

प्राचीन भारत में स्थापत्य कला

✸ खजुराहो का कंदरिया महादेव मंदिर बनवाया **— चंदेल ने**

✸ खजुराहो के मंदिर संबंधित हैं **— हिंदू धर्म और जैन धर्म से**

✸ खजुराहो स्थित मंदिरों का निर्माण करवाया था
— चंदेलवंश के राजाओं ने

✸ खजुराहो का मातंगेश्वर मंदिर समर्पित है **— शिव को**

✸ कंदरिया महादेव, चौसठ योगिनी, दशावतार तथा चित्रगुप्त में से वह मंदिर जो खजुराहो में नहीं है **— दशावतार**

✸ खजुराहो के मंदिर, भीमबेटका की गुफाएं, सांची के स्तूप तथा मांडू का महल में से वह जो विश्व धरोहर स्थल (वर्ल्ड हेरिटेज साइट) नहीं है
— मांडू का महल

✸ भितरगांव मंदिर, ग्वालियर का तेली मंदिर, कंदरिया महादेव मंदिर तथा ओसिया मंदिर में से वह, जिसका शिखर द्रविड़ शैली में बना हुआ है
— ग्वालियर का तेली मंदिर

✸ एक सौ से अधिक बौद्ध गुफाएं हैं **— कन्हेरी केंद्र में**

✸ आबू का जैन मंदिर बना है **— संगमरमर से**

✸ भावनगर, माउंट आबू , नासिक तथा उज्जैन नगरों में से वह जिसके निकट पालिताणा मंदिर अवस्थित है **— भावनगर**

✸ एलीफेंटा की गुफाएं मुख्यतः इस धर्म के मतावलंबियों के उपयोग के लिए काटकर बनाई गई थी **— शैव धर्म एवं बौद्ध**

✸ एलीफेंटा के प्रसिद्ध शैल को काटकर बनाए गए मंदिरों का श्रेय दिया जाता है **— राष्ट्रकूटों को**

✸ अजंता, भाजा, एलिफेंटा तथा एलोरा में से 'त्रिमूर्ति' के लिए विख्यात है
— एलिफेंटा

✸ प्राचीन भारत में गुप्त काल से संबंधित गुफा चित्रांकन के केवल दो उदाहरण उपलब्ध हैं। इनमें से एक अजंता की गुफाओं में किया गया चित्रांकन है। गुप्त काल के चित्रांकन का दूसरा अवशिष्ट उपलब्ध है
— बाघ गुफ़ाओं में

✸ एलोरा के गुहा-मंदिर संबंधित हैं **— हिंदू, बौद्ध, जैन से**

✸ एलोरा में गुफाएं और शैल-कृत मंदिर हैं
— हिंदुओं, बौद्धों और जैनों के

✸ बौद्ध, हिंदू एवं जैन शैलकृत गुहाएं एक साथ विद्यमान हैं
— एलोरा में

✸ पश्चिमी भारत में प्राचीनतम शैलकृत गुफाएं हैं
— नासिक, एलोरा और अजंता में

✸ एलीफेंटा, नालंदा, अजंता तथा खजुराहो में से बौद्ध गुफा मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है **— अजंता**

✸ एलोरा गुफाओं का निर्माण कराया था **— राष्ट्रकूटों ने**

✸ शैलकृत स्थापत्य का आश्चर्य माना जाता है
— कैलाश मंदिर, एलोरा को

✸ एलोरा के कैलाश मंदिर का निर्माण किया था **— राष्ट्रकूट वंश ने**

✸ एलोरा के कैलाश मंदिर का निर्माण करवाया था **— कृष्णा I ने**

✸ राष्ट्रकूटों का संरक्षण प्राप्त था **— जैन धर्म को**

✸ अजंता एवं एलोरा की गुफाएं स्थित हैं **— औरंगाबाद (महाराष्ट्र) में**

✸ सुमेलित हैं–

गुप्त मंदिर		**स्थान**
ईंट निर्मित मंदिर	–	भीतरगांव
दशावतार मंदिर	–	देवगढ़
शिव मंदिर	–	भूमरा
विष्णु मंदिर	–	एरण

✸ भारतीय शिलावास्तु के इतिहास के संदर्भ में सत्य कथन है

— भीमबेटका की गुफाएं भारत की प्राचीनतम अवशिष्ट शैलकृत गुफाएं हैं। बराबर की शैलकृत गुफाएं सम्राट अशोक द्वारा मूलतः आजीविकों के लिए बनवाई गई थीं। एलोरा में, गुफाएं विभिन्न धर्मों के लिए बनाई गई थीं।

✸ अजंता की कला को प्रश्रय (सहायता) दिया **— वाकाटक ने**

✸ अजंता की गुफाएं रामायण, महाभारत, जातक कथाएं तथा पंचतंत्र कहानियां में से संबंधित हैं **— जातक कथाओं से**

✸ भित्ति चित्र कला के लिए भी जाना जाता है

— अजंता की गुफा एवं लेपाक्षी मंदिर को

✸ अजंता और महाबलीपुरम के रूप में ज्ञात दो ऐतिहासिक स्थानों में जो तथ्य समान हैं, वह है **— दोनों में शिलाकृत स्मारक हैं।**

✸ सुमेलित हैं–

सूची-I		**सूची-II**
हम्पी	–	कर्नाटक
नागार्जुनकोंडा	–	आंध्र प्रदेश
शिशुपालगढ़	–	ओडिशा
अरिकामेडु	–	पुडुचेरी

✸ कोणार्क का सूर्य मंदिर बनवाया था **— नरसिंह देव वर्मन ने**

✸ 'काला (Black) पैगोडा' के नाम से भी जाना जाता है

— कोणार्क के सूर्य मंदिर को

✸ मोढेरा का सूर्य मंदिर स्थित है **—गुजरात में**

✸ लिंगराज मंदिर अवस्थित है **— भुवनेश्वर में**

✸ उड़ीसा में नष्ट होने से बचे मंदिरों में सर्वाधिक बड़ा और सबसे ऊंचा मंदिर है **— लिंगराज मंदिर**

✸ जगन्नाथ मंदिर स्थित है **— उड़ीसा में**

✸ भुवनेश्वर तथा पुरी के मंदिर निर्मित हैं **— नागर शैली में**

✸ विष्णु को समर्पित अंकोरवाट मंदिर स्थित है **— कंबोडिया में**

✸ बोरोबदूर स्तूप स्थित है **— जावा में**

✸ अंकोरवाट मंदिर समूह का निर्माण 12वीं शताब्दी में करवाया था

— सूर्यवर्मन II ने

✸ द्रविड़ शैली के मंदिरों में 'गोपुरम' से तात्पर्य है

— तोरण के ऊपर बने अलंकृत एवं बहुमंजिला भवन से

✸ चट्टानों को काटकर महाबलीपुरम अथवा मामल्लपुरम का मंदिर बनवाया गया **— पल्लव द्वारा**

✸ महाबलिपुरम का सप्तरथ मंदिर बनवाया गया था

— नरसिंह वर्मन I द्वारा

✸ महाबलीपुरम के रथ मंदिरों का निर्माण करवाया था

— नरसिंह वर्मन I ने

✸ द्रौपदी रथ, भीम रथ, अर्जुन रथ तथा धर्मराज रथ में से वह, रथ मंदिर जो सबसे छोटा है **— द्रौपदी रथ**

✸ सुमेलित हैं–

स्थान		**स्मारक**
एलीफेंटा	–	गुफा
श्रवणबेलगोला	–	मूर्ति
खजुराहो	–	मंदिर
सांची	–	स्तूप

✸ सुमेलन हैं–

ऐतिहासिक स्थल		**राज्य**
भीमबेटका	–	मध्य प्रदेश
शोर टेम्पल	–	तमिलनाडु
हम्पी	–	कर्नाटक
मानस	–	असम

✸ सुमेलित हैं–

एलोरा की गुफाएं	–	राष्ट्रकूट
मीनाक्षी मंदिर	–	पाण्ड्य
खजुराहो मंदिर	–	चंदेल
महाबलीपुरम के मंदिर	–	पल्लव

✸ सुमेलित हैं–

सूची-I		**सूची-II**
बैजनाथ धाम	–	शिव मंदिर
सारनाथ	–	बुद्ध का शांति का प्रथम प्रवचन स्थल
दिलवाड़ा	–	जैन मंदिर
बद्रीनाथ	–	विष्णु मंदिर

✸ सुमेलित हैं–

सूर्य मंदिर	–	कोणार्क
लिंगराज मंदिर	–	भुवनेश्वर
हवामहल	–	जयपुर
गोमतेश्वर की प्रतिमा	–	कर्नाटक

✸ सुमेलित हैं–

सूची-I		सूची-II
नालंदा	–	विश्वविद्यालय
सारनाथ	–	अशोक स्तंभ
सांची	–	स्तूप
कोणार्क	–	सूर्य मंदिर

✸ प्राचीन नगर तक्षशिला स्थित था

— सिंधु तथा झेलम नदियों के बीच

✸ सोनगिरी, जहां 108 जैन मंदिर बने हुए हैं, स्थित है

— दतिया के सन्निकट

✸ सोनगिरी का ऐतिहासिक दिगंबर जैन तीर्थस्थल स्थित है

— मध्य प्रदेश में

✸ दिलवाड़ा जैन मंदिर है **— माउंट आबू में अरावली पर्वत पर**

✸ प्रसिद्ध विरूपाक्ष मंदिर अवस्थित है **— हम्पी में**

✸ नागर, द्रविड़ और बेसर हैं**—भारतीय मंदिर वास्तु की तीन मुख्य शैलियां**

✸ भारत के सांस्कृतिक इतिहास के संदर्भ में 'पंचायतन' शब्द निर्दिष्ट करता है **— मंदिर रचना-शैली**

✸ प्रसिद्ध नैमिषारण्य स्थित है **— सीतापुर में**

✸ सुमेलित हैं–

विख्यात मूर्तिशिल्प		स्थल
बुद्ध के महापरिनिर्वाण की एक भव्य प्रतिमा जिसमें ऊपर की ओर अनेकों दैवी संगीतज्ञ तथा नीचे की ओर उनके दुखी अनुयायी दर्शाए गए हैं	:	अजंता
प्रस्तर पर उत्कीर्ण विष्णु के वराह अवतार की विशाल प्रतिमा जिसमें वह देवी पृथ्वी को गहरे विक्षुब्ध सागर से उबारते दर्शाए गए हैं	:	उदयगिरि गुफा
विशाल गोलाश्मों पर उत्कीर्ण ''अर्जुन की तपस्या''/''गंगा-अवतरण''	:	मामल्लपुरम

✸ भारत के कला और पुरातात्त्विक इतिहास के संदर्भ में, भुवनेश्वर स्थित लिंगराज मंदिर, धौली स्थित शैलकृत हाथी, महाबलीपुरम स्थित शैलकृत स्मारक तथा उदयगिरि स्थित वराह मूर्ति में से वह जिसका सबसे पहले निर्माण किया गया था **— धौली स्थित शैलकृत हाथी**

दक्षिण भारत (चोल,चालुक्य, पल्लव एवं संगम युग)

✸ नवीं शताब्दी ई. में चोल साम्राज्य की नींव डाली गई

—विजयालय द्वारा

✸ वह मंदिर परिसर जिसमें एक भारी-भरकम नंदी की मूर्ति है, जिसे भारत की विशालतम नंदी मूर्ति माना जाता है **— वृहदीश्वर मंदिर**

✸ तंजौर का वृहदीश्वर मंदिर जिस चोल शासक के काल में निर्मित हुआ था, वह था **— राजराज प्रथम के**

✸ चोलों का राज्य फैला था

— कोरोमंडल तट, दक्कन के कुछ भाग तक

✸ कावेरीपत्तन, महाबलीपुरम, कांची और तंजौर में से चोलों की राजधानी थी **— तंजौर**

✸ चोल प्रशासन की विशेषता थी **— ग्राम प्रशासन की स्वायत्तता**

✸ वह दक्षिण भारतीय राज्य जिसमें उत्तम ग्राम प्रशासन था **— चोल**

✸ चोलों के अधीन ग्राम प्रशासन के बहुत से ब्यौरे जिन शिलालेखों में हैं, वे हैं **— उत्तर मेरूर में**

✸ चोल शासकों के शासनकाल में उद्यान प्रशासन का कार्य देखता था

— टोट्ट वारियम्

✸ सही कथन है

— चोलों ने पाण्ड्य तथा चेर शासकों को पराजित कर प्रायद्वीपीय भारत पर प्रारंभिक मध्यकालीन समय में अपना प्रभुत्व स्थापित किया। चोलों ने दक्षिण-पूर्वी एशिया के शैलेंद्र साम्राज्य के विरुद्ध सैन्य चढ़ाई की तथा कुछ क्षेत्रों को जीता।

✸ चोल काल में निर्मित नटराज की कांस्य प्रतिमाओं में देवाकृति प्राय:

— चतुर्भुज है

✸ दक्षिण भारत के विशेषकर चोल युग के स्थापत्यों की विश्व में श्रेष्ठतम प्रतिमा-रचना माना जाता है **— नटराज को**

✸ चोल शासकों के समय में बनी हुई प्रतिमाओं में सबसे अधिक विख्यात हुईं **—नटराज शिव की कांसे की प्रतिमाएं**

✸ शिव की 'दक्षिणामूर्ति' प्रतिमा उन्हें प्रदर्शित करती हैं

— शिक्षक के रूप में

✸ 72 व्यापारी, चीन में भेजे गए थे **— कुलोत्तुंग-I के कार्यकाल में**

✸ चोल, चेर, पल्लव एवं राष्ट्रकूट में से दक्षिण भारत का वह राजवंश जो अपनी नौसैनिक शक्ति के लिए प्रसिद्ध था **— चोल**

✸ चालुक्य चोल, कदंब तथा कलचुरि राजवंशों में से वह जिसके शासक अपने शासनकाल में ही अपना उत्तराधिकारी घोषित कर देते थे **— चोल**

✸ चोल शासकों में जिसने बंगाल की खाड़ी को 'चोल झील' का स्वरूप प्रदान कर दिया, वह था **— राजेंद्र प्रथम**

✸ 'गंगैकोंडचोलपुरम' की स्थापना की थी **— राजेंद्र प्रथम ने**

✸ वह चोल शासक जिसे चोल गंगम नामक वृहद् कृत्रिम झील बनवाने का श्रेय दिया जाता है **— राजेंद्र प्रथम**

✸ वह चोल राजा जिसने जल सेना प्रारंभ की थी **— राजराज प्रथम**

✸ चोल शासक जिसने श्रीलंका के उत्तरी भाग पर विजय प्राप्त की। **— राजराज प्रथम**

✸ चोल राजाओं में वह जिसने सीलोन (Ceylon) पर पूर्ण विजय प्राप्त की थी **— राजेंद्र I**

✸ वह चोल राजा जिसने श्रीलंका को पूर्ण स्वतंत्रता दी और सिंहल राजकुमार के साथ अपनी पुत्री का विवाह कर दिया था **— कुलोत्तुंग I**

✸ सुमेलित हैं–

शब्द		**विवरण**
एरिपत्ति	–	भूमि, जिससे मिलने वाला राजस्व अलग से ग्राम जलाशय के रख-रखाव के लिए निर्धारित कर दिया जाता था।
तनियूर	–	स्थानीय प्रशासन में बड़े नगरों में अलग कुर्रम गठित करना।
घटिका	–	प्रायः मंदिरों के साथ संबद्ध विद्यालय

✸ प्राचीन भारत का वह महत्वपूर्ण व्यापार केंद्र जो उस व्यापार मार्ग पर था, जो कल्याण को वेंगी से जोड़ता था **— तगर**

✸ चालुक्य वंश का सबसे महान शासक था **— पुलकेशिन द्वितीय**

✸ चोल, चालुक्य, पाल तथा सेन में से वह वंश जिसके द्वारा प्रायः महिलाओं को प्रशासन में उच्च पद प्रदान किए जाते थे **— चालुक्य**

✸ चालुक्यों की राजधानी थी **— वातापी में**

✸ संस्कृत के कवि और नाटककार कालिदास का उल्लेख हुआ है **— पुलकेशिन II के ऐहोल अभिलेख में**

✸ प्राचीन संस्कृत ग्रंथों में प्राप्य 'यवनप्रिय' शब्द द्योतक था **— काली मिर्च का**

✸ संगम साहित्य में 'तोलकाप्पियम' एक ग्रंथ हैं **— तमिल व्याकरण का**

✸ शिलप्पादिकारम का लेखक था **— इलंगो आडिगल**

✸ सुमेलित हैं–

सूची-I		**सूची-II**
तिरुक्कुरल	–	दर्शन
तोल्काप्पियम	–	व्याकरण
शिल्पादिकारम	–	प्रेम कथा
मणिमेकलै	–	वणिक कथा

✸ ईसा की प्रारंभिक शताब्दियों में भारत तथा रोम के बीच घनिष्ठ व्यापारिक संबंधों की सूचना प्राप्त होती है **— अरिकामेडु पुरास्थल की खुदाइयों से**

✸ अरिकामेडु, ताम्रलिप्ति, कोरके तथा बारबेरिकम में से वह बंदरगाह, जो पोडुके नाम से 'दी पेरिप्लस ऑफ दी इरिथ्रियन सी' के लेखक को ज्ञात था **— अरिकामेडु**

✸ रोमन बस्ती प्राप्त हुई है **— अरिकामेडु से**

✸ एम्फोरा जार होता है एक **— तंबा एवं दोनों तरफ हत्थेदार जार**

✸ कदंब, चेर, चोल तथा पाण्ड्य राजवंशों में वह जिनका उल्लेख संगम साहित्य में नहीं हुआ है **— कदंब**

✸ चेर, चोल, पल्लव तथा पाण्ड्य में से वह जो तमिल देश के संगम युग का राजवंश नहीं था **— पल्लव**

✸ धार्मिक कविताओं का संकलन 'कुरल' है **— तमिल भाषा में**

✸ तमिल ग्रंथ जिसे 'लघुवेद' की संज्ञा दी गई है **— कुरल**

✸ तमिल रामायणम या रामावतारम का लेखक था **— कंबन**

✸ मध्यकालीन भारत के सांस्कृतिक इतिहास के संदर्भ में सत्य कथन है **— तमिल क्षेत्र के सिद्ध (सित्तर) एकेश्वरवादी थे तथा मूर्तिपूजा की निंदा करते थे, कन्नड़ क्षेत्र के लिंगायत पुनर्जन्म के सिद्धांत पर प्रश्न चिह्न लगाते थे तथा जाति अधिक्रम को अस्वीकार करते थे।**

✸ सुमेलित हैं–

सूची-I		**सूची-II**
गुप्त	–	देवगढ़
चंदेल	–	खजुराहो
चालुक्य	–	बादामी
पल्लव	–	पनमलै

✸ चतुर्वेदीमंगलम, परिषद, अष्टदिग्गज तथा मणिग्रामम् में से वह जो प्राचीन भारत में व्यापारियों का निगम था **— मणिग्रामम्**

✸ दक्षिणी भारत का प्रसिद्ध 'तक्कोलम का युद्ध' हुआ था **— चोल एवं राष्ट्रकूटों के मध्य**

✸ चोल साम्राज्य को अंततः समाप्त किया **— मलिक काफूर ने**

✸ संगम युग में 'उरैयूर' विख्यात था **— सूती वस्त्र के केंद्र के रूप में**

✸ पाण्ड्य राज्य की जीवन रेखा थी **— वेंगी नदी**

✸ संगम पत्तन जो पश्चिमी तट पर स्थित थे

— नौरा, तोंडी, मुशिरि एवं नेलसेंडा

✸ संगम कालीन साहित्य में कोन, को एवं मन्नन प्रयुक्त होते थे

— राजा के लिए

✸ तृतीय संगम हुआ था **— मदुरई में**

✸ प्रथम एवं द्वितीय संगम का आयोजन क्रमशः हुआ था

— मदुरई एवं कपाटपुरम (अलैवाई) में

✸ वह ऋषि जिसके बारे में कहा जाता है कि उन्होंने दक्षिण भारत का आर्यकरण किया, उन्हें आर्य बनाया **— अगस्त्य**

✸ सुमेलित हैं–

सूची-I		सूची-II
चालुक्य	–	बादामी
पल्लव	–	कांचीपुरम
हर्ष	–	कन्नौज
पाण्ड्य	–	मदुरई

✸ वह चीनी यात्री जिसने चालुक्यों के शासनकाल में चीन एवं भारत के संबंधों का विवरण दिया है **— मात्वालिन**

✸ चालुक्य, राजपूत, गुप्त एवं मौर्य में से वह राजवंश जिसने उत्तर भारत पर शासन नहीं किया है **— चालुक्य**

✸ कदंब राजाओं की राजधानी थी **— वनवासी**

✸ दक्षिण भारत का वह वंश जिसके राजा ने रोम राज्य में एक दूत 26 ई.पू. में भेजा था **— पाण्ड्य**

✸ मीनाक्षी मंदिर स्थित है **— मदुरई में**

✸ सुमेलित हैं–

मीनाक्षी मंदिर	–	मदुरई
वेंकटेश्वर मंदिर	–	तिरूमाल
महाकाल मंदिर	–	उज्जैन
बेलूर मठ	–	हावड़ा

प्राचीन साहित्य एवं साहित्यकार

✸ 'इतिहास के पिता' की पदवी सही अर्थों में संबंधित है

— हेरोडोटस से

✸ मुद्राराक्षस का लेखक है **— विशाखदत्त**

✸ साहित्य की शास्त्रीय पुस्तकें, जो गुप्त काल में लिखी गई थीं

— अमरकोश, कामसूत्र, मेघदूत एवं मुद्राराक्षस

✸ दशकुमारचरितम के रचनाकार थे **— दंडिन**

✸ 'कुमारसंभव' महाकाव्य लिखा **— कालिदास ने**

✸ मालविकाग्निमित्र, अभिज्ञानशाकुंतलम, कुमारसंभवम तथा जानकीहरणं में से वह नाटक जो कालिदास ने नहीं लिखा था **— जानकीहरणं**

✸ सुमेलित हैं–

लेखाक		पुस्तक
पाणिनि	–	अष्टाध्यायी
वात्स्यायन	–	कामसूत्र
चाणक्य	–	अर्थशास्त्र
कल्हण	–	राजतरंगिणी

✸ कल्हण द्वारा रचित राजतरंगिनी संबंधित है

— कश्मीर के इतिहास से

✸ 'अष्टाध्यायी' लिखी गई है **— पाणिनि द्वारा**

✸ सुमेलित हैं–

लेखाक		रचनाएं
भारवि	-	किरातार्जुनीयम,
हर्ष	-	नागानंद
कालिदास	-	मालविकाग्निमित्रम्
राजशेखर	-	कर्पूरमंजरी

✸ संस्कृत की रचनाए, जिन्होंने महाभारत से अपना कथासूत्र लिया है

— नैषधीयचरित, किरातार्जुनीयम् एवं शिशुपाल वध

✸ सुमेलित हैं–

सूची-I		सूची-II
विशाखदत्त	–	नाटक
वाराहमिहिर	–	खगोल विज्ञान
चरक	–	चिकित्सा
ब्रह्मगुप्त	–	गणित

✸ 'चरक संहिता' नामक पुस्तक संबंधित है **— चिकित्सा से**

✸ वराहमिहिर की पंचसिद्धान्तिका आधारित है**— यूनानी ज्योतिर्विद्या पर**

✸ सुमेलित हैं–

कालिदास	-	रघुवंश
भास	-	स्वप्नवासवदत्तम
बाणभट्ट	-	कादंबरी
हर्ष	-	रत्नावली

✸ 'मिलिंदपन्हो' **— पाली ग्रंथ है**

✸ बौद्ध ग्रंथ 'मिलिंदपन्हो' जिस हिन्द-यवन शासक पर प्रकाश डालता है, वह है **— मिनेंडर**

✸ 'मिलिंदपन्हो' राजा मिलिंद तथा एक बौद्ध भिक्षु के मध्य संवाद रूप में है। वह भिक्षु थे **— नागसेन**

✸ वह स्रोत जो प्राचीन भारत के व्यापारिक मार्गों पर मौन है**— मिलिंदपन्हो**

✸ सुमेलित हैं–

दरबारी कवि		**राजा**
अमीर खुसरो	–	अलाउद्दीन खिलजी
कालिदास	–	चंद्रगुप्त द्वितीय
हरिषेण	–	समुद्रगुप्त
बाणभट्ट	–	हर्षवर्द्धन

✸ 'राजतरंगिणी' के लेखक कल्हण के समय शासक था **— जयसिंह**

✸ कल्हण कृत राजतरंगिणी में कुल तरंग हैं **— आठ**

✸ कल्हण की राजतरंगिणी को आगे बढ़ाया **— जोनराज एवं श्रीवर ने**

✸ 'सौंदरानंद' रचना है **— अश्वघोष की**

✸ 'नागानंद', 'रत्नावली' एवं 'प्रियदर्शिका' के लेखक थे **— हर्षवर्धन**

✸ अमरकोश, सिद्धांतशिरोमणि, वृहतसंहिता तथा अष्टांगहृदय में से वह जो विश्वकोषीय ग्रंथ है **— वृहतसंहिता**

✸ सुमेलित हैं–

मृच्छकटिकम	–	शूद्रक
बुद्धचरित	–	अश्वघोष
मुद्राराक्षस	–	विशाखदत्त
हर्षचरित	–	बाणभट्ट

✸ सुमेलित हैं–

ग्रंथकार		**मूलग्रंथ**
वाराहमिहिर	–	वृहतसंहिता
विशाखदत्त	–	देवीचंद्रगुप्तम
शूद्रक	–	मृच्छकटिकम
बिल्हण	–	विक्रमांकदेवचरित

✸ सुमेलित हैं–

कर्पूरमंजरी	–	राजशेखर
मालविकाग्निमित्र	–	कालिदास
मुद्राराक्षस	–	विशाखदत्त
सौंदरानंद	–	अश्वघोष

✸ 'शाकुंतलम' लिखा है **— कालिदास ने**

✸ मच्छकटिकम, मेघदूतम, ऋतुसंहार एवं विक्रमोर्वशीयम में से कालिदास की साहित्यिक कृति नहीं है **— मृच्छकटिकम**

✸ कालिदास द्वारा रचित 'मालविकाग्निमित्र' नाटक का नायक था **— अग्निमित्र**

✸ वह पुस्तक जिसमें शुंग राजवंश के संस्थापक के पुत्र की प्रेम कहानी है **—मालविकाग्निमित्र**

✸ 'स्वप्नवासवदत्ता' के लेखक हैं **— भास**

✸ गीत गोविंद के रचयिता जयदेव अलंकृत करते थे **— लक्ष्मणसेन की सभा को**

✸ सुमेलित हैं–

रचनाएं		**विषय**
अष्टांग-संग्रह	–	आयुर्विज्ञान
दशरूपक	–	नाट्यकला
लीलावती	–	गणित
महाभाष्य	–	व्याकरण

✸ 'तुम्हारा अधिकार कर्म पर है, फल की प्राप्ति पर नहीं', यह वाक्य जिस ग्रंथ का है, वह है **— गीता**

✸ 'जो यहां है वह अन्यत्र भी है, जो यहां नहीं है वह कहीं नहीं है' यह कहा गया है **— महाभारत में**

✸ प्राचीन भारत का वह ग्रंथ जिसका 15 भारतीय एवं चालीस विदेशी भाषाओं में अनुवाद हुआ **—पंचतंत्र**

✸ पंचतंत्र' मूल रूप से लिखी गई **— विष्णु शर्मा द्वारा**

✸ सुमेलित हैं–

लेखक		**ग्रंथ**
सर्ववर्मा	–	कातंत्र
शूद्रक	–	मृच्छकटिकम
विज्ञानेश्वर	–	मिताक्षरा
कल्हण	–	राजतरंगिणी

✸ आर्यभट्ट, ब्रह्मगुप्त, भास्कर तथा लल्ल में से वह जो बीजगणित के क्षेत्र में अपने योगदान के लिए विशेष रूप से जाना जाता है **— भास्कर**

✸ गणित की पुस्तक 'लीलावती' के लेखक थे **— भास्कराचार्य**

✸ आर्यभट्ट थे **— भारतीय गणितज्ञ एवं खगोलशास्त्री**

✸ वह भारतीय गणितज्ञ जिसने दशमलव के स्थानिक मान की खोज की थी **— आर्यभट्ट ने**

✸ 'मत्त विलास प्रहसन' का लेखक था **— महेंद्र वर्मन**

✸ 'मनुस्मृति' मुख्यतया संबंधित है **— समाज-व्यवस्था से**

✸ भारत का प्रथम विधि-निर्माता माना जाता है **— मनु को**

✸ शून्य का आविष्कार किया था **— किसी अज्ञात भारतीय ने**

✸ सुमेलित हैं–

लाइफ ऑफ ह्वेन सियांग	:	हुइ-ली
द नैचुरल हिस्ट्री	:	प्लिनी
हिस्टोरियल फिलिप्पिकल	:	पाम्पेइस ट्रोगस
द हिस्टरीज़	:	हेरोडोटस

✸ सितार, वीणा, सरोद तथा तबला में से सबसे प्राचीन वाद्य यंत्र है **—वीणा**

पूर्व मध्यकाल (800-1200 ई.)

✸ 'पृथ्वीराज चौहान' के नाम से प्रसिद्ध हैं **— पृथ्वीराज तृतीय**

✸ ताम्रपत्र लेख दर्शाते हैं कि प्राचीन काल में बिहार के राजाओं का संपर्क था **– जावा-सुमात्रा से**

✸ गोविंदचंद्र गहड़वाल की एक रानी कुमारदेवी ने धर्मचक्र-जिन विहार बनवाया था **— सारनाथ में**

✸ हम्मीर महाकाव्य में चौहानों को बताया गया है **— सूर्यवंशी**

✸ आल्हा-ऊदल संबंधित थे **— महोबा से**

✸ 'पृथ्वीराज रासो' के लेखक हैं **— चंदबरदाई**

✸ 'पृथ्वीराज विजय' के लेखक हैं **— जयानक**

✸ सुमेलित हैं–

सारंगदेव	-	हमीर रासो
चंदबरदाई	-	पृथ्वीराज रासो
जगनिक	-	आल्हाखंड
नरपति नाल्ह	-	बीसलदेव रासो

✸ राजपूत वंशों में से वह जिसने, आठवीं शताब्दी में, दिलिका (देहली) शहर की स्थापना की थी **— तोमर वंश**

✸ जेजाकभुक्ति प्राचीन नाम था **— बुंदेलखंड का**

✸ पुंड्रवर्धन भुक्ति अवस्थित थी **— उत्तर बंगाल में**

✸ पाल वंश का संस्थापक था **— गोपाल**

✸ सोमपुर महाविहार का निर्माण कराया था **— धर्मपाल ने**

✸ उस पाल शासक का नाम बताइए जिसने विक्रमशिला विश्वविद्यालय स्थापित किया **— धर्मपाल**

✸ विक्रमशिला विश्वविद्यालय अवस्थित था **— बिहार में**

✸ राष्ट्रकूट साम्राज्य की नींव रखी **— दंतिदुर्ग ने**

✸ 'हिरण्य-गर्भ' धार्मिक कार्य कराया था **— दंतिदुर्ग ने**

✸ अपने पिता के अभियानों के क्रम में सैनिक छावनी में पैदा हुआ था **— अमोघवर्ष राष्ट्रकूट**

✸ महानतम प्रतिहार राजा था **— मिहिरभोज**

✸ महान जैन विद्वान हेमचंद्र, अलंकृत करते थे**— कुमारपाल की सभा को**

✸ धर्मपाल, देवपाल, विजयसेन तथा लक्ष्मणसेन में से वह जिसे एक नया संवत चलाने का यश प्राप्त है **— लक्ष्मणसेन**

✸ लक्ष्मण संवत् का प्रारंभ किया गया था **— सेनों द्वारा**

✸ मध्यकालीन भारत के प्रसिद्ध विधिवेत्ता थे **— विज्ञानेश्वर, हिमाद्रि एवं जीमूतवाहन**

✸ महान संस्कृत कवि एवं नाटककार राजशेखर संबंधित थे **— महेन्द्रपाल प्रथम के दरबार से**

✸ सुमेलित हैं–

सूची-I		**सूची-II**
प्रतिहार	–	कन्नौज
चोल	–	तंजौर
परमार	–	धारा
सोलंकी	–	अन्हिलवाड़

✸ गुर्जर-प्रतिहार वंश की स्थापना की थी **— नागभट्ट प्रथम**

✸ प्रतिहार, पाल, राष्ट्रकूट तथा चोल में से वह जो त्रिकोणात्मक संघर्ष का हिस्सा नहीं था **— चोल**

✸ महोदया पुराना नाम है **— कन्नौज का**

✸ 'नगर महोदय श्री' के नाम से जाना जाता था **— कन्नौज को**

✸ चामुंडराय, जयसिंह सिद्धराज, कुमारपाल तथा महिपाल देव में से वह जिसने खंभात में तोड़ी गई मस्जिद के पुनर्निर्माण के लिये आर्थिक सहायता प्रदान की थी **— जयसिंह सिद्धराज**

✸ राजा भोज ने शासन किया **— धार पर**

✸ 'भोजशाला मंदिर' की अधिष्ठात्री देवी हैं **— भगवती सरस्वती**

✸ गौडवहो के रचयिता थे **— वाक्पति**

✸ सुमेलित हैं–

प्रसिद्ध स्थान		**क्षेत्र**
बोधगया	-	बिहार
खजुराहो	-	बुंदेलखंड
शिरडी	-	अहमदनगर, महाराष्ट्र
नासिक	-	महाराष्ट्र
तिरुपति	-	रायल सीमा (आंध्र प्रदेश)

✸ मध्यकालीन भारत के आर्थिक इतिहास के संदर्भ में शब्द 'अरघट्टा' (Araghatta) निरूपित करता है **— भूमि की सिंचाई के लिए प्रयुक्त जलचक्र (वाटर व्हील) को**

मध्यकालीन भारतीय इतिहास

भारत पर मुस्लिम आक्रमण

- पैगंबर हजरत मोहम्मद का जन्म हुआ था — **570 ई. में**
- मोहम्मद साहब की मृत्यु हुई थी — **632 ई. में**
- मक्का है — **सऊदी अरब में**
- हिंद (भारत) की जनता के संदर्भ में 'हिंदू' शब्द का प्रथम बार प्रयोग किया था — **अरबों ने**
- भारत पर पहला मुस्लिम आक्रमण हुआ — **711 ई. में**
- मुहम्मद बिन कासिम द्वारा सिंध की विजय हुई — **712 ई. में**
- भारत में प्रथम मुस्लिम आक्रमणकारी था — **मुहम्मद बिन कासिम**
- भारत पर सर्वप्रथम मुस्लिम आक्रमणकारी थे — **अरब के**
- गजनी राजवंश का संस्थापक था — **अल्पतगीन**
- चंदेल शासक महमूद गजनवी से पराजित नहीं हुआ था — **विद्याधर**
- **कथन (A) :** महमूद गजनी ने भारत पर 17 बार आक्रमण किए।
  कारण (R) : वह भारत में स्थायी मुस्लिम शासन की स्थापना करना चाहता था। — **(A) सही है, परंतु (R) गलत है।**
- महमूद गजनवी का दरबारी इतिहासकार था — **उत्बी**
- शाहनामा का लेखक, फिरदौसी संबंधित था — **महमूद गज़नवी के दरबार से**
- महमूद गजनी के साथ भारत आने वाला प्रसिद्ध इतिहासकार एवं मुस्लिम विद्वान था — **अलबरूनी**
- अलबरूनी भारत में आया था — **ग्यारहवीं शताब्दी ई. में**
- अलबरूनी के संबंध में सत्य कथन हैं — **वह एक धर्मनिरपेक्ष लेखक नहीं था। उसका ग्रंथ उस समय के जीवंत भारत से प्रभावित था। वह संस्कृत का विद्वान था। वह त्रिकोणमिति का विशेषज्ञ था।**
- पुराणों का अध्ययन करने वाला प्रथम मुसलमान था — **अलबरूनी**
- एक तरफ संस्कृत मुद्रालेख के साथ चांदी के सिक्के निर्गत किए — **महमूद गजनवी ने**
- मध्य एशिया का शासक, जिसने 1192 में उत्तर भारत को जीता — **शिहाबुद्दीन मुहम्मद गोरी**
- मुहम्मद गोरी को सर्वप्रथम पराजित किया — **भीम द्वितीय अथवा मूल राज द्वितीय ने**
- मुहम्मद गोरी ने जयचंद को पराजित किया था — **चंदावर के युद्ध (1194 ई.) में**
- वह युद्ध जिसमें भारत में मुस्लिम शक्ति की स्थापना हुई — **तराइन का द्वितीय युद्ध**
- भारत पर आक्रमण करने वाले व्यक्तियों का सही क्रम है — **महमूद गजनवी, मोहम्मद गोरी, चंगेज़ खां, तैमूर**
- वह मुस्लिम शासक, जिसके सिक्कों पर देवी लक्ष्मी की आकृति बनी है — **मुहम्मद गोरी**
- भारत में मुहम्मद गोरी ने प्रथम अक्ता प्रदान किया था — **कुतुबुद्दीन ऐबक को**
- मुहम्मद गोरी, जिसने बंगाल एवं बिहार पर विजय प्राप्त की, था — **बख्तियार खिलजी का दास**

दिल्ली सल्तनत : गुलाम वंश

- गुलाम वंश का संस्थापक था — **कुतुबुद्दीन ऐबक**
- दिल्ली सल्तनत का सुल्तान जो 'लाख बख्श' के नाम से जाना जाता है — **कुतुबुद्दीन ऐबक**
- कुतुबुद्दीन ऐबक द्वारा बनवाया गया 'ढाई दिन का झोंपड़ा' है — **एक मस्जिद**
- प्रसिद्ध कुतुबमीनार के निर्माण में योगदान दिया — **कुतुबुद्दीन ऐबक, इल्तुतमिश एवं फिरोजशाह तुगलक ने**
- कुतुबुद्दीन ऐबक की राजधानी थी — **लाहौर**
- सुल्तान कुतुबुद्दीन ऐबक की मृत्यु हुई — **चौगान की क्रीड़ा के दौरान अश्व से गिरने के पश्चात**
- दिल्ली को सल्तनत की राजधानी के रूप में स्थापित किया था — **इल्तुतमिश ने**
- दिल्ली का वह प्रथम सुल्तान, जिसने नियमित सिक्के जारी किए तथा दिल्ली को अपने साम्राज्य की राजधानी घोषित किया — **इल्तुतमिश**
- दिल्ली का प्रथम मुस्लिम शासक — **इल्तुतमिश**
- 'गुलाम का गुलाम' कहा गया था — **इल्तुतमिश को**
- मध्यकालीन भारत की प्रथम महिला शासिका — **रज़िया सुल्तान**

✸ मंगोल आक्रमणकारी चंगेज खां भारत की उत्तर-पश्चिम सीमा पर आया था **— इल्तुतमिश के काल में**

✸ मंगोल प्रथम बार सिंधु के तट पर देखे गए **— इल्तुतमिश के शासनकाल में**

✸ चंगेज खान का मूल नाम था **— तेमुचिन**

✸ इल्तुतमिश ने बिहार में अपना प्रथम सूबेदार नियुक्त किया था **— मलिक जानी को**

✸ रजिया बेगम को सत्ताच्युत करने में हाथ था **— तुर्कों का**

✸ दिल्ली के सुल्तान बलबन का पूरा नाम था **— गयासुद्दीन बलबन**

✸ दिल्ली का वह सुल्तान जिसके विषय में कहा गया है कि उसने ''रक्त और लौह'' की नीति अपनाई थी **— बलबन**

✸ **कथन (A) :** बलबन ने अपने शासन को शक्तिशाली बनाया और सारी सत्ता अपने हाथ में केंद्रित कर ली।

कारण (B) : वह उत्तर-पश्चिम सीमा को मंगोल आक्रमण से सुरक्षित करना चाहता था।

— (A) और (R) दोनों सही हैं, किंतु (A) की समुचित व्याख्या (R) नहीं है।

✸ अपनी शक्ति को समेकित करने के बाद बलबन ने धारण की **— जिल्ले-इलाही की उपाधि**

✸ भारत में प्रसिद्ध फारसी त्यौहार 'नौरोज' को आरंभ करवाया **— बलबन ने**

✸ बलबन के संदर्भ में सत्य कथन है

— उसने नियामत-ए-खुदाई के सिद्धांत का प्रतिपादन किया था।
उसने तुर्कान-ए-चहलगानी का प्रभाव समाप्त किया था।
उसने बंगाल के विद्रोह का दमन किया था।
नासिरुद्दीन महमूद ने उसे उलुग खां की उपाधि दी थी।

✸ गढ़मुक्तेश्वर की मस्जिद की दीवारों पर अपने शिलालेख में स्वयं को 'खलीफा का सहायक' कहा है **— बलबन ने**

खिलजी वंश

✸ ''जब उसने राजत्व (Kingship) प्राप्त किया, तो वह शरियत के नियमों और आदेशों से पूर्णतया स्वतंत्र था।'' बरनी ने यह कथन जिस सुल्तान के लिए कहा, वह है **— अलाउद्दीन खिलजी**

✸ वह सुल्तान जो नया धर्म चलाना चाहता था, किंतु उलेमा लोगों ने विरोध किया **— अलाउद्दीन खिलजी**

✸ दिल्ली का सुल्तान जिसने 'सिकंदर सानी' की मानोपाधि धारण की थी **— अलाउद्दीन खिलजी**

✸ अलाउद्दीन खिलजी का प्रसिद्ध सेनापति जिसकी मंगोलों के विरुद्ध लड़ते हुए मृत्यु हुई **— जफर खां**

✸ रानी पद्मिनी का नाम अलाउद्दीन की चित्तौड़ विजय से जोड़ा जाता है। उनके पति का नाम है **— राणा रतन सिंह**

✸ **कथन (A) :** अलाउद्दीन के दक्षिणी अभियान धन-प्राप्ति के अभियान थे।
कारण (R) : यह दक्षिणी राज्यों को कब्जे में करना चाहता था।

— A सही है, परंतु R गलत है।

✸ अलाउद्दीन खिलजी के आक्रमण के समय देवगिरि का शासक था **— रामचंद्र देव**

✸ वह सुल्तान जिसके काल में खालिसा भूमि अधिक पैमाने में विकसित हुई **— अलाउद्दीन खिलजी**

✸ वह सुल्तान जिसके बारे में कहा जाता है कि उसने भूमि-कर को उत्पादन के 50% तक कर दिया था **— अलाउद्दीन खिलजी**

✸ अलाउद्दीन खिलजी के संबंध में सही कथन है–

(i) उसने कृष्ट जमीनों की पैमाइश के बाद जमीन की मालगुजारी वसूल की।
(ii) उसने प्रांतों के गवर्नरों के अधिकारों को समाप्त किया।

✸ **कथन (A) :** अलाउद्दीन खिलजी ने दिल्ली में मूल्य नियंत्रण लागू किया था।

कारण (R) : वह दिल्ली में अपने राज भवन के निर्माण में लगे हुए कारीगरों को कम वेतन देना चाहता था।

— (A) सही है, परंतु (R) गलत है।

✸ वह सुल्तान जिसने 'बाजार सुधार' लागू किए थे **— अलाउद्दीन खिलजी**

✸ मूल्य नियंत्रण पद्धति को पहली बार लागू किया **— अलाउद्दीन खिलजी ने**

✸ बाजार नियंत्रण प्रथा लागू की थी **— अलाउद्दीन खिलजी ने**

✸ मध्यकालीन शासक जिसने 'सार्वजनिक वितरण प्रणाली' प्रारंभ की थी **— अलाउद्दीन खिलजी**

✸ 'घरी' अथवा गृहकर लगाने वाला दिल्ली का प्रथम सुल्तान था **— अलाउद्दीन खिलजी**

✸ 1306 ई. के बाद अलाउद्दीन खिलजी के समय में दिल्ली के सुल्तान तथा मंगोलों के बीच सीमा थी **— सिंधु नदी**

तुगलक वंश

✸ अलाउद्दीन खिलजी का वह सेनाध्यक्ष जो तुगलक वंश का प्रथम सुल्तान बना **— गाजी मलिक**

✸ सबसे अधिक समय तक देश में राज्य किया **— तुगलक वंश के सुल्तानों ने**

✸ दिल्ली सल्तनत का सर्वाधिक विद्वान शासक जो खगोलशास्त्र, गणित एवं आयुर्विज्ञान सहित अनेक विद्याओं में माहिर था **— मुहम्मद बिन तुगलक**

✸ दीवान-ए-'अमीर-ए-कोही' एक नया विभाग जिस सुल्तान द्वारा शुरू किया गया था, वह है **— मुहम्मद बिन तुगलक**

✸ दिल्ली का सुल्तान जिसने एक पृथक कृषि विभाग की स्थापना की एवं फसल चक्र की योजना बनाई थी **— मुहम्मद बिन तुगलक**

✸ मुहम्मद बिन तुगलक अपनी राजधानी दिल्ली से ले गया**— दौलताबाद**

✸ भारत में सर्वप्रथम सांकेतिक मुद्रा का प्रचलन किया था **— मुहम्मद बिन तुगलक ने**

✸ **कथन (A) :** मुहम्मद बिन तुगलक ने एक नया स्वर्ण सिक्का जारी किया जो इब्नबतूता द्वारा दीनार कहलाया गया।

कारण (R) : मुहम्मद बिन तुगलक पश्चिम एशियाई तथा उत्तरी अफ्रीकी देशों के साथ व्यापार में अभिवृद्धि के लिए स्वर्ण सिक्कों की टोकन मुद्रा जारी करना चाहता था।

— A सही है, परंतु R गलत है।

✸ कथन (A) : मुहम्मद तुगलक की प्रतीक मुद्रा योजना असफल सिद्ध हुई।

कारण (R) : मुहम्मद तुगलक का मुद्रा निर्गमन पर उचित नियंत्रण नहीं था।

— A और R दोनों सही हैं और R सही व्याख्या है A की।

✸ मूर देश का यात्री इब्नबतूता भारत आया **— मुहम्मद बिन तुगलक के शासनकाल में**

✸ सल्तनतकाल में डाक व्यवस्था का विस्तृत विवरण दिया है **— इब्नबतूता ने**

✸ होली त्यौहार के सार्वजनिक उत्सव में भाग लेने वाला दिल्ली का प्रथम सुल्तान **— मुहम्मद बिन तुगलक**

✸ वह शासक जिसकी मृत्यु पर इतिहासकार बदायूंनी ने कहा था कि ''सुल्तान को अपनी प्रजा से और प्रजा को सुल्तान से मुक्ति मिल गई'' **— मुहम्मद बिन तुगलक**

✸ वह सुल्तान जिसने बेरोज़गारों को रोजगार दिलवाया**— फिरोज तुगलक**

✸ दिल्ली का वह सुल्तान जिसने बेरोज़गारों के सहायतार्थ, 'रोज़गार कार्यालय' की स्थापना की थी **— फिरोजशाह तुगलक**

✸ दिल्ली का सुल्तान जो दान-दक्षिणा के बारे में काफी ध्यान रखता था और इसके लिए एक विभाग 'दीवान-ए-खैरात' स्थापित किया **— फिरोज तुगलक**

✸ वह सुल्तान जिसके दरबार में सबसे अधिक गुलाम थे **— फिरोज तुगलक**

✸ मध्यकालीन भारतीय राजाओं के संदर्भ में सही कथन हैं

— बलबन ने पहले एक अलग आरिज विभाग स्थापित किया। अलाउद्दीन ने अपनी सेना के घोड़ों को दागने की पद्धति शुरू की। मुहम्मद बिन तुगलक के बाद दिल्ली की गद्दी पर उसका चचेरा भाई बैठा। फिरोज तुगलक ने गुलामों का एक अलग विभाग स्थापित किया।

✸ सर्वप्रथम लोक निर्माण विभाग की स्थापना की थी **— फिरोजशाह तुगलक ने**

✸ दिल्ली का वह सुल्तान जो भारत में नहरों के सबसे बड़े जाल का निर्माण करने के लिए प्रसिद्ध है **— फिरोजशाह तुगलक**

✸ 'हक्क-ए-शर्ब' अथवा सिंचाई कर लगाने वाला दिल्ली का प्रथम सुल्तान **— फिरोज तुगलक**

✸ दिल्ली का सुल्तान जिसने ब्राह्मणों पर भी जजिया लगाया था **— फिरोज तुगलक**

✸ मुहम्मद बिन तुगलक, फिरोज तुगलक, सिकंदर लोदी तथा शेरशाह सूरी में से वह सुल्तान जिसने फलों की गुणवत्ता सुधारने के लिए उपाय किए **— फिरोज तुगलक**

✸ टोपरा तथा मेरठ से दो अशोक स्तंभ लेख दिल्ली लाया था **— फिरोजशाह तुगलक**

✸ दिल्ली का वह सुल्तान जिसने इस उद्देश्य से एक 'अनुवाद विभाग' की स्थापना की, कि उससे दोनों संप्रदायों के लोगों में एक-दूसरे के विचारों की समझ बेहतर हो सके **— फिरोज तुगलक**

✸ राज्य के खर्च पर हज की व्यवस्था करने वाला पहला भारतीय शासक **— फिरोज तुगलक**

✸ फिरोज तुगलक द्वारा स्थापित 'दार-उल-शफा' था **— एक खैराती अस्पताल**

✸ दिल्ली सल्तनत के तुगलक राजवंश का अंतिम शासक था **— नासिर-उद्-दीन महमूद**

✸ वह शासक जिसके शासनकाल में तैमूर ने भारत पर आक्रमण किया **— नासिरुद्दीन महमूद**

✸ तैमूर लंग ने भारत पर आक्रमण किया **— 1398 ई. में**

✸ तैमूर के आक्रमण के बाद भारत में राज स्थापित हुआ **— सैयद वंश का**

लोदी वंश

✸ खिलजी, तुगलक, सैयद तथा लोदी शासकों में से अफगान मूल के थे **— लोदी शासक**

✸ दिल्ली की राजगद्दी पर अफगान शासकों का सही क्रम है **— बहलोल खान लोदी (1451-1489 ई.),सिकंदर लोदी (1489-1517 ई.), इब्राहिम लोदी (1517-1526 ई.)**

✸ महाराणा सांगा ने इब्राहिम लोदी को परास्त किया था **— खातोली के युद्ध में**

✸ वह मध्ययुगीन सुल्तान जिसे आगरा शहर की नींव डालने एवं उसे सल्तनत की राजधानी बनाने का श्रेय जाता है **— सिकंदर लोदी**

✸ 'गुलरुखी' उपनाम से अपनी कविताओं की रचना की **— सिकंदर लोदी ने**

✸ अन्न के ऊपर कर समाप्त करने के लिए जाना जाता है **— सिकंदर लोदी**

✸ दिल्ली पर शासन करने वाले वंशों का सही क्रम है **— गुलाम वंश, खिलजी वंश, तुगलक वंश, सैयद वंश एवं लोदी**

✸ बलबन, इल्तुतमिश, कुतुबुद्दीन ऐबक तथा इब्राहिम लोदी में से वह शासक जो गुलाम वंश का नहीं था **— इब्राहिम लोदी**

विजयनगर साम्राज्य

✸ विजयनगर राज्य की स्थापना की थी **— हरिहर और बुक्का ने**

✸ अपनी 'मदुरा विजय' कृति में अपने पति के विजय अभियानों का वर्णन करने वाली कवयित्री थी **— गंगादेवी**

✸ विजयनगर का वह पहला शासक, जिसने बहमनियों से गोवा को छीना **— हरिहर II**

✸ सही कथन है–

1. नरसिंह सालुव ने संगम वंश का अंत किया और उसने राजसिंहासन छीन कर सालुव वंश आरंभ किया।

2. वीर नरसिंह ने अंतिम सालुव शासक को गद्दी से उतारकर राजसिंहासन छीना।

3. वीर नरसिंह के उत्तरवर्ती उनके अनुज कृष्णदेव राय थे।

4. कृष्णदेव राय के उत्तरवर्ती उनके अर्द्ध-भाई अच्युतदेव राय थे।

✸ विजयनगर के राजा कृष्णदेव राय ने गोलकुंडा का युद्ध जिस राजा के साथ लड़ा था, वह है **— कुली कुतुबशाह**

✸ कृष्णदेव राय के दरबार में 'अष्ट दिग्गज' थे **— आठ तेलुगू कवि**

✸ कृष्णदेव राय, राजेंद्र चोल, हरिहर तथा बुक्का में से वह, जिसे 'आंध्र भोज' भी कहा जाता है **— कृष्णदेव राय**

✸ प्रसिद्ध विजयनगर शासक कृष्णदेव राय के अधीन स्वर्णयुग था? **— तेलुगू साहित्य का**

✸ कृष्णदेव राय ने स्थापना की **— नागलापुर नगर की**

✸ विजयनगर का प्रसिद्ध हजारा मंदिर निर्मित हुआ था **— कृष्णदेव राय के शासनकाल में**

✸ अब्दुल रज्जाक विजयनगर आया था **— देवराय-II के राजकाल में**

✸ निकोलो कोंटी था **— इटली का एक यात्री, जिसने देवराय प्रथम के समय विजयनगर साम्राज्य की यात्रा की**

✸ वैदिक ग्रंथों के भाष्यकार सायण को आश्रय प्राप्त था **— विजयनगर राजाओं का**

✸ 1565 में प्रसिद्ध युद्ध हुआ था **— तालीकोटा का युद्ध**

✸ तालीकोटा का युद्ध लड़ा गया था **— विजयनगर और बीजापुर, अहमदनगर तथा गोलकुंडा की संयुक्त सेनाओं के बीच**

✸ जब राजा वोडियार ने मैसूर राज्य की स्थापना की, तब विजयनगर साम्राज्य का शासक था **— वेंकट II**

✸ विजयनगर साम्राज्य की 'वित्तीय व्यवस्था' की मुख्य विशेषता थी **— भूराजस्व**

✸ विजयनगर के शासक कृष्णदेव की कराधान व्यवस्था से संबंधित सही कथन है **— भूमि की गुणवत्ता के आधार पर भू-राजस्व की दर नियत होती थी। कारखानों के निजी स्वामी एक औद्योगिक कर देते थे।**

✸ वह स्थान जहां के खंडहर विजयनगर की प्राचीन राजधानी का प्रतिनिधित्व करते हैं **— हम्पी**

✸ विजयनगर का शासक जिसने चीन के सम्राट के पास अपना राजदूत भेजा **— बुक्का प्रथम**

✸ प्रसिद्ध विजय विट्ठल मंदिर जिसके 56 तक्षित स्तंभ संगीतमय स्वर निकालते हैं, अवस्थित है **— हम्पी में**

दिल्ली सल्तनत : प्रशासन

✸ इतिहासकार बरनी ने दिल्ली के सुल्तानों के अधीन भारत में शासन को वास्तव में इस्लामी नहीं माना, क्योंकि **— अधिकतर आबादी इस्लाम का अनुसरण नहीं करती थी**

✸ सल्तनत काल के अधिकांश अमीर एवं सुल्तान थे **— तुर्क वर्ग के**

✸ सुमेलित हैं–

दीवान-ए-बंदगान	-	फिरोज तुगलक
दीवान-ए-मुस्तखराज	-	अलाउद्दीन
दीवान-ए-कोही	-	मुहम्मद तुगलक
दीवान-ए-अर्ज	-	बलबन

✸ सुमेलित हैं–

दीवान-ए-मुस्तखराज़	–	अलाउद्दीन खिलजी (राजस्व विभाग)
दीवान-ए-अमीरकोही	–	मुहम्मद बिन तुगलक (कृषि विभाग)
दीवान-ए-खैरात	–	फिरोज तुगलक (दान विभाग)
दीवान-ए-रियासत	–	अलाउद्दीन खिलजी (बाजार नियंत्रण विभाग)

✸ सुमेलित हैं –

दीवाने अर्ज़	–	सेना विभाग से संबंधित
दीवाने रिसालत	–	धार्मिक मुद्दों से संबंधित
दीवाने इन्शा	–	सरकारी पत्रव्यवहार से संबंधित
दीवाने वज़ारत	–	वित्तीय मामलात से संबंधित

✸ वह राजवंश जिसके अंतर्गत विजारत का चरमोत्कर्ष हुआ **— तुगलक राजवंश**

✸ भूमि-उत्पाद पर लगने वाले कर को इंगित करता है **— खराज, उश्र एवं मुक्तई**

✸ भारत का मध्यकालीन शासक जिसने 'इक्ता व्यवस्था' प्रारंभ की थी **— इल्तुतमिश**

✸ सल्तनत काल में भू-राजस्व का सर्वोच्च ग्रामीण अधिकारी था **— चौधरी**

✸ 'शर्ब' कर लगाया जाता था **— सिंचाई पर**

✸ जवाबित का संबंध था **— राज्य कानून से**

✸ हदीस है एक **— इस्लामिक कानून**

✸ सल्तनत काल में 'फवाज़िल' का अर्थ था **— इक्तादारों द्वारा सरकारी खजाने में जमा की जाने वाली अतिरिक्त राशि**

✸ सल्तनत काल की दो प्रमुख मुद्राएं हैं **— जीतल एवं टंका**

✸ 'टंका' (Tanka) नामक चांदी का सिक्का चलाया था **—इल्तुतमिश ने**

✸ सल्तनत काल के सिक्के–टंका, शशगनी एवं जीतल थे **— चांदी तथा तांबा के**

✸ बगदाद के अंतिम खलीफा का नाम सर्वप्रथम अंकित हुआ **— अलाउद्दीन मसूद शाह के सिक्कों पर**

दिल्ली सल्तनत : कला एवं स्थापत्य

✸ 'अलाई दरवाजा' का निर्माण करवाया **— अलाउद्दीन खिलजी ने**

✸ कुतुबुद्दीन ऐबक, इल्तुतमिश, अलाउद्दीन खिलजी तथा फिरोजशाह तुगलक में से वह, जिसने कुतुबमीनार के निर्माण में योगदान नहीं दिया **— अलाउद्दीन खिलजी**

✸ वह सुल्तान जिसने कुतुबमीनार की पांचवीं मंजिल का निर्माण कराया **— फिरोजशाह तुगलक**

✸ भारत में प्रथम मकबरा जो शुद्ध इस्लामी शैली में निर्मित हुआ था **— बलबन का मकबरा**

✸ स्थापत्य एवं नगरों के निर्माण का सही कालक्रम है **— कुतुबमीनार, तुगलकाबाद, लोदी गार्डेन, फतेहपुर सीकरी**

✸ 'कीर्ति स्तंभ प्रशस्ति' के रचयिता थे **— अभिकवि**

✸ चित्तौड़ का 'कीर्ति स्तंभ' निर्मित हुआ था **— राणा कुंभा के शासनकाल में**

✸ सुमेलित हैं–

स्थल	स्थापत्य
दिल्ली	कुब्बात-अल-इस्लाम
जौनपुर	अटाला मस्जिद
मालवा	जहाज़ महल
गुलबर्गा	जामा मस्जिद

✸ सुमेलित हैं–

वास्तु शैली		संबद्ध राजवंश
मेहराब की निचली सतह पर कमलकलि की झालर	–	खिलजी
अष्टभुजीय मकबरों का उदय	–	तुगलक
स्तंभों में बोदिगोई का प्रयोग	–	विजयनगर
झुकी हुई दीवारों के साथ विशाल मुख्य द्वार	–	शर्की

दिल्ली सल्तनत : साहित्य

✸ 'किताब-उल-हिंद' रचना के प्रसिद्ध लेखक का नाम था **— अलबरूनी**

✸ 'तूती-ए-हिंद' अमीर खुसरो का जन्म हुआ था **— कासगंज के पटियाली में**

✸ स्वयं को 'हिन्दोस्तान का तोता' कहा **— अमीर खुसरो ने**

✸ अमीर खुसरो ने अग्रगामी की भूमिका निभाई **— खड़ी बोली के विकास में**

✸ दिल्ली के सात सुल्तानों का शासनकाल देखा था **— अमीर खुसरो एवं शेख निजामुद्दीन औलिया ने**

✸ प्रसिद्ध कवि अमीर खुसरो दरबार में रहे **— अलाउद्दीन खिलजी के**

✸ अमीर खुसरो एक थे। **— कवि, इतिहासकार एवं संगीतज्ञ**

✸ नयी फारसी काव्य-शैली 'सबक-ए-हिंदी' अथवा हिंदुस्तानी शैली के जन्मदाता थे **— अमीर खुसरो**

✸ अमीर खुसरो, मलिक मुहम्मद जायसी, कबीर तथा अब्दुल रहीम खान-ए-खानां में से वह, जिन्हें 'हिंदी खड़ी बोली का जनक' माना जाता है **— अमीर खुसरो**

✸ हिंदी और फारसी दोनों भाषाओं का विद्वान था **— अमीर खुसरो**

✸ सही कथन है

— हिंदू देवी-देवताओं तथा मुस्लिम संतों की प्रशंसा में रचित गीतों का संग्रह किताब-ए-नौरस इब्राहिम आदिल शाह II द्वारा लिखा गया था। भारत में कव्वाली से जानी जाने वाली संगीत शैली के प्रारंभिक रूप के आरंभकर्ता अमीर खुसरो थे।

✸ 'तबकात-ए-नासिरी' का लेखक था **— मिनहाज-उस-सिराज**

✸ अरबी, फारसी, तुर्की एवं उर्दू भाषाओं में से वह भाषा जिसे दिल्ली सुल्तानों ने संरक्षण प्रदान किया **— फारसी**

✸ 'अपभ्रंश' शब्द का प्रयोग मध्यकालीन संस्कृत ग्रंथों में होता था **— कुछ आधुनिक भारतीय भाषाओं के आरंभिक रूपों को इंगित करने के लिए**

✸ सुमेलित हैं–

सूची-I		सूची-II
जियाउद्दीन बरनी	–	तारीख-ए-फिरोजशाही
हसन निजामी	–	ताजुल मासिर
मिनहाज-उस-सिराज	–	तबकात-ए-नासिरी
याहिया-बिन-अहमद	–	तारीख-ए-मुबारकशाही

✸ सुमेलित हैं–

तारीख-ए-हिंद	–	अलबरूनी
तारीख-ए-दिल्ली	–	खुसरो
रेहला	–	इब्नबतूता
तबकात-ए- नासिरी	–	मिनहाज

✸ वीणा, ढोलक, सारंगी तथा सितार में से वह संगीत वाद्य, जिसे हिंदू-मुस्लिम गान-वाद्यों का सबसे श्रेष्ठ मिश्रण माना गया है **— सितार**

✸ संगीत यंत्र 'तबला' का प्रचलन किया **— अमीर खुसरो ने**

✸ जयचंद्र गहड़वाल, पृथ्वीराज चौहान, राणा कुंभा तथा मानसिंह में से वह राजपूत राजा जो संगीत पर एक पुस्तक के लेखक के रूप में जाना जाता है **— राणा कुंभा**

✸ सुमेलित हैं–

नाम		ग्रंथ (संगीत)
राणा कुंभा	–	संगीतराज
काशीनाथ शास्त्री अप्पा तु भाषी	–	रागचंद्रिका
पुंडरीक विट्ठल	–	रागमाला
कृष्णानंद व्यास	–	राग कल्पद्रुम

✸ दिल्ली का वह सुल्तान जिसने अपना संस्मरण लिखा था **— फिरोज तुगलक**

दिल्ली सल्तनत : विविध

✸ भारत में पोलो खेल का प्रचलन किया **— तुर्कों ने**

✸ सुमेलित हैं–

सूची-I		सूची-II
फिरोज तुगलक	–	नहरों का निर्माण
बलबन	–	नौरोज
अलाउद्दीन	–	दीवान-ए-रियासत
जहांगीर	–	सर थामस रो

✸ यात्रियों के पधारने का सही अनुक्रम है **— अलबरूनी, इब्नबतूता, ट्रेवर्नियर, मनूची**

✸ 'दस्तार बन्दान' कहलाते थे **— उलेमा**

✸ शासकों का सही क्रम है **— रजिया सुल्तान, अलाउद्दीन खिलजी, अकबर**

✸ सुमेलित है–

बहादुरशाह	–	गुजरात
चांद बीबी	–	बीजापुर
रजिया सुल्तान	–	दिल्ली
बाजबहादुर	–	मालवा

✸ घटनाओं का सही क्रम है **— कुतुबमीनार का निर्माण, फिरोज तुगलक की मृत्यु, पुर्तगालियों का भारत आगमन, कृष्णदेव राय का शासन**

✸ ''अपने लगभग तीस वर्ष के व्यापक यात्री जीवन में उसने पूर्वी गोलार्द्ध के विस्तृत भू-भाग की यात्रा की, उस विशाल भू-भाग को देखा जिसमें आज कोई 44 देश आते हैं और कुल मिलाकर लगभग 73000 मील की दूरी चलकर पार की।''

पूर्व-आधुनिक काल का संसार का सबसे बड़ा वह यात्री, जिसका वर्णन ऊपर के अवतरण में है **— इब्नबतूता**

✸ सुमेलित हैं–

कृष्णदेव राय	:	अमुक्तमाल्यद
महेंद्रवर्मन	:	मत्तविलासप्रहसन
भोजदेव	:	समरांगणसूत्रधार
सोमेश्वर	:	मानसोल्लास

✸ सती प्रथा, बाल विवाह तथा जौहर प्रथा में से वह प्रथा जिसकी शुरुआत राजपूतों के समय में हुई **— जौहर प्रथा**

✸ मालधर बसु, हेमचंद्र सूरी, पार्थसारथी तथा सायण जैसे मध्यकालीन विद्वानों/लेखकों में वह, जो जैन धर्म का अनुयायी था **— हेमचंद्र सूरी**

✸ सुमेलित हैं–

सूची-I		सूची-II
प्लासी का युद्ध	–	1757 ईस्वी सन
कलिंग का युद्ध	–	261 ईस्वी पूर्व
हल्दीघाटी का युद्ध	–	1576 ईस्वी सन
तराईन का युद्ध	–	1192 ईस्वी सन

✸ सुमेलित हैं–

सूची-I		सूची-II
अकबर	–	आइन-ए-दहसाला
मुहम्मद तुगलक	–	प्रतीक मुद्रा
इल्तुतमिश	–	चहलगानी अमीर
शेरशाह	–	सड़क-ए-आज़म

✸ तेरहवीं और चौहदवीं शताब्दियों में भारतीय कृषक, खेती नहीं करता था **— मक्का की**

उत्तर भारत एवं दक्कन के प्रांतीय राजवंश

✸ जौनपुर नगर स्थापित किया गया **— मुहम्मद बिन तुगलक की स्मृति में**

✸ जौनपुर नगर की स्थापना की थी **— फिरोज शाह तुगलक ने**

✸ शर्की सुल्तानों के शासनकाल में 'पूर्व का शिराज' कहा जाता था **— जौनपुर को**

✸ कश्मीर का शासक जो 'कश्मीर का अकबर' नाम से जाना जाता है **— जैनुल (जैन-उल) आबेदीन**

✸ ज़ैन-उल-आबेदीन, मुहम्मद बिन तुगलक, हुसैन शाह शर्की तथा अकबर में से वह शासक जिसने सर्वप्रथम जज़िया कर समाप्त किया था **— ज़ैन-उल-आबेदीन**

✸ जैन-उल-आबेदीन द्वारा पूरी की गई कश्मीर की जामा मस्जिद की प्रभावकारी विशेषता में शामिल हैं **— बुर्ज, बौद्ध पगोडाओं से समान, फारसी शैली**

✸ मुनि सुंदर सूरी, नाथा, टिल्ला भट्ट तथा मुनि जिन विजय सूरी में से वह विद्वान जो कुंभा के दरबार में नहीं था **— मुनि जिन विजय सूरी**

✸ सुमेलित हैं–

मध्यकालीन भारतीय राज्य	वर्तमान क्षेत्र
चंपक	चंबा (हिमाचल)
दुर्गर	जम्मू
कुलूत	कुल्लू (हिमाचल)

✸ बहमनी राज्य की स्थापना की थी **— अलाउद्दीन हसन ने**

✸ बहमनी राज्य की स्थापना हुई थी **— 1347 ई. (14वीं सदी) में**

✸ बहमनी राज्य की प्रथम राजधानी थी **— गुलबर्ग**

✸ सुमेलित हैं–

सूची-I		सूची-II
आदिलशाही	–	बीजापुर
कुतुबशाही	–	गोलकुंडा
निजामशाही	–	अहमद नगर
शर्कीशाही	–	जौनपुर

✸ मुस्लिम शासकों में वह, जिसे उसकी धर्मनिरपेक्षता (Secularism) में आस्था के कारण उसकी मुस्लिम प्रजा 'जगतगुरु' कहकर पुकारती थी **— इब्राहिम आदिल शाह**

✸ अहमदनगर के निजाम शाही वंश का अंत हुआ **— अहमदनगर को मुगल साम्राज्य में मिलाकर हुसैन शाह को आजीवन कारावास दिया गया।**

✸ सुमेलित हैं–

बाजबहादुर	–	मालवा
कुतुबशाह	–	गोलकुंडा
सुल्तान मुजफ्फर शाह	–	गुजरात
यूसुफ आदिल शाह	–	बीजापुर

✸ गोलकुंडा को वर्तमान में कहा जाता है **— हैदराबाद**

✸ सुमेलित हैं–

काकतीय	-	वारंगल
होयसल	-	द्वारसमुद्र
यादव	-	देवगिरि
पाण्ड्य	-	मदुरा

✸ 'द्वारसमुद्र' राजधानी थी **— होयसल राजवंश की**

✸ होयसल स्मारक (Hoysala Monuments) पाए जाते हैं **— हलेबिड और बेलूर में**

✸ होयसलों की प्राचीन राजधानी द्वारसमुद्र का वर्तमान नाम है **— हलेबिड**

✸ वह स्मारक जिसमें वह गुंबद है, जो संसार के विशालतम गुंबदों में से एक है **— गोल गुंबद, बीजापुर**

✸ सुमेलित हैं–

स्मारक		शासक
दोहरा गुंबद	–	सिकंदर लोदी
अष्टभुजीय मकबरा	–	शेरशाह
सत्य मेहराबीय मकबरा	–	बलबन
गोल गुंबद	–	मुहम्मद आदिल शाह

✸ गूजरी महल बनवाया था **— मानसिंह ने**

✸ दक्षिण भारत के 'पोलिगार' थे **— क्षेत्रीय प्रशासकीय और सैन्य नियंत्रक**

भक्ति और सूफी आंदोलन

✸ भक्ति आंदोलन का प्रारंभ किया गया था **— आलवार संतों द्वारा**

✸ भक्ति संस्कृति का भारत में पुनर्जन्म हुआ **— पंद्रहवीं और सोलहवीं शताब्दी ईस्वी में**

✸ बुद्ध और मीराबाई के जीवन दर्शन में मुख्य साम्य था **— संसार दुःखपूर्ण है**

✸ ''कोई व्यक्ति किसी व्यक्ति से उसका धर्म-संप्रदाय या जाति न पूछे।'' यह कथन है **— रामानंद का**

✸ सभी भक्ति संतों के मध्य एक समान विशेषता थी कि उन्होंने **— अपनी वापी को उसी भाषा में लिखा जिसे उनके भक्त समझते थे**

✸ मध्ययुगीन भारत के धार्मिक इतिहास के संदर्भ में सूफी संत जिस तरह के आचरण का निर्वाह करते थे, वे हैं **— ध्यानसाधना और श्वास-नियमन,एकांत में कठोर यौगिक व्यायाम, श्रोताओं में आध्यात्मिक हर्षोन्माद उत्पन्न करने के लिए पवित्र गीतों का गायन**

✸ कामरूप में वैष्णव धर्म को लोकप्रिय बनाया **— शंकरदेव ने**

✸ असम एवं कूच बिहार में वैष्णव धर्म का प्रवर्तन किया **— शंकरदेव ने**

✸ रामानुजाचार्य संबंधित हैं **— विशिष्टाद्वैत से**

✸ 'शुद्ध अद्वैतवाद' का प्रतिपादन किया था **— वल्लभाचार्य ने**

✸ 'महाप्रभु वल्लभाचार्य' की जन्मस्थली है **— चम्पारण्य में**

✸ सुमेलित हैं

अद्वैतवाद	–	शंकराचार्य
विशिष्टाद्वैतवाद	–	रामानुज
द्वैतवाद	–	मध्वाचार्य
द्वैताद्वैतवाद	–	निम्बार्काचार्य

✸ सही कथन है **— 'बीजक' कबीर के उपदेशों का एक संकलन है। पुष्टिमार्ग के दर्शन को वल्लभाचार्य ने प्रतिपादित किया।**

✸ दादू, कबीर, रामानंद, तुलसीदास में से वह भक्ति संत जिसने अपने संदेश के प्रचार के लिए सबसे पहले हिंदी का प्रयोग किया **— रामानंद**

✸ कबीर शिष्य थे **— रामानंद के**

✸ मध्यकालीन भारत के कुम्भनदास, रामानंद, रैदास तथा तुलसीदास में से वह संत जिसका जन्म प्रयाग में हुआ था **— रामानंद**

✸ कबीर एवं धरमदास के मध्य संवादों के संकलन का शीर्षक है **— अमरमूल**

✸ मलूकदास एक संत कवि थे **— कड़ा के**

✸ संत घासीदास के पिताजी का नाम था **— महंगू**

✸ सही कालानुक्रम है **— शंकराचार्य-रामानुज-चैतन्य**

✸ भक्ति संतों का सही कालानुक्रम है **— कबीर (1398-1518), गुरुनानक (1469-1539), चैतन्य (1486-1534), मीराबाई (1498-1557)**

✸ भगवान शिव की प्रतिष्ठा में स्थापित हैं **— 12 ज्योतिर्लिंग**

✸ रामानुज के अनुयायियों को कहा जाता है **— वैष्णव**

✸ अमृतसर,नाभा, ननकाना तथा नांदेर में से वह स्थान जो गुरु नानक का जन्म स्थल था **— ननकाना**

✸ वह शासक, जिसके शासन में गुरु नानक देव ने सिक्ख धर्म की स्थापना की **— सिकंदर लोदी**

✸ 'ईश्वर केवल मनुष्य के सद्गुण को पहचानता है तथा उसकी जाति नहीं पूछता; आगामी दुनिया में कोई जाति नहीं होगी।' यह सिद्धांत है **— नानक का**

✸ मीराबाई समकालीन थीं **— तुलसीदास के**

✸ प्रसिद्ध भक्त कवयित्री मीरा के पति का नाम था **— राजकुमार भोजराज**

✸ 'राग-गोविंद' के रचनाकार हैं **— मीराबाई**

✸ दिए गए संतों का सही कालक्रम है **— नामदेव, कबीर, नानक, मीराबाई**

✸ चैतन्य, मीराबाई, नामदेव तथा वल्लभाचार्य में से वह, जो इस्लाम से प्रभावित था **— नामदेव**

✸ वह, जो उस समय उपदेश देता था, जब लोदी वंश का पतन हुआ तथा बाबर सत्तारूढ़ हुआ **— गुरु नानक**

✸ सुमेलित हैं–

नामदेव	–	दर्जी
कबीर	–	जुलाहा
रविदास	–	मोची
सेना	–	नाई

✸ चैतन्य महाप्रभु संबद्ध हैं **— वैष्णव संप्रदाय से**

✸ तुलसीदास समकालीन थे **— अकबर तथा जहांगीर के**

✸ 'रामचरित मानस' नामक ग्रंथ के रचयिता थे **— तुलसीदास**

✸ गीतावली, कवितावली, विनयपत्रिका तथा साहित्य रत्न में से वह रचना, जो संत तुलसीदास की नहीं है **— साहित्य रत्न**

✸ वरकरी संप्रदाय का संत था **— नामदेव**

✸ भक्त तुकाराम जिस मुगल सम्राट के समकालीन थे, वह है **— जहांगीर**

✸ नागार्जुन, तुकाराम, त्यागराज तथा वल्लभाचार्य में से वह, जो भक्ति आंदोलन का प्रस्तावक नहीं था **— नागार्जुन**

✸ भारत में चिश्तिया संप्रदाय का प्रथम सूफी संत था **— शेख मुइनुद्दीन चिश्ती**

✸ शेख मुइनुद्दीन चिश्ती, शेख कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी, शेख निज़ामुद्दीन औलिया तथा शेख सलीम चिश्ती सूफी संतों में से वह, जो सर्वप्रथम अजमेर में बस गए थे **— शेख मुइनुद्दीन चिश्ती**

✸ शेख मुइनुद्दीन, शेख जियाउद्दीन अबुलजीवा, ख़्वाजा अबु-अब्दाल एवं ख़्वाजा बहाउद्दीन में से वह, जो सूफीवाद की चिश्तिया शाखा का संस्थापक था **— ख़्वाजा अबु-अब्दाल**

✸ ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती शिष्य थे **— ख्वाजा उस्मान हरुनी के**

✸ अजमेर में ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर नजर (भेंट) भेजने वाले प्रथम मराठा सरदार थे **— राजा साहू (शिवाजी के पौत्र)**

✸ शेख निज़ामुद्दीन औलिया शिष्य थे **— बाबा फरीद के**

✸ शेख निजामुद्दीन औलिया की दरगाह स्थित है **— दिल्ली में**

✸ **कथन (A) :** भारत में सूफियों के चिश्ती धर्मसंघ का प्रवर्तक और सर्वप्रमुख व्यक्ति, ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती है।

कारण (R) : चिश्ती धर्मसंघ ने अपना नाम अजमेर में स्थित ग्राम चिश्त से लिया है। **— A सही है, परंतु R गलत है।**

✸ वह सूफी संत जिसकी मान्यता थी कि भक्ति संगीत ईश्वर के निकट पहुंचने का एक साधन है **— मुइनुद्दीन चिश्ती**

✸ ख्वाजा कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी, शेख अब्दुल जिलानी, शेख मुइनुद्दीन तथा शेख निजामुद्दीन औलिया में से वह, जो चिश्ती सिलसिले से संबद्ध नहीं है **— शेख अब्दुल जिलानी**

✸ 'भारत का सादी' कहा गया है **— अमीर हसन को**

✸ जलालुद्दीन खिलजी, अलाउद्दीन खिलजी, गयासुद्दीन तुगलक तथा मुहम्मद बिन तुगलक में से, वह सुल्तान जिससे निजामुद्दीन औलिया ने भेंट करने से इंकार कर दिया था **— अलाउद्दीन खिलजी**

✸ वह सूफ़ी संत जो 'महबूब-ए-इलाही' कहलाता था **— शेख निज़ामुद्दीन औलिया**

✸ शेख फरीद का सर्वाधिक ख्यातिलब्ध शिष्य, जिसने दिल्ली के सात सुल्तानों का शासन देखा था **— निजामुद्दीन**

✸ शेख मुइनुद्दीन चिश्ती, कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी, फरीदुद्दीन-गंज-ए-शकर तथा शेख निजामुद्दीन औलिया में से वह सूफी संत जिसके विचारों को सिखों के धर्म ग्रंथ 'आदि ग्रंथ' में संकलित किया गया है **— फरीदुद्दीन-गंज-ए-शकर**

✸ प्रसिद्ध संत सलीम चिश्ती रहते थे **— फतेहपुर सीकरी में**

✸ 'शेख-उल-हिंद' की पदवी प्रदान की गई थी**— शेख सलीम चिश्ती को**

✸ सुमेलित हैं–

ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती	–	चिश्तियां
शेख अहमद सरहिन्दी	–	नक्शबंदिया
दारा शिकोह	–	कादिरिया
शेख शहाबुद्दीन	–	सुहरावर्दिया

✸ भारतीय इतिहास में सूफीवाद के संदर्भ में सही कथन हैं–

– शेख अहमद सरहिंदी अकबर एवं जहांगीर का समकालीन था। शेख नसीरुद्दीन चिराग-ए-दिल्ली शेख निजामुद्दीन औलिया का शिष्य था। अकबर शेख सलीम चिश्ती का समकालीन था। भारत में सूफियों की कादिरी पद्धति सबसे पहले शेख नियामतुल्ला और मखदूम मुहम्मद जिलानी द्वारा लागू की गई।

✸ रहीम, निजामुद्दीन औलिया, मुइनुद्दीन चिश्ती एवं रसखान में से, वह जो सूफी थे **— निजामुद्दीन औलिया एवं मुइनुद्दीन चिश्ती**

✸ चिश्तिया, सुहरावर्दिया, कादरिया तथा नक्शबंदिया सूफीवाद के सिलसिलों में, वह जो संगीत के विरुद्ध था **— नक्शबंदिया**

✸ शाह मोहम्मद गौस, शाह अब्दुल अजीज, शाह वलीउल्ला तथा ख्वाजा मीर दर्द सूफियों में से वह जिसने कृष्ण को औलिया के रूप में माना **— शाह मोहम्मद गौस**

✸ उलेमा, खानकाह, शेख तथा समा में से वह जिसका संबंध सूफीवाद से नहीं है **— उलेमा**

✸ कृष्ण जीवनपरक 'प्रेम वाटिका' काव्य की रचना की थी **—रसखान ने**

✸ वल्लभाचार्य, चैतन्य, गुरु नानक तथा अमीर खुसरो में से वह जो भक्ति आंदोलन से जुड़ा नहीं है **— अमीर खुसरो**

✸ 'बारहमासा' की रचना की थी **— मलिक मोहम्मद जायसी ने**

✸ प्रति वर्ष प्रसिद्ध सूफी संत हाजी वारिस अली शाह की मजार पर मेला लगता है **— देवा शरीफ में**

✸ क्राइस्ट का जन्म स्थान **— बेथलेहम**

✸ ईस्टर त्यौहार के पीछे ईसाइयों की भावना है **—इस दिन ईशा पुनर्जीवित हुए**

✸ वह ईसाई संत जो पशु-पक्षियों से प्रेम के लिए विख्यात है **— असीसी के संत फ्रांसिस**

✸ ईसाइयों का गुडफ्राइडे मनाया जाता है **— ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाये जाने के स्मरण में**

मुगल वंश : बाबर

✸ मध्यकालीन भारत के मुगल शासक वस्तुतः थे – चगताई तुर्क

✸ बाबर को सर-ए-पुल के युद्ध में पराजित किया था **— शैबानी खां ने**

✸ पानीपत का प्रथम युद्ध हुआ था**— बाबर और इब्राहिम लोदी के मध्य**

✸ पानीपत के युद्ध में बाबर की जीत का मुख्य कारण था **— उसकी सैन्य कुशलता**

✸ पानीपत का प्रथम युद्ध, खानवा का युद्ध, प्लासी का युद्ध तथा पानीपत का तीसरा युद्ध में से वह युद्ध जिसमें एक पक्ष द्वारा प्रथम बार तोपों का उपयोग किया गया था **— पानीपत का प्रथम युद्ध**

✸ बाबर की इब्राहिम लोदी पर विजय का कारण था **— तोपखाना**

✸ बाबर ने सुल्तान इब्राहिम लोदी को पानीपत की लड़ाई में पराजित किया **— 1526 ई. में**

✸ सुमेलित है–

पानीपत का प्रथम युद्ध	:	1526
खानवा का युद्ध	:	1527
घाघरा का युद्ध	:	1529
चंदेरी का युद्ध	:	1528

✸ बाबर के भारत में आने के फलस्वरूप **— इस क्षेत्र में तैमूरी (तिमूरिद) राजवंश स्थापित हुआ।**

✸ पानीपत का युद्ध, खानवा का युद्ध एवं चंदेरी का युद्ध में से वह, जिसमें बाबर ने 'जेहाद' की घोषणा की थी **— खानवा का युद्ध**

✸ मेवाड़ का राजा जिसे 1527 में खानवा के युद्ध में बाबर ने हराया था **— राणा सांगा**

✸ भारत का मुगल शासक बनने पर जहीरुद्दीन मोहम्मद ने ..... नाम रखा। **— बाबर**

✸ बाबर ने सर्वप्रथम 'पादशाह' की पदवी धारण की थी **— काबुल में**

✸ बाबर के साम्राज्य में सम्मिलित थे **— काबुल का क्षेत्र, पंजाब का क्षेत्र, आधुनिक उत्तर प्रदेश का क्षेत्र**

✸ वह मुगल सम्राट जिसके जीवन से धैर्य व संकल्प से सफलता की शिक्षा मिलती है **— जहीरुद्दीन मोहम्मद बाबर**

✸ बाबर ने अपने 'बाबरनामा' में जिन हिंदू राज्य का उल्लेख किया, वह हैं **— मेवाड़ एवं विजयनगर**

✸ **कथन (A) :** बाबर ने 'बाबरनामा' तुर्की में लिखा।
कारण (R) : तुर्की मुगल दरबार की राजभाषा थी।
— A सही है, पर R गलत है।

✸ 'तुजुक-ए-बाबरी' लिखा गया था **— तुर्की भाषा में**

✸ अयोध्या स्थित बाबरी मस्जिद का निर्माण कराया था **— मीर बाकी ने**

हुमायूं और शेरशाह

✸ कामरान, उस्मान, अस्करी तथा हिन्दाल में से वह जो हुमायूं का भाई नहीं था **— उस्मान**

✸ हुमायूं द्वारा लड़े गए चार प्रमुख युद्धों का तिथि अनुसार सही क्रम है **— दौराह चौसा, कन्नौज, सरहिंन्द**

✸ फ़रीद, जो बाद में शेरशाह सूरी बना, ने शिक्षा प्राप्त की थी **— जौनपुर से**

✸ बलबन, अलाउद्दीन खिलजी, इब्राहिम लोदी तथा शेरशाह मध्ययुगीन शासकों में से वह, जो उच्च शिक्षित था **— शेरशाह**

✸ बहलोल लोदी, सिकंदर लोदी, शेरशाह सूरी तथा इस्लाम शाह सूरी में से वह सुल्तान जिसने पहले ''हजरते आला'' (Hazrat-e-Ala) की उपाधि अपनाई और बाद में 'सुल्तान' की **— शेरशाह सूरी**

✸ शेरशाह सूरी द्वारा किए गए सुधारों में सम्मिलित थे **— राजस्व सुधार, प्रशासनिक सुधार, सैनिक सुधार, करेंसी प्रणाली में सुधार**

✸ दिल्ली सल्तनत के पराभव के उपरांत वह शासक जिसके द्वारा स्वर्ण मुद्रा का सर्वप्रथम प्रचलन किया गया **— हुमायूं**

✸ हुमायूं ने चुनार दुर्ग पर प्रथम बार आक्रमण किया **— 1532 ई. में**

✸ अपने बादशाह पति के लिए मकबरे का निर्माण करवाया था **— हाजी बेगम ने**

✸ चांदी का सिक्का शुरू किया **— शेरशाह ने**

✸ शेरशाह के अंतर्गत तांबे के दाम और चांदी के रुपया की विनिमय दर थी **— 64:1**

✸ शेरशाह सूरी की मृत्यु हुई **— कालिंजर में**

✸ ''मात्र एक मुट्ठी बाजरे के चक्कर में मैंने अपना साम्राज्य खो दिया होता।'' यह कथन संबद्ध है **— शेरशाह से**

✸ शेरशाह का मकबरा है **— सासाराम में**

✸ शेरशाह ने निर्माण करवाया था **— दिल्ली की किला-ए-कुहना मस्जिद का**

✸ दिल्ली में 'पुराना किला' के भवनों का निर्माण किया था **— शेरशाह ने**

✸ कृषकों की सहायता के लिए जिस मध्यकालीन भारतीय शासक ने पट्टा एवं कबूलियत की व्यवस्था प्रारंभ की थी, वह है **— शेरशाह**

अकबर

✸ काबुल, लाहौर, सरहिंद तथा कालानौर में से वह स्थान, जहां पर अकबर को हुमायूं की मृत्यु की सूचना मिलने पर राजगद्दी पर बैठाया गया था **— कालानौर**

✸ हल्दी घाटी के युद्ध के पीछे अकबर का मुख्य उद्देश्य था **— राणा प्रताप को अपने अधीन लाना**

✸ हल्दी घाटी का युद्ध हुआ था **— 1576 ई. में**

✸ हल्दी घाटी के युद्ध में महाराणा प्रताप की सेना के सेनापति थे **— हकीम खान**

✸ अकबर ने सर्वप्रथम वैवाहिक संबंध राजपूतों के जिस गृह से स्थापित किए, वह था **— कछवाहों से**

✸ चिश्ती संत की दरगाह जहां पर अकबर दर्शन हेतु अधिक जाता था **— मुइनुद्दीन चिश्ती**

✸ अधम खां, बैरम खां, बाज बहादुर तथा पीर मुहम्मद खां में से वह, जिसे अकबर ने स्वयं मारा था **— अधम खां**

✸ राजपूताना का वह राज्य जिसने अकबर की संप्रभुता स्वयं स्वीकार नहीं की थी **— मेवाड़**

✸ वह राजपूत शासक जिसने मुगलों के विरुद्ध निरंतर स्वतंत्रता का संघर्ष जारी रखा और समर्पण नहीं किया **— मारवाड़ के राव चंद्रसेन**

✸ अकबर के साथ युद्ध करने वाली दुर्गावती रानी थी **— मंडला अथवा गोंडवाना की**

✸ अकबर को राष्ट्रीय सम्राट सिद्ध करने में सहायक तथ्य है **— प्रशासकीय एकता और कानूनों की एकरूपता सांस्कृतिक एकता का प्रयत्न एवं उसकी धार्मिक नीति**

✸ अकबर की लोकप्रियता के कारण थे **— मनसबदारी प्रथा, धार्मिक नीति, भू-राजस्व व्यवस्था, सामाजिक सुधार**

✸ वह मुस्लिम शासक जिसने तीर्थयात्रा-कर समाप्त कर दिया था **— अकबर**

✸ बाबर, हुमायूं, अकबर तथा औरंगजेब बादशाहों में से वह जिसको 'प्रबुद्ध निरंकुश' कहा जा सकता है **— अकबर**

✸ अकबर का शासन जाना जाता है — **— क्षेत्रों को जीतने के लिए, अपनी प्रशासनिक व्यवस्था के लिए, न्यायिक प्रशासन के लिए**

✸ अकबर के शासनकाल में पुनर्गठित केंद्रीय प्रशासन तंत्र के अंतर्गत सैनिक विभाग का प्रमुख था **— मीर बख्शी**

✸ अकबर कालीन सैन्य व्यवस्था आधारित थी **— मनसबदारी**

✸ अकबर द्वारा दीवान का पूर्णरूपेण दर्जा दिया जाने वाला प्रथम व्यक्ति था **— मुजफ्फर खां तुरबती**

✸ अकबर ने जिस मनसबदारी प्रणाली को लागू किया वह उधार ली गई थी **— मंगोलिया में प्रचलित प्रणाली से**

✸ **कथन (A) :** अकबर के काल में, हर दस घुड़सवार सैनिकों के लिए मनसबदारों को बीस घोड़ों का रखरखाव करना पड़ता था।

कारण (R) : घोड़ों को यात्रा में आराम देना होता था और युद्ध के समय उनको बदलना आवश्यक होता था।

— A तथा R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।

✸ टोडरमल ने ख्याति अर्जित की थी **—भू-राजस्व के क्षेत्र में**

✸ जाब्ती, दहसाला, नसक तथा कानकुट में से वह कर-व्यवस्था जिसे बंदोबस्त व्यवस्था के नाम से भी जाना जाता है **— दहसाला**

✸ टोडरमल संबंधित थे **— मालगुजारी सुधारों से**

✸ भू-राजस्व प्रशासन के क्षेत्र में शेरशाह एवं अकबर के मध्य बीरबल, टोडरमल, भगवानदास तथा भारमल में से वह, जो नैरन्तर्य की कड़ी था **— टोडरमल**

✸ अकबर काल में भू-राजस्व व्यवस्था की एक प्रसिद्ध नीति 'आइन-ए-दहसाला' पद्धति निर्मित की गई थी **— टोडरमल द्वारा**

✸ अकबर ने 'दीन-ए-इलाही' प्रारंभ किया **— 1582 में**

✸ 'दीन-ए-इलाही' का प्रचार किया था **— अकबर ने**

✸ वह इतिहासकार जिसने 'दीन-ए-इलाही' को एक धर्म कहा **— अब्दुल कादिर बदायूंनी**

✸ इबादत खाने का निर्माण करवाया **— अकबर ने**

✸ फतेहपुर सीकरी का इबादतखाना था **— वह भवन जिसमें विभिन्न धर्मों के विद्वानों के साथ अकबर चर्चा करता था**

✸ स्वर्ण महल, पंचमहल, जोधाबाई महल एवं अकबरी महल में से वह स्मारक जो फतेहपुर सीकरी में नहीं है **— अकबरी महल**

✸ दिल्ली में स्थित वह ऐतिहासिक स्मारक जो भारतीय तथा फारसी वास्तुकला शैली का उदाहरण है **— हुमायूं का मकबरा**

✸ सुलह-ए-कुल का सिद्धांत प्रतिपादित किया गया था **— अकबर द्वारा**

✸ अकबर द्वारा अपनाई गई 'सुलह-ए-कुल' (सार्वभौम शांति तथा भाईचारा) की अवधारणा आधारित थी **— राजनीतिक उदारता, धार्मिक सहनशीलता एवं उदारवादी सांस्कृतिक दृष्टिकोण पर**

✸ वह मुगल बादशाह जिसके विरुद्ध जौनपुर से 'फत्वा' जारी हुआ था **— अकबर**

✸ **कथन (A) :** अकबर ने 1602 में फतेहपुर सीकरी में 'बुलंद दरवाजा' बनवाया।

कारण (R) : यह निर्माण अकबर ने अपने पुत्र जहांगीर के जन्म की खुशी में बनवाया। **— A सही है, परंतु R गलत है।**

✸ बुलंद दरवाजा, जामा मस्जिद, कुतुबमीनार तथा ताजमहल में से वह इमारत, जिसका निर्माण अकबर ने करवाया था **— बुलंद दरवाजा**

✸ जहांगीर, शाहजहां, हुमायूं तथा अकबर में से वह मुगल सम्राट जिसने शिक्षा संबंधी सुधार किए थे **— अकबर**

✸ अकबर द्वारा बनवाई गई श्रेष्ठतम इमारतें पाई जाती हैं **— फतेहपुर सीकरी में**

✸ अकबर द्वारा बनाई गई वह इमारत जिसका नक्शा बौद्ध विहार की तरह है **— पंच महल**

✸ जहांगीर महल स्थित है **— आगरा में**

✸ अकबर का मकबरा स्थित है **— सिकंदरा में**

✸ दिल्ली का लाल किला, आगरा का किला, इलाहाबाद का किला एवं लाहौर का किला में से वह किला जिसका निर्माण अकबर के राज्य काल में नहीं कराया गया था **— दिल्ली का लाल किला**

✸ सुमेलित हैं—

बाबर (1526-30)	—	काबुल
अकबर (1556-1605)	—	सिकंदरा
जहांगीर (1605-1627)	—	लाहौर
शाहजहां (1627-1658)	—	आगरा

✸ अकबर के काल में महाभारत का फारसी अनुवाद जिसके निर्देशन में हुआ, वह है **— फैजी**

✸ अब्दुल क़ादिर बदायूंनी, अबुल फजल, निजामुद्दीन अहमद तथा शेख मुबारक में से वह, जिसने महाभारत का फारसी में अनुवाद किया था **— अब्दुल क़ादिर बदायूंनी**

✸ महाभारत के फारसी अनुवाद का शीर्षक है **— रज्मनामा**

✸ वह, जो अकबर की इच्छानुसार रामायण का फारसी में अनुवाद किया था **— अब्दुल कादिर बदायूंनी**

✸ मुहम्मद हुसैन, मुकम्मल खां, अब्दुस्समद, मीर सैयद अली में से वह जिसे सम्राट अकबर द्वारा 'जरी कलम' की उपाधि प्रदान की गई थी **— मुहम्मद हुसैन**

✸ जैन साधु जो अकबर के दरबार में कुछ वर्ष रहा और जिसे जगद्गुरु की उपाधि से सम्मानित किया गया **— हरिविजय सूरि**

✸ अबुल हसन, दसवंत, किशनदास एवं उस्ताद मंसूर में से वह जो मुगल सम्राट अकबर के समय का प्रसिद्ध चित्रकार था **— दसवंत**

✸ इंग्लैंड की रानी एलिजाबेथ प्रथम का समकालीन भारतीय राजा था **— अकबर**

✸ वह मध्यकालीन भारतीय लेखक जिसने अमेरिका की खोज का उल्लेख किया है **— अबुल फजल**

✸ अकबर के दरबार में आने वाला पहला अंग्रेज व्यक्ति था– रॉल्फ फिंच

✸ अकबर के शासनकाल घटनाओं का व्यवस्थित क्रम है **— जजिया की समाप्ति, इबादतखाना का निर्माण, महजर पर हस्ताक्षर, दीन-ए-इलाही की स्थापना**

✸ अकबर ने बंगाल तथा बिहार को मुगल साम्राज्य में मिलाया **— 1576 ई. में**

जहांगीर

✸ 'दो-अस्पा' एवं 'सिह-अस्पा' प्रथा शुरू की थी **— जहांगीर ने**

✸ मुगल मनसबदारी व्यवस्था के संदर्भ सही कथन हैं **— 'जात' एवं 'सवार' पद प्रदान किए जाते थे। मनसबदार आनुवंशिक नहीं होते थे। मनसबदारों के तीन वर्ग थे।**

✸ मुगलों एवं मेवाड़ के राणा के मध्य 'चित्तौड़ की संधि' जिस शासक के शासनकाल में हस्ताक्षरित हुई थी, वह है **— जहांगीर**

✸ ईस्ट इंडिया कंपनी ने जहांगीर के दरबार में पहले भेजा था **— हॉकिंस को**

✸ जहांगीर के दरबार में ब्रिटिश शासक जेम्स प्रथम का राजदूत था **— वितियम हॉकिंस**

✸ जहांगीर ने 'खान' की उपाधि से सम्मानित किया था **— हॉकिंस को**

✸ मुगल-सम्राट जहांगीर ने 'इंग्लिश खान' की उपाधि दी थी **— वितियम हॉकिंस को**

✸ ब्रिटिश राजदूत के रूप में सर थॉमस रो भारत आया था **— जहांगीर के शासनकाल में**

✸ इंग्लैंड के जेम्स प्रथम के राजदूत सर थॉमस रो भारत आए थे **— 1615 ई. में**

✸ जहांगीर ने थॉमस रो को मिलने का अवसर दिया था **— अजमेर में**

✸ भारत में इंग्लैंड का वह दूत जो जहांगीर के पीछे अजमेर से मांडू आया **— थॉमस रो**

✸ एक डच पर्यटक, जिसने जहांगीर के शासनकाल का मूल्यवान विवरण दिया है, वह था **— फ्रांसिस्को पेलसर्ट**

✸ वह मुगल शासक जिनका मकबरा भारत में नहीं है **— जहांगीर तथा बाबर**

✸ सम्राट जहांगीर को दफन किया गया **— लाहौर में**

✸ मुगल चित्रकला अपनी पराकाष्ठा पर पहुंची **— जहांगीर के राज्यकाल में**

✸ जहांगीर ने नादिर-उज़-ज़मां की पदवी दी थी **— अबुल हसन को**

✸ वह चित्रकार जिसे 'नादिर-उल-असर' की उपाधि प्रदान की गई **— मंसूर**

✸ जहांगीर के दरबार में पक्षियों का सबसे बड़ा चित्रकार था **— मंसूर**

✸ बाबर, अकबर, जहांगीर तथा औरंगजेब मुगल बादशाहों में वह जिसने अपनी आत्मकथा (Autobiography) फारसी में लिखी **— जहांगीर**

✸ अबुल फज़ल के हत्यारे को पुरस्कृत किया था **— जहांगीर ने**

✸ जहांगीर के विरुद्ध विद्रोह किया था **— खुर्रम, महाबत खां एवं खुसरो ने**

✸ खुसरो जिस मुगल बादशाह का पुत्र था, वह है **— जहांगीर**

✸ जहांगीर, गियास बेग, आसफ खां, खुर्रम में से वह जो नूरजहां के गुट का सदस्य नहीं था **— खुर्रम**

✸ ऐतमादुद्दौला का मकबरा आगरा में बनवाया था **— नूरजहां ने**

✸ सुमेलित हैं–

निर्माता	स्मारक
बाबर	जामा मस्जिद (संभल)
हुमायूं	दीन पनाह
अकबर	जहांगीरी महल
जहांगीर	अकबर के मकबरे को पूर्ण करवाना

✸ गोविंद महल, जो हिंदू वास्तुकला का अप्रतिम उदाहरण है, स्थित है **— दतिया में**

✸ सुमेलित हैं–

अकबर का मकबरा	– सिकंदरा
जहांगीर का मकबरा	– शाहदरा
शेख सलीम चिश्ती का मकबरा	– फतेहपुर सीकरी
शेख निजामुद्दीन औलिया का मकबरा	– दिल्ली

शाहजहां

✸ ईरान के शाह और मुगल शासकों के बीच झगड़े की जड़ थी
— कंधार

✸ कंधार के निकल जाने से मुगल साम्राज्य को एक बड़ा धक्का पहुंचा
— सामरिक महत्व के केंद्र के दृष्टिकोण से (Strategic Stronghold)

✸ शाहजहां के बल्ख अभियान का उद्देश्य था
— काबुल की सीमा से सटे बल्ख और बदख्शां में एक मित्र शासक को लाना

✸ वह जिसने बनारस एवं इलाहाबाद के तीर्थयात्रा कर की समाप्ति के लिए मुगल बादशाह के सामने बनारस के पंडितों का नेतृत्व किया था
— कवींद्राचार्य

✸ कलीम, काशी, कुदसी तथा मुनीर में से वह जो शाहजहां के शासनकाल का 'राजकवि' था **— कलीम**

✸ मुमताज महल का असली नाम था **— अर्जुमंद बानो बेगम**

✸ हिंदू तथा ईरानी वास्तुकला का सर्वप्रथम समन्वय हमें देखने को मिलता है **— ताजमहल में**

✸ वह मुगल बादशाह जिसने दिल्ली की जामा मस्जिद का निर्माण करवाया
— शाहजहां

✸ अकबर, जहांगीर, शाहजहां तथा औरंगजेब में से वह जिसने साम्राज्य की राजधानी आगरा से दिल्ली स्थानांतरित की **— शाहजहां**

✸ सुमेलित हैं–

स्मारक		निर्माता
अलाई दरवाजा	–	अलाउद्दीन खिलजी
बुलंद दरवाजा, फतेहपुर सीकरी	–	अकबर
मोती मस्जिद, आगरा	–	शाहजहां
मोती मस्जिद, दिल्ली	–	औरंगजेब

✸ दिल्ली के लाल किले का निर्माण करवाया था **— शाहजहां ने**

✸ उपनिषदों का फारसी में अनुवाद जिस मुगल सम्राट के शासनकाल में हुआ, वह है **— शाहजहां**

✸ शाहजहां ने 'शाह बुलंद इकबाल' की पदवी दी थी**— दारा शिकोह को**

✸ दारा शिकोह ने उपनिषदों का फारसी में अनुवाद किया था
— सिर्र-ए-अकबर शीर्षक के अंतर्गत

✸ अमीर खुसरो, दारा शिकोह, अमीर हसन एवं शुजा में से हिंदू धर्मग्रंथों का अध्ययन करने वाला प्रथम मुस्लिम था **— दारा शिकोह**

✸ वी.ए. स्मिथ, जे.एन. सरकार तथा ए.एल. श्रीवास्तव में वह इतिहासकार जिसने शाहजहां के शासनकाल को मुगलकाल का 'स्वर्ण युग' कहा है
— ए.एल. श्रीवास्तव

✸ सुप्रसिद्ध 'कोहिनूर' हीरा शाहजहां को उपहार में दिया था
— मीर जुमला ने

✸ वह मुगल बादशाह जिसने बलबन द्वारा प्रारंभ किया गया दरबारी रिवाज़ 'सिजदा' समाप्त कर दिया था **— शाहजहां**

✸ दारा शिकोह, मुराद बख्श, शाह शुजा तथा औरंगज़ेब में से वह जो शाहजहां के शासनकाल में अधिकांश समय तक दक्कन का गवर्नर रहा, था **— औरंगज़ेब**

औरंगजेब

✸ **कथन (A) :** मुगल गद्दी पर औरंगजेब शाहजहां का उत्तराधिकारी हुआ।
कारण (R) : ज्येष्ठ पुत्र के उत्तराधिकार के नियम का पालन किया गया।
— (A) सत्य है और (R) असत्य है

✸ अकबर, जहांगीर, शाहजहां तथा औरंगजेब में से वह मुगल बादशाह जिसका दो बार राज्याभिषेक हुआ था **— औरंगजेब**

✸ धरमट का युद्ध लड़ा गया
— औरंगजेब तथा दारा शिकोह

✸ औरंगजेब ने जोधपुर के शासक जसवंत सिंह को 1658 ई. के धरमट के युद्ध में पराजित किया था, धरमट स्थित है
— मध्य प्रदेश में

✸ मुगल शहज़ादा जिसने श्रीनगर गढ़वाल में आश्रय लिया था
— सुलेमान शिकोह

✸ औरंगजेब का वह पुत्र जिसने विद्रोह करके राजपूतों के विरुद्ध अपने पिता की स्थिति दुर्बल कर दी थी **— अकबर**

✸ वह मुगल सेनापति जिसके साथ शिवाजी ने 1665 ई. में पुरंदर की संधि पर हस्ताक्षर किए थे **— जयसिंह**

✸ वह मुगल बादशाह जिसको 'जिंदा पीर' कहा जाता था **— औरंगजेब**

✸ औरंगजेब ने बीजापुर की विजय की थी **— 1686 ई. में**

✸ औरंगजेब ने दक्षिण में, जिन दो राज्यों को विजय किया था, वह थे
— बीजापुर एवं गोलकुंडा

✸ वह बादशाह जिसके अंतर्गत मुगल सेना में सर्वाधिक हिंदू सेनापति थे
— औरंगजेब

✸ मुगल सम्राट जिसने सर्वाधिक संख्या में हिंदू अधिकारियों की नियुक्ति की थी **— औरंगजेब**

✸ 'जजिया' जिसके शासनकाल में पुनः लगाया गया था, वह शासक है
— औरंगजेब

✸ औरंगजेब द्वारा चलाए 'जिहाद' का अर्थ है **— दारूल-इस्लामी**

✸ 'बीबी का मकबरा' का निर्माता था **— औरंगजेब**

✸ वह मकबरा जो 'द्वितीय ताजमहल' कहलाता है **— राबिया-उद्-दौरानी का मकबरा**

✸ जहांआरा, रोशन आरा, गौहर आरा तथा मेहरुन्निसा में से वह जो सम्राट औरंगजेब की पुत्री थी **— मेहरुन्निसा**

✸ औरंगज़ेब ने 'साहिबात-उज़-ज़मानी' की उपाधि प्रदान की **— जहांआरा को**

✸ संत रामदास को संबंधित किया जाता है **— औरंगजेब के शासनकाल से**

मुगलकालीन प्रशासन

✸ मुगल प्रशासन के दौरान जिले को जाना जाता था **— सरकार के नाम से**

✸ मुगलकाल में सेना का प्रधान था **— मीर बख्शी**

✸ मुगल शासन में मीर बख्शी का कर्त्तव्य था **— भू-राजस्व अधिकारियों का पर्यवेक्षण**

✸ बर्नियर, करेरी ,मनूची तथा टैवर्नियर में से वह, जिसे मुगल सेना में चिकित्सक नियुक्त किया गया था **— मनूची**

✸ मुगल प्रशासन में 'मुहतसिब' था **— लोक आचरण अधिकारी**

✸ मध्यकालीन भारत में मनसबदारी प्रथा खासतौर पर इसलिए चालू की गई थी, ताकि **— साफ-सुथरा प्रशासन लागू हो सके**

✸ मुगल मनसबदारी व्यवस्था के विषय में सत्य है **— इसमें 33 वर्ग थे। उन्हें 'मशरुत' अथवा सशर्त पद प्राप्त होते थे। उनका 'सवार' पद 'जात' पद से अधिक नहीं हो सकता था। समस्त कार्यकारी एवं सैन्य अधिकारियों को मनसब प्रदान किए जाते थे।**

✸ मुगलकालीन भारत में राज्य की आय का प्रमुख स्रोत था **— भू-राजस्व**

✸ मुगल प्रशासनिक शब्दावली में 'माल' प्रतिनिधित्व करता है **—भू-राजस्व का**

✸ मुगल सम्राट जिसने तंबाकू के प्रयोग पर निषेध लगाया था **— जहांगीर**

✸ मुगल प्रशासन में 'मदद-ए-माश' इंगित करता है– **— विद्वानों को दी जाने वाली राजस्व मुक्त अनुदत्त भूमि**

✸ **कथन (A) :** मुगलकाल में मनसबदारी प्रथा विद्यमान थी।
कारण (R) : मनसबदारों का चयन योग्यता के आधार पर होता था।
— कथन सही है, परंतु कारण गलत है।

✸ (A) सभी मनसबदार सेना के पदाधिकारी नहीं होते थे।
(B) मुगल शासन के अधीन उच्च पदाधिकारी भी मनसबदार होते थे, और उनका वर्गीकरण होता था।
— (A) एवं (B) दोनों ही सही हैं।

✸ भोज, सिद्धराज जयसिंह, जैन उल आबिदीन तथा अकबर में से वह जिसने रामसीता की आकृतियों और 'रामसीय' देवनगरी लेख से युक्त कुछ सिक्के चलाए **— अकबर**

✸ मुगल शासन में तांबे का सिक्का कहलाता था **— दाम**

✸ मध्यकाल में बंटाई शब्द का अर्थ था **— लगान निर्धारण का तरीका**

मुगलकालीन संगीत एवं चित्रकला

✸ मुगल चित्रकला के विषय में सत्य कथन है **— युद्ध-दृश्य, पशु-पक्षी और प्राकृतिक दृश्य तथा दरबारी चित्रण**

✸ चित्र कला की मुगल शैली का प्रारंभ किया था **— हुमायूं ने**

✸ चित्रकला की मुगल कलम भारतीय लघुचित्र कला की रीढ़ है। पहाड़ी, राजस्थानी, कांगड़ा तथा कालीघाट में से वह कलम जिस पर मुगल चित्रकला का प्रभाव नहीं पड़ा **— कालीघाट**

✸ 'दास्तान-ए-अमीर हम्जा' का चित्रांकन किया गया **— अब्दुस्समद द्वारा**

✸ प्रसिद्ध जहांगीरी चित्रकार थे **— अबुल हसन, उस्ताद मंसूर, फार्रुखबेग, बिशनदास, अकारिजा, मोहम्मद नादिर, मोहम्मदगुराद, मनोहर, माधव तथा गोवर्धन**

✸ मुगल चित्रकला ने उन्नति की **— जहांगीर के शासनकाल में**

✸ 'पहाड़ी स्कूल', 'राजपूत स्कूल', 'मुगल स्कूल' और 'कांगड़ा स्कूल' विभिन्न शैलियों को दर्शित करते हैं **— चित्रकला की**

✸ 'किशनगढ़' शैली जिस कला के लिए प्रसिद्ध है, वह है **— चित्रकला**

✸ वह एक संगीत वाद्य जिसे बजाने में औरंगजेब की दक्षता थी **— वीणा**

✸ प्रातःकाल में गाया जाने वाला राग है **— तोड़ी**

✸ तानसेन, बैजू बावरा और गोपाल नायक जैसे संगीतज्ञों ने स्वामी हरिदास से प्रशिक्षण प्राप्त किया था। स्वामी हरिदास के अनुयायियों ने स्थापित किए हैं **— 5 संगीत अर्चना केंद्र**

✸ अकबर के शासनकाल में ध्रुपद गायकों में सम्मिलित थे **— तानसेन एवं हरिदास**

✸ प्रसिद्ध तानसेन का मकबरा स्थित है **— आगरा में**

✸ तानसेन का मूल नाम था **— रामतनु पांडेय**

✸ हुमायूं, जहांगीर, अकबर तथा शाहजहां में से वह मुगल शासक जिसने लाला कलावंत से हिंदू संगीत की शिक्षा ली **— अकबर**

मुगलकालीन साहित्य

✸ गुलबदन बेगम पुत्री थी **— बाबर की**

✸ वह महिला जिसने मुगलकाल में ऐतिहासिक विवरण लिखे **— गुलबदन बेगम**

✸ 'हुमायूंनामा' की रचना की थी **— गुलबदन बेगम ने**

✸ दिल्ली का वह शिक्षा केंद्र जो मदरसा-ए-बेगम कहलाता था, स्थापित किया गया था **— माहम अनगा द्वारा**

✸ 'हितोपदेश' का फारसी में अनुवाद किया था **— ताजुल माली ने**

✸ सुमेलित हैं –

हसन निज़ामी	–	ताजुल मासिर
ख्वांदमीर	–	हुमायूंनामा
मुहम्मद काज़िन	–	आलमगीरनामा
भीम सेन	–	नुश्खा-ए-दिलकुशा

✸ सही सुमेलन है–

आलमगीर नामा	–	मिर्जा मोहम्मद काज़िम
तबकाते अक़बरी	–	निज़ामउद्दीन अहमद
चहार चमन	–	चन्द्र भान ब्रहमन
इकबाल नामा जहांगीरी	–	मुअतमद खां

✸ अबुल फजल, फैजी, अब्दुर्रहीम खानखाना एवं अब्दुल कादिर बदायूंनी में से वह, जिनका हिंदी साहित्य के लिए सबसे महत्वपूर्ण योगदान है **— अब्दुर्रहीम खानखाना**

✸ भारत के इतिहास के संदर्भ में अब्दुल हमीद लाहौरी थे **— शाहजहां के शासन के एक राजकीय इतिहासकार**

✸ शाहजहांनामा के लेखक हैं **— इनायत खां**

✸ सुमेलित हैं–

बाबर	–	तुजुक-ए-बाबरी
गुलबदन बेगम	–	हुमायूंनामा
अब्बास खां शरवानी	–	तारीखे शेरशाही
निजामुद्दीन अहमद	–	तबकाते अकबरी

✸ 'अनवार-ए-सुहाइली' नामक ग्रंथ अनुवाद है **— पंचतंत्र का**

✸ अबुल फज़ल द्वारा 'अकबरनामा' पूरा किया गया था **— सात वर्षों में**

✸ मुगलकाल में दरबारी तथा अदालती भाषा थी **— फारसी**

✸ नस्तालीक है **— एक प्रकार की फारसी लिपि जो मध्यकालीन भारत में प्रयुक्त होती थी**

✸ कवि हृदय वह राजा जिसने नागरीदास के नाम से कृष्ण की प्रशंसा में छंद लिखे **— राजा सावंत सिंह**

✸ महत्वपूर्ण कृतियां 'रामचंद्रिका' एवं 'रसिकप्रिया' की रचना की थी **— केशव ने**

मुगल काल : विविध

✸ सही सुमेलित हैं–

जहांगीर	–	विलियम हॉकिंस
अकबर	–	विलियम फिंच
शाहजहां	–	टेवर्नियर
औरंगजेब	–	मनूची

✸ सही सुमेलन हैं–

हॉकिन्स	–	1608-1611
टामस रो	–	1615-1619
मनुची	–	1653-1708
राल्फ फिश	–	1585-1586

✸ मुस्लिम शासकों का सही कालानुक्रम **— जहांगीर, मुहम्मद शाह, अहमद शाह अब्दाली, बहादुर शाह-II**

✸ चार बाहरी आक्रमणों का व्यवस्थित क्रम है **— चंगेज खां, तैमूर, नादिरशाह, अहमद शाह अब्दाली**

✸ सत्य कथन हैं **— अहमद शाह अब्दाली ने पानीपत का तृतीय युद्ध लड़ा, कुतुबुद्दीन ने दिल्ली सल्तनत की स्थापना की, औरंगजेब ने उत्तराधिकार का युद्ध लड़ा जहांगीर सौंदर्य तथा प्रकृति का प्रेमी था।**

✸ सुमेलित हैं–

नादिरशाह द्वारा दिल्ली में कत्लेआम	–	1739
बाबर और इब्राहिम लोदी के बीच पानीपत की पहली लड़ाई	–	1526
हेमू और अकबर के बीच पानीपत का दूसरी लड़ाई	–	1556
अहमद शाह अब्दाली और मराठों के बीच पानीपत की तीसरी लड़ाई	–	1761

✸ हेमचंद्र विक्रमादित्य भारतीय इतिहास में जाने जाते हैं **— हेमू नाम से**

✸ सुमेलित हैं–

तराइन का दूसरा युद्ध	-	1192
औरंगजेब की मृत्यु	-	1707
पानीपत का तृतीय युद्ध	-	1761
अकबर की मृत्यु	-	1605

✸ सही सुमेलन हैं–

हल्दी घाटी का युद्ध	-	अकबर (राणा प्रताप के विरुद्ध)
बिलग्राम का युद्ध	-	हुमायूं (शेरशाह के विरुद्ध)
खुसरो का विद्रोह	-	जहांगीर
खानवा का युद्ध	-	बाबर (राणा सांगा के विरुद्ध)

✸ सुमेलित हैं–

सूची-I		सूची-II
1556	-	अकबर का राज्यारोहण
1600	-	ईस्ट इंटिया कंपनी को अधिकार-पत्र प्रदान किया
1680	-	शिवाजी का देहांत
1739	-	नादिर शाह का दिल्ली पर कब्जा

✸ सुमेलित हैं–

पानीपत का तृतीय युद्ध	-	1761 ई.
हल्दी घाटी का युद्ध	-	1576 ई.
तराइन का द्वितीय युद्ध	-	1192 ई.
असीरगढ़ का युद्ध	-	1601 ई.

✸ अता अली खां नाम था **— तानसेन का**

✸ समेलित है–

सूची-I	सूची-II
इक्ता (Iqta)	दिल्ली के सुल्तान
जागीर (Jagir)	मुगल
अमरम (Amaram)	विजयनगर
मोकासा (Mokasa)	मराठे

✸ 'बाबुल मक्का' (मक्का द्वार) कहा जाता था **— सूरत को**

✸ मुगलों ने नवरोज का त्यौहार लिया **— पारसियों से**

✸ मुगलकाल में जिस मदरसे ने 'मुस्लिम न्याय-शास्त्र' की पढ़ाई में विशिष्टता हासिल की, वह स्थित था **— लखनऊ में**

✸ कालक्रमानुसार व्यवस्थित है

— पद्मिनी, दुर्गावती, ताराबाई, अहिल्याबाई

✸ सही सुमेलित हैं–

सूची-I		सूची-II
बाबर	-	जमी मस्जिद (संभल)
हुमायूं	-	दीन पनाह
अकबर	-	जहांगीरी महल
जहांगीर	-	एत्माद-उद-दौला का मकबरा

✸ सही सुमेलित हैं–

इमारतों		शासकों
कुतुबमीनार	-	इल्तुतमिश
गोल गुंबद	-	मुहम्मद आदिल शाह
बुलंद दरवाजा	-	अकबर
मोती मस्जिद	-	औरंगजेब

✸ मुगलकाल के युद्धों का सही कालक्रम है

— खानवा का युद्ध, घाघरा का युद्ध, चौसा का युद्ध, सामूगढ़ का युद्ध

✸ सुमेलित हैं–

स्मारक		निर्माता
अलाई दरवाजा, दिल्ली	-	अलाउद्दीन खिलजी
बुलंद दरवाजा, फतेहपुर सीकरी	-	अकबर
मोती मस्जिद, आगरा	-	शाहजहां
मोती मस्जिद, दिल्ली	-	औरंगजेब

✸ मुगलकाल में 'मौल्लिम' था

— व्यापारिक जहाजों पर बैठने वाला एक कर्मचारी

✸ भारतीय इतिहास के मध्यकाल में बंजारे सामान्यत: थे **— व्यापारी**

सिक्ख संप्रदाय

✸ गुरु नानक ने अपना उत्तराधिकारी नियुक्त किया था**— गुरु अंगद को**

✸ पंजाब में अमृतसर नगर को स्थापित किया था **— गुरु रामदास ने**

✸ वह सिक्ख गुरु जिसे अकबर ने 500 बीघा जमीन दी थी**— रामदास**

✸ सुमेलित हैं–

गुरु अर्जुन देव	–	आदि ग्रंथ
कर्पूर सिंह	–	दल खालसा
गुरु अमरदास	–	मनजी

✸ वह सिक्ख गुरु जिसने विद्रोही राजकुमार खुसरो की सहायता धन एवं आशीर्वाद से की थी **— गुरु अर्जुन देव**

✸ आदि ग्रंथ अथवा गुरु ग्रंथ साहेब का संकलन किया था

— गुरु अर्जुन देव ने

✸ वह सिक्ख गुरु जिनको तत्कालीन शासकों द्वारा मृत्युदंड दिया गया था

— गुरु अर्जुन देव एवं गुरु तेग बहादुर

✸ वह सिक्ख गुरु, जिसकी मृत्यु के लिए औरंगजेब जिम्मेदार है

— गुरु तेग बहादुर

✸ हेमकुंड, ताराकुंड तथा ब्रह्मकुंड में से वह स्थान जिस पर एक प्रसिद्ध सिक्ख गुरुद्वारा अवस्थित है **— हेमकुंड**

✸ जिस सिख गुरु का जन्म पटना में हुआ था **— गोविंद सिंह**

✸ वह, जिनकी समाधि के कारण नांदेड़ गुरुद्वारा सिक्खों द्वारा पवित्र माना जाता है **— गुरु गोविंद सिंह की**

✸ गुरु गोविंद सिंह की महानता निहित है इसमें कि **— उन्होंने सिक्खों की सैनिक व्यवस्था का गठन किया**

✸ 'खालसा पंथ' प्रारंभ हुआ **— 300 वर्ष पहले**

✸ वह सिक्ख गुरु जिसने खालसा पंथ की स्थापना की थी

— गुरु गोविंद सिंह

✸ सिक्खों के अंतिम गुरु थे **— गुरु गोविंद सिंह**

✸ बंदा बहादुर का मूल नाम था **— लच्छन देव**

✸ सिक्ख साम्राज्य का अंतिम शासक था **— दलीप सिंह**

मराठा राज्य और संघ

✸ मराठों के उत्कर्ष के कारण है
— धार्मिक चेतना, भौगोलिक सुरक्षा, राजनैतिक जागृति, उच्च नेतृत्व शक्ति
✸ शिवाजी ने मुगलों को हराया था **— सलहार के युद्ध में**
✸ शिवाजी का जन्म हुआ **— 1627 ई. में**
✸ वह सेनानायक, जिसे बीजापुर के सुल्तान ने 1659 ई. में शिवाजी को दबाने के लिए भेजा था **— अफजल खां**
✸ शिवाजी मुगलों की कैद से भागने के समय जिस नगर में कैद थे, वह है **— आगरा**
✸ शिवाजी की राजधानी थी **— रायगढ़ में**
✸ शिवाजी का छत्रपति के रूप में औपचारिक राज्याभिषेक हुआ था **— रायगढ़ में**
✸ शिवाजी के गुरु का नाम था **— रामदास**
✸ अष्ट प्रधान नाम की मंत्रिपरिषद थी **— मराठा प्रशासन में**
✸ शिवाजी के समय 'सरनोबात' का पद संबद्ध था **— सैन्य प्रशासन से**
✸ शिवाजी के अष्ट प्रधान का जो सदस्य विदेशी मामलों की देखरेख करता था, वह था **— सुमंत**
✸ 'अष्ट प्रधान' मंत्रिपरिषद जिसके राज्य प्रबंध में सहायता करती थी, वह है **— शिवाजी**
✸ **कथन (A) :** राज्य के मामले में शिवाजी एक मंत्रिपरिषद से परामर्श लेते थे।
कारण (R) : प्रत्येक मंत्री अपने विभाग का स्वतंत्र प्रभार रखता था।
— A सही है, परंतु R गलत है।
✸ शंभाजी के बाद मराठा शासन को सरल और कारगर बनाया **— बालाजी विश्वनाथ ने**
✸ पेशवाओं के शासन का सही क्रम है **— बालाजी विश्वनाथ, बाजीराव, बालाजी बाजीराव, माधव राव**
✸ सही कालानुक्रम है **— शम्भाजी, राजाराम, शिवाजी II , छत्रपति शाहूजी**
✸ **कथन (A) :** 1750 ई. तक मराठा साम्राज्य पेशवा की अध्यक्षता में एक परिसंघ बन गया।
कारण (R) : शाहू के उत्तराधिकारी पेशवा की इच्छा पर निर्भर थे।
— A तथा R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
✸ औरंगजेब की मृत्यु के समय मराठा नेतृत्व हाथों में था **— ताराबाई के**
✸ अहिल्याबाई, मुक्ताबाई, ताराबाई तथा रुक्मिणीबाई मराठा देवियों में जिसने 1700 ई. से आगे मुगल साम्राज्य के विरुद्ध संघर्ष का नेतृत्व किया, वह थी **— ताराबाई**
✸ सरंजामी प्रथा संबंधित थी **— मराठा भू-राजस्व प्रथा से**
✸ एक इतिहासकार ने पानीपत की तीसरी लड़ाई को स्वयं देखा, वह था **— काशीराज पंडित**
✸ अहमद शाह अब्दाली के भारत पर आक्रमण और पानीपत की तीसरी लड़ाई लड़ने का तात्कालिक कारण था **— वह मराठों द्वारा लाहौर से अपने वायसराय तैमूर शाह के निष्कासन का बदला लेना चाहता था।**
✸ पानीपत के तीसरे युद्ध में मराठों को हराया था **— अफगानों ने**
✸ पानीपत का तीसरा युद्ध लड़ा गया **— 14 जनवरी, 1761 को मराठा तथा अहमद शाह अब्दाली के बीच**
✸ गुलाम कादिर रूहेला, नजीब खान, अली मुहम्मद खां तथा हफीज रहमत खां में से वह रूहेला सरदार जो अहमद शाह अब्दाली का विश्वासपात्र था **— नजीब खान**
✸ 'मोडी लिपि' का प्रयोग किया जाता था **— मराठों के विलेखों में**

मुगल साम्राज्य का विघटन

✸ औरंगजेब की 1707 ईस्वी में मृत्यु होने के बाद सत्ता संभाली **— बहादुर शाह प्रथम ने**
✸ मुगल सम्राट जहांदार शाह के शासन के समय से पूर्व अंत का कारण था **— एक युद्ध में वे अपने भतीजे द्वारा पराजित हुए**
✸ अकबर, जहांगीर, बहादुरशाह तथा फर्रुखसियर में से वह मुगल सम्राट जिसने अंग्रेजों को बंगाल में शुल्क-मुक्त व्यापार की सुविधा प्रदान की थी **— फर्रुखसियर**
✸ मयूर सिंहासन पर बैठने वाला अंतिम मुगल सम्राट था **— मुहम्मद शाह**
✸ नादिरशाह के आक्रमण के समय मुगल शासक था **— मुहम्मद शाह**
✸ वह शासक, जिसके शासन में हिजड़ों तथा महिलाओं के एक वर्ग का प्रभुत्व था **— मुहम्मद शाह (1719-48)**
✸ वह मुगल बादशाह जो 'रंगीला' के नाम से जाना जाता है **— मुहम्मद शाह**
✸ वह मुगल बादशाह जिसको वजीर गाजीउद्दीन ने दिल्ली में दाखिल नहीं होने दिया था **— शाह आलम द्वितीय**
✸ अंतिम मुगल सम्राट बहादुर शाह था। उसके पिता का नाम था **— अकबर शाह II**
✸ अवध का प्रथम नवाब था **— सआदत खां**
✸ हैदराबाद के स्वतंत्र राज्य का संस्थापक था **— चिनकिलिच खां**
✸ वह, जिसने दिल्ली में खगोलीय वेधशाला, जिसे 'जंतर-मंतर' कहते हैं, बनवाई थी **— जयसिंह द्वितीय**
✸ महाराजा जयसिंह II ने वेधशालाएं बनवाई थीं **— दिल्ली, जयपुर, उज्जैन एवं वाराणसी में**
✸ 1773 ई. में 'जिज मुहम्मदशाही' पुस्तक, जो नक्षत्रों संबंधी ज्ञान से संबंधित है, के लेखक हैं **— जयपुर के सवाई जयसिंह**